भारत इलेक्ट्रॉनिक्स
BHARAT ELECTRONICS
QUALITY. TECHNOLOGY. INNOVATION.

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

वार्षिक प्रतिवेदन
2016-17

डीपीएसयू में नौसेना प्रणाली (आर एवं एफसीएस) रणनीतिक कारोबार यूनिट, बीईएल बेंगलूरू को
"श्रेष्ठ कार्य निष्पादन विभाग" के लिए रक्षा मंत्री पुरस्कार

श्री एम वी गौतमा, सीएमडी को श्री एच एन अनन्त कुमार,
संसदीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार एवं सुश्री सुमित्रा महाजन,
लोक सभा अध्यक्ष द्वारा अधम्या चेतना सेवा उत्साव में सम्मानित किया गया

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स
BHARAT ELECTRONICS
QUALITY. TECHNOLOGY. INNOVATION.

कार्पोरेट दृष्टि, ध्येय, मूल्य और उद्देश्य

दृष्टि

पेशेवर इलेक्ट्रॉनिकी में विश्व-स्तरीय उद्यम बनना ।

ध्येय

रक्षा इलेक्ट्रॉनिकी और पेशेवर इलेक्ट्रॉनिकी के अन्य चुने हुए क्षेत्रों में गुणता, प्रौद्योगिकी और नवीनता के जरिए ग्राहक-केंद्रित, वैश्विक प्रतिस्पर्धी कंपनी बनना ।

मूल्य

- ग्राहक को सर्वोपरि रखना ।
- पारदर्शिता, ईमानदारी और सत्यनिष्ठा से कार्य करना ।
- व्यक्तियों पर विश्वास करना और उनका सम्मान करना ।
- टीम कार्य को पोषित करना ।
- अत्यधिक कर्मचारी-संतुष्टि प्राप्त करने का प्रयास करना ।
- लोचता और नवीनता को प्रोत्साहित करना ।
- अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों को पूरा करने का प्रयत्न करना ।
- संगठन का हिस्सा होने पर गर्व होना ।

उद्देश्य

- गुणता, सुपुर्दगी और सेवा की मांगों को पूरा करते हुए अत्याधुनिक उत्पादों व समाधानों को प्रतिस्पर्धी कीमतों में प्रदान करते हुए ग्राहक-केंद्रित कंपनी बनना ।
- लाभप्रद विकास हेतु आंतरिक संसाधनों को सृजित करना ।
- संस्थागत अनुसंधान व विकास, रक्षा / अनुसंधान प्रयोगशालाओं तथा शैक्षणिक संस्थानों के साथ साझेदारी के जरिए रक्षा इलेक्ट्रॉनिकी में प्रौद्योगिकीय नेतृत्व हासिल करना ।
- निर्यात पर जोर देना ।
- कर्मचारियों के लिए सतत् ज्ञानार्जन व टीम-कार्य के जरिए उनकी पूरी क्षमता को प्राप्त कराने हेतु सुविधापूर्ण परिवेश सृजित करना ।
- ग्राहकों को उनके धन का पूरा प्रतिफल प्रदान करना और शेयरधारकों हेतु संपदा सृजित करना ।
- कंपनी के निष्पादन को अंतर्राष्ट्रीय रूप से सर्वोत्कृष्ट श्रेणी के साथ सतत् रूप से निर्देश-चिह्नित करना ।
- विपणन क्षमताओं को वैश्विक मानकों तक बढ़ाना ।
- स्वदेशीकरण के माध्यम से आत्म-निर्भरता का प्रयत्न करना ।

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स
BHARAT ELECTRONICS
QUALITY. TECHNOLOGY. INNOVATION.

विषय-सूची

अध्यक्ष का पत्र 01

पुरस्कार 04

झलकियाँ 05

सीएसआर झलकियाँ 07

निदेशक मंडल 08

प्रधान कार्यपालक एवं लेखा परीक्षक 09

मंडल का प्रतिवेदन 11

फार्म एओसी - 2 - संलग्नक 1 26

सीएसआर गतिविधियों पर प्रतिवेदन - संलग्नक 2 27

सचिवालयीन लेखा परीक्षा प्रतिवेदन - संलग्नक 3 29

वार्षिक विवरणी का सार - संलग्नक 4 32

प्रबंधन के विचार-विमर्श तथा विश्लेषण रिपोर्ट - संलग्नक 5 43

निगमित अधिशासन का प्रतिवेदन - संलग्नक 6 54

निर्वहनीयता रिपोर्ट - संलग्नक 7 71

कारोबारी उत्तरदायित्व रिपोर्ट - संलग्नक 8 74

ऊर्जा संरक्षण, प्रौद्योगिकी अवशोषण और विदेशी मुद्रा अर्जन - संलग्नक 9 85

स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों पर स्वतंत्र लेखा परीक्षकों का प्रतिवेदन 87

सी एंड एजी की टिप्पणियाँ 96

तुलनपत्र 99

लाभ व हानि विवरण 101

ईक्विटी में परिवर्तन विवरण 102

नकदी प्राप्ति विवरण 104

लेखों की टिप्पणियाँ (1-37) 106

स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों पर उल्लेखनीय लेखा नीतियाँ 164

समेकित वित्तीय विवरणों पर लेखा परीक्षकों का प्रतिवेदन 173

समेकित वित्तीय विवरण 178

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स
BHARAT ELECTRONICS
QUALITY. TECHNOLOGY. INNOVATION.

विगत दशक

(₹ लाख में)

विवरण	2007-08	2008-09	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16*	2016-17*
विक्रय एवं सेवाएँ	410254	462369	521977	552969	570363	601190	617423	669457	754117	**882470**
उत्पादन का मूल्य	411137	527327	524788	552080	579358	628991	612690	665854	777537	**924383**
अन्य आय	27824	22997	37641	38933	70312	60993	42847	47795	53708	**47101**
सामग्रियाँ	206889	304106	302454	312931	366903	408463	358356	374453	406077	**483222**
कर्मचारी अनुलाभ व्यय	65917	75579	100958	104186	108123	111079	103043	126345	125726	**154831**
मूल्यह्रास / परिशोधन	9264	10560	11594	12204	12080	13071	14210	15396	17221	**19152**
ब्याज / वित्त लागत	25	1077	53	73	60	78	340	138	451	**1178**
अन्य व्यय (उत्पाद शुल्क, पूर्व अवधि मदें, असाधारण एवं अति सामाय मदों)	39736	49319	42867	45504	55019	57174	77439	67360	123978	**141733**
कर पूर्व लाभ	117130	109684	104502	116115	107485	111459	117474	146669	173212	**202942**
कर के लिए प्रावधान	34456	35108	32415	29968	24495	22476	24312	29945	42476	**48180**
कर पश्चात् लाभ	82674	74576	72087	86147	82990	88983	93162	116724	130736	**154762**
लाभांश (राशि)	16560	14960	15360	17280	16640	17840	18640	23360	40800	**50257**
लाभांश (%)	207	187	192	216	208	223	233	292	170	**225**
साम्या पूँजी	8000	8000	8000	8000	8000	8000	8000	8000	24000	**22336**
प्रारक्षण एवं अधिशेष	313295	370368	424526	490571	554221	622369	693724	780503	874360	**728518**
ऋण निधियाँ	138	121	73	41	10	1	0	0	0	**5000**
सकल ब्लाक	143076	157990	170217	178900	190158	207323	222667	248515	114689	**161699**
संचयी मूल्यह्रास / परिशोधन	101727	111245	121221	130529	139142	149778	157572	171405	17029	**36168**
वस्तुसूची	135157	242096	244871	246032	279182	327108	337014	342688	417747	**490501**
देनदार / व्यापार से प्राप्तियाँ	205571	227653	216836	289681	268686	333467	412854	378614	371193	**435488**
कार्यशील पूँजी	263090	313556	365629	NA	NA	NA	NA	NA	NA	**NA**
कार्यशील पूँजी (संशोधित अनुसूची VI / III के अनुसार)	NA	NA	NA	430800	478994	544494	607714	690982	737289	**530665**
नियोजित पूँजी	304438	360301	414625	NA	NA	NA	NA	NA	NA	**NA**
नियोजित पूँजी (संशोधित अनुसूची VI/III के अनुसार)	NA	NA	NA	479171	530010	602039	672809	768092	834949	**656196**
निवल संपत्ति	321295	378368	432526	498571	562221	630369	701724	788503	898360	**750854**
प्रति शेयर अर्जन (रुपए में)	1.15	3.11	3.00	3.59	3.46	3.71	3.88	4.86	5.45	**6.64**
पुस्त मूल्य प्रति शेयर (रुपए में)	4.46	15.77	18.02	20.77	23.43	26.27	29.24	32.85	37.43	**33.62**

कर्मचारियों की संख्या	12371	11961	11545	11180	10791	10305	9952	9703	9848	**9716**

* भारतीय लेखा मानकों के अनुसार

वित्तीय झलकियाँ

- विक्रयावर्त जो 2015-16 में ₹ 754,117 लाख था, वर्ष 2016-17 में ₹ 882,470 लाख हुआ यानी 17.02% की बढ़ोत्तरी दर्ज की गई ।

- उत्पादन का मूल्य जो 2015-16 में ₹ 777,537 लाख था, वर्ष 2016-17 में ₹ 924,383 लाख हुआ यानी 18.89% की बढ़ोत्तरी दर्ज की गई ।

- कर पश्चात् लाभ वर्ष 2016-17 में 18.37% बढ़कर ₹ 154,762 लाख हुआ जो वर्ष 2015-16 में ₹ 130,736 लाख था ।

- पीएटी की बढ़ोत्तरी से विक्रयावर्त अनुपत जो 2015-16 में 17.34% था, वर्ष 2016-17 में 17.54% दर्ज की गई ।

- प्रति कर्मचारी आवर्त 2015-16 के ₹ 76.58 लाख से बढ़कर 2016-17 में ₹ 90.83 लाख हुआ ।

- प्रति शेयर अर्जन (ईपीएस) 2015-16 के ₹ 5.45 लाख से बढ़कर 2016-17 में ₹ 6.64 लाख हुआ।

- 16637207 ईक्विटी शयरों को वर्ष 2016-17 में ₹ 217,116 लाख के लिए पुनःक्रय किया गया ।

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स
BHARAT ELECTRONICS
QUALITY. TECHNOLOGY. INNOVATION.

वित्तीय झलकियाँ

(₹ करोड़ में)

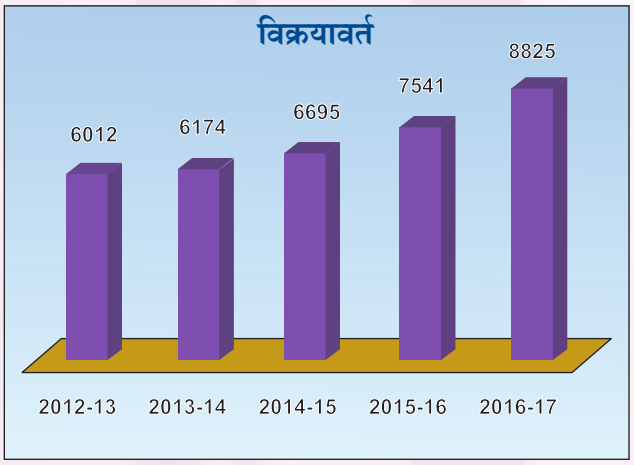

(₹ करोड़ में)

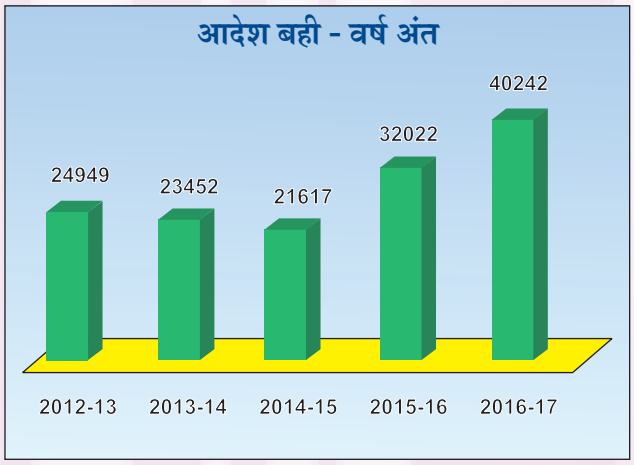

(₹ करोड़ में)

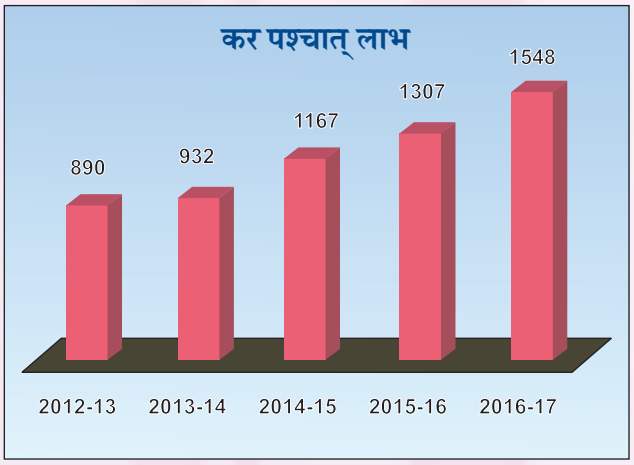

(₹ करोड़ में)

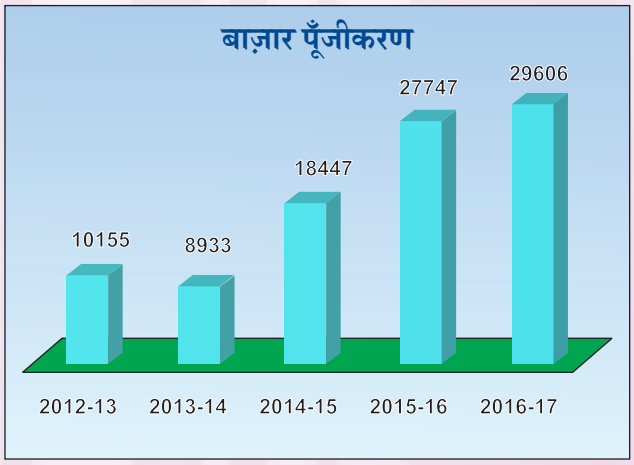

(₹)

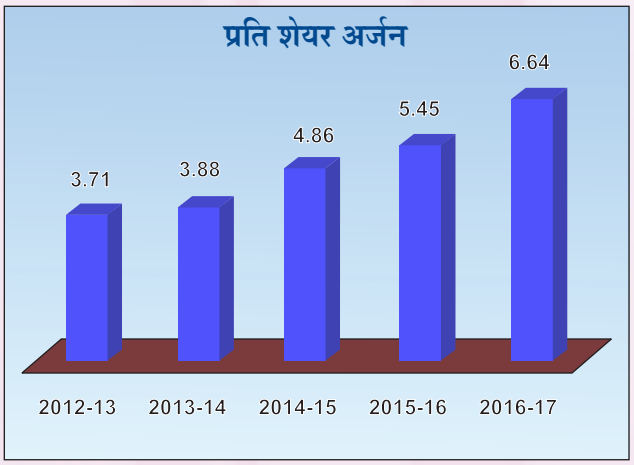

(₹ करोड़ में)

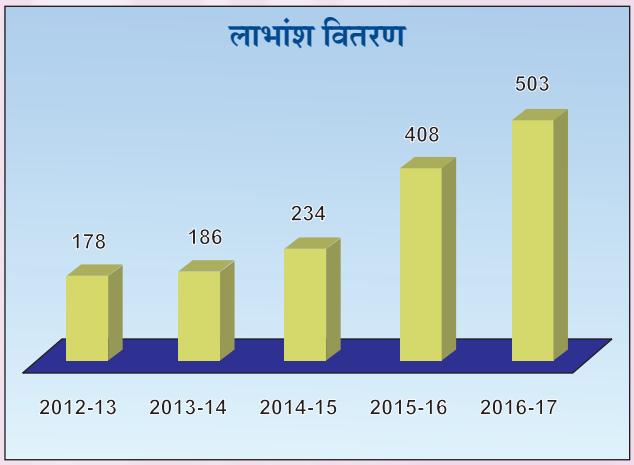

अध्यक्ष का पत्र

प्रिय शेयरधारकों,

इस पत्र के माध्यम से मैं सहर्ष कि पिछले वर्ष के दौरान आपकी कंपनी की उपलब्धियों और वित्तीय झलकियों को आपके साथ साझा करना चाहता हूँ । समीक्षाधीन वर्ष में, हमारे कार्यक्षेत्र में काफी चुनौतियां थीं । चुनौतियों के बावजूद, आपकी कंपनी ने तेजी से बदलते प्रौद्योगिकियों को पूरा करने के लिए अ व वि, प्रौद्योगिकी अद्यतन और आधारभूत संरचना का आधुनिकीकरण पर अधिक महत्व देने के साथ विकास लक्ष्य हासिल किया है। आपकी कंपनी ने राजस्व और मुनाफे में महत्वपूर्ण वृद्धि हासिल की है। ₹ 40,24,200 लाख (यथा 1 अप्रैल 2017 को) आदेश पुस्तक की स्थिति उत्तम है और अगले 2-3 सालों में अच्छे आदेश मिलने की उम्मीद है। आपकी कंपनी ने रक्षा बलों के लिए उपकरणों / प्रणालियों की आपूर्ति में अपनी नेतृत्व की स्थिति को बनाए रखी है जो स्थिर विकास पथ पर है। इस अवसर पर ,मैं आपके साथ पिछले वर्ष के निष्पादन की झलकियाँ और कंपनी के भविष्य के दृष्टिकोण को साझा करना चाहता हूं।

वर्ष की मुख्य विशेषताएं

आपकी कंपनी ने, 2015-16 में ₹ 7,54,117 लाख की तुलना में 2016-17 के दौरान ₹ 8,82,470 लाख का कारोबार हासिल किया, जिससे 17% की महत्वपूर्ण वृद्धि दर्ज की गई। बीईएल ने, पिछले साल के 85.07 मिलियन अमरीकी डालर के निर्यात कारोबार की तुलना में 65.5 मिलियन अमरीकी डालर की निर्यात की बिक्री हासिल की है। वर्ष के दौरान निर्यात किए गए प्रमुख उत्पादों में तटीय निगरानी प्रणाली, कोपास, वीएचएफ रेडियो भारती, उन्नत कम्पोजिट कम्युनिकेशन सिस्टम, शिप बोर्न ईडब्ल्यू सिस्टम, इलेक्ट्रो ऑप्टिक फायर कंट्रोल सिस्टम आदि शामिल हैं।

विक्रयावर्त में 17 % की उल्लेखनीय वृद्धि

कंपनी के सभी 9 विनिर्माण इकाइयों ने अच्छा निष्पादन किया है। 2016-17 के लिए कर पश्चात लाभ । पिछले वर्ष 1,30,736 लाख की तुलना में ₹ 1,54,762 लाख रुपये है जो पिछले वर्ष से 18% की वृद्धि दर्शाती है । कंपनी के नेट वर्थ में शेयरों के बायबैक के कारण वर्ष 2016-17 में ₹ 8,98,360 लाख से ₹ 7,50,854 लाख तक की कमी आई है।

कंपनी ने वर्ष के दौरान ₹ 10/- के प्रत्येक 1,66,37,207 इक्विटी शेयरों को खरीदा था जो कि ₹ 1305/- प्रति शेयर की कीमत पर ₹ 217,116 लाख तक का भुगतान किया गया था। 16 मार्च 2017 से प्रभावी , कंपनी ने ₹ 10/- की अपनी एक इक्विटी शेयर को भी विभाजित किया था, प्रत्येक पूर्णतः भुगतान किया जाने वाला 10 इक्विटी शेयरों में पूरी तरह से भुगतान किया गया था।

स्वदेशीकरण में वृद्धि तथा हमारे उत्पादों / प्रणालियों में मूल्यवर्धन के लिए अ व वि पर आपकी कंपनी का ध्यान केंद्रित रहा है। वर्ष भर में अ व वि में कुल निवेश का प्रतिशत 8.81% था जो कि रक्षा क्षेत्र के उपक्रमों में सबसे ज्यादा है। स्वदेशी विकास पर हमारा निरंतर प्रयास है, जिससे हमें स्वदेशी उत्पादों से हमारे विक्रयवार्ता का 87% प्राप्त करने में मदद मिली है। विदेशी ओईएम से टीओटी के माध्यम से निर्मित उत्पादों से केवल 13% हमारे राजस्व था। कंपनी का मुख्य कारोबार रक्षा क्षेत्र होने के कारण इससे बिक्री राजस्व का 88% योगदान है तथा शेष 12% नागरिक क्षेत्र से है।

विक्रयावर्त का 8.81 % अनु.व वि. पर व्यय

रक्षा कारोबार से 88 % का राजस्व

2016-17 के दौरान शुरू किए गए प्रमुख उत्पादों / सिस्टम में, वेपन लोकेटिंग रडार, बीएफएसआर-एक्सआर (विस्तारित रेंज), आईएफएफ एमके XII, यूएसएचयूएस -2, एचएमएसए एनजी फॉर पी 15 बी, गिगाबिट इथरनेट आधारित एकीकृत संचार प्रणाली पी 15, एसीसीएस के लिए देशी विमान वाहक, क्यूआरएसएम के लिए मिसाइल टू वे डाटा लिंक, आरआरएफ उन्नयन (उच्च बैंड), सेना के लिए बीकोन एमकेIII, सीआईडीएसएस चरण 2 (बिल्ड 2-सॉफ्टवेयर), एयर ट्रैफिक कंट्रोल सॉफ्टवेयर, एसओटीएम, ड्यूल फ्रीक्वेंसी आईपी मोडेम, 2 केडब्ल्यू एसएसपीए (ट्रॉपो संचार के लिए), आधुनिक ईडब्ल्यू सिस्टम (गैर-कॉम) (वरुण), वीवीपीएटी एमकेआईआई, प्वाइंट ऑफ सेल (पीओएस) डिवाइस, बॉर्डर निगरानी सिस्टम (बीओएस), डायरेक्ट एनर्जी वेपन के लिए उच्च संकल्प टीआईआई, आईएसीसीएस बीटा वर्जन, आईएसीसीएस के लिए वीसीसीएस, आरसीडब्लूएस , प्रेषरिकृत कंटेनर शामिल हैं ।

20 पेटेंट के लिए आवेदन प्रस्तुत

आपकी कंपनी को वर्ष 2016-17 के दौरान ₹16,300 करोड़ के आदेश प्राप्त हुआ। वर्ष के दौरान प्राप्त किए गए प्रमुख आदेशों में एमएफएसटीआर के साथ एयर मिसाइल (एलआर-एसएएम) लंबी दूरी की सतह, पी 17 के लिए एडवांस्ड कम्पोजिट कम्युनिकेशन सिस्टम, इलेक्ट्रॉनिक मत यंत्र ,स्टेटिक ट्रॉपो अपग्रेड, नेवल एप्लीकेशन के लिए इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सुइट, पी 17 के लिए जिगा बिट ईथरनेट आधारित शिप डेटा नेटवर्क, हैंड थर्मल इमेजर, कम तीव्रता संघर्ष ईडब्ल्यू सिस्टम, गृह भूमि सुरक्षा, एएलजी कम्युनिकेशन आदि शामिल हैं । निर्यात क्षेत्र में, यथा 1 अप्रैल 2017 को यूएस $ 17 मिलियन की ऑफसेट आदेश सहित यूएस $ 85 मिलियन है ।

मैं आपको सहर्ष सूचित करता हूं कि वर्ष के दौरान आपकी कंपनी ने राडार, संचार, इलेक्ट्रो ऑप्टिक्स इत्यादि के क्षेत्रों में 20 पेटेंट के लिए आवेदन दर्ज किए हैं। बीईएल के वैज्ञानिकों और अनुसंधान एवं विकास अभियंताओं द्वारा अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं / सेमिनार / सम्मेलनों में 91 तकनीकी लेख प्रकाशित किए गए थे।

आपकी कंपनी के निष्पादन की झलकियों मे से कुछ निम्नलिखित है ।

नाइट विजन डिवाइसेस का विस्तार करने के लिए आंध्र प्रदेश के निम्मलुरु में नई एडवांस्ड नाइट विजन प्रोडक्ट्स फैक्ट्री का निर्माण शुरू किया गया है।

- गाजियाबाद इकाई में, रडार एवं एंटीना सिस्टम के लिए संयोजन, परीक्षण, और एकीकरण के लिए नई रडार असेंबली हैंगर की स्थापना की गई है।
- बैंगलोर इकाई में, एयरक्राफ्ट पर बाह्य रूप से संयोजित उप-प्रणालियों के घर्षण प्रतिरोध के परीक्षण के लिए - ब्लोइंग सैंड एवं और धूल परीक्षण सुविधाछ की स्थापना की गई है।
- डीएसआईआर द्वारा मायता प्राप्त उत्पाद विकास और नवाचार केन्द्र (पीडीआईसी) अ व वि प्रयोगशाला।
- आईएएफ के लिए एकीकृत वायु कमान और नियंत्रण प्रणाली कार्यक्रम की आपूर्ति शुरू की गई।
- मेघालय के चिरापूंजी में,देशीय रुप में विकसित पोलरिमेट्री डॉपलर मौसम रडार (डीडब्ल्यूआर) को भारत के माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा राष्ट्र को समर्पित किया गया ।

एमएसएमई से प्रापण > 20%

- डीपीई से 2015-16 के लिए उत्कृष्ट "एमओयू" रेटिंग ।
- 2016-17 के दौरान उत्पन ग्रीन एनर्जी लगभग 243 लाख यूनिट है।
- एमएसएमई से खरीद 20% से अधिक तक बढ़ गई है।
- बीईएल और एमएसएमई विकास संस्थान, बेंगलुरु द्वारा संयुक्त रूप से राष्ट्रीय विक्रेता विकास कार्यक्रम और औद्योगिक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया ताकि सभी हितधारकों को एक मंच पर लाया जा सके और उन्हें एक दूसरे के साथ संवाद करने का अवसर मिले।
- 2016-17 के दौरान 18 सहयोगी अनुसंधान एवं विकास सहयोगियों की सूची तैयार की गई, है कुल सहयोगी भागीदार अब 193 हैं।

आपको यह जानकर प्रसनता होगी कि आपकी कंपनी को कई पुरस्कार मिले हैं,जिसमें से उल्लेखनीय है -

- इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स श्रेणी में बीईएल ने डन एंड ब्रैडस्ट्रीट कॉरपोरेट अवार्ड 2016 जीता है।
- भारतीय चैंबर ऑफ कॉमर्स, कोलकाता द्वारा शुरू किए गए "पीएसई एक्सलेंस अवार्ड 2015" नवरत्न श्रेणी के तहत बीईएल ने चार पुरस्कार जीता हैं जो निम्नलिखित हैं।
- आपरेशनल प्रदर्शन उत्कृष्टता में द्वितीय पुरस्कार
- अ व वि, प्रौद्योगिकी विकास और नवोमेष में द्वितीय पुरस्कार
- कॉर्पोरेट गवर्नेंस में तृतीय पुरस्कार
- एचआर प्रबंधन उत्कृष्टता में तृतीय पुरस्कार
- भारत कौशल पुरस्कार - 2016 ने कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय से केन्द्रीय सार्वजनिक उपक्रम की श्रेणी में अधिकतम प्रशिक्षुओं की भर्ति द्वारा राष्ट्र की कौशल विकास प्रक्रिया वृद्धि में बीईएल ने कौशल पुरस्कार 2016 जीता।
- इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर में सर्वाधिक उद्यमी सीईओ: इंडो ग्लोबल बिज़नेस काउंसिल (आईजीबीसी), नई दिल्ली में स्थित एक पॉलिसी थिंक टैंक ने श्री एस के शर्मा (पूर्व सीएमडी) को "इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर में सर्वाधिक उद्यमी सीईओ" के रूप में सम्मानित किया ।
- मध्यम / बहत उद्यम के अंतर्गत, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार की उत्पाद श्रेणी में "राज्य निर्यात उत्कृष्टता पुरस्कार 2014-15" कर्नाटक सरकार से बीईएल पुरस्कृत ।

- इंडिया प्राइड अवार्ड 2016-17: बीईएल ने 'रक्षा' श्रेणी में वर्ष 2016-17 के लिए "दैनिक भास्कर इंडिया प्राइड अवार्ड" जीता है।
- बीईएल के पंचकुला यूनिट ने बैंकॉक में आयोजित गुणवत्ता सम्मेलन के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (क्यूसीसी) में स्वर्ण पदक जीता है।
- 22 मई 2016 को मैसूर, कर्नाटक में आयोजित क्वालिटी सर्कल फोरम ऑफ इंडिया (क्यूसीएफआई) सिक्स सिग्मा प्रतियोगिता में 4 स्वर्ण, 6 रजत और 1 कांस्य पुरस्कार जीता है ।
- सुझाव योजना में उत्कृष्टता के लिए आईएनएसएसएएन पुरस्कार: 20 और 21 जनवरी 2017 को जमशेदपुर में भारतीय राष्ट्रीय सुझाव योजना समिति द्वारा आयोजित 27 वें राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान इंजीनियरिंग उद्योग समूह में वर्ष 2015-16 के सुझाव योजनाओं में उत्कृष्टता के लिए बीईएल बेंगलुरु और गाजियाबाद इकाइयों को क्रमशः प्रथम एवं तृतीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया।

भविष्य का दृष्टिकोण

रक्षा क्षेत्र में 'मेक इन इंडिया' की पहल पर सरकार द्वारा महत्व देने के कारण कंपनी को अपने स्वदेशीकरण प्रयासों को बढ़ाने और भारतीय रक्षा क्षेत्र में अवसरों को पूरा करने के लिए सुअवसर प्राप्त है।

बीईएल में आदेश बही की स्थिति उत्तम है और नए आदेश की उम्मीद है। 2017-18 के दौरान बीईएल 12-15% के विकास को लक्षित कर रहा है। रडार और मिसाइल सिस्टम, संचार और नेटवर्क केंद्रित सिस्टम, टैंक इलेक्ट्रॉनिक्स, गन उन्नयन, इलेक्ट्रो ऑप्टिक सिस्टम और इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर और एविओनिक्स सिस्टम जैसे क्षेत्रों को आने वाले वर्षों में कंपनी के विकास को जारी रखना जारी रहेगा। लक्षित विकास को प्राप्त करने के लिए अ व वि, परीक्षण,उत्पादन और कौशल विकास के लिए कई विश्व स्तरीय सुविधाएं तैयार की गई हैं। सिविल क्षेत्र में हम सौर ऊर्जा, होमलैंड सिक्योरिटी, स्मार्ट सिटी एलीमेंट्स, स्मार्ट कार्ड, साइबर सिक्योरिटी और टेलीकॉम एंड स्पेस इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में कारोबार को प्राप्त किया जा रहा हैं।

इस अनुक्रम में, आपकी कंपनी का भविष्य आशाजनक और चुनौतीपूर्ण दिखता है। रक्षा खरीद प्रक्रिया के विकास के साथ निजी क्षेत्र की भागीदारी के लिए रक्षा क्षेत्र मुक्त किया जा रहा है। सरकार निजी क्षेत्र की व्यापक भागीदारी के लिए "सामरिक भागीदारी" मॉडल की भी शुरूआत कर रही है और डीपीएसयू के अतिरिक्त प्रमुख रक्षा मंच निर्माण में क्षमता बढ़ाने के लिए भी योजना बना रही है। ये सभी तत्व, मूल्य वर्धन की वृद्धि में पहल के माध्यम से अधिक प्रतिस्पर्धा और उत्पादकता के लिए आपकी कंपनी को अग्रसर किया है। बीईएल के लिए यह अत्यंत आवश्यक है कि प्रौद्योगिकी सहित नए उत्पादों को नियमित रूप से विकसित किया जाए। मुख्य प्रौद्योगिकियों के अधिग्रहण तथा भविष्य के उत्पादों के विकास हेतु कार्य योजनाओं सहित कंपनी भर में अ व वि पर विशेष ध्यान जारी रहेगा। कंपनी डीआरडीओ प्रयोगशालाओं, अन्य अनुसंधान संस्थानों और शैक्षणिक संस्थानों के साथ-साथ नए उत्पादों और प्रणालियों के विकास के लिए प्रौद्योगिकी कंपनियों के साथ मिलकर काम करने पर अधिक जोर दे रही है। प्रतिस्पर्धा का सामना करने, तकनीकी क्षमता बनाए रखने और रणनीतिक इलेक्ट्रॉनिक्स में नेतृत्व की स्थिति को बनाए रखने के लिए रणनीतियों और कार्य योजनाएं हैं। इस वर्ष में निष्पादन के लिए योजनाबद्ध कुछ प्रमुख परियोजनाएं ,आईएसीसीएस, वेपन लोकेटिंग रडार, एचएचटीआई, ईवीएम, आकाश वेपन सिस्टम, एलएएएक्स यू2, एलएलएटीआर रडार, ट्रॉपो अपग्रेड, एचएलएस, स्लिका अपग्रेड, पी 71 के लिए एसीसी, पीएआरबी के लिए आईसीएस, बीएसएस, वरुण ईएसएम सिस्टम, ग्राउंड आधारित मोबाइल ईलीन, इलेक्ट्रॉनिक फ़्यूज, एल 70 उन्नयन, वीवीपीएटी आदि हैं ।

रणनीतिक नई पहल

आपकी कंपनी, ग्राहकों की उभरती आवश्यकताओं के अनुरूप इलेक्ट्रॉनिक फ़्यूज़, होमलैंड सिक्योरिटी सॉल्यूशंस, स्मार्ट सिटीज, साइबर सुरक्षा जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में कार्यरत है।

शासन और संधारणीयता

आपकी कंपनी,मूल्यों और सिद्धांतों के उच्चतम मानकों को लगातार अपनाने और बनाए रखने में गर्व करती है। निदेशकों की रिपोर्ट के भाग के रुप में कॉर्पोरेट प्रशासन पर दिशानिर्देशों के अनुपालन पर एक विस्तृत रिपोर्ट, सेबी (एलओडीआर) विनियम, 2015 और लोक उद्यम विभाग द्वारा सीपीएसई के लिए जारी दिशानिर्देशों की आवश्यकता के अनुरुप शामिल है।

आपकी कंपनी को लगातार आठवाँ वर्ष , सी व एजी से "शून्य" टिप्पणी प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ है।

बीईएल के कॉर्पोरेट निष्पादन को आर्थिक, पर्यावरण और सामाजिक मापदंडों के आधार पर मूल्यांकन किया जाता है जो एक सामाजिक रूप से जिम्मेदार कॉर्पोरेट इकाई के रूप में बीईएल की छवि को सुदृढ़ बनाती है ।बीईएल के श्रमिक बल, उनके परिवारों और स्थानीय समुदाय और समाज में जीवन की गुणवत्ता में सुधार के सहित नैतिकता से व्यवहार करने और आर्थिक विकास की दिशा में संधारणीयता में निरंतर प्रतिबद्धता है । पुनचक्रण, पुनः उपयोग और प्रदूषण को कम करने के माध्यम से पर्यावरण को हरित करने का तत्व भविष्य में जारी रहेगा।

आभार

मैं अपने, निदेशक मंडल और प्रबंधन समिति सदस्यों के असीम समर्थन और मार्गदर्शन के लिए आभारी हूं। रक्षा मंत्रालय और रक्षा सेवाएँ तथा अन्य ग्राहकों द्वारा अमूल्य मार्गदर्शन और समर्थन निरंतर रुप से प्राप्त हैं। मैं अपने शेयरधारकों, प्रतिष्ठित ग्राहकों और व्यवसाय सहयोगियों को उनके सहयोग के लिए धन्यवाद देता हूं।

सभी स्तरों पर, हमारे कर्मचारियों और अधिकारियों की समर्पण और प्रतिबद्धता हमारी कंपनी की प्रमुख शक्ति रही है। भविष्य की चुनौतियों का सामना करने और लाभदायक विकास के लिए गति को बनाए रखने के लिए हम इन शक्तियों की क्षमता वृद्धि के लिए निरंतर प्रयास करेंगे।

शुभकामनाओं सहित,

आपका

म. वे. गौतम

एम वी गौतमा

अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक

बेंगलूरू

11 अगस्त 2017

पुरस्कार

कर्नाटक सरकार दवारा "इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार श्रेणी (आईटी/बीटी एवं आईटीईएस सेक्टर को छोड़कर)" राज्य निर्यात उत्कृष्टता पुरस्कार प्राप्त हुआ ।

राजभाषा कार्यान्वयन हेतु "उत्कृष्टता पुरस्कार"

भारतीय चेम्बर ऑफ कॉमर्स पीएसई उत्कृष्टता पुरस्कार द्वारा नवरत्न श्रेणी के तहत प्रचालन कार्य-निष्पादन उत्कृष्टता, "अनु. व. वि, प्रौद्योगिकी विकास एवं नवोमेष" एवं "मा.सं. प्रबंधन उत्कृष्टता" पुरस्कर

झलकियाँ

निम्मलूरू, कृष्णा जिला, आंध्र प्रदेश में बीईएल उन्नत रात्रि दृष्टि उत्पाद फैक्टरी का शिलायास समारोह ।

माननीय रक्षा मंत्री श्री मनोहर परिकर द्वारा एयरो इंडिया 2017 में बीईएल स्टॉल का दौरा किया गया ।

"विभिन्न प्रौद्योगिकी के लिए संयुक्त विकास एवं प्राथमिकता पर विनिर्माण हेतु सहयोग प्रदान करने" के लिए समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर करते हुए बीईएल एवं स्पेस अनुप्रयोग केंद्र, इसरो, अहम्दाबाद ।

झलकियाँ

एयरो इंडिया 2017 में एमबीटी अर्जुन मार्क II के लिए रिमोट नियंत्रण शस्त्र स्टेशन का आरंभ ।

मोबाइल सेल्युलर संचार प्रणाली का समर्पण, बीईएल द्वारा श्रीनगर में स्थित भारतीय सेना के 15 सैनिकों के लिए पहला 3 जी नेटवर्क बनाया गया ।

बीईएल द्वारा एमएसएमई विकास संस्थान, एमएसएमई मंत्रालय, भारत सरकार और कर्नाटक के सभी उद्योग संघों के साथ मिलकर राष्ट्रीय विक्रेता विकास कार्यक्रम एवं औद्योगिक प्रदर्शनी का आयोजिन किया गया ।

सीएसआर झलकियाँ

बीईएल पुणे और नवी मुंबई इकाइयों द्वारा महाराष्ट्र में सरकारी आईटीआई को अपनाने के लिए समझौता ज्ञापन, श्री देवेन्द्र फडनवीस, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के उपस्थिति में किया गया ।

आईटीआई, मुल्शी को "कौशल विकास पहल" के समर्थन में बीईएल-पुणे द्वारा दान की गई सिलाई मशीनों पर काम कर रहें विद्यार्थियों ।

बेंगलुरु में बीईएल सर्कल के पास पुनर्निर्मित सार्वजनिक सुविधाएँ, जिसमें नए यातायात द्वीप, शौचालय और बस आश्रयों सहित का उद्घाटन किया गया ।

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स
BHARAT ELECTRONICS
QUALITY. TECHNOLOGY. INNOVATION.

निदेशक मंडल

(यथा 01 अगस्त 2017)

श्री एम वी गौतमा
अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक

डॉ अजित टी कलघट्गी
निदेशक (अनु. व वि.)

श्री गिरीश कुमार
निदेशक (बेंगलूर कॉम्प्लेक्स)

श्री नटराज कृष्णप्पा
निदेशक (अय यूनिटें)

श्रीमती आनंदी रामलिंगम
निदेशक (विपणन)

श्री आर एन बग्दलकर
निदेशक (मानव संसाधन)

श्रीमती कुसुम सिंह
संयुक्त सचिव (पी एवं सी) रक्षा मंत्रालय,
रक्षा उत्पादन विभाग, सरकारी निदेशक

डॉ भास्कर राममूर्ति,
निदेशक, आईआईटी चेन्नै,
स्वतंत्र निदेशक

डॉ आर के शिवगाँवकर
प्रोफेसर, आईआईटी मुबंई,
स्वतंत्र निदेशक

श्रीमती उषा माथुर
आईआरएएस (सेवा निवृत्त) भारत
सरकार के पूर्व सचिव स्वतंत्र निदेशक

श्री शरद सांघि
उद्यामी, स्वतंत्र निदेशक

श्री कोशी अलेक्जाण्डर
मुख्य वित्तीय अधिकारी
(प्रमुख प्रबंधकिय अधिकारी)

श्री एस श्रीनिवास
कंपनी सचिव
(प्रमुख प्रबंधकिय अधिकारी)

प्रधान कार्यपालक

(यथा 01 अगस्त 2017)

श्री एस शिव कुमार, भाप्रसे
मुख्य सतर्कता अधिकारी

कार्यपालक निदेशक/ महाप्रबंधक

श्री एम एम जोशी
का.नि. रा.वि./दिल्ली-काऑ

श्री मनमोहन पंडे
म.प्र. पीएस/दिल्ली - काऑ

सुश्री हेमा जी आचार्या
म.प्र. अ.ले.प. - काऑ

श्री किरण वी
म.प्र. अं.वि. - काऑ

सुश्री के हेमलता
म.प्र. एसपी - काऑ

श्री रामा रेड्डी
म.प्र. टीपी- काऑ

श्री विक्रमन
म.प्र. मा.सं.- काऑ

श्री समोय कुमार आचार्या
का.नि. ईडबल्यू व ए - बें.कॉ.

कमांडर टी जगनाथ (नि.)
म.प्र. कंपोनेंटस - बें.कॉ.

सुश्री रानी वर्गिस
म.प्र. वित्त - बें.कॉ.

श्री विनय कुमार कत्याल
म.प्र. मिलकॉम - बें.कॉ.

कमांडर एस गोपाकुमार (नि.)
म.प्र. टी व बीएस - बें.कॉ.

श्री बी एस रवि
म.प्र. एमआर - बें.कॉ.

श्री ए रविशंकरन
म.प्र. कें - डी व ई, पीडी व आईसी - बें.कॉ.

श्री एस षण्मुगादेवसेनापति
म.प्र. ईएम - बें.कॉ.

श्री एम आर श्रीवत्सा
म.प्र. आर व एफसीएस/
एनएस - बें.कॉ.

श्री एम शिवज्ञानम
म.प्र. ईएस - बें.कॉ.

श्री के एम शिवकुमारन
म.प्र. मा.सं. - बें.कॉ.

श्री एस मोहनराज
म.प्र. गुणता/का.ऑ. - बें.कॉ

श्री जगदीश चंद
म.प्र. एमएस - बें.कॉ.

प्रधान कार्यपालक

श्री बानु प्रकाश श्रीवत्सा
म.प्र. एस व सीएस/एनएस - बें.कॉ.

श्री आर श्रीनिवासन
म.प्र. चेन्नै

श्री चरण सिंह
म.प्र. रेडार व यू.प्र. - गा.बाद

श्री शिखा गुप्ता
म.प्र. सेटकॉम व सीसी - गा.बाद

श्री जॉयदीप मजुमदार
म.प्र. एनसीएस - गा.बाद

सुश्री रूचि गर्ग
म.प्र. डीसीसीएस - गा.बाद

श्री आर एस भटनाकर
म.प्र. एटेना - गा.बाद

श्री एम वेंकट रतय्या
म.प्र. है.बाद

श्री मनोज कुमार
म.प्र. कोट

श्री टी एन रमेश
म.प्र. मछिलि.

श्री उमेश चंद्रा
म.प्र. नमु

श्री पी के चंगोइवाला
म.प्र. पंच

श्री दिनेश कुमार भत्रा
म.प्र. पुणे

श्री वी महेश
मुख्य वैज्ञानिक,
सीआरएल- बें.कॉ.

श्री रंजन बैनर्जी
मुख्य वैज्ञानिक,
सीआरएल- गा.बाद

श्री एम वी राजसेखर
सीटीओ ईओ व एल - काऑ

श्री वी नद कुमार
सीटीओ संचार - काऑ

श्री पी मोहन राव
सीटीओ आर व डब्लयूएस - काऑ

लेखा परीक्षक

सांविधिक लेखा परीक्षक

मे. बदरी, मधुसूदन एंड श्रीनिवास, बेंगलूरु

शाखा लेखा परीक्षक

मे. मलानी सोमानी चांडक एंड एसोसिएट्स, पुणे
मे. वेद एंड कं. गाज़ियाबाद
मे. तुंगला एंड कं. मछिलिपट्टणम

लागत लेखा परीक्षक

मे. जी एन वी एंड एसोसिएट्स, बेंगलूर

मंडल का प्रतिवेदन

सदस्यगण

आपके निदेशकों को 31 मार्च 2017 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए अपना प्रतिवेदन तथा लेखा परीक्षित वित्तीय विवरण, सांविधिक लेखा परीक्षकों तथा उस पर भारत के नियंत्रक व महालेखापरीक्षक की रिपोर्ट के साथ, प्रस्तुत करते हुए प्रसन्नता हो रही है।

वित्तीय परिणाम एवं कार्य-निष्पादन की झलकियाँ

कंपनी के वित्तीय परिणामों का सार नीचे प्रस्तुत है -

(₹ लाख में)

विवरण	2016-17	2015-16
उत्पादन का मूल्य	**924,383**	777,537
आवर्त (सकल)	**882,470**	754,117
मूल्यह्रास, वित्त लागत और कर पूर्व लाभ	**223,272**	190,884
वित्त लागत	**1,178**	451
मूल्यह्रास	**19,152**	17,221
कर का प्रावधान	**48,180**	42,476
कर पश्चात् लाभ	**154,762**	130,736
अन्य व्यापक आय	**(9,185)**	(2,236)
कुल व्यापक आय	**145,577**	128,500
अदा किया गया लाभांश	**61,604**	24,560
लाभांश पर कर	**12,541**	4,999
सामान्य प्रारक्षण को अंतरण	**40,000**	40,000
पूँजीगत प्रारक्षण को अंतरण	**-**	2
प्रारक्षण एवं अधिशेष	**728,518**	874,360
निवल मूल्य	**750,854**	898,360
प्रति शेयर अर्जन (₹ में)	**6.64**	5.45
प्रति शेयर पुस्त मूल्य (₹ में)	**33.62**	37.43

* इक्विटी शेयरों के उप-विभाजन के परिणामस्वरूप (मार्च 2017 में), प्रति शेयर अर्जन (ईपीएस) को भारतीय लेखा मानक (भारतीय ए.एस.) 33 - प्रति शेयर अर्जन (ईपीएस) के अनुसार पिछले वर्ष में समायोजित किया गया। तदनुसार, पिछले वर्ष का प्रति शेयर पुस्त मूल्य भी समायोजित किया गया।

वर्ष 2016-17 के उत्पादन मूल्य का संवितरण नीचे दिया गया है -

विवरण	राशि (₹ लाख में)	प्रतिशत
सामग्री	483,222	52%
कर्मचारी लागत	154,831	17%
अन्य व्यय (निवल)	64,236	7%
मूल्यह्रास एवं परिशोधन	19,152	2%
कर का प्रावधान	48,180	5%
कर पश्चात् लाभ	154,762	17%
कुल	**924,383**	**100%**

वर्ष 2016-17 के लिए कंपनी का आवर्त 2015-16 के ₹ 754,117 लाख से बढ़कर ₹ 882,470 लाख हो गया और इस तरह 17.02% की प्रगति दर्ज की गई। वर्ष का कर पश्चात् लाभ पिछले वर्ष के ₹ 130,736 लाख के समक्ष ₹ 154,762 लाख रहा। स्वदेशी रूप से विकसित उत्पादों का आवर्त 87% रहा। रक्षा क्षेत्र को की गई आपूर्ति वर्ष 2015-16 के 82% की तुलना में आवर्त का 87% रही।

वर्ष 2016-17 के दौरान, आपकी कंपनी ने ₹ 10/- प्रत्येक पूर्ण चुकता के 1,66,37,207 इक्विटी शेयरों की पुनर्खरीद ₹ 1305/- प्रति शेयर की कीमत पर की जिसके परिणामस्वरूप कंपनी की पूर्ण चुकता शेयर पूँजी ₹ 22,336 लाख तक घटी।

वर्ष के दौरान कंपनी ने 16 मार्च 2017 से प्रभावी करते हुए ₹ 10/- प्रत्येक के पूर्ण चुकता एक इक्विटी शेयर का उप-विभाजन ₹ 10/- प्रत्येक के पूर्ण चुकता 10 इक्विटी शेयरों में किया।

लाभांश

मंडल ने वर्ष 2016-17 के लिए ₹ 1.05/- प्रति इक्विटी शेयर (105%), ₹ 23,453 लाख के अंतिम लाभांश की सिफारिश की। वर्ष 2016-17 के लिए पहला अंतरिम लाभांश ₹ 3.00/- प्रति इक्विटी शेयर (30%), ₹ 6,701 लाख और दूसरा अंतरिम लाभांश ₹ 0.90/- प्रति इक्विटी शेयर (इक्विटी शेयरों के उप-विभाजन के बाद) (90%), ₹ 20,103 लाख अदा किया गया था। इस तरह, वर्ष 2016-17 का कुल लाभांश ₹ 2.25/- प्रति इक्विटी शेयर (225%), ₹ 50,257 लाख (लाभांश संवितरण कर को छोड़कर) रहा।

प्रारक्षणों को अंतरित राशि

₹ 40,000 लाख की राशि वित्तीय वर्ष 2016-17 के सामान्य प्रारक्षण को अंतरित करने का प्रस्ताव है।

निष्पादित प्रमुख आदेश

तीनों रक्षा सेवाओं तथा रक्षा-इतर ग्राहकों के लिए वर्ष के दौरान निष्पादित प्रमुख परियोजनाओं में शामिल थे - आकाश शस्त्र प्रणाली (थलसेना और वायुसेना), थलसेना को लेज़र रेंज फाइंडर सहित हस्त धारित थर्मल इमेजर, थलसेना को 3 विमीय सामरिक नियंत्रण रेडार, थलसेना को शस्त्र लोकेटिंग रेडार, नौसेना को फायर कंट्रोल सिस्टम, वायुसेना को एकीकृत वायु कमांड एवं नियंत्रण प्रणाली, थलसेना को एल70 गन अपग्रेड, वायुसेना को निम्न स्तरीय उड़ान रेडार, नौसेना को जहाज वाहित ई.डबल्यू. प्रणाली और नौसेना को नई पीढ़ी के सोनार।

निर्यात

आपकी कंपनी ने पिछले वर्ष के US$ 85.07 मिलियन के निर्यात आवर्त की तुलना में इस वर्ष of US$ 65.5 मिलियन की निर्यात बिक्री हासिल की। 1 अप्रैल 2017 को बीईएल की निर्यात आदेश बही US$ 85

मिलियन थी जिसमें US$ 17 मिलियन के समंजन आदेश शामिल थे। वर्ष 2017-18 की लक्षित निर्यात बिक्री US$ 72 मिलियन है। बीईएल की दीर्घकालीन निर्यात योजना कुल विक्रयावर्त के 4.9% के चालू स्तर से सतत् रूप से बढ़कर 10% का स्तर हासिल करने की है।

वर्ष के दौरान, निर्यात किए गए प्रमुख उत्पादों में सीएसएस, कम्पास, वीएचएफ रेडियो भारती, एसीसीएस, संकेत, ईओ एफसीएस, इलेक्ट्रो मेकेनिकल पुर्जे आदि शामिल हैं।

वर्ष के दौरान, कुछ प्रमुख नौसैनिक परियोजनाएँ जिन्हें निष्पादित किया जाना था, न हो सके क्योंकि ग्राहक सिस्टम एकीकरण प्राप्त करने के लिए तैयार नहीं थे जिसके परिणामस्वरूप निर्यात में गिरावट आई। परिवर्तनशील राजनीतिक माहौल, नेतृत्व में परिवर्तन तथा वैश्विक वित्तीय मंदी के कारण संविदाओं का काम पूरा नहीं किया जा सका हालांकि बीईएल ने म्यांमार, वियतनाम, श्री लंका, मलेशिया, मिश्र जैसे देशों को विभिन्न उत्पादों / सिस्टमों का प्रस्ताव पेश किया था। अफ्रीकी और लेटिन अमेरिकी देश रक्षा प्रापण से पहले अपनी सामाजिक ज़रूरतों को पूरा करने के लिए अपने प्रापणों की सावधानीपूर्वक प्राथमिकता तय कर रहे हैं। समंजन के लिए ओईएम के साथ हस्ताक्षरित अनेक एमओयू रक्षा मंत्रालय की अधिग्रहण योजना के अनुसार संविदा स्तर तक नहीं पहुँच सके। समंजन पूरा करने के लिए संशोधित डीपीपी को ध्यान में रखते हुए, समंजन कारोबार इससे पहले प्रत्याशित अनुसार नहीं किया जा सका। बहरहाल, बीईएल अपने निर्यात कारोबार को बढ़ाने के प्रयास जारी रखे हुए है।

बीईएल देश का पहला संगठन है जो निर्यात पर ध्यान केंद्रित करते हुए पेशेवर रक्षा इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के विकास और निर्माण के क्षेत्र में "मेक इन इंडिया" प्रोग्राम की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

बीईएल में रक्षा इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों और प्रणालियों, जो इसके कारोबार के मुख्य क्षेत्र से संबंधित हैं, के निर्यात की संभावना को सुसज्जित करने पर अधिक बल देने के लिए एक समर्पित अंतर्राष्ट्रीय विपणन प्रभाग है । बीईएल भारत के मैत्रीपूर्ण देशों को विभिन्न उत्पादों और प्रणालियों का निर्यात करती आ रही है। इसके अलावा, बीईएल अपनी इलेक्ट्रॉनिक मतदान मशीनों का विपणन करने के लिए विभिन्न लोकतांत्रित देशों के निर्वाचन आयोग के साथ भी बातचीत कर रही है। कुछ पड़ोसी देशों में तटीय चौकसी रेडार प्रणाली संस्थापित करते हुए, बीईएल भारत के अन्य मैत्रीपूर्ण देशों को इस प्रणाली की आपूर्ति करने के लिए विदेश मंत्रालय से नियमित रूप से बातचीत कर रही है।

बीईएल ने बाज़ार के विभिन्न खंडों की पहचान की है और अपने उत्पादों और प्रणालियों के लिए इसके पास एक संरचित विपणन योजना तैयार है। बीईएल ग्राहकों की अपेक्षाओं, अधिग्रहण की प्रक्रिया को समझने तथा निर्यात कारोबार बढ़ाने के लिए ग्राहकों के साथ दीर्घकालीन संबंध स्थापित करने के लिए आवधिक आधार पर ग्राहकों का दौरा भी करती आ रही है।

बीईएल रक्षा प्रापण प्रक्रिया (डीपीपी) में शामिल "समंजन" नीति के कारण, र.मं. के विभिन्न आरएफपी में अपनी बाध्यताओं को पूरा करने के लिए ओईएम की मदद करने के क्षेत्रों में उपलब्ध अवसरों पर ध्यान दे रही है। इस संबंध में, बीईएल विभिन्न प्रमुख विदेशी एरोस्पेस और रक्षा कंपनियों के साथ भी गहन रूप से काम कर रही है। बीईएल ने ओईएम जैसे उभरते अवसरों का लाभ लेने के एक क्षेत्र के रूप में संविदा विनिर्माण (बिल्ड टू प्रिंट और बिल्ड टू स्पेक) की भी पहचान की है। इसके अलावा, वैश्विक बड़ी कंपनियों के साथ दीर्घकालीन आपूर्ति कड़ी संबंध बनाने के भी प्रयास किए जा रहे हैं।

बीईएल ने अपने उत्पादों और सक्षमताओं को प्रदर्शित करने के लिए और दुनिया के आपूर्ति कड़ी के साझेदारों में अपने ब्रांड के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए तीन अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनियों में भाग लिया । बीईएल अपनी मौजूदगी बढ़ाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय / रक्षा पत्रिकाओं / पत्र-पत्रिकाओं / जर्नलों में आवधिक विज्ञापन भी प्रकाशित करती है। बीईएल ने निर्यात पर ध्यान देने के लिए एरो इंडिया 2017, बेंगलूरु में भाग लिया।

बीईएल पिछले छः वर्षों से कर्नाटक सरकार द्वारा "इलेक्ट्रॉनिक एवं संचार (आईटी/बीटी को छोड़कर) - मध्यम एवं बृहत्" वर्ग में निर्यात में उत्कृष्टता का पुरस्कार प्राप्त करती आ रही है।

सरकार के साथ एमओयू

आपकी कंपनी भारत सरकार, रक्षा मंत्रालय के साथ प्रति वर्ष समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करती आ रही है। वर्ष 2015-16 के लिए बीईएल के कार्य-निष्पादन को सरकार ने एमओयू के परिप्रेक्ष्य में "उत्कृष्ट" श्रेणी प्रदान की है। वर्ष 2016-17 के लिए एमओयू श्रेणी सरकार द्वारा समीक्षाधीन है।

आदेश बही की स्थिति

यथा 01 अप्रैल 2017 को कंपनी की आदेश बही लगभग ₹ 40,242 करोड़ की है। इस आदेश बही में मुख्य रूप से बड़े प्रोग्राम शामिल हैं जैसे एकीकृत वायु कमान नियंत्रण प्रणाली, लंबी दूरी की सतह से वायु मिसाइल, युद्धक्षेत्र चौकसी प्रणाली, शस्त्र लोकेटिंग रेडार, ई.डबल्यू. सुइट, लेज़र रेंज फाइंडर के साथ हस्त धारित तापीय इमेजर, उन्नत सम्मिश्रित संचार प्रणाली, भू आधारित मोबाइल एलिट, कमान सूचना निर्णय समर्थन प्रणाली, इलेक्ट्रॉनिक मतदान मशीन, फायर कंट्रोल सिस्टम, गन / टैंक के अपग्रेट, संचार सेट, नई पीढ़ी के रेडार और सोनार आदि।

वित्त

वर्ष के दौरान, आपकी कंपनी शेयरों की पुनर्खरीद और अधिक लाभांश अदा करने के साथ अपने शेयरधारकों का मूल्य बढ़ाने में सक्षम रही। कंपनी ने 25% शेयर पूंजी वापस की और शेयरधारकों को ₹ 217, 116 लाख राशि के मुक्त प्रारक्षण सृजित किया जिसे नवंबर 2016 में पूरा किया गया। वर्ष 2015-16 के ₹ 34,800 लाख (145%) अंतिम लाभांश जिसे 2016-17 में अदा किया गया, के अलावा, ₹ 26,804 लाख राशि के दो

अंतरिम लाभांश वित्तीय वर्ष 2016-17 की समाप्ति से पहले अदा किए गए। इसके अलावा, ₹ 10 प्रत्येक के इक्विटी शेयरों के अंकित मूल्य को कंपनी के शेयरों में खुदरा सहभागिता बढ़ाने के उद्देश्य से ₹ 1 प्रत्येक के 10 इक्विटी शेयरों में उप-विभाजित किया गया। कुछ प्रमुख परियोजनाओं को लेने में आपकी कंपनी द्वारा की गई पहल अच्छी तरह प्रगति कर रही है और इसके परिणाम से आवर्त और विकास के उच्चतर प्रक्षेप पथ में जाने की कंपनी की यात्रा की गति और तेज़ होगी। वर्ष के दौरान आपकी कंपनी सभी वृद्धिशील कार्यशील पूँजी संबंधी आवश्यकताओं और अधिकांश पूँजी ज़रूरतों को पूरा करने में सक्षम रही। यथा 31 मार्च 2017 को अपनी कैपेक्स आवश्यकताओं का वित्त पोषण करने के लिए कंपनी ने ₹ 5,000 लाख का आवधिक ऋण प्राप्त किया। आपकी कंपनी ने अल्पकाल और दीर्घकाल दोनों के लिए आईसीआरए की सर्वोच्च श्रेणी बनाए रखा।

यथा 31 मार्च 2017 को कंपनी की वस्तुसूची की स्थिति (निवल) 31 मार्च 2016 के ₹ 417,747 लाख के समक्ष ₹ 490,501 लाख थी। यह यथा 31 मार्च 2017 को उत्पादन मूल्य (डीपीई) का 206 दिन परिकलित होता है, इस तरह, 31 मार्च 2016 को प्राप्त 206 दिनों को बनाए रखा गया।

यथा 31 मार्च 2017 को व्यापार से प्राप्तियों (निवल) की स्थिति 31 मार्च 2016 के ₹ 371,193 लाख के समक्ष ₹ 435,488 लाख थी। यह 180 दिनों का आवर्त परिकलित होता है, इस तरह पिछले वर्ष के 180 दिनों का आवर्त बनाए रखा गया। यह प्राप्तियों के संग्रहण में बेहतर कार्य-निष्पादन के कारण संभव हुआ।

भारतीय लेखा मानक (भारतीय ए.एस.)

कंपनी (भारतीय लेखा मानक) नियम, 2015 (कार्पोरेट कार्य मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना सं. 111 (ई) दिनांक 16.02.2015) के तहत यथा अपेक्षित, कंपनी ने पिछले वित्तीय वर्ष यानी 2015-16 की तुलना के साथ-साथ वित्तीय वर्ष 2016-17 से प्रभावी करते हुए भारतीय लेखा मानक (भारतीय ए.एस.) के अनुसार अपने वित्तीय विवरण तैयार किए । यथा अपेक्षित, कंपनी ने भारतीय ए.एस. के संक्रमण की तारीख यानी 1 अप्रैल 2015 से भारतीय ए.एस. के अनुरूप प्रारंभिक तुलन-पत्र भी तैयार किया।

नव-अधिसूचित "भारतीय लेखा मानक" (भारतीय ए.एस.) ने कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 133 जिसे कंपनी (लेखा) नियम, 2014 के नियम 7 के साथ पढ़ा जाना है, के तहत वर्णित विद्यमान भारतीय जीएएपी को स्थानापित करते हैं।

पूर्ववर्ती जीएएपी (आईजीएएपी) से भारतीय ए.एस. में संक्रमण किस तरह रिपोर्ट किए गए तुलन-पत्र, वित्तीय कार्य-निष्पादन और नकदी प्राप्ति को प्रभावित किया, इससे संबंधित एक व्याख्या स्टैंडअलोन तथा समेकित वित्तीय विवरणों की टिप्पणी सं. 37 में दी गई है।

जमा राशियाँ

कंपनी में वर्तमान में कोई सार्वजनिक जमा योजना नहीं है। बहरहाल, कंपनी के पास विगत की परिपक्व सार्वजनिक जमा राशि यथा 31 मार्च 2017 को ₹ 36.95 लाख की थी। इसमें से 34 जमा राशियाँ जिसकी राशि ₹ 36.50 लाख थी, का दावा नहीं किया गया या उसे अदा नहीं किया गया क्योंकि ये खाते कर्नाटक लोकायुक्त की सलाह पर अवरुद्ध कर दिए गए थे, यथा 31 मार्च 2017 को ₹ 0.45 लाख की शेष परिपक्व राशि जमाकर्ताओं द्वारा पर्याप्त दस्तावेज प्रस्तुत न करने / संबंधित अभिलेख प्रस्तुत न करने के कारण अदत्त थे। यथा 31 मार्च 2017 को बकाया सार्वजनिक जमा राशि की संपूर्ण राशि तुलन-पत्र की अन्य वित्तीय देयता टिप्पणी में शामिल की गई है।

अनुसंधान एवं विकास

अनुसंधान एवं विकास (आर एंड डी) बीईएल का मुख्य शक्ति रही है। बीईएल के विभिन्न अनु. व वि. प्रभाग रणनीतिक घटकों, प्रौद्योगिकी मॉड्यूलों, उप-प्रणालियों, उत्पादों, प्रणालियों तथा प्रणालियों की प्रणाली के विकास में कार्यरत हैं। संस्थागत प्रयासों के अलावा, बीईएल के अनु. व वि अभियंता संयुक्त विकास के लिए डीआरडीओ, अन्यराष्ट्रीय अनुसंधान प्रयोगशालाओं तथा शैक्षणिक संस्थानों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। 2016-17 के दौरान, अनु. व वि. कार्यकलाप कारोबार के सभी खंडों में किए गए जिनमें रेडार, सैन्य संचार, नौसैनिक प्रणालियाँ, मिसाइल प्रणालियाँ, इलेक्ट्रॉनिक युद्धपद्धति, वैमानिकी, सी4आई प्रणालियाँ, इलेक्ट्रो-ऑप्टिक्स, टैंक इलेक्ट्रॉनिकी, गन के अपग्रेड, असैनिक उपकरण तथा प्रणालियाँ व घटक शामिल हैं।

बीईएल में तीन-स्तरीय अनु. व वि. संरचना मौजूद है नामतः सीआरएल, केन्द्रीय डी एंड ई तथा पीडी एवं आईसी (उत्पाद डिज़ाइन एवं नवोन्मेष केन्द्र) और एसबीयू / यूनिटों के साथ संबद्ध डी एंड ई ।

बेंगलूरु और गाज़ियाबाद में स्थित दो केन्द्रीय अनुसंधान प्रयोगशालाएँ (सीआरएल) बीईएल के मुख्य प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में भविष्यगानी अनु. व वि. कार्य में शामिल हैं और वे एसबीयू / यूनिटों के प्रयोग के लिए अत्युनत प्रौद्योगिकी मॉड्यूल विकसित करते हैं।

बेंगलूरु स्थित केन्द्रीय डी एंड ई और पीडी एवं आईसी एसबीयू / यूनिटों की आवश्यकतानुसार सामान्य प्रौद्योगिकी के मॉड्यूल विकसित करते हैं जैसे रेडार संकेत प्रक्रमण यूनिटें, एनक्रिप्शन मॉड्यूल, माइक्रोवेव घटक, पॉवर एम्पलीफायर, एमएमआईसी, प्रदर्श आदि।

एसबीयू / यूनिट डी एंड ई ग्रूप ऐसी प्रणाली और प्रणालियों की प्रणाली संबंधी समाधान प्रदान करते हैं जिसमें उत्पाद के संपूर्ण जीवन-चक्र के दौरान आवश्यक प्रक्षेत्र की विशेषज्ञता, तकनीकी समर्थन - अभिकल्प की संकल्पना से लेकर उत्पाद / प्रणाली की बिक्री के बाद के अप्रचलन प्रबंधन तक शामिल होते हैं और सीआरएल, केन्द्रीय डी एंड ई, पीडी एवं आईसी तथा सहयोगात्मक अनु. व वि. के लिए आवश्यक उप-प्रणालियों एवं प्रक्रियाओं को विकसित किया जाता है।

वर्ष 2016-17 के लिए कंपनी के आवर्त का विश्लेषण यह दर्शाता है कि आवर्त का 87% संस्थागत प्रयासों तथा डीआरडीओ के साथ संयुक्त रूप

से विकसित उत्पादों से और शेष 13% ऐसे उत्पादों / प्रणालियों से सृजित हुआ है जिनकी प्रौद्योगिकी विदेशी / भारतीय सहयोगकर्ताओं से अर्जित की गई है।

2016-17 के दौरान, बीईएल के अनु. व वि. प्रभागों ने अनेक नए उत्पादों / प्रणालियों / प्रौद्योगिकी मॉड्यूलों का विकास कार्य पूरा किया।

कुछ नए उत्पाद / प्रणालियाँ नीचे दिए गए हैं जिनका विकास कार्य पूरा किया गया जिनमें से कुछ वर्ष के दौरान ही प्रस्तुत किए गए।

शस्त्र लोकेटिंग रेडार (पहला उत्पादन मॉडल)

शस्त्र लोकेटिंग रेडार का विकास शस्त्रों के लांच बिंदु को सटीक रूप से पहचानने के लिए किया गया है। युद्ध के मैदान में यह बल को कई गुना बढ़ाने का काम करता है।

बीएफएसआर - एक्स आर रेडार

युद्ध क्षेत्र चौकसी रेडार व्यक्ति के लिए संहत, बैटरी चलित, ट्राइपॉड पल्स डोपलर रेडार है। यह प्रचालनीय बैंड में संचलित लक्ष्यों का पता लगाने में सक्षम है। इस रेडार को सूदूर नियंत्रण और प्रदर्श यूनिट का प्रयोग करते हुए प्रचालित किया जा सकता है।

एडीएफसीआर के लिए आईएफएफ मार्कII रेडार

मित्र या शत्रु की पहचान करने वाला रेडार मार्क II प्रश्न मोड में हवाई रक्षा फायर कंट्रोल रेडार के साथ काम करने के लिए अभिकल्पित है।

हम्सा एनजी - पी15 बी

पी15बी वर्ग के जहाजों के लिए हम्सा एनजी जहाज के अगले हिस्से में लगाए जाने वाला सक्रिय-सह-निष्क्रिय सोनार है जिसका प्रयोग वर्धित त्रुटि सह्यता एवं अंतरापृष्ठ सक्षमताओं के साथ सक्रिय और निष्क्रिय दोनों माध्यमों में ज़मीनी और ज़मीन के नीचे के लक्ष्यों की चौकसी और ट्रैकिंग करने के लिए किया जाता है।

यूएसएचयूएस-2

यूएसएचयूएस-2, एक एकीकृत पनडुब्बी सोनार सुइट है जिसका अभिकल्प व्यापक रूप से अंतर्जलीय खतरों को प्रभावपूर्ण ढंग से चुनौती देने के लिए किया गया है। इसमें सक्रिय, निष्क्रिय, अंतर्जलीय संचार, अंतरारोधन तथा अवरोध निवारण संबंधी प्रचालनों के लिए बहु सेंसर लगे होते हैं।

तटीय चौकसी प्रणाली - मालदीव्स

तटीय चौकसी प्रणाली कंट्रोल सेंटर से जुड़े 10 रेडार सेसरों की नेटवर्किंग करते हुए निर्मित समुद्री बचाव समवय केंद्र है। ये रेडार स्टेशन हवाई तथा समुद्री सतही लक्ष्यों से संबंधित डेटा तैयार करने के लिए सेसर उपकरणों से बने होते हैं जैसे रेडार, स्वचालित अभिचिह्नन प्रणाली तथा इलेक्ट्रो-ऑप्टिक प्रणाली।

स्वदेशी वायुयान कैरियर के लिए एसीसीएस

यह उन्नत सम्मिश्रित संचार प्रणाली (एसीसीएस) आईपी आधारित एकीकृत संचार प्रणाली होती है जो जहाज से जहाज, जहाज से तट और जहाज से हवाई संचार सुकर बनाने के लिए वीएलएफ, एमएफ, एचएफ, वी/यूएचएफ और सैटकॉम बैंडों पर त्वरित और विश्वसनीय संचार प्रदान करती है। इस प्रणाली को स्वदेशी वायुयान कैरियर में लगाया जाता है।

पी15 बी के लिए शिप डेटा नेटवर्क

पी15बी के लिए गिगाबिट एथरनेट आधारित शिप डेटा नेटवर्क (जीबीई एसडीएन) वाएस ट्रैफिक, यथार्थ काल डेटा और बाहरी संचार के लिए वीडियो, समाघात प्रबंध प्रणाली तथा जहाज प्रणाली उपकरण के लिए एकल ब्रॉडबैंड नेटवर्क प्रदान करता है। एसडीएन इसके तत्वों के बेहतर कामकाज की निगरानी और प्रबंधन करने के लिए नेटवर्क हेल्थ मॉनीटरी प्रणाली भी प्रदान करता है।

8 Mbps (हाई बैंड) के लिए आरआरएफ अपग्रेड

2 Mbps डेटा दर का ग्राहक समर्थन हेतु आपूरित विद्यमान रेडियो रिले । इस उपकरण को 8 Mbps में अपग्रेड किया गया है और इसमें अतिरिक्त ईसीसीएम की विशेषता शामिल की गई है। यह तापीय मोड और रिपीटर मोड में विश्वसनीय संचार प्रदान करता है।

भारती रेडियो (निर्यात)

वीएचएफ सामरिक रेडियो (भारती) 30 से 80 मेगा हर्ट्ज के आवृत्ति बैंड में साफ्टवेयर द्वारा वियासित और स्वदेशी रूप से अभिकल्पित आवृत्ति हॉप्पिंग रेडियो है। यह मैनपैक और मोबाइल की भूमिका में हल्का, संहत अभिकल्प, उच्च निष्पादन वाइस और डेटा संचार उपकरण है।

मिसाइलों के लिए डेटा लिंक

मिसाइल डेटा लिंक भू स्टेशन और मिसाइल के बीच दोतरफा सुरक्षित संचार प्रदान करता है। इसका अभिकल्प सीडीएमए- डायरेक्ट सीक्वेंस स्प्रेड स्पेक्ट्रम (डीएसएसएस) प्रौद्योगिकी पर आधारित है।

बीकन मार्कIII

बीकन मार्कIII एक संहत क्रिप्टो साधित्र है जो वी.34 मोडेम तथा लैन/वैन वेटर्क (10/100 Mbps) का प्रयोग करते हुए पीएसटीएन लाइनों पर डेटा संचार के लिए उच्च स्तर की गुप्तता प्रदान करता है। यह प्रचालन के "ऑन लाइन और ऑफ़ लाइन" दोनों मोड का समर्थन करता है।

जहाज वाहित ई.डबल्यू प्रणाली

जहाज वाहित ई.डबल्यू प्रणाली एक आधुनिक ईएसएम प्रणाली है जो आगमन सटीकता (डीओए) की उच्च दिशा के साथ बी-जे बैंड तक प्रचालित होता है। इस प्रणाली का अभिकल्प अंतर्निर्मित फिंगर प्रिंटिंग क्षमता के साथ वाइड बैंड तथा नैरो बैंड रिसीवरों के लिए तैयार किया गया है।

लेज़र रेंज फाइंडर के साथ हस्त धारित तापीय इमेजर (एलआरएफ के साथ एचएचटीआई)

एलआरएफ सहित एचएचटीआई एक एकीकृत बहुप्रकार्य साइट है जिसमें तापीय इमेजर, लेज़र रेंज फाइंडर, सीसीडी कलर डे कैमेरा, ग्लोबल पोज़िशिनंग सिस्टम और अंतर्निर्मित क्लाइनोमीटर के साथ डिज़िटल चुंबकीय कम्पास होते हैं। यह उपकरण दिन और रात में देखने की क्षमता, लक्ष्य का दूरी मापन, प्रेक्षक की स्वयं की स्थिति और दिन/रात के दौरान लक्ष्य गुणांक प्रदान करने में सक्षम होता है।

सीमा चौकसी प्रणाली (बॉस)

सीमा चौकसी प्रणाली (बॉस) में दिन का कैमेरा, थर्मल इमेजर तथा युद्धक्षेत्र चौकसी रेडार (बीएफएसआर) जैसे सेसरों का इस्तेमाल किया जाता है ताकि लक्ष्य की सूचना प्राप्त की जा सके और प्राप्त सूचना को ऑप्टिकल फायबर केबल (ओएफसी)/बेतार लिंक के ज़रिए कंट्रोल स्टेशन को भेजी जा सके।

अशीतलित टीआई बाइनाक्यूलर

अशीतलित टीआई बाइनाक्यूलर एक अत्युनत लंबी दूरी का हस्त धारित, द्वि-क्षेत्रीय दृष्टि का थर्मल इमेजिंग कैमेरा होता है जिसका प्रयोग चौकसी करने हेतु किया जाता है।

वीवीपीएटी (वोटर वेरीफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल) -मार्क 2

वीवीपीएटी सिस्टम थर्मल प्रिंटर के साथ अभिकल्पित है जो पारंपरिक इलेक्ट्रॉनिक मतदान मशीन (ईवीएम) में कंट्रोल यूनिट और बैलेट यूनिट के साथ अंतरापृष्ठ किया होता है। वीवीपीएटी सिस्टम एक थर्मल पेपर पर्ची में मतदाता के मत को मुद्रित करता है और मतदाता को उनके द्वारा किए गए मतदान को दर्शाता है।

एफपीएस ऑटोमेशन के लिए पीओएस

इस प्वाइंट ऑफ सेल (पीओएस) साधित्र का प्रयोग राशन वितरण की प्रक्रिया के स्वचालन के लिए किया जाता है जिसमें हितलाभियों का ऑनलाइन आधार अनुप्रमाणीकरण, असली हितलाभियों को वितरण तथा उचित मूल्य की दुकान में वस्तुसूची की रिपोर्टिंग शामिल होते हैं।

ड्यूल फ्रीक्वेंसी आईपी मॉडेम

ड्यूल फ्रीक्वेंसी आईपी मॉडेम ड्यूल फ्रीक्वेंसी आउटपुट के साथ एक एथरनेट कोहरेंट मॉडेम होता है जो बहुपथ के प्रभाव को कम करता है और ट्रोप्पो संचार के लिए वाएस/वीडियो/डेटा की सहायता प्रदान करता है।

2 केवी एसएसपीए (ट्रोपो)

2 केवी एल/एस बैंड एम्पलीफायर पावर तथा नेटवर्क प्रबंध समर्थन का स्वीकृत निम्नीकरण प्राप्त करने के लिए मॉड्यूल निर्माण के साथ एक ब्रॉडबैंड उच्च आवृत्ति वाला एम्पलीफायर होता है।

वर्ष के दौरान संस्थापित नई सुविधाएँ

कंपनी प्रौद्योगिकी / उत्पादों की बदलती ज़रूरतों के साथ गति बनाए रखने के लिए अपनी अवसंरचना का लगातर आधुनिकीकरण करती आ रही है। सभी यूनिट में विशिष्ट समूह प्रौद्योगिकी में परिवर्तन का पता लगाते हैं और अधिग्रहण के लिए दुनिया की नई प्रक्रियाओं की पहचान करते हैं। इससे कंपनी को अपनी अवसंरचना अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बनाए रखने में मदद मिलती है। वर्ष 2016-17 के दौरान, कंपनी ने कैपेक्स निवेश के भाग के रूप में ₹ 612 करोड़ खर्च किया है। यह खर्च पूरी रतह आंतरिक साधनों से पूरा किया गया। वर्ष के दौरान संस्थापित कुछ प्रमुख सुविधाएँ इस प्रकार हैं -

- रेडार और एंटेना प्रणालियों की असेंबली, परीक्षण व एकीकरण के लिए गाज़ियाबाद यूनिट में नया रेडार असेंबली हैंगार का उद्घाटन।
- गुणता संबंधी अवसंरचना के आवर्धन कार्य के भाग के रूप में वायुयानों पर बाहरी रूप से लगाई जाने वाली उप-प्रणालियों की अपघर्षण प्रतिरोधकता की जाँच करने के लिए बेंगलूरु यूनिट में "ब्लोइंग सैंड तथा डस्ट जाँच सुविधा" संस्थापित की गई।
- बेंगलूरु यूनिट में सिस्टम स्तरीय जाँच सुविधा के लिए इलेक्ट्रो चुंबकीय सक्षमता (ईएमसी) चैम्बर।
- बेंगलूरु यूनिट में विभिन्न सिस्टम स्तरीय परियोजनाओं की जाँच के लिए उच्च तुंगता इलेक्ट्रो चुंबकीय स्पंद / नाभिकीय इलेक्ट्रो चुंबकीय स्पंद (एचईएमपी)/ (एनईएमपी) हेतु पल्स करेंट इंजेक्शन जाँच सुविदा (पीसीआई)।
- बेंगलूरु यूनिट में अत्युनत सर्फेस माउंट टेक्नालॉजी (एसएमटी) मशीन, वेव सोल्डरिंग मशीन और ऑटोमेटेड ऑप्टिकल इंस्पेक्शन (एओआई) के साथ नई इलेक्ट्रॉनिक मैयुफैक्चरिंग सर्विस (ईएमएस) असेंबली की स्थापना।
- बेंगलूरु यूनिट में 4 "व्यास से लेकर 6" के व्यास तक के वेफर पर कार्य करने के लिए आईसी वेफर फैब सुविधा के लो प्रेशर केमिकल वेपर डिपोज़ीशन (एलपीसीवीडी) उपकरण का कोटि उन्नयन।
- बेंगलूरु यूनिट में नया फ़ोटोवोल्टाइक मॉड्यूल लाइन तथा विद्यमान सोलार सेल संयंत्र को वेट इचिंग तथा स्वाचलित प्रिंटिंग लाइनों के साथ कोटि उन्नयन।
- स्वचालित पारेषण / रिसीव मॉड्यूल असेंबली लाइन जिसमें एक्स-बैंड टीआर मॉड्यूल उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए डाइ-अटैच तथा वायर-बांडिंग लाइनें शामिल होती हैं।

गुणता

गुणता, प्रौद्योगिकी तथा नवोन्मेष ये बीईएल के कारोबार पहलुओं के तीन मार्गदर्शी स्तंभ हैं । गुणता कंपनी के ध्यान केंद्रण का पहला स्तंभ है। ग्राहकों को प्रदत उत्पादों एवं सेवाओं की गुणता बढ़ाने के ले उत्पाद अभिकल्प, समय पर आपूर्ति, प्रक्रम चक्र काल, एस पी सी, गुणता नियंत्रण आदि से संबंधित कार्य-निष्पादन में सुधार लाने के लिए गुणता पहल किए गए । वर्ष 2016-17 के दौरान ग्राहक संतुष्टि सूचक में 84% तक सुधार लाने के प्रयासों में एक प्रमुख अंश रहा ।

कंपनी, विश्व स्तरीय प्रणालियों के साथ-साथ प्रक्रिया दृष्टिकोण द्वारा अपनी कार्यकलापों के सुधार करने के लिए प्रतिबद्ध है । सभी यूनिटें / रणनीति कारोबार यूनिटें (एसबीयू) / सामान्य सेवा समूह (सी एस जी) नब्बे के

दशक से ही आई एस ओ 9001 गुणता प्रबंधन प्रणाली (क्यू एम एस) से प्रत्यायित हैं । सात यूनिटें / एसबीयू, नामतः गाज़ियाबाद, पंचकुला, कोटद्वार, हैदराबाद, सैन्य संचार, इलेक्ट्रानिक युद्धपद्दति एवं वैमानिकी तथा निर्यात विनिर्माण ने अपने क्यू एम एस को एरोस्पेस मानक ए एस 9100 तक उन्नत किया है।

कंपनी की यूनिटें आई एस ओ 14001 प्रमाणीकरण द्वारा पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली के लिए प्रतिबद्ध हैं । गाज़ियाबाद यूनिट तथा बेंगलूरु यूनिट की इंजीनियरिंग सेवाएँ प्रभाग ओएचएसएएस (व्यावसायिक स्वास्थ्य संरक्षा एवं मूल्यांकन श्रृंखला) 18001 से प्रत्यापित हैं ।

क्यू एम एस के लिए आई एस ओ 9001:2008 वर्शन तथा ई एम एस के लिए आई एस ओ 14001:2004 वर्शन को सितंबर 2015 में 2015 में संशोधित किया गया । इसी तरह, अक्टूबर 2016 में एस एस 9001 प्रकार 'सी' को वर्शन 'डी' तक उन्नयन किया गया । बीईएल में इन प्रमाणीकरणों को उन्नत करने के संबंध में विभिन्न एसबीयू / यूनिटों के कार्मिकों के लिए जागरूक प्रशिक्षण कार्यक्रमों, प्रमुख लेखापरीक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों तथा पूर्व वर्शनों के प्रमुख लेखापरीक्षक मानकों को नए वर्शन के मानकों के लिए परिवर्तन कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं । बेंगलूरु कॉम्पलेक्स, पुणे यूनिट, मछिलीपट्टणम यूनिट के कुछ एसबीयू / सी एस जी नामतः सामान्य विनिर्माण सेवाएं, इंजीनियरिंग सेवाएँ, केंद्रीय गुणता आश्वासन को आई एस ओ 9001 प्रमाणीकरण के नवीनतम 2015 वर्शन तक उन्नत किए गए ।

बेंगलूरु कॉम्प्लेक्स, गाज़ियाबाद तथा पंचकुला के परीक्षण उपकरणों का अंशांकन तथा अनुरक्षण विभाग आई एस ओ / आई ई सी 17025 मानक के अनुसार परीक्षण एवं अंशांकन प्रयोगशाला (एन ए बी एल) के लिए नेशनल एक्रेडिशन बोर्ड द्वारा प्रमाणित किए गए हैं। पुणे यूनिट में विनिर्मित एक्स रे ट्यूब को चिकित्सा साधित्रों के लिए आई एस ओ 13485 मानक हेतु प्रमाणित किया गया । बेंगलूरु कॉम्प्लेक्स के भारत इलेक्ट्रॉनिक्स सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी केंद्र (बी एस टी सी) सी एम एम आई दर्ज 5 में प्रमाणित है । डी एंड ई - एन सी एस तथा सी आर एल - गाज़ियाबाद सी एम एम आई स्तर 3 के लिए प्रमाणित हैं ।

वर्ष 2002 से बीईएल में ई फ क्यू एम (यूरोपियन फाउंडेशन ऑफ क्वालिटी मैनेजमेंट) कारोबार उत्कृष्टता के लिए मॉडल को अनुसरण करते आ रहा है, जो बीईएल के शेयरधारकों की अपेक्षाओं एवं प्रतिस्पर्धाओं में संवर्धन तथा आवश्यकताओं को सब से ज्यादा पूरा करने को समग्र रणनीतिक तथा प्रचालत्मक उत्कृष्टता के लिए एक और दृष्टिकोण अपनाया गया है । इसके विनियोजन की स्थिति को चरणबद्ध रूप में कारोबार उत्कृष्टता के लिए सी आई आई - एक्सिम पुरस्कार में भागीदारी द्वारा कंपनी में निर्धारित किया गया था । बीईएल की सभी यूनिटें / एसबीयू ने "उत्कृष्ट बनने की सुदृढ़ प्रतिबद्धता की अनुशंसा" हासिल की । बेंगलूरु, गाज़ियाबाद तथा कोटद्वार यूनिट ने अगले उच्च स्तर जैसे "महत्वपूर्ण उपलब्धियों की अनुशंसा" हासिल किए हैं ।

विभिन्न दृष्टिकोणों द्वारा उत्पादों तथा प्रक्रियाओं में सतत सुधारों किए जा रहे हैं । "सिक्स सिग्मा कार्यप्रणाली" ऐसा ही एक दृष्टिकोण है । निम्न तथा मध्यम स्तर के अधिकारी सुधार लाने के लिए उत्पादों एवं प्रक्रियाओं के संबंध में सुधार लाने के लिए विभिन्न क्षेत्रों से सिक्स सिग्मा परियोजनाओं का चयन करते हैं। सिक्स सिग्मा कार्यप्रणाली को प्रभावी कार्यान्वयन करने के संबंध में तथा विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण द्वारा सुधारात्मक संस्कृति को लाने के लिए, यूनिटों में चयनित वरिष्ठ अधिकारियों (16 व्यक्तियों) को भारतीय सांख्यकीय संस्थान, बेंगलूरु द्वारा नियमित रूप से "ब्लाक बेल्ट" के रूप में प्रशिक्षित किया जा रहा है । ये प्रशिक्षित ब्लैक बेल्ट अधिकारी अपने सिक्स सिग्मा परियोजनाओं में अन्य अधिकारियों (ग्रीन बेल्ट) को मार्गदर्शन देंगे । वित्तीय वर्ष 2016-17 में 452 सिक्स सिग्मा परियोजनाओं को पूरा किया गया । सैंतीस सिक्स सिग्मा परियोजनाओं को राष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धाओं / संगोष्ठियों के लिए नामित किया गया और वे इन सभी परियोजनाएं विभिन्न वर्गों में पुरस्कार के विजेता बने हैं । बीईएल की दो परियोजनाओं - डी एफ एस एस तथा लीन स्ट्रीमों ने फरवरी 2017 में राष्ट्रीय स्तर पर चैंपियनशिप जीता है ।

संगठन ने गुणता नियंत्रण सर्किल (क्यू सी सी) द्वारा गुणता अभियान में गैर कार्यपालकों की भागीदारी की सुविधा प्रदान की गई है । वर्ष 2016-17 में, विभिन्न क्यू सी सी यों द्वारा उत्पादों तथा प्रक्रियाओं में सुधार लाने के लिए 753 क्यू सी सी प्रस्तुतीकरण दिए गए । अनेक क्यू सी सी सर्किलों को राष्ट्रीय प्रतियोगिता / सम्मेलनों में भाग लेने के लिए नामित किया गया और सभी को विभिन्न वर्गों के पुरस्कार से सम्मानित किया गया । एक क्यूसीसी जिसने अंतर यूनिट क्यूसीसी प्रतियोगिता में सीएमडी की चल वैजयंती जीता था, ने बैंकाक, थाइलैंड में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, आईसीओक्यूसीसी 2016 में बीईएल का प्रतिनिधित्व किया और "स्वर्ण पदक" जीता।

गुणता सुधार के लिए एक और दृष्टिकोण सुझाव योजना है, जिसमें गैर कार्यपालक से लेकर प्रबंधक स्तर तक के कर्मचारी सुझावों द्वारा अपना योगदान प्रदान करते हैं जिसके लिए उनके सुझावों को कार्यान्वित किए जाने पर उपयुक्त प्रोत्साहन के साथ सम्मानित किया जाता है । इस वर्ष कर्मचारियों द्वारा लगभग 3400 सुझाव प्राप्त किए गए । बीईएल के चयनित कर्मचारियों ने जमशेदपुर में जनवरी 2017 के दौरान भारतीय राष्ट्रीय सुझाव योजना द्वारा आयोजित 27वें राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन में भाग लिया और विभिन्न वर्गों के तहत 06 पुरस्कार जीते । बेंगलूरु कॉम्प्लेक्स को राष्ट्रीय स्तर पर इंजीनियरिंग उद्योग वर्ग के तहत 'सुझाव योजना 2016 में उत्कृष्टता' के लिए प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया ।

कंपनी ने अमेरिकन सोसाइटी फॉर क्वालिटी(ए एस क्यू) द्वारा आयोजित प्रमाणित विश्वसनीयता इंजीनियर (सी आर ई) कार्यक्रम के लिए डी एंड ई इंजीनियरों को नामित किया । वर्ष 2016-17 में सी आर ई के लिए 39 डी एंड ई इंजीनियर पेशेवर रूप से प्रमाणित किए गए और इस तरह, कंपनी के सीआरई की संख्या बढ़कर 191 हुई ।

वर्ष के दौरान अमेरिकन सोसाइटी फॉर क्वालिटी(ए एस क्यू) द्वारा आयोजित प्रमाणित गुणता इंजीनियर (सी क्यू ई) कार्यक्रम के तहत विभिन्न

एसबीयू / यूनिटों में 37 प्रचालन स्तर के गुणता इंजीनियरों को प्रमाणित किया गया और इसके साथ प्रमाणित गुणता इंजीनियरों (सी क्यू ई) की संख्या कंपनी में 141 हुई । अगले उच्चतर स्तर के कार्यक्रम जैसे वरिष्ठ स्तर के कार्यपालकों के लिए गुणता एवं संगठन उत्कृष्टता (सी एम क्यू एंड ओ ई) के लिए प्रमाणित प्रबंधक भी ए एस क्यू द्वारा आयोजित किया गया और वर्ष के दौरान 14 वरिष्ठ कार्यपालकों को प्रमाणित किया गया ।

वर्ष के दौरान कारोबार उत्कृष्टता सहित गुणता प्रबंधन प्रणालियों के नवीनतम वर्शन द्वारा बीईएल गुणता मैनुअल का पुनरीक्षण कार्य लिया गया था । इस वर्ष 'गुणता मान्यता पुरस्कारङ की योजना प्रारंभ की गई ।

गुणता संबंधी अनेक परिमापियों के लिए यूनिटों / एसबीयू का मूल्यांकन किया गया और तीन सर्वोत्तम यूनिटों नामतः बेंगलूरु कॉम्पलेक्स के ईडबल्यू एंड ए एसबीयू, पंचकुला यूनिट और गाज़ियाबाद यूनिट के रेडार एसबीयू को पुरस्कृत किया गया ।

परियोजना प्रबंधन की संस्कृति को अपनाने के लिए परियोजना प्रबंधन पेशेवर (पी एम पी) के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया । प्रशिक्षण के उपरांत, वर्ष 2016-17 में परियोजना प्रबंधन संस्थान (पी एम आई) द्वारा 75 पी एम पी को प्रमाणित किया गया । इसके अलावा, निम्न स्तर के कार्यपालकों के लिए उनके कामकाज में परियोजना प्रबंधन की परिकल्पना का उपयोग करने की सुविधा प्रदान करने हेतु आवश्यकता आधार पर तैयार प्रशिक्षण कार्यक्रमों जैसे परियोजना प्रबंधन कार्यान्वयन कार्यक्रम (पी एम आई पी) का आयोजन किया गया ।

बीईएल के उत्पादों तथा सेवाओं के संबंध में गुणता पर ग्राहकों की अवधारणा जानने के लिए बाह्य एजेंसी नामतः मेसर्स मार्केट इनसाइट कंसल्टेंट्स (एम आई सी) नोएडा द्वारा एक स्वतंत्र ग्राहक संतुष्टि सर्वेक्षण (सी एस एस) किया गया । विभिन्न यूनिटों / एसबीयू से चौदह उत्पादों को इस सर्वेक्षण में शामिल किया गया । सर्वेक्षण का परिणाम 84% (औसत) ग्राहक संतुष्टि सूचकांक रहा जो वर्ष 2015-16 में हासिल किए गए 83% से कुछ अधिक रहा और वर्ष-दर-वर्ष बढ़ने की प्रवृत्ति दिखी ।

प्रक्रियाओं के बेहतर प्रबंधन तथा विश्लेषण के लिए उपयोगकर्ता की आवश्यकताओं के आधार पर एसएपी ई आर पी में नव लेनदेन संहिताएं शुरु की गईं ताकि उनमें समग्र सुधार किया जा सके । एसएपी में ग्राहक संबंध प्रबंधन माड्यूल (सी आर एम) तथा आपूर्तिकर्ता संबंध प्रबंधन माड्यूल (एस आर एम) से ग्राहक सेवाओं तथा प्रापण क्षमताओं में सुधार किए जा रहे हैं ।

मानव संसाधन

आपकी कंपनी में यथा दिनांक 31 मार्च 2016 को 9,848 कर्मचारियों की तुलना में यथा दिनांक 31 मार्च 2017 को 9716 कर्मचारी नियुक्त थे । इन कर्मचारियों में यथा दिनांक 31 मार्च 2017 को 4676 इंजीनियर / वैज्ञानिक थे तथा 2028 महिला कर्मचारी थे । वर्ष के दौरान कुल 192 कार्यपालकों तथा 152 गैर कार्यपालकों की भर्ती की गई । वर्ष के दौरान 58 कर्मचारी अ.जा. वर्ग, 22 कर्मचारी अ.ज.जा. वर्ग, 119 कर्मचारी अ.पि.व. वर्ग और 19 कर्मचारी अल्पसंख्यक वर्ग से नियुक्त किए गए ।

आपकी कंपनी आरक्षण पर सरकारी निर्देशों को कार्यान्वित करती आ रही है । यथा दिनांक 31 मार्च 2017 को अ.जा. / अ.ज.जा. और अन्यवर्गों के ब्योरे इस प्रकार हैं -

कर्मचारियों का वर्ग	कार्यपालक		कार्यपालक गैर-कार्यपालक	
	वर्ग 'क'	वर्ग 'ख'	वर्ग 'ग'	वर्ग 'घ'
अनुसूचित जाति	975	32	702	42
अनुसूचित जनजाति	327	5	142	23
अन्यपिछड़ा वर्ग	1166	36	871	33
भूतपूर्व सैनिक	98	6	281	65
दिव्यांग	98	3	123	13

तकनीकी, प्रकार्यात्मक, प्रबंधकीय तथा नेतृत्व क्षेत्रों में सक्षमता बढ़ाने के लिए विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया । विभिन्न श्रेणियों में पदोनत होने वाले कार्यपालकों की बढ़ती प्रशिक्षण ज़रूरतों को पूरा करने के लिए अग्रणी संस्थानों द्वारा संरचित कार्यपालक विकास कार्यक्रम नियमित रूप से संचालित किए जाते हैं।

तकनीकी, प्रकार्यात्मक, प्रबंधन / नेतृत्व जैसे विभिन्न क्षेत्रों में सक्षमता बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम की अभिकल्पना की गई है ।

वर्ष के दौरान कंपनी के मा.सं. सिद्धांत तथा मा.सं. की विशिष्ट पहलों पर एक विस्तृत आलेख इस रिपोर्ट की प्रबंधन के विचार-विमर्श एवं विश्लेषण रिपोर्ट में अलग से दिया गया है।

कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न, रोकथाम (प्रतिशेध एवं निवारण) अधिनियम, 2013 के तहत प्रकटण

समान अवसर प्रदान करने वाली नियोक्ता कंपनी है और लगातार ऐसी कार्य संस्कृति तैयार करने का भरसक प्रयास करती है जिसमें सभी कर्मचारियों की मर्यादा को बना रखा जा सके। कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न, रोकथाम (प्रतिशेध एवं निवारण) अधिनियम तथा उसके तहत बनाए गए नियमों के प्रावधानों के तहत यथा अपेक्षित, कंपनी ने इस नीति को कार्यान्वित किया है जिसे कंपनी के आंतरिक पोर्टल पर अपलोड किया गया है। सभी महिलाएँ, स्थायी, अस्थायी या संविदाजय, जिसमें सेवा प्रदाताओं की कार्यरत महिलाएँ भी शामिल हैं, इस नीति के तहत शामिल होती हैं।

लैंगिक उत्पीड़न संबंधी शिकायतों का निवारण करने के लिए कार्पोरेट कार्यालय सहित सभी नौ यूनिटों में आंतरिक शिकायत समिति गठित है ।

वर्ष के दौरान, कंपनी ने यौन उत्पीड़न संबंधी 2 शिकायतें प्राप्त की और वित्तीय वर्ष के अंत में ऐसी एक शिकायत लंबित है ।

कर्मचारियों को सुग्राही बनाने और कार्यक्षेत्र में अपने सहयोगियों की मर्यादा और सम्मान का समर्थन करने में, खासकर यौन उत्पीड़न के निवारण के संबंध में कंपनी भर में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए ।

पुरस्कार एवं मान्यताएँ

आपकी कंपनी देश भर के ग्राहकों के साथ वचनबद्ध रहने की क्षमता और ग्राहकों की दृढ अंतर्दृष्टि के आधार पर इसकी उत्पादों की गुणता, नवोन्मेष तथा इसके उत्पादों का नवीकरण के लिए विश्वसनीय कंपनी बनी हुई है। वर्ष के दौरान आपकी कंपनी ने विभिन्न पुरस्कार एवं मान्यताएँ हासिल की । वर्ष के दौरान आपकी कंपनी द्वारा हासिल कुछ प्रमुख सम्मान इस प्रकार हैं -

- बीईएल ने इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स वर्ग में डन एंड ब्रॉडशीट कार्पोरेट पुरस्कार 2016 जीता ।
- बीईएल ने नवरत्न वर्ग के अंतर्गत इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स, कोलकाता संस्थान के "पी एस ई उत्कृष्टता पुरस्कार 2015" के चार पुरस्कार जीते ।

  प्राप्त पुरस्कार का विवरण -
  - o "प्रचालात्मक कार्य-निष्पादन उत्कृष्टता" में द्वितीय पुरस्कार
  - o "आर एंड डी, प्रौद्योगिकी विकास एवं नवोन्मेष" में द्वितीय पुरस्कार
  - o "कार्पोरेट अभिशासन" में तृतीय पुरस्कार
  - o "मा.सं. प्रबंधन उत्कृष्टता" में तृतीय पुरस्कार
- इंडिया कौशल पुरस्कार-2016 - बीईएल ने कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय से केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रम के वर्ग में अधिकतम प्रशिक्षुओं को काम में लगाते हुए देश की कौशल विकास प्रक्रिया को बढ़ाने में समर्थ होने की मान्यता यता के लिए इंडिया कौशल पुरस्कार 2016 जीता ।
- इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में सर्वाधिक उद्यमी सी ई ओ - नई दिल्ली स्थित नीति विचारक संस्थान, इंडो ग्लोबल बिज़नेस काउंसिल (आई जी बी सी) ने अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक को "इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में सर्वाधिक उद्यमी सी ई ओ" पुरस्कार से सम्मानित किया ।
- बीईएल ने मध्यम / बृहद् उद्यम वर्ग के अंतर्गत कर्नाटक सरकार से इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार उत्पाद के वर्ग में "राज्य निर्यात उत्कृष्टता पुरस्कार 2014-15" जीता ।
- इंडिया प्राइड अवार्ड 2016-17 - बीईएल ने घरेलू वर्ग में वर्ष 2016-17 के लिए "दैनिक भास्कर इंडिया प्राइड पुरस्कार" जीता ।
- पंचकुला यूनिट ने बैंकाक में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय गुणता सर्किल सम्मेलन (क्यूसीसी) में स्वर्ण पदक जीता ।
- बीईएल ने मैसूरु, कर्नाटक में दिनांक 22 मई 2016 को आयोजित भारतीय गुणता सर्किल फोरम (क्यूसीएफआई) सिक्स सिग्मा प्रतियोगिता में 4 स्वर्ण, 6 रजत और 1 कांस्य पदक जीता ।
- सुझाव योजना में उत्कृष्टता के लिए इसान पुरस्कार - बीईएल बेंगलूरु तथा गाज़ियाबाद यूनिट को जमशेदपुर में दिनांक 20 तथा 21 जनवरी 2017 को राष्ट्रीय सुझाव योजना संघ (इसान) द्वारा आयोजित 27वें राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान वर्ष 2015-16 की सुझाव योजनाओं में उत्कृष्टता के लिए क्रमशः प्रथम एवं तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया ।

पर्यावरण प्रबंधन

पुनःचक्रण, पुनः उपयोग तथा घटाने के दृष्टिकोण द्वारा स्वच्छ प्रौद्योगिकियों एवं पर्यावरण को हरा-भरा रखने की उत्तम पद्धतियों को व्यवस्थित रूप से एकत्रित कर इसके प्रचालनों की सभी पहलुओं में निर्वहनीयता की पहल करना ही भारत इलेक्ट्रॉनिक्स का मुख्य सिद्धांत है । भारत इलेक्ट्रॉनिक्स की सभी यूनिटें पर्यावरणीय स्थिरता परिणामों को आगे बढ़ाने में अपने उत्पादों एवं सेवाओं में स्थिरता का निर्माण के लिए पर्यावरण अनुकूल प्रक्रियाओं का परिचय लगातार करते आ रहा है । अभिकल्पना से वस्तुओं का अंतिम उपयोग तक होने वाले पर्यावरणीय प्रभावों को यूनतम करने के लिए सफलता प्रौद्योगिकी अपनाते हुए उत्पादों एवं सेवाओं के पर्यावरणीय निष्पादन को बढ़ाने के लिए निर्वहनीयता लक्ष्यों को हासिल करने हेतु डी पी ई का मार्गदर्शनों तथा रक्षा मंत्रालय से अन्यनिर्देशों द्वारा कंपनी को मार्गदर्शित हो रहा है । प्राकृतिक संसाधन, ऊर्जा संरक्षण, जल संरक्षण तथा अपशिष्ट सृजन की कमी ये सभी कंपनी के सभी यूनिटों में संगठन की रचना में अंतर्निविष्ट हो गया है । कंपनी सुधारित निष्पादन द्वारा पर्यावरणीय प्रतिबद्धताओं को पूरा करने की विधिक आवश्यकताओं से परे मिलने वाले अवसर की प्रतीक्षा करती है ।

इस रिपोर्ट के साथ निर्वहनीयता रिपोर्ट दी गई है जिसमें पर्यावरण प्रबंधन एवं निर्वहनीय विकास पहल के बारे में विस्तार से बताया गया है ।

अनुषंगी, संयुक्त उद्यम और सहायक कंपनियाँ

बीईएल ऑप्ट्रानिक डिवाइसेस लिमिटेड (बेलॉप), इमेज इंटेंसिफायर ट्यूब्स बनाने का कारोबार करती है जो बीईएल के पूर्ण स्वामित्व की सहायक कंपनी है । आपकी कंपनी ने बेलॉप द्वारा किए गए अधिकार निर्गम में अंशदान करते हुए बेलॉप के इक्विटी शेयरों में ₹ 4,919.60 लाख तक (प्रति शेयर ₹ 100 के इसाब में 21,38,957 इक्विटी शेयर को ₹ 130/- प्रति शेयर के प्रीमियम पर) का अतिरिक्त निवेश किया ।

बेलॉप ने पिछले वर्ष ₹ 10,928 लाख रुपए की तुलना में इस वर्ष ₹ 12,338 लाख रुपए का विक्रयावर्त हासिल की । पिछले वर्ष ₹ 279 लाख रुपए का तुलना में इस वर्ष ₹ 482 लाख रुपए कर पश्चात लाभ (पी ए टी) था । बेलॉप ने वित्तीय वर्ष 2016-17 के लिए ₹ 2.44 प्रति शेयर के लाभांश का प्रस्ताव किया है ।

एसोसिएट कंपनी जीई बीई प्राइवेट लिमिटेड का कारोबार निष्पादन सफल रूप से चलता रहा । यह कंपनी सी टी मैक्स तथा अन्यनवीनतम प्रकार के

एक्स रे ट्यूब का विनिर्माण करती है । इस कंपनी द्वारा विनिर्मित उत्पादों के कुछ आवश्यक कलपुर्जों की आपूर्ति बीईएल द्वारा जाती है । जीई बीई प्राइवेट लिमिटेड ने पिछले वर्ष के ₹ 79,523 लाख का तुलना में इस वर्ष ₹ 79,985 का विक्रयावर्त का दर्ज किया । पिछले वर्ष ₹ 12,750 लाख का तुलना में इस वर्ष ₹10,130 लाख कर पश्चात् लाभ (पी ए टी) था । कंपनी ने वर्ष 2016-17 के लिए 100% का लाभांश घोषित किया तथा बीईएल वित्तीय वर्ष 2016-17 के लिए बीईएल के शेयरों के निवेश पर इस कंपनी से ₹ 260 लाख का लाभांश प्राप्त करेगी ।

मेसर्स बीईएल थालेस सिस्टम्स लिमिटेड (बीटीएसएल), सहायक कंपनी की स्थापना भारतीय और वैश्विक बाज़ारों के असैनिक और चयनित रक्षा रेडारों के अभिकल्प, विकास, विपणन, आपूर्ति तथा समर्थन के लिए की गई थी । आपकी कंपनी ने बीटीएसएल की इक्विटी पूँजी में 74% हिस्सा धारित करती है। आपकी कंपनी ने वर्ष के दौरान ₹ 100/- प्रति शेयर के 26,05,938 ईक्विटी शेयरों का अभिदान करते हुए ₹ 2,606 लाख तक का अतिरिक्त निवेश किया। इसके प्रचालन के तीसरे वर्ष, इसे ₹ 82 लाख की हानि हुई।

कंपनी अधिनियम की धारा 129(3) जिसे कंपनी (लेखा) नियम, 2014 के नियम 5 के साथ पढ़ा जाना है, के प्रावधानों के तारतम्य में, अनुषंगी, संयुक्त उद्यम और सहायक कंपनियों के वित्तीय विवरण की मुख्य विशेषताओं से युक्त विवरणी वित्तीय विवरणों के साथ संलग्न है।

समेकित वित्तीय विवरण

आपकी कंपनी तथा उसकी अनुषंगी तथा सहायक कंपनियों के समेकित वित्तीय विवरण इस रिपोर्ट के साथ संलग्न हैं।

सतर्कता

कंपनी के सतर्कता विभाग का नेतृत्व मुख्य सतर्कता अधिकारी(सी वी ओ), भाप्रसे अधिकारी द्वारा किया जाता है। प्रत्येक यूनिट और एसबीयू में स्थायी सतर्कता अधिकारी तैनात किए गए हैं। यूनिटों तथा एसबीयू में सतर्कता प्रशासन की देखभाल करने के लिए हर यूनिट में सतर्कता समितियां गठित हैं और यूनिट / एसबीयू प्रमुख को सतर्कता समिति का अध्यक्ष भी मनोनीत किया गया है । इसके अलावा, कार्पोरेट स्तर पर सतर्कता समिति भी गठित है, जिसमें अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक समिति के अध्यक्ष तथा सी.वी.ओ. सदस्य सचिव हैं । निवारणात्मक सतर्कता इस विभाग का जोर देने वाला क्षेत्र रहा है और चालू वर्ष के दौरान इसी पर ध्यान केंद्रित किया गया है । सतर्कता विभाग, नियमित रूप से प्रापण / उप ठेका संविदाएं तथा प्रक्रियाओं पर जांच करता है, नियमित एवं आकस्मिक निरीक्षणों का आयोजन किया जाता है और किसी भी घटनाएं, उस पर सूचित किए गए संदिग्ध लेनदेनों की जांच पड़ताल करता है । सी वी ओ को कोई भी कर्मचारी अथवा बाहरी व्यक्ति किसी भी प्रकार का संदिग्ध लेनदेन की जांच पड़ताल के लिए सूचित की जा सकती है जिसे कंपनी की शिकायत निवारण नीति के अनुसार परीक्षित किया जाएगा । ऑनलाइन शिकायत प्रबंधन प्रणाली कार्यान्वित की गई है और बीईएल की वेबसाइट के विजिलेंस पोर्टल द्वारा ऑनलाइन शिकायतें दर्ज की जा सकती हैं।

वर्ष के दौरान, 2422 आदेशों / संविदाओं की समीक्षा की गई है । 5 आईई टीमें तैयार करते हुए सी टी ई प्रकार की गहन परीक्षा को पुनर्गठित किया गया है । वर्ष के दौरान 34 उच्च मूल्य प्रापणों संविदाएं के सी टी ई प्रकार की गहन परीक्षा की गई है । क्षेत्र के सतर्कता अधिकारियों द्वारा नियमित तथा आकस्मिक जांच / निरीक्षण का आयोजन भी किया गया है । वर्ष के दौरान सी वी सी / एम ओ डी / सी बी आई द्वारा संदर्भित 06 शिकायतों सहित 70 शिकायतें प्राप्त हुए हैं । इनमें से, सी वी सी / एम ओ डी / सी बी आई द्वारा संदर्भित 06 शिकायतों सहित 43 शिकायतों को निपटाया गया । कुछ मामले में जहाँ चूक पाया गया था, उन पर अनुशासनिक कार्रवाई तथा प्रणाली / प्रक्रिया सुधार के लिए सिफारिश की गई है । जांच पड़ताल के लिए सीबीआई के पास तीन शिकायतें लंबित है ।

वर्ष के दौरान, सतर्कता संबंधी बुनियादी जागरूकता कार्यक्रम प्रारंभिक स्तर पर 105 परिवीक्षाधीन इंजीनियरों को, 629 कार्यपालकों तथा 266 गैर कार्यपालकों के लिए आयोजित किया गया । इसके अलावा, सतर्कता, साइबर अपराधों तथा निवारणात्मक सतर्कता उपायों पर 474 वरिष्ठ कार्यपालकों को परिनिर्मित प्रशिक्षण दिलवाया गया । संवेदनशील क्षेत्रों में 3 वर्षों से अधिक समय से कार्यरत 37 कार्यपालकों तथा 34 गैर कार्यपालकों चक्रानुक्रम किया गया तथा इसका प्रतिशत 99% है ।

सतर्कता विभाग ने जून 2016 में बीईएल में आयोजित समारोह पर आई एस ओ 9001 / 2015 सतर्कता प्रमाणीकरण प्राप्त किया । फरवरी 2017 के दौरान चौकसी लेखा परीक्षा कार्य पूरा किया गया ।

वेबसाइट के प्रभावी उपयोग द्वारा पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रौद्योगिकी आवर्धन पर सीवीसी के दिशा-निर्देशों के अनुरूप, बीईएल की वेबसाइट पर निम्नवत जानकारी उपलब्ध कराई गई -

- ई-प्रापण - टी ओ टी प्रापण रहित लगभग 85% प्रापणों, दीर्घकालिक दर संविदाएं तथा आवृत्ति आदेशों ई - प्रापण माध्यम के तहत शामिल किए गए हैं ।
- पूर्तिकर्ताओं का ऑनलाइन पंजीकरण
- पूर्तिकर्ता भुगतान सूचना प्रणाली
- पूर्तिकर्ताओं को ई भुगतान
- संकर्म संविदाएं, सेवा संविदाएं, पूँजी वस्तुओं तथा उत्पादन इतर वस्तुओं से संबंधित प्रदान किए गए ₹ 10 लाख से अधिक मूल्य की संविदाएं / क्रय आदेशों के विवरणों को वेबसाइट में प्रदर्शित किया गया ।
- नामांकन / एकल निविदा आधार पर प्रदान की गई ₹ 5 लाख से अधिक मूल्य की संविदाओं / क्रय आदेशों के विवरणों को वेबसाइट में प्रदर्शित किया गया ।

- क्रय प्रक्रिया तथा संकर्म संविदा मैनुअल का पुनरीक्षण किया गया और उसे बीईएल की वेबसाइट में प्रदर्शित किया गया ।
- शिकायत निवारण नीति तथा सचेतक नीति को वेबसाइट में पोस्ट किया है ।
- भ्रष्टाचार जोखिम प्रबंध नीति तैयार की गई और कार्यान्वयन के लिए जारी की गई । इसे वेबसाइट में डाला गया ।
- निष्क्रिय विक्रेताओं को फ्लैगिंग / हटाने के बाद रचित विक्रेताओं की निर्देशिका को कंपनी की वेबसाइट पर उपलब्ध कराई गई ।
- फाइल जीवनचक्र प्रबंध प्रणाली को पूरी कंपनी में कार्यान्वित किया गया और कंपनी में जनित कुल फाइलों में लगभग 79% का कवरेज हुआ है ।
- वार्षिक संपत्ति विवरणों की ऑनलाइन फाइलिंग सभी कार्यपालकों के लिए कार्यान्वित की गई तथा कार्यपालकों ने वर्ष 2014, 2015 एवं 2016 के लिए एसएपी में परिसंपत्ति एवं देयता (एपीआर) की वार्षिक घोषणा दर्ज की ।

बीईएल में सतर्कता व्यवस्था जागरूकता अभियान तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम द्वारा प्रणाली एवं कार्यविधि पर जागरूकता का बोध पैदा करने द्वारा कंपनी के सभी लेनदेन एवं प्रक्रियाओं में पारदर्शिता, न्यायपूर्ण एवं समानता लाने के लिए सदैव संघर्ष करते आ रहा है । वर्ष के दौरान की गई कुछ प्रमुख गतिविधियां इस प्रकार हैं -

1) वर्ष 2016 अक्टूबर / नवंबर के दौरान सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2016 मनया गया । विशिष्ट व्यक्तियों से विशेष भाषण के साथ सप्ताह को मनाते हुए दर्ज किया । बेंगलूरु के आसपास के विद्यालय एवं कॉलेज से लगभग 2000 छात्रों को बीईएल परिसर में बुलाया गया और उनको लघु नाटिका तथा वीडियो फिल्मों मंचन करते हुए राष्ट्रीय समग्रता एवं भ्रष्टाचार विरोधी संदेशों का प्रचार किया गया । ऐसे भ्रष्टाचार विरोधी जागरूकता कार्यक्रम बीईएल शैक्षिक संस्थानों के लगभग 750 छात्रों के लिए लघु नाटिका तथा प्रेरणात्मक वीडियो फिल्मों का मंचन कार्यक्रम की व्यवस्था की गई । 5वां स्तंभ, भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन का सरकारी इतर संगठन द्वारा भ्रष्टाचार विरोधी जागरूकता कार्यक्रम भी सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2016 के दौरान आयोजित की गई थी और इस में बीईएल बिद्यालय एवं कॉलेज से लगभग 750 छात्रों ने भाग लिए । सप्ताह के दौरान, बीईएल स्कूल बच्चों से वाकेथान तथा साइकल रैली, पौधा रोपण, पौधों का वितरण, सतर्कता नारा पट्ट का अनावरण तथा विशिष्ट व्यक्तियों के व्याख्यान तथा प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया ।
2) सीवीसी की वेबसाइट में दिए गए शपथ के अलावा, बीईएल-इंट्रानेट में आयोग द्वारा की गई पहल ई - शपथ को भी उपलब्ध कराया गया।
3) सीबीआई, बेंगलूरु, डिलोएट, भारतीय डेटा सुरक्षा परिषद के वक्ताओं द्वारा सतर्कता अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।
4) नौ सतर्कता अधिकारियों ने आई एस ओ 9001 - 2015 के प्रशिक्षण पाठ्यक्रम पूरा किया और उन्हें आई एस ओ 9001- 2015 मानक पर योग्य आंतरिक लेखा परीक्षकों के रूप में प्रमाणित किया गया ।
5) बीईएल - गाज़ियाबाद यूनिट में नियुक्त संविदा कार्मिकों के लाभार्थ बीईएल - गाज़ियाबाद यूनिट द्वारा "संविदा कार्मिकों के लिए मार्गदर्शन एवं उपयोगी जानकारी" (संस्करण 2) पर सूचना पुस्तिका जारी की गई ।
6) संविदा तथा क्रय विभागों में कार्यरत कार्यपालकों की सुविधा के लिए प्रापण एवं संकर्म संविदा में "क्या करें" और "क्या न करें" पर सूचना पुस्तिका भी जारी की गई ।
7) विश्व बैंक द्वारा आयोजित सार्वजनिक प्रापण पर ऑनलाइन प्रमाणित कार्यक्रम को बीईएल के लगभग 3041 कर्मचारियों ने सफलतापूर्वक पूरा किया। लगभग 60 कार्यपालक जिन्होने विशेष योग्यता के साथ सीपीपीपी को पूरा किया, ने भारतीय सामग्री प्रबंध संस्थान (आईआईएमएम) द्वारा संचालित अगले स्तर के पाठ्यक्रम "सार्वजनिक प्रापण में पेशेवर डिप्लोमा" में प्रविष्ट हुए। इसके अलावा, 173 कर्मचारियों ने विश्व बैंक द्वारा संचालित सीपीसीएम (संविदा प्रबंधन में प्रमाण-पत्र प्रोग्राम) को सफलतापूर्वक पूरा किया।

निष्ठा-संधि

सरकारी संगठनों में बड़ी मूल्य संविदाओं पर निष्ठा संधि प्रारंभ कर प्रापण संबंधी कार्यकलापों में भ्रष्टाचार उमूलन करने हेतु केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) के हाल की पहलों में एक है। रक्षा मंत्रालय तथा केंद्रीय सतर्कता आयोग से प्राप्त दिशा-निर्देशों के अनुसार, आपकी कंपनी ने शुरुआत में ₹ 2,000 लाख तथा उससे अधिक मूल्य के आदेशों / संविदाओं के लिए सभी विक्रेताओं / आपूर्तिकर्ताओं / ठेकेदारों के साथ निष्ठा संधि को अपनाया है । इस ऊपरी मूल्य को मार्च 2013 से ₹ 1,000 लाख तक कम किया गया था और मई 2014 से ₹ 500 लाख तक और कम कर दिया गया, तत्पश्चात उसे सितंबर 2016 से ₹ 400 लाख तक फिर से घटा दिया गया था । यह संधि, दोनों पक्ष के व्यक्तियों / अधिकारियों से किसी भी प्रकार के भ्रष्टाचार के कार्यों, संविदा के किसी भी पहल / अवस्था में सहारा नहीं करने के लिए प्रतिबद्ध रहने में, अनिवार्य रूप से संभावित विक्रेताओं / बोलीदाताओं तथा स्वामी (बीईएल) के बीच समझौता करने की परिकल्पना की । सिर्फ उन विक्रेताओं / बोलीदाताओं जिन्होंने स्वामी के साथ ऐसे संधि के लिए अपने आप प्रतिबद्ध रहने वाले, को ही बोली प्रक्रिया में भाग लेने योग्य माना जाएगा । यह निष्ठा संधि, संविदा-विशेष के संबंध में, बोलियों को निमंत्रित करने से लेकर संविदा के अंतिम समापन तक प्रचालित रहेगी। इसमें किसी प्रकार का उल्लंघन बोलीदाताओं को निरर्हता मानी जाएगी और भावी कारोबारी लेनदेन से उन्हें अलग कर दिया जाएगा ।

सी वी सी द्वारा की गई सिफारिश अनुसार, कंपनी ने श्री एम.डी.पलियाथ, आईडीएएस(नि.) तथा श्री शंकर नारायण, उप सीएजी (नि.) को कंपनी में निष्ठा संधि के कार्यान्वयन की निगरानी करने के लिए नियुक्त किया । वित्तीय वर्ष 2016-17 के दौरान आई ई एम द्वारा 260 संविदाओं की समीक्षा की गई तथा अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के साथ निर्धारित बैठकें आयोजित की गईं।

एमएसई से प्रापण

आपकी कंपनी एमएसएमई से प्रापण को बढ़ाने पर अधिक ज़ोर दे रही है और एम एस ई मंत्रालय द्वारा जारी दिशा-निर्देशों / अधिसूचना के अनुसार सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों के लिए सरकारी खरीद नीति को कार्यान्वित कर रही है । वर्ष 2016-17 के दौरान के कुल प्रापण में से, 20% से अधिक का प्रापण एम एस ई विक्रेताओं से किया गया ।

एम एस ई को सुविधा प्रदान करने के लिए, कंपनी वेब आधारित यथार्थ काल के केंद्रीकृत ई आर पी प्रणाली (एसएपी) द्वारा कंपनी की प्रापण प्रणाली में विद्यमान विक्रेताओं को सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों के रूप में वर्गीकरण करने के लिए सभी प्रयासों का विनियोजन किया जा रहा है । ऑनलाइन विक्रेता पंजीकरण प्रारूप को कंपनी के सरकारी वेबसाइट (www.bel-india.com) में उपलब्ध है । पंजीकरण की कार्यविधि, बीईएल की आवश्यकताओं का समझना, शिकायत की रिपोर्ट करना, यदि हो, आदि से संबंधी, विक्रेताओं की सहायता के लिए संपर्क अधिकारियों को नामित किया गया । कुछ अन्य पहलुओं जैसे कंपनी की अधिकारिक वेबसाइट में आवधिक अद्यतन एवं यूनिट / एसबीयू के विनिर्दिष्ट संपर्क अधिकारियों का विवरण के साथ, उत्पादन पर आधारित एम एस ई के लिए कंपनी की प्रापण योजना की अपलोडिंग, प्रदर्शनी, कार्यशालाएं, अनुषंगी उद्यमों को अधिकतम प्रेरणा देने के लिए औद्योगिक संपदा की स्थापना आदि विभिन्न विक्रेता विकास कार्यक्रमों में भाग लेना शामिल है ।

बीईएल तथा एमएसएमई विकास संस्थान, बेंगलूरु ने संयुक्त रूप से दिनांक 2 व 3 दिसंबर 2016 को बेंगलूरु में राष्ट्रीय विक्रेता विकास कार्यक्रम - 2016 तथा औद्योगिकी प्रदर्शनी आयोजित की । सभी शेयरधारकों को एक स्थान पर एकत्रित होने के लिए और उन्हें आपस में परिचर्चा करने के अवसर प्रदान करना इस कार्यक्रम का मूल उद्देश्य था । संख्या में एमएसई क्षेत्र सहित भारत भर के पूर्तिकर्ताओं के अतिरिक्त सरकारी अधिकारियों, वित्त संस्थानों, विक्रेता संघों, प्रापण, सं. एवं वि तथा सतर्कता क्षेत्रों से बीईएल की अधिकारियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिए । इस कार्यक्रम से एमएसई के विक्रेताओं को औद्योगिकी प्रदर्शनी में अपनी क्षमताओं को प्रदर्शित करने का भी अवसर मिला ।

राजभाषा नीति का कार्यान्वयन

आपकी कंपनी भारत सरकार की राजभाषा नीति का पालन करने के लिए प्रतिबद्ध है। वर्ष 2016-17 के दौरान, राजभाषा कार्यान्वयन के प्रति किए गए प्रयास इस प्रकार हैं -

राजभाषा निरीक्षण -

संसदीय राजभाषा समिति ने दिनांक 7 जून 2017 को पंचकुला यूनिट और दिनांक 14 जुलाई 2016 को कार्पोरेट कार्यालय में राजभाषा कार्यान्वयन का जायजा लिया। रक्षा मंत्रालय के अधिकारियों ने 24 अक्तूबर 2016 को हैदराबाद यूनिट का राजभाषाई निरीक्षण किया। उप निदेशक (राजभाषा) क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय द्वारा 28 सितंबर 2016 को कार्पोरेट कार्यालय और 4 नवंबर 2016 को सीआरएल, बेंगलूरु का राजभाषाई निरीक्षण किया। कार्पोरेट राजभाषा लेखा परीक्षा टीम ने गाज़ियाबाद, हैदराबाद और नवी मुंबई यूनिटों तथा सीआरएल, गाज़ियाबाद तथा क्षेत्रीय कार्यालय, दिल्ली का निरीक्षण किया।

वार्षिक कार्यक्रम तथा हिंदी माह समारोह -

कंपनी ने राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी राजभाषा संबंधी वार्षिक कार्यक्रम 2016-17 में निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त किया। कंपनी की सभी यूनिटों में हिंदी माह मनाया गया। हिंदी माह के दौरान कर्मचारियों और अधिकारियों ने विभिन्न कार्यक्रमों / प्रतियोगिताओं में भाग लिया। विभिन्न यूनिटों / कार्यालयों के कर्मचारियों ने अंतर कार्यालयीन नराकास प्रतियोगिताओं में पुरस्कार प्राप्त किए। वर्ष के दौरान हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान रखने वाले कर्मचारियों के लिए हिंदी कार्यशालाएँ संचालित की गईं। सभी कार्यपालकों और कर्मचारियों को यूनिकोड प्रशिक्षण दिलाया गया। सभी कर्मचारियों में विभिन्न प्रोत्साहन योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया और इन योजनाओं में कार्यपालकों / कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

वेबसाइट और सैप में राजभाषा -

कंपनी भर में राजभाषा कार्यान्वयन सुकर बनाने तथा राजभाषा संबंधी नवीनतम जानकारी प्रदान करने के लिए राजभाषा पोर्टल विद्यमान और इसे अद्यतन किया जा रहा है। सैप में हिंदी भाषा सक्रिय की गई। अधिकांश यूनिटों ने सैप पर राजभाषा प्रशिक्षण संबंधी रोस्टर में आंकड़े अद्यतन किए। कंपनी की वेबसाइट हिंदी भाषा में उपलब्ध है और उसे अद्यतन किया जा रहा है।

नई पहल -

- दिनांक 10 जनवरी को कार्पोरेट ऑडिटोरियम में पहला अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन आयोजित किया गया जिसमें बीईएल की सभी यूनिटों / कार्यालयों तथा नराकास के सदस्यों ने भाग लिया।
- कंपनी भर में राजभाषा रिपोर्ट ऑनलाइन प्रस्तुत करने की सुविधा।
- कार्पोरेट पत्रिका "नव प्रभा" का प्रकाशन।
- डेस्क समयव कार्यशाला "राजभाषा आप तक" प्रारंभ ।

राजभाषा कार्यान्वयन सुनिश्चित करने तथा बीईएल में हिंदी का प्रगामी प्रयोग करने के प्रयास जारी हैं।

आरटीआई अधिनियम का कार्यान्वयन

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2015 की धारा 4(1)(ख) के अनुसार प्रदान की जाने वाली सूचना कंपनी की वेबसाइट www.bel-india.com पर लगाई गई है। वेबसाइट पर लगाई गई सूचना में कंपनी के बारे में जानकारी, कर्मचारियों की शक्तियाँ और कर्तव्य, निर्णय लेने की प्रक्रिया, बीईएल द्वारा धारित नियम, विनियम, मैनुअल और अभिलेख, कंपनी के अधिकारियों की निर्देशिका, उनके वेतनमान, नागरिकों द्वारा कंपनी के बारे में अतिरिक्त जानकारी प्राप्त करने की प्रक्रिया तथा संबंधित अनुरोध प्रारूप उपलब्ध हैं।

वर्ष 2016-17 के दौरान, कंपनी ने आरटीआई अधिनियम के तहत 489 अनुरोध प्राप्त किए और उन्हें निपटाया गया। सूचना प्राप्त करने के अधिकांश अनुरोध भर्ती, सेवा संबंधी मामले, तृतीय पक्षकार तथा वाणिज्यिक गुप्तता संबंधी सूचना से संबंधित थे।

मंडल की बैठकें / निदेशकों तथा मुख्य प्रबंधकीय कार्मिकों में परिवर्तन

वर्ष के दौरान मंडल की 6 बैठकें आयोजित की गई, जिनके विवरण कार्पोरेट अभिशासन रिपोर्ट में दिए गिए हैं ।

वित्तीय वर्ष के दौरान आपकी कंपनी के निदेशकों तथा मुख्य प्रबंधकीय कार्मिकों में निम्नलिखित परिवर्तनों हुए -

क्रम. सं.	निदेशक का नाम	पदनाम	नियुक्ति का दिनांक	समाप्ति का दिनांक
1	श्री अमोल एल नेवासकर	निदेशक (अ.यू)	लागू नहीं	30.04.2016
2	श्री मनमोहन हाण्डा	निदेशक (बें.कॉ.)	लागू नहीं	30.04.2016
3	श्री गिरीश कुमार	निदेशक (बें.कॉ.)	01.05.2016	लागू नहीं
4	श्री नटराज कृष्णप्पा	निदेशक (अ.यू)	01.05.2016	लागू नहीं
5	श्री पी सी जैन	निदेशक (विपणन)	लागू नहीं	31.07.2016
6	श्री पी आर आचार्या	निदेशक (वित्त) एवं सीएफओ	लागू नहीं	19.08.2016
7	श्री एस के शर्मा	अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक	लागू नहीं	30.09.2016
8	श्रीमती आनंदी रामलिंगम	निदेशक (विपणन)	16.09.2016	लागू नहीं
9	श्री कोशी अलेक्ज़ांडर	सी एफ ओ	24.10.2016	लागू नहीं
10	श्री एम एल षण्मुख	निदेशक (मा.सं.)	लागू नहीं	31.10.2016
11	श्री एम वी गौतमा	अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक	08.11.2016	लागू नहीं
12	श्री आर एन बग्दलकर	निदेशक (मा.सं.)	23.01.2017	लागू नहीं

वर्ष के दौरान कंपनी के मुख्य प्रबंधकीय कार्यकर्ताओं में परिवर्तन हुआ जैसे श्री एम वी गौतमा को श्री एस के शर्मा जिन्होंने 30 सितंबर 2016 को सेवानिवृत्त हुआ, के स्थान पर अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया और श्री कोशी अलेक्ज़ांडर, म.प्र.(वित्त) / सी ओ को श्री पी आर आचार्या, निदेशक (वित्त) जिन्हें 19 अगस्त 2016 से कार्यमुक्त किया गया, के स्थान पर मुख्य वित्तीय अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया ।

यथा कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 2(51) के तहत परिभाषित अनुसार, श्री एम वी गौतमा, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री कोशी अलेक्ज़ांडर, मुख्य वित्तीय अधिकारी तथा श्री एस श्रीनिवास, कंपनी सचिव कंपनी के मुख्य प्रबंधकीय कार्मिक हैं ।

63वीं वार्षिक सामान्य बैठक की सूचना में निर्धारित निबंधनों पर निम्नलिखित अपर निदेशकों को निदेशक के रूप में नियुक्त किया जा रहा है -

श्री एम वी गौतमा, श्रीमती आनंदी रामलिंगम तथा श्री आर एन बगदल्कर ।

श्री नटराज कृष्णप्पा, निदेशक (अन्य यूनिटें) आगामी वार्षिक सामान्य बैठक में चक्रानुक्रम से निवृत्त होते हैं और पात्र होने के कारण वे पुनर्नियुक्ति के लिए स्वयं का प्रस्ताव देते हैं ।

निदेशकों की जिम्मेदारी विवरण

जहाँ तक उनकी जानकारी और विश्वास है और उनके द्वारा प्राप्त जानकारी तथा स्पष्टीकरणों के अनुसार, कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 134(3)(ग) एवं 134(5) के परिप्रेक्ष्य में, आपके निदेशकों सूचित करते हैं कि -

क. वार्षिक लेखों की तैयारी में, महत्वपूर्ण प्रकटणों के संबंध में उचित स्पष्टीकरणों के साथ लागू लेखा मानकों का पालन किया गया है;

ख. निदेशकों ने ऐसी लेखा नीतियों का चयन किया, उन्हें निरंतर रूप से लागू किया और निर्णय तथा प्राक्कलन किए जो औचित्यपूर्ण और दूरदर्शी हैं ताकि वे यथा 31 मार्च 2017 को कंपनी के कार्यकलापों तथा उसी दिनांक को समाप्त वर्ष के लिए कंपनी के लाभ की सही और सच्ची स्थिति दर्शा सकें;

ग. निदेशकों ने कंपनी की परिसंपत्तियों को सुरक्षित रखने तथा कपट और अन्यअनियमितताओं से बचाने और उनका पता लगाने के लिए अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार पर्याप्त लेखा अभिलेख रखने के लिए उचित और पर्याप्त ध्यान दिया है;

घ. निदेशकों ने लाभकारी कारोबार संगठन के आधार पर वार्षिक लेखे तैयार किया है;

ङ. उचित आंतरिक वित्तीय नियंत्रण मौजूद हैं और ऐसे वित्तीय नियंत्रण समुचित थे और वे प्रभावी रूप से प्रचालित हैं; और

च. सभी लागू विधान के प्रावधानों का अनुपालन सुनिश्चित करने की प्रणालियाँ मौजूद हैं और वे प्रभावी रूप से प्रचालित हैं।

उल्लेखनीय एवं महत्वपूर्ण आदेश

लाभकारी कारोबार संगठन की स्थिति अथवा भविष्य में कंपनी के प्रचालनों पर प्रभाव डालने में नियंत्रक अथवा यायालय या अधिकरणों द्वारा कोई उल्लेखनीय एवं महत्वपूर्ण आदेश जारी नहीं किया ।

वित्तीय विवरणों के दिनांक के बाद की घटनाएं -

कंपनी की वित्तीय स्थिति को प्रभावित करने वाले महत्वपूर्ण परिवर्तन तथा प्रतिबद्धताएँ जो 31 मार्च 2017 और इस रिपोर्ट पर हस्ताक्षर करने की तारीख के बीच घटीं, 'कुछ नहीं' हैं।

बोनस इश्यू -

10 अगस्त 2017 को आयोजित बैठक में कंपनी का बोर्ड, कंपनी के विद्यमान शेयरधारकों द्वारा धारित प्रति 10 शेयरों के लिए एक बोनस शेयर इश्यू करने के प्रस्ताव को अनुमोदित किया । यह प्रस्ताव कंपनी की आगामी वार्षिक सामान्य बैठक में सदस्यों द्वारा अनुमोदन किए जाने पर निर्भर करता है ।

संबंधित पक्षकारों के लेनदेन

कंपनी के प्रमोटर्स, निदेशक, प्रबंधन अथवा उनके रिश्तेदारों के साथ ऐसा कोई महत्वपूर्ण संबंधित पक्षकार के लेनदेन नहीं किए गए जो कंपनी के हित में संभावित प्रतिकूल हो सकते हैं । वित्तीय वर्ष के दौरान संबंधित पार्टियों से लेनदेन जो शामिल हुए है, वह सीमित व्यक्तियों के, तथा सामान्य कारोबार में हुआ है । सभी संबंधित पार्टी लेनदेनों को लेखा परीक्षा समिति के समक्ष में रखा गाया और यथा बोर्ड का अनुमोदन के लिए भी, यदि आवश्यक है । सदस्यों, संबंधित पार्टी लेनदेनों के विवरण के लिए लेखाओं के टिप्पण का संदर्भ लिए जा सकते हैं । संबंधित पार्टी लेनदेन के लिए नीति को कंपनी की वेबसाइट www.bel-india.com पर अपलोड किया गया है । कंपनी (लेखा) नियमों, 2014 के नियम 8(2) के साथ पठित कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 134(3)(एच) के तारत्मय की सूचना इस रिपोर्ट के साथ "**अनुलग्नक - 1**" रूप में संलग्न किया गया है ।

कार्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 135 तथा कंपनी नियम, 2014 (कार्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी) प्रावधानों, कार्पोरेट कार्य एवं डीपीई मार्गदर्शन मंत्रालय द्वारा जारी विभिन्न वर्गीकरण, संशोधनों के साथ पठित तारतम्य में, कंपनी ने सी एस आर नीति के अनुसार विभिन्न कार्यकलापों की जिम्मेदारी लिया गया । कंपनी अधिनियम-2013 के अनुसूची-VII में उल्लिखित विषयों के अनुसार कार्यक्रम / पहल / परियोजनाओं का कार्य किया गया जिन्हें सीएसआर नीति में विधिवत रूप से सम्मिलित किया गया और यह हमारे सभी कार्यक्रमों के लिए मार्गदर्शी सिद्धांत के रूप में होता है । कंपनी की कार्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व एवं निर्वहनीयता नीति को कंपनी की वेबसाइट www.bel-india.com पर उपलब्ध कराया गया ।

कंपनी की (कार्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व) नियम, 2014, यथा संशोधित, के तहत आवश्यकता के अनुरूप, वित्तीय वर्ष 2016-17 के लिए सीएसआर संबंधी कार्यकलापों की रिपोर्ट **"अनुलग्नक - 2"** के रूप में एततद्वारा संलग्न की गई है ।

लाभांश वितरण नीति

सेबी (एलओडीआर) विनियम, 2015 के विनियम 43ए के तारतम्य में, सर्वोच्च 500 सूचीबद्ध कंपनियाँ, बाजार के पूँजीकरण के आधार पर, लाभांश वितरण नीति को सुव्यवस्थित रूप से बनाया जाता है । तदनुसार, निदेशक मंडल ने कंपनी द्वारा अर्जित लाभ को प्रतिधारित या / और उसकी शेयरधारकों को लाभांश वितरण के लिए निर्धारित करने में बोर्ड द्वारा पैरामीटर (प्राचल) तथा परिस्थितियों की व्यवस्था करने के लिए 26 अप्रैल 2017 को आयोजित बैठक में लाभांश वितरण नीति को अनुमोदित किया गया । लाभांश वितरण नीति कंपनी की वेबसाइट www.bel-india.com पर उपलब्ध कराई गई है ।

लेखा परीक्षक

सांविधिक लेखा परीक्षक

कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 139(5) के तारत्म्य में, भारतीय नियंत्रक और महालेखा परीक्षक ने बेंगलूरु, हैदराबाद तथा चेन्न यूनिटें और कार्पोरेट कार्यालय के लेखों की लेखा परीक्षा के लिए, वित्तीय वर्ष 2016-17 के लिए मेसर्स बदरी मधुसूदन एवं श्रीनिवासन, सनदी लेखाकार, बेंगलूरु को सांविधिक लेखा परीक्षक नियुक्त किया गया । मेसर्स वेद एंड कंपनी, सनदी लेखाकार, गाज़ियाबाद को वित्तीय वर्ष 2016-17 के लिए गाज़ियाबाद, पंचकुला तथा कोटद्वार यूनिटों का शाखा लेखा परीक्षक नियुक्त किया गया । मेसर्स मलानी सोमानी चांडक एंड एसोसिएट्स, सनदी लेखाकार, पुणे को वित्तीय वर्ष 2016-17 के लिए पुणे, नवी मंबई यूनिटों का शाखा लेखा परीक्षक नियुक्त किया गया । मेसर्स तुंगाला एंड कंपनी, सनदी लेखाकार, मच्छलीपट्टणम को वित्तीय वर्ष 2016-17 के लिए मच्छलीपट्टणम यूनिट का शाखा लेखा परीक्षक नियुक्त किया गया ।

लागत लेखा परीक्षक

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 148 जिसे कंपनी (लागत अभिलेख एवं लेखा परीक्षा) नियम, 2014 (यथा संशोधित) के तारतम्य में, निर्माणी कार्यकलापों के संबंध में कंपनी द्वारा रखे गए लागत लेखा परीक्षा के अभिलेखों की लेखा परीक्षा लागत लेखा परीक्षक द्वारा की जानी आवश्यक है। लेखा परीक्षा समिति की सिफारिश पर आपके निदेशकों ने मे. जीएनवी एंड एसोसिएट्स, लागत लेखाकार, बेंगलूरु को कंपनी के लागत अभिलेखों की लेखा परीक्षा करने के लिए वित्तीय वर्ष 2016-17 हेतु कंपनी का लागत लेखा परीक्षक नियुक्त किया।

सचिवीय लेखा परीक्षा

कंपनी अधिनियम, 2013 की दारा 204 तथा कंपनी (प्रबंधकीय कार्मिकों की नियुक्ति एवं पारिश्रमिक) नियम, 2014 के प्रावधानों के तारतम्य में, कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2016-17 के लिए कंपनी की सचिवीय लेखा परीक्षा करने के लिए श्री तिरुपाल जी, प्रैक्टिसिंग कंपनी सचिव (पीसीएस पंजीकरण सं. 6424) को नियुक्त किया है। सचिवीय लेखा परीक्षा रिपोर्ट इस प्रतिवेदन के **"अनुलग्नक-3"** में दी गई ।

सचिवीय लेखा परीक्षक ने अपनी रिपोर्ट में यह बताया है कि कंपनी को भारतीय प्रतिभूति एवं एक्चेंज बोर्ड (सूचीकरण की देयताएँ एवं प्रकटण संबंधी अपेक्षाएँ) विनियम, 2015 की आवश्यकतानुसार पर्याप्त संख्या में स्वतंत्र निदेशक नियुक्त करने हैं। सूचित किया गया कि निदेशकों की नियुक्ति भारत सरकार करती है और उक्त स्वतंत्र निदेशकों की रिक्तियों को भरना भी नियुक्तकर्ता प्राधिकारी नामतः भारत सरकार के पास लंबित है।

लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट

वित्तीय वर्ष 2016-17 के वार्षिक लेखों पर लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट और वार्षिक खातों पर कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143(6)(ख) के तहत भारत के नियंत्रक व महालेखापरीक्षक की "कुछ नहीं" टिप्पणी इस प्रतिवेदन के साथ दी गई है।

वार्षिक विवरणी का सार

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 134(3)(क) के अनुसार, एमजीटी-9 के रूप में वार्षिक विवरणी का सार **"अनुलग्नक-4"** में दिया गया।

कारोबारी जोखिम प्रबंध

सेबी (एल.ओ.डी.आर.) विनियम, 2015 के विनियम 21 के तारतम्य में, कंपनी ने जोखिम प्रबंधन समिति गठित की है। इस समिति के ब्यौरे तथा इसके विचारार्थ विषय, जोखिम प्रबंध नीति आदि कार्पोरेट अभिशासन की रिपोर्ट में दिए गए हैं और जोखिम प्रबंधन पर एक विस्तृत टिप्पणी प्रबंधन के विचार-विमर्श तथा विश्लेषण रिपोर्ट में दी गई है।

पारिश्रमिक नीति एवं मंडल का मूल्यांकन

मंडल ने नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति की सिफारिशों पर निदेशकों के चयन व नियुक्ति, वरिष्ठ प्रबंधन तथा उनके पारिश्रमिक, मंडल के मूल्यांकन आदि की नीति तैयार की है। इस नीति के ब्यौरे कार्पोरेट अभिशासन रिपोर्ट में दिए गए हैं।

सतर्कता तंत्र / सचेतक नीति

कंपनी में धोखाधड़ी और कुप्रबंधन, यदि कोई हो, से निपटने के लिए सचेतक नीति नामक एक सतर्कता व्यवस्था है। इस नीति के ब्यौरे कार्पोरेट अभिशासन रिपोर्ट में दिए गए हैं।

स्वतंत्र निदेशकों की घोषणा

कंपनी ने कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 149(7) के तहत कंपनी के प्रत्येक स्वतंत्र निदेशक से यह आवश्यक घोषणा प्राप्त की है कि कंपनी के स्वतंत्र निदेशक कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 149(6) में निर्धारित उनकी स्वतंत्रता संबंधी मानदंड को पूरा करते हैं।

प्रबंधन के विचार-विमर्श तथा विश्लेषण रिपोर्ट

सेबी (एल.ओ.डी.आर.) विनियम, 2015 तथा साथ ही, केन्द्रीय सरकारी क्षेत्र उद्यमों (सीपीएसई) के लिए कार्पोरेट अभिशासन पर सरकार (डीपीई) द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के तहत अपेक्षित प्रबंधन के विचार-विमर्श एवं विश्लेषण रिपोर्ट इस प्रतिवेदन के **"अनुलग्नक-5"** में प्रस्तुत है।

ऋण, गारंटी और निवेश के विवरण

अधिनियम की धारा 186 के प्रावधानों के तहत ऋण, गारंटी और निवेश संबंधी विवरण वित्तीय विवरणियों की टिप्पणियों में दिए गए हैं।

आंतरिक वित्तीय नियंत्रण

कंपनी में वित्तीय विवरणों के संदर्भ में समुचित आंतरिक वित्तीय नियंत्रण व्यवस्था मौजूद है । प्रबंधन परिचर्चा विश्लेषण रिपोर्ट में अंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर एक विस्तृत टिप्पणी उपलब्ध कराई गई है।

लेखा परीक्षा समिति का संघटन

वित्तीय विवरणों के संदर्भ में कंपनी में समुचित आंतरिक वित्तीय नियंत्रण मौजूद हैं। आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर एक विस्तृत टिप्पणी प्रबंधन के विचार-विमर्श एवं विश्लेषण रिपोर्ट में दी गई है।

कार्पोरेट अभिशासन रिपोर्ट

सीपीएसई के लिए कार्पोरेट अभिशासन पर डीपीई द्वारा जारी दिशा-निर्देशों में यह व्यवस्था की गई है कि सीपीएसई को इन दिशा-निर्देशों के उनके अनुपालन के आधार पर श्रेणीकृत किया जाएगा। डीपीई ने वर्ष 2015-16 के लिए बीईएल को "उत्कृष्ट" श्रेणी प्रदान की है। भारतीय प्रतिभूति एक्सचेंज बोर्ड के विनियम 34 (सूचीकरण बाध्यताएँ एवं प्रकटण संबंधी आवश्यकताएँ) तथा डीपीई के दिशा-निर्देशों के परिप्रेक्ष्य में, कंपनी के सांविधिक लेखा परीक्षकों द्वारा जारी अनुपालन प्रमाण-पत्र के साथ-साथ

कार्पोरेट अभिशासन पर एक रिपोर्ट इस प्रतिवेदन के "अनुलग्नक-6" में प्रस्तुत है।

निर्वहनीयता रिपोर्ट

सीपीएसई के लिए निर्वहनीयता विकास पर डीपीई द्वारा जारी दिशा-निर्देशों में स्टैंडअलोन रिपोर्ट में या वार्षिक प्रतिवेदन में एक अलग अध्याय के रूप में अपने 'निर्वहनीय विकास' को प्रकट करना अनिवार्य बनाया गया है। इस आवश्यकता के तारतम्य में, निर्वहनीयता विकास पर आपकी कंपनी द्वारा किए गए प्रयासों पर एक रिपोर्ट इस प्रतिवेदन के **"अनुलग्नक-7"** में प्रस्तुत है।

कारोबारी उत्तरदायित्व रिपोर्ट

भारतीय प्रतिभूति एवं एक्सचेंज बोर्ड (सेबी) ने बाज़ार के पूँजीकरण के आधार पर 500 कंपनियों के लिए वार्षिक प्रतिवेदन के भाग के रूप में कारोबारी उत्तरदायित्व रिपोर्ट ("बी.आर. रिपोर्ट") शामिल करना अनिवार्य किया है। सेबी के इस आदेश में सेबी (एल.ओ.डी.आर.) विनियम, 2015 का विनियम 34(2)(f) भी शामिल किया गया है। सेबी (एल.ओ.डी.आर.) विनियम, 2015 में बी.आर. रिपोर्ट का प्रारूप में दिया गया है। इसमें नौ मुख्य सिद्धांत तथा प्रत्येक सिद्धांत के तहत विभिन्न मुख्य तत्वों की सूची भी शामिल की गई है ताकि पर्यावरणीय, सामाजिक एवं अभिशासन के मानदंडों के अनुपालन का मूल्यांकन किया जा सके। सूचीबद्ध कंपनियों को इन नौ मुख्य सिद्धांतों तथा मुख्य तत्वों के आधार पर नीति तैयार करना, कारोबारी गतिविधियों में इन नीतियों को समवित करने और अंतर्निहित करने का ढांचा तैयार करना और बी.आर. रिपोर्ट के रूप में उपलब्धियों की माप और रिपोर्ट करने की कार्यप्रणाली तैयार करना आवश्यक है।

आपकी कंपनी ने सेबी (एल.ओ.डी.आर.) विनियम, 2015 का अध्ययन करने के बाद तथा रक्षा पीएसयू के रूप में प्रचालित होने वाली कंपनी बीईएल के कारोबार और अभिशासन परिवेश को ध्यान में रखते हुए बी.आर. रिपोर्ट के लिए एक व्यापक नीतिगत ढांचा तैयार किया है। इस नीति की प्रमुख बातें कंपनी की वेबसाइट www.bel-india.com पर लगाई गई हैं। वर्ष के लिए कंपनी की बी.आर. रिपोर्ट इस प्रतिवेदन के **"अनुलग्नक-8"** में प्रस्तुत है।

अन्य प्रकटण

ऊर्जा संरक्षण, प्रौद्योगिकी अवशोषण तथा विदेशी मुद्रा अर्जन एवं बहिर्गमन से संबंधित कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 134(3)(m) जिसे कंपनी (लेखा) नियम, 2014 के साथ पढ़ा जाना है, के अनुसार प्रकट करने हेतु आवश्यक सूचना **"अनुलग्नक-9"** में दी गई है।

आभार

आपके निदेशक सभी ग्राहकों, विशेषकर रक्षा सेवाएँ और अर्ध-सैनिक बल से प्राप्त बहुमूल्य समर्थन के लिए अपना हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं और भविष्य में उनके निरंतर समर्थन और सहयोग की आशा करते हैं। आपके निदेशक भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों, विशेषकर रक्षा मंत्रालय, रक्षा उत्पादन विभाग से प्राप्त समर्थन के लिए भी अपना आभार व्यक्त करते हैं। आपके निदेशक रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन तथा डीआरडीओ के तहत विभिन्न अनुसंधान प्रयोगशालाओं से प्राप्त समर्थन, विशेषकर उनके सहयोग से किए गए संयुक्त विकास कार्यक्रम तथा प्रस्तुत किए गए नए उत्पादों के लिए अपना आभार व्यक्त करते हैं। आपके निदेशक भारत के नियंत्रक व महालेखापरीक्षक, शाखा लेखा परीक्षकों, लागत लेखा परीक्षकों, सचिवीय लेखा परीक्षक, कंपनी के बैंकर, सहयोगकर्ताओं और पूर्तिकर्ताओं के प्रति भी अपना आभार व्यक्त करते हैं। आपके निदेशक सभी स्तरों पर कर्मचारियों द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना करते हैं जिसके कारण कंपनी वर्ष के दौरान बेहतर कार्य-निष्पादन कर सकी। आपके निदेशक कंपनी में अपना विश्वास जताने के लिए सभी शेयरधारकों / निवेशकों की सराहना और आभार व्यक्त करते हैं और आने वाले वर्षों में कंपनी के सतत् विकास के लिए अपना समर्थन और सहभागिया जारी करने की आशा करते हैं।

मंडल के लिए और मंडल की ओर से

बेंगलूरू
11 अगस्त 2017

एम वी गौतमा
अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक

संलग्नक 1

प्रारूप सं एओसी - 2

(कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 134 की उप-धारा (3) के खंड (एच) तथा कंपनी (लेखा) नियमावली, 2014 के नियम 8(2) के अनुवर्तन में)

तृतीय प्रावधान के अधीन विशिष्ट सहायक संव्यवहार के साथ कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 188 की उप-धारा (1) में संदर्भित संबंधित पार्टियों के साथ प्रारंभित संविदाओं/करार संबधी विवरण के प्रकटीकरण का प्रारूप -

1. शस्त्र विस्तार आधार रहित संविदा या करार अथवा संव्यवहार का विवरण -
   - (क) संबद्ध पार्टी के नाम तथा संबंध की प्रकृति - प्रयोज्य नहीं
   - (ख) संविदा या करार अथवा संव्यवहार की प्रकृति - प्रयोज्य नहीं
   - (ग) संविदा या करार अथवा संव्यवहार की अवधि - प्रयोज्य नहीं
   - (घ) मूल्य सहित संविदा या करार अथवा संव्यवहार की महत्वपूर्ण शर्तें, यदि कोई हो तो - प्रयोज्य नहीं
   - (ङ) इस प्रकार की संविदा या करार अथवा संव्यवहार प्रारंभ करने का औचित्य - प्रयोज्य नहीं
   - (च) बोर्ड के अनुमोदन की तारीख - प्रयोज्य नहीं
   - (छ) अग्रिम के रूप में संदत्त राशि, यदी कोई हो तो - प्रयोज्य नहीं
   - (ज) धारा 188 के प्रथम प्रावधान के अधीन अपेक्षित सामान्य बैठक में पारित विशेष संकल्प की तारीख - प्रयोज्य नहीं

2. शस्त्र विस्तार आधार पर भौतिक संविदा या करार अथवा संव्यवहार का विवरण
   - (क) संबद्ध पार्टी के नाम तथा संबंध की प्रकृति - प्रयोज्य नहीं
   - (ख) संविदा या करार अथवा संव्यवहार की प्रकृति - प्रयोज्य नहीं
   - (ग) संविदा या करार अथवा संव्यवहार की अवधि - प्रयोज्य नहीं
   - (घ) मूल्य सहित संविदा या करार अथवा संव्यवहार की महत्वपूर्ण शर्तें, यदि कोई हो तो - प्रयोज्य नहीं
   - (ङ) बोर्ड के अनुमोदन की तारीख - प्रयोज्य नहीं
   - (च) अग्रिम के रूप में संदत्त राशि, यदी कोई हो तो - प्रयोज्य नहीं

मंडल के लिए और मंडल की ओर से

हस्त /-

एम वी गौतमा

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

बेंगलुरु

11 अगस्त 2017

संलग्नक 2

सीएसआर कार्यों पर रिपोर्ट

1. **प्रगामी प्रस्तावित परियोजना या कार्यक्रम के सिंहावलोकन तथा सीएसआर नीति व परियोजना या कार्यक्रम संबंधी वेब-लिंक संदर्भ के साथ कंपनी की सीएसआर नीति की संक्षिप्त रूपरेखा**
   वेब-लिंक के अधीन कंपनी की वेब-साइट में कंपनी की सीएसआर नीति अपलोड की गई है -
   वेब-लिंक : https://www.bel-india.com/About Us/CSR & SD/CSR Policy

2. **सीएसआर समिति का गठन -**
   श्री एस के शर्मा, अध्यक्ष (अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक) (30.09.2016 तक)
   श्री एम वी गौतमा, अध्यक्ष (अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक) (08.11.2016 से)
   श्री एम एल षणमुख, सदस्य (निदेशक, मानव संसाधन) (31.10.2016 तक)
   श्री आर एन बग्दलकर, सदस्य (निदेशक, मानव संसाधन) (23.01.2017 से)
   श्री अमोल निवासकर, सदस्य (निदेशक, अन्य यूनिट) (30.04.2016 तक)
   श्री नटराज कृष्णप्पा, सदस्य, (निदेशक, अन्य यूनिट) (01.05.2016 से)
   श्री पी आर आचार्या, सदस्य, निदेशक (वित्त) (19.08.2016 तक)
   डॉ. आर के शिवगाँवकर, सदस्य, (स्वतंत्र निदेशक)

3. **विगत तीन वर्षों के दौरान कंपनी के औसत निवल लाभ - ₹ 148595.56 लाख**

4. **विनिर्धारित सीएसआर व्यय (उपरोक्त मद 3 में उल्लिखित राशि का 2%) - ₹ 2971.91 लाख**

5. **वित्तीय वर्ष 2016-17 के दौरान व्ययित सीएसआर का विवरण -**
   क. वित्तीय वर्ष के दौरान व्यय की जाने वाली राशि - ₹ 1,164.12 लाख
   ख. अव्ययित राशि, यदि कोई हो तो - ₹ 1,821.98 लाख (अग्रेनीत)*
   ग. वित्तीय वर्ष के दौरान व्ययित राशि की रीति का विवरण नीचे दिया गया है -

   * डीपीई दिशा-निदेशों के अनुसार संबंधित परियोजना के संबंध में व्यय के लिए शेष राशि के लिए लेखा पुस्तिका में परियोजनावार प्रावधान दिया गया है।

(₹ लाख में)

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)
क्रम. सं.	**अभिनिर्धारित सीएसआर परियोजना या गतिविधि**	**परियोजना का व्याप्ति क्षेत्र**	**परियोजनाएँ या कार्यक्रम 1) स्थानीय क्षेत्र या अन्य (2) परियोजनाओं या कार्यक्रम के क्रियान्वित राज्य का उल्लेख करें**	**रकम परिव्यय (बजट) परियोजना या कार्यक्रम वार**	**परियोजनाओं या कार्यक्रम पर व्ययित राशि उप-शीर्ष - (1) परियोजनाओं या कार्यक्रम पर प्रत्यक्ष व्यय (2) उपरि शीर्ष रिपोर्टिंग अवधि तक संचित व्यय**	**रिपोर्टिंग अवधि तक संचित व्यय**	**व्ययित राशि - प्रत्यक्ष या क्रियान्वयन एजेंसी द्वारा**
1	माननीय प्रधानमंत्री के स्वच्छ भारत अभियन के तहत अपनाई गई "मरलागुंडला" गांव का विकास **स्थिति - निर्माणाधीन**	ग्रामीण विकास	अन्य - रामनगर जिला, कर्नाटक	219.42	0.00	0.00	प्रत्यक्ष
2	माडकेरी के जीएमएचपी स्कूल के लड़के एवं लड़कियों को 12 कक्षाओं, किचन एवं शौचालय ब्लॉक का निर्माण **स्थिति - निर्माणाधीन**	शिक्षा प्रोन्नयन	अन्य - कोडगू जिला, कर्नाटक	209.88	35.00	35.00	प्रत्यक्ष
3	प्राथमिक स्वस्थय केंन्द्र, महागाँव, गुलबर्गा में पुरूष एवं महिलाएं वार्ड, शौचालय एवं डीजी सेट के लिए प्रावधान एवं एंबुलेंस का निर्माण **स्थिति - निर्माणाधीन**	स्वास्थ्य- वर्धन	अन्य - गुलबर्गा जिला, कर्नाटक	120.84	53.57	53.57	प्रत्यक्ष

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)
क्रम. सं.	**अभिनिर्धारित सीएसआर परियोजना या गतिविधि**	**परियोजना का व्याप्ति क्षेत्र**	**परियोजनाएँ या कार्यक्रम 1) स्थानीय क्षेत्र या अन्य (2) परियोजनाओं या कार्यक्रम के क्रियान्वित राज्य का उल्लेख करें**	**रकम परिव्यय (बजट) परियोजना या कार्यक्रम वार**	**परियोजनाओं या कार्यक्रम पर व्ययित राशि उप-शीर्ष - (1) परियोजनाओं या कार्यक्रम पर प्रत्यक्ष व्यय (2) उपरि शीर्ष रिपोर्टिंग अवधि तक संचित व्यय**	**रिपोर्टिंग अवधि तक संचित व्यय**	**व्ययित राशि - प्रत्यक्ष या क्रियान्वयन एजेंसी द्वारा**
4	दोड्डाबोम्मसद्रा झील, बेंगलूरू में एसटीपी का स्थापना **स्थिति - निर्माणाधीन**	पर्यावरण निर्वहानीय	स्थानीय - बेंगलूर, कर्नाटक	730.00	9.97	9.97	प्रत्यक्ष
5	एमजीआईआरईडी, जकुर के लिए सोलार मैड्युल का प्रावधान, शैक्षिक संस्थानों में आवर्धन एवं अवसंरचना सुविधाएं का अनुरक्षण, केंद्रीय विद्यालय, मचिलिपट्टणम् के पास सीसी रोड का निर्माण **स्थिति - निर्माणाधीन**	शिक्षा प्रोन्नयन	स्थानीय - बेंगलूर, कर्नाटक, मछिलिपट्टणम, अंध्रा प्रदेश	309.44	185.90	185.90	प्रत्यक्ष
6	ई-सागु - आईटी चालित निजी कृषि-सुविधा **स्थिति - निर्माणाधीन**	ग्रामीण विकास	अन्य - रंगरेड्डी जिला, तेलेंगना राज्य	30.00	14.00	14.00	प्रत्यक्ष
7	कौशल भारत पहल - सरकारी आईटीआई का अपनाना,700 ग्रामीण युवकों का व्यवसाय कौशल विकास **स्थिति - निर्माणाधीन**	शिक्षा प्रोनयन एवं व्यवसाय कौशल विकास	अन्य-7 राज्यों में चिकबलापूर जिला, कर्नाटक, पंचकूला जिला-हरयाणा, राइगड़ एवं पूणे जिला, महाराष्ट्र, गा.बाद जिला-उ.प्र., चेन्नै-तेमिलनाडु, कोटद्वार जिला-उत्तरखंड, अनंतपूर एवं मचिलिपट्टणम्	1237.09	736.25	736.25	प्रत्यक्ष
8	सीएसआर प्राशासनिक परिव्यय			129.43	129.43	129.43	प्रत्यक्ष
	कुल			**2986.10**	**1164.12**	**1164.12**	

6. यदि कंपनी विगत तीन वर्षों के औसत निवल लाभ के दो प्रतिशत या उसके कोई भी अंश के व्यय करने में असमर्थ रही तो अपनी मंडल रिपोर्ट में व्यय न किए जाने का कारण कंपनी द्वारा दिया जाएगा ।

7. सीएसआर के माध्यम से दीर्घकालिक सामाजिक प्रभाव पाने के लिए, कंपनी ने एक से अधिक वर्ष की परियोजना अवधि के साथ कई पहल की है, एक मील का पत्थर आधारित भुगतान के साथ एक से अधिक वित्तीय वर्ष में फैले हुए है । यह सीएसआर पर डीपीई दिशानिर्देशों के अनुरूप भी है, जो सीपीएसई के एक से अधिक वित्तीय वर्ष में परियोजना मोड पर सीएसआर कार्यक्रमों को पूरा करने के लिए आदेश देता है।

कंपनी के सीएसआर ध्येय तथा नीति के अनुपालन में सीएसआर नीति का कार्यान्वयन एवं मॉनिटरिंग किए जाते हैं।

मंडल के लिए और मंडल की ओर से

बेंगलुरु
11 अगस्त 2017

एम वी गौतमा
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

अनुलग्नक 3

31 मार्च 2017 को समाप्त वित्त वर्ष के लिए सचिवालयीन लेखापरीक्षा रिपोर्ट

(कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 204 (1) तथा कंपनी (कार्मिक नियुक्ति व पारिश्रमिक) नियमावली, 2014 का नियम 9 का अनुवर्तन)

सेवा में

सभी सदस्य,
भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड
आऊटर रिंग रोड, नागवारा,
बेंगलूरु- 560045, कर्नाटका

प्रयोज्य सांविधिक प्रावधानों के अनुपालन तथा भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (इसके आगे 'कंपनी' कही जाएगी) के उत्तम निगमित प्रथा के अनुसरण में हमारे द्वारा सचिवालयीन लेखापरीक्षा आयोजित की गई है । सचिवालयीन लेखापरीक्षा इस प्रकार आयोजित की गई है जिससे निगमित व्यवहार/सांविधिक अनुपालन के मूल्यांकन के लिए समुचित आधार तथा आगे हमारा अभिमत प्रकट करने में सहायता प्राप्त हो जाए ।

सचिवालयीन लेखापरीक्षा के दौरान कंपनी द्वारा अनुरक्षित पुस्तिकाएँ, कागजात, कार्यवृत्त पुस्तिकाएँ, प्रारूप एवं फाइल की गई विवरणियाँ व अन्य अभिलेखों तथा कंपनी के अधिकारियों, अभिकर्ताओं, व प्राधिकृत प्रतिनिधियों के द्वारा दी गई जानकारी की पडताल के आधार पर यह रिपोर्ट दी जाती है कि हमारी राय में कंपनी ने 31 मार्च 2017 को समाप्त वित्तीय वर्ष की लेखापरीक्षा अवधि के दौरान आगे सूचीबद्ध सांविधिक प्रावधानों का अनुपालन किया है तथा उनके पास समुचित बोर्ड-प्रक्रियाएँ व यथावत अनुपालन-मैकानिसम उपलब्ध हैं।

निम्न प्रावधानों के अनुसार 31 मार्च 2017 को समाप्त वित्तीय वर्ष के दौरान कंपनी द्वारा अनुरक्षित पुस्तिकाएँ, कागजात, कार्यवृत्त पुस्तिकाएँ, प्रारूप एवं फाइल की गई विवरणियाँ व अन्य अभिलेखों का निरीक्षण हमने किया है -

(i) कंपनी अधिनियम, 2013 (अधिनियम) व उसके अंतर्गत बनाए गए नियम;

(ii) सुरक्षा संविदा (विनियम) अधिनियम, 1956 (एससीआरए) व उसके अंतर्गत बनाए गए नियम;

(iii) निक्षेपागार अधिनियम, 1996 व उसके अंतर्गत बनाए गए उप- नियम;

(iv) विदेशी विनिमय प्रबंधन अधिनियम 1999 तथा उसके अधीन विदेशी प्रत्यक्ष निवेश, समुद्रपारीय प्रत्यक्ष निवेश तथा बाह्य वाणिज्यक क्रय के लिए सृजित नियम व विनियम;

(v) भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड अधिनियम, 1992 ('सेबी अधिनियम') के अधीन निर्धारित निम्नलिखित विनियम व दिशा-निर्देश -

(क) भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (तात्विक अभिग्रहण व अधिग्रहण) विनियम, 2011;

(ख) भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (आंतरिक व्यापार निषेध) विनियम,2015;

(ग) भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (पूँजी निर्गम व प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) विनियम,2009 ; (लेखापरीक्षा अवधि के दौरान प्रयोज्य नहीं)

(घ) सेबी - भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (कर्मचारी स्टॉक विकल्प योजना और कर्मचारी स्टॉक खरीद योजना) 1999; **(लेखापरीक्षा अवधि के दौरान प्रयोज्य नहीं)**

(ङ) भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (ऋण प्रतिभूति निर्गम व सूचीकरण) विनियम,2008; **(लेखापरीक्षा अवधि के दौरान प्रयोज्य नहीं)**

(च) कंपनी अधिनियम व ग्राहक संबंध संबंधी भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (शेयरों का निर्गम व अंतरण अभिकर्ता रजिस्ट्रार) विनियम,1993;

(छ) भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (ईक्विटी शेयरों का असूचीकरण) विनियम, 2009; **(लेखापरीक्षा अवधि के दौरान प्रयोज्य नहीं)**

(ज) भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (प्रतिभूतियों की वापसी क्रय) विनियम, 1998;

हमने निम्नलिखित प्रयोज्य शर्तों के अनुपालन का भी निरीक्षण किया -

(i) भारतीय कंपनी सचिव संस्थान द्वारा निर्गमित सचिवालनीयन मानक

(ii) भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (आभार सूचीकरण व प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) विनियम, 2015, (एलओआरडी विनियम)

पुनरीक्षणाधीन अवधि के दौरान कंपनी ने उपरोक्त अधिनियम, नियमावली, विनियम, दिशा-निदेश एवं मानकों का अनुपालन किया है।

हम आगे कंपनी में उपलब्ध अनुपालन सिस्टम तथा उसके अनुवर्तन में संगत अभिलेख व दस्तावेजोंके परीक्षण के परीक्ष-जाँच आधार पर रिपोर्ट देते हैं कि कंपनी ने निम्नलिखित प्रयोज्य नियम/ दिशा-निदेश/ नियमावली का अनुपालन किया है -

(i) सार्वजनिक उद्यम विभाग के दिशा-निदेश;

(ii) रक्षा मंत्रालय द्वारा निर्गमित दिशा-निदेश;

(iii) समय-समय पर भारत सरकार द्वारा निर्गमित आदेश/विनियम;

(iv) ई-वैस्ट (प्रबंधन व संचालन) नियमावली, 2011

हम आगे रिपोर्ट देते हैं कि

कंपनी ने कार्यपालक निदेशक, गैर-कार्यपालक निदेशक एवं स्वतंत्र निदेशकों के समुचित संतुलन के साथ कंपनी के निदेशक मंडल का गठन किया गया है। हालाँकि, सेबी (एलओआरडी) विनियम, 2015 की अपेक्षाओं के अनुसार मंडल में पर्याप्त स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति की जानी है। इस संबंध में यह सूचित किया जाता है कि उक्त स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति की जाती है जो स्वतंत्र निदेशकों के पद भरने का मामले में नियुक्ति प्राधिकारी अर्थात भारत सरकार के पास लंबित है । पुनरीक्षण की अवधि के दौरान अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार ही निदेशक मंडल की संरचना में परिवर्तन किया गया है।

निदेशक मंडल की निर्धारित बैठक के पूर्व समुचित सूचना दी गई है, कार्यसूची तथा उससे संबंधित विस्तृत टिप्पणियों की सूचना सात दिन पहले ही दी गई थी तथा कंपनी में बैठक से पूर्व उसकी कार्यसूची के संबंध में स्पष्टीकरण एवं अन्यसूचनाएँ प्राप्त करने और बैठक में सार्थक भागीदारी के लिए प्रकार्यात्मक प्रणाली उपलब्ध है।

बैठक में अधिकतर निर्णय बहुमत से लिया जाता है तथा बैठकों के कार्यवृत्त स्वत:स्पष्ट हैं। यदि कोई भी सदस्य किसी निर्णय से विसम्मत हैं तो उसका भी उल्लेख किया जाता है।

आगे यह रिपोर्ट दी जाती है कि लेखापरीक्षा अवधि के दौरान कंपनी में प्रयोज्य विधि, नियमावली, विनियम तथा दिशा-निर्देश का अनुपालन सुनिश्चित करने तथा कंपनी के प्रचालन व आकार का अनुवीक्षण के लिए पर्याप्त समुचित सिस्टम तथा प्रणाली उपलब्ध हैं।

मैं आगे रिपोर्ट करता हूँ कि लेखापरीक्षा अवधि के दौरान उपरोक्त निर्दिष्ट कानूनों, नियमों, विनियमों, दिशानिर्देशों, मानकों का पालन किए जाने के बाद कंपनी के मामलों पर एक प्रमुख असर होने वाली घटनाएं / कार्रवाइयां निम्न हैं -

I. ₹10 / - प्रत्येक के 16637207 ईक्विटी शेयरों के वापस खरीदें;

II. ₹ 10 से ₹ 1 / - से शेयर के नाममात्र मूल्य के उप-विभाजन।

नाम एवं हस्ताक्षर - तिरुपाल गोरिगे
पदनाम- कार्यरत कंपनी सचिव
स्टाम्प: एफसीएस सं. 6680; सीपी सं.6424

बेंगलूरु
24 मई 2017

टिप्पणी - यह रिपोर्ट मेरे समसंख्यक पत्र के साथ संलग्न **अनुलग्नक-ए** के साथ पढें जो इस रिपोर्ट का अभिन अंग है।

'अनुलग्नक-ए'

सेवा में

सभी सदस्य,
भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड
आऊटर रिंग रोड, नागवारा,
बेंगलूरु- 560045, कर्नाटका

इस पत्र के साथ हमारी समसंख्यक रिपोर्ट पढी जानी है।

(1) सचिवालयीन अभिलेख के अनुरक्षण का दायित्व कंपनी के प्रबंधन पर है। हमारी लेखापरीक्षा के आधार पर इन सचिवालयीन अभिलेखों पर अपना विचार प्रकट करना हमारा दायित्व है।

(2) सचिवालयीन अभिलेखों की विषय-वस्तु की यथार्थता सुनिश्चित करने के लिए हमने आवश्यक लेखापरीक्षा प्रथाओं व प्रक्रियाओं को अपनाई है। सचिवालयीन अभिलेखों में सही तथ्य सुनिश्चित करने के लिए दस्तावेजों की पडताल परीक्षण आधार पर किया गया था। हमारा यह विश्वास है कि ह्मारे द्वारा अपनाई गई प्रथाओं व प्रक्रियाओं ने हमें औचित्यपूर्ण राय तैयार करने में सहायता प्रदान की है।

जब भी आवश्यक हो, कंपनी के लिए प्रयोज्य विधि, नियमावली, नियम व विनियम तथा आवश्यक कामकाज के अनुपालन के संबंध में कंपनी का प्रबंधन प्रतिनिधित्व प्राप्त किया है।

(3) हमने कंपनी के वित्तीय अभिलेख एवं लेखा पुस्तिकाओं की शुद्धता व औचित्य की पडताल नहीं की।

सचिवालयीन लेखापरीक्षा रिपोर्ट न तो कंपनी की प्रगामी व्यवहार्यता का आश्वासन है और न ही कंपनी के प्रबंधन द्वारा संचालित कार्यों की सक्षमता या प्रभावात्मकता समर्थन है।

(4) जब भी आवश्यक हो, कंपनी के लिए प्रयोज्य विधि, नियमावली, नियम व विनियम तथा आवश्यक कामकाज के अनुपालन के संबंध में कंपनी का प्रबंधन प्रतिनिधित्व प्राप्त किया है।

(5) निगमित व अन्यप्रयोज्य विधि, नियमावली, नियम व विनियम, मानक आदि के प्रावधानों के अनुपालन का दायित्व कंपनी के प्रबंधन पर है। हमारी पडताल परीक्षण के आधार पर कार्यविधि की जाँच तक ही सीमित थी।

(6) सचिवालयीन लेखापरीक्षा रिपोर्ट न तो कंपनी की प्रगामी व्यवहार्यता का आश्वासन है और न ही कंपनी के प्रबंधन द्वारा संचालित कार्यों की सक्षमता या प्रभावात्मकता समर्थन है।

नाम एवं हस्ताक्षर - तिरुपाल गोरिगे
पदनाम- कार्यरत कंपनी सचिव
स्टाम्प: एफसीएस सं. 6680; सीपी सं.6424

बेंगलूरु
24 मई 2017

संलग्नक 4

वार्षिक विवरणी का सार

31 मार्च 2017 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए

[कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 92(3), तथा कंपनी (प्रबंधन व प्रशासन) नियमावली, 2014 के नियम 12(1) का अनुसार]

प्रारूप सं. एमजीटी – 9

I. पंजीकरण एवं अन्य विवरण

CIN	L32309KA1954GOI000787
पंजीकरण दिनांक	21 अप्रैल 1954
कंपनी का नाम	भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड
कंपनी का श्रेणी / उप-श्रेणी	शेयर पूँजीगत कंपनी
पंजीकृत कार्यलाय का पता और संपर्क विवरण	ऑउटर रिंग रोड, नागवरा, बेंगलूरू-560045 फोन नं. 080-25039300
क्या सूचीबद्ध कंपनी है	हाँ
रजिस्ट्रार एवं अंतरण एजेंट का नाम, पता एवं संपर्क विवरण, यदि हो, संपर्क विवरण	इंटीग्रेटेड रेजिस्ट्री मैनेजमेटं सर्वीसेस प्रा. लि. #30, रमणा रेसीडेन्सी, चौथा क्रॉस, सम्पिगे रोड, मल्लेश्वरम, बेंगलूरु - 560 003 दूरभाष - 080 23460815 से 818

II. कंपनी के महत्वपूर्ण व्यापारिक गतिविधियाँ

कंपनी के कुल वार्षिक व्यापार के 10% अंशदान प्रदत्त सभी व्यापारिक गतिविधियों का उल्लेख किया जाए

क्रम. सं.	मुख्य उत्पादों/सेवाओं के नाम एवं विवरण	उत्पाद/सेवा का एनआईसी कोड	कंपनी के कुल विक्रयावर्त
1	रेडार एवं फायर नियंत्रण प्रणाली	3312	(2016-17 हेतु रक्षा के लिए आपूर्ति द्वारा 88% विक्रयावर्त का योगदान)
2	शास्त्र प्रणाली	2927	
3	इलेक्ट्रो ऑप्टिक्स	3311	
4	संचार	3210	

III. धारक, सहायक तथा सहयोगी कंपनियों के विवरण

क्रम. सं.	कंपनी का नाम और पता	सीआईएन/जीएलएन	धारक, सहायक तथा सहयोगी	शेयर धारित का %	प्रयोज्य धारा
1	जीई बीई प्राइवेट लिमिटेड, नं.60, एक्सपोर्ट प्रमोशन इंडस्ट्रियल पार्क, व्हाइटफील्ड, बेंगलूरु-560 066	U31909KA1996PTC020482	सहयोगी	26	2(6)
2	बीईल ऑप्ट्रॉनिक डिवाइज़ लिमिटेड ईएल 30 जे बॉल्क एमआईडीसी, बोसरि, पुणे-411026	U31909PN1990GOI058096	सहायक (संपूर्ण स्वामित्व)	100	2(87)
3	बीईएल-थेलिस सिस्टम लिमिटेड, सीएनपी क्षेत्र, बीईएल इंडसट्रीयल एसटेट, जालहल्ली, बेंगलूरू-5600013	U32106KA2014GOI076102	सहायक	74	2(87)

IV. शेयरधारिता स्वरूप (% कुल ईक्विटी के इक्विटी शेयर पूँजी विघटन का)

i) वर्गवार शेयरधारण

शेयरधारका का श्रेणी	वर्ष के प्रारंभ में धारित शेयरों की संख्या				वर्ष के अंत में धारित शेयरों की संख्या				वर्ष के दौरान परिवर्तन का %
	डीमैट	भौतिक	कुल	कुल शेयरों का %	डीमैट	भौतिक	कुल	कुल शेयरों का %	
क. प्रवर्तक									
(1) भारतीय									
क) व्यक्ति/एचयूएफ	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ख) केंन्द्रीय सरकार	180042630	-	180042630	75.02	1523042911	-	1523042911	68.19	-6.83
ग) राज्य सरकार	-	-	-	-	-	-	-	-	-
घ) कार्पोरेट निकाय	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ङ) बैंक/एफआई	-	-	-	-	-	-	-	-	-
च) किसी अन्य	-	-	-	-	-	-	-	-	-
उप-कुल (क)(1) -	**180042630**	**-**	**180042630**	**75.02**	**1523042911**	**-**	**1523042911**	**68.19**	**-6.83**
(2) विदेशी									
क) एनआरआई - व्यक्ति	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ख) अन्य - व्यक्ति	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ग) कार्पोरेट निकाय	-	-	-	-	-	-	-	-	-
घ) बैंक/एफआई	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ङ) किसी अन्य	-	-	-	-	-	-	-	-	-
उप-कुल (क)(2) -	-	-	-	-	-	-	-	-	-
प्रवर्तकों की कुल शेयरधारिता (ए)=(क)(1)+(क)(2)	**180042630**	**-**	**180042630**	**75.02**	**1523042911**	**-**	**1523042911**	**68.19**	**-6.83**
ख. सरकारी शेयरधारिता									
(1) संस्थानों									
क) म्यूच्यूअल फण्ड / यू टी आइ	19892945	8,700	19901645	8.29	269992639	87,000	270079639	12.09	3.80
ख) बैंक / एफआई	84277	-	84277	0.04	3431166	-	3431166	0.15	0.11
ग) केंन्द्रीय सरकार	-	-	-	-	-	-	-	-	-
घ) राज्य सरकार	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ङ) वेंचर पूँजी निधि	-	-	-	-	-	-	-	-	-
च) वैकल्पिक निवेश	-	-	-	-	105890	-	105890	0.00	-
छ) बीमा कंपनि	15286782	-	15286782	6.37	122316640	-	122316640	5.48	-0.89
ज) एफआईआई	9590384	-	9590384	4.00	148635753	-	148635753	6.65	2.65
झ) विदेशी वेंचर पूँजी निधि	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ञ) अन्य (स्पष्ट करें)	-	-	-	-	-	-	-	-	-
उप-कुल (ख)(1)-	**44854388**	**8700**	**44863088**	**18.69**	**544482088**	**87000**	**544569088**	**24.38**	**5.69**
(2) गैर-संस्थान									
क) कार्पोरेट निकाय	5252648	903	5253551	2.19	79513928	9030	79522958	3.56	1.37
ख) व्यक्ति	-	-	-	-	-	-	-	-	-
i) ₹ 1 लाख तक सामान्य शेयर पूंजी धारक	5794782	31,886	5826668	2.43	62900686	301800	63202486	2.83	0.40
ii) ₹ 1 लाख से अधिक सामान्य शेयर पूंजी धारक शेयरधारित व्यक्ति	3160118	-	3160118	1.32	10093600	-	10093600	0.45	-0.87
ग) अन्य (स्पष्ट करें)									
i) न्यास	19355	-	19355	0.01	2736801	-	2736801	0.12	0.11
ii) एनआरआई	361405	-	361405	0.15	4200485	-	4200485	0.19	0.04
iii) निकासी सदस्य	473005	-	473005	0.20	6259451	-	6259451	0.28	0.08
iv) विदेशी नागरिक	-	-	-	-	150	-	150	0.00	-
उप-कुल (ख)(2)-	**15061493**	**32789**	**15094282**	**6.30**	**165705101**		**166015931**	**7.43**	**1.13**
कुल सरकारी शेयरधारिता (बि)=(बि)(1)+(बि)(2)	**59915881**	**41489**	**59957370**	**24.98**	**710187189**	**397830**	**710585019**	**31.81**	**6.83**
ग) जीडीआर व एडीआर शेयरधारण									
कुल योग (क+ख+ग)	**239958511**	**41489**	**240000000**	**100.00**	**2233230100**	**397830**	**2233627930**	**100.00**	**-**

ii) प्रवर्तकों का शेयरधारण

शेयरधारकों के नाम	वर्ष के प्रारंभ में शेयरधारिता			वर्ष के अंत में शेयरधारिता			वर्ष के दौरान परिवर्तन का %
	शेयरों की संख्या	कंपनी के कुल शेयरों का %	कुल शेयरों पर वचनबद्ध/ भारग्रस्त शेयरों का %	शेयरों की संख्या	कंपनी के कुल शेयरों का %	कुल शेयरों पर वचनबद्ध/ भारग्रस्त शेयरों का %	
भारत के राष्ट्रपति	180042330	75.02	0.00	1523039911	68.19	0.00	-6.83
प्रेम कुमार कटारिया	300	0.00	0.00	3000	0.00	0.00	0.00
कुल	**180042630**	**75.02**	**0.00**	**1523042911**	**68.19**	**0.00**	**-6.83**

iii) प्रवर्तकों के शेयरधरिता में परिवर्तन (यदि परिवर्तन नहीं हैं तो कृपया स्पष्ट करें)

क्रम. सं.	शेयरधारकों के नाम	वर्ष के प्रारंभ में शेयरधारिता		तारीख	शेयरधारण में वृद्धि/ घटाव	कारण	वर्ष के दौरान संचयी शेयरधारिता	
		शेयरों की संख्या	कंपनी के कुल शेयरों का %				शेयरों की संख्या	कंपनी के कुल शेयरों का %
1	भारत के राष्ट्रपति	180042330	75.02	01/04/2016	-	-	180042330	75.02
				21/10/2016	-13828771	खुला प्रस्ताव	166213559	74.41
				20/01/2017	-2151452	अंतरण	164062107	73.46
				10/02/2017	256373	अंतरण	164318480	75.57
				24/02/2017	-11168139	अंतरण	153150341	68.57
				17/03/2017	1369889570	उप-भाग	1523039911	68.19
				31/03/2017	**-**	**-**	**1523039911**	**68.19**
2	प्रेम कुमार कटारिया	300	0.00	01/04/2016	-	-	300	0.00
				17/03/2017	2700	उप-भाग	3000	0.00
				31/03/2017	-	-	3000	0.00

iv) प्रथम दस शेयरधारकों का शेयरधारण का प्रतिमान: (निदेशक, संवर्धक, तथा जीडीआर व एडीआर धारकों के अतिरिक्त) -

क्रम. सं.	शेयरधारकों के नाम	वर्ष के प्रारंभ में शेयरधारिता-01.04.2016		शेयर धारण में परिवर्तन की तारीख	शेयरधारण में वृद्धि/ घटाव	शेयरधारण में वृद्धि/ घटाव का कारण	वर्ष के दौरान संचयी शेयरधारिता-31.03.2017	
		शेयरों की संख्या	कंपनी के कुल शेयरों का %				शेयरों की संख्या	कंपनी के कुल शेयरों का %
1.	भारतीय जीवन बीमा निगम	15053913	6.27	01.04.2016	-		15053913	6.27
				24.06.2016	-1394	अंतरण	15052519	6.27
				22.07.2016	-177383	अंतरण	14875136	6.20
				29.07.2016	-243232	अंतरण	14631904	6.10
				05.08.2016	-244847	अंतरण	14387057	5.99
				12.08.2016	-233188	अंतरण	14153869	5.90
				04.11.2016	-50000	अंतरण	14103869	6.31
				02.12.2016	-237240	अंतरण	13866629	6.21
				09.12.2016	-170798	अंतरण	13695831	6.13
				16.12.2016	-61503	अंतरण	13634328	6.10
				23.12.2016	-32167	अंतरण	13602161	6.09
				30.12.2016	-77707	अंतरण	13524454	6.05
				06.01.2017	-38939	अंतरण	13485515	6.04
				13.01.2017	-79865	अंतरण	13405650	6.00
				27.01.2017	-7171	अबंटन	13398479	6.00
				03.02.2017	-415077	अंतरण	12983402	5.81
				10.02.2017	-489589	अंतरण	12493813	5.59
				17.02.2017	-603329	अंतरण	11890484	5.32
				24.02.2017	-157346	अंतरण	11733138	5.25
				24.03.2017	105498242	उप-भाग	117231380	5.25
				31.03.2017	**-**		**117231380**	**5.25**

iv) प्रथम दस शेयरधारकों का शेयरधारण का प्रतिमान: (निदेशक, संवर्धक, तथा जीडीआर व एडीआर धारकों के अतिरिक्त) -

क्रम. सं.	शेयरधारकों के नाम	वर्ष के प्रारंभ में शेयरधारिता-01.04.2016		शेयर धारण में परिवर्तन की तारीख	शेयरधारण में वृद्धि/ घटाव	शेयरधारण में वृद्धि/ घटाव का कारण	वर्ष के दौरान संचयी शेयरधारिता-31.03.2017	
		शेयरों की संख्या	कंपनी के कुल शेयरों का %				शेयरों की संख्या	कंपनी के कुल शेयरों का %
2	एचडीएफसी ट्रस्टी कं. लि. ए/सी एचडीएफसी पूंजी सुरक्षा ओरिएंटेड फंड एसआर-II-36एम जून 14	4234370	1.76	01.04.2016	0		4234370	1.76
				08.04.2016	-5000	अंतरण	4229370	1.76
				15.04.2016	-50000	अंतरण	4179370	1.74
				22.04.2016	-11000	अंतरण	4168370	1.74
				29.04.2016	-76343	अंतरण	4092027	1.71
				13.05.2016	-37807	अंतरण	4054220	1.69
				21.10.2016	-128909	अंतरण	3925311	1.76
				04.11.2016	63900	अंतरण	3989211	1.79
				11.11.2016	-10000	अंतरण	3979211	1.78
				23.12.2016	-52000	अंतरण	3927211	1.76
				13.01.2017	-30150	अंतरण	3897061	1.74
				20.01.2017	-3600	अंतरण	3893461	1.74
				27.01.2017	-25200	अंतरण	3868261	1.73
				03.03.2017	220000	अबंटन	4088261	1.83
				17.03.2017	-1800	अंतरण	4086461	1.83
				24.03.2017	36688149	अंतरण	40774610	1.83
				31.03.2017	**0**		**40774610**	**1.83**
3	रिलयंस ट्रस्टी कंपनी लिमिटेड ए/सी रिलयंस कैपिटल	3950674	1.65	01.04.2016			928300	1.16
				08.04.2016	111	अंतरण	3860785	1.61
				15.04.2016	-52000	अंतरण	3808785	1.59
				29.04.2016	-250000	अंतरण	3558785	1.48
				06.05.2016	90000	अंतरण	3648785	1.52
				13.05.2016	14	अंतरण	3648799	1.52
				03.06.2016	250000	अंतरण	3898799	1.62
				10.06.2016	330000	अंतरण	4228799	1.76
				17.06.2016	72200	अंतरण	4300999	1.79
				24.06.2016	-8100	अंतरण	4292899	1.79
				22.07.2016	10000	अंतरण	4302899	1.79
				26.08.2016	10000	अंतरण	4312899	1.80
				02.09.2016	-15	अंतरण	4312884	1.80
				23.09.2016	36000	अंतरण	4348884	1.81
				30.09.2016	-80000	अंतरण	4268884	1.78
				07.10.2016	18451	अंतरण	4287335	1.79
				14.10.2016	15300	अंतरण	4302635	1.79
				28.10.2016	4050	अंतरण	4306685	1.93
				04.11.2016	83450	अंतरण	4390135	1.97
				11.11.2016	588478	अंतरण	4978613	2.23
				18.11.2016	-186	अंतरण	4978427	2.23
				25.11.2016	-201095	अंतरण	4777332	2.14
				02.12.2016	12793	अंतरण	4790125	2.14
				09.12.2016	-103402	अंतरण	4686723	2.10
				16.12.2016	-20097	अंतरण	4666626	2.09
				23.12.2016	**-53282**	अंतरण	**4613344**	**2.07**
				30.12.2016	**9506**	अंतरण	**4622850**	**2.07**
				06.01.2017	**-182880**	अंतरण	**4439970**	**1.99**
				13.01.2017	**-123964**	अंतरण	**4316006**	**1.93**
				20.01.2017	**-640**	अंतरण	**4315366**	**1.93**

iv) प्रथम दस शेयरधारकों का शेयरधारण का प्रतिमान: (निदेशक, संवर्धक, तथा जीडीआर व एडीआर धारकों के अतिरिक्त) -

क्रम. सं.	शेयरधारकों के नाम	वर्ष के प्रारंभ में शेयरधारिता-01.04.2016		शेयर धारण में परिवर्तन की तारीख	शेयरधारण में वृद्धि/ घटाव	शेयरधारण में वृद्धि/ घटाव का कारण	वर्ष के दौरान संचयी शेयरधारिता-31.03.2017	
		शेयरों की संख्या	कंपनी के कुल शेयरों का %				शेयरों की संख्या	कंपनी के कुल शेयरों का %
				27.01.2017	1850451	अंतरण	6165817	2.76
				03.02.2017	-620940	अंतरण	5544877	2.48
				10.02.2017	-118930	अंतरण	5425947	2.43
				17.02.2017	14124	अंतरण	5440071	2.44
				24.02.2017	-19178	अंतरण	5420893	2.43
				03.03.2017	-302344	अंतरण	**5118549**	**2.29**
				10.03.2017	-411640	अंतरण	**4706909**	**2.11**
				17.03.2017	252902	अंतरण	**4959811**	**2.22**
				24.03.2017	48949906	अंतरण	**53909717**	**2.41**
				31.03.2017	-2721917	अंतरण	**51187800**	**2.29**
4	टाटा बैलेंस्ड फण्ड	1779662	0.74	01.04.2016	0		1779662	0.74
				22.04.2016	-50000	अंतरण	1729662	0.72
				08.07.2016	-34650	अंतरण	1695012	0.71
				15.07.2016	-100000	अंतरण	1595012	0.66
				29.07.2016	-54500	अंतरण	1540512	0.64
				04.11.2016	-290986	अंतरण	1249526	0.56
				25.11.2016	110000	अंतरण	1359526	0.61
				02.12.2016	50000	अंतरण	1409526	0.63
				24.03.2017	12685734	अंतरण	14095260	0.63
				31.03.2017			**14095260**	**0.63**
5	यू टी आई मल्टी कैप फ़ंड	1769410	0.74	01.04.2016	0		1769410	0.74
				29.04.2016	-9932	अंतरण	1759478	0.73
				13.05.2016	-374	अंतरण	1759104	0.73
				10.06.2016	-18000	अंतरण	1741104	0.73
				17.06.2016	-63000	अंतरण	1678104	0.70
				24.06.2016	10000	अंतरण	1688104	0.70
				30.06.2016	-18000	अंतरण	1670104	0.70
				15.07.2016	-9000	अंतरण	1661104	0.69
				09.09.2016	-36000	अंतरण	1625104	0.68
				23.09.2016	-9000	अंतरण	1616104	0.67
				14.10.2016	6750	अंतरण	1622854	0.68
				21.10.2016	-240300	वापसी खरीद	1382554	0.62
				28.10.2016	97148	अंतरण	1479702	0.66
				11.11.2016	11743	अंतरण	1491445	0.67
				18.11.2016	-6300	अंतरण	1485145	0.66
				25.11.2016	3041	अंतरण	1488186	0.67
				02.12.2016	-21356	अंतरण	1466830	0.66
				09.12.2016	-21450	अंतरण	1445380	0.65
				16.12.2016	3600	अंतरण	1448980	0.65
				23.12.2016	-9000	अंतरण	1439980	0.64
				30.12.2016	27585	अंतरण	1467565	0.66
				03.02.2017	-17036	अंतरण	1450529	0.65
				24.02.2017	-1350	अंतरण	1449179	0.65
				03.03.2017	129150	अंतरण	1578329	0.71
				17.03.2017	-900	अंतरण	1577429	0.71
				24.03.2017	13052618	उप-भाग	14630047	0.65
				31.03.2017	**-11087**		**14618960**	**0.65**

iv) प्रथम दस शेयरधारकों का शेयरधारण का प्रतिमानः (निदेशक, संवर्धक, तथा जीडीआर व एडीआर धारकों के अतिरिक्त) -

क्रम. सं.	शेयरधारकों के नाम	वर्ष के प्रारंभ में शेयरधारिता-01.04.2016		शेयर धारण में परिवर्तन की तारीख	शेयरधारण में वृद्धि/ घटाव	शेयरधारण में वृद्धि/ घटाव का कारण	वर्ष के दौरान संचयी शेयरधारिता-31.03.2017	
		शेयरों की संख्या	कंपनी के कुल शेयरों का %				शेयरों की संख्या	कंपनी के कुल शेयरों का %
6	आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल मूल्य डिस्कवरी फंड	1237251	0.52	01.04.2016	0		1237251	0.52
				08.04.2016	3380	अंतरण	1240631	0.52
				22.04.2016	208	अंतरण	1240839	0.52
				29.04.2016	123	अंतरण	1240962	0.52
				06.05.2016	-314	अंतरण	1240648	0.52
				13.05.2016	26	अंतरण	1240674	0.52
				20.05.2016	8	अंतरण	1240682	0.52
				27.05.2016	-29	अंतरण	1240653	0.52
				03.06.2016	-25152	अंतरण	1215501	0.51
				10.06.2016	-12116	अंतरण	1203385	0.50
				30.06.2016	-56	अंतरण	1203329	0.50
				08.07.2016	54	अंतरण	1203383	0.50
				29.07.2016	-44	अंतरण	1203339	0.50
				05.08.2016	124	अंतरण	1203463	0.50
				12.08.2016	131	अंतरण	1203594	0.50
				19.08.2016	60	अंतरण	1203654	0.50
				26.08.2016	64	अंतरण	1203718	0.50
				02.09.2016	77	अंतरण	1203795	0.50
				16.09.2016	175	अंतरण	1203970	0.50
				23.09.2016	1192	अंतरण	1205162	0.50
				07.10.2016	26	अंतरण	1205188	0.50
				14.10.2016	56	अंतरण	1205244	0.50
				21.10.2016	76	वापसी खरीद	1205320	0.54
				28.10.2016	37	अंतरण	1205357	0.54
				04.11.2016	75025	अंतरण	1280382	0.57
				11.11.2016	82	अंतरण	1280464	0.57
				18.11.2016	517	अंतरण	1280981	0.57
				25.11.2016	260	अंतरण	1281241	0.57
				02.12.2016	-97	अंतरण	1281144	0.57
				09.12.2016	35	अंतरण	1281179	0.57
				23.12.2016	66	अंतरण	1281245	0.57
				30.12.2016	131	अंतरण	1281376	0.57
				20.01.2017	-63	अंतरण	1281313	0.57
				27.01.2017	7	अंतरण	1281320	0.57
				03.02.2017	1	अंतरण	1281321	0.57
				10.02.2017	38199	अंतरण	1319520	0.59
				17.02.2017	-44	अंतरण	1319476	0.59
				03.03.2017	762691	अंतरण	2082167	0.93
				10.03.2017	74	अंतरण	2082241	0.93
				17.03.2017	-85	अंतरण	2082156	0.93
				24.03.2017	21688494	उप-भाग	23770650	1.06
				31.03.2017	**504**	**अंतरण**	**23771154**	**1.06**
7	आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल मूल्य डिस्कवरी फंड	1102500	0.46	01.04.2016	0		1102500	0.46
				08.04.2016	1256	अंतरण	1103756	0.46
				15.04.2016	75204	अंतरण	1178960	0.49
				29.04.2016	50000	अंतरण	1228960	0.51

iv) प्रथम दस शेयरधारकों का शेयरधारण का प्रतिमान: (निदेशक, संवर्धक, तथा जीडीआर व एडीआर धारकों के अतिरिक्त) -

क्रम. सं.	शेयरधारकों के नाम	वर्ष के प्रारंभ में शेयरधारिता-01.04.2016		शेयर धारण में परिवर्तन की तारीख	शेयरधारण में वृद्धि/ घटाव	शेयरधारण में वृद्धि/ घटाव का कारण	वर्ष के दौरान संचयी शेयरधारिता-31.03.2017	
		शेयरों की संख्या	कंपनी के कुल शेयरों का %				शेयरों की संख्या	कंपनी के कुल शेयरों का %
				13.05.2016	55000	अंतरण	1283960	0.53
				20.05.2016	-6	अंतरण	1283954	0.53
				27.05.2016	300000	अंतरण	1583954	0.66
				03.06.2016	46024	अंतरण	1629978	0.68
				30.06.2016	26776	अंतरण	1656754	0.69
				22.07.2016	50000	अंतरण	1706754	0.71
				29.07.2016	115886	अंतरण	1822640	0.76
				05.08.2016	200000	अंतरण	2022640	0.84
				12.08.2016	52100	अंतरण	2074740	0.86
				30.09.2016	-1	अंतरण	2074739	0.86
				21.10.2016	250000	वापसी खरीद	2324739	1.04
				04.11.2016	221090	अंतरण	2545829	1.14
				11.11.2016	209617	अंतरण	2755446	1.23
				18.11.2016	20555	अंतरण	2776001	1.24
				25.11.2016	195511	अंतरण	2971512	1.33
				09.12.2016	34	अंतरण	2971546	1.33
				30.12.2016	-8	अंतरण	2971538	1.33
				03.03.2017	301700	अंतरण	3273238	1.47
				17.03.2017	-22920	अंतरण	3250318	1.46
				24.03.2017	29180872	उप-भाग	32431190	1.45
				31.03.2017	**110**		**32431300**	**1.45**
8	पार्वेस्ट ईक्विटि इंडिया	1083396	0.45	01.04.2016	0		1083396	0.45
				22.04.2016	45000	अंतरण	1128396	0.47
				20.05.2016	60000	अंतरण	1188396	0.50
				12.08.2016	-140000	अंतरण	1048396	0.44
				02.12.2016	-48396	अंतरण	1000000	0.45
				30.12.2016	-21971	अंतरण	978029	0.44
				06.01.2017	-104029	अंतरण	874000	0.39
				03.02.2017	168000	अंतरण	1042000	0.47
				17.02.2017	20000	अंतरण	1062000	0.48
				24.03.2017	9558000	उप-भाग	10620000	0.48
				31.03.2017		**अंतरण**	**10620000**	**0.48**
9	डीएसपी ब्लैकरोक स्माल एंड मिड़ कैप फंड	984129	0.41	01.04.2016	**0**		984129	0.41
				08.04.2016	16453	अंतरण	1000582	0.42
				20.05.2016	165737	अंतरण	1166319	0.49
				27.05.2016	40000	अंतरण	1206319	0.50
				08.07.2016	-5417	अंतरण	1200902	0.50
				15.07.2016	-14497	अंतरण	1186405	0.49
				30.09.2016	-5158	अंतरण	1181247	0.49
				07.10.2016	-293605	अंतरण	887642	0.37
				14.10.2016	-519	अंतरण	887123	0.37
				21.10.2016	-170439	वापसी खरीद	716684	0.32
				28.10.2016	24021	अंतरण	740705	0.33
				17.02.2017	35177	अंतरण	775882	0.35
				24.02.2017	29310	अंतरण	805192	0.36
				03.03.2017	754970	अंतरण	1560162	0.70
				17.03.2017	-21768	अंतरण	1538394	0.69
				24.03.2017	13845546	उप-भाग	15383940	0.69
				31.03.2017			**15383940**	**0.69**

iv) प्रथम दस शेयरधारकों का शेयरधारण का प्रतिमान: (निदेशक, संवर्धक, तथा जीडीआर व एडीआर धारकों के अतिरिक्त) -

क्रम. सं.	शेयरधारकों के नाम	वर्ष के प्रारंभ में शेयरधारिता-01.04.2016		शेयर धारण में परिवर्तन की तारीख	शेयरधारण में वृद्धि/ घटाव	शेयरधारण में वृद्धि/ घटाव का कारण	वर्ष के दौरान संचयी शेयरधारिता-31.03.2017	
		शेयरों की संख्या	कंपनी के कुल शेयरों का %				शेयरों की संख्या	कंपनी के कुल शेयरों का %
10	राष्ट्रीय बीमा कंपनी लि.	949530	0.40	01.04.2016	0		949530	0.40
				08.04.2016	89250	अंतरण	1038780	0.43
				01.07.2016	-30000	अंतरण	1008780	0.42
				08.07.2016	-20000	अंतरण	988780	0.41
				22.07.2016	-10315	अंतरण	978465	0.41
				11.11.2016	-5685	अंतरण	972780	0.44
				18.11.2016	-15000	अंतरण	957780	0.43
				25.11.2016	-355	अंतरण	957425	0.43
				02.12.2016	-109645	अंतरण	847780	0.38
				09.12.2016	-40000	अंतरण	807780	0.36
				16.12.2016	-20000	अंतरण	787780	0.35
				23.12.2016	-35000	अंतरण	752780	0.34
				06.01.2017	-15000	अंतरण	737780	0.33
				13.01.2017	-20000	अंतरण	717780	0.32
				24.03.2017	6460020	उप-भाग	7177800	0.32
				31.03.2017			**7177800**	**0.32**

V) निदेशक तथा मुख्य प्रबंधकीय कार्मिकों का शेयरधारण

प्रत्येक निदेशक एवं केमपी	वर्ष के प्रारंभ में शेयरधारिता		वर्ष के दौरान संचयी शेयरधारिता	
	शेयरों की संख्या	कंपनी के कुल शेयरों का %	शेयरों की संख्या	कंपनी के कुल शेयरों का %
वर्ष के प्रारंभ में	कंपनी के कोई भी निदेशक एवं केमपी कंपनी के शेयरों का धारण नहीं करते			
वर्ष के दौरान शेयरों की वृद्धि/घटाव के कारण (जैसे आबंटन/अंतरण/बोनस?इक्विटी आदि) का उल्लेख करते हुए शेयरधारण की तारीखवार वृद्धि/घटाव:	कंपनी के कोई भी निदेशक एवं केमपी कंपनी के शेयरों का धारण नहीं करते			
वर्ष के अंत में	कंपनी के कोई भी निदेशक एवं केमपी कंपनी के शेयरों का धारण नहीं करते			

VI) ऋणग्रस्तता

(₹ लाख में)

	निक्षेप के बिना सुरक्षित ऋण	अरक्षित ऋण	जमा	कुल ऋणग्रस्तता
वित्तीय वर्ष के प्रारंभ में ऋणग्रस्तता				
i) पूँजीगत राशि	कुछ नहीं	कुछ नहीं	36.95	36.95
ii) अदेय बकाया ब्याज	कुछ नहीं	कुछ नहीं	1.92	1.92
iii) अदेय प्रोद्भूत ब्याज	कुछ नहीं	कुछ नहीं	0	0
कुल (i+ii+iii)	**कुछ नहीं**	**कुछ नहीं**	**38.87**	**38.87**
वित्तीय वर्ष के दौरान ऋणग्रस्तता में परिवर्तन				
परिवर्धन	5,000	कुछ नहीं	0	0
घटाव	कुछ नहीं	कुछ नहीं	0	0
निवल परिवर्तन	5,000	कुछ नहीं	0	0
वित्तीय वर्ष के अंत में ऋणग्रस्तता				
i) पूँजीगत राशि	5,000	कुछ नहीं	36.95	5036.95
ii) अदेय बकाया ब्याज	कुछ नहीं	कुछ नहीं	1.92	1.92
iii) अदेय प्रोद्भूत ब्याज	1.1164	कुछ नहीं	0	1.1164
कुल (i+ii+iii)	**5001.1164**	**कुछ नहीं**	**38.87**	**5039.9864**

VII) निदेशकों तथा मुख्य प्रबंधकीय कार्मिकों के पारिश्रमिक

क. एमडी, डबल्यूटीडी और / या प्रबंधक के पारिश्रमिक

(₹ में)

क्रम. सं.	पारिश्रमिक का विवरण	श्री एस के शर्मा 30.09.2016 तक	श्री एम एल षणमुख 31.10.2016 तक	पीसी जैन 31.07.2016 तक	श्री अमोल नेवास्कर 30.04.2016 तक	श्री मनमोहन हंडा 30.04.2016 तक	श्री पी.आर आचार्य* 19.08.2016 तक	श्री अजित टी कलघट्गी
1.	सकल वेतन							
	(क) आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 17(1) के प्रावधानों के अधीन वेतन	13,55,632	18,32,451	9,20,589	2,12,476	2,00,153	11,60,022	37,76,901
	(ख) आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 17(2) अधीन परिलब्धियों का मूल्य	8,37,536	5,07,747	1,18,136	26,300	3,57,092	1,69,648	4,98,581
	(ग) आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 17(3) के अधीन वेतन के बदले लाभ	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
2.	स्टॉक विकल्प	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
3.	स्वेट इक्विटी	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
4.	कमीशन							
	- लाभ की % अनुसार	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	- अन्य, स्पष्ट करें।	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
5.	अन्य, मद का उल्लेख करें							
	(क) सेवानिवृत्ति लाभ	4,95,000	7,79,786	3,90,648	1,26,688	1,76,705	1,02,562	13,54,820
	(ख) उपरोक्त 1(ब) सहित (निवल अनुलाभ मूल्य) अन्य लाभ	18,10,878	16,40,291	11,48,419	11,81,731	10,90,668	-1,10,194	1,70,633
	कुल	**44,99,046**	**47,60,275**	**25,77,792**	**15,47,195**	**18,24,618**	**13,22,038**	**58,00,935**

क्रम. सं.	पारिश्रमिक का विवरण	श्री एम वी गौतमा 08.11.2016 से प्रभावित	श्री नटराज कृष्णप्पा 01.05.2016 से प्रभावित	श्री आर एन बग्दलकर 23.01.2017 से प्रभावित	सुश्री आनंदी रामलिंगम 16.09.2016 से प्रभावित	श्री गिरीश कुमार 01.05.2016 से प्रभावित	कुल
1.	सकल वेतन						
	(क) आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 17(1) के प्रावधानों के अधीन वेतन	16,45,604	25,86,606	9,08,444	16,88,342	27,90,505	**1,90,77,725**
	(ख) आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 17(2) अधीन परिलब्धियों का मूल्य	15,730	3,35,897	6,184	2,23,066	1,47,647	**32,43,564**
	(ग) आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 17(3) के अधीन वेतन के बदले लाभ	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	**शून्य**
2.	स्टॉक विकल्प	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	**शून्य**
3.	स्वेट इक्विटी	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	**शून्य**
4.	कमीशन						
	- लाभ की % अनुसार	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	**शून्य**
	- अन्य, मद का उल्लेख करें	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	**शून्य**
5.	अन्य, मद का उल्लेख करें						
	(क) सेवानिवृत्ति लाभ	14,23,715	14,20,036	13,12,138	16,90,148	13,60,558	1,06,32,804
	(ख) उपरोक्त 1(ब) सहित (निवल अनुलाभ मूल्य) अन्य लाभ	8,527	3,06,759	4,000	82,167	68,725	74,02,604
	कुल	**30,93,576**	**46,49,298**	**22,30,766**	**36,83,723**	**43,67,435**	**4,03,56,697**

*19.08.2016 तक श्री पी.आर.आचार्य पूर्णकालिक निदेशक हैं जिहं बाद में सीएफ़ओ (केएमपी) के रूप में पदनामित किया गया है।

ख. अन्य निदेशकों के पारिश्रमिक

(₹ में)

1. स्वतंत्र निदेशक

क्रम. सं.	पारिश्रमिक का विवरण	निदेशकों के नाम				कुल मूल्य
		डॉ भास्कर रममूर्ति	डॉ आर.के. शेवगाँवकर	श्रीमती उषा माथुर	श्री शरद संगी	
1.	मंडल/समिति बैठक में उपस्थिति के लिए शुल्क	2,00,000	4,00,000	3,60,000	1,20,000	10,80,000
2.	कमीशन	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
3.	अन्य, कृपया स्पष्ट करें	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	कुल (ख)(1)					**10,80,000**

(₹ में)

2. अन्य गैर-कायपालक निदेशक

क्रम. सं.	पारिश्रमिक का विवरण	निदेशकों के नाम	कुल मूल्य
		श्रीमती कुसुम सिंह	
1.	मंडल/समिति बैठक में उपस्थिति के लिए शुल्क	शून्य	शून्य
2.	कमीशन	शून्य	शून्य
3.	अन्य, कृपया स्पष्ट करें	शून्य	शून्य
	कुल (ख)(2)		शून्य
	कुल (बी)= (ख)(1)+ (ख)(2)		**10,80,000**

ग. एमडी/डबल्यूटीडी/प्रबंधक/पूर्णकालीन निदेशक के अलावा मुख्य प्रबंधकीय कार्मिकों का पारिश्रमिक

(₹ में)

क्रम. सं.	पारिश्रमिक का विवरण		मुख्य प्रबंधकीय कार्मिक		
		सीईओ	कंपनी सचिव	सीएफओ*	कुल
1.	सकल वेतन				
	(क) आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 17(1) में निहित प्रावधानों के अनुसार वेतन	-	11,79,915	9,50,726	21,30,641
	(ख) आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 17(2) के तहत अनुलब्धियों का मूल्य	-	1,54,982	0	1,54,982
	(ग) आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 17(3) के तहत वेतन के बदले लाभ	-	शून्य	शून्य	शून्य
2.	स्टॉक विकल्प	-	शून्य	शून्य	शून्य
3.	स्वेट इक्विटी	-	शून्य	शून्य	शून्य
4.	कमीशन				
	- लाभ के % के तौर पर	-	शून्य	शून्य	शून्य
	- अन्य, मद का उल्लेख करें	-	शून्य	शून्य	शून्य
5.	अन्य :				
	(क) सेवानिवृत्ति लाभ	-	5,36,120	10,94,617	16,30,737
	(ख) उपरोक्त 1(ब) सहित (निवल अनुलाभ मूल्य) अन्य लाभ	-	1,62,161	4,17,822	579983
	कुल	**-**	**20,33,178**	**24,63,165**	**44,96,343**

* श्री कोशी अलेक्जाण्डर को दि. 27.10.2016 के प्रभाव से सीएफओ के रूप में नियुक्त किया गया है ।

VII. जुर्माना/ दंड/ अपराधों की कम्पाउंडिंग -

प्रकार	कंपनी अधिनियम की धारा	संक्षिप्त विवरण	लगाए गए जुर्माने/ दंड/ कम्पाउंडिंग फीस के ब्यौरे	प्राधिकरण [आरडी / एनसीएलटी/ न्यायालय]	की गई अपील, यदि कोई हो (ब्यौरे दें)
क. कंपनी					
जुर्माना	कुछ नहीं				
दंड					
कम्पाउंडिंग					
ख. निदेशकगण					
जुर्माना	कुछ नहीं				
दंड					
कम्पाउंडिंग					
ग. चूक करने वाले अन्य अधिकारी					
जुर्माना	कुछ नहीं				
दंड					
कम्पाउंडिंग					

मंडल के लिए और मंडल की ओर से

हस्त /-

एम वी गौतमा

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

बेंगलुरु

11 अगस्त 2017

अनुलग्नक 5

प्रबंधन के विचार-विमर्श तथा विश्लेषण रिपोर्ट

(क) उद्योग संरचना तथा विकास कार्य, शक्तियाँ, कमजोरियाँ, सुअवसर तथा जोखिम, स्थिर निष्पादन तथा प्रगति सुनिश्चित करने हेतु नियोजित एवं क्रियान्वित महत्वपूर्ण पहल-

(क) अर्थ-व्यवस्था का सामान्य दृष्टिकोण, कंपनी में प्रचालित उद्योग, सरकारी बजट, विशेषकर रक्षा बजट, बाजार परिस्थितियाँ तथा कंपनी पर इनका प्रभाव, कंपनी के हितों की रक्षा के लिए उठाए गए कदम/कार्य योजना -

भारतीय अर्थव्यवस्था लगातार विकास की मजबूत और स्थिर सकारात्मक गति दिखा रही है। पिछले वित्तीय वर्ष में संवैधानिक संशोधन के माध्यम से प्रमुख आर्थिक नीतियों को जैसे गुड्स एंड सर्विस टैक्स (जीएसटी) तथा बड़े मुद्रा नोटों का विमुद्रीकरण किया गया था। भारत सरकार के 2016-17 के आर्थिक सर्वेक्षण के अनुमान के अनुसार अर्थव्यवस्था में 7% की वृद्धि होने की उम्मीद है। मुद्रास्फ़ीति, चालू खाता घाटे, रुपया डॉलर विनिमय दर, राजकोषीय एकीकरण, विदेशी मुद्रा भंडार के स्थिरता के साथ अर्थव्यवस्था में ने सुधार के लक्षण दिखाई डीएन है । पश्चिम में कुछ देशों के विश्व अर्थव्यवस्था की कमजोर आर्थिक सुधार के साथ विरोधी-वैश्वीकरण प्रवृत्तियों से भारतीय निर्यात पर असर पड़ सकता है।

रक्षा

आईएचएस जेन के अनुसार, विश्व सैन्य खपत 1.57 खरब डॉलर थी तथा और बढ़ने की संभावना है, क्योंकि बहुत से देश अपने रक्षा खर्च में वृद्धि कर रहे हैं। हाल ही के वर्षों में एशिया पैसिफिक क्षेत्र में रक्षा खर्च में वृद्धि हुई है और दक्षिण चीन सागर के आसपास बढ़ते तनाव के साथ यह और अधिक बढ़ने की संभावना है।

2016 में, भारत सऊदी अरब और रूस को को पीछे छोड़ कर विश्व में रक्षा पर सबसे अधिक खर्च करने वाले पाँच राष्ट्रों में शीर्ष पर है ।

इस बदले हुए वैश्विक परिदृश्य में, केंद्रीय बजट ने पिछले साल के बजट में 5.34% की वृद्धि के साथ रक्षा के लिए ₹ 2,62,390 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। पूंजीगत व्यय का बजट 2016-17 में ₹ 86,340 करोड़ से बढ़कर 2017-18 के लिए ₹ 86,529 करोड़ हो गया जो गत वर्ष की तुलना में 0.22% वृद्धि है। रक्षा मंत्रालय की बड़े पैमाने पर खरीद योजनाओं के बावजूद , पूंजीगत खर्च में बहुत अधिक वृद्धि नहीं हुई है। सरकार के पास वापिस आई अव्ययित राशि में 2015-2016 से ₹ 13,000 करोड़ रुपए से 2016-17 में ₹ 6,970 करोड़ रुपए में गिरावट आई है, जो बताता है कि अधिक परियोजनाओं की योजनाएँ बनाई गई और पूऋ हो गई । इसके अलावा, डॉलर के मुकाबले रुपया के कम होने के कारण सैन्य खरीद पर अधिक भार पड़ेगा क्योंकि प्रतिबद्ध सैन्य उपकरणों / प्रणालियों की खरीद में अधिक मात्रा में खर्च करना पड़ेगा ।

भारतीय रक्षा सेवाओं में भारतीय सेना को रक्षा बजट का बड़ा हिस्सा मिला है, उसके बाद वायु सेना और नौसेना का स्थान है। यद्यपि, पूंजीगत व्यय में अपने बजट से वायुसेना ने 58%, नौसेना ने 51% और सेना 17% नए उपकरणों / प्रणालियों की खरीद के लिए आवंटित की है।

पूंजी बजट में गिरावट का रक्षा बलों की चालू परियोजनाओं पर कोई प्रभाव नहीं होना चाहिए, परंतु नई प्राप्तियों में कुछ देरी की उम्मीद की जा सकती है । सेना की प्रतिबद्ध देनदारी ₹ 19,449 करोड़ , नौसेना की 19,089 करोड़ और वायुसेना की ₹ 22,871 करोड़ है जो कि नए कार्यक्रमों के अधिग्रहण के लिए बजट का लगभग 10% सेवाओं को छोड़ते हुए कुल पूंजीगत व्यय बजट की लगभग 90% है ।

रक्षा बजट 2017-18 ने मेक इन इंडिया कार्यक्रमों के लिए कोई विशेष प्रोत्साहन नहीं दिया है तथा "मेक" कार्यक्रमों के तहत प्रोटोटाइप विकास के लिए और ₹ 45 करोड़ का बजट निर्धारित किया है ।

इसके मूल रक्षा व्यापार के अतिरिक्त बीईएल, होमलैंड सिक्योरिटी और सोलर में होमलैंड सिक्योरिटी, सोलर, स्पेस आदि जैसे अन्य रणनीतिक क्षेत्रों में विविधीकरण की संभावनाओं का पता लगाने की कोशिश कर रही है। बीईएल ने होमलैंड सिक्योरिटी, सोलर तथा स्पेस आदि में कुछ परियोजनाएँ प्राप्त की हैं और इसे निष्पादित किया जा रहा है। स्मार्ट सिटीज एक नया क्षेत्र है, जिसमें बीईएल बाजार के अवसरों के उचित निर्धारण करने के बाद प्रवेश करने की योजना बना रहा है।

होमलैंड सुरक्षा

भारत में होमलैंड सिक्योरिटी मार्केट केंद्रीय, राज्य सरकारों और निजी क्षेत्रों में फैल गया है। होमलैंड सुरक्षा के प्रमुख क्षेत्रों में क्रिटिकल इफ्रास्ट्रक्चर प्रोटेक्शन, अर्द्धसैनिक, पुलिस और शहरी क्षेत्र सुरक्षा, भूमि परिवहन, बंदरगाह और समुद्री सुरक्षा, साइबर सुरक्षा इत्यादि हैं।

2017-18 के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय के लिए कुल बजट आवंटन ₹ 97,187 करोड़ है, जिसमें पिछले वर्ष के ₹ 92,190 करोड़ की तुलना में ₹ के 5% की वृद्धि हुई है, जिसमें होमलैंड सुरक्षा आवश्यकताओं के लिए आवंटन भी शामिल है। सीमा सुरक्षा प्रबंधन इस होमलैंड सुरक्षा आवश्यकता का एक प्रमुख अंग है, जिसमें भारत-पाकिस्तान और भारत-बांग्लादेश पर सीमा प्रबंधन समाधान की आवश्यकता शामिल है। होमलैंड सिक्योरिटी बिजनेस के एक भाग के रूप में बीईएल सीमा प्रबंधन समाधान की आवश्यकताओं को हल करने की योजना बना रहा है।

सोलर

सरकार ने 2022 तक सौर ऊर्जा, पवन और अन्य जैसे नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से 175 गीगावॉट का एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है। सौर ऊर्जा के लिए लक्ष्य 2022 तक 100 गीगावॉट है। सरकार ने सौर ऊर्जा के लिए ₹ 3,361 करोड़ का बजट आवंटन किया है, जो कि पवन ऊर्जा के मुकाबले यह दर्शाता है कि सरकार सौर ऊर्जा को प्राथमिकता देगी।

2017-18 के बजट में, सरकार ने एक अतिरिक्त 20 गीगावॉट सौर ऊर्जा क्षमता स्थापित करने की घोषणा की। सौर स्थापनाओं को सुविधाजनक बनाने के लिए सौर पैनल ग्लास जो कि सौर पैनलों और मॉड्यूल के निर्माण में काम आता है पर आयात शुल्क को 5% से 0% तक घटा दिया गया है। सौर वाष्प कांच बनाने में जाने वाली सामग्री पर अब पहले की 12.5% ड्यूटी की तुलना में 6 % की प्रतिकारी ड्यूटी होगी। इसके अतिरिक्त भारतीय रेलवे के तहत 1 गीगावॉट सौर मिशन के अंतर्गत , 2000 रेलवे स्टेशनों के लिए बजट समर्थन का विस्तार कर दिया है ।

बीईएल ने अपनी सुविधाओं को 10 मेगावाट पीवी सेल और 10 मेगावाट की स्वचालित सौर मॉड्यूल विनिर्माण में उन्नत कर दिया है और मेगावाट आकार सौर ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना शुरू कर दी है। बीईएल ने कुल 150 मेगावाट की क्षमता की 8 राज्यों में 17 स्थानों पर फैली ऑर्डनेंस फैक्ट्री के क्षेत्र में उपयोगी स्तर पर कैप्टिव खपत के लिए सौर ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना की है । 15 मेगावाट की क्षमता वाले पहले सौर ऊर्जा संयंत्र की शुरूआत जल्द ही ऑर्डनेंस फैक्टरी, मेदक में होने की संभावना है।

मॉड्यूल संयंत्र, 16% से ऊपर की दक्षता के साथ संयंत्र 60 और 72 सेल वियास दोनों में 320 वॉट सौर मॉड्यूल का निर्माण करने में सक्षम होगा। रुफ टॉप तथा सौर ऊर्जा संयंत्रों के प्रयोग के संबंध में एमएनआरई के दिशानिर्देशों के अनुसार मॉड्यूल आईईसी प्रमाणीकरण के लिए योग्य हैं। बीईएल ने बी ई एल में ही निर्मित सेल और मॉड्यूल का उपयोग करते हुए विभिन्न स्थानों पर आंतरिक और बाह्य दोनों ग्राहकों के लिए संचयी रूप से 2 मेगावाट की छत के शीर्ष सिस्टम स्थापित किए हैं।

निकट भविष्य में इस क्षेत्र से बीईएल के व्यवसाय में काफी योगदान की संभावना है।

अंतरिक्ष (स्पेस)

सैटेलाइट इंडस्ट्री एसोसिएशन (एसआईए) की रिपोर्ट के अनुसार, सैटेलाइट विनिर्माण और समाकलन के लिए विश्व बाजार 16.6 अरब अमरीकी डालर यूएस डॉलर है जो कि वार्षिक 4% की दर से बढ़ रहा है। भारतीय संदर्भ में, इसरो ने पिछले पांच वर्षों में 55 मिशनों की शुरुआत की है और वर्ष 2017-18 के बाद से 12 मिशन की औसत के साथ मिशनों की संख्या को दोगुना करने की योजना बना रही है।

इसरो की योजनाओं के अनुरूप, डिपार्टमेंट ऑफ स्पेस (डीओएस) ने गत वर्ष के ₹ 8,045 करोड़ के स्थान पर 2017-18 के लिए ₹ 9,094 करोड़ का बजट आवंटित किया गया है। कुल बजट में से ₹ 8,324 करोड़ केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं के लिए है जिसमें अंतरिक्ष से संबंधित प्रौद्योगिकी, अनुप्रयोगों और स्पेस तथा आईएनएसएटी सैटेलाइट सिस्टम से संबधित विज्ञान शामिल हैं। अंतरिक्ष अनुसंधान के लिए पूंजीगत व्यय 2017-18 के लिए ₹ 4,155 करोड़ है जो 2016-17 के लिए ₹ 3,576 करोड़ था ।

बीईएल इसरो के सहयोग से रक्षा अनुप्रयोगों में संभावित उपयोग के लिए विभिन्न उत्पादों / प्रणालियों के डिजाइन और विकास में अपनी तकनीकी क्षमताओं का लाभ उठा रहा है।

(ख) एसडबल्यूओटी विश्लेषण

शक्तियाँ

- भारत में स्थापित रक्षा इलैक्ट्रॉनिक्स खिलाड़ी
- उत्तम प्रतिच्छाया और प्रतिष्ठा

- उत्तम कार्य नैतिकता
- प्रौद्योगिकी तथा नव-उत्पाद विकास में परिणामित होने वाला सुदृढ़ बहु-आयामी अनु.एवं वि.
- अनुपूरक प्रौद्योगिकियों के लिए प्रौद्योगिकी साझेदारों के साथ संयुक्त विकास
- उत्तम आधारिक संरचना तथा विनिर्माण सुविधाओं के साथ प्रतिबद्ध कार्य बल
- ईआरपी सहित सु-स्थापित प्रणालियाँ एवं प्रक्रियाएँ
- दशकों के अनुभव के फलस्व रूप रक्षा इलेक्ट्रॉनिकी के क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रक्षेत्र ज्ञान तथा मूल दक्षताएं
- सशक्त उत्पाद समर्थन नेटवर्क के साथ व्यापक उत्पाद श्रृंखला
- सशस्त्र सेना, रक्षा प्रयोगशाला एवं सरकारी एजेसिंयों के साथ अटूट संबंध
- निष्ठा ग्राहक आधार
- देशी तथा विदेशी सहयोगकर्ताओं से सक्रिय ज्ञानार्जन
- बृहत् प्रणाली एकीकरण परियोजनाओं में अनुभव एवं विशेषज्ञता
- वित्तीय रूप से सुदृढ़ तथा निरंतर लाभार्जन
- ग्राहकों के लिए दीर्घकालीन प्रतिबद्धता

कमजोरियाँ

- कुछ नई प्रौद्योगिकियों के क्षेत्रों में अंतर
- व्यापार विकास और विपणन में संरक्षी दृष्टिकोण
- रक्षा बाजार पर निर्भरता

सुअवसर

- बढ़ती रक्षा एवं सुरक्षा अपेक्षिताएँ
- रक्षा उपस्करों के स्वदेशी विकास एवं निर्माण पर सरकार का ज़ोर
- आधुनिकीकरण तथा प्रोनयन कार्यक्रमों की दिशा में प्रवर्धित रक्षा बजट आबंटन
- रक्षा प्रोनयन कार्यक्रमों तथा अनुरक्षण, मरम्मत, ओवरहॉल कोटि में बढ़ते सुअवसर
- केन्द्रीय पैरा-सैन्य बलों के आधुनिकीकरण पर वर्धित बल
- सौर आधारित बिजली संयंत्रों और संबंधित रक्षा क्षेत्रों के लिए बढ़ता बाजार जैसे - गृहभूमि सुरक्षा, स्मार्ट सिटी तत्व आदि

जोखिम

- रक्षा क्षेत्र में भारतीय निजी उद्योग तथा विदेशी ओईएम के संयुक्त उद्यम सहित उनसे बढ़ती प्रतिस्पर्धा
- प्रौद्योगिकी में द्रुत परिवर्तन
- कुछ जटिल प्रौद्योगिकियों के स्रोतण करने में कठिनाई
- निजी क्षेत्र के पक्ष में नीति हस्तक्षेप

(ग) कंपनी के निरंतर प्रदर्शन एवं विकास सुनिश्चित करने के लिए शीर्ष प्रबंधन द्वारा निर्धारित कार्यनीति, उद्देश्य तथा लक्ष्य सहित, क्रियान्वित/नियोजित महत्वपूर्ण प्रमुख पहल

कंपनी ने निरंतर प्रदर्शन एव विकास सुनिश्चित करने के लिए निम्नलिखित पहल शुरू की है-

(i) सह विकास, सह-उत्पादन तथा विनिर्माण के माध्यम से उभरते व्यवसायों के लिए सामरिक गठबंधन-

कंपनी अनेक महत्वपूर्ण सामरिक क्षेत्रों में कार्य कर रही है जैसे एईएसए आधारित आधुनिक रडार, आगामी पीढ़ी के इलेक्ट्रॉनिक युद्ध-पद्धति स्यूट्स, वायु रक्षा प्रणालियाँ, सामरिक संचार प्रणालियाँ, युद्ध-क्षेत्र प्रबंधन प्रणालियाँ, अक्रिय रात्रि दर्शी साधित्र एवं मल्टी-सेसर स्टेबिलाइज़ेशन प्रणालियाँ ।

कंपनी ने रक्षा प्रयोगशालाओं, आयुध निर्माणी बोर्ड, डीपीएसयू तथा अन्य प्रतिष्ठित वैश्विक/भारतीय कंपनियों के साथ भारतीय रक्षा बलों के लिए इन उभरती आवश्यकताओं को संबोधित करने के लिए कई कार्यनीतिक समझौते किए हैं। इन विभिन्न उत्पादों/प्रणालियों में, सतह-से हवा में मारक मिसाइल (एसएएम) प्रणालियाँ, वायु रक्षा रडार, सामरिक संचार प्रणालियों, रणभूमि प्रबंधन प्रणाली, सोनार प्रणाली, आगामी पीढ़ी के रात्रि दृश्यु उपकरण, बंदूक उन्नयन/नई बंदूक कार्यक्रम, जड़त्वीय नौपरिवहन प्रणालियाँ, मध्यम-ऊंचाई लंबी-दूरी क्षमता के मानवरहित वायु वाहन (यूएवी), इलेक्ट्रॉनिक गोला बारूद फ़्यूज़, भविष्यच के लड़ाकू इंफेंट्री वाहनों से निपटने के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स प्रणालियाँ (एफआइसीवी), सैटकॉम टर्मिनल, मिसाइल कंटेनर आदि सम्मिलित हैं।

(ii) संयुक्त उद्यमों का सृजन (विद्यमान/उभरते व्यापारिक क्षेत्र दोनों के लिए)

थेल्स के साथ संयुक्त उद्यम कंपनी, बेल-थेल्स प्रणाली लिमिटेड, वर्तमान में संचालनरत है तथा भारतीय एवं वैश्विक बाजारों के लिए नागरिक और चुनिंदा रक्षा रडारों के डिज़ाइन, विकास, विपणन, आपूर्ति और समर्थन में लगी हुई है। संयुक्त उद्यम समिति ने थेल्स के साथ, संयुक्त रूप से, बंदूक एवं मिसाइल दोनों प्रणालियों के लिए आग नियंत्रण रडार विकसित करने हेतु फारोस, रणनीतिक सहयोग अनुबंध प्रारंभ किया है।

कंपनी इस प्रकार के व्यापार में उभरते नए अवसरों का लाभ उठाने के लिए प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में पूरक शक्तियों की प्रतिष्ठित कंपनियों के साथ संयुक्त उद्यम सहभागिता/विशेष प्रयोजन वाहन व्यवस्था के लिए इसी तरह के भागीदार ढूँढ रही है। कंपनी युद्धक्षेत्र प्रबंधन प्रणाली कार्यक्रम के निपटान के लिए रोल्टा के साथ एक विशेष प्रयोजन वाहन के गठन की प्रक्रिया में कार्यरत है।

(iii) आंतरिक अनुसंधान एवं विकास पर अवधारण

बदलते व्यापारिक परिस्थिति में, रक्षा क्षेत्र में निजी क्षेत्र की भागीदारी को प्रोत्साहित करते हुए रक्षा क्षेत्र में आत्म निर्भरता प्राप्त करने के लिए सरकार के दृढ़ संकल्प से रक्षा उत्पादों के स्वदेशीकरण के विकास पर सर्वोपरि महत्व होगा। घरेलू अनुसंधान एवं विकास के साथ-साथ सह-विकास का सशक्तीकरण, व्यापार वृद्धि के लिए अति महत्वपूर्ण सिद्ध होगा। बीईएल ने डीआरडीओ/राष्ट्री य प्रयोगशालाओं, शिक्षा और अन्य संस्थानों के साथ कार्य स्तर में वृद्धि करने के साथ घरेलू अनुसंधान तथा विकास के संवर्धन की दिशा में कई कदम उठाए हैं। योजना के अनुसार, बेंगलूर में नए उत्पाद विकास एवं नवोन्मेष केन्द्र (पीडी एंड आईसी) प्रचालित है तथा प्रगातिशील है । बीईएल ने परियोजनाएँ प्रारंभ करने के लिए अधिक साझेदारों को जोडने के साथ अपने सहयोगी अनुसंधान एवं विकास प्रयासों के लिए भी अधिक बल दिया है।

(iv) निर्यात तथा समायोजन पर बल

कंपनी रक्षा मंत्रालय की विभिन्न आरएफपी में विदेशी विक्रेताओं के समायोजन दायित्वों के क्षेत्रों के अवसरों पर ध्यान केंद्रित कर रही है। 'प्रिंट के लिए निर्मित', 'कल्पना के लिए निर्माण' तथा 'क्रेता नामांकित उपकरण' पर ध्यान केंद्रित किया गया है। बीईएल ने कई विदेशी कंपनियों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं और लंबी अवधि के आपूर्ति श्रृंखला संबंधों की स्थापना हेतु प्रमुख वांतरिक्ष और रक्षा कंपनियों के साथ काम कर रही है ।

कंपनी रक्षा मंत्रालय के अनुमोदन के साथ हितैषी देशों को उत्पादों तथा प्रणालियों के निर्यात की संभावनाओं को भी तलाश रही है। वर्तमान में, आकाश मिसाइल सिस्टम, तटीय निगरानी प्रणाली, नौसेना वायु निगरानी रडार, सोनार, रात्रि दृश्यत उपकरण और इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों को दक्षिण पूर्व एशिया, मध्य पूर्व और अफ्रीकी देशों के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

(V) आधारिक संरचनाओं तथा सुविधाओं के विस्तार एवं आधुनिकीकरण-

कंपनी की व्यावसायिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कंपनी आधुनिकीकरण एवं अपनी आधारभूत सुविधाओं के विस्तारण की दिशा में अधिक निवेश कर रही है । बीईएल अगले 3-4 वर्षों में अपनी क्षमता विस्तार तथा विकास योजनाओं के अनुरूप अपनी सुविधाओं के आधुनिकीकरण के लिए ₹ 2,500 करोड़ खर्च करने की योजना बना रही। कुछ प्रमुख कार्यक्रमों में पलसमुद्रम में डिफेंस सिस्टम्स इंटीग्रेशन कॉम्प्लेक्स, निंबलरु में ईओ विनिर्माण सुविधा तथा ईरहिपटनम में ईडब्ल्यू टेस्ट रेंज आदि शामिल है।

कंपनी आंध्र प्रदेश के अनंतपुर जिले के पालसमुद्रम में एक रक्षा प्रणाली एकीकरण परिसर स्थापित कर रही है। इसकी स्थापना के बाद यह देश में रक्षा क्षेत्र में उपलब्धर 900 एकड़ भू-भाग में व्याप्त सबसे बड़ी सुविधा होगी।

पालसमुद्रम सुविधा के प्रारंभ होने से बीईएल अपनी मिसाइल प्रणाली व्यापार का विस्तारण तथा वर्तमान एवं आगामी परियोजनाओं के विनिर्माण तथा एकीकरण के लिए सक्षम हो जाएगी। यह केंद्र एकीकरण हैंगर एवं रडार और शस्त्र एकीकरण हेतु प्रबल स्टैंड, लक्ष्य समीकरण हेतु आरएफ विकिरण स्रोत, स्वचालित परीक्षण उपकरण, इलेक्ट्रॉनिक एकीकरण हेतु साफ कक्ष, गैर-विस्फोटक एवं विस्फोटक एकीकरण भवन, मिसाइल भंडारण भवन, पर्यावरण परीक्षण कक्ष, अग्निशमन केंद्र, सौर ऊर्जा संयंत्र, एस्टेट और प्रशासनिक भवन आदि जैसे सब अत्याधुनिक आधारिक संरचना के साथ होगा। प्रस्तावित परिसर स्वचालित निर्देशित वाहन और औद्योगिक रोबोट के साथ सामग्री संचलन तथा संचालन के लिए विश्वस्तरीय सुविधा से युक्त् होगा।

विभिन्न परियोजनाओं से युक्त ₹ 500 करोड़ की अनुमानित परिपक्व निवेश के साथ यह सुविधा 3 से 4 चरणों में अगले 3- 4 वर्षों के अंदर पूरी की जाएगी। प्रथम चरण में शस्त्र प्रणालियों तथा मिसाइल उप-प्रणालियों के एकीकरण के लिए हैंगरों का निर्माण किया जाएगा। बाद के चरणों में, संयंत्र और मशीनरी, परीक्षण सुविधां आदि प्रगतिशील तरीके से स्थापित की जाएँगी।

कंपनी ₹ 250 करोड़ के निवेश के साथ आईआर चहेतों, रात्रि दृश्य उपकरण तथा थर्मल इमेजिंग कैमरे निर्माण के लिए आंध्र प्रदेश के कृष्णा जिले के निम्म लुरू में एक संयंत्र स्थापित करने की योजना बना रही है। इस संयंत्र के अगले 2-3 साल में प्रचालनीय होने की संभावना है।

बीईएल, बीएलओपी-पुणे में लगभग ₹ 200 करोड़ रुपये के निवेश के साथ ट्यूब्स फैब्रिकेशन सुविधा पर आधारित इमेज इसटेंसिअर टेक्नोलॉजी का एक्सडी -4 तकनीक से एक्सआर -5 पर उन्नयन कर रहा है।

प्रौद्योगिकीय उन्नयन तथा अनुसंधान एवं विकास -

चुनौतियाँ :

बीईएल के व्यापार की प्रमुख प्रौद्योगिकियों में इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी और सॉफ़्टवेयर जैसे तेज़ी से बदलते प्रौद्योगिकीय क्षेत्रों के अनुप्रयोग सम्मिलित हैं। बीईएल के अनु. एवं विकास अभियंताओं के कुछ अत्यधिक चुनौतीपूर्ण कार्य बीईएल के व्यापारिक क्षेत्रों के विविध क्षेत्रों में नवीनतम प्रौद्योगिकियों के साथ गति बनाए रखना, नई उभरती प्रौद्योगिकियों को प्राप्त करना और उन्हें नए उत्पादों के विकास के दौरान कार्यान्वित करना है। अप्रचलन संबंधी मसलों से निपटने सहित प्रयोक्ता की उभरती ज़रूरतों को पूरा करने के लिए बीईएल के व्यापार के क्षेत्रों में विभिन्न उत्पादों को निर्मित करने के लिए आवश्यक प्रौद्योगिकियों को नियमित रूप से विकसित करने तथा अद्यतनीकरण की आवश्यकता है। परंपरागत तंत्रों के अनुरक्षण की आवश्यकता के साथ-साथ निरंतर प्रौद्योगिकीय अद्यतनीकरण की आवश्यकता बीईएल पर लगातार यह उत्तरदायित्व निभाने के लिए दबाव डालती है कि वह विश्वस्तरीय प्रौद्योगिकी में न केवल समवर्ती बनी रहे बल्कि परंपरागत उत्पादों और तंत्रों के अप्रचलन से निपटने के साधन ढूंढ़ने में नवाचारी भी बने रहे।

उपाय

बीईएल ने उपर्युक्त चुनौतियों पर सकारात्मक प्रतिक्रिया व्यक्त की है और उनसे निपटने के लिए विभिन्न उपायों की पहचान की है। इन उपायों में अल्प, मध्यम और दीर्घकालीन प्रौद्योगिकी लक्ष्यों, अनु. एवं विकास में वर्धित निवेश एवं प्रत्येक वर्ष के लिए तीन वर्षों का रोल-ऑन अनु. एवं विकास योजना का विकास करते हैं । अनु. एवं विकास अभियंताओं की संपूर्ण संभावनाओं का उपयोग तथा अनु. एवं विकास अभियंताओं के बीच विभिन्न क्षेत्रों में संचित अनु. एवं विकास ज्ञान के आदान-प्रदान करने के लिए संपूर्ण कंपनी में ज्ञान प्रबंधन प्रणाली की स्थापना सम्मिलित है। स्वदेशी उत्पादों के विकास के लिए बीईएल अपना प्रयास कर रही है तथा इसके साथ ही, स्वदेशी विकास कार्यों के वृद्धि के लिए डीआरडीओ की प्रयोगशालाओं, अन्य राष्ट्रीय अनुसंधान प्रयोगशालाओं तथा शैक्षिक संस्थान सहित अनु. एवं विकास संगठनों के आपसी सहयोग से इसे सशक्त भी बना रही है। नए उत्पादों में विशिष्टीकृत प्रौद्योगिकियों को तुरंत नियोजित करने हेतु बीईएल प्रतिष्ठित विदेशी कंपनियों के साथ संयुक्त विकास के समुचित कदम भी उठा रही है ।

अनुसंधान एवं विकास पहल -

वर्ष 2016-17 के दौरान अनु. एवं विकास तथा प्रौद्योगिकी विकास के क्षेत्रों में बीईएल द्वारा की गई कुछ नई पहलें निम्नलिखित हैं -

- बीईएल ने रडार एंड वेपन सिस्टम, इलेक्ट्रो-ऑप्टिक्स एंड लेजर एंड कम्युनिकेशंस और कंपनी में अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं पर ध्यान देने के लिए तीन मुख्य तकनीकी अधिकारी (सीटीओ) , प्रत्येक क्षेत्र में एक-एक नियुक्त किये है।
- नई अनुसंधान एवं विकास परियोजनाएँ सिस्टम-ऑन-चिप, एमएमआईसी, लेजर वॉर्निंग रिसीवर, लाइट वेट शेल्टर, हाई आल्टीटयूट शेल्टर, लो फ्रीक्वेंसी वेरिएबल डेप्थ सोनार, मीडियम पावर रडार, 1 मीटर केयू बैंड सेटकॉम मैनपैक टर्मिनल और 3-डीसी / डी रडार, मल्टी ट्रैकिंग रडार और एसडब्ल्यूआईआर कैमरा के सहयोगी विकास के लिए शुरू की गई हैं ।
- उत्पाद विकास एवं नवोन्मेष केंद्र (पीडी एंड आईसी) प्रयोगशाला स्थापित हुई तथा डीएसआईआर द्वारा 2016-17 में अनुसंधान एवं विकास केंद्र के रूप में मान्यता प्राप्त हुई ।
- बीईएल की सभी एसबीयू तथा यूनिटों में अनु. एवं विकास प्रभाग दो केन्द्रीय-डी एंड ई द्वारा समर्थित हैं, उत्पाद विकास और नवाचार केंद्र (पीडी एंड सी) तथा बेंगलूर तथा गाज़ियाबाद में स्थित दो केन्द्रीय अनुसंधान प्रयोगशालाओं द्वारा अद्यतन प्रौद्योगिकियों के साथ

के साथ (स्टेट ऑफ आर्ट) अत्याधुनिक उत्पादों के विकास के माध्यम से नए व्यवसायों के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

- बीईएल का अनु. एवं विकास प्रभाग विशिष्ट स्वदेशी प्रौद्योगिकियों के विकास के लिए डीआरडीओ, इसरो, सीएसआईआर, सी-डैक, सी-डॉट जैसे राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं तथा आईआईटी, एनआईटी और आईआईएससी जैसी अग्रणी शैक्षिक संस्थानों के साथ सक्रिय रूप से विचार-विमर्श कर रही है।
- 2016-17 के दौरान बीईएल चेन्नै को सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट के लिए सीएमएमआई स्तर-3 प्रमाणन के साथ मान्यता मिली है।
- बीईएल ने वर्ष 2016-17 के दौरान अनु. एवं विकास के लिए अपने विक्रयावर्त के 8.81% से अधिक निवेश किया है।
- बीईएल-ईआरपी प्रणाली के एक भाग के रूप में नॉलेज मैनेजमेंट पोर्टल का अद्यतन संस्करण बनाया गया है; नॉलेज शेयरिंग के लिए कंपनी में ई-बुक के 400 से अधिक शीर्षक उपलब्ध हैं ।
- बीईएल के वैज्ञानिकों और अनुसंधान एवं विकास के अभियंताओं द्वारा विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं / सेमिनार / सम्मेलनों में लगभग 82 तकनीकी पत्र प्रकाशित किए गए । एसबीयू स्तर पर आयोजित केंद्रीय अनुसंधान प्रयोगशाला की संगोष्ठी/व्यावसायिक पेपर प्रस्तुति / एस बी यू स्तर पीआर आयोजित सम्मेलन में 55 तकनीकी पत्र प्रस्तुत किए गए ।
- प्रत्येक वर्ष बीईएल के अनुसंधान एवं विकास अभियंताओं को बीईएल में अनुसंधान एवं विकास प्रयास, प्रौद्योगिकी विकास और अभिनव विचारों में उत्कृष्टता के लिए व्यक्तिगत / टीमों को बीईएल के अनुसंधान एवं विकास उत्कृष्टता पुरस्कार के माध्यम से उपयुक्त रूप से पुरस्कृत कर प्रोत्साहित किया जाता है ।
- बीईएल ने 2016-17 में 20 पेटेंट आवेदन दर्ज करके कुल 74 आवेदन किए गए हैं। पेटेंट विभिन्न टेक्नोलॉजी क्षेत्रों (रडार-3, कम्युनिकेशन-10, सी4आई-5, इलेक्ट्रो ऑप्टिक्स-1, और मैकेनिकल-1) में दर्ज किए गए हैं । बीईएल 2016-17 के दौरान एक पेटेंट अनुदत्त किया गया था ।
- अनुसंधान एवं विकास अभियंताओं ने बीईएल के लिए हित के क्षेत्र में कई सेमिनार और सम्मेलन में हिस्सा लिया था। इसमें एरो इंडिया, माइक्रोवेव संगोष्ठी, डीईएफसीओएम, एटीएमएस और एपीएम आदि शामिल हैं।
- रडार, केंद्रीय विकास एवं अभियांत्रिकी और केंद्रीय अनुसंधान प्रयोगशाला में विकास एवं अभियांत्रिकी समूहों के लिए आधुनिक रडार, फायर कंट्रोल रडार और साइबर सुरक्षा में प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किए गए थे।
- बीईएल ने चार अभियंतायों को डिफेंस इंस्टीट्यूट एडवांस टेक्नोलॉजी (डीआईएटी), सिग्नल प्रोसेसिंग, मॉडलिंग और सिमुलेशन और वाइपन सिस्टम के क्षेत्रों में एम.टेक कार्यक्रमों के लिए प्रायोजित किया है।

(घ) विविधीकरण/विस्तारण योजनाएँ-

विगत 5 वर्षों के दौरान कंपनी ने कुल व्यापार का 15%-17% गैर-रक्षा व्यापार क्षेत्र में किया और आगामी वर्षों में कंपनी के कुल व्यापार में गैर-रक्षा व्यापार की सहभागिता बढ़ाने की भी योजना है। विविधीकरण की कार्यनीति के रूप में कंपनी ने विकास में वृद्धि, रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स डोमेन में अधिगृहीत शक्ति एवं क्षमताओं का लाभ प्राप्त करने के लिए रक्षा संबद्ध तथा गैर-रक्षा क्षेत्रों में अवसरों की तलाश प्रारंभ की है।

कंपनी अपने व्यापार के अधिक विस्तार हेतु रक्षा तथा गैर-रक्षा के नए क्षेत्रों में प्रवेश करने के लिए प्रयासरत है। स्वदेशी सैम सिस्टम, एयरबोर्न रडार, रात्रि दृश्यव उपकरण के लिए प्रतिबिंब तीव्रक ट्यूब एवं तापीय प्रतिबिंबन संसूचक, जड़त्वीय नौपरिवहन प्रणाली, जटिल नौवहन प्रणाली, इलेक्ट्रॉनिक आयुद्ध फ़्यूज़ और संपीडित मिसाइल कंटेनर आदि रक्षा क्षेत्रों में प्रवेश करने के प्रयास किए जा रहे हैं। गैर- रक्षा डोमेन में, महत्वपूर्ण ठिकानों की सुरक्षा से संबंधित अवसरों, हवाई यातायात प्रबंधन रडार, उत्ताम यातायात प्रबंधन प्रणाली, सौर ऊर्जा संयंत्रों और चयनित स्मार्ट सिटी/डिजिटल भारत के अवसरों पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है।

(ङ) जोखिम प्रबंधन, लागत कटौती तथा स्वदेशीकरण पर विशिष्ट उपाय -

1. जोखिम प्रबंधन

कंपनी में एक संस्थापित जोखिम प्रबंध नीति है, जो बोर्ड द्वारा की गई सिफारिशों को सम्मिलित करने के बाद औपचारिक रूप से वर्ष 2015-16 में जारी की गई थी। निर्गमित नीति सेबी द्वारा सूचीकरण अनुबंध की धारा 49 की अपेक्षिताओं अनुरूप है।

जोखिम प्रबंधन नीति, कंपनी में जोखिम प्रबंधन (आरएम) की संरचना, उनकी भूमिका तथा दायित्वों की रूपरेखा है। संचालन के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी तकनीक, उत्पाद, बाजार, मानव संसाधन, वित्त, संचालन आदि के रूप में

विभिन्न जोखिमों के समाधान आदि का निर्धारण, मूल्यांकन, प्राथमिकता, आदि के लिए एक व्यापक रूपरेखा भी इस नीति में परिभाषित की गई हैं।

जोखिमों के प्रभावी प्रबंधन के लिए, नीति के अनुसार, बीईएल में एक टू टायर रिस्क मैनेजमेंट स्ट्रक्चर, कॉरपोरेट स्तर पर एक और दूसरा यूनिट स्तरीय स्थापित किया गया है। कॉर्पोरेट जोखिम को कॉर्पोरेट जोखिम प्रबंधन समिति (सीआरएमसी) द्वारा मॉनिटर किया जाता है, जो कि महाप्रबंधक (सामरिक योजना) / सीओ के नेतृत्व में होता है और उसका समवय कॉरपोरेट रिस्क चैंपियन के रूप में महाप्रबंधक (गुणवत्ता) द्वारा किया जाता है । सीआरएमसी कई कार्यकारी क्षेत्रों के (जो कंपनी के व्यापार और प्रबंधन संबंधी कार्यों के प्रमुख हिस्से को कवर करते हैं)जैसे रणनीतिक योजना, प्रौद्योगिकी योजना, विपणन, वित्त, गुणवत्ता और मानव संसाधन आदि के वरिष्ठ अधिकारियों से बनती है । , कॉर्पोरेट रिस्क चैंपियन यूनिट को यूनिट रिस्क मैनेजमेंट कमेटी (यूआरएमसी) का समर्थन प्राप्त होता है । यूआरएमसी की अध्यक्षता एसबीयू / इकाई प्रमुख करता हैं और यूनिट रिस्क चैंपियंस द्वारा इसका समवय होता है, जो अपर महाप्रबंधक (एजीएम) या वरिष्ठ उप महाप्रबंधक के स्तर के होते हैं। समिति के सदस्य अधिकतर कार्यात्मक प्रमुख हैं ताकि गतिविधियों के पूरे स्पेक्ट्रम को जोखिम प्रबंधन के दायरे में लाया जा सके। सीआरएमसी, यूआरएमसी के सदस्य तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी भारतीय प्रबंधन संस्थान, कोझीकोड द्वारा आयोजित एंटरप्राइज रिस्क मैनेजमेंट (एआरएम) के लिए प्रबंधन विकास कार्यक्रम करते हैं । प्रशिक्षण कार्यक्रम को समय-समय पर आयोजित किया जा रहा है और अब तक लगभग 500 अधिकारियों को ईआरएम प्रक्रिया में प्रशिक्षित किया गया है।

386वीं मंडल बैठक में निदेशक (अ.यू), निदेशक (विपणन), महाप्रबंधक (वित्त) / सीओ और महाप्रबंधक (सामरिक योजना) / सीओ आदि बोर्ड स्तरीय सर्वोच्च समिति के सदस्यों का पुनर्गठन निदेशक (बीसी) की अध्यक्षता में किया गया था।

विभिन्न इकाइयों से प्राप्त प्रतिसूचना के आधार पर, सीआरएमसी द्वारा प्रौद्योगिकी, विपणन, वित्त और मानव संसाधन जैसे विभिन्न क्षेत्रों में कुछ जोखिमों का निर्धारण किया गया है। उपयुक्त नीतियों एवं प्रक्रियाओं द्वारा इन जोखिमों का समाधान किया जा रहा है, जो डेटा के गहन विश्लेषण के आधार पर निर्णय लेने पर बल देती है। इससे अंततः निर्णय लेने के स्तर पर ही जोखिम कम करने के उपयुक्त उपायों का समावेश होता है।

परियोजनाओं के मूल्यांकन के समय, संवेदनशीलता विश्लेषण को विभिन्न जोखिमों के प्रभाव को मापने के लिए एक उपकरण के रूप में उपयोग किया जाता है। इसी तरह, मूल्य निर्धारण और अन्य महत्वपूर्ण प्रबंधकीय निर्णयों के समय, निर्णय लेने वाले अधिकारियों को जोखिम कारकों को स्पष्ट किया जाता है ताकि वे सूचित निर्णय ले सकें । वित्तीय अनुमोदनों के अनुसार अधिकारों का उप प्रत्यायोजन स्थापित है। किसी भी अप्रत्याशित एफई विविधता को दूर करने के लिए बचाव व्यवस्था भी है । इसके अतिरिक्त, एक व्यापक विक्रेता मूल्यांकन प्रक्रिया, खरीद प्रक्रिया आदि भी में हैं। विभिन्न व्यावसायिक कार्यों में जोखिम को कम करने के लिए उपरोक्त उपाय किए जाते हैं।

यद्यपि उद्यम जोखिम प्रबंधन (ईआरएम) का अभ्यास अभी भी बीईएल में शुरुआती चरण में है, यह बीईएल की गतिविधियों का एक हिस्सा बन गया है। सीआरएमसी कॉर्पोरेट स्तर के जोखिम को कम करने के लिए कार्य योजनाओं की पहचान और अनुशंसा करने के लिए नियमित रूप से बैठक कर रहा है । सीआरएमसी बीईएल में ईआरएम क्रियान्वयन प्रक्रिया का भी आकलन कर रहा है और इसके प्रभाविकता को बढ़ाने के लिए भी योजना तैयार की है।

इसी तरह, यूआरएमसी भी यूनिट स्तर पर जोखिम प्रबंधन प्रक्रिया के लिए समीक्षा बैठक आयोजित कर रहे हैं और सीआरएमसी को इसकी रिपोर्ट भेज रहे हैं।

ईआरएम प्रक्रिया को संस्थागत बनाने के लिए और कंपनी की संस्कृति में जोखिम प्रबंधन को व्यवहार में लाने के लिए, सीआरएमसी ने बीईएल के दो एसबीयू के लिए जोखिम पहचान और बचाव के साथ एक हेल्थ होल्डिंग सह कंसल्टेंसी के लिए एक पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया था। एनसीएस -जीएडी और मिलकॉम / बीजी मैसर्स पीडब्ल्यूसी, जिनके पास विभिन्न संगठनों में जोखिम प्रबंधन को लागू करने में डोमेन विशेषज्ञता है, परियोजना के लिए लगी हुई थी और अच्छी तरह से प्रगति कर रही है।

2. लागत कटौती

सिविल एवं रक्षा दोनों क्षेत्रों में इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों के लिए प्रतिस्पर्धी वातावरण के प्रवर्धन देखते हुए, बीईएल ने महत्वपूर्ण क्षेत्रों में लागत घटाने की रणनीति अपनाई है। क्रॉस प्रकार्य क्षेत्रों से सदस्यों के साथ सभी इकाइयों में - लागत घटाव - कार्य दल स्थापित किए गए हैं। प्रत्येक यूनिट में कार्य दल लागत में कमी प्राप्त करने के लिए परियोजनाएँ तथा लक्ष्य निर्धारित करते हैं । लागत में कमी की गतिविधियों का विनिर्माण और गैर-विनिर्माण दोनों क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया जाता है और उत्पादन, प्रशासन, वित्त, सेवा आदि व्यापार की सभी पहलुओं पर ध्यान केंद्रित है। कंपनी में संसूचित लागत में डिजाइन परिवर्तन, वैकल्पिक स्रोतन, स्वदेशीकरण प्रक्रिया एवं उपज में सुधार, ऊर्जा संरक्षण जैसे कमी के मापदंड सम्मिलित हैं।

3. स्वदेशीकरण

बीईएल हमेशा स्वदेशीकरण के प्रयासों के माध्यम से आत्मनिर्भरता प्राप्त करने तथा देश की सामरिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए प्रयत्नसशील रही है। स्वदेशीकरण गतिविधियों में, - स्वदेशी अनु.एवं विकास, सहयोगात्मक अनु. एवं विकास एवं डीआरडीओ, इसरो, सीएसआईआर, सी-डॉट जैसी राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं व शैक्षणिक संस्थानों के साथ संयुक्त विकास के माध्यम से विकास की पहल सम्मिलित की गई है। स्वदेशीकरण पर और अधिक बल देने के लिए कंपनी ने बदलती प्रौद्योगिकी प्रवृत्ति, ग्राहकों की आवश्यकताओं, आगामी व्यापार अपेक्षिताएँ आदि के साथ गति बनाए रखने हेतु अधिक बृहत् आधारिक संरचना, संसाधनों और सुविधाओं के साथ बेंगलूर में समेकित आधुनिक निगमित अनु. व वि. केंद्र (उत्पाद विकास एवं नवाचार केंद्र (पीडी और आईसी)) की स्थापना की है। इन सभी प्रयासों के साथ, वर्ष के दौरान कुल व्यापार का लगभग 87% स्वदेशी प्रौद्योगिकी से सृजित किया गया।

ख) आंतरिक नियंत्रण प्रणाली और इसकी पर्याप्तता -

बीईएल के पास मजबूत आंतरिक नियंत्रण प्रणाली और प्रक्रियाएं हैं जो अपने व्यवसाय के आकार और प्रकृति के अनुरूप हैं। विनियामक और सांविधिक अनुपालन सुनिश्चित करने के साथ ही उच्चतम स्तर के कॉर्पोरेट देखभाल प्रदान करने के लिए, बीईएल ने सभी प्रमुख कार्यात्मक क्षेत्रों के लिए नीतियों और प्रक्रियाएं स्थापित की हैं।

कार्यात्मक और संबंधित गतिविधियां जैसे खरीद प्रक्रिया, उप-संविदाएं प्रक्रियाएं, वर्क कॉंट्रेक्ट प्रक्रियाएं, आईटी और सुरक्षा नीतियां और प्रक्रियाएं, एचआर नीतियों और प्रक्रियाएं , लेखा आदि कंपनी की नीतियों और प्रक्रियाओं के अनुसार किया जा रहा है। निर्बाध निर्णय लेने के लिए अधिकारों का एक व्यापक प्रत्यायोजन उपलब्ध है जिसकी समय-समय पर समीक्षा की जा रही है ताकि इसे बदलते हुए व्यावसायिक परिवेश तथा तुरत निर्णय लेने के लिए संरेखित किया जा सके। खाते तैयार करने के लिए विस्तृत दिशानिर्देशों का कंपनी अधिनियम, 2013 की आवश्यकतानुसार तथा आई एं डी ए एस के एकसमान अनुपालन के लिए लगातार पालन किया जाता है ।

यह सुनिश्चित करने के लिए कि सभी जाँच और आंतरिक नियंत्रण प्रणाली क्रम में हैं, कंपनी के स्वयं के आंतरिक लेखा परीक्षा विभाग द्वारा जिसमें योग्य व्यावसायिक कर्मियों की टीम शामिल होती है, संपूर्ण आंतरिक लेखा परीक्षण आयोजित किए जाते हैं । इसके अतिरिक्त कंपनी बोर्ड की उप-समिति अर्थात लेखा परीक्षण समिति भी है, जो कि आंतरिक नियंत्रण प्रणाली के अनुपालन पर कड़ी निगरानी रखती है । चूंकि बीईएल एक सरकारी कंपनी है, इसलिए यह भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक द्वारा ऑडिट के अधीन है।

बीईएल में इसकी प्रक्रियायों के आकार के अनुरूप आंतरिक आडिट विभाग है। इसमें प्रमुख विनिर्माण इकाइयों और कंपनी के कॉर्पोरेट कार्यालय में स्थित आंतरिक लेखा परीक्षा केंद्र हैं, जो विभिन्न कार्यों के व्यवसाय प्रक्रियाओं / उप-प्रक्रियाओं से जुड़े प्रमुख जोखिमों को ध्यान में रखते हुए, कॉर्पोरेट ऑडिट प्रभाग द्वारा डिज़ाइन किए गए वार्षिक लेखा परीक्षा कार्यक्रम के अनुसार ऑडिट करते हैं। बोर्ड की लेखापरीक्षा समिति द्वारा वार्षिक लेखा परीक्षा कार्यक्रम की समीक्षा कि जाती है और स्वीकृति दी जाती है । आंतरिक लेखा परीक्षा विभाग नियमित लेखा परीक्षा, प्रणाली की समीक्षा के माध्यम से आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता और प्रभाव की जांच करता है और कंपनी के कानूनी, नियामक और आंतरिक नीतियों और प्रक्रियाओं के अनुपालन का आश्वासन देता है। बोर्ड स्तर कि लेखा परीक्षण समिति (एसी) द्वारा आंतरिक लेखा परीक्षा के साथ-साथ आंतरिक नियंत्रण प्रणालियों की कार्रवाई की समय-समय पर समीक्षा की जाती है। जहां कंपनी काम कर रही है वहाँ कंपनी के सक्रिय वातावरण को ध्यान में रखते हुए आंतरिक लेखा परीक्षण समिति द्वारा जहां आवश्यक है वहाँ पर आवश्यक निर्देशों को जारी किया जाता है ताकि आंतरिक नियंत्रण प्रणाली को मजबूत किया जा सके ।

वर्ष के दौरान, कंपनी के प्रबंधन द्वारा बोर्ड के सरकारी लेखा परीक्षण और लेखा परीक्षण समिति की टिप्पणियों और सुझावों पर कार्य किया गया था।

कंपनी अपने सभी प्रक्रियाओं को वैश्विक सर्वोत्तम अभ्यासों के साथ संरेखित करने के अपने प्रयासों को जारी रखती है।

ग) वित्तीय / प्रचालनात्मक कार्य-निष्पादन

1. रणनीति और उद्देश्यों - आपकी कंपनी के वित्तपोषण की रणनीति का मुख्य उद्देश्य लाभप्रद विकास के लिए पर्याप्त आंतरिक संसाधनों का निर्माण करना है, पैसे का मूल्य देने और शेयरधारकों के लिए धन बनाने के लिए, उच्चतम क्रेडिट रेटिंग बनाए रखने और वित्तीय जोखिमों के जोखिम को कम करने के लिए व्यावसायिक प्रक्रियायों की रणनीतियों का निर्माण करना।

2. **निष्पादन की प्रमुख विशेषताएँ**

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2017 को समाप्त वर्ष	31 मार्च 2016 को समाप्त वर्ष
विक्रयावर्त	**882,470**	754,117
वित्तीय लागत से पूर्व कुल व्यय	**757,025**	649,582
वित्तीय लागत एवं कर से पूर्व लाभ	**204,120**	173,663
प्रचालनीय मार्जिन (पीबीआईटी/ सकल विक्रय) अनुपात	**23.13%**	23.03%
कर पश्चात् लाभ	**154,762**	130,736
वस्तुसूची के दिनों की सं. / उत्पादन का मूल्य (डीपीई विधि)	**206**	206
व्यापार से प्राप्तियों के दिनों की सं. / विक्रयावर्त	**180**	180
चालू अनुपात	**1.61**	1.88
ऋण ईक्विटी अनुपात	**0.01**	-

3. **2016-17 के वित्तीय निष्पादन का विश्लेषण**

- विक्रयावर्त जो 2015-16 में ₹ 754,117 लाख था, वर्ष 2016-17 में ₹ 882,470 लाख हुआ यानी 17.02% की बढ़ोत्तरी दर्ज की गई ।
- उत्पादन का मूल्य जो 2015-16 में ₹ 777,537 लाख था, वर्ष 2016-17 में ₹ 924,383 लाख हुआ यानी 18.89% की बढ़ोत्तरी दर्ज की गई ।
- कर पश्चात् लाभ वर्ष 2016-17 में 18.37% बढ़कर ₹ 154,762 लाख हुआ जो वर्ष 2015-16 में ₹ 130,736 लाख था ।
- पीएटी की बढ़ोत्तरी से विक्रयावर्त अनुपत जो 2015-16 में 17.34% था, वर्ष 2016-17 में 17.54% दर्ज की गई ।
- प्रति कर्मचारी आवर्त 2015-16 के ₹ 76.58 लाख से बढ़कर 2016-17 में ₹ 90.83 लाख हुआ ।
- प्रति शेयर अर्जन (ईपीएस) 2015-16 के ₹ 5.45 लाख से बढ़कर 2016-17 में ₹ 6.64 लाख हुआ।
- 16637207 ईक्विटी शयरों को वर्ष 2016-17 में ₹ 217,116 लाख के लिए पुनःक्रय किया गया ।
- कंपनी के नेट वर्थ में शेयरों के बायबैक के कारण वर्ष 2016-17 में ₹ 8,98,360 लाख से ₹ 7,50,854 लाख तक की कमी आई है।

(घ) मानव संसाधन में विकास

वर्तमान और भविष्य की कारोबार आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, बीईएल में मा.सं.वि. के हस्तक्षेप ने रणनीतिक भूमिका निभाई है। हमारा मानना है कि संगठनात्मक प्रयासों के माध्यम से कर्मचारियों को सीखने और विकास में कर्मचारियों के कार्य-निष्पादन के साथ-साथ कारोबार में भी अच्छी सुधार करने की क्षमता है। तेजी से बदलते कारोबारी माहौल में, कर्मचारियों के लिए रणनीतियां अनिवार्यता सफलता की कुंजी है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि हमारे कर्मचारी अपने निर्दिष्ट कार्यों को पूरा करने के लिए सही प्रकार के कौशल, ज्ञान और क्षमताओं से सुसज्जित रहें, भविष्य की आवश्यकताएं और हमारे कारोबार विकास को ध्यान में रखते हुए निरंतर नवोन्मेष मानव संसाधन विकास की प्रक्रिया की गई है। प्रशिक्षण के हस्तक्षेप का सही प्रकार चुनकर, हम यह सुनिश्चित करते हैं कि हमारे कर्मचारियों के पास हमारे कारोबार के लिए सही कौशल है और समय-समय पर नई मानव संसाधन अभ्यास की जाती हैं

कंपनी द्वारा कार्यपालकों के विभिन्न श्रेणियों के प्रोनयन के साथ-साथ उनकी प्रशिक्षण संबंधी बढ़ती ज़रूरतों को पूरा करने के लिए अग्रणी संस्थानों में संरचित कार्यपालक विकास कार्यक्रम नियमित रूप से चलाए जाते हैं।

इसके अलावा, अपने वरिष्ठ प्रबंधकों को नेतृत्व कुशलता से निपुण बनाने के लिए 360-डिग्री प्रतिसूचना तथा नेतृत्व विकास कार्यक्रम संचालित किए गए हैं । विगत वर्ष इस कार्यक्रम में वरिष्ठ कार्यपालकों के 4 बैचों (100 कार्यपालकों) ने भाग लिया।

संगठन में उल्लेखनीय परिवर्तन लाना एक ऐसा सर्वाधिक चुनौतीपूर्ण कार्य है जिसका सामना हर एक बृहत् संगठन को करना ही होता है। इसमें यह आवश्यक होता है कि नए मानदंड के अनुसार व्यापार करने की वर्तमान परिस्थिति को प्रतिस्थापित करें। वरिष्ठ कार्यपालकों के लिए आयोजित हमारा - प्रबंधन बदलें - कार्यक्रम वरिष्ठ कार्यपालकों की सोच एवं अभिवृत्ति को वैश्विक संगठन के अनुरूप संरेखित करने के लिए लक्षित है। पिछले वर्ष 104 वरिष्ठ कार्यपालकों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

बाह्य ज्ञानार्जन कार्यक्रम में टीम-कार्य एवं सहयोग के लाभ पर ज़ोर दिया जाता है। इस प्रशिक्षण में प्रतिभागी को आरादायक माहौल से दूर, एक अनौपचारिक जोखिम-रहित परिवेश में ले जाया जाता है और ऐसे प्रतिभागी को अनुप्रयोग करने तथा अपने अंदर छिपी हुई क्षमताओं का पता लगाने का अवसर प्राप्त होता है। वर्ष 2016-17 के दौरान इस कार्यक्रम में विभिन्न पार कार्यशील क्षेत्रों से 8 टीमों ने भाग लिया।

रणनीति तैयार करना वरिष्ठ कार्यपालकों का एक महत्वपूर्ण कार्य है। एक अग्रणी प्रबंध संस्थान के संकाय सदस्यों के माध्यम से "रणनीति निर्माण तथा प्रतिस्पर्धी आसूचना" कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें 69 वरिष्ठ कार्यपालकों ने भाग लिया ।

संभावित व्यापार जोखिमों की पहचान करना तथा उन्हें कम करने के लिए संकल्पनात्मक ढाँचा प्रदान करने के उद्देश्य से, वरिष्ठ कार्यपालकों के लिए जोखिम प्रबंध एवं पद्धतियों के सिद्धांत पर "उद्यम जोखिम प्रबंधछ पर 5 दो दिवसीय कार्यक्रम चलाए गए, जिसमें 121 वरिष्ठ कार्यपालक सम्मिलित हुए।

व्यापार में नवप्रवर्तन की महत्ता पर विचार करते हुए, इस बात पर बल देने के लिए कि नवप्रवर्तन न केवल प्रबंधन की एक विचारधारा है बल्कि एक ऐसी जीवनशैली है जिसे निर्वहनीय प्रतिस्पर्धी लाभ को समझने और कार्यान्वित करने की ज़रूरत है, "रणनीतिक नवप्रवर्तन" पर भारतीय प्रबंधन संस्थान के संकाय सदस्यों के माध्यम से 7 कार्यक्रम चलाए गए, जिनमें 197 कार्यपालकों ने भाग लिया।

हमारे मध्यम और वरिष्ठ स्तर के अधिकारियों को मानव संसाधन विकास प्रबंधन पर अवधारणाओं और सिद्धांतों/अभ्यासों का ज्ञान प्रदान करने के लिए, "गैर मानव संसाधन अधिकारियों के लिए मानव संसाधन" पर 5 कार्यक्रम भारतीय प्रबंधन संस्थान में आयोजित किए गए जिसमें 139 अधिकारी शामिल हुए।

वित्तीय विवरण विश्लेषण, बजट, कार्यशील पूंजी प्रबंधन और लागत प्रबंधन में एक अंतर्दृष्टि हासिल करने के लिए हमारे गैर वित्त अधिकारियों की मदद करने हेतु आईआईएम के वरिष्ठ संकाय द्वारा "गैर वित्त अधिकारियों के लिए सामरिक वित्त" के 7 कार्यक्रम आयोजित किए गए।
समस्त मानव संसाधन अधिकारियों के लिए मानव संसाधन प्रबंधन और नेतृत्व के व्यापार के संदर्भ में महत्व देने के लिए तथा उन संगठनात्मक और सामरिक मुद्दों पर जो मानव संसाधन के निर्णयों को प्रभावित करते हैं पर ध्यान केन्दीत करने के लिए मानव संसाधन प्रबंधन को समर्पित 5 दिवसीय (आवासीय) दो कार्यशालाएं आयोजित की गई । 51 मानव संसाधन अधिकारियों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

प्रबंधन विकास संस्थान (एमडीआई), गोड़गांव द्वारा आयोजित "वैश्विक पर्यावरण में सतत विकास की रणनीतियां" में भाग लेने के लिए चार महाप्रबंधकों को मनोनीत किया गया। कार्यक्रम में संस्थान परिसर में दो सप्ताह के मॉड्यूल और फ्रास, ईटली और ऑस्ट्रीय में 2 सप्ताह का अंतर्राष्ट्रीय विसर्जन शामिल था।

हम एक उच्च प्रतिस्पर्धी व्यावसायिक परिवेश में काम कर रहे हैं और नेताओं (लीडर)के एक समुदाय का निर्माण करने की आवश्यकता है। नेतृत्व विकास के एक भाग के रूप में, हमने 7 कार्यकारी निदेशकों / महा प्रबंधकों के लिए "अधिकारी अनुशिक्षण" शुरू किया है।

प्रबंधक और इसके बाद के ग्रेड अधिकारियों के लिए "प्रशिक्षण अनिवार्यता पर जागरूकता कार्यक्रम" (पीएसीईई) को कोचिंग में अवधारणाओं, कार्यप्रणाली को समझने तथा अपनी टीमों के दिलों और दिमागों कोचिंग में लगाने का अभ्यास करने में मदद करने के लिए आयोजित किया गया था 112 कार्यक्रमों को कवर करने वाले 4 कार्यक्रम (2 दिन की अवधि के) आयोजित किए गए थे।

महिला अधिकारियों के लिए, महिलाओं की नेतृत्व क्षमता को बढ़ाने और उन्हें नेतृत्व अनिवार्यता को समझने में मदद करने हेतु तीन "युवा महिलाओं के नेता कार्यक्रम (दीपशिखा)" में 87 महिलाओं के लिए आयोजित की गईं।

लैंगिक मुख्य धारा पर जागरूकता पैदा करने तथा एक विविध और समावेशी कार्यबल विकसित करने हेतु संगठन के लिए विविधता को एक प्रतिस्पर्धा में बढ़त बनाने के लिए, "लिंग संवेदीकरण और पॉश, जिसे सम्मान (SAMMAN) कहा जाता है, विषय पर 8 कार्यशालाओं का आयोजन किया गया जिसमें 166 विभिन्न पदाधिकारियों ने भाग लिया।

हमारे अधिकारियों के लिए विरोधाभास में प्रबंधन का कौशल प्रदान करने के लिए, टीएसीटी शीर्षक से विरोधाभास प्रबंधन विषय पर दस दो दिवसीय कार्यक्रम 257 अधिकारियों को कराय गए ।

"वैज्ञानिकों के लिए शेक्सपियर" विषय पर 28 अनु. एवं विकास इंजीनियरों के लिए एक दिवसीय कार्यक्रम बीईएल, बेंगलुरु में आयोजित किया गया।

मिश्रित अध्ययन पद्धति का उपयोग करने के लिए, व्याख्यान लेने, खेल खेल में अवधारणाओं को समझने के लिए वास्तविक जीवन के अनुभवों को सृजित करना व वांछित दक्षताओं का मूल्यांकन करने और मूल्यांकन करने के लिए "मिश्रित अध्ययन (आई-बेलेड) के लिए पहल" पर 103 कार्यक्रम ई-II से ई-V ग्रेड के अधिकारियों के लिए आयोजित किए गए थे

थियेटर पर आधारित प्रशिक्षण, संवाद और सीखने का एक शक्तिशाली माध्यम है जो नाटकीय प्रदर्शन के साथ वास्तविक कार्य स्थान स्थितियों को जोड़ती है तथा शिक्षा और विचारों के माध्यम से

कर्मचारियों में जागरूकता बढ़ाती है। "थियेटर के माध्यम से सक्रिय शिक्षण (एटीटी)" कार्यशालाओं में सब ग्रेड के 121 अधिकारियों ने भाग लिया ।

"योग और ध्यान के माध्यम से स्वास्थ्य के लिए समर्पित पहल" (डी आई डब्ल्यू वाई ए एम) "योग का उपयोग करते हुए", कर्मचारी स्वास्थ्य तथा तनाव प्रबंधन के लिए ध्यान (मेडिटेशन) सब ग्रेड के अधिकारियों के लिए आयोजित किया गया था । 3 दिन की अवधि वाले 8 कार्यक्रमों में 228 अधिकारियों ने भाग लिया ।

अनुबंधों और संविदाओं का व्यापक अवलोकन करने के लिए, नेगोशिएटिंग स्किल्स और तकनीकों, संविदा में सामान्य सिद्धांतों तथा संविदा प्रबंधन पर तीन (2 दिवसीय) कार्यशालाएंओं में 88 अधिकारियों ने भाग लिया ।

पेटेंट प्राप्त करने और आईपीआर की प्रक्रिया को समझने के लिए तथा आवश्यक बौद्धिक संपदा अधिकार के दस्तावेज तैयार करने हेतु, डी एंड ई के कार्यपालकों के लिए "बौद्धिक संपदा अधिकार" पर 5 कार्यशालाएँ आयोजित की गईं, जिसमें 130 अधिकारियों ने भाग लिया।

विभिन्न प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में अपने अभियंताओं के ज्ञानवर्धन करने के लिए प्रौद्योगिकी कार्यक्रम चलाए गए। ऐसे कुछेक कार्यक्रम हैं - वीएलएसआई सिग्नल प्रोसेसिंग, एडवांस्ड डिज़ाइन डीएसपी तकनीक, फायर कंट्रोल रेडर्स, सिग्नल प्रोसेसिंग और मशीन लर्निंग के लिए वीएलएसआई आर्किटेक्चर पर गियान कोर्स, बिग डेटा और डेटा एनालिटिक्स पर कार्यशाला, साइबर सिक्योरिटी पर कार्यशाला, रणनीतिक इलेक्ट्रॉनिक शिखर सम्मेलन, ग्लोबल अनु एवं वि शिखर सम्मेलन, डेफ्रोरिक्स - 2016, डीएफसीओसीएएम-2017, आदि।

प्रौद्योगिकी कौशल बढ़ाने और प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में स्वदेशी प्रतिभा को विकसित करने के लिए हमने आईएटी, पुणे में एम.टेक कार्यक्रम के लिए रडार तथा संचार और साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में 4 इंजीनियरों को नामित किया है।

"एक संवहनी उद्यम के निर्माण में मानव संसाधन की भूमिका" विषय पर एक 2 दिवसीय "वार्षिक मानव संसाधन सम्मेलन" आयोजित किया गया। मानव संसाधन/अन्य क्षेत्रों के श्रेष्ठता के व्यक्तियों को वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया। इसके अलावा, मानव संसाधन अधिकारियों ने विभिन्न प्रवृत्तियों पर प्रस्तुतियाँ प्रस्तुत की।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के संबंध में, यूनिटों में योग सत्रों का आयोजन किया गया था।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष में, यूनिट भर में महिला कार्मचारियों को विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया ।

कारपोरेट कार्यालय के 46 महिला कर्मचारियों को "महिला कर्मचारियों के लिए आत्म रक्षा कार्यशाला" पर एक प्रमाणपत्र कार्यशाला का आयोजिन किया गया ।

लगभग 95 परीवीक्षाधीन इंजीनियर वर्ष 2016-17 के दौरान बीईएल में शामिल हुए और सीएलडी, बेंगलुरू में परिचय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया ।

हमारी यूनिटों में गुणवत्ता, सुरक्षा, तकनीकी और अन्य संबंधित विषयों पर गैर-कार्यपालको के लिए विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए।

संलग्नक 6

निगमित अधिशासन का प्रतिवेदन

अधिशासन का सिद्धांत और संहिता

बीईएल के निगमित अभिशासन का सिद्धांत ईमानदारी, सत्यनिष्ठा, उत्तरदायित्व, समुचित प्रकटीकरण, न्यायिक अनुपालन, पारदर्शी निर्णय तथा हित के लिए संघर्षों के निवारण पर आधारित है। बीईएल, निगमित मूल्य व उद्देश्यों का पालन तथा एक निगमित नागरिक के रूप में सामाजिक उत्तरदायित्व के निर्वाह पर महत्ता देती हैं तथा सभी स्तरों पर निरंतर नैतिक व उत्तरदाई नेतृत्व सुनिश्चित करती है । बीईएल ग्राहक संतुष्टि, वित्तीय दूरदर्शिता और मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर विश्वास करती है । हमारी निगमित संरचना, व्यापार तथा प्रकटीकरण पद्धतियाँ निगमित अभिशासन के सिद्धांत के अनुरूप संरेखित हैं ।

बीईएल अपने सभी शेयरधारकों के लिए मूल्य संवर्धन की ओर सतत् रूप से ध्यान केन्दीत करते हुए निगमित अभिशासन की मूल अपेक्षाओं से भी अधिक आगे बढ़ने का प्रयास करती है । अपने व्यावसायिक दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए, बीईएल निगमित अभिशासन की अवधारणा को अक्षरशः कार्यान्वित कर रही है।

निदेशक मंडल

संरचना

कंपनी अधिनियम के अनुवर्तन में बीईएल एक 'सरकारी कंपनी' होने के कारण इसका 68.19 % प्रदत्त शेयर पूँजी भारत के राष्ट्रपति द्वारा धारित है। सेबी (एलओडीआर) विनियम 2015 के विनिमय 17 के प्रावधान तथा सार्वजनिक उद्यम विभाग, भारत सरकार (डीपीई दिशा-निर्देश) द्वारा केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों के लिए निर्गमित दिशा-निर्देशों के अनुसार बोर्ड की स्वतंत्रता के अनुरक्षण तथा बोर्ड प्रबंधन तथा नियंत्रण के पृथकीकरण के लिए सीएमडी एवं गैर-कार्यपालक निदेशक सहित प्रकर्यात्मक निदेशक, सरकार द्वारा नामित निदेशक व स्वतंत्र निदेशकों के समुचित मिश्रण के साथ बीईएल के निदेशक मंडल की संरचना की गई है। कार्यपालक निदेशक बोर्ड के अध्यक्ष हैं, जिसके आधे सदस्यगण स्वतंत्र निदेशक हैं।

31 मार्च 2017 को बीईएल के निदेशक मंडल में सीएमडी सहित छः पूर्णकालिक कार्यपालक (प्रकार्यात्मक) निदेशक, एक अंशकालिक सरकारी (गैर-कार्यपालक) निदेशक तथा चार अंशकालिक स्वतंत्र (गैर-कार्यपालक) निदेशक सम्मिलित हैं।

31 मार्च 2017 को स्वतंत्र निदेशकों की चार अस्थायी रिक्तियाँ एवं एक प्रकार्यात्मक निदेशक जो निदेशक (वित्त) रिक्त हैं। इन रिक्तियों को भरने के लिए सरकार को अधिसूचना भेजी है। यह मामला रक्षा मंत्रालाय, भारत सरकार के विचाराधीन है।

बैठकें और उपस्थिति

31 मार्च 2017 को समाप्त वित्तीय वर्ष के दौरान मंडल की छः बैठकें आयोजित की गई हैं तथा किन्हीं दो बैठकों के बीच अधिकतम अंतराल 120 दिनों का था । दिनांक 28 अप्रैल 2016, 16 मई 2016, 27 मई 2016, 05 अगस्त 2016, 27 अक्तूबर 2016 और 27 जनवरी 2017 को मंडल की बैठकें आयोजित हुईं । यथा 31 मार्च 2017 को आयोजित निदेशक मंडल की बैठकों, वार्षिक सामान्य बैठक में निदेशकों की उपस्थिति तथा उनके द्वारा धारित अय निदेशकता / समिति सदस्यता आदि के विवरण नीचे दिए गए हैं -

क्र. सं.	निदेशकगण	निदेशक के संबंधित कार्यकाल के दौरान आयोजित बैठकें	मंडल बैठकों की संख्या जिसमें सम्मिलित हुए	22 सितं. 2016 को आयोजित अंतिम एजीएम में उपस्थिति	अन्य निदेशकता धारित की संख्या	* सभी कंपनियों में समिति सदस्यता की संख्या	
						अध्यक्ष के रूप में	सदस्य के रूप में
पूर्णकालिक प्रकार्यात्मक (कार्यपालक) निदेशक							
1	श्री एस.के.शर्मा, सीएमडी (यथा 30.09.2016 को से.नि.)	04	04	जी हाँ	शून्य	शून्य	शून्य
2	श्री एम वी गौतमा (यथा 08 नवंबर 2016 को नियुक्त)	01	01	लागू नहीं	01	शून्य	शून्य
3	श्री एम एल षणमुख (यथा 31.10.2016 को से.नि.)	05	03	जी हाँ	शून्य	शून्य	शून्य
4	श्री अमोल नेवासकर (यथा 30.04.2016 को से.नि.)	01	01	लागू नहीं	शून्य	शून्य	शून्य
5	डॉ अजित टी कलघट्गी	06	05	जी हाँ	02	02	02
6	श्री पी सी जैन (यथा 31.07.2016 को से.नि.)	03	03	लागू नहीं	शून्य	शून्य	शून्य

क्र. सं.	निदेशकगण	निदेशक के संबंधित कार्यकाल के दौरान आयोजित बैठकें	मंडल बैठकों की संख्या जिसमें सम्मिलित हुए	22 सितं. 2016 को आयोजित अंतिम एजीएम में उपस्थिति	अन्य निदेशकता धारित की संख्या	* सभी कंपनियों में समिति सदस्यता की संख्या	
						अध्यक्ष के रूप में	सदस्य के रूप में
7	श्री पी आर आचार्या (19.08.2016 को कार्यकाल समाप्त)	04	04	लागू नहीं	01	शून्य	शून्य
8	श्री मनमोहन हंण्डा (यथा 30.04.2016 को से.नि.)	01	01	लागू नहीं	शून्य	शून्य	शून्य
9	श्री गिरिश कुमार (यथा 01 मई 2016 को नियुक्त)	05	05	जी नहीं	01	शून्य	01
10	श्री नटराज कृष्णाप्पा (यथा 01 मई 2016 को नियुक्त)	05	05	जी नहीं	01	शून्य	01
11	सुश्री आनंदी रामलिंगम (यथा 16.09.2016 को नियुक्त)	02	02	जी हाँ	01	शून्य	01
12	श्री आर एन बग्दलकर (यथा 23.01.2017 को नियुक्त)	01	01	लागू नहीं	शून्य	शून्य	01
	अंशकालिक स्वतंत्र (गैर-कार्यकारी) निदेशक						
13	श्रीमती कुसुम सिंह	06	03	जी हाँ	01	शून्य	01
	अंशकालिक स्वतंत्र (गैर-कार्यकारी) निदेशक						
14	डॉ भास्कर मूर्ति	06	05	जी नहीं	शून्य	शून्य	01
15	डॉ आर के शिवगांवकर	06	05	जी नहीं	शून्य	शून्य	01
16	श्रीमती उषा माथुर	06	05	जी नहीं	शून्य	01	01
17	श्री शरद संगी	06	03	नहीं	शून्य	01	01

वर्ष के दौरान किसी भी कंपनी निदेशक/महत्वपूर्ण प्रबंधकीय कार्मिक का कंपनी से वित्तीय संबंध नहीं रहा ।

नोट - *प्राइवट कंपनियाँ, विदेशी कंपनियाँ तथा कंपनी अधिनियम 2013 की धारा के अधीन कंपनियों के सिवाय कंपनी अधिनियम 2013 के अधीन पंजीकृत कंपनियों की अध्यक्षता।

** सेबी (एलओडीआर) विनियम 2015 के विनिमय 26 के प्रावधान के अनुवर्तन में लेखा परीक्षा समिति की अध्यक्षता / सदस्यता तथा शेयरधारकों के संबंध पर विचार किया जाता है ।

उपरोक्त निदेशकता की संख्या तथा समिति के पदाधिकारी निदेशकों द्वारा यथा अधिसूचित हैं तथा यह संपुष्ट किया जाता है कि कोई भी निदेशक 10 से अधिक समितियों के सदस्य नहीं हैं अथवा जिन कंपनियों में वे निदेशक पद पर कार्यरत हैं, उनमें उन्होंने 5 से अधिक समितियों के अध्यक्ष रूप में कार्य नहीं किया है ।

कंपनी में अपने द्वारा तैयारित सभी प्रयोज्य कानूनों की अनुपालन रिपोर्ट की सावधिक समीक्षा के साथ-साथ गैर-अनुपालन के पुनर्शोधन के लिए समुचित प्रणाली है। कंपनी द्वारा तैयारित सावधिक अर्धवार्षिक रिपोर्ट का पुनरीक्षण मंडल द्वारा किया जाता है।

स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति की शर्तें व निबंधन कंपनी की वेबसाइट पर अपलोड किया गया है।

निदेशकों के लिए आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा उनका परिचय

नव निदेशक के रूप में नियुक्ति के समय पर संबधित अधिकारी को कंपनी अधिनियम, 2013, सेबी (एलओडीआर) नियमावली 2015 तथा अन्य प्रयोज्य विनियमन के अपेक्षित अनुपालन के अतिरिक्त निदेशक के रूप में निष्पादन के लिए उनसे अपेक्षित कर्तव्य एवं दायित्वों के विवरण के साथ उनके नाम पर स्वागत पत्र दिया जाता है। संबंधित निदेशक से संगत प्रकटीकरण प्राप्त किया जाता है तथा कंपनी उन्हें कंपनी के प्रचालन, विभिन्न नीतियाँ व प्रक्रियाएँ, विभिन्न प्रभाग तथा उनकी भूमिका व दायित्व, अभिशासन एवं आंतरिक नियंत्रण प्रक्रियाएँ तथा कंपनी से संबद्ध अन्य संगत महत्वपूर्ण सूचनाएँ आदि उपलब्ध कराई जाती है। बोर्ड के कार्याकलापों से

संबंधित महत्वपूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा विभिन्न मान्यताप्राप्त संस्थाओं द्वारा आयोजित पुनश्चर्या कार्यक्रमों में नियमित रूप से उपस्थित होने के लिए प्रोत्साहित व प्रायोजित किया जाता है। वर्ष 2015-16 के दौरान निदेशकों के लिए आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विवरण निम्नलिखित हैं जो कंपनी की वेबसाइट http://www.bel-india.com/?q=news-for-investors: में अपलोड किया गया है -

i. श्री गिरीश कुमार, निदेशक (बैंगलूरु कॉम्प्लेक्स) ने गोवा में आयोजित "गोल्ड प्रमाणिकरण कार्यक्रम - मंडल प्रभावशीलता को बढ़ाना" में भाग लिया । सीआईआई द्वारा 3 से 5 मार्च 2017 तक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था।

ii. श्री आर एन बग्दलकर, निदेशक (मानव संसाधन) ने गोवा में आयोजित "गोल्ड प्रमाणिकरण कार्यक्रम - मंडल प्रभावशीलता को बढ़ाना" में भाग लिया । सीआईआई द्वारा 3 से 5 मार्च 2017 तक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था।

निदेशकों का शेयरधारण

31 मार्च 2017 को बीईएल के कोई भी निदेशक किसी भी शेयर या परिवर्तनीय संपत्ति धारण नहीं करते।

बोर्ड की अनिवार्य समितियाँ

लेखा परीक्षा समिति

कंपनी अधिनियम, 2013 (दी एक्ट) की धारा 177, सेबी (एलओडीआर) विनियम 2015 के विनिमय 18 तथा डीपीई के दिशा-निर्देशों के अनुसार लेखा परीक्षा समिति की संरचना की गई है । कंपनी की लेखापरीक्षा समिति में तीन स्वतंत्र निदेशक और एक सरकारी निदेशक सम्मिलित हैं । इसके अतिरिक्त, कंपनी के सांविधिक लेखापरीक्षक, निदेशक (वित्त), निदेशक (बेंगलूर संकुल), निदेशक (अन्य यूनिटें) तथा महाप्रबंधक (आंतरिक लेखापरीक्षा) को भी लेखा परीक्षा समिति की बैठकों में नियमित रूप से उपस्थित होने के लिए आमंत्रित किया जाता है । लेखापरीक्षा समिति के अध्यक्ष एक स्वतंत्र निदेशक हैं । लेखा परीक्षा समिति के अध्यक्ष ने 22 सितंबर, 2016 को आयोजित कंपनी की वार्षिक सामान्य बैठक में भाग लिया । अधिनियम की धारा 177, सेबी (एलओडीआर) विनियम 2015 के विनिमय 18 तथा डीपीई के दिशा-निर्देशों के अनुसार लेखा परीक्षा समिति लेखा परीक्षा समिति के विचारार्थ विषय निर्धारित किए जाते हैं ।

लेखापरीक्षा समिति द्वारा निष्पादित कुछ महत्वपूर्ण प्रकार्य निम्नलिखित हैं -

- वित्तीय विवरण की यथार्थता, पर्याप्तता व विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए कंपनी की वित्तीय रिपोर्टिंग प्रक्रिया तथा वित्तीय सूचना के प्रकटीकरण का निरीक्षण
- कंपनी के लेखापरीक्षकों की नियुक्ति, पारिश्रमिक एवं शर्तों की संस्तुति
- सांविधिक लेखापरीक्षकों द्वारा प्रदत्त किसी भी सेवा के लिए सांविधिक लेखापरीक्षकों के भुगतान का अनुमोदन
- तिमाही गैर-लेखापरीक्षित विवरण तथा लेखापरीक्षकों की सीमित पुनरीक्षण रिपोर्ट एवं लेखापरीक्षित वार्षिक वित्तीय विवरण और सेबी (एलओडीआर) विनियम 2015 के भाग सी की अनुसूची II में उल्लिखित संदर्भ विवरण के साथ अनुमोदन के लिए प्रस्तुत की जानेवाली लेखा परीक्षा रिपोर्ट का प्रबंधन के साथ पुनरीक्षण
- लेखापरीक्षकों की स्वतंत्रता व निष्पादन तथा लेखापरीक्षा प्रक्रिया की प्रभावात्मकता का पुनरीक्षण एवं अनुवीक्षण
- संबंधित पार्टी के साथ संव्यवहार का अनुमोदन या अनुवर्ती संशोधन
- अंतर-निगमित ऋण व निवेश की संवीक्षा
- आवश्यकतानुसार कंपनी की परिसंपत्तियों या वचनबद्धता का मूल्यांकन
- आंतरिक वित्तीसय नियंत्रण एवं जोखिम प्रबंधन प्रणाली का मूल्यां कन
- सांविधिक तथा आंतरिक लेखापरीक्षकों के निष्पादन व आंतरिक नियंत्रण पर्याप्तता का प्रबंधन के साथ पुनरीक्षण
- आंतरिक लेखापरीक्षा विभाग की संरचना, विभाग के कार्य प्रधान की नियुक्ति व वरिष्ठता, आंतरिक लेखापरीक्षा रिपोर्टिंग संरचना आकलन व आवृत्ति सहित आंतरिक लेखापरीक्षा प्रकार्य की पर्याप्तता का पुनरीक्षण
- आंतरिक लेखापरीक्षकों की विशिष्ट के निष्कर्ष तथा अनुवर्ती कार्रवाई पर परिचर्चा
- संदेहास्पद कपट या अनियमितता या आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की भौतिक असमर्थता तथा बोर्ड संबंधी रिपोर्टिंग से संबंधित आंतरिक लेखापरीक्षकों के आंतरिक जाँच-पडताल के निष्कर्ष का पुनरीक्षण
- लेखापरीक्षा से पूर्व किसी भी क्षेत्र से संबंद्ध पश्च-लेखापरीक्षा परिचर्चा के साथ-साथ लेखापरीक्षा की प्रकृति व संभावना पर सांविधिक लेखापरीक्षकों के साथ चर्चा
- शेयरधारकों के भुगतान संबंधी भौतिक त्रुटियों के कारणों का निरीक्षण (घोषित लाभांश के गैर-भुगतान संबंधी)
- सचेतक मैकानिसम की कार्य-प्रणाली का पुनरीक्षण

वर्ष 2016-17 के दौरान लेखापारीक्षा समिति की संरचना तथा उक्त समिति की बैठकों में सदस्यों की भागीदारी का विवरण नीचे दिया गया है -

सदस्य का नाम	श्रेणी	आयोजित लेखापारीक्षा समिति की बैठकों में उपस्थिति				
		27 मई 2016	05 अगस्त 2016	27 अक्तूबर 2016	08 नवंबर 2016	27 जनवरी 2017
श्रीमती उषा माथुर	स्वतंत्र निदेशक	✓	✓	✓	✓	✓
श्रीमती कुसुम सिंह	सरकारी निदेशक	छुट्टी के कारण अनुपस्थिति	छुट्टी के कारण अनुपस्थिति	छुट्टी के कारण अनुपस्थिति	छुट्टी के कारण अनुपस्थिति	छुट्टी के कारण अनुपस्थिति
डॉ आर के शिवगांवकर	स्वतंत्र निदेशक	✓	✓	✓	✓	✓
डॉ भास्कर राममूर्ती	स्वतंत्र निदेशक	✓	✓	✓	✓	छुट्टी के कारण अनुपस्थिति

नामांकन तथा पारिश्रमिक समिति

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 178, सेबी (एलओडीआर) विनियम 2015 के विनिमय 19 के प्रावधान के अनुसार नामांकन तथा पारिश्रमिक समिति की संरचना की गई है ।

वर्ष 2016-17 के दौरान नामांकन तथा पारिश्रमिक समिति की संरचना तथा उक्त समिति की बैठकों में सदस्यों की भागीदारी का विवरण नीचे दिया गया है -

सदस्य का नाम	श्रेणी	दिनांक 27 जनवरी 2017 को आयोजित नामांकन तथा पारिश्रमिक समिति की बैठकों में उपस्थिति
श्रीमती उषा माथुर, अध्यक्ष	स्वतंत्र निदेशक	✓
श्रीमती कुसुम सिंह	सरकारी निदेशक	छुट्टी के कारण अनुपस्थिति
श्री शारद संघी	स्वतंत्र निदेशक	✓
श्री एम वी गौतमा	अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक	✓

समिति द्वारा निष्पादित कुछ प्रकार्य का विवरण निम्नलिखित है: -

- कंपनी अधिनियम, 2013, डीपीई के दिशा-निर्देशों के प्रावधानों तथा भारत सरकार द्वारा निर्गमित राष्ट्रपति के निदेश/दिशा-निदेशों के अनुसार बोर्ड के लिए नीति की संस्तुति
- कंपनी के कर्मचारियों के वेतन संबंधी निष्पादन का अनुमोदन ।
- मंडल स्तर के नीचे के कार्यपालक निदेशकों (ईडी) का चयन।

पारिश्रमिक नीति/ निष्पादन मूल्यांकन

केंद्र सरकार के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम होने के कारण कंपनी के संगत नियमों के अनुसार नियुक्ति की अवधि, मूल वेतन जैसे वेतनमान घटक, महँगाई भत्ता, आवास सुविधा आदि सम्मिलित करके नियुक्ति की शर्तों व निबंधन के उल्लेख के साथ सार्वजनिक उद्यम चयन बोर्ड (पीएसईबी)/जांच समिति के माध्यम से भारत सरकार द्वारा निदेशकों की नियुक्ति, समयावधि व पारिश्रमिक निर्धारित किए जाते हैं। सीएमडी सहित सभी प्रकार्यात्मक निदेशकों के वेतनमान रक्षा मंत्रालय से प्राप्त राष्ट्रपति के निदेश द्वारा अधिशासित है।

रक्षा मंत्रालय द्वारा सरकारी नामिती निदेशकों (पदेन निदेशक के रूप में) की नियुक्ति की जाती है तथा वे किसी भी पारिश्रमिक/ बैठक शुल्क के लिए पात्र नहीं होते।

गैर-कार्यपालक स्वतंत्र निदेशक भारत सरकार द्वारा नियुक्त किए जाते हैं तथा वे सरकारी निदेशों/ सांविधिक नियम एवं विनियमों के अनुसार बोर्ड द्वारा निर्धारित बोर्ड/सम्तिति बैठकों की उपस्थिति शुल्क के लिए पात्र होंगे।

प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिकों (केएमपी) तथा वरिष्ठ प्रबंधन कार्मिकों की नियुक्ति एवं पारिश्रमिक तथा अन्य मामले बीईएल भर्ती नियमावली तथा प्रक्रियाएँ व समय-समय पर निदेशक मंडल तथा/या सीएमडी द्वारा जारी किए गए निदेशों के अनुसार अधिशासित किए जाते हैं। रक्षा मंत्रालय से प्राप्त राष्ट्रपति के निदेशों के अनुसार केमपी तथा वरिष्ठ प्रबंधन कार्मिकों के वेतनमान अधिशासित किए जाते हैं। पारिश्रमिक नीति कंपनी की वेबसाइट www.bel-india.com.पर पोस्ट की गई है।

दिनांक 08 नवंबर 2016 को आयोजित स्वतंत्र निदेशकों की विशेष बैठक में अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक, प्रकार्यात्मक पूर्णकालिक निदेशक, गैर स्वतंत्र तथा संपूर्ण के निष्पादन का पुनरीक्षण स्वतंत्र निदेशकों द्वारा किया गया है। कंपनी ने सीएमडी सहित प्रत्येक निदेशक के कार्य निष्पादन व योगदान स्तर, निर्णय लेने की स्वतंत्रता, उद्देश्यी व लक्ष्य की प्राप्ति विभिन्न शेयरधारकों के हित संराक्षण जैसे पैरामीटर्स के आधार पर मूल्यांकन का प्रावधान भी किया गया है। बोर्ड द्वारा स्वतंत्र निदेशकों का निष्पादन मूल्यांकन किया जाता है। स्वतंत्र निदेशकों का कार्य-निष्पादन मूल्यांकन पूरे बोर्ड द्वारा किया गया था। निदेशक मूल्यांकन प्रक्रिया से संतुष्टि प्रकट की है।

वित्तीय वर्ष 2016-17 के दौरान निदेशकों को प्रदत्त पारिश्रमिक (₹ में)

निदेशकों के नाम	वेतन	अनुलाभ	पीएफ़/वृद्धिशील उपदान/छुट्टी/ बेरेक्स का कंपनी अंशदान	प्रोत्साहन	पट्टा, किराया+ अनुरक्षण	कुल
श्री एस के शर्मा (30.09.2016 तक)	1,581,867	659,924	279,206	1,603,049	375,000	4,499,046
श्री एम वी गैतमा (8.11.2016 से)	1,223,397	15,730	1,423,715	430,734	0	3,093,576
श्री एम एल षण्मुख (31.10.2016 तक)	2,271,118	382,846	354,076	1,402,235	350,000	4,760,275
श्री अमोल नेवासकर (30.04.2016 तक)	24,0241	2,700	1,006,214	1,153,633	50,000	1,547,195
डॉ अजित टी कलघटगी	2,651,154	48,634	1,356,686	1,144,461	600,000	5,800,935
श्री पी.सी.जैन (31.07.2016 तक)	1,121,681	148,757	196,264	1,111,090	0	2,577,792
श्री पी आर आचार्या (19.08.2016 तक)	1,168,433	51,043	102,562	0	0	1,322,038
श्री मनमोहन हण्डा (30.04.2016 तक)	279,886	311,475	98,630	1,084,627	50,000	1,824,618
श्री गिरीश कुमार (01.05.2016 से)	2,367,661	30,660	1,360,558	458,556	150,000	4,367,435
श्री नटराज कृष्णाप्पा (01.05.2016 से)	2,187,450	73,444	1,420,036	418,368	550,000	4,649,298
श्रीमती आंनदी रामलिंगम (16.09.2016 से)	1,304,250	18,880	1,690,148	395,445	275,000	3,683,723
श्री आर एन बग्दलकर (23.01.2017 से)	511,029	6,184	1,312,138	401,415	0	2,230,766

अंशकालिक सरकारी (गैर-कार्यपालक) निदेशकों को बोर्ड/समिति की बैठकों में उपस्थिति के लिए पारिश्रमिक या उपस्थिति शुल्क नहीं दिया जाता । अंशकालिक स्वतंत्र(गैर-कार्यपालक) निदेशकों को बोर्ड/समिति की प्रति बैठक में उपस्थिति के लिए ₹ 20,000 उपस्थिति शुल्क दिया जाता है। वर्ष 2016-17 के दौरान स्वतंत्र निदेशकों की प्रदत्त उपस्थिति शुल्क का विवरण दिया गया है -

(रकम ₹ में)

नाम	बोर्ड/समिति बैठकों के लिए प्रदत्त उपस्थिति शुल्क
डॉ भास्कर राममूर्ति	200,000
डॉ आर के शेवगांवकर	400,000
श्रीमती उषा माथुर	360,000
श्री शरद संघी	120,000

कंपनी अपने निदेशकों को किसी भी प्रकार का कमीशन नहीं देती। कंपनी ने अपने निदेशकों को कोई स्टॉक विकल्प नहीं दिया है। वर्ष 2016-17 के दौरान कंपनी के साथ किसी भी गैर-कार्यपालकों का वित्तीय संबंध या संव्यवहार नहीं रहा था।

शेयरधारकों की संबंध समिति

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 178 तथा सेबी (एलओडीआर) विनियम 2015 के विनिमय 20 के प्रावधान के अनुसार शेयरधारकों की संबंध समिति की संरचना की गई है ।

शेयरधारकों की संबंध समिति के अध्यक्ष श्री शरद संघी हैं तथा श्री आर एन बग्दलकर एवं श्री नटराज कृष्णाप्पा इसके सदस्य हैं।

अधिनियम की धारा 178 तथा सेबी (एलओडीआर) विनियम 2015 के विनिमय 20 के प्रावधान के अनुसार शेयरधारकों की संबंध समिति के विचारार्थ विषय निर्धारित किए जाते हैं।

वर्ष के दौरान 27 जनवरी 2017 को एक समिति की बैठक आयोजित की गई है। उक्त बैठक में अध्यक्ष एवं समिति के सदस्य उपस्थित हुए।

शेयरधारकों से प्राप्त अंतरण निवेदन व शिकायतें प्राप्त होते ही उसका निपाटान किया गया है। वर्ष के दौरान शेयरधारकों से लाभांश भुगतान तथा वार्षिक रिपोर्ट संबंधी शिकायतें प्राप्त हुई हैं तथा उनका निपटान किया गया है। 31 मार्च 2017 तक कोई शिकायत लंबित नहीं है । वर्ष 2016-17 के दौरान निवेशक शिकायतों के विवरण निम्नलिखित है -

शिकायत प्राप्ति की संख्या	समाधान की गई शिकायतों की संख्या	लंबित शिकायतों की संख्या
07	06	01*

* लंबित शिकायत को 03 अप्रैल 2017 को समाधान किया गया ।

अनुपालन अधिकारी

श्री एस श्रीनिवास, कंपनी सचिव अनुपालन अधिकारी हैं । उनका संपर्क विवरण निम्नलिखित है -

श्री एस श्रीनिवास,
कंपनी सचिव,
पंजीकृत एवं निगमित कार्यालय,
भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड,
आउटर रिंग रोड, नागवरा,
बेंगलूरु - 560045
दूरभाष - 080 - 25039300, फ़ैक्स - 080 - 25039266
ई मेल - secretary@bel.co.in

कार्पोरेट सामाजिक दायित्व समिति

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 135 तथा डीपीई दिशा-निदेशों के अनुवर्तन में निगमित सामाजिक दायित्व समिति की संरचना की गई है ।

कार्पोरेट सामाजिक दायित्व समिति (सीएसआर) के विचारार्थ विषय के अधीन वर्तमान सीएसआर नीति का पुनरीक्षण तथा समय-समय पर कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची VII तथा डीपीई दिशा-निदेशों के अधीन कंपनी द्वारा किए गए कार्यकलापों के संकेत के लिए सीएसआर नीति का विस्तारण सम्मिलित है -

समिति के कुछ विचारार्थ विषय निम्नलिखित हैं -

- बोर्ड की कार्पोरेट सामाजिक दायित्व नीति तथा कंपनी द्वारा स्वीकार किए जानेवाले क्रियाकलापों के सूत्रपात व संस्तुति
- स्वीकार किए जानेवाले क्रियाकलापों के व्यय की रकम की संस्तुति
- कार्पोरेट सामाजिक दायित्व के क्षेत्र में कंपनी के निष्पादन का पुनरीक्षण
- कंपनी द्वारा प्रचालित व्यापार से संबंधित पर्यावरणिक व सामाजिक प्रभाव पर बाह्य तथा स्वतंत्र निरीक्षण व दिशा-निदेश
- समय-समय पर कंपनी की कार्पोरेट सामाजिक दायित्व नीति का अनुवीक्षण

31 मार्च 2017 को कार्पोरेट सामाजिक दायित्व समिति की संरचना तथा उक्त समिति की बैठकों में सदस्यों की भागीदारी का विवरण नीचे दिया गया है -

सदस्य का नाम	श्रेणी	आयोजित सीएसआर समिति की बैठकों में उपस्थिति	
		16 मई 2016	27 अक्तूबर 2016
श्री एस.के.शर्मा, अध्यक्ष (30.09.2016 कोसे.नि.)	अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक	✓	लागू नहीं
श्री एम वी गौतमा, अध्यक्ष (08.11.2016 को नियुक्त)	अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक	लागू नहीं	लागू नहीं
श्री एम.एल.षण्मुख (31.10.2016 को से.नि.)	कार्यपालक निदेशक	एलए	एलए
श्री पी.आर.आचार्या (19.08.2016 से निदेशक होने हेतु छोड़ दिया)	कार्यपालक निदेशक	✓	लागू नहीं
श्री नटराज कृष्णाप्पा (01.05.2016 से नियुक्त)	कार्यपालक निदेशक	✓	✓
डॉ आर के शिवगांवकर	स्वतंत्र निदेशक	एलए	✓

कंपनी द्वारा किए जाने वाले क्रियाकलापों को सूचित की जाने वाली कार्पोरेट सामाजिक दायित्व नीति का ग्रहण किया गया है। पुनरीक्षणाधीन वर्ष के दौरान कंपनी ने शिक्षण प्रोनयन व पर्यावरण धारणीयता के क्षेत्र में विभिन्न सीएसआर कार्यक्रमों का आयोजन किया है।

जोखिम प्रबंधन समिति

कंपनी सशक्त जोखिम प्रबंधन ढाँचा द्वारा कंपनी के कारोबार क्षेत्र से संबंधित संभावित जोखिम के साथ-साथ वर्तमान जोखिम के निर्धारण, मूल्यांकन,प्राथमिकता एवं घटाव का प्रयास करती रहती है। सेबी (एलओडीआर) विनियम 2015 के विनिमय 21 की अपेक्षाओं के अनुवर्तन में निदेशक (बेंगलूर कॉम्पलेक्स) को अध्यक्ष तथा निदेशक

(वित्त), निदेशक (विपणन) व महाप्रबंधक (रणनीतिक विपणन) को सदस्य के रूप में सम्मिलित करते हुए बोर्ड स्तरीय समिति का गठन किया गया है। बोर्ड निदेशक 'जोखिम प्रबंधन समिति' द्वारा जोखिम प्रबंधन के स्टेटस के पुनरीक्षण एवं अनुवीक्षण करते हैं, आंतरिक निगमित जोखिम प्रबंधन समिति द्वारा निर्धारित जोखिम का परीक्षण तथा कंपनी के जोखिम प्रबंधन के वर्तमान स्थिति का विनिर्धारण और जोखिम घटाव उपायों के कार्यान्वयन एवं प्रभाव के अनुवीक्षण और पुनरीक्षण करते हैं। जोखिम प्रबंधन नीति कंपनी की वेबसाइट www.bel-india.com में पोस्ट किया गया है। जोखिम प्रबंधन प्रक्रिया का लेख प्रबंधन परिचर्चा विश्लेषण रिपोर्ट का अंश है।

31 मार्च 2017 को जोखिम प्रबंधन समिति की गठन और समिति की बैठक में सदस्यों की भागीदारी का विवरण निम्नानुसार है -

सदस्यों के नाम	श्रेणी	आयोजित आरएमसी समिति की बैठकों में उपस्थिति		
		22 दिसंबर 2016	28 फरवरी 2016	20 मार्च 2017
श्री गिरीश कुमार, अध्यक्ष	कार्यपालक निदेशक	✓	✓	✓
श्री नटराज कृष्णाप्पा	कार्यपालक निदेशक	✓	✓	एलए
श्रीमती आनंदी रामलिंगम	कार्यपालक निदेशक	✓	✓	✓
श्री कोशी अलेक्जाण्डर	म.प्र. (वित्त)/काओ व सीएफओ	एलए	✓	✓
श्रीमती शिखा गुप्ता	म.प्र. (रणनीतिक योजना)	✓	✓	✓

अन्य गैर- अनिवार्य समितियाँ

मंडल की निम्नलिखित उप-समितियाँ गठित की गई हैं -

अनु. व वि. समिति

महत्वपूर्ण अनुसंधान, विकास एवं अभियांत्रिकी प्रस्तावों पर विचार तथा अनुमोदन हेतु अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक, एक स्वतंत्र निदेशक, निदेशक (अनु. व वि.) और निदेशक (वित्त) क़ो सम्मिलित करते हुए अनु. व वि. समिति का गठन किया गया है ।

पूँजी निवेश समिति

महत्वपूर्ण पूँजी निवेश प्रस्तावों विचार तथा अनुमोदन हेतु स्वतंत्र निदेशक, निदेशक (बेंगलूर संकुल), निदेशक (अन्य यूनिटें) तथा निदेशक (वित्त) को सम्मिलित करते हुए पूँजी निवेश समिति का गठन किया गया है ।

कंपनी सचिव उपरोक्त सभी समितियों के सचिव होंगे।

निवेश समिति

अल्पकालीन अधिशेष निधियों के अनुमोदन के लिए अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक, निदेशक (अन्य यूनिटें) तथा निदेशक (वित्त) को सम्मिलित करते हुए निवेश समिति का गठन किया गया है ।

चयन समिति

नियुक्ति समिति जिसमें महाप्रबंधकों / कार्यपालक निदेशकों के पदों की रिक्तियाँ भरने के लिए अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक एवं संबंधित कार्यशील क्षेत्रों के पूर्णकालिक निदेशक एवं एक अंशकालिक निदेशक को सम्मिलित करते हुए चयन समिति का गठन किया गया है।

स्वतंत्र निदेशकों की बैठक

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान 08 नवंबर 2016 को निम्न मामलों के पुनरीक्षण हेतु स्वतंत्र निदेशकों की बैठक हुई -

i. अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक तथा पूर्णकालिक निदेशकों का निष्पादन

ii. गैर-कार्यपालक निदेशकों का निष्पादन

iii. बोर्ड एवं प्रबंधन के बीच गुणता, प्रकरण एवं समयसीमा की सूचना का आदान-प्रदान जो कंपनी के प्रभावात्मक प्रकार्यों के निष्पादन के लिए आवश्यक है।

उपरोक्त बैठक में कंपनी के सभी स्वतंत्र निदेशक उपस्थित थे।

आचार संहिता

सेबी (एलओडीआर) विनियम 2015 के 17(5) के विनिमय तथा डीपीई दिशा-निदेशों के अधीन कंपनी के निदेशक मंडल ने सभी बोर्ड सदस्यों, केएमपीडस तथा वरिष्ठ प्रबंधन कार्मिकों के लिए एक आचार संहिता निर्धारित की है । यह आचार संहिता कंपनी की वेबसाइट www.bel-india.com में अपलोड की गई है । 31 मार्च 2017 को बोर्ड के सभी सदस्य तथा वरिष्ठ प्रबंधन कार्मिकों ने इस आचार संहिता के अनुपालन की संपुष्टि की है । इस रिपोर्ट के साथ अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक द्वारा हस्ताक्षरित एक घोषणा के साथ संलग्न है ।

सचेतक नीति

अनैतिक व्यवहार, वास्तविक या संदेहास्पद कपट या कंपनी की आचरण संहिता या नैतिक नीति का उल्लंघन से संबंधित रिपोर्टों के निपतान के लिए कंपनी ने निदेशक एवं कर्मचारियों के लिए सजग मैकानिसम संस्थापित की है तथा सचेतक नीति अपनाई है।

सचेतक नीति द्वारा कर्मचारियों को अपनी समस्याएँ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है तथा किसी भी कर्मचारी ने लेखापरीक्षा समिति के आकलन का अस्वीकार नहीं किया। सचेतक नीति कंपनी की वेबसाइट www.bel-india.com में उपलब्ध है।

संबद्ध पार्टी संव्यवहार

संबद्ध पक्षकार के साथ सभी संव्यवहार सामान्य व्यापार से संबंधित है तथा वह मूल्य नियंत्रण के आधार पर है। कंपनी की वेबसाइट के http://www.bel-india.com/?q=node/7419 से पक्षकार संव्यवहार संबंधी नीति का आकलन किया जा सकता है।

अंतरंगी व्यापार की रोकथाम तथा स्वच्छ प्रकटीकरण के लिए संहिता

सेबी (अंतरंगी व्यापार का प्रतिबंध) विनियम, 2015 के अनुसार, कंपनी में कंपनी की प्रतिभूतियों के अंतरंगी व्यापार की रोकथाम तथा निवेशकों / सार्वजनिक को सूचना के पारदर्शी / व्यवस्थित प्रकटन / प्रचार के लिए आचार संहिता तथा प्रकटीकरण प्रक्रिया उपलब्ध है । यह संहिता सभी निदेशकों, अधिकारियों (कंपनी की सभी यूनिटों / कार्यालयों में तीन सर्वोच्च स्तर) तथा सेबी (अंतरंगी व्यापार का प्रतिबंध) विनियम, 2015 के अनुसार कार्पोरेट कार्यालय के विनिर्दिष्ट कर्मचारियों पर लागू है। इस कोड के कार्यान्वयन का दायित्व कंपनी सचिव पर है। आचार संहिता तथा स्वच्छ प्रकटीकरण प्रक्रिया कंपनी की वेबसाइट www.bel-india.com पर डाला गया है।

सहायक कंपनियाँ

कंपनी के विगत आसन वर्ष या विगत वित्त वर्ष के समेकित निवल मूल्य के 20% अधिक निवल मूल्य के कोई सहायक कंपनी नहीं है। तदनुसार भौतिक सहायक कंपनी के लिए नीति बनाई गई है तथा उसे कंपनी की वेबसाइट पर डाला गया है |

सहायक कंपनियों के लेखापरीक्षित वार्षिक वित्तीय विवरण लेखापरीक्षा समिति व बोर्ड मीटिंग पर रखा गया है।

सहायक कंपनियों की बोर्ड बैठक के कार्यवृत्त की प्रतियाँ धारित कंपनी की बोर्ड बैठक के समक्ष रखी गई हैं।

सामान्य बोर्ड बैठकें

अंतिम तीन सामान्य वार्षिक बैठकों का विवरण निम्नलिखित है -

वर्ष	स्थान	दिनांक व समय
2013-14	राष्ट्रकवि कुवेंपु कलाक्षेत्र, बीईएल अस्पताल व फ़ैक्टरी के समीप, जालहल्ली, बेंगलूर-560013	25 सितंबर 2014, 2:00 बजे
2014-15	कलिंगा हॉल, होटल ललित अशोक, कुमार कृपा हाई ग्राउंड्स, बेंगलूरु-560001	03 सितंबर 2015, 10:30 बजे
2015-16	कलिंगा हॉल, होटल ललित अशोक, कुमार कृपा हाई ग्राउंड्स, बेंगलूरु-560001	22 सितंबर 2016, 02:00 बजे

अंतिम तीन सामान्य वार्षिक बैठकों से संबंधित सूचनाओं से संबद्ध विशेष संकल्प सहित सभी संकल्प शेयरधारकों के द्वारा पारित किए हैं। अंतिम तीन सामान्य वार्षिक बैठकों के दौरान निम्न विशेष संकल्प पारित किए हैं -

- 03 सितंबर 2015 को आयोजित वार्षिक सामान्य बैठक में संगठन ज्ञापन की पूँजी धारा परिवर्तन के लिए विशेष संकल्प पारित किया।
- 03 सितंबर 2015 को आयोजित वार्षिक सामान्य बैठक में संगठन अनुच्छेद की पूँजी धारा परिवर्तन के लिए विशेष संकल्प पारित किया।

पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान निम्नलिखित प्रस्तावों को पोस्टल बैलट के माध्यम से रखा गया था -

- ईक्विटी शेयरों की खरीद के लिए पोस्टल बैलट के माध्यम से विशेष संकल्प पारित किया गया और पोस्टल बैलट परिणाम 14 सितंबर 2016 को प्रकाशित हुए।
- सामान्य प्रस्ताव, प्रत्येक 10 ईक्विटी शेयरों में से प्रत्येक के ₹ 1 ईक्विटी शेयर में उप-विभाजन तथा प्रत्येक संगोष्ठी के ज्ञापन में पूंजी खंड में परिवर्तन के लिए पोस्टल बैलट के माध्यम से पारित किया गया था और पोस्टल बैलट परिणाम 06 मार्च 2017 को प्रकाशित किए गए थे।

प्रकटीकरण

(क) कंपनी ने भौतिक रूप से ऐसे किसी उल्लेखनीय संबंधित पक्षकार लेन-देन नहीं किया है जिसका कंपनी के व्यापक हित के साथ संभावित दुष्प्रभाव न हो । फिर भी, संबंधित पक्षकारों के लेनदेन वार्षिक प्रतिवेदन के लेखा संबंधी टिप्पणी सं. 31 में प्रकट किया गया है।

(ख) पिछले तीन वर्षों के दौरान, कंपनी द्वारा गैर-अनुपालन के कोई भी मामले नहीं थे और स्टॉक एक्सचेंजों या सेबी या अन्य सांविधिक प्राधिकारियों द्वारा पूँजी बाजार से संबंधित किसी मामले पर कंपनी पर कोई दंड / अवक्षेप नहीं लगाए गए ।

(ग) कंपनी के व्यापार से प्रत्यक्ष रूप से संबंधित या आकस्मिक व्यय के अलावा कर्मचारियों / पूर्व-कर्मचारियों के कल्याण संबधी, कार्पोरेट सामाजिक दायित्व को पूरा करने संबधी खर्च का कोई भी मद लेखा बही में प्रविष्ट नहीं किया गया ।

(घ) निदेशक मंडल तथा सर्वोच्च प्रबंधन के लिए उपगत व्यय कंपनी के नियमों के अंतर्गत स्वीकार्य वेतन, भत्ते, परिलब्धि, अनुलाभ तथा बैठक शुल्क से संबधित हैं । निदेशक मंडल तथा सर्वोच्च प्रबंधन के लिए कोई भी वैयक्तिक व्यय नहीं किए गए हैं ।

(ङ) कुल व्यय की प्रतिशतता के रूप में प्रशासनिक तथा कार्यालयीन व्यय तथा उनमें वृद्धि के कारण, यदि कोई हो -

वर्ष 2016-17 में प्रशासनिक तथा कार्यालयीन व्यय विगत वर्ष के 4.32% की तुलना में इस वर्ष कुल व्यय का 4.65% थे। यह वृद्धि सामान्य है।

राष्ट्रपति के निदेश एवं दिशा-निर्देश

कंपनी भारत सरकार द्वारा समय-समय पर निर्गमित अ.जा., अ.ज.जा. तथा अ.पि.व. के आरक्षण संबंधी निदेशों एवं दिशा-निर्देशों का अक्षरशः अनुसरण करते आ रही है । सरकारी निदेशों का कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए देश भर में स्थित विभिन्न यूनिटों / कार्यालयों में संपर्क अधिकारी नियुक्त किए गए हैं । इस विषय से संबंधित कार्य करने वाले अधिकारियों को विषय पर उनके ज्ञान को अद्यतन करने तथा अपने कार्य प्रभावी ढंग से निष्पादित करने हेतु आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान किया गया है।

बीईएल ने दिनांक 1 जनवरी 2007 के प्रभाव से कार्यपालक वेतन पुनरीक्षण के कार्यान्वयन के संबंध में भारत सरकार द्वारा जारी राष्ट्रपति के दिशा-निर्देशों को कार्यान्वित किया है ।

संचार के माध्यम

कंपनी अपने हितधारकों और निवेशकों के साथ संवाद करने की एक मजबूत प्रक्रिया का प्रयोग करती है। इस प्रयोजन के लिए, संचार के कई माध्यम हैं अर्थात् स्टॉक एक्सचेंजों के ऑन लाइन पोर्टल, प्रेस विज्ञप्ति, वार्षिक रिपोर्ट और अपनी वेबसाइट पर संबंधित जानकारी अपलोड करना।

बिना जांचे तिमाही परिणाम तिमाही के 45 दिनों के भीतर घोषित किए जाते हैं। अंकेक्षित परिणाम सेबी विनियमों के तहत , वित्तीय वर्ष के समापन से दो महीने के भीतर घोषित किए जाते हैं। जिस बोर्ड की बैठक में वित्तीय परिणामों पर विचार किया गया था व स्वीकृत किया गया था उसके समापन से तीन मिनट के भीतर उपरोक्त वित्तीय परिणाम स्टॉक एक्सचेंजों पर घोषित किए जाते हैं। परिणाम अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्रों में प्रकाशित किए जाते हैं और इसका कन्नड़ अनुवाद अग्रणी कन्नड़ दैनिक समाचार पत्रों में प्रकाशित किया गया है।

अंकेक्षित वित्तीय वक्तव्य वार्षिक रिपोर्ट का एक हिस्सा होता है जो सदस्यों को वैधानिक अवधि के भीतर भेजा जाता है तथा वार्षिक सामान्य बैठक को भी अग्रिम भेजा जाता है ।

कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट, त्रैमासिक / अर्धवार्षिक और लेखा परीक्षित वित्तीय वक्तव्य और कंपनी के प्रेस विज्ञप्तियां भी कंपनी की वेबसाइट www.bel-india.com पर हैं और डाउनलोड भी की जा सकती हैं।

संस्थागत निवेशकों, विश्लेषक और अन्य शेयरधारकों के लाभ के लिए कंपनी के प्रदर्शन और प्रदर्शन पर प्रकाश डालने वाले विश्लेषकों पर बनी प्रस्तुतियों को कंपनी की वेबसाइट पर रखा गया है।

कंपनी सेबी के विनियमन के तहत विनियमों की अनुसूची 3 के भाग ए के अनुसार जो जानकारी आवश्यक है उसका स्टॉक एक्सचेंज को खुलासा करती है जिसमें कंपनी की सामग्री की जानकारी शामिल होती है जो कंपनी के प्रदर्शन / संचालन या अन्य मूल्यों की संवेदनशीलता पर प्रभाव डालती है । सभी सूचनाएं इलेक्ट्रॉनिक रूप से बीएसई के ऑन लाइन पोर्टल - बीएसई कॉर्पोरेट अनुपालन एवं लिस्टिंग केंद्र (लिस्टिंग सेंटर) और एनएसई इलेक्ट्रॉनिक एप्लीकेशन प्रोसेसिंग सिस्टम (एनईएपीएस) पर, भारतीय स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड के ऑन-लाइन पोर्टल पर दर्ज की गई हैं।

स्टॉक एक्सचेंजों को सूचना देने के उद्देश्य के लिए निदेशक मंडल ने घटनाओं (इवेंटस) की भौतिकता को निर्धारित करने के लिए एक नीति को मंजूरी दी है। स्टॉक एक्सचेंजों को सूचना देने के उद्देश्य के लिए अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, निदेशक (वित्त) और कंपनी सचिव के साथ मिलकर एक आंतरिक प्रबंधन समिति का गठन किया गया है जिसे जानकारी की भौतिकता पर निर्णय लेने का अधिकार है।

स्टॉक एक्सचेंजों के लिए किए गए सभी प्रकटीकरण 'निवेशक-स्टॉक एक्सचेंज प्रकटीकरण' के तहत कंपनी की वेबसाइट पर भी उपलब्ध हैं और वेबलिंक http://www.bel-india.com/ContentPage.aspx?MId=17&CId = 423&LID=1&लिंक =423.

सेबी द्वारा निवेशकों को अपनी शिकायतों / परेशानियों को केन्दीतवेब आधारित शिकायतों के निवारण प्रणाली पर अर्थात सेबी शिकायत निवारण प्रणाली (एस सी ओ आर ई एस)पर करने की सुविधा प्रदान की गई है। इस प्रणाली की प्रमुख विशेषताएं हैं: सभी शिकायतों का केंद्रीय डेटाबेस, संबंधित कंपनियों द्वारा कार्रवाई की गई रिपोर्टों (एटीआर) को ऑनलाइन अपलोड करना और निवेशक द्वारा शिकायत पर की गई कार्रवाइयों और इसकी वर्तमान स्थिति(स्टेटस) ऑनलाइन देखने की सुविधा ।

कंपनी की वेबसाइट पर 'कॉर्पोरेट गवर्नेंस' के तहत एक अलग से विशेष अनुभाग है जो अदावी लाभांश, त्रैमासिक अनुपालन रिपोर्ट और निवेशकों / जनता के हित की अन्य प्रासंगिक सूचना की जानकारी देता है।

शेयर पूँजी की लेखापरीक्षा का समाधान

कंपनी नेशनल प्रतिभूति निक्षेपागार लिमिटेड (एनएसडीएल) तथा केंद्रीय निक्षेपागार सेवाएँ (इंडिया) लि. (सीडीएसएल) के साथ कुल स्वीकृत पूँजी तथा कुल जारी व सूचीबद्ध पूँजी के समाधान हेतु प्रत्येक तिमाही में एक सेवारत कंपनी सचिव से शेयर पूँजी का समाधान लेखापरीक्षा प्रतिवेदन प्राप्त करती है । इस लेखा परीक्षा प्रतिवेदन में यह संपुष्ट किया जाता है कि कुल जारी / प्रदत्त पूँजी भौतिक रूप में उपलब्ध शेयरों की कुल संख्या तथा एनएसडीएल और सीडीएसएल के साथ धारित डीमटीरियल किए गए शेयरों की कुल संख्या के अनुरूप हैं । यह लेखा परीक्षा प्रतिवेदन बीईएल के शेयर सूचीबद्ध सभी स्टॉक एक्सचेंजों में अग्रेषित किया जाता है ।

कंपनी अर्धवर्ष के अंतराल में सेवारत कंपनी सचिव से ऐसा प्रमाणित करते हुए एक अनुपालन प्रमाण पत्र प्राप्त करती है कि सभी प्रकार से पूर्ण अंतरण निवेदनों को प्रक्रियागत किया गया है तथा अंतरण पृष्ठांकनों के साथ शेयर प्रमाण-पत्र उनके जमा करने की तिथि से 15 दिनों के भीतर कंपनी द्वारा जारी किया गया है । यह अनुपालन प्रमाण-पत्र बीईएल के शेयर सूचीबद्ध सभी स्टॉक एक्सचेंजों में अग्रेषित किया जाता है ।

स्टॉक एक्सचेंजों पर सूचीकरण

बीईएल के शेयर वर्तमान में निम्नलिखित तीन स्टॉक एक्सचेंजों में सूचीबद्ध हैं -

(1) बीएसई लि.,
25वां तल, फिरोज जीजीबॉय टावर्स,
दलाल स्ट्रीट, मुंबई - 400 001

(2) नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लि.,
एक्सचेंज प्लाजा, प्लॉट सं. सी/1, जी ब्लाक,
बाद्रा-कुर्ला काम्प्लेक्स, बाद्रा (पूर्व)
मुंबई - 400 051

कंपनी ने दोनों स्टॉक एक्सचेंजों को वित्तीय वर्ष 2016-17 एवं 2017-18 के लिए सूचीकरण शुल्क का भुगतान किया है ।

संबंधित स्टॉक एक्सचेंजों द्वारा कंपनी के इक्विटी शेयरों को दिया गया स्टॉक कूट तथा कंपनी के ईक्विटी शेयरों के डीमैट लेन-देन के लिए निक्षेपागारों द्वारा दी गई आईएसआईएन संख्याएँ नीचे दी गई हैं -

स्टॉक एक्सचेंज	स्टॉक कोड
बीएसई लि.	500049
नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लि.	बी ई एल
आईएसआईएन	INE263A01016
एमसीए सीआईएन	L32309KA1954GOI000787

निक्षेपागारों को अभिरक्षा शुल्क

कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2016-17 और 2017-18 के लिए दोनों निक्षेपागारों नामतः एनएसडीएल तथा सीडीएसएल को वार्षिक अभिरक्षा शुल्क का भुगतान किया है ।

गैर-अनुपालन का विवरण

कंपनी ने कार्यपालक निदेशक, गैर-कार्यपालक निदेशक एवं स्वतंत्र निदेशकों के समुचित संतुलन के साथ कंपनी के निदेशक मंडल का गठन किया गया है। कंपनी ने कंपनी अधिनियम 2013 के प्रावधानों के अनुसार पर्याप्त संख्या में स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति की है; हालाँकि भारतीय सुरक्षा एवं विनिमय बोर्ड (आभार सूचीकरण व प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) विनियम, 2015 की अपेक्षाओं के अनुसार पर्याप्त स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति की जानी है। इस संबंध में यह सूचित किया जाता है कि भारत सरकार द्वारा उक्त स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति की जाती है जो स्वतंत्र निदेशकों के पद भरने का मामले नियुक्ति प्राधिकारी अर्थात भारत सरकार के पास लंबित है। पुनरीक्षण की अवधि के दौरान अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार ही निदेशक मंडल की संरचना में परिवर्तन किया गया है।

गैर-अनिवार्य प्रावधानों का अनुपालन

सेबी (एलओडीआर) विनियम, 2015 की गैर-अनिवार्य संस्तुति के अनुपालन का स्थिति नीचे दिया गया है -

- कंपनी में अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक (कार्यपालक) का पद है तथा गैर-कार्यपालक अध्यक्ष नहीं है।
- कंपनी का वित्तीय विवरण असंशोधित लेखापरीक्षा मत के साथ प्रकट किया जाता है।
- शेयरधारकों के साथ संचार की प्रक्रिया अधिक सशक्त है तथा इसका विवरण "संचार के माध्यम" के अधीन दिया गया है।
- महाप्रबंधक (आंतरिक लेखापरीक्षा) सीधे अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक को रिपोर्ट करते हैं तथा लेखापरीक्षा समिति की बैठक में आमंत्रित सदस्य हैं।

बाजार मूल्य के आँकड़े

बीएसई लि. (बीएसई) तथा नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लि. (एन एस ई) में कंपनी के शेयरों के उच्च / निम्न बाजार कीमतों के विवरण नीचे दिए गए हैं -

अप्रैल 2016 से मार्च 2017 तक बीएसई की तुलना में बीएसई सेंसेक्स पर बीईएल शेयर मूल्य

माह	बीएसई सेंसेक्स समापन	बीईएल शेयर मूल्य			व्यापारित शेयरों की सं.	विक्रयावर्त (₹ लाख में)
		उच्च (₹ में)	निम्न (₹ में)	समापन (₹ में)		
अप्रैल-16	25607	1232.00	1133.55	1182.75	411751	4890.51
मई -16	26668	1204.60	1083.70	1181.70	503995	5797.72
जून-16	27000	1314.70	1137.35	1267.80	922924	11560.68
जुलाई-16	28052	1291.25	1212.25	1236.05	602542	7543.64
अगस्त-16	28452	1265.00	1200.00	1219.65	488331	6026.93
सितंबर-16	27866	1295.00	1190.50	1245.40	678161	8438.30
अक्तू.-16	27930	1337.10	1240.15	1328.30	733928	9361.00
नवं. -16	26653	1446.50	1204.65	1437.90	613388	8236.66
दिसं.-16	26626	1540.00	1329.65	1374.30	705193	10157.99
जन.-17	27656	1624.30	1354.05	1540.05	1468919	22174.85
फर.-17	28743	1587.45	1498.50	1514.95	1044382	15992.76
मार्च-17	29621	1665.00	1488.00	1437.90	1003469	15760.30

वर्ष 2016-17 के दौरान बीएसई सेंसेक्स की समापन स्थिति के साथ बीएसई पर कंपनी के शेयर मूल्य के समापन कोटेशन की तुलना निम्नलिखित ग्राफ द्वारा प्रस्तुत है -

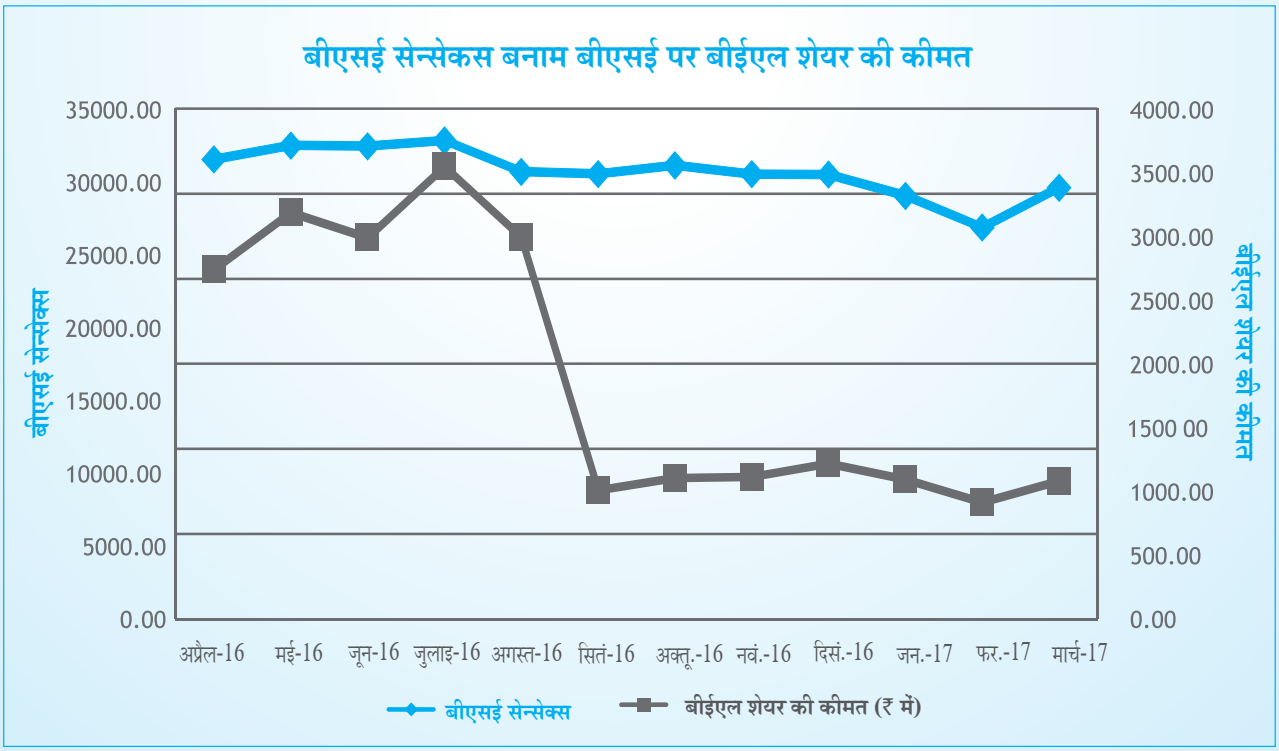

नोट* - वर्ष के दौरान, यथा 16 मार्च 2017 को कंपनी ने ₹10 / - के प्रत्येक इक्विटी शेयर का उप-भाग पूरा कर लिया था, प्रत्येक ₹ 1 / - के प्रत्येक 10 में से 10 ईक्विटी शेयरों में पूर्ण भुगतान किया गया है। यथा 16 मार्च 2017 को उपरोक्त चार्ट में, ईक्विटी शेयर के बाजार मूल्य को 10 से गुणा किया गया था और व्यापार के शेयरों की संख्या 10 से विभाजित की गई थी।

अप्रैल 2016 से मार्च 2017 तक एनएसई की तुलना में एनएसई निफ़्टी पर बीईएल शेयर मूल्य

माह	एनएसई निफ़्टी समापन	बीईएल शेयर मूल्य			व्यापारित शेयरों की सं.	विक्रयावर्त (₹ लाख में)
		उच्च (₹ में)	निम्न (₹ में)	समापन (₹ में)		
अप्रैल-16	7850	1232.50	1132.55	1181.85	4355470	51682.17
मई -16	8160	1205.00	1082.00	1178.25	5231203	59944.52
जून-16	8288	1313.95	1140.00	1267.10	8007389	100397.28
जुलाई-16	8639	1291.75	1211.10	1235.90	4809627	60271.42
अगस्त-16	8786	1267.00	1201.00	1220.45	4203613	51933.07
सितंबर-16*	8611	1299.00	1181.10	1244.75	8639978	107646.37
अक्तू.-16	8626	1336.00	1240.05	1327.45	5205371	66597.84
नवं. -16	8225	1445.00	1204.20	1439.05	7088048	94873.84
दिसं.-16	8186	1525.00	1330.20	1375.05	7539346	108278.25
जन.-17	8561	1625.00	1353.00	1540.00	13147548	199028.31
फर.-17	8880	1588.05	1498.20	1515.60	12177321	186490.21
मार्च-17	9174	1665.00	1486.30	1547.50	10687743	167198.44

वर्ष 2016-17 के दौरान एन एस ई निफ्टी की समापन स्थिति के साथ एन एस ई पर कंपनी के शेयर मूल्य के समापन कोटेशन की तुलना निम्नलिखित ग्राफ द्वारा प्रस्तुत है -

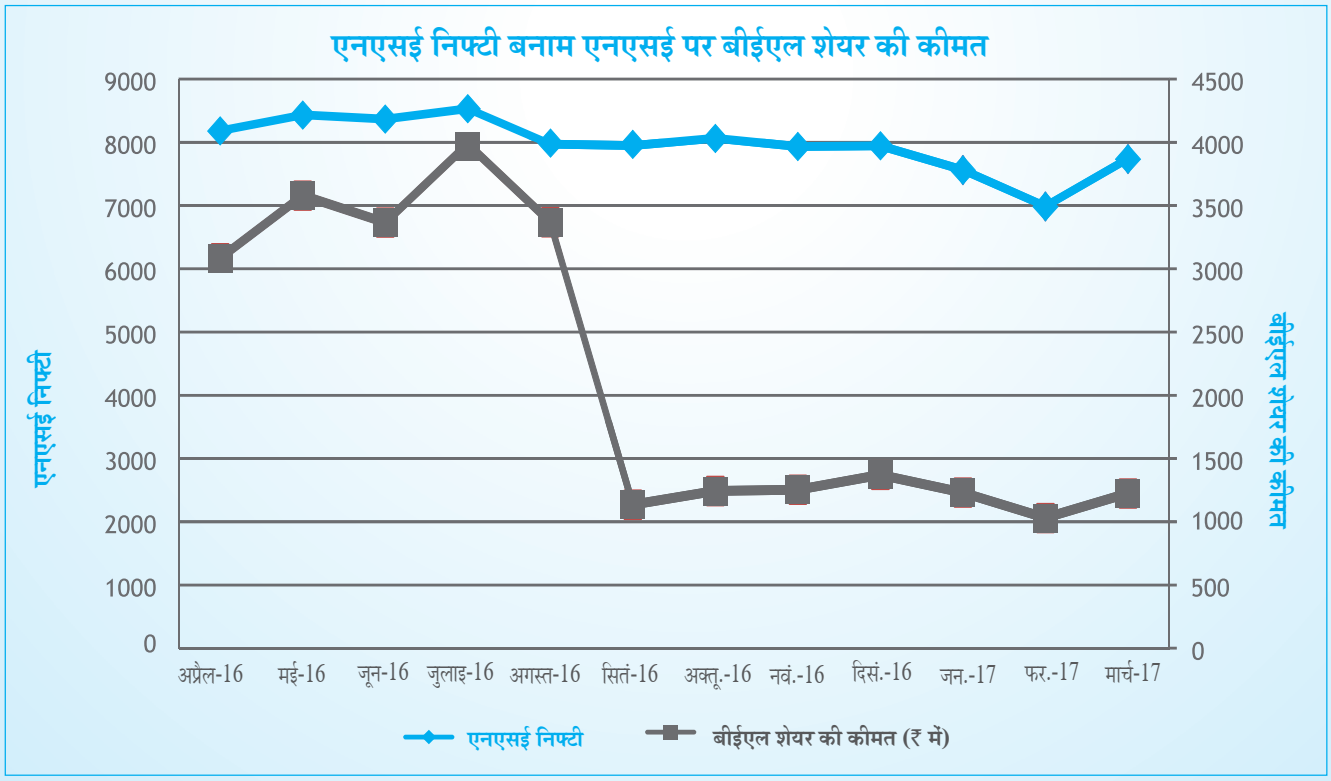

नोट* - वर्ष के दौरान, यथा 16 मार्च 2017 को कंपनी ने ₹10 / - के प्रत्येक इक्विटी शेयर का उप-भाग पूरा कर लिया था, प्रत्येक ₹ 1 / - के प्रत्येक 10 में से 10 ईक्विटी शेयरों में पूर्ण भुगतान किया गया है। यथा 16 मार्च 2017 को उपरोक्त चार्ट में, ईक्विटी शेयर के बाजार मूल्य को 10 से गुणा किया गया था और व्यापार के शेयरों की संख्या 10 से विभाजित की गई थी।

चलनिधि

कंपनी के शेयर अति चलनीय हैं तथा भारतीय स्टॉक एक्सचेंजों में इनका सक्रिय व्यापार किया जाता है । वित्तीय वर्ष 2016-17 के दौरान विक्रयावर्त के संबंधित आंकड़े नीचे दिए गए हैं -

विवरण	बीएसई	एनएसई	कुल
व्यापारित शेयरों की सं.	9176983	91092657	100269640
मूल्य (₹ लाख में)	125941	1254342	1380283

शेयर अंतरण

सेबी में पंजीकृत श्रेणी I पंजीयक तथा शेयर अंतरण एजेंट, इंटीग्रेटेड एंटरप्राइजेस (इंडिया) लि., बेंगलूर कंपनी के पंजीयक एवं शेयर अंतरण एजेंट है । सभी शेयर अंतरण / प्रेषण / विभाजन / समेकन / प्रतिलिपि शेयरों के निर्गमीकरण / अनुलिपि प्रमाण-पत्र/पता-परिवर्तन के अनुरोध / डीमटेरियल करने / रीमटेरियल करने के अनुरोध तथा शेयर से संबंधित मामले तथा लाभांश संबंधी सभी प्रश्नों, शिकायतों को अग्रेषित करने के लिए आरटीए का पता नीचे दिया गया है -

इंटीग्रेटेड रिजिस्ट्री मेनेजमेंट सर्विस प्राइवेट लि.

#30, रमणा रेसीडेसी, चौथा क्रॉस,
सम्पिगे रोड, मल्लेश्वरम,
बेंगलूर - 560 003
दूरभाष - 080 23460815 से 818, फैक्स - 080 23460819
ई मेल - irg@integratedindia.in

शेयर अंतरण प्रणाली

अंतरण के लिए भेजे गए शेयर निर्धारित अवधि के भीतर पंजीकृत किए जाते हैं । समुचित सुधार की मांग करते हुए आपत्तिजनक शेयर निर्धारित अवधि के भीतर लौटा दिए जाते हैं । कंपनी ने शेयर अंतरण संबंधी सभी अनुरोधों तथा संबंधित विषयों पर विचार करने तथा उन्हें अनुमोदित करने के लिए अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक, निदेशक (वित्त) तथा निदेशक (अन्य यूनिटें) से समाविष्ट शेयर अंतरण समिति गठित की है । विनिर्दिष्ट अवधि के अंतर्गत अंतरणों के अनुमोदन के लिए शेयर अंतरण समिति की बैठक सावधिक रूप से आयोजित की जाती है ।

यथा 31 मार्च 2017 को शेयरधारिता का स्वरूप -

क्र. सं.	श्रेणी	शेयरधारकों की संख्या	शेयरों की संख्या	धारिता का %
1	केन्द्रीय सरकार	2	1,523,042,911	68.19
2	म्यूच्युअल फ़ंड / यू टी आई	173	270,079,639	12.09
3	वित्तीय संस्थाएँ / बैंक	10	3,431,166	0.15
4	वैकल्पिक निवेश निधि	1	105,890	0.00
5	बीमा कंपनियाँ	21	122,316,640	5.48
6	विदेशी संस्थागत निवेशक	172	148,635,753	6.65
7	निगमित निकाय	1,043	79,522,958	3.56
8	व्यक्ति	78,304	73,296,086	3.28
9	यास	23	2,736,801	0.12
10	एन आर आई	1,995	4,200,485	0.19
11	निकासी सदस्य	416	6,259,451	0.28
12	एलएलपी	1	150	0.00
	कुल	**82,161**	**2,233,627,930**	**100.00**

यथा 31 मार्च 2017 को 10 सर्वोच्च शेयरधारक

क्र. सं.	शेयरधारकों का नाम	शेयरों की संख्या	धारिता का %
1	भारतीय जीवन बीमा निगम	104,839,030	4.69
2	सीपीएसई ईटीएफ	24,841,067	1.11
3	एसबीआई ब्लू चिप फड	21,917,070	0.98
4	एचडीएफसी ट्रस्टी कंपनी लिमिटेड - ए / सी एचडीएफसी मिड कैप अवसर फंड	15,926,500	0.71
5	एचडीएफसी ट्रस्टी कंपनी लिमिटेड - एचडीएफसी टैक्स सेवरफंड	13,923,370	0.62
6	कोटक सेलेक्ट फोकस फंड	13,500,000	0.60
7	आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल वैल्यू डिस्कवरी फंड	12,000,000	0.54
8	बिरला सन लाइफ ट्रस्टी कंपनी प्राइवेट लिमिटेड ए / सी बिरला सन लाइफ फ्रंटलाइन इक्विटी फंड	10,873,040	0.49
9	वैनगर्ड इमर्जिंग मार्केट स्टॉक इंडेक्स फंड, वैनगर्ड इटरनेशनल ईक्विटी इंडेक्स की शृंखला	10,642,263	0.48
10	पारवेस्ट ईक्विटी इंडिया	10,620,000	0.48

यथा 31 मार्च 2017 को शेयरधारक का संवितरण

धारित इक्विटी शेयरों की संख्या	शेयरधारकों की संख्या	%	शेयरों की संख्या	%
500 तक	60,384	73.49	9,797,161	0.44
501 - 1000	9,542	11.61	7,586,756	0.34
1001 - 2000	5,518	6.72	8,174,885	0.37
2001 - 3000	2,409	2.93	6,521,079	0.29
3001 - 4000	711	0.87	2,553,754	0.11
4001 - 5000	631	0.77	2,942,939	0.13
5001 - 10,000	1,416	1.72	10,288,858	0.46
10001 तथा उससे ऊपर	1,550	1.89	2,185,762,498	97.86
कुल	**82,161**	**100.00**	**2,233,627,930**	**100.00**

शेयरों का अमूर्तीकरण

कंपनी के कुल ईक्विटी शेयरों का 99.98% निवेशकों द्वारा एन एस डी एल तथा सी डी एस एल में अमूर्तीकृत रूप में धारित है ।

बकाया जी डी आर/ए डी आर/वारंट - लागू नहीं

आई ई पी एफ खाते का अंतरण

आईईपीएफ प्राधिकरण (लेखा, लेखा परीक्षा, स्थानांतरण और धनवापसी) नियम, 2016 (घनियमङ) के साथ कंपनी अधिनियम, 2013 के लागू प्रावधानों के अनुसार, सभी अवैतनिक या लावारिस लाभांश को कंपनी द्वारा स्थानांतरित करने की आवश्यकता है सात साल के पूरा होने के बाद, केंद्र सरकार द्वारा स्थापित आईईपीएफ इसके अलावा, नियमों के अनुसार, शेयरधारकों द्वारा लगातार सात वर्षों या उससे अधिक के लिए लाभांश का भुगतान नहीं किया गया है या उनका दावा नहीं किया गया है, आईईपीएफ प्राधिकरण द्वारा बनाए गए डीमैट खाते में भी स्थानांतरित किया जाएगा। तदनुसार, कंपनी ने लावारिस और अवैतनिक लाभांश को स्थानांतरित कर दिया है। इसके अलावा, संबंधित शेयर आईईपीएफ के नियमों की आवश्यकताओं के अनुसार स्थानांतरित किए जाएंगे, जिनमें से जानकारी www.bel-india.com पर हमारी वेबसाइट पर उपलब्ध कराई गई है।

वर्ष 2016-17 के दौरान, कंपनी ने अदत्त लाभांश खाते से ₹ 1,76,920/- की राशि इस निधि में अंतरित की है (₹ 1,13,614 अंतिम लाभांश 2008-09 और ₹63,306 अंतरिम लाभांश 2009-10 के अंतर्गत आता है)। वर्ष 2009-10 के लिए अदावी/ अदत्त अंतिम लाभांश और वर्ष 2010-11 के लिए अंतरिम लाभांश, 2017-18 में फंड को हस्तांतरण के लिए देय हैं। कंपनी ने अपनी वेबसाइट www.bel-india.com में एक पृथक पृष्ठ में च निवेशकों के लिए सूचना - शीर्ष के अधीन 2006-2007 और उसके बाद से लाभांश भुगतान तथा अदत्त लाभांश के दावा करने संबंधी मार्गदर्शी सूचना के विवरण दिया है । शेयरधारकों से निवेदन है कि वे अदत्त / अदावी लाभांश का दावा करने के लिए इसमें दिए गए दावा प्रारूप का उपयोग करें ।

क्रेडिट श्रेणीकरण

आईसीआरए ने 2017-18 के लिए कंपनी की निम्नलिखित क्रेडिट श्रेणीकरण को पुनःसंपुष्ट किया है-

(i) ₹ 200 करोड़ की निधि आधारित बैंक परिसीमाओं के लिए [आईसीआरए] एएए (जिसे आईसीआरए ट्रिपल ए कहा जाता है) और ₹ 100 करोड़ की अतिरिक्त निधि आधारित सीमा (अवधिक ऋण) का दीर्घकालीन श्रेणीकरण

(ii) ₹ 2,700 करोड़ की गैर-निधि आधारित बैंक सीमाओं के लिए [आईसीआरए] ए1+ (जिसे आईसीआरए ए-वन प्लस कहा जाता है) का अल्पकालीन श्रेणीकरण

(iii) ₹ 5 करोड़ के वाणिज्यिक पेपर (सीपी) के लिए [आईसीआरए] ए1+ (जिसे आईसीआरए ए- वन प्लस कहा जाता है) का अल्पकालीन श्रेणीकरण

दीर्घकालीन श्रेणीकरण का दृष्टिकोण 'स्थिर' है । ये श्रेणीकरण दीर्घकालीन एवं अल्पकालीन में उच्चतम क्रेडिट गुणता सूचित करते हैं । इन श्रेणीकृत क्रेडिटों में दीर्घकालीन एवं अल्पकालीन में निम्नतम क्रेडिट जोखिम होता है । श्रेणीकरण (i), (ii) तथा (iii) 28 फरवरी 2018 तक वैध हैं ।

सीईओ / सीएफओ प्रमाणन

सेबी (आभार सूचीकरण व प्रकटन अपेक्षिताएँ) विनियम 2015 तथा डीपीई के दिशा-निर्देशों की अपेक्षाओं के अनुसार वार्षिक रिपोर्ट में सीईओ / सीएफओ प्रमाण-पत्र उपलब्ध कराया गया है ।

अनुपालन

कंपनी ने सेबी (एलओडीआर) विनियम 2015 तथा डीपीई के निगमित शासन के मानदंडों / दिशा-निर्देशों का अनुपालन किया है । कंपनी स्टॉक एक्सचेंजों तथा सरकार को कार्पोरेट शासन पर तिमाही अनुपालन रिपोर्ट भी प्रस्तुत करते आ रही है । सेबी (एलओडीआर) विनियम 2015 के अपेक्षाओं के अधीन स्टॉक एक्सचेंजों के साथ सूचीकरण करार के अंतर्गत अपेक्षानुसार, कंपनी द्वारा निगमित अभिशासन की शर्तों के अनुपालन पर लेखा परीक्षकों का प्रमाण-पत्र संलग्न है।

डीपीई श्रेणीकरण

केन्द्रीय पीएसई के लिए निगमित अभिशासन पर डीपीई के दिशा-निर्देशों के अधीन यह प्रावधान दिया गया है कि केन्द्रीय पीएसई को इन दिशा-निर्देशों के अनुपालन के आधार पर श्रेणीकृत किया जाएगा। वर्ष 2015-16 के लिए डीपीई ने बीईएल को "उत्कृष्ट" श्रेणी प्रदान की है ।

शेयर धारकों के लिए अतिरिक्त / सामान्य जानकारी

सामान्य वार्षिक बैठक

दिनांक	:	20 सितंबर 2017
समय	:	03:30 बजे
स्थान	:	दी कलिंग हॉल, होटल ललित अशोक, कृपा हाई ग्रउंडस, मुख्य मंत्री अतिथि गृह के पास, बेंगलूरु, कर्नाटक - 560001.

वित्तीय कैलेंडर 2017 - 18

वित्तीय वर्ष	: 1 अप्रैल 2017 to 31 मार्च 2018
प्रथम तिमाही परिणाम	: जुलाई 2017 के अंत में
द्वितीय तिमाही परिणाम	: अक्तूबर 2017 के अंत में
तृतीय तिमाही परिणाम	: जनवरी 2018 के अंत में
वार्षिक लेखा परीक्षित परिणाम	: मई 2018 के अंत में
वार्षिक सामान्य बैठक	: सितंबर 2018

बही समापन

17 अगस्त 2017 to 21 अगस्त 2017 तक (दोनों दिनों को मिलाकर)

लाभांश भुगतानतिथि

घोषणा के 30 दिनों के भीतर लाभांश का भुगतान किया जाएगा ।

संयंत्र स्थल -

1. जालहल्ली पोस्ट, बेंगलूर -560013 (कर्नाटक)
   फोन - (080) 28382626 फ़ैक्स - (080) 28382067

2. साइट IV, साहिबाबाद औद्योगिक क्षेत्र, भारत नगर पोस्ट,
   गाजियाबाद - 201010 (उत्तर प्रदेश)
   फोन - (0120) 2777707, 2813500, 2814000
   फ़ैक्स - (0120) 2776730, 2776733, 2770923

3. प्लाट नं.405, औद्योगिक क्षेत्र, फेस III,
   पंचकुला - 134113 (हरियाणा)
   फोन - (0172) 3937252, 2591528, 3937400
   फ़ैक्स - (0172) 2594548, 2591463

4. बलभद्रपुर, जिला पौड़ी गढ़वाल,
   कोटद्वार - 246149, (उत्तराखंड)
   फोन - (01382) 231171 से 231178
   फ़ैक्स - (01382) 231132, 231135

5. प्लाट नं.एल -1, एम. आई. डी. सी. औद्योगिक क्षेत्र,
   नवी मुंबई - 410208 (महाराष्ट्र)
   फोन - (022) 27412701
   फ़ैक्स - (022) 27412888, 27412887

6. एन डी ए रोड, पाषाण,
   पुणे - 411021 (महाराष्ट्र)
   फोन - (020) 25865400, 22903000
   फ़ैक्स - (020) 25865577, 22903313

7. औद्योगिक क्षेत्र, नाचारम,
   हैदराबाद - 500076 (आंध्र प्रदेश)
   फोन - (040) 27194700
   फ़ैक्स - (040) 27171406

8. पोस्ट बाक्स नं.26, रवीद्रनाथ टैगोर मार्ग,
   मचिलिपट्टणम -521001 (आंध्र प्रदेश)
   फोन - (08672) 223581, 2235832
   फ़ैक्स - (08672) 222640

9. पोस्ट बाक्स नं. 981, नंदम्बाक्कम,
   चेन्नै - 600 089 (तमिलनाडु)
   फोन - (044) 22326906
   फ़ैक्स - (044) 22326905

पंजीकृत कार्यालय / पत्राचार का पता -

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड
सीआईएन - L32309KA1954GOI000787
पंजीकृत कार्यालय - आउटर रिंग रोड,
नागवारा, बेंगलूर - 560 045
फोन - (080) - 25039300,
फ़ैक्स - (080) - 25039233
ई-मेल secretary@bel.co.in
वेबसाईट - www.bel-india.com

निगमित अभिशासनपर लेखा परीक्षकों का प्रमाण-पत्र

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के सदस्य,

सेबी (आभार सूचीकरण व प्रकटन अपेक्षिताएँ) (सूचीकरण विनियम) के विनियम 15(2) एवं अधिसूचना - V के अनुसार संगत प्रावधानों यथा विनिर्दिष्ट तथा केन्द्रीय सरकारी क्षेत्र के उद्यमों हेतु निगमित अभिशासन पर लोक उद्यम विभाग (डीपीई) के 01 दिसंबर से 31 मार्च 2016 तक की अवधि के सूचीकरण विनियमन के अनुसार 31 मार्च 2017 को समाप्त वर्ष के दौरान भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड द्वारा निगमित अभिशासन की शर्तों के अनुपालन का परीक्षण किया है ।

निगमित अभिशासन की शर्तों का अनुपालन कंपनी के प्रबंधन का उत्तरदायित्व है । भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा निर्गमित निगमित अभिशासन के प्रमाणन पर मार्गदर्शी टिप्पणी के अनुसार हमारा परीक्षण किया गया तथा वह निगमित अभिशासन की शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए कंपनी द्वारा अपनाई गई कार्यपद्धतियों और उनके कार्यान्वयन तक सीमित था । यह न तो लेखा परीक्षा है न ही कंपनी के वित्तीय विवरणों पर विचार की अभिव्यक्ति है ।

हमारे अभिमत एवं जानकारी के अनुसार हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार हम प्रमाणित करते हैं कि, कंपनी ने ऊपर उल्लिखित सूचीकरण करारों तथा डीपीई के दिशा-निर्देशों में यथा विनिर्दिष्ट निगमित अभिशासन की शर्तों का अनुपालन किया है । हालाँकि, कंपनी को सूचीकरण करार एवं सूचीकरण विनिमय के अनुसार पर्याप्त स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति करनी है । इस संबंध में यह सूचित किया जाता है कि भारत सरकार द्वारा उक्त स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति की जाती है जो स्वतंत्र निदेशकों के पद भरने का मामले नियुक्ति प्राधिकारी अर्थात भारत सरकार के पास लंबित है।

हमें यह कहना है कि ऐसा अनुपालन न तो कंपनी की भावी व्यवहार्यता आश्वासन है तथा न ही उस प्रभावशीलता का जो कंपनी के प्रबंधन ने कंपनी के कार्यकलापों के लिए अपनाई है ।

इसके अतिरिक्त हमें यह कहना है कि शेयरधारक / निवेशक संबंध समिति द्वारा रखे गए अभिलेखों के अनुसार कंपनी के विरुद्ध कोई भी एक माह से अधिक की अवधि की निवेशक शिकायत लंबित नहीं हैं ।

कृते **बद्री, मधुसूदन एंड श्रीनिवासन**
सनदी लेखाकार
एफआरएन : 005389एस

बेंगलूरु
10 अगस्त 2017

एन के माधुसूधन
साझेदार
सदस्यता संख्या - 020378

आचरण संहिता के अनुपालनसंबंधी घोषणा

सेबी (एलओडीआर) विनियम 2015 अधीन संगत प्रावधान तथा 22 जून 2007 के डीपीई का.ज्ञा सं. 18(8)/2005-जीएम के अधीन केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के लिए निगमित अभिशासन पर सार्वजनिक उद्यम विभाग (डीपीई) के दिशा-निदेशों के अनुवर्तन में, कंपनी के मंडल के सभी सदस्यों तथा वरिष्ठ प्रबंधन कार्मिकों ने 31 मार्च 2017 को समाप्त वर्ष के लिए भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के मंडल के सदस्यों तथा वरिष्ठ प्रबंधन के लिए व्यावसायिक आचार संहिता व आचार नीति का अनुपालन अभिपुष्ट किया है ।

कृते भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड

बेंगलूरु
11 अगस्त 2017

एम वी गौतमा
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

निगमित अभिशासन पर सेबी (आभार सूचीकरण व प्रकटन अपेक्षिताएँ) विनियमन, 2015 के प्रयोजन व डीपीई दिशा-निदेशों के अधीन अपेक्षिताओं के लिए सीईओ एवं सीएफओ का प्रमाणपत्र

सेवा में,
निदेशक मंडल,
भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड

हम एतद्वारा प्रमाणित करते हैं कि -

(क) हमने 31 मार्च 2017 को समाप्त वर्ष के वित्तीय विवरण का पुनरीक्षण किया तथा हमारे उत्तम विश्वास एवं ज्ञान के अनुसार -

(i) इन विवरणों में भौतिक असत्य विवरण या किसी भौतिक तथ्य का लोप या भ्रामक विवरण सम्मिलित नहीं है।

(ii) ये सभी विवरण यूनिट के कार्यकलापों का सत्यनिष्ठ एवं स्वच्छ दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हैं तथा वर्तमान लेखा मानक, प्रयोज्य कानून एवं विनियमन का अनुपालन करते हैं ।

(ख) हमारे उत्तम विश्वास एवं ज्ञान के अनुसार पुनरीक्षणाधीन वर्ष के दौरान यूनिट द्वारा किसी भी कपटपूर्ण, अवैध या कंपनी की आचरण संहिता के उल्लंघन का कार्य नहीं किया गया है।

(ग) हम वित्तीय रिपोर्टिंग के लिए आंतरिक नियंत्रण के संस्थापन व अनुरक्षण का दायित्व स्वीकार करते हैं तथा हमने वित्तीय रिपोर्टिंग संबधी यूनिट के आंतरिक नियंत्रण प्रनाली का मूल्यांकन किया और ऐसे आंतरिक नियंत्रण के प्रचालन एवं अभिकल्प की त्रुटियों की सूचना लेखापरीक्षकों तथा प्रबंधन को दी है और उक्त त्रुटियों के सुधारण के लिए आवश्यक कदम उठाया है या उसके लिए प्रस्ताव रखा है।

(घ) हमने लेखापरीक्षकों तथा प्रबंधन को निम्न सूचनाएँ दी हैं -

(i) वर्ष के दौरान वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक नियंत्रण में महत्वपूर्ण परिवर्तन

(ii) वर्ष के दौरान लेखा नीतियों में महत्वपूर्ण परिवर्तन तथा उन्हें वित्तीय विवरण की टिप्पिणयों में प्रकट किया गया है ; तथा

(iii) महत्वपूर्ण कपटपूर्ण मामलों में उसकी ओर सजगता तथा समाधान की भागीदारी में वित्तीय रिपोर्टिंग पर यूनिट के आंतरिक नियंत्रण प्रणाली में प्रबंधन या कार्मिक की महत्वपूर्ण भूमिका है।

कोशी अलेक्जाण्डर
मुख्य वित्तीय अधिकारी

एम वी गौतमा
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

संलग्नक-7

निर्वहनियता रिपोर्ट

आपकी कंपनी पर्यावरण प्रबंधन तथा निर्वहनियता विकास कार्यक्रमों को निरंतरता से करते हुए सुनियोजित तरीके से अपने विविध व्यापरिक प्रचालनों और कार्य-कलापों के द्वारा निर्वहनियता विकास के आर्थिक, पारिस्थितिकीय तथा सामाजिक दायित्वों को प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है । कंपनी ने वर्षों के दौरान जल प्रबंधन, अवशिष्ट प्रबंधन, ऊर्जा संरक्षण, पवन ऊर्जा, सौर ऊर्जा जैसे अपारंपरिक ऊर्जा आदि के प्रयोग सहित संसाधन प्रबंधन एवं निर्वहनियता विकास के क्षेत्रों में पर्याप्त संस्थागत विशेषज्ञता अर्जित की है । कंपनी इस विशेषज्ञता का लाभ उठाने का प्रयास करती रहती है तथा इसके अतिरिक्त अपने व्यापारिक प्रचालनों और कार्यकलापों में निर्वहनियता विकास संबंधी पहलों को संवर्धित करती है । कंपनी ने इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए भारत सरकार, सार्वजनिक उद्यम विभाग (डीपीई) द्वारा जारी किए गए दिशा-निर्देशों के अधीन निर्धारित अपेक्षाओं को ध्यान में रखते हुए, निर्वहनियता विकास के लिए एक नीति निर्धारित की है । बीईएल की निर्वहनियता विकास नीति की महत्वपूर्ण विशेषताएँ कंपनी की वेबसाइट www.bel-india.com पर उपलब्ध हैं ।

कंपनी की पर्यावरण प्रबंधन तथा निर्वहनियता विकास प्रयासों की सामान्य सूचना निम्नलिखित अनुच्छेदों में दी गई है ।

स्वच्छतर प्रौद्योगिकी

प्रदूषण की रोकथाम के लिए विनिर्माण प्रक्रियाओं में स्वच्छतर प्रौद्योगिकी अवधारणाएँ स्वीकृत की जाती है। हमारे अनुसंधान एवं विकास विभाग पर्यावरण हितैषी घटकों तथा प्रक्रियाओं पर हमेशा ध्यान देते हैं । कंपनी के कार्पोरेट मानक विभाग ने पर्यावरण-हितैषी सामग्रियों, घटकों और विनिर्माण प्रक्रियाओं से संबंधित ऐसे अनेक दिशा-निर्देश प्रकाशित किए हैं जिनका पालन संपूर्ण कंपनी में प्रयोग किए जाने वाले अभिकल्पों में किया जाना है। कार्पोरेट मानक ने पहले ही यूरोपीय तथा अन्य अंतर्राष्ट्रीय निर्देशों के अनुरूप अनेक आरओएचएस (कुछ हानिकारक पदार्थों का निषेध) मदों का मानकीकरण प्रस्तुत किया है। पिछले कई वर्षों से किए गए अपने प्रयासों को जारी रखते हुए, इंडक्टर / एलईडी / कनेक्टर / रिले / माइक्रोसर्किट तथा माइक्रोवेव घटकों जैसे क्षेत्रों को सम्मिलित करते हुए बीस नए आरओएचएस अनुरूपी घटक का निर्माण प्रारंभ किया है।

बीईएल समझता है कि प्रदूषण की रोकथाम स्रोत से शुरू होती है। इसे ध्यान में रखते हुए वर्तमान प्रक्रियाओं में कई सुधार और संशोधन किए गए हैं। पीसीबी विनिर्माण और धातु परिष्करण प्रक्रियाओं, कम धुएं वाले हलोजन केबल्स, कम वीओसी धातु परिष्करण संचालन (पाली यूरेथेन) में आर ओ एच एस अनुरूप प्रक्रियाको शुरू किया गया है और डिग्रिसिंग प्रक्रिया में ट्राइक्लोरोथिलीन की जगह वैकल्पिक रसायन का उपयोग किया गया है । नेवल सिस्टम इलेक्ट्रोनिकप्लेटिंग शॉप में साइनाइड मुक्त चांदी और तांबे की प्लेटिंग , केन्द्रीय फेब्रिकेशन फेसिल्टी विभाग में डिग्रिसिंग के लिए टीसीई की जगह "स्वच्छ सुरक्षित 585" (क्लीन एंड सेफ 585) कंपाउंड की शुरुआत, ई एम एसबीयू में मिश्रित गैसिन ब्रेज़िंग प्रक्रिया के लिए सूखी हाइड्रोजन गैस को बदलना , बैंगलोर परिसर में और ब्रज विहार कॉलनी गाजियाबाद पाइप्ड प्राकृतिक गैस(पी एन जी) की शुरूआत ।

वायु में उत्सर्जन

यद्यपि इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों के निर्माण में प्रयुक्त रसायन कम प्रदूषण पैदा करते हैं फिर भी वायु प्रदूषण नियंत्रण उपस्करों के माध्यम से निर्माण प्रक्रियाओं से उत्सर्जित वायु को समुचित रूप से नियंत्रित किया जाता है । इसके फलस्वरूप कारखाने के भीतर विभिन्न स्थलों में मापी गई परिवेशी वायु की गुणता साबित हो जाती है । इसके अलावा कार्यस्थल पर सोल्डर्स फ्यूम के लिए प्लेटिंग बाथ व चूषण फ़िल्टर के लिए भी प्रदूषण नियंत्रण उपस्करों का प्रावधान किया गया है। वर्तमान लघु उपस्कर पेंट बूथ्स के अलावा अत्यधिक बडे वाहनों के पेंटिंग के लिए माँजन सुविधा के साथ सक्षम नमीयुक्त पेंट बूथ्स का सृजन किया गया है। वायुमंडल पेंटिंग के लिए नौसेना प्रणाली में पेश किया गया अतिरिक्त पानी रगड़ जो कि रंग कण को वायुमंडल से बचने को अवशोषित करता है।

जल प्रदूषण

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मानदंडों को का पालन करते हुए विनिर्माण प्रक्रिया के दौरान उत्पन्न अवशिष्ट जल का उपचार किया जाता है । बीईएल ने पुनरुपयोग मानकों को पूरा करने के लिए इनसे एक कदम आगे बढ़कर कार्य किया है और पुनरुत्पादन के प्रयोजनों के लिए जल का पुनर्चक्रण किया है । ऐसे ही, कारखानों में उत्पन्न बहिस्रावों का उपचार किया जाता है तथा बागवानी के लिए उसका उपयोग किया जाता है। उपचारित प्रदूषित पानी के अलावा बेंगलूर जल वितरण व मल निकासी बोर्ड (बीडब्ल्यूएसएसबी) क़े तीसरी श्रेणी के उपचारित मल के 1 एमएलडी के प्रापण से बागवानी अनुप्रयोग के लिए 1 एमएलडी स्वच्छ जल की बचत की गई है।

हानिकारक अवशिष्ट प्रबंधन

हानिकारक अवशिष्टों के संबंध में घटाव, पुनः उपयोग व पुनर्चक्रण की पद्धति का अनुपालन किया जाता है। संसाधन स्तर पर ही समुचित रासायनिक द्वारा अवशिष्ट जल के विषहरण एवं सफ़ाई प्रौद्योगिकी द्वारा हानिकारक अवशिष्टों का प्रजनन कम करते हुए उसका सृजन कम कर दिया गया है। इसके अलावा, सायनाइड-मुक्त जस्ते और ताम्र लेपन प्रक्रियाओं, चूना, ब्लीचिंग पाउडर तथा फेरस सल्फेट के स्थान पर सोडियम हाइड्राइड, सोडियम हाइपोक्लोराइड तथा सोडियम मेटाबाइसल्फेट का प्रयोग किए जाने से बड़ी मात्रा में हानिकारक अवशिष्ट कम करने में सहायता मिली है । आईपीए वसूली प्रणाली भी शुरू की गई है जिसके द्वारा पीढ़ी के खतरनाक कचरे को कम किया गया है। फोटो रेसिस्ट लमिनेशन में प्रक्रिया में परिवर्तन हेतु फोटो प्रतिरोध की सामग्री को 5-10% तक कम करता है। हानिकारक अवशिष्टों का निपटारा वैज्ञानिक ढंग से किया जाता है । बीईएल ने हानिकारक अवशिष्टों को सुरक्षित संग्रहण के लिए एक अनय, अत्यंत सुरक्षित स्थान का निर्माण करते हुए हानिकारक अवशिष्टों के निवारण प्रणाली संस्थापित की है। बीईएल ने भूमि में सामने योग्य ठोस हानिकारक अवशिष्टों के निपटान के लिए राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड - "उपचार, भंडारण एवं निपटान सुविधा" के प्रचालनों के साथ समझौता किया है ।

पुन:चक्रण किए जाने वाले अवशिष्टों को उनके वैज्ञानिक संसाधन एवं पुन:चक्रम हेतु प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा प्राधिकृत एजेंसियों को सौंपा जाता है। यह प्रणाली प्रभावी ढंग से हानिकारक अवशिष्टों द्वारा प्रजनित प्रदूषण रोकती है ।

ई-अवशिष्ट प्रबंधन

उत्पादों के निर्माण के दौरान उत्पन्न ई-कचरे को उत्पादक के रूप में वैज्ञानिक प्रक्रिया और रीसाइक्लिंग के लिए प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की अधिकृत एजेंसियों को सौंप दिया जाता है। कंप्यूटर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक्स वस्तुओं जैसे ई-कचरे को जिसका जीवनचक्र समाप्त हो गया है वैज्ञानिक प्रक्रिया और रीसाइक्लिंग के लिए प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकृत एजेंसियों को सौंप दिया जाता है। ऐसे ई-कचरा उत्पाद जिनके वन समाप्त हो गया है जैसे इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनें वापस एकत्रित की जाती हैं और उत्पाद को खत्म(डिसमेंटलिंग) करने के बाद, एक विस्तृत उत्पादक जिम्मेदारी के रूप में ई-कचरे को प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के लिए अधिकृत एजेंसियों को वैज्ञानिक प्रक्रियायों और रीसाइक्लिंग के लिए भेजा जाता है। इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों के उपयोगकर्तायों इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों के उपयोग के बाद ई-कचरे के सुरक्षित निपटान के लिए हैंडलिंग और निपटान के दिशा-निर्देशों के साथ प्रदान किए जाते हैं।

जैव-चिकित्सा अवशिष्ट प्रबंधन

बीईएल अस्पताल तथा चिकित्सा केन्द्रों में सृजित जैव-चिकित्सा अवशिष्टों के संग्रहण के बाद विनियामक दिशा-निर्देशों के अनुसार वैज्ञानिक ढंग से निपटान किया जाता है ।

घनाकार अवशिष्ट प्रबंधन

बीईएल बंगलौर परिसर में एसबीयू ने अपशिष्ट पृथक्करण स्रोत पर शुरू किया है । बीईएल ने सार्वजनिक ठोस अपशिष्ट के वैज्ञानिक निपटान की सुविधा हेतु स्रोत पर उत्पन्न अपशिष्ट के पृथक्करण के लिए एक प्रणाली की स्थापना की है। सार्वजनिक ठोस अपशिष्ट को जैव-मेथानिज़ेशन योजना के उपयोग के अलावा खाद में बदलने के लिए जैव अपशिष्ट कनवर्टर पुर:स्थापित किया गया । गड्डे भरने वाले(लैंडफिल) अपशिष्ट को बेंगलुरु में सुस्थापित एक ठोस अपशिष्ट उपचार सुविधा के लिए भेजा जा रहा है। कचरे को कम करने, रीसायकल करने और पुन: उपयोग करने का एक ठोस प्रयास है ताकि पेपर और प्लास्टिक का पुनर्नवीनीकरण किया जा सके और लैंडफिल को भेजने के बजाय पुन: उपयोग किया जा सके। बीईएल मेसर्स आईटी वेल्थ आउट ऑफ वेस्ट स्कीम (डब्ल्यू ओ डब्ल्यू) के साथ पेपर और प्लास्टिक कचरे के पुनर्चक्रण में भाग ले रहा है। इसका परिणाम 350470 किलोग्राम पेपर के रीसाइक्लिंग में हुआ है जिससे 7710 पेडों, ऊर्जा की 157712 इकाइयों और 9112 किलोमीटर पानी, 315 मीट्रिक टन कार्बन डाइक्साइड , 386 मी 3 भूमि भराव क्षेत्र की बचत हुई है । पीवीडी में ईपीएस पैकेजिंग (थर्मो कोल) को खत्म करने के लिए पर्यावरण के अनुकूल मधुकोश पर आधारित कागज पैकिंग सामग्री भी शुरू की गई है।

प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण -

सीएफएफ़ डिवीजन में रासायनिक ब्लैकिंग के लिए अप्रामुल निष्क्रियकरण 25% पानी और 40% रासायनिक खपत को कम करने के लिए संशोधित किया। स्वचालित ब्लैक ऑक्साइड कोटिंग प्लांट में सोलनॉइड वाल्व के उपयोग से (एमडी) पानी का नियंत्रण कर पीसीबी में 50% की खपत कम की गई । पीसीबी विभाग में फाल्स सीलिंग की ऊंचाई में 5 फीट की कमी से एयर कंडीशनरों की बिजली खपत 20% तक कम हो गई । बीईएल-गाजियाबाद में बिल्डिंग मैनेजमेंट सिस्टम के माध्यम से सेंट्रल एसी प्लांट के स्वचालन द्वारा नियंत्रण और निगरानी द्वारा पानी की खपत तथा ऊर्जा की गई सीएफएफ डिवीजन में दो अर्ध स्वचालित चढ़ाना संयंत्र (इलेक्ट्रोलाइटिक गोल्ड प्लेटिंग प्लांट और इलेक्ट्रोलिस निकेल प्लेटिंग प्लांट) के लिए साफ पानी के उपयोग में 20% कमी हुई । बीईएल-गाजियाबाद में रॉ रिजेक्ट की 90% लाभ के लिए जल रिकवरी संयंत्र है ।

कार्यस्थल पर आपात योजना एवं प्रणालियाँ

संयंत्र स्तर पर और कार्यस्थल पर आपातकालीन तैयारी तथा प्रतिक्रिया योजनाएँ विद्यमान हैं जिन्हें जोखिम मूल्यांकन, जोखिम घटाव तथा आपात प्रतिक्रिया को सम्मिलित करते हुए एक संस्थागत बहु-प्रकार्यक टीम का समेकीकरण किया गया है । निम्न कार्यों के साथ-साथ प्रत्येक कार्यनीतिक व्यापार समूह द्वारा आपातकलीन योजना के अधीन सावधिक मॉक ड्रिल्स आयोजित किए जाते हैं -

1. कार्य दल व सुधारण टीम
2. अग्निशमन टीम
3. सुरक्षा टीम
4. परिवहन टीम
5. प्रथमोपचार व चिकित्सा टीम

संस्था के उच्च अधिकारियों के द्वारा योजना का अनुवीक्षण करते समय मॉक ड्रिल अभ्यास के सुधारण के लिए विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

यदि कोई दोर्घटना हो तो तुरंत घटना नियंत्रक दुर्घटना-स्थल पर पहुँच जाते हैं तथा बचाव टीमों के साथ मिलकर कार्य करते हुए सामान्य स्थिति बहाल करने के उपाय करते हैं ।

जल प्रबंधन

कंपनी ने जल संपरीक्षा द्वारा जल संरक्षण के उपाय प्राप्त किया है। जल संरक्षण के लिए मांग के आधार पर जल वितरण के लिए जल वितरण एव बोरवेल जल आहारण प्रणाली का स्वचालन, जल टंकियों के लिए स्तर नियंत्रक, सक्षम डिश वाशिंग प्रणाली तथा वायु निर्गम के साथ जमे हुए जल का उपायोग जैसे विभिन्न जल संरक्षण उपाय क्रियान्वित किए गए हैं। इन जल संरक्षण उपायों से प्रति वर्ष जल उपभोग में निरंतर कमी आ रही है। वर्षाजल संग्रहण तथा बोरवेलों के नव पुनर्भरण से बहते हुए जल का संग्रहण तथा भूजल स्तर के पुनर्भरण के लिए कंपनी सक्षम रही है । बेंगलूर

यूनिट में विशाल वर्षाजल संग्रहण जलाशय की क्षमता 170 मिलियन लीटर है जिससे अपेक्षित वार्षिक प्राप्ति लगभग 234 मिलियन लिटर है । विगत वर्ष 760 मिलियन लिटर वर्षाजल संग्रहण किया गया जो सीधे विखनिज जल तैयार करने के लिए प्रयुक्त होता है। इसके अतिरिक्त, गैस संयंत्र में संस्थापित रिवर्स ओस्मोसिस (आर.ओ.) रीसाइक्लिंग से प्रतिवर्ष लगभग 7200 एम3 जल संगृहीत किया गया।

निर्वहनिभयता विकास संबंधी पहल

बीईएल ने वातानुकूलन, वायु संपीडन, प्रकाश प्रबंधन प्रणाली, दिवसीय प्राकृतिक प्रकाश संग्रहण, कार्बन फुटप्रिंट तथा जल फुटप्रिंट के क्षेत्रों में धारणीय विकास परियोजनाएँ पूरी की हैं। समेकित प्राकृतिक आकलन (जीआरआईएचए) रेटिंग अनुपालन के लिए हरित रेटिंग प्राप्त करने के लिए सभी वर्तमान व आगामी नव भवन निर्माण में ग्रीन भवन अभिकल्पना समाकलित की गई है।

बीईएल ने प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षा के लिए सुव्यवस्थित प्रणाली संस्थापित की है। बिलली बचत, जल तथा हरित आवर्धन पर अधिक ध्यान दिया गया है तथा इस संबंध में अन्य कई पहल की गई है। बीईएल को 13.9 मेगावॉट पवन ऊर्जा संयंत्र और ग्रिड इंटरैक्टिव रूफ टॉप सौर पीवी पावर प्लांट 1030 किलोवाट मिला है। उपरोक्त पहल के कारण सीओ 2 उत्सर्जन टाल 3,0167 मीट्रिक टन है। 2016-17 के दौरान उत्पन्न कुल ग्रीन ऊर्जा 243 लाख यूनिट है । इसके अलावा अन्य नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों एचवीएसी स्वचालन, एलईडी पथ प्रकाश, 500 कि.वा. के टॉप सोलार पीवी संयंत्र, डाली आधारित प्रकाश प्रबंधन प्रणाली, स्टार रेटड स्प्लिट वातानुकूलित्र एवं ऊर्जा सक्षम ट्रांसफोर्मर्स समाहित है ।

स्वच्छ भारत की पहल -

गाजियाबाद, कोटद्वारा, नवी मुंबई में (सूखे पत्तों का प्राकृतिक खाद में रूपांतरण) मार्च 2017 में पूरा हो गया है और व्यय क्रमशः ₹ 4.2 लाख, ₹ 0.30 लाख और ₹ 0.25 लाख होगा। फैक्टरी में तीन कंपोस्ट पिट, चंदर नगर कॉलोनी में एक कंपोस्ट पिट , ब्रज विहार कॉलोनी में एक कंपोस्ट पिट हैं ।

त्वरित खाद

चेन्नै में तथा मछिलीपट्टनम में त्वरित कम्प्रस्टिंग (अपशिष्ट की मात्रा में कमी और कंपोस्टिंग समय में कमी के लिए यांत्रिक उपकरण का उपयोग) किया जा रहा है । चेन्नै ने 2017 जनवरी में व मछलीपट्टनम ने मार्च 2017 में यह परियोजना पूर्ण कर ली है । दोनों परियोजनायों पर होने वाला व्यय क्रमशः 75 लाख तथा 8.5 लाख है । चेन्नै में पते काटने की इकाई स्थापित की गयी है। कटी हुई पत्तियाँ प्राकृतिक खाद है तथा मछलीपट्टनम में अपशिष्ट कवर्टर स्थापित किया गया है । खाद बनने का समय 60 दिन (प्राकृतिक खाद) से 15 दिन घटाया जाएगा ।

कंपनी ने सभी नए भवनों के लिए दोहरी पाइप लाइन प्रणाली शुरू करने का निर्णय लिया है । गाजियाबाद तथा बैंगलोर में नए भवनों में दोहरी पाइप लाइन प्रणाली की शुरुआत की गयी है । गाजियाबाद में एम सी जी / सीएडीडीएस के उपांतरण तथा बैंगलोर में प्रशिक्षण केंद्र ,उत्पाद विकास एवं नवोन्मेष केंद्र (पी डी आई सी) में दोहरी पाइप लाइन प्रणाली दी गयी है ।

बारिश के पानी का संग्रहण

पुणे तथा बैंगलोर में वर्ष 2016-2017 में नए भवनों में वर्षा का जल संग्रहण बनाया गया है । पुणे में फ्यूज़ परियोजना के लिए रुफ टॉप हार्वेस्टिंग 31 दिसंबर को पूर्ण हो गई है । प्रशिक्षण केंद्र में 2700 स्क्वेयर मी. रुफ टॉप क्षेत्र है ,95% कार्य पूर्ण हो गया है । उत्पाद विकास एवं नवोन्मेष केंद्र (पीडीआईसी) में रुफ टॉप क्षेत्र 5400 स्क्वेयर मी है व परियोजना उन्नत चरण में है ।

पारिस्थितिकी धारणीयता

हम हमारे प्रवेश स्थल से ही पारिस्थितिकी धारणीयता, हरियाली की तरफ अपनी यात्रा प्रारंभ की जा सकती है। परिसरों में विभिन्न प्रजातियों के लगभग 1,30,000 पौधे लगाए गए हैं जो विभिन्न प्रकार के पक्षियों तथा अन्य जीवों का बसेरा है तथा फल-फूलों से भरे हुए हैं । खुले क्षेत्र भी हरे-भरे मैदान और झाड़ियों से आच्छादित हैं, परिसर में लगभग 3,74,000 वर्ग मीटर के मैदान और 23,000 मीटर के बाड़ का पोषण किया जाता है । यह हरा-भरा गलीचा धूल के फैलाव निरोध, गर्मी के अवशोषण, निम्न कार्बन सिंक तथा ताज़ा ऑक्सीजन मुक्त करने में सहायता प्रदान करता है । 170 एकड़ की ज़मीन पर फैले हुए घने हरे -भरे वृक्ष-समूह वृक्षारोपण के प्रति भारत इलेक्ट्रॉनिक्स की प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

बीईएल बेंगलूर काम्प्लेक्स ने 208 पेड़ों को प्रत्यारोपित करने का अभिनव कदम उठाया है जिन्हें अन्यथा काट दिया जाता । ये पेड़ अच्छी तरह उग रहे हैं । वर्ष 2016-17 के दौरान बीईएल ने अपने वनसंवर्धन के कार्यक्रम के तहत लगभग 4000 पेड़ों को रोपा है। हम अपने 685 एकर्स के हरित परिसर में 3,74,000 वर्ग मीटर लॉन एरिया तथा 23,000 मीटर्स बाड़ और 1,30,000 पेड़ों का संरक्षण कर रहे हैं। डीएसआईसी-पलसमुद्रम के लिए लगभग 50,000 पेड़ों की विशाल वृक्षारोपण अभियान किया गया है । भविष्य में वृक्षारोपण उच्च ऑक्सीजन उत्पन्न करने वाले वृक्ष के साथ-साथ देशी प्रजातियां भी होंगे जो स्थानीय जैव विविधता का पोषण करते हैं ।

ओएचएसएएस 18001(2007)

बीईएल अपने कार्यबल की भलाई का भी ध्यान रखती है । निर्माण प्रभाग व्यावसायिक एवं संरक्षा संबंधी अपेक्षाएँ पूरी करने के लिए ओएचएसएएस 18001(2007) के दिशा-निर्देशों का कार्यान्वयन करते हैं ।

संलग्नक 8

कारोबार उत्तरदायित्व रिपोर्ट

भाग-क - कंपनी के बारे में सामान्य जानकारी

1.	कंपनी की कार्पोरेट पहचान संख्या (सीआईएन)	:	L32309KA1954GOI000787
2.	कंपनी का नाम	:	भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड
3.	पंजीकृत पता	:	आउटर रिंग रोड, नागवारा बेंगलूरु - 560045
4.	वेबसाइट	:	www.bel-india.com
5.	ई-मेल आईडी	:	secretary@bel.co.in
6.	रिपोर्टाधीन वित्तीय वर्ष	:	2016-17
7.	कंपनी का कार्यक्षेत्र (कूडवार औद्योगिक सक्रियता)	:	रेडार एवं संचार उपस्कर इलेक्ट्रो-ऑप्टिक उपस्कर इलेक्ट्रॉनिक घटक

8. कंपनी के उत्पाद-निर्माण से संबंधित तीन महत्वपूर्ण उत्पाद /सेवाएँ (तुलन-पत्र के अनुसार)

   i. रडार्स
   ii. संचार ट्रांसमीटर्स-सह-रिसीवर
   iii. इलेक्ट्रो-ऑप्टिक उत्पाद

9. कंपनी के व्यापारिक कार्यकलाप स्थानों की कुल संख्या -

   i. अंतरराष्ट्रीय स्थानों की संख्या (प्रमुख 5 स्थलों का विवरण प्रदान करें)
   समुद्रपारीय कार्यालय - न्यू यॉर्क (यूएसए) तथा सिंगापूर

   ii. राष्ट्रीय स्थानों की संख्या -
   निर्माण यूनिटें - बेंगलुरु (कर्नाटक), गाज़ियाबाद (उत्तर प्रदेश), पंचकुला (हरियाणा), कोटद्वार (उत्तराखंड), पुणे और नवी मुंबई (महाराष्ट्र), हैदराबाद और मचिलिपट्टणम (आंध्र प्रदेश) तथा चेन्नै (तमिलनाडु)

   क्षेत्रीय / विपणन कार्यालय - नई दिल्ली, मुंबई, कोलकाता एवं विशाखापट्टणम

10. कंपनी द्वार सेवाप्रदत्त बाज़ार - स्थानीय / राज्य स्तरीय / राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय -

    राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय

भाग-ख - कंपनी के वित्तीय विवरण

1. प्रदत्त पूँजी (आईएनआर) : ₹ 22,336 लाख
2. कुल विक्रयावर्त (आईएनआर) : ₹ 882,470 लाख
3. कर पश्चात् कुल लाभ (आईएनआर) : ₹ 154,762 लाख
4. कर पश्चात् लाभ के प्रतिशत (%) रूप में निगमित सामाजिक दायित्व (सीएसआर) पर कुल व्यय (पृथकित रकम सहित) - कंपनी के द्वारा तुरंत वित्तीय वर्ष के पहले तीन के दौरान 2% का औसत निवल लाभ किया गया है । सीएसआर गतिविधियों के लिए अनुलग्नक -2 पर और टिप्पणी - 30 (18) के लेखों के लिए टिप्पणी देखें।
5. मद सं. 4 से संबंधित व्यय की गतिविधियों की सूची - (सीएसआर गतिविधियों के लिए संलग्नक - 2 देखें)

भाग ग - अन्य विवरण

1. क्या कंपनी की कोई सहायक कंपनी है/कंपनियाँ हैं ?

   जी हाँ ।

   i. बीईएल ऑप्ट्रॉनिक डिवाइसेस लि., पुणे
   ii. बीईएल- थालीस सिस्टम लि., बेंगलूर

2. क्या सहायक कंपनी/कंपनियाँ मूल कंपनी के बीआर संबंधी पहलों में भाग लेती है/हैं? यदि हाँ, तो ऐसी सहायक कंपनी/कंपनियों की संख्या बताएँ ।

   जी नहीं,

3. क्या ऐसा अन्य कोई स्वत्व है (जैसे आपूर्तिकर्ता, वितरक आदि) जिनके साथ कंपनी व्यापार करती है, कंपनी के बी.आर. संबंधी पहलों में भाग लेते हैं? यदि हाँ, तो ऐसे स्वत्व/स्वत्वों का प्रतिशत बताएँ [30% से कम, 30-60%, 60% से अधिक]

   कंपनी में एक व्यवस्थापित प्रक्रिया द्वारा बाह्यस्रोतण संबंधी कार्यकलाप नियंत्रित होता है । चूँकि गुणता, सुपुर्दगी और लागत पर अत्यधिक महत्ता दी जाती है, कलंकरहित विक्रेताओं के चयन एवं संस्थापना में अत्यधिक ध्यान दिया जाता है । कंपनी में विक्रेता मूल्यांकन समिति गठित है और इस समिति के अधीन सक्षमता तथा आधारिक संरचना का मूल्यांकन, गुणता प्रत्यायन, पर्यावरणीय प्रमाणीकरण, विक्रेता-ग्राहक सूची तथा विक्रेता पंजीकरण, बैंकर के विवरण, विक्रेता प्रमाण-पत्र जैसे व्यापक गतिविधियाँ सम्मिलित हैं । निर्धारित शर्तों को पूरा करने वाले विक्रेताओं को ही कंपनी की अनुमोदित विक्रेता निर्देशिका (एवीडी) में शामिल किया जाता है ।

   क्रय आदेश में मानक निबंधन व शर्तों के अलावा, संरक्षा संचालन एवं पर्यावरण का अनुपालन भी स्पष्टतया विनिर्दिष्ट है । कंपनी ने पारदर्शी एवं समुचित व्यापार पद्धति सुनिश्चित करने के लिए ई-प्रापण, विक्रेता को ई-भुगतान, निष्ठा-संधि आदि भी प्रारंभ किया है । विक्रेता रेटिंग प्रक्रिया के आधार पर, गुणता, लागत, सुपुर्दगी एवं कार्य-निष्पादन के संबंध में आपूर्तिकर्ताओं को प्रतिसूचना प्रदान की जाती है । संक्षेप में, एवीडी में उपलब्ध अधिकांश विक्रेता (60% से अधिक) व्यापार दायित्व के महत्वपूर्ण सिद्धांतों का अनुपालन करते हैं ।

भाग घ - बी.आर. संबंधी सूचना

1. बी.आर.के उत्तरदायी निदेशक/निदेशकों के विवरण -

क) बी.आर. नीति/नीतियों के कार्यान्वयन के लिए उत्तरदायी निदेशक/निदेशकों के विवरण

डीआईएन : 00058949
नाम : श्री आर एन बग्दलकर
पदनाम : निदेशक (मानव संसाधन)

ख) बी.आर. प्रमुख के विवरण

क्र. सं.	विवरण	ब्यौरे
1.	डीआईएन (यदि लागू हो)	07715648
2.	नाम	श्री आर एन बग्दलकर
3.	पदनाम	निदेशक (मानव संसाधन)
4.	टेलीफ़ोन नंबर	080-25039205
5.	ई-मेल आईडी	bagdalkarrn@bel.co.in

2. सिद्धांत-वार (एनवीजी के अनुसार) बीआर नीति / नीतियाँ (हाँ/नहीं में उत्तर दें)

क्र. सं.	प्रश्न	पी 1	पी 2	पी 3	पी 4	पी 5	पी 6	पी 7	पी 8	पी 9
1	क्या आपके यहाँ यह नीति / नीतियाँ हैं	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ
2	क्या संबंधित शेयरधारकों के साथ परामर्श से नीति बनाई जा रही है?	नीति सभी प्रकार्यात्मक क्षेत्रों को शामिल करते हुए गहन आंतरिक परामर्श के बाद बनाई गई है ।								
3	क्या यह नीति राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप है? यदि हाँ, तो स्पष्ट करें ।	यह नीति सूचीबद्ध अस्तित्वों के लिए बीआर रिपोर्ट पर सेबी के दिशा-निर्देशों तथा कार्पोरेट कार्य मंत्रालय के 'व्यापार के सामाजिक, पर्यावरण और आर्थिक दायित्वों पर राष्ट्रीय स्वैच्छिक दिशा-निर्देश' की पुष्टि करती है।								
4	क्या नीति का अनुमोदन मंडल द्वारा किया गया है ? यदि हाँ, तो क्या इस पर एमडी / स्वामी / सीईओ / समुचित निदेशक मंडल ने हस्ताक्षर किए हैं ?	यह नीति प्रबंधन द्वारा अनुमोदित है और संपूर्ण कंपनी में सभी स्तरों के कर्मचारियों द्वारा अनुपालन के लिए कार्यालय आदेश जारी किया गया है। जी हाँ (अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक से फाइल अनुमोदन प्राप्त किया गया है)								
5	क्या कंपनी में नीति के कार्यान्वयन का पर्यवेक्षण करने के लिए मंडल / निदेशक / अधिकारी की समिति विनिर्दिष्ट है?	जी हाँ, निदेशक (मानव संसाधन)								
6	ऑनलाइन द्वारा देखने के लिए नीति का लिंक सूचित करें	यह नीति कंपनी की वेबसाइट www.bel-india.com में 'निवेशकों के लिए सूचना' शीर्षक के अधीन डाली गई है ।								
7	क्या इस नीति के बारे में सभी संबंधित आंतरिक और बाहरी शेयरधारकों को औपचारिक रूप से सूचित किया गया है ?	जी हाँ, सभी आंतरिक शेयरधारकों को सूचित किया गया है ।								
8	क्या कंपनी में नीति / नीतियों को कार्यान्वित करने की संस्थागत संरचना मौजूद है ?	जी हाँ ।								
9	क्या कंपनी में पणधारकों की नीति / नीतियों संबंधी शिकायतें दूर करने के लिए नीति / नीतियों से संबंधित शिकायत निवारण व्यवस्था मौजूद है?	जी हाँ ।								
10	क्या कंपनी ने किसी बाहरी एजेंसी द्वारा इस नीति की स्वतंत्र लेखा परीक्षा / मूल्यांकन कराया है ?	जी हाँ, सीएसआर नीति, निवारक नीति, कार्यस्थल पर यौन-उत्पीडन के निरोध व प्रतिपूर्ति, व्हिसल ब्लोअर नीति, आचरण नियमावली का सावधिक पुनरीक्षण किया जाता है।								

2क. यदि किसी भी सिद्धांत के क्र.सं.1 के सामने का उत्तर 'नहीं' है, तो कारण बताएँ - (2 विकल्पों तक सही का चिह्न लगाएँ)

क्र. सं.	प्रश्न	पी 1	पी 2	पी 3	पी 4	पी 5	पी 6	पी 7	पी 8	पी 9
1.	कंपनी ने सिद्धांतों को नहीं समझा है	लागू नहीं है क्योंकि कंपनी ने सभी नौ सिद्धांतों के आधार पर नीति तैयार की है ।								
2.	कंपनी विनिर्दिष्ट सिद्धांतों पर नीतियों को संरचित कर कार्यान्वित करने की अवस्था में नहीं है									
3.	कंपनी में इस कार्य के लिए वित्त या जनशक्ति के संसाधन उपलब्ध नहीं हैं									
4.	अगले 6 महीनों के भीतर किए जाने की योजना है									
5.	अगले 1 वर्ष के भीतर किए जाने की योजना है									
6.	अन्य कोई कारण (कृपया उल्लेख करें)									

3. बी.आर. से संबंधित अभिशासन

- कंपनी के बीआर संबंधी कार्य-निष्पादन का मूल्यांकन करने के लिए निदेशक मंडल, मंडल की समिति या सीईओ के बैठक की आवृत्ति दर्शाएँ । 3 महीनों के भीतर, 3-6 महीने, वार्षिक, 1 वर्ष से अधिक?

  कंपनी ने जनवरी 2013 में बीआर रिपोर्ट पर अपनी नीति तैयार की है । प्रारंभिक वर्षों में इसके कार्यान्वयन की निगरानी के बाद अनुवर्ती वर्षों में बीआर संबंधी कार्य-निष्पादन की समीक्षा की जाएगी।

- क्या कंपनी द्वारा बी.आर या धारणीयता रिपोर्ट प्रकाशित की जाती है ? यह रिपोर्ट देखने के लिए हायपर लिंक क्या है? किस आवृत्ति पर इसे प्रकाशित किया जाता है ?
  जी हाँ, कंपनी द्वारा अपने वार्षिक प्रतिवेदन के भाग के रूप में बीआर रिपोर्ट एवं धारणीयता रिपोर्ट प्रकाशित की जाती है तथा यह रिपोर्ट कंपनी की वेबसाइट www.bel-india.com में "निवेशकों के लिए सूचना" शीर्षक के अधीन डाला जाता है ।

भाग ङ - सिद्धांत-वार कार्य-निष्पादन

सिद्धांत 1

1. क्या आचार-नीति, रिश्वत और भ्रष्टाचार संबंधी नीति केवल कंपनी पर ही समायोजित है? जी हाँ / नहीं; क्या यह समूह / संयुक्त उद्यमों / आपूर्तिकर्ताओं / ठेकेदारों / एनजीओ / अन्य तक विस्तारित की गई है?

   यह नीति कंपनी पर समायोजित है । इसके अतिरिक्त, कंपनी ने ₹ 500 लाख तथा इसके बाद सितंबर 2016 से ₹ 400 लाख का कम कर दिया गया इससे अधिक के मूल्य के सभी क्रय आदेशों / संविदा तथा सभी विक्रेताओं / आपूर्तिकर्ताओं / ठेकेदारों / सेवा प्रदाताओं के लिए निष्ठा संधि अपनाई है । इस संधि में यह अनिवार्यत: उल्लिखित है कि संविदा के किसी भी पहलू/अवस्था में किसी प्रकार की भ्रष्ट पद्धति का आश्रय न लेते हुए दोनों पक्षकारों के व्यक्तियों / अधिकारियों को प्रतिबद्ध करते हुए संभावित विक्रेताओं / बोलीकर्ताओं तथा कार्यालय प्रधान (बीईएल) के बीच एक करार किया जाएगा । केवल उक्त संधि के अधीन स्वयं प्रतिबद्ध करने वाले विक्रेता / बोलीकर्ता को ही कार्यालय प्रधान के साथ बोली की प्रक्रिया में भाग लेने के लिए सक्षम माना जाएगा । निष्ठा-संधि की किसी विशेष संविदा के संबंध में बोलियों के आमंत्रित करने की स्थिति से लेकर संविदा की समाप्ति तक वह प्रचालित रहेगी । इसमें किसी प्रकार का उल्लंघन होने पर बोलीकर्ताओं को अयोग्य घोषित तथा आगामी व्यापारिक संबंध से निष्कासित किया जाएगा।

2. विगत वित्तीय वर्ष में शेयरधारकों की कितनी शिकायतें प्राप्त की गई हैं और प्रबंधन द्वारा उनमें से कितना प्रतिशत संतोषजनक समाधान किया गया ? यदि हाँ, तो उसका विवरण प्रस्तुत करें ।

   निम्नलिखित सारणी में शिकायतों के समाधान के आँकडों का विवरण दिया गया है। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड प्रयोक्ता संतुष्टि स्तर के प्रोनयन के लिए निरंतर प्रयास करता रहता है। तदनुसार प्रभावी रूप से उत्पाद समर्थन समस्याओं के समाधान के लिए अनेक कदम उठाए गए हैं। कंपनी में समर्थन संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए उत्पाद समर्थन अनुवीक्षण ग्रूप की स्थापना की गई है। थल सेना, नौसेना तथा वायुसेना से संबंधित शिकायतों के अनुवीक्षण के लिए अपर महाप्रबंधक/ वरिष्ठ उप महाप्रबंधक स्तर के निष्ठावान अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। बेंगलुरु पर शिकायत पंजीकरण के लिए ग्राहक समन्वय प्रकोष्ठ की स्थापना की गई है। इंटरनेट द्वारा सेप संबद्ध सीआरएम मोड्यूल के साथ टॉल मुक्त बीएसएनएल/ एमटीएनएल नंबर के साथ यह सुविधा प्रदान की गई है। ग्राहक सम न्वय प्रकोष्ठ पर हमारे ग्राहक लॉग-ऑन कर सकते हैं तथा शिकायत दर्ज कर सकते हैं। पंजीकृत ग्राहक सीआरएम मोड्यूल द्वारा प्रदत्त एकल पहचान संख्या से शिकायत की प्रगति का ऑनलाइन ट्राकिंग कर सकता है। कॉल प्रजनक, शिकयतों की संक्षिप्त मासिक रिपोर्ट प्रबंधन को प्रस्तुत करते हैं।

   वित्तीय वर्ष 2016 -17 के दौरान प्राप्त शिकायतों का सारांश -

पांजीकृत शिकायतों की संख्या	समाधेय शिकायतों की संख्या	बकाया शिकायतों की संख्या
7030	6427 (91.40%)	603 (8.60%)

सिद्धांत 2

1. अपने अभिकल्प में सामाजिक या पर्यावरणिक मसलों, जोखिमों तथा / या सुअवसरों से संबंध 3 उत्पाद सूचीबद्ध करें।

   सामाजिक/पर्यावरणिक मसलों के समाधान के लिए निम्नलिखित उत्पादों का अभिकल्प किया गया है।

   i. वीवीपीएटी (मतदाता सत्यापनपत्र पेपर ऑडिट ट्रेल) - एमके2
   ii. एफपीएस स्वचालन हेतु पीओएस
   iii. आरएफ ट्यूनर

2. उत्पाद की प्रति इकाई (वैकल्पिक) संसाधन प्रयोग (ऊर्जा, जल, कच्चा माल आदि) से संबद्ध प्रत्येक उत्पाद के संबंध में निम्नलिखित विवरण प्रस्तुत करें -

   i. विगत वर्ष से स्रोतण/उत्पादन/संवितरण से संबद्ध मूल्य कड़ी से प्राप्त कटौती?
   ii. विगत वर्ष से उपभोक्ताओं द्वारा प्रयुक्त बिजली, पानी से संबद्ध प्राप्त कटौती?

   निर्माण प्रक्रिया स्थिर नहीं है तथा बहु-आयामी इलेक्ट्रॉनिक्स एकीकरण किया गया है, आईसीयों से लेकर रडार तक के निर्माण परिवर्तनीय है, प्रत्येक विशिष्ट की सूचना एकत्रित नहीं की गई है। इलेक्ट्रिकल ऊर्जा उपभोग के आधार पर इसका मापन किया गया है।

3. क्या कंपनी में धारणीय स्रोतण (परिवहन सहित) के लिए प्रक्रियाएँ विद्यमान हैं?

जी हाँ ।

i. यदि हाँ, तो आपके इनपुट्स का कितना प्रतिशत स्रोतण धारणीय रूप से किया गया? साथ ही, उसका विवरण भी प्रस्तुत करें ।

कंपनी की पर्यावरण नीति में प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण की व्यवस्था है । परिवहन के स्रोतण सहित उत्पाद एवं आधारिक संरचना के विकास कार्यकलापों के अभिकल्प से लेकर निपटान तक संपूर्ण कंपनी में इसका अनुसरण किया जा रहा है । ऊर्जा सक्षम उपस्करों के स्रोतण करने में उल्लेखनीय प्रयास किए गए हैं, ऊर्जा संरक्षण प्रोनयन के लिए ऊर्जा अक्षम उपस्करों के निर्धारण व प्रतिस्थापन का प्रयास भी किया जा रहा है। वर्ष के दौरान नवनिर्मित व अभिकल्पित उत्पाद समेकित प्राकृतिक आकलन (जीआरएचए) मानदंडों के हरित रेटिंग के अनुपालन में ऊर्जा सक्षम आधारित अभिकल्प पर निर्मित किए गए हैं

कंपनी ने विक्रेता चयन के लिए कडी चयन प्रक्रिया की व्यवस्था की है तथा धारणीय स्रोतण एवं पारस्परिक दीर्घकालीन अनुलाभ के उद्देश्य के साथ कंपनी की अनुमोदित आपूर्तिकर्ता निर्देशिका सम्मिलित की है। कंपनी गुणता, लागत व वितरण जैसे विभिन्न पैरामीटर्स के निष्पादन के नियमित अनुवीक्षण से अपने आपूर्तिकर्ताओं को प्रतिसूचना देती है। धारणीय स्रोतण सुनिश्चित करने तथा विक्रेताओं की समस्याओं के समाधान के लिए नियमित विक्रेता बैठक आयोजित करती है। कंपनी की प्रतिच्छाया, नैतिक व पारदर्शी व्यापार प्रयत्न, विक्रेताओं के साथ उत्तम संबंध आदि धारणीयता के स्रोतण सुनिश्चित करते हैं।

4. क्या कंपनी ने अपने कार्यस्थल के समीपस्थ समुदायों सहित, स्थानीय एवं लघु-उत्पादकों से माल तथा सेवाएँ प्राप्त करने के लिए कोई कदम उठाया है?

बीईएल प्राथमिक रूप से रक्षा ज़रूरतों के साथ-साथ चयनित गैर-रक्षा बाज़ारों के लिए भी सामरिक इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों / प्रणालियों के अभिकल्प, निर्माण और आपूर्ति में कार्यनिरत है । इसके कुल विक्रयावर्त का लगभग दो-तिहाई भाग स्वदेश में विकसित उत्पादों से सृजित होता है । स्वदेशीकरण के अंश के प्रवर्धन तथा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से, बीईएल ऐसी विभिन्न मदों और सेवाओं का बाह्यस्रोतण कर रही है जो रक्षा बलों के लिए उत्पादों की आपूर्ति हेतु आवश्यक है । इलेक्ट्रॉनिक घटक एवं उप-प्रणालियाँ, यांत्रिक वस्तुएँ, तार तथा केबल, रसायन एवं पेंट, पीसीबी संयोजन, फास्टनर, असंस्कृत सामग्रियाँ, प्लास्टिक वस्तुएँ, कार्यालय के फर्नीचर, हस्त औजार, संस्थापना और कार्यारंभ, वार्षिक अनुरक्षण संविदा सेवाएँ जैसे सामान्य इनपुट सामग्रियाँ एमएसएमई से खरीदी जाती हैं। कंपनी प्रापण के लिए उत्पाद व आपूर्तिकर्ता के विनिर्धारण के लिए एमएसएमई द्वारा आयोजित वार्षिक सम्मेलन एवं कार्यशालाओं में भाग लेती है।

इसके अलावा, बेंगलुरु में बीईएल के अधीन लघु उद्यमियों के स्वामित्व में 16 आनुशंगिक यूनिट्स भी हैं। उत्पादन के विभिन्न क्षेत्रों में लघु उद्योगों के प्रोत्साहन हेतु इन आनुषंगिक यूनिटों की स्थापना की गई है। आनुषंगिक यूनिटों द्वारा निर्मित उत्पादों में कास्टिंग्स, कोम्पोसाइट्स, कैबल हारनेस, कोइल्स व ट्रांसफ़ोर्मर्स, संचार उपकरण, इलेक्ट्रॉनिक टेस्टिंग सिस्टम्स, स्वदेशी रक्षा उपाद, औद्योगिक टेलरिंग, पवर वितरक व यूपीएस, रबड एवं प्लास्टिक उत्पाद, शीट मेटल उत्पाद, सौरोर्ज उत्पाद, परंपरागत स्टेनलेस स्टील उत्पाद तथा ट्राफिक संकेत सिस्टम सम्मिलित हैं।

सेवाओं में प्रगत वेल्डिंग, इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों के संयोजन व परीक्षण, सीएनसी मशीनिंग, इलेक्ट्रो प्लेटिंग, रक्षा उत्पादों का स्वदेशीकरण, पेंटिंग व कोटिंग, उत्पाद सुधारण तथा शीट मेटल फ़ेब्रिकेशन सम्मिलित हैं। डिज़ाइन सेवाओं में संचार, उपकरण, कोम्पोसाइट्स, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, मशीन डिज़ाइनिंग, रबड एवं प्लास्टिक उत्पाद, शीट मेटल उत्पाद, शेल्टर व मैनपैक्स, सौरोर्ज उत्पाद, टूल्स व जिग्स सम्मिलित हैं।

यदि हाँ, तो स्थानीय एवं लघु विक्रेताओं की क्षमता व सक्षमता सुधारने के लिए कौन-से कदम उठाए गए हैं?

कंपनी संपूर्ण भारत में मानक घटक, सामग्रियां एवं उप-संविदा वस्तुएं प्रदान करने के लिए एमएसएमई सहित एवीडियों के प्रजनन, अद्यतनीकरण व अनुरक्षण करती है। इससे लघु व स्थानीय विक्रेताओं को कंपनी की आवश्यकाताओं के अनुसार अपनी क्षमता व सक्षमता सुधारते हुए कंपनी के प्राधिकृत विक्रेता के रूप में अर्हता

प्राप्त करने का समुचित अवसर प्राप्त होता है। संबंधित स्थानीय विक्रेताओं से वस्तुएँ प्राप्त करने के लिए सभी एसबीयू/ एकको द्वारा एवीडी का उल्लेख किया जाता है।

विक्रेताओं को अपनी क्षमता व सक्षमता बढ़ाने के लिए गुणता एवं वितरण रेटिंग सहित विक्रेता रेटिंग प्रक्रिया द्वारा उनका मूल्यांकन किया जाता है। इसके अलावा कंपनी ने मूल्यांकन के लिए क्षमता व सक्षमता सहित विभिन्न पैरामीटर्स पर कड़े मापदंड अपनाया है। विक्रेताओं की वार्षिक बैठक में आपसी लाभ के लिए उपरोक्त विभिन्न समस्याओं का समाधान निकाला जाता है।

5. क्या कंपनी में उत्पादों एवं अवशिष्टों के पुनःचक्रण की कोई व्यवस्था विद्यमान है? यदि हाँ, तो उत्पादों तथा अवशिष्टों के पुनःचक्रण का प्रतिशत क्या है (अलग-अलग ऐसा दर्शाएँ <5%, 5-10%, >10%) । साथ ही, संबंधित विवरण भी प्रस्तुत करें ।

कंपनी अपने उत्पादों का पुनःचक्रण नहीं करती चूँकि अधिकांश उत्पादों का प्रयोग सामरिक/राष्ट्रीय सुरक्षा अनुप्रयोग के लिए किया जाता है । ग्राहकों को सौंपने के बाद उत्पाद कंपनी के पास वापस नहीं आते।

संबंधित प्रदूषण नियंत्रण अनुमोदित अनुमोदित प्राधिकृत पुनःचक्रण करने वालों / हैंडल करने वालों के माध्यम से उत्पाद / उपस्करों के निर्माण के दौरान सृजित अवशिष्ट को चैनलीकृत करने के लिए कंपनी में सुस्थापित प्रणाली विद्यमान है । धातु के अपशिष्ट, प्रयुक्त तेल, विलेयक एवं टंकित तांबे के संपूर्ण (100%) पुनः चक्रण तथा पुनःप्रप्ति के लिए प्राधिकृत पुनःचक्रण करने वालों को भेजा जाता है। इसके अलावा बचे हुए खाद्य अवशिष्ट बयोगैस संयंत्र में बयोगैस प्रजनन के लिए प्रयुक्त होता है ।

विनिर्माण के दौरान सृजित अवशिष्ट जल का उपचार किया जाता है तथा पूर्णतया (100%) पुनःचक्रित जल उत्पादन के प्रयोजनार्थ प्रयुक्त होता है।

सिद्धांत 3

1. कृपया कुल कर्मचारियों की संख्या बताएँ : 9716
2. कृपया अस्थाई/संविधाधीन/आकस्मिक आधार पर नियुक्त कर्मचारियों की कुल संख्या बताएँ : 4,600
3. कृपया स्थाई महिला कर्मचारियों की संख्या बताएँ : 2,028
4. कृपया स्थाई विकलांग कर्मचारियों की संख्या बताए : 238
5. क्या आपकी कंपनी में प्रबंधन द्वारा मान्यता-प्रदत्त कर्मचारी संगठन है ? : जी हाँ
6. आपकी कंपनी के स्थाई कर्मचारियों में से कितने प्रतिशत कर्मचारी इस मान्यता-प्राप्त कर्मचारी संगठन के सदस्य हैं? : 91.12%
7. कृपया विगत वित्तीय वर्ष में बाल श्रम, बलात् श्रम, अनैच्छिक श्रम, यौन-उत्पीड़न संबधी शिकायतों की संख्या तथा वित्तीय वर्ष के अंत में लंबित शिकायतों की संख्या बताएँ ।

क्र.सं.	श्रेणी	वित्तीय वर्ष के दौरान दर्ज शिकायतों की सं.	वित्तीय वर्ष के अंत में लंबित शिकायतों की सं.
1.	बाल श्रमिक / बलात् श्रम / अनैच्छिक श्रम	शून्य	शून्य
2.	यौन उत्पीड़न	02	01
3.	भेदभावपूर्ण नियोजन	शून्य	शून्य

8. नीचे उल्लिखित कर्मचारियों में से कितने प्रतिशत कर्मचारियों को विगत वर्ष संरक्षा तथा कौशल-प्रोनयन प्रशिक्षण दिया गया?

क्र. सं.	श्रेणी	संरक्षा संबंधी पहलुओं पर प्रशिक्षित व्यक्तियों का %	कौशन-प्रोनयन पर प्रशिक्षित व्यक्तियों का %
1.	स्थाई कर्मचारी	19	39
2.	स्थाई महिला कर्मचारी	17	50
3.	अनियत / स्थाई / संविदाधीन कर्मचारी	29	05
4.	विकलांग कर्मचारी	21	27

सिद्धांत 4

1. क्या कंपनी ने अपने आंतरिक एवं बाहरी शेयरधारकों की माप की है? : हाँ

2. उपरोक्त में से, क्या कंपनी ने असुविधाग्रस्त, कमज़ोर तथा सीमांत शेयरधारकों का निर्धारण किया है? — हाँ
(i) अ.जा.कर्मचारियों
(ii) अक्षम व्यक्तियों
(iii) एवं महिला कर्मचारियों को

3. क्या असुविधाग्रस्त, कमज़ोर तथा सीमांत शेयरधारकों को नियोजित करने के लिए कंपनी द्वारा कोई विशिष्ट कदम उठाया है? यदि हाँ, तो संबंधित विवरण प्रस्तुत करें ।

अ.जा./अ.ज.जा. के कर्मचारियों एवं उनके बच्चों के लिए विशेष पहल - अ.जा. / अ.ज.जा. के कर्मचारियों के प्रतिभावान बच्चों को प्रोत्साहित करने तथा उन्हें वित्तीय सहायता प्रदान करने की दृष्टि से, प्रबंधन ने भूतपूर्व प्रधानमंत्री श्री जवाहरलाल नेहरू की स्मृति में एक छात्रवृत्ति शुरु की है ताकि वे आईटीआई प्रमाणित पाठ्यक्रम सहित डिप्लोमा / प्रमाणित पाठ्यक्रमों के अलावा व्यावसायिक पाठ्यक्रम पूरा कर सकें ।

अ.जा. / अ.ज.जा. के कर्मचारियों के अभिभावकों की पर्याप्त देखभाल प्राप्त न होने वाले या अपने घरों में पढ़ने के लिए पर्याप्त सुविधाएँ न मिलने वाले बच्चों के उत्थान के लिए बीईएल द्वारा एक अध्ययन केंद्र की स्थापना की गई । इसके लिए प्रबंधन द्वारा एक नए भवन का निर्माण किया गया है जिसमें कक्षाएँ, फर्नीचर, पुस्तकालय आदि जैसी सभी सुविधाएँ उपलब्ध हैं ।

इसके अतिरिक्त, अ.जा. / अ.ज.जा. के कर्मचारियों और उनके बच्चों के लिए प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं के लिए कोचिंग, कंप्यूटर प्रशिक्षण आदि जैसी विभिन्न सुविधाएँ भी प्रदान की गई हैं।

महिला कर्मचारियों के लिए विशेष पहल - बीईएल अपने महिला कर्मचारियों को "सरकारी क्षेत्र में महिलाएँ (विप्स)" के फोरम के द्वारा उन्हें विभिन्न गतिविधियों में भाग लेने, अंतर संव्यवहार तथा विचारों एवं समस्याओं के आदान-प्रदान का अवसर प्रदान करती है । यह फोरम महिला कर्मचारियों के बीच जागरूकता के सृजन और संगठन के भीतर स्वस्थ कार्यस्थलीय वातावरण पैदा करने का भी कार्य करता है ।

बीईएल महिला कर्मचारियों में स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता पैदा करने के लिए अनेक कार्यक्रम आयोजित करती आ रही है । अन्य अस्पतालों के समन्वयन से निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच संचालित किए जाते हैं । इसके अलावा, पोषण, आहार, जीवन-शैली प्रबंधन आदि पर जागरूककता पैदा करने के लिए भी कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं ।

विकलांग कर्मचारियों के लिए विशेष पहल - बीईएल विकलांग कर्मचारियों के लिए विशेष भत्ते और सुविधाएँ प्रदान करती है जिनमें निःशुल्क परिवहन, शारीरिक रूप से विकलांग कर्मचारी जो कंपनी के परिवहन का प्रयोग नहीं करते, उनके लिए वाहन भत्ता, विकलांग व्यक्तियों के आने-जाने के लिए कारखाने के भीतर विशेष रैम्प, विशेष शौचालय, उपस्थिति दर्ज करने के लिए अनुग्रह समय, कार्य स्थल तक वाहनों के ले जाने की अनुमति आदि सम्मिलित हैं । अस्थि संबंधी विकलांग, श्रवण तथा दृष्टिबाधित व्यक्तियों के लिए श्रवण यंत्र, कैलीपर, एल्युमिनियम की फोल्डिंग स्टिक आदि जैसे उपकरण भी प्रदान किए जाते हैं ।

सिद्धांत 5

1. क्या कंपनी की मानवाधिकार नीति केवल कंपनी तक सीमित है या यह समूह / संयुक्त उद्यम / आपूर्तिकर्ताओं / संविदाकारों / एनजीओ / अन्य तक भी विस्तारित है?

बीईएल में प्रयुक्त सभी नीतियों, प्रणालियों और प्रक्रियाओं में मानवाधिकार सम्मिलित किए गए हैं। इसलिए आपूर्तिकर्ताओं / संविदाकारों / एनजीओ तथा अन्य लोगों के साथ कंपनी की सभी नीतियों, अंतरव्यवहार तथा व्यापारिक उद्यमों (सामूहिक/संयुक्त) में मानवाधिकार आधारभूत विषय-वस्तु है। ऐसे, बीईएल के सभी व्यापारिक प्रक्रियाओं में मानवाधिकारों के प्रति आदर एक अहस्तातंरणीय पहलू है और इसमें बीईएल के व्यापारिक कार्यकलापों का संपूर्ण परिदृश्य सम्मिलित होता है।

2. विगत वित्तीय वर्ष के दौरान शेयरधारकों की कितनी शिकायतें प्राप्त हुई हैं तथा उनमें से प्रबंधन द्वारा कितना प्रतिशत संतोषजनक समाधान दिया गया? - शून्य

सिद्धांत 6

1. क्या सिद्धांत 6 से संबंधित कंपनी की नीति केवल कंपनी तक सीमित है या यह समूह / संयुक्त उद्यम / आपूर्तिकर्ताओं / संविदाकारों / एनजीओ / अन्य तक भी विस्तारित है?

कंपनी तक सीमित है । इसके अतिरिक्त, कंपनी अपने उत्पादों के प्रयोग के दौरान पर्यावरण पर न्यूनतम प्रभाव के लिए पर्यावरण प्रबंधन में ग्राहक की जागरूकता को बढ़ावा देती है । कंपनी अभिकल्प से लेकर निपटान तक पर्यावरण हितैषी प्रक्रियाओं के विकास हेतु अपने व्यापारिक सहयोगियों/विक्रेताओं/संविदाकारों को जागरूक करते हुए उन्हें प्रोत्साहित करती है ।

2. क्या मौसम परिवर्तन, भूमंडलीय ऊष्मीकरण जैसे वैश्विक पर्यावरण समस्याओं के समाधान के लिए कंपनी में रणनीतियाँ/पहल उपलब्ध हैं? हाँ / नहीं

जी हाँ, कंपनी ऊर्जा प्रभावी चिल्लरों, प्रकाश व्यवस्था प्रबंधन प्रणाली, भवन प्रबंधन प्रणालियों जैसे ऊर्जा संरक्षण के उपायों के द्वारा मौसम परिवर्तन, भूमंडलीय ऊष्मीकरण जैसी समस्याओं का समाधान करती है। ऊर्जा प्रजनन एवं सीमित उपभोग के लिए वायु ऊर्जा व सौरोर्ज जैसे नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के उपयोग का उत्साह भी है।

3. क्या कंपनी संभावित पर्यावरणीय जोखिमों पहचानती है? हाँ / नहीं

जी हाँ, यह आईएसओ 140001 मानक के आधार पर सुस्थापित पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली का भाग है।

4. क्या कंपनी में स्वच्छता विकास प्रक्रिया संबंधी कोई परियोजना है? यदि हाँ, तो उसके विवरण प्रस्तुत करें । यदि हाँ, तो क्या कोई पर्यावरणीय अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत की गई है?

जी हाँ, कर्नाटक राज्य के दावणगेरे में 2.5 मे.वा. एवं 8.4 मे.वा. क्षमता तथा हासन में 3 मे.वा. क्षमता की पवन चक्की के माध्यम से पवन ऊर्जा (हरित ऊर्जा) का सृजन किया जा रहा है।

दावणगेरे एवं हासन के पवन ऊर्जा संयंत्रों से सृजित वैद्युत बिजली, वर्ष 2016-17 के दौरान अर्जित कार्बन क्रेडिट आदि तथा इन संयंत्रों के प्रारंभ से लेकर संचित बिजली संबंधी विवरण नीचे दिए गए हैं -

दावणगेरे - 2.5 मे.वा. पवन ऊर्जा शक्ति संयंत्र (0.5 मे.वा x 5 नं.)

क.	2016-17 के दौरान कुल सृजन	:	3,674,250 कि.वा. घंटे
ख.	2016-17 के दौरान कुल सृजित बिजली	:	3,324,795 कि.वा. घंटे
ग.	CO2 उत्सर्जन में कटौती	:	3,335 टन CO2 के समतुल्य
घ.	प्रारंभ से अब तक संचित बिजली	:	32,985,249 कि.वा. घंटे
ङ.	संचित CO2 उत्सर्जन में कटौती	:	35,816 टन CO2 के समतुल्य

हासन - 3.0 मे.वा. पवन ऊर्जा शक्ति संयंत्र (1.5 मे.वा x 2 नं.)

क.	2016-17 के दौरान कुल सृजन	:	6,202,500 कि.वा. घंटे
ख.	2016-17 के दौरान कुल सृजित बिजली	:	5,623,115 कि.वा. घंटे
ग.	CO2 उत्सर्जन में कटौती	:	5,639 टन CO2 के समतुल्य
घ.	प्रारंभ से अब तक संचित बिजली	:	43,201,763 कि.वा. घंटे
ङ.	संचित CO2 उत्सर्जन में कटौती	:	: 52,485 टन CO2 के समतुल्य

दावणगेरे 8.4 मे.वा. पावन ऊर्जा शाक्ति संयंत्र (2.1 मे.वा. X 2 नं.)

क.	2016-17 के दौरान कुल सृजन	:	21,004,200 कि.वा. घंटे
ख.	2016-17 के दौरान कुल सृजित बिजली	:	14,911,010 कि.वा. घंटे
ग.	CO2 उत्सर्जन में कटौती	:	21,193 टन CO2 के समतुल्य
घ.	प्रारंभ से अब तक संचित बिजली	:	14,911,010 कि.वा. घंटे
ङ.	संचित CO2 उत्सर्जन में कटौती	:	21,193 टन CO2 के समतुल्य

5. क्या कंपनी ने स्वच्छता प्रौद्योगिकी, ऊर्जा कार्यक्षमता, नवीकरणीय ऊर्जा, आदि पर कोई अन्य पहल किया है ? हाँ /नहीं, यदि हाँ, तो संबंधित वेबपेज आदि के लिए हायपर लिंक प्रदान ।

जी हाँ

बीईएल के पास 13.9 मेगावॉट पवन ऊर्जा संयंत्र और ग्रिड इंटरैक्टिव रूफ टॉप सौर पीवी पावर प्लांट 1,030 किलोवाट है। उपरोक्त पहल के कारण कार्बन डाई ऑक्साइड का 3,0167 मीट्रिक टन उत्सर्जन कम हुआ है। 2016-17 के दौरान उत्पन्न कुल ग्रीन ऊर्जा 243 लाख यूनिट है2016-17 के दौरान उत्पन्न यूनिटों की कुल हरित ऊर्जा 243 लाख है। अन्य ऊर्जा संरक्षण उपायों के अतिरिक्त एचवीएसी स्वचालन, एलईडी स्ट्रीट लाइटिंग, सौर पीवी प्लांट, डाली आधारित प्रकाश प्रबंधन प्रणाली, स्टार रेटेड स्पिलट एसी और ऊर्जा कुशल ट्रांसफार्मर जैसे उपाय भी हैं ।

पीसीबी विनिर्माण और धातु परिष्करण प्रक्रियाओं, कम धुएं वाले हलोजन केबल्स, कम वीओसी धातु परिष्करण संचालन (पाली यूरेथेन) में आरओएचएस अनुरूप प्रक्रियाको शुरू किया गया है और डिग्रिसिंग प्रक्रिया में ट्राइक्लोरोथिलीन की जगह वैकल्पिक रसायन का उपयोग किया गया है । नेवल सिस्टम इलेक्ट्रोनिकप्लेटिंग शॉप में साइनाइड मुक्त चांदी और तांबे की प्लेटिंग, केन्द्रीय फेब्रिकेशन फेसिल्टी विभाग में डिग्रिसिंग के लिए टीसीई की जगह "स्वच्छ सुरक्षित 585" (क्लीन एंड सेफ 585) कंपाउंड की शुरुआत, ईएम एसबीयू में मिश्रित गैसिन ब्रेज़िंग प्रक्रिया के लिए सूखी हाइड्रोजन गैस को बदलना, बैंगलूरु परिसर में और ब्रज विहार कॉलनी गाजियाबाद पाइप्ड प्राकृतिक गैस(पी एन जी) की शुरूआत ।

समेकित प्राकृतिक आकलन (जीआरआईएचए) रेटिंग अनुपालन के लिए हरित रेटिंग प्राप्त करने के लिए सभी वर्तमान व आगामी नव भवन निर्माण में ग्रीन भवन अभिकल्पना समाकलित की गई है।

वर्ष 2016-17 के दौरान बीईएल में वनरोपण कार्यक्रम के लिए लगभग 4000 पौधारोपण किया गया है ।

6. क्या समीक्षाधीन वित्तीय वर्ष के दौरान कंपनी द्वारा प्रजनित उत्सर्जन / अवशिष्ट, सीपीसीबी / एसपीसीबी द्वारा निर्धारित स्वीकार्य सीमाओं के अधीन हैं?

   जी हाँ, इसका सटीक अनुवीक्षण करते हुए रिपोर्ट किया गया है।

7. सीपीसीबी / एसपीसीबी द्वारा प्राप्त कारण बताओ / कानूनी सूचनाओं की संख्या जो यथा वित्तीय वर्ष के अंत में लंबित (यानि जिनका संतोषजनक समाधान नहीं किया गया) हैं : शून्य, पर्यावरण प्रबंधन एवं उसके अनुपालन में कंपनी का उत्तम रेकोर्ड है ।

सिद्धांत 7

1. क्या आपकी कंपनी किसी व्यापार एवं वाणिज्य मंडल या संगठन के सदस्य है? यदि हाँ, तो केवल उस प्रमुख व्यापार, चैम्बर या संगठन का नाम बताएँ जिनके साथ आपका व्यापार होता है : **जी हाँ**

   क. भारतीय वाणिज्य मंडल व उद्योग परिसंघ (फिक्की)

   ख. सार्वजनिक उद्यम का स्थाई काफ्रेंस (स्कोप)

   ग. भारतीय उद्योग महासंघ (सीआईआई)

   घ. सहयोगी भारतीय वाणिज्य मंडल व उद्योग परिसंघ (एसोचैम)

2. क्या आपने सार्वजनिक हित के प्रोनयन या सुधारण के लिए उपरोक्त संगठनों के द्वारा पक्ष-समर्थन / समर्थन किया है? हाँ / नहीं ; यदि हाँ, तो विभिन्न क्षेत्रों का विवरण दें (ड्रॉप बॉक्स - अभिशासन एवं प्रशासन, आर्थिक सुधार, सम्मिलित विकास नीतियाँ, ऊर्जा सुरक्षा, जल, खाद्य सुरक्षा, धारणीय व्यापार सिद्धांत, अन्य)

   जब कभी नीतिगत दिशा-निर्देश जारी किए जाते हैं, तब आवश्यक प्रदान किए जा रहे हैं। इसके अलावा, नीतियों के अवलोकन के लिए सम्मेलन / कार्यशालाएँ आदि भी आयोजित की जाती हैं।

सिद्धांत 8

1. क्या कंपनी में सिद्धांत 8 से संबंधित नीति के अनुसरण में विनिर्दिष्ट कार्यक्रम / पहल / परियोजनाएँ हैं? यदि हाँ, तो उसके ब्यौरे पेश करें ।

   जी हाँ, कंपनी अधिनियम 2013 तथा कंपनी (निगमित सामाजिक दायित्व) नियमावली 2014 के अनुपालन में कंपनी ने 16 जून 2014 से संशोधित सीएसआर नीति की संस्थापना की है जो 01 अप्रैल 2014 के प्रभाव से कार्यान्वित हुआ। कंपनी अपने सामाजिक दायित्व पूरा करने के संपूर्ण प्रयास का अनुवर्तन कर रही है।

   सामाजिक विकास पर ध्यान केंद्रित करते हुए सीएसआर कार्यक्रम/परियोजनाओं के निर्धारण तथा कार्यान्वयन के लिए त्रिस्तरीय संरचना की संस्थापना की है।

   स्तर -1 -

   सीएमडी की अध्यक्षता में सीएसआर बोर्ड स्तरीय समिति तथा निदेशक (मानव संसाधन), निदेशक (अन्य यूनिटें), निदेशक (वित्त) तथा एक स्वतंत्र निदेशक इस समिति के सदस्य होंगे।

   स्तर-2 -

   निदेशक (अन्य यूनिटें) के अध्यक्षता में सीएसआर शिखर समिति तथा एचआर/सीओ के प्रधान, एचआर/बीजी के प्रधान एवं ईएस/बीजी के प्रधान इस समिति के सदस्य होंगे।

   स्तर-3 -

   कार्यपालक निदेशक (एचआर/सीओ) के अध्यक्षता में सीएसआर कार्यकारिणी समिति, जो संपूर्ण कंपनी की सीएसआर परियोजनाओं के कार्यान्वयन , रिपोर्टिंग व समन्वय के लिए नोडल अधिकारी भी हैं। प्रत्येक यूनिट में सीएसआर कार्यकारिणी समिति, जो उस यूनिट की सीएसआर गतिविधियों के निर्धारण, प्रस्ताव प्रस्तुति तथा कार्यान्वयन, रिपोर्टिंग व समन्वय का कार्य करती है।

   संशोधित सीएसआर नीति में कंपनी अधिनियम 2013 की अनुसूची-VII के अधीन निर्धारित कार्यक्रम/पहल/परियोजनाएँ सम्मिलित हैं तथा ये सभी अन्य कार्यक्रमों के लिए मार्गदर्शन सिद्धांत सृजित करते हैं।

2. क्या संस्थागत टीम/ स्व-संस्थापन/बाह्य एनजीओ/ सरकारी निकाय/ किसी अन्य संगठन के माध्यम से कार्यक्रम/परियोजनाएँ संचालित की गई हैं ?

कंपनी के सभी सीएसआर पहल संस्थागत टीम के माध्यम से किए जाते हैं । कंपनी के अधिकतर सीएसआर पहल निम्नलिखित क्षेत्रों में हैं -

- शिक्षा
- स्वास्थ्य रक्षा
- स्वच्छता
- व्यावसायिक कुशलता विकास
- परंपरागत स्थानों का संरक्षण
- शस्त्र बल कल्याण
- ग्रामीण विकास
- पर्यावरण संरक्षण व धारणीयता विकास

3. क्या आपने अपनी पहल के प्रभाव का कोई मूल्यांकन किया है?

सामान्यतया प्रोग्राम/परियोजनाएँ कंपनी की यूनिटों के समीपस्थ क्षेत्रों से चुनी जाती हैं । इन प्रोग्रामों / परियोजनाओं का कार्यान्वयन शीर्षस्थ समिति के प्रत्यक्ष पर्यवेक्षण में कंपनी की संस्थागत टीमों द्वारा किया जाता है । वर्ष 2013-14 के दौरान, डीपीई के दिशा-निर्देशों के अनुसार, बीईएल ने अपनी सीएसआर पहलों के अधीन विभिन्न प्रोग्रामों / परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए कर्नाटक राज्य के यादगीर जिले (योजना आयोग, भारत सरकार द्वारा सर्वाधिक पिछड़े जिले के रूप में अभिचिह्नित) के 3 ग्राम पंचायतों (नामतः मल्हार, माधवाड़ और कड़ेचूर) को गृहीत किया है । इसके लिए बीईएल की ओर से 'सामाजिक एवं आर्थिक परिवर्तन संस्थान' (आईएसईसी), बेंगलूर द्वारा आधारभूत सर्वेक्षण किया गया । यादगीर के जिला प्रशासन को सीएसआर परियोजना के लिए सीएसआर का दायित्व सौंपने के बाद बीईएल ने यादगीर में अपनी पहल का 'प्रभाव निर्धारण' अध्यन आयोजित किया। यादगीर में जिला प्रशासन को सीएसआर परियोजनाओं को सौंपने के बाद, बीईएल ने 2016-17 के दौरान एक ही संस्था द्वारा यादगीर में अपनी पहल का 'प्रभाव आकलन' अध्ययन किया। निष्कर्ष बताते हैं कि तीन पीढ़ी ग्राम पंचायतों के 21 गांवों द्वारा सीएसआर कार्यक्रमों को अच्छी तरह से प्राप्त किया गया है।

4. समुदाय विकास परियोजनाओं के प्रति आपकी कंपनी का प्रत्यक्ष योगदान क्या रहा है - भारतीय रूपए में राशि तथा क्रियान्वित परियोजनाओं के विवरण प्रस्तुत करें?

वर्ष 2016-17 के दौरान, कंपनी द्वारा विभिन्न सीएसआर कार्यक्रमों / परियोजनाओं पर ₹ 2,986 लाख (पृथकित राशि सहित) व्यय किए गए । वर्ष के दौरान निष्पादित कुछ प्रमुख परियोजनाओं का विवरण इस प्रतिवेदन के अनुलग्नक - 2 के सीएसआर गतिविधियों में दी गई है ।

5. क्या आपने समुदाय द्वारा समुदाय विकास पहल की सफलतापूर्वक ग्रहण सुनिश्चित करने के लिए कोई कदम उठाया है? कृपया विस्तृत विवरण दें ।

i. कर्नाटक राज्य के यादगीर जिले (सर्वाधिक पिछड़े जिला) के 3 ग्राम पंचायतों में जिला प्रशासन व स्थानीय समुदायों की सहायता से शिक्षा, स्वास्थ्य रक्षा, पर्यावरण संरक्षण व ग्रामीण विकास जैसे विभिन्न सामुदायिक विकास कार्यक्रमों का क्रियान्वयन किया जा चुका है। ये कार्यक्रम ग्रामीण जनता की जीवन-शैली में परिवर्तन लाने तथा जिले के विकास के गति बढ़ाने के उद्देश्य से किया गया है ।

ii. बीईएल भारत सरकार की पहल के अनुवर्तन में च स्वच्छ विद्यालय अभियान च के अधीन 8 राज्यों के 114 विद्यालयों में छात्र व छात्राओं के लिए शौचालयों का निर्माण कर रही है। विभिन्न आयु के विद्यार्थियों में स्वास्थवर्धक आदत तथा स्वच्छता के प्रति जागरूकता का सृजन इस पहल का उद्देश्य है। इस परिकल्पना के परिवर्तनीय प्रभाव से विद्यार्थि-समूह विद्यालयों, घरों तथा समुदाय में स्वास्थकर आदतों के अभिकर्ता बन जाएंगे ।

iii. बीईएल ने स्वेच्छा से भारत भर में आठ राज्यों में हमारी इकाइयों के आसपास 8 गांवों को अपनाने और उनके समग्र विकास में योगदान करके "स्वच्छ भारत अभियान" में भाग लिया। यह पहल स्वास्थ्य, स्वच्छता और सुरक्षित पेयजल, शिक्षा और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में हैं। विकास गतिविधियों में गांवों को सुरक्षित पीने के पानी उपलब्ध कराने के लिए बोरवेल, ओवरहेड टैंक, जल वितरण पाइपलाइन, सौर जल पंप, पानी फिल्टरिंग संयंत्र और आरओ पेयजल सुविधा का प्रावधान मौजूदा जल निकायों को हटाना, ओवर-सिर की सफाई करना टैंक आदि, सार्वजनिक शौचालयों, मलजल और जल निकासी प्रणाली, समुदाय शौचालय, कचरा प्रबंधन और स्वच्छता पर निपटान और जागरूकता कार्यक्रमों जैसे प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों के लिए आवश्यक चिकित्सा उपकरणों को उपलब्ध कराने जैसी स्वच्छता सुविधाएं आदि शामिल है। यह माना जाता है कि यह पहल हमारे देश को "स्मार्ट गांव" देगी , जो कि आगे आर्थिक वृद्धि की तरफ एक कदम है ।

iv. बीईएल ने भारत सरकार के च्कौशल भारतछ(स्किल इंडिया) कार्यक्रम के तहत छह राज्यों में छह सरकारी औद्योगिक प्रशिक्षण

संस्थानों को गोद लिया है। प्रौद्योगिकी आधारित कंपनी होने के कारण बीईएल ने बुनियादी ढांचे को , उपकरणों और आवश्यक मशीनरी को उन्नत करके युवाओं के कौशल को बढ़ाने का प्रस्ताव रखा है। निष्पादन मापदंड जैसे उत्तीर्ण प्रतिशत, उपस्थिति प्रतिशत, रोजगार क्षमता की पहचान सुधार के लिए की है ।

सिद्धांत 9

1. वित्तीय वर्ष के अंत में कितने प्रतिशत लंबित ग्राहक शिकायतें / उपभोक्ता मामलें हैं ।

   31 मार्च 2017 तक कुल 603 शिकायतें लंबित हैं। यह कुल पंजीकृत शिकायतों का 8.60 % है। ग्राहक समस्याओं का समाधान एक प्रक्रियाधीन कार्य है। कंपनी निम्नतम अवधि में समस्याओं के समाधान प्रदान करेगी। हमारी उत्पाद समर्थक टीम उत्पाद स्थलों के समीपस्थ उपस्थित रहती है तथा वे बहुत कम समय में निर्धारित स्थान पर पहुँच सकते हैं। 31 मार्च 2017 को कोई भी न्यायिक मामला लंबित नहीं है ।

2. क्या कंपनी स्थानीय नियमों के अनुसार अनिवार्य मानकों के अतिरिक्त, उत्पादों के लेबल पर उत्पाद सूचना प्रदर्शित करती है? हाँ/नहीं/ला.न./अभ्युक्तियाँ (अतिरिक्त जानकारी)

   सार्वजनिक रक्षा उपक्रम होने के कारण बीईएल की उत्पाद संबंधी जानकारी संवेदनशील और वर्गीकृत होती है । इसलिए, उत्पाद संबंधी सूचना प्रदर्शित नहीं की जाती।

3. क्या कंपनी के विरुद्ध किसी शेयरधारक ने विगत पाँच वर्षों के दौरान, अनुचित व्यापार पद्धतियों, अनुत्तरदाई विज्ञापन तथा/या प्रतिस्पर्धा-विरोधी व्यवहार के संबंध में कोई मामला दर्ज किया है जो वित्तीय वर्ष के अंत में लंबित है? यदि हाँ, तो उसके विवरण दें ।

   वर्ष 2016 -17 तथा विगत पाँच वित्तीय वर्षों के दौरान किसी भी शेयरधारक का कोई भी मामला लंबित नहीं है।

4. क्या आपकी कंपनी कोई ग्राहक सर्वेक्षण/उपभोक्ता संतुष्टीकरण प्रवृत्ति संचालित करती है?

   जी हाँ। कंपनी ने 2016-17 के लिए एक बाहरी एजेंसी मेसर्स मार्केट इनसाइट कंसल्टेंट्स के माध्यम से ग्राहक संतुष्टि सर्वेक्षण (सीएसएस) का काम किया है। सर्वेक्षण के आधार पर, पिछले वर्ष की तुलना में वर्ष 2016-17 के दौरान प्राप्त कुल ग्राहक सेवा संतुष्टि सूचकांक (सीएसआई) 83.8% है, अर्थात 2015-16 में 82.9% थी। यह वर्ष 2015-16 के मुकाबले 2016-17 के दौरान सीएसआई में मामूली सुधार की प्रवृत्ति को दर्शाता है।

संलग्नक 9

ऊर्जा संरक्षण, प्रौद्योगिकी अवशोषण तथा विदेशी मुद्रा के अर्जन एवं बहिर्गमन संबंधी कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 134(3)(एम) जिसे कंपनी (लेखा) नियम, 2014 के नियम 8(3) के साथ पढ़ा जाना है, के अनुसार प्रकट की जाने वाली सूचना ।

क. ऊर्जा संरक्षण

(i) वर्ष 2016-17 के दौरन किए गए ऊर्जा संरक्षण संबंधी उपाय

- एसी संयंत्रों में परिवर्ती कूलिंग लोड की मांग को पूरा करने के लिए ऊर्जा दक्ष स्क्रू चिल्लरों की संस्थापना ।
- नए भवनों और अवसंरचनात्मक सुविधाओं के लिए वीआरवी आधारित वातानुकूलन का कार्यान्वयन ।
- वातानुकूलित क्षेत्रों में बिजली की खपत को इष्टतम बनाने के लिए परिवेशी परिस्थितियों के आधार पर एचवीएसी सुविधाओं तथा अनुसूची निर्धारित करने की प्रचालनीय दक्षता में सुधार।
- कूलिंग टॉवरों के मोटरों और अपकेंद्री पंखों के लिए परिवर्ती आवृत्ति ड्राइव (वीएफ़डी) के साथ पम्पों, ब्लोअरों के लिए ऊर्जा दक्ष मोटर।
- ऊर्जा दक्षता बढ़ाने के लिए डीएक्स संयंत्रों को डक्टेबल स्प्लिट एसी यूनिटों में बदलना।
- इवर्टर प्रौद्योगिकी आधारित ऊर्जा दक्ष स्प्लिट एयर कंडीशनरों और 5 स्टार वाली पैकेज यूनिटों का प्रयोग।
- बाहरी एजेंसी मे. सीआईआई-जीबीसी द्वारा सभी यूनिटों का व्यापक ऊर्जा लेखा परीक्षा करना।
- नए भवनों में अधिवासी आधारित लाइटिंग कंट्रोल तथा दिन के प्रकाश संग्रहण द्वारा डीएएलआई आधारित प्रकाश प्रबंध प्रणाली।
- बिजली की बचत के लिए एलईडी लाइटों तथा एलईडी स्ट्रीट लाइटिंग, एरिया लाइटिंग की संस्थापना से 6,000 पारंपरिक फिटिंग को बदलना।
- दिन के प्रकाश संग्रहण के लिए स्काई पाइप लाइटिंग सिस्टम की संस्थापना।
- आबद्ध उपभोग के लिए 1,030 KWp क्षमता वाले ग्रिड कनेक्ट रूफ़टॉप सौर ऊर्जा संयंत्रों की संस्थापना।

(ii) ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों का उपयोग करने के लिए कंपनी दवारा किए गए उपाय -

1. कर्नाटक राज्य के दावणगेरे में मार्च 2016 के दौरान आबद्ध उपभोग के लिए 8.4 मेगावाट का पवन ऊर्जा शक्ति संयंत्र शुरु। इस संयंत्र से प्रति वर्ष लगभग 170 लाख इकाई बिजली भेजी जाएगी।
2. बीईएल की सभी यूनिटों में 1030 केडबल्यूपी क्षमता का ग्रिड कनेक्ट रूफ़ टॉप सौर शक्ति संयंत्र संस्थापित। इन संयंत्रों से प्रति वर्ष लगभग 14.75 लाख इकाई बिजली पैदा होगी।

(iii) ऊर्जा संरक्षण उपकरणों पर पूंजी निवेश -

1. इन उपायों को कार्यान्वित करने के लिए वर्ष के दौरान किए गए ऊर्जा संरक्षण उपकरणों पर पूँजीगत निवेश लगभग ₹ 223 लाख था।
2. ऊपर (ई)2 में बताए गए अनुसार वैकल्पिक (नवीकरणीय) ऊर्जा संसाधनों का उपयोग करने के लिए पूँजी निवेश लगभग ₹ 850 लाख है।

ख. प्रौद्योगिकी अवशोषण, अनुकूलन एवं नवोन्मेष -

1. प्रौद्योगिकी अवशोषण, अनुकूलन एवं नवोन्मेष के प्रति किए गए प्रयास, संक्षेप में -

बीईएल ने अपनी 3 स्तरीय संरचना द्वारा संस्थागत अनु. व वि. प्रयासों के ज़रिए प्रौद्योगिकी के विकास पर हमेशा से ज़ोर देती आ रही है। विकास संबंधी प्रयासों को बढ़ाने के लिए, भारतीय और विदेशी ओईएम के साथ सहयोगात्मक अनु. व वि. कार्य किए जा रहे हैं ताकि स्वदेशीकरण और आत्म-निर्भरता हासिल की जा सके।

वर्षों के दौरान, रेडार, सोनार, ई.डबल्यू. संचार, ई.ओ. आदि के क्षेत्रों में डीआरडीओ की विभिन्न प्रयोगशालाओं, राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं के साथ संयुक्त रूप से काम करते हुए अनेक प्रौद्योगिकियों को विकसित किया गया जिसके कारण देश की आत्म-निर्भरता प्राप्त करने के प्रति उल्लेखनीय योगदान मिला।

विदेशी ओईएम से टीओटी वाली परियोजनाओं में, बीईएल प्रौद्योगिकी को अवशोषित करने और महत्वपूर्ण उप-प्रणालियों का स्वदेशीकरण करने के हरसंभव प्रयास करती है।

वर्ष 2016-17 के दौरान, बीईएल ने निम्नलिखित उत्पादों / प्रणालियों के विकास में महत्वपूर्ण मील-पत्थर हासिल किए -

- डबल्यूएलआर का पहला उत्पादन मॉडल, जहाजवाहित ई.डबल्यू. प्रणाली और एलआरएफ के साथ एचएचटीआई का काम पूरा किया गया।
- सीआईडीएसएस निर्मित 2 सॉफ्टवेयरों का काम पूरा किया गया। बिल्ड3 का काम प्रगति में।
- ग्राहक को एस बैंड एसओटीएम का प्रदर्शन कार्य पूरा ।
- ट्रोपोस्कैटर की महत्वपूर्ण उप-प्रणालियों का आंतरिक मूल्यांकन कार्य पूरा किया गया।
- वायु रक्षा फायर कंट्रोल रेडार (एडीएफसीआर) की महत्वपूर्ण उप-प्रणालियों का आंतरिक मूल्यांकन कार्य पूरा किया गया और आंतरिक जाँच की गई।
- बीईएल के स्वदेशी एसओसी आर्किटेक्टर डिज़ाइन की समीक्षा एआरएम, यूके द्वारा की गई।
- बीएसएस के प्लेन और डेज़र्ट वर्शन की अल्फा और बीटा जाँच पूरी की गई और अधिकारी मंडल द्वारा एफएटी का कार्य शुरु किया गया।
- प्रयोक्ता को आईएसीसीएस साफ्टवेयर के बीटा वर्शन का प्रदर्श का कार्य पूरा किया गया।

(ii)उक्त प्रयासों के परिणामस्वरूप प्राप्त अनुलाभ

बीईएल के अभियंता डीआरडीओ तथा अन्य राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं के साथ गहनता के साथ कार्य करने के परिणामस्वरूप स्वदेशी प्रौद्योगिकियों को अवशोषित करने में सफल रही है। इन प्रयासों से बीईएल को उत्पादों का वाणिज्यीकरण करने और ग्राहकों को उत्पाद समर्थन प्रदान करने में मदद मिलती है। बीईएल के अभियंता विद्यमान प्रौद्योगिकियों के नवीनतम रूपांतर प्रस्तुत करने और विभिन्न अनुप्रयोगों में अर्जित प्रौद्योगिकियों को व्यवहार में लाने का प्रयास करते हैं। इन सभी प्रयासों से ग्राहकों के लिए अत्युनत प्रौद्योगिकियों का वाणिज्यीकरण करने, अतिरिक्त कारोबार विकसित करने, विदेशी मुद्रा की बचत करने और आत्म-निर्भरता बढ़ाने में मदद मिलती है।

(iii)पिछले 5 वर्षों के दौरान आयातित प्रौद्योगिकी संबंधी सूचना

पिछले 5 वर्षों के दौरान, विभिन्न देशों से हितकारी प्रौद्योगिकियों का आयात किया गया और बीईएल में उन्हें उत्पादन में लाया गया तथा स्वदेशी निर्माण के स्तर तक लाया गया। बीईएल के अभियंता ग्राहकों को आवश्यक उत्पाद समर्थन प्रदान करने, इन उत्पादों के नए संस्करण लाने का प्रयास करने और प्राप्त ज्ञान को कारोबारी विकास के लिए नए उत्पाद विकसित करने में लागू करने के लिए आयातित प्रौद्योगिकियों का अवशोषण / आमेलन करने का प्रयास करते हैं।

(iv) अनु. व वि. पर व्यय

2016-17 के दौरान, बीईएल ने अनु. व वि. पर ₹ 777 करोड़ खर्च किए। राजस्व खाते में यह खर्च ₹ 707 करोड़ और पूँजीगत खाते में ₹ 70 करोड़ था। वर्ष के दौरान विक्रयावर्त के प्रतिशत के रूप में कुल खर्च 8.81% रहा।

ग. विदेशी मुद्रा अर्जन तथा निर्गम

(i) निर्यात से संबंधित कार्यकलाप - निर्यात में सुधार करने के लिए किए कए पहल, उत्पादों के नए निर्यात बाज़ार का विकास तथा निर्यात योजनाएँ -

सदस्यों से अनुरोध है कि वे इस जानकारी के लिए "निर्यात" अनुच्छेद के तहत मंडल की रिपोर्ट देखें ।

(ii) प्रयुक्त एवं अर्जित कुल विदेशी मुद्रा - प्राप्त किया जाना है।

निर्यात (एफओबी) ले विदेशी विनियम अर्जन पिछले वर्ष के ₹ 55,873 लाख की तुलना ₹ 43,247 लाख में था । पिछले वर्ष के ₹ 227,933 लाख की तुलना में विदेशी विनियम ₹ 317,052 लाख था ।

स्वतंत्र लेखा परीक्षकों का प्रतिवेदन

भारत इलेक्ट्रानिक्स लिमिटेड के सदस्यों को,

स्टैडअलोन भारतीय ले.मा. वित्तीय विवरण पर रिपोर्ट

हमने **भारत इलेक्ट्रॉनिक लिमिटेड** ("कंपनी") के स्टैडअलोन भारतीय ले.मा. वित्तीय विवरण में लेखा-परीक्षण किया है, इसके बाद और वर्ष का अंत के लिए यथा 31 मार्च 2017 का तुलन -पत्र, लाभ और हानि का विवरण (अन्य मामले व्यापक आय सहित) और नकदी प्राप्ति विवरण और वर्ष अंत के लिए ईक्विटी में परिवर्तन का विवरण और महत्वपूर्ण लेखा नीतियों और अन्य मामले स्पष्टीकरण संबंधी सूचनाओं का सारांश जिसमें उस वर्ष की समाप्ति पर रिटर्न का लेखापरीक्षकों द्वारा कंपनी के गाजियाबाद, पंचकुला, कोटद्वारा, पुणे, नवी मुंबई और मछिलिपट्टण्म शाखा के लेखा परीक्षकों द्वारा की गई लेखा परीक्षा रिपोर्ट शामिल है ।

स्टैडअलोन भारतीय ले.मा. वित्तीय विवरण के लिए प्रबंधन का उत्तरदायित्व -

कंपनी का निदेशक मंडल कंपनी अधिनियम, 2013 की अपेक्षाओं के परिप्रेक्ष्य में इन समेकित वित्तीय विवरण जो अधिनियम की धारा 133 जिसे कंपनी (लेखा) नियम, 2013 एवं धारा 134 (5) के तहत निर्दिष्ट स्टैडअलोन भारतीय ले.मा. वित्तीय विवरण (वित्तीय स्थिति), लाभ एवं हानि (वित्तीय कार्य-निष्पादन तथा अन्य मामले व्यापक आय सहित), नकदी प्राप्ति विवरण एवं कंपनी के साम्या में परिवर्तन, भारत में सामान्य रूप से स्वीकृत लेखा सिद्धांतों के अनुसार एवं भारतीय लेखा मानकों (भा.ले.मा.) की सच्ची और सही स्थिति प्रदान करते हैं, को तैयार करने के लिए उत्तरदायी है ।

संबंधित निदेशक मंडल तथा संयुक्त रूप से नियंत्रित स्वत्वों की परिसंपत्तियों की रक्षा करने के लिए और धोखाधड़ी तथा अन्य मामले अनियमितताओं की रोकथाम करने और उनका पता लगाने के लिए; उचित लेखा नीतियों का चयन करने और उन्हें लागू करने; ऐसे निर्णय तथा प्राक्कलन करने जो उचित एवं दूरदर्शी हों; और ऐसे उचित आंतरिक भा. ले .मा वित्तीय नियंत्रण बनाने, उन्हें कार्यान्वित करने और रखने के लिए जो ऐसे वित्तीय विवरणों को तैयार करने और प्रस्तुत करने के संगत लेखा अभिलेखों की सटीकता और संपूर्णता सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी रूप से प्रचालित थे, जो सच्ची तथा सही स्थिति प्रदान करते हैं और भौतिक मिथ्याकथनों, कपट या त्रुटि, से मुक्त हैं, जिनका उपयोग यथोक्त धारक कंपनी के निदेशकों द्वारा समेकित वित्तीय विवरणों के तैयार करने के प्रयोजनार्थ किया गया है, के लिए उत्तरदायी है ।

लेखा परीक्षक का उत्तरदायित्व

हमारी लेखा परीक्षा के आधार पर इन स्टैडंअलोन भा.ले.मा. वित्तीय विवरणों पर अपने विचार व्यक्त करना हमारा उत्तरदायित्व है ।

यह लेखा परीक्षा करते समय, हमने अधिनियम के प्रावधानों, लेखा एवं लेखा परीक्षा के मानकों तथा मामलों को ध्यान में रखा है जिन्हे अधिनियम तथा उसके तहत बनाए गए नियमों के प्रावधानों के तहत इस लेखा परीक्षा रिपोर्ट में शामिल करना आवश्यक है ।

हमने अपनी लेखा परीक्षा अधिनियम की धारा 143(10) के तहत निर्दिष्ट लेखा परीक्षा के मानकों के अनुसार की है । इन मानकों में यह अपेक्षा की जाती है कि हम नैतिक अपेक्षाओं का पालन करते हैं और समेकित वित्तीय विवरण भौतिक अवास्तविक कथन से मुक्त हैं या नहीं, इका औचित्यपूर्ण आश्वासन प्राप्त करने के लिए लेखा परीक्षा की योजना और निष्पादन करते हैं ।

लेखा परीक्षा में स्टैडंअलोन भा.ले.मा. वित्तीय विवरणों में उल्लिखित राशियों और प्रकटणों के बारे में लेखा परीक्षा का साक्ष्य प्राप्त करने के लिए निष्पादनीय प्रक्रियाएँ शामिल हैं । चयनित प्रक्रियाएँ स्टैडंअलोन भा.ले.मा. वित्तीय विवरणों के भौतिक अवास्तविक कथन, छल या त्रुटि के कारण, की जोखिमों का मूल्यांकन सहित,लेखा परीक्षक के निर्णय पर निर्भर करती हैं । ऐसे जोखिम मूल्यांकन करने में, लेखा परीक्षक धारक कंपनी के स्टैडंअलोन भा.ले.मा. वित्तीय विवरणों को तैयार करने के संगत ऐसे आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर विचार करते हैं जो ऐसी लेखा परीक्षा प्रक्रियाओं का अभिकल्प तैयार करने के लिए सच्ची और सही स्थिति प्रदान करते हैं जो परिस्थितियों के अनुकूल हैं लेकिन यह विचार व्यक्त करने के उद्देश्य से अनुकूल नहीं है कि धारक कंपनी में वित्तीय रिपोर्टिंग के लिए पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली विद्यमान है और ऐसे नियंत्रण प्रभावी ढंग से प्रचालित हैं । लेखा परीक्षा में प्रयुक्त लेखा नीतियों की उपयुक्तता का मूल्यांकन करना और स्टैडंअलोन भा.ले.मा. वित्तीय विवरणों के समग्र प्रस्तुतीकरण का मूल्यांकन करने के साथ-साथ धारक कंपनी के निदेशक मंडल द्वारा किए गए लेखा प्राक्कलनों की औचित्यता का मूल्यांकन करना भी शामिल है ।

हमारा विश्वास है कि हमारे द्वारा प्राप्त लेखा परीक्षा का साक्ष्य तथा अन्य मामले लेखा परीक्षकों द्वारा प्राप्त साक्ष्य जो नीचे दिए गए अय मामले नामक अनुच्छेद के उप-अनुच्छेद (क) में संदर्भित उनकी रिपोर्ट के संबंध में हैं, स्टैडंअलोन भा.ले.मा. वित्तीय विवरणों पर हमारी लेखा परीक्षा का आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और समुचित है ।

विचार

हमारे विचार से तथा जहाँ तक हमारी जानकारी है और हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार, उपर्युक्त स्टैंडअलोन भा.ले.मा. वित्तीय विवरण अधिनियम द्वारा अपेक्षित सूचनाएँ यथा आवश्यक ढंग से प्रदान करते हैं और भारत में, स्टैंडअलोन भा.ले.मा. सहित सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों के अनुरूप सच्ची और सही स्थिति प्रदान करते हैं ।

क) तुलन पत्र के मामले में, यथा 31 मार्च 2017 को कंपनी के कार्य-कलाप,

ख) लाभ व हानि के विवरण के मामले में, उस तिथि पर समाप्त वर्ष के लिए लाभ (अन्य मामले व्यापक आय सहित वित्तीय कार्य-निष्पादन); तथा

ग) नकदी प्राप्ति विवरणी एवं साम्या में परिवर्तन विवरण के मामले में, उस तिथि पर समाप्त वर्ष की नकदी प्राप्ति एवं साम्या में परिवर्तन ।

अन्य मामले

क) स्टैंडअलोन भा.ले.मा. वित्तीय विवरण में समाहित 31 मार्च 2016 को समाप्त हुए वर्ष के लिए कंपनी की तुलनात्मक वित्तीय जानकारी तथा संक्रमण तिथि 1 अप्रैल 2015 तक की प्रारम्भिक तुलन-पत्र, कंपनी के अनुसार तैयार पहले जारी किए गए वैधानिक वित्तीय विवरणों पर आधारित हैं जो कि कंपनी के (लेखा मानक) नियम, 2006 का लेखा परीक्षित है, जिसकी रिपोर्ट 31 जुलाई 2016 और 31 मार्च 2015 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए 15 जुलाई 2016 और 29 मई 2015 के क्रमशः उन स्वसंपूर्ण वित्तीय विवरणों पर एक अघोषित राय है, जैसा कि लेखां में अंतर के लिए समायोजित भा.ले.मा. को संक्रमण के रूप में कंपनी द्वारा अपनाया गया सिद्धांत, जो हमारे द्वारा लेखापरीक्षित किया गया है।

ख) हमने कंपनी के स्टैंडअलोन भा.ले.मा. वित्तीय विवरणों में छः शाखाओं की भा.ले.मा. वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा नहीं की है जिनके वित्तीय परिणाम यथा 31 मार्च 2017 को ₹ 393,636 लाख की कुल परिसंपत्तियों तथा उसी तारीख को समाप्त वर्ष के लिए ₹ 337,985 लाख के कुल आय दर्शाते हैं, जैसा कि स्टैंडअलोन भा.ले.मा. वित्तीय विवरणों में बताया गया है । इन शाखाओं के वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा शाखा लेखा परीक्षकों द्वारा की गई है और जिनकी रिपोर्ट हमें प्रस्तुत की गई है, और जहाँ तक यह इन शाखाओं के संबंध में शामिल की गई राशियों और प्रकटणों से संबंधित है, हमारा विचार उक्त शाखा लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट पर एकमात्र रूप से आधारित है ।

ग) हम भा.ले.मा. 108 के तहत यथा अपेक्षित खंडवार सूचना के प्रकटण संबंधी टिप्पणी सं. 30(15) की ओर ध्यान आकृष्ट करते हैं ।

इस मामले में हमारे विचार में कोई परिवर्तन नहीं है ।

अन्य मामले विधिक एवं विनियामक अपेक्षाओं पर रिपोर्ट -

1. अधिनियम की धारा 143 की उप-धारा 11 के परिप्रेक्ष्य में भारत के केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी, कंपनी (लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट), आदेश 2015, तथा संबंधित शाखाओं की लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट में दी गई टिप्पणियों के आधार पर, की आवश्यकतानुसार, हमने संलग्नक में कथित आदेश के अनुच्छेद 3 और 4 में विनिर्दिष्ट विषयों पर एक विवरण प्रस्तुत किया है।

2. अधिनियम की धारा 143(3) में अपेक्षानुसार, हम रिपोर्ट करते हैं कि -

(क) हमने अपनी अधिकतम जानकारी और विश्वास के अनुसार अपने लेखा परीक्षण के प्रयोजन के लिए आवश्यक सभी सूचना व स्पष्टीकरणों को प्राप्त किया है ।

(ख) हमारे विचार से, जहाँ तक इन बहियों के परीक्षण से दृष्टिगत होता है, विधि द्वारा यथा वांछित सही बही खाते कंपनी द्वारा रखे गए हैं । बेंगलूर, हैदराबाद और चेन्नै शाखाओं और कार्पोरेट कार्यालय के लेखों का लेखा परीक्षण हमारे द्वारा किया गया। न्यूयार्क और सिंगापुर के कार्यालयों एवं अन्य मामले कार्यालयों के मामले में, जिनका दौरा हमने नहीं किया है और जिनके लेखे कार्पोरेट कार्यालय में रखे जाते हैं, कथित कार्यालयों से प्राप्त विवरणियों / अभिलेखों को सत्यापित किया गया है तथा लेखा परीक्षण के प्रयोजन के लिए उन्हें पर्याप्त पाया गया है ।

(ग) गाज़ियाबाद, पंचकुला, कोटद्वार, पुणे, नवी मुंबई और मचिलिपट्टणम शाखाओं के संबंध में, शाखा लेखा परीक्षकों द्वारा अधिनियम की धारा 143 (8) के तहत लेखा परीक्षित कंपनी के शाखा कार्यालयों के लेखों पर रिपोर्ट हमें अग्रेषित की गई है और इस रिपोर्ट को तैयार करने में हमारे द्वारा उनसे उचित ढंग से निपटा गया है ।

(घ) इस प्रतिवेदन द्वारा व्यवहार में लाए गए तुलन-पत्र तथा लाभ व हानि का विवरण एवं नकदी प्राप्ति विवरणी इस कंपनी के बही खातों से और हमारे द्वारा दौरान की गई शाखाओं से प्राप्त विवरणों से मेल खाते हैं ।

ङ) हमारे विचार से, उक्त स्टैंडअलोन भा.ले.मा. वित्तीय विवरण अधिनियम की धारा 133 जिसे कंपनी (लेखा) नियम, 2014 के साथ जारी संबंधित नियम पढ़ा जाना है, के तहत निर्दिष्ठ लेखा मानकों का पालन करते हैं ।

(च) 5 जून 2015 की अधिसूचना सं. जीएसआर 463 (ई) के अनुसार, कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 164 (2) की सरकारी कंपनियों के लिए आवश्यक नहीं है।

(छ) कंपनी के वित्तीय वक्तव्यों की वित्तीय रिपोर्टिंग और इस तरह के नियंत्रण की संचालन प्रभावशीलता पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की पर्याप्तता के संबंध में, एक अलग रिपोर्ट संलग्न (अनुलग्नक II) संलग्न है।

(ज) कंपनी (लेखा परीक्षा तथा लेखा परीक्षक) नियम, 2014 के नियम 11 के अनुसार, लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट में शामिल किए जाने वाले अन्य मामले मामलों के संबंध में, हमारे विचार से तथा जहाँ तक हमारी जानकारी है और हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार -

i. यथा 31 मार्च 2017 को कंपनी ने अपने स्टैंडअलोन भा.ले.मा. वित्तीय विवरणों में अपनी वित्तीय स्थिति पर लंबित मुकदमों के प्रभाव को प्रकट किया है - स्टैंडअलोन भा.ले.मा. वित्तीय विवरणों के टिप्पणी 30(10) का संदर्भ लें ।

ii. कंपनी ने प्रचलित कानूनों या लेखा मानकों के तहत आवश्यक वित्तीय विवरणों के रूप में स्टैंडअलोन भा.ले.मा. में, डेरिवेटिव अनुबंधों सहित लंबी अवधि के अनुबंधों के लिए अपेक्षित प्रावधानों के लिए अपेक्षित प्रावधान बनाए हैं - स्टैंडअलोन भा.ले.मा. वित्तीय विवरणों के टिप्पणी 21 का संदर्भ लें ।

iii. कंपनी द्वारा निवेशक शिक्षा एवं संरक्षण निधि को अंतरित की जाने वाली राशि को अंतरित करने में कोई देरी नहीं हुई है ।

3. कंपनी के लिए लागू, जैसा कि अधिनियम की धारा 143 (5) के तहत आवश्यक है, भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक द्वारा जारी दिशानिर्देशों के निष्कर्षों को संलग्न किया गया है (अनुलग्नक III)।

4. कंपनी ने स्टैंडअलोन भा.ले.मा. वित्तीय विवरण में 8 नवंबर 2016 से 30 दिसंबर 2016 की अवधि के दौरान निर्दिष्ट बैंक टिप्पणियों को रखने के साथ-साथ लेनदेन के लिए अपेक्षित प्रकटीकरण प्रदान किए हैं। लेखा परीक्षा की प्रक्रियाओं के आधार तथा प्रबंधन प्रतिनिधित्व पर निर्भर करते हुए, हम रिपोर्ट करते हैं कि कंपनी द्वारा किए गए प्रकटीकरण खाते की पुस्तकों के अनुसार हैं और प्रबंधन द्वारा हमें प्रस्तुत किए गए हैं -स्टैंडअलोन भा.ले.मा. वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणी 30 (19) देखें।

कृते **बदरी, मधुसूदन एंड श्रीनिवासन**
सनदी लेखाकार
फर्म पंजीयन संख्या - 005389एस

एस. राजेन्द्रन
साझेदार
सदस्यता सं. 021883

बेंगलूरु
29 मई 2017

स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट से संबंधित संलग्नक - I

31 मार्च 2017 को समाप्त वर्ष के स्टैडअलोन भा.ले.मा. वित्तीय विवरण पर कंपनी सदस्यों को प्रस्तुत समासंख्यक स्वतंत्र लेखा परीक्षकों के रिपोर्ट की अन्य मामले यायिक एवं विनियामक अपेक्षिताओं की रिपोर्ट अनुच्छेद - 1 में उल्लेखित संलग्नक के संदर्भ पर हम रिपोर्ट करते है कि -

(i) क) कंपनी ने परिमाणात्मक विवरण तथा अचल परिसंपत्तियों की स्थिति सहित संपूर्ण ब्यौरे दर्शाते हुए सामान्यतः सही अभिलेख रखे हैं ।

ख) जैसा कि हमें स्पष्ट किया गया है तथा अभिलेखों के हमारे परीक्षण के आधार पर, प्रबंधन ने भौतिक सत्यापन के अपने अवस्थाबद्ध कार्यक्रम के अनुसार सामान्यतः अचल परिसंपत्तियों के एक हिस्से का भौतिक सत्यापन किया है जिसे कंपनी के आकार एवं इसके व्यवसाय की प्रकृति के संबंध में तर्कसंगत माना गया है और ऐसे सत्यापन के साथ व्यवहरित विसंगतियाँ, यदि कोई हों, को वर्ष के दौरान उचित रूप से निपटाया है ।

ग) हमें प्राप्त विवरण एवं अभिलेखों पर हमारे परीक्षण के आधार पर, अचल परिसंपत्तियों के स्वत्ताधिकार विलेख कंपनी पर धारित है । हम के स्टैडअलोन भा.ले.मा. वित्तीय विवरण की टिप्पणी सं. 1 एवं 3 की ओर आपका ध्यान आकर्षित करते है ।

(ii) वर्ष के दौरान प्रबंधन द्वारा कंपनी में रखे कच्चे माल, स्टोर एवं कलपुर्जे, औजार, चालू कार्य तथा अर्ध-तैयार माल की वस्तुसूची तथा तैयार माल की वस्तुसूची, तृतीय पक्षकारों के पास रखे स्टॉक और मार्गस्थ सामग्रियों को छोड़कर, का भौतिक रूप से सत्यापन किया गया । हमारे विचार से तथा हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरणों के अनुसार, प्रबंधन द्वारा अनुसरित वस्तुसूचियों के भौतिक सत्यापन की प्रक्रियाएँ कंपनी के आकार और उसके व्यवसाय की प्रकृति के संबंध में आम तौर पर समुचित तथा पर्याप्त हैं ।

हमारे विचार से तथा अभिलेखों के हमारी परीक्षण के आधार पर, कंपनी अपनी वस्तुसूचियों के उचित अभिलेख रख रही है । भौतिक स्टाक तथा बही के अभिलेखों के सत्यापन के बीच पाई गई विसंगतियाँ महत्वपूर्ण नहीं थीं और पाए गए अंतरों का उचित रूप से समाधान किया गया है ।

उप-ठेकेदारों के पास रखी सामग्रियों के मामले में, सामान्यतः पुष्टीकरण प्राप्त किए गए और बहियों के अभिलेखों से उनका समाधान किया गया है । बहरहाल, ऐसी मदों के संबंध में जिनके लिए कोई पुष्टीकरण प्राप्त नहीं किए गए और जो उल्लेखनीय नहीं हैं, कंपनी ने लेखा बहियों में समुचित प्रावधान करते हुए निपटा है ।

(iii) हमें दी गई जानकारी तथा स्पष्टीकरणों के अनुसार, कंपनी अधिनियम 2013 (अधिनियम) की धारा 189 के तहत रखे जाने वाले रजिस्टर में कंपनी ने एक सहायक कंपनी को अप्रतिभूत ऋण प्रदान किया है । कंपनी ने धारा 189 में शामिल कंपनियों, फर्मों या अन्य मामले पक्षकारों को कोई ऋण, प्रतिभूत या अप्रतिभूत, नहीं दिया है ।

क) हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार और हमारे द्वारा किए गए ऑडिट प्रक्रियाओं के आधार पर, हम इस राय के हैं कि कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 189 के तहत सहायक कंपनी को अप्रतिभूत ऋण प्रदान की गई द्वारा निर्धारित नियमों और शर्तों को के तहत रखा गया है और कंपनी के हित के प्रतिकूल है ।

(ख) अधिनियम की धारा 189 के तहत रखे रजिस्टर में सूचीबद्ध कंपनी को दिए गए ऋणों के मामले में, उधारकर्ता नियमित रूप से ब्याज के भुगतान और निर्धारित मूलधन की चुकौती में रहा है।

(ग) अधिनियम की धारा 189 के तहत बनाए रजिस्टर में सूचीबद्ध सहायक कंपनी को दिए गए ऋण के संबंध में कोई अतिदेय राशि नहीं है।

(iv) ऋण, निवेश, गारंटी और सुरक्षा के संबंध में कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 185 और 186 के प्रावधान लागू नहीं हैं।

(v) हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरणों के अनुसार, भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा जारी निर्देशों तथा धारा 73 से 76 के प्रावधानों या कंपनी अधिनियम के संगत प्रावधानों तथा उनके तहत बनाए गए नियमों के अनुसार, कंपनी ने चालू वर्ष में पब्लिक से कोई जमा राशि स्वीकार नहीं की ।

सभी जमा राशियाँ परिपक्व हो गई हैं और उनका निपटारा कर दिया गया है सिवाय ₹ 36.95 लाख के, जिसमें से ₹ 36.50 लाख लोकायुक्त, बेंगलूरु के अनुऋणी आदेश के अनुसार रोक रखी गई है और शेष ₹ 0.45 लाख की राशि परिपक्व होने पर भी कानूनी मामलों के कारण अदत्त है ।

हमारे विचार से तथा हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरणों के अनुसार तथा अभिलेखों के हमारे परीक्षण के आधार पर, कंपनी ने अधिनियम की धारा 73 के प्रावधानों तथा अन्य मामले संगत प्रावधानों तथा कंपनी (जमा राशियों स्वीकार करना) नियम, 2014 के प्रावधानों का पालन किया है ।

(vi) कंपनी ने केन्द्रीय सरकार द्वारा निर्धारित लागत लेखों को रखने और उनकी लेखा परीक्षा के लिए कंपनी अधिनियम की धारा 148 की उप-धारा (1) के तारतम्य में लागत अभिलेख रखे हैं । हमारा विचार है कि प्रथम दृष्टया निर्धारित लागत लेखे और लागत अभिलेख बनाए गए हैं और उनका अनुरक्षण किया गया हैं । बहरहाल, वे सटीक अथवा सम्पूर्ण हैं या नहीं, यह निर्धारित करने की दृष्टि से हमने लागत लेखों की विस्तृत जाँच-पड़ताल नहीं की है ।

(vii) क) कंपनी भविष्य निधि, कर्मचारी राज्य बीमा, आय कर, विक्रय कर, सेवा कर, सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क, उप कर तथा अन्य मामले लागू सांविधिक देयों सहित सभी अविवादित सांविधिक देयों का विप्रेषण करने में नियमित है । हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरणों के अनुसार, यथा 31 मार्च 2017 को ऐसा कोई अविवादित सांविधिक देय बकाया नहीं था जो प्रदेय बनने की तारीख से छः महीनों से अधिक समय तक बकाया था ।

ख) हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरणों के अनुसार, यथा 31 मार्च 2017 को भविष्य निधि, कर्मचारी राज्य बीमा, आय कर, विक्रय कर, सेवा कर, सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क, उप कर तथा अन्य मामले लागू सांविधिक देयों के संबंध में ऐसी कोई विवादित राशि नहीं है जो उनके प्रदेय बनने की तारीख से छः महीनों से अधिक समय तक अदत्त बनी रही परतु उनमें निम्नलिखित शामिल नहीं हैं -

(₹ लाख में)

संविधि का नाम	प्रदेयों की प्रकृति	वित्तीय वर्ष जिससे राशि संबंधित है	राशि	फोरम जहाँ विवाद लंबित है
विक्रय कर अधिनियम, बिहार	बिहार विक्रय कर के तहत विवादित कर	1995-96 to 1997-98	66.44	वाणिज्यिक कर के आयुक्त (अपील), चिरकुंडा, बिहार
सीएसटी अधिनियम 1956/ कर्नाटक वीएटी अधिनियम, 2003	विक्रय कर	2008-09 to 2015-16	*89,812.85	अपीलीय प्राधिकारी के विभिन्न स्तर
आंध्र प्रदेश राज्य वीएटी अधिनियम	विक्रय कर	2005-06 to 2007-08, 2009-10	68.24	अपीलीय प्राधिकारी के विभिन्न स्तर
वित अधिनियम, 1994- सेवा कर	सेवा कर	2007-08 to 2009-10	147.97	अपीलीय प्राधिकारी के विभिन्न स्तर
केन्द्रीय उत्पाद अधिनियम	एमओडी वैट ऋण, उत्पाद शुल्क, उत्पाद शुल्क ब्याज	1991-92, 2016-17	290.8	अपीलीय प्राधिकारी के विभिन्न स्तर
सीमा शुल्क अधिनियम	सीमा शुल्क	2012-13, 2015-16	148.68	अपीलीय प्राधिकारी के विभिन्न स्तर
आयकर अधिनियम	आयकर अधिनियम	2007-08 to 2016-17	134.41	टीडीएस सर्किल, एलटीयू, बेंगलूर
सीएसटी	सीएसटी	2005-06 to 2007-08	1,346.14	विक्रय कर अपीलीय न्यायालय
विक्रय कर अधिनियम	विक्रय कर अधिनियम	1980-81, 2007-08 to 2009-10, 2013-14	424.07	अपीलीय प्राधिकारी के विभिन्न स्तर
खाली भूमि कर	खाली भूमि कर	1998-99 to 2003-04	10.35	निदेशक, नगर पंचायत निदेशालय, चेन्नै
शहरी भूमि कर	शहरी भूमि कर	1984-85 to 2002-03	41.44	प्रधान आयुक्त और भू-सुधार के आयुक्त, चेन्नै
वाणिज्यिक कर	विक्रय कर	1989-90, 1991-92	4.19	अपीलीय प्राधिकारी के विभिन्न स्तर
ईएसआई अधिनियम, 1948	क्षतिपूर्ति के भुगतान पर विवाद	1992-93, 1998-2001	33.95	पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय (चंडीगढ़) और आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय

(₹ लाख में)

संविधि का नाम	प्रदेयों की प्रकृति	वित्तीय वर्ष जिससे राशि संबंधित है	राशि	फोरम जहाँ विवाद लंबित है
आयकर अधिनियम Act, 1961	क्षतिपूर्ति के भुगतान पर विवाद	2008-09, 2009-10, 2011-12 to 2013-14	2,398.66	अपीलीय प्राधिकारी के विभिन्न स्तर, बेंगलूर
श्रम अधिनियम	क्षतिपूर्ति के भुगतान पर विवाद	2010-11	2	दिल्ली उच्च न्यायालय
व्यापार कर	कर की दरें	2000-01, 2001-02	361.15	उत्तराखंड उच्च न्यायालय, नैनीताल
कुल विवादित राशि			**95,291.34**	
अंतिम आदेश के लंबित होने से विरोध के तहत अदा की गई कुल राशि			**11,223.97**	

* कर्नाटक उच्च न्यायालय के आदेश के अनुसार संशोधित मांग मूल्य का वर्ष 2008-09 और 2010-11 के लिए विचार किया जाता है, हालांकि, कर्नाटक वाणिज्यिक कर विभाग से अभी तक संशोधित आदेश प्राप्त नहीं हुआ है ।

(viii) कंपनी के रिकॉर्ड के आधार पर और हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के आधार पर, कंपनी ने किसी बैंक, वित्तीय संस्थान या अन्य मामले को देय राशि का भुगतान करने में चूक नहीं की है।

(ix) प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकश या अतिरिक्त सार्वजनिक पेशकश (ऋण साधनों सहित) और उन उद्देश्यों के लिए अवधि के ऋण के माध्यम से उठाए गए धन के आवेदन से संबंधित आवश्यकताएं कंपनी के लिए लागू नहीं हैं।

(x) खाते की पुस्तकों की हमारी परीक्षा के दौरान और कंपनी के रिकॉर्ड भारत में आम तौर पर स्वीकार किए जा रहे ऑडिटिंग प्रथाओं के अनुसार किए गए थे और हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, हम न तो धोखाधड़ी के किसी भी उदाहरण में आए हैं कंपनी या कंपनी या उसके अधिकारियों या कर्मचारियों पर किसी भी धोखाधड़ी को देखा या वर्ष के दौरान सूचना दी गई है और न ही प्रबंधन द्वारा किसी भी ऐसे मामले के बारे में हमें सूचित किया गया है, जिसके कारण वित्तीय विवरणों को वास्तविक रूप से गलत तरीके से बताया गया है।

(xi) कंपनी अधिनियम, 2013 के लिए अनुसूची V के साथ पढ़ा जाने वाले अनुभाग 197 के अनुसार प्रबंधकीय पारिश्रमिक के वितरण के संबंध में प्रावधान लागू नहीं है ।

(xii) निधि कंपनी के अनुपालन के संबंध में निधियों के दायित्व को पूरा करने के लिए निधि नियमों, 2014 में विनिर्दिष्ट दस प्रतिशत अप्रचलित अवधि के जमा राशि का दायित्व रखरखाव को पूरा करने के लिए 1:20 के अनुपात में निधियों के लिए नेट स्वामित्त निधि के साथ प्रावधान कंपनी के लिए लागू नहीं है ।

(xiii) कंपनी के रिकॉर्ड के आधार पर और हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के आधार पर, संबंधित पार्टियों के साथ सभी लेनदेन कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 177 और 188 के अनुपालन में हैं और वित्तीय विवरणों के रूप में स्टैंडअलोन भा.ले.मा. वित्तीय विवरण को भारतीय लेखा मानकों के अनुसार टिप्पणी 31 से अनुपालन किया गया है।

(xiv) कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 42 की आवश्यकता के अनुसार अधिमाय आवंटन या शेयरों की निजी नियुक्ति या वर्ष के दौरान पूरी तरह या आंशिक रूप से परिवर्तनीय ऋण-पत्र के संबंध में प्रावधान लागू नहीं हैं, क्योंकि कंपनी द्वारा ऐसा कोई समस्या नहीं हुई है।

(xv) हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरण के अनुसार और रिकॉर्ड की परीक्षा के आधार पर, कंपनी ने निदेशक या उसके साथ जुड़े व्यक्तियों के साथ किसी गैर-नकद लेनदेन में प्रवेश नहीं किया है और इसलिए, कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 192 के प्रावधान हैं लागू नहीं।

(xvi) भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 45-आईए के तहत पंजीकरण की आवश्यकता कंपनी के लिए लागू नहीं है।

कृते **बदरी, मधुसूदन एंड श्रीनिवासन**
सनदी लेखाकार
फर्म पंजीयन संख्या - 005389एस

एस. राजेन्द्रन
साझेदार
सदस्यता सं. 021883

बेंगलूरु
29 मई 2017

समसंख्यवक तारीख की स्वतंत्र लेखा परीक्षक की रिपोर्ट का अनुलग्नतक-II

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143 की उपधारा 3 के खंड (i) के तहत आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर रिपोर्ट ("अधिनियम")

हमने दिनांक 31 मार्च 2017 तक भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड ("कंपनी") की वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों का लेखा-परीक्षण किया है, जो उस तिथि पर समाप्त वर्ष के लिए कंपनी के वित्तीय विवरण के रूप में स्टैंडअलोन भा.ले.मा. के हमारे लेखापरीक्षा के साथ मिलकर किया गया है।

आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के लिए प्रबंधन की जिम्मेदारी

कंपनी, इसकी सहायक कंपनियों, इसकी सहयोगी कंपनियों और संयुक्त रूप से नियंत्रित कंपनियों, जो भारत में शामिल की गई हैं, के संबंधित निदेशक मंडल, कंपनी द्वारा स्थापित वित्तीय रिपोर्टिंग मानदंडों पर आंतरिक नियंत्रण के आधार पर, भारतीय सनदी (चार्टर्ड) लेखाकार संस्थान द्वारा जारी किए गए वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की लेखा परीक्षा के दिशानिर्देश नोट में कहे गए अनुसार आंतरिक नियंत्रण के अनिवार्य घटकों पर विचार करते हुए आंतरिक वित्तीय नियंत्रण स्थामपित करने और उन्हें बनाए रखने के लिए जिम्मेदार हैं। इन जिम्मेदारियों में डिजाइन, कार्यान्वयन और आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों का पर्याप्त रखरखाव, जो अपने व्यापार को व्यवस्थित और कुशल रूप से संचालन सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी ढंग से काम कर रहे थे, इसमें कंपनी की नीतियों का पालन, इसकी परिसंपत्तियों की सुरक्षा, धोखाधड़ी और त्रुटियों का पता लगाना एवं उनकी रोकथाम, लेखा अभिलेखों की पूर्णता और सटीकता, और विश्वसनीय वित्तीय जानकारियों को समय पर तैयार करना आदि, जैसा कि कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत आवश्यक होता है, शामिल हैं ।

लेखा परीक्षकों की उत्तरदायित्व -

हमारी लेखा परीक्षा के आधार पर वित्तीय रिपोर्टिंग द्वारा कंपनी के आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर एक राय व्यक्त करना हमारी जिम्मेदारी है। हमने वित्तीय रिपोर्टिंग ("गाइडेंस नोट") पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की लेखापरीक्षा के दिशानिर्देश नोट, आईसीएआई द्वारा जारी किए गए लेखा परीक्षा मानकों और कंपनी अधिनियम 2013, की धारा 143 (10) के तहत निर्धारित समझा जाने के तदनुसार लेखा परीक्षा आयोजित की, जो किसी हद तक आंतरिक वित्तीय नियंत्रण लेखा परीक्षा हेतु लागू होती है, ये दोनों आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की एक लेखा परीक्षा के लिए लागू होते है और दोनों भारतीय चार्टर्ड (सनदी) लेखाकार संस्थान द्वारा जारी किए जाते हैं।

उन मानकों और दिशानिर्देश नोट की आवश्यकता होती है कि हम नैतिक आवश्यकताओं और योजना के अनुरूप अनुपालन करें और उन बातों के उचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए लेखा परीक्षा का निष्पालदन करते हैं कि क्या वित्तीय रिपोर्टिंग पर पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण स्थापित किया गया और बनाए रखा गया था और क्या इस तरह के नियंत्रण सभी सामग्री मामलों में प्रभावी ढंग से संचालित किए गए थे।

हमारे लेखापरीक्षा में वित्तीय रिपोर्टिंग और उनके ऑपरेटिंग प्रभावशीलता पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता के बारे में लेखापरीक्षा साक्ष्य प्राप्त करने की प्रक्रियाएं शामिल हैं।

वित्तीय रिपोर्टिंग के अंतर्गत आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की हमारी लेखा-परीक्षा में वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों को समझना, जोखिम कम होने की जोखिम का आकलन करना, मूल्यांकन जोखिम पर आधारित डिजाइन और संचालन प्रभावशीलता का मूल्यांकन करना और मूल्यांकन करना शामिल है। चयनित प्रक्रियाएं, लेखा परीक्षक के निर्णय पर निर्भर करती हैं, जिसमें वित्तीय विवरणों के रूप में स्टैंडअलोन भा.ले.मा. के भौतिक गलतफहमी के जोखिम के आकलन शामिल हैं, चाहे धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण हो।

हमारा मानना है कि हमारे द्वारा प्राप्त लेखापरीक्षा के सबूत, कंपनी की आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली की अधिक रिपोर्टिंग के लिए हमारे लेखापरीक्षा राय के लिए पर्याप्त आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उचित है।

वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण का अर्थ

एक कंपनी की वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण एक प्रक्रिया है जो वित्तीय रिपोर्टिंग की विश्वसनीयता और आम तौर पर स्वीकृत लेखा सिद्धांतों के अनुसार बाहरी प्रयोजनों के लिए वित्तीय वक्तव्यों को तैयार करने के संबंध में उचित आश्वासन प्रदान करने के लिए बनाई जाती है। एक कंपनी की वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण में वे नीतियां और प्रक्रियाएँ शामिल हैं जो

(1) अभिलेखों के रखरखाव से संबंधित है और जो उचित विस्तार से, कंपनी की संपत्ति के यथावत एवं यायसंगत लेनदेन और प्रवृतियों को दर्शाते हैं,

(2) उचित आश्वासन प्रदान करती है कि लेन-देन, आम तौर पर स्वीकृत लेखा सिद्धांतों के अनुसार वित्तीय वक्तव्यों को तैयार करने की अनुमति के लिए आवश्यकता के रूप में दर्ज किए गए हैं और यह

कि प्राप्तियां और व्यय केवल कंपनी के निदेशक और प्रबंधन के प्राधिकार के अनुसार किए जा रहे है; तथा

(3) रोकथाम या कंपनी की संपत्ति के अनधिकृत अधिग्रहण, उपयोग, या प्रवृति का समय पर पता लगाना जिनका कि वित्तीय वक्तव्यों पर वास्तविक प्रभाव हो सकता है, के बारे में उचित आश्वासन प्रदान करती हैं।

वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की अंतर्निहित सीमाएँ

वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की अंतर्निहित सीमाओं के कारण, कपटसंधि या नियंत्रण के अधिभावी अनुचित प्रबंधन सहित, त्रुटि या धोखाधड़ी के कारण सामग्री के झूठे वक्तव्यों की संभावना हो सकती है और जिनका पता भी नहीं चल सकता है। इसके अलावा, भविष्य की अवधि के लिए वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के कोई भी मूल्यांकन के अनुमान जोखिम भरे हो सकते हैं, क्योंकि स्थितियों में बदलाव, या यह कि नीतियों या प्रक्रियाओं के अनुपालन की डिग्री खराब हो सकती है, के कारण वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण अपर्याप्त हो सकता है।

विचार

हमारी राय में, कंपनी, के सभी सामग्री मामलों में, वित्तीय रिपोर्टिंग पर पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणालियाँ है और वित्तीय रिपोर्टिंग पर इस तरह की आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणालियाँ 31 मार्च 2017 तक भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान द्वारा जारी किए गए वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की लेखा परीक्षा के दिशानिर्देश नोट में वर्णित आंतरिक नियंत्रण के आवश्यक घटकों पर विचार करते हुए कंपनी द्वारा स्थापित वित्तीय रिपोर्टिंग मानदंडों पर आंतरिक नियंत्रण के आधार पर प्रभावी ढंग से काम कर रही थी।

कृते **बदरी, मधुसूदन एंड श्रीनिवासन**
सनदी लेखाकार
फर्म पंजीयन संख्या - 005389एस

(एस. राजेन्द्रन)
साझेदार
सदस्यता सं. 021883

बेंगलूरु
29 मई 2017

अनुलग्न क-III समसंख्या तारीख के स्वतंत्र लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143 (5) के अधीन प्रस्तुत रिपोर्ट

क्र. सं.	निदेश/ उप-निदेश	की गई कार्रवाई	वित्तीय विवरण पर प्रभाव
1.	क्या कंपनी उमुक्त स्वत्वाधिकार/ मुक्तधारी पट्टा एवं पट्टाघारी है? यदि नहीं है तो स्वत्वाधिकार/पट्टा विलेख रहित भूमी के मुक्तधारित एवं पट्टाधारित क्षेत्र का विवरण दें।	जी हाँ, कंपनी के पास मुक्तधारित एवं पट्टाधारित भूमि संबंधी उमुक्त स्वत्वाधिकार/ पट्टा धारित है। बहारहाल - 1) 1036.81 एकड़ के मापन के मुक्तधारित भूमि के (बेंगलूर संकुल व हैदराबाद यूनिट) विक्रय विलेख के अंतिम रूप देने का कार्य लंबित है। 2) 14.02 एकड़ के मापन की भूमि का स्वत्वाधिकार विलेख (बेंगलूर संकुल, पंचकुला व कोटद्वारा यूनिट) मुकदमाधीन है। 3) टीएसआईआईसी से संबद्ध 22.375 एकर्स के लिए 5.12 करोड की अतिरिक्त प्रतिपूर्ति के विवादित मामले को प्रासंगिक देयताओं में सम्मिलित किया गया है।	**शून्य**
2.	क्या किसी उधार/ऋण/ब्याज आदि का अधित्याग किया गया है / बट्टे खाते में डाला गया है, यादि हाँ हो तो उसके कारण व सम्मिलित राशि स्पष्ट करें।	वर्ष के दौरान संलग्नक क के अनुसार कुल ₹ 7,899.77 लाख की राशि बट्टे खाते में डाली गई है।	**संलग्नक क**
3.	तीसरी पार्टी के पास रखी गई वस्तुओं की सूची व सरकार या अन्य मामले प्राधिकरणों से उपहार के रूप में प्राप्त संपत्ति का समुचित अभिलेख रखा गया है या नहीं?	जी हाँ, तीसरी पार्टी के पास रखी गई वस्तुओं की सूची के समुचित अभिलेखों का अनुरक्षण किया गया है तथा सरकार या अन्य मामले प्राधिकरणों से किसी भी प्रकार का उपहार प्राप्त नहीं हुआ है।	**शून्य**

कृते **बदरी, मधुसूदन एंड श्रीनिवासन**
सनदी लेखाकार
फर्म पंजीयन संख्या - 005389एस

(एस. राजेंद्रन)
साझेदार
सदस्यता सं. 021883

बेंगलूरु
29 मई 2017

संलग्नक - क

(₹ लाख में)

क्र. सं.	विवरण	बट्टे खाते में डाली गई कुल रकम	प्रावधान/ संचित मूल्यह्रास के विरुद्ध बट्टे खाते में डाली गई कुल रकम (₹)	लाभ/हानि पर प्रभाव
1.	बट्टे खाते में डाले गए अशोध्य ऋण/एलडी/अग्रिम	7228.25	7224.41	3.84
2.	बट्टे खाते में डाले गए कच्चे माल, भंडार एवं घटक	669.88	638.93	30.95
3.	बट्टे खाते में डाली गई मूर्त परिसंपत्तियाँ	1.64	1.64	-
बट्टे खाते में डाली गई कुल रकम		**7899.77**	**7864.98**	**34.79**

स्पीड पोस्ट द्वारा
गोपनीय

सं./No. नि./बी.ई.एल. लेखा(2016-17)/2017-18/

प्रधान निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा एवं पदेन सदस्य
लेखापरीक्षा बोर्ड का कार्यालय, बेंगलूर – 560 001.
OFFICE OF THE PRINCIPAL DIRECTOR OF COMMERCIAL AUDIT and Ex-Officio MEMBER, AUDIT BOARD, BANGALORE - 560 001.

दिनांक / DATE.

20 जुलाई 2017

सेवा मे,
श्री एम.वी.गौतमा
अध्यक्ष & प्रबंध निदेशक,
मेसर्स भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड,
पी. ओ. नागवारा, आउटर रिंग रोड
बैंगलोर 560 045

महोदय,

विषयः कम्पनी अधिनियम 2013 की धारा 143(6)(b) के तहत भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की टिप्पणियॉ।

मै 31 मार्च 2017 को समाप्त वर्ष के मेसर्स - भरत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड , बैंगलोर के लेखाओ पर कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 143(6)(b) के तहत भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरिक्षंक का " टिपण्णी प्रमाण पत्र " अग्रेषित करता हूँ|

कृपया सुनिश्चित करे कि टिप्पणिया

1. बिना कोई संशोधन किये पूर्ण रूप से छापी जाये|
2. सूचि में उचित संकेत के साथ कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट में सांविधिक लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट के आगे रखा जाये|
3. कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 143(6)(b) के तहत आवश्यकतानुसार वार्षिक आम बैठक में रखा जाये |

कृपया पत्र की पावती भेजें|

भवदीय,

(एन. सुब्रमणीयन)
निदेशक (प्रशासन)

संलग्नः यथोपरि

भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा विभाग
INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT
पहला तल, बसव भवन, श्री बसवेश्वर रोड, बेंगलूर – 560 001
1st Floor, Basava Bhavan, Sri Basaveswara Road, Bangalore - 560 001

दू.भा / Phone : 2226 7646 / 2226 1168
Email : mabbangalore@cag.gov.in
फैक्स / Fax : 080-2226 2491

COMMENTS OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA UNDER SECTION 143(6)(b) OF THE COMPANIES ACT, 2013 ON THE FINANCIAL STATEMENTS OF M/S. BHARAT ELECTRONICS LIMITED, BENGALURU FOR THE YEAR ENDED 31 MARCH 2017

The preparation of financial statements of **M/s. Bharat Electronics Limited, Bengaluru** for the year ended 31 March 2017 in accordance with the financial reporting framework prescribed under the Companies Act, 2013 (Act) is the responsibility of the management of the company. The statutory auditors appointed by the Comptroller and Auditor General of India under section 139(5) of the Act are responsible for expressing opinion on the financial statements under section 143 of the Act based on independent audit in accordance with the standards on auditing prescribed under section 143(10) of the Act. This is stated to have been done by them vide their Audit Report dated 29 May 2017.

I, on behalf of the Comptroller and Auditor General of India, have conducted a supplementary audit under section 143(6)(a) of the Act of the financial statements of **M/s. Bharat Electronics Limited, Bengaluru** for the year ended 31 March 2017. This supplementary audit has been carried out independently without access to the working papers of the statutory auditors and is limited primarily to inquiries of the statutory auditors and company personnel and a selective examination of some of the accounting records. On the basis of my audit nothing significant has come to my knowledge which would give rise to any comment upon or supplement to statutory auditors' report.

For and on behalf of the
Comptroller & Auditor General of India

Prachi Pandey
20.7/XVII

(Prachi Pandey)
Pr. Director of Commercial Audit

Place: Bengaluru
Date: 20th July 2017

COMMENTS OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA UNDER SECTION 143(6)(b) READ WITH SECTION 129(4) OF THE COMPANIES ACT, 2013 ON THE CONSOLIDATED FINANCIAL STATEMENTS OF M/S. BHARAT ELECTRONICS LIMITED, BENGALURU FOR THE YEAR ENDED 31 MARCH 2017

The preparation of Consolidated Financial Statements of **M/s. Bharat Electronics Limited, Bengaluru** for the year ended 31 March 2017 in accordance with the financial reporting framework prescribed under the Companies Act, 2013 (Act) is the responsibility of the management of the company. The statutory auditors appointed by the Comptroller and Auditor General of India under section 139(5) read with section 129(4) of the Act are responsible for expressing opinion on the financial statements under section 143 read with section 129(4) of the Act based on independent audit in accordance with the standards on auditing prescribed under section 143(10) of the Act. This is stated to have been done by them vide their Audit Report dated 29 May 2017.

I, on behalf of the Comptroller and Auditor General of India, have conducted a supplementary audit under section 143(6)(a) read with section 129(4) of the Act of the consolidated financial statements of **M/s. Bharat Electronics Limited, Bengaluru** for the year ended 31 March 2017. We conducted a supplementary audit of the financial statements of M/s. Bharat Electronics Limited, Bengaluru and M/s. BEL Optronic Devices Limited, Pune, but did not conduct supplementary audit of the financial statements of M/s. GE BE Private Limited, Bengaluru for the year ended on that date. **Further, section 139(5) and 143(6)(b) of the Act are not applicable to M/s. GE BE Private Limited, Bengaluru being private entity for appointment of their Statutory Auditor or for conduct of supplementary audit. Accordingly, C&AG has neither appointed the Statutory Auditors nor conducted the supplementary audit of this company.** This supplementary audit has been carried out independently without access to the working papers of the statutory auditors and is limited primarily to inquiries of the statutory auditors and company personnel and a selective examination of some of the accounting records.

On the basis of my audit, nothing significant has come to my knowledge which would give rise to any comment upon or supplement to statutory auditors' report.

For and on behalf of the
Comptroller & Auditor General of India

Prachi Pandey
20.7/XVII

(Prachi Pandey)
Pr. Director of Commercial Audit

Place: Bengaluru

Date: 20th July 2017

तुलन पत्र

(₹ लाख में)

विवरण	टिप्पणी सं.	यथा 31 मार्च 2017	यथा 31 मार्च 2016	यथा 1 अप्रैल 2015
परिसंपत्तियाँ				
(1) गैर-चालू परिसंपत्तियाँ				
(क) गैर-चालू परिसंपत्तियाँ	1	125,476	97,578	78,572
(ख) संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण	2	36,389	22,187	13,965
(ग) निवेश संपत्ति	3	12	13	14
(घ) अमूर्त परिसंपत्तियाँ	4	43	69	57
(ङ) विकास तहत अमूर्त परिसंपत्तियाँ	5	29,242	20,784	12
(च) वित्तीय परिसंपत्तियाँ				
(i) निवेश	6	45,970	31,911	1,911
(ii) व्यापार से प्रदेय	7	-	-	-
(iii) ऋण	8	3,729	2,621	2,577
(iv) अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ	9	3,151	2,986	3,216
(छ) आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ (निवल)	10	53,228	46,078	38,769
(ज) वस्तुसूचियाँ	11	4,925	4,535	5,745
(झ) अन्य गैर-चालू परिसंपत्तियाँ	12	11,301	4,805	3,297
		313,466	**233,567**	**148,135**
(2) चालू परिसंपत्तियाँ				
(क) वस्तुसूचियाँ	11	485,576	413,212	335,638
(ख) वित्तीय परिसंपत्तियाँ				
(i) व्यापार से प्रदेय	7	435,488	371,193	378,941
(ii) नकद एवं नकद समतुल्य	13	268,596	247,008	202,170
(iii) बैंक शेष [उपर्युक्त (ii) के अलावा]	14	110,422	469,522	370,021
(iv) ऋण	8	4,328	5,928	942
(v) अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ	9	26,993	22,290	18,329
(ग) अन्य चालू परिसंपत्तियाँ	12	60,753	49,682	72,317
(घ) चालू कर परिसंपत्तियाँ (निवल)	15	9,991	-	224
		1,402,147	**1,578,835**	**1,378,582**
कुल परिसंपत्तियाँ		**1,715,613**	**1,812,402**	**1,526,717**
साम्या और देयताएँ				
साम्या				
(क) ईक्विटी शेयर पूँजी	16	22,336	24,000	8,000
(ख) अन्यसाम्या		728,518	874,360	793,199
		750,854	**898,360**	**801,199**

तुलन पत्र

(₹ लाख में)

विवरण	टिप्पणी सं.	यथा 31 मार्च 2017	यथा 31 मार्च 2016	यथा 1 अप्रैल 2015
देयताएँ				
(1) गैर-चालू देयताएँ				
(क) सरकारी अनुदान - आस्थगित	**17**	827	472	494
(ख) वित्तीय देयताएँ				
(i) उधार राशियाँ	**18**	1,667	-	-
(ii) व्यापार देय	**19**	-	57	2
(iii) अन्यवित्तीय देयताएँ	**20**	72	158	76
(ग) प्रावधान	**21**	89,242	69,933	54,910
(घ) अन्य गैर-चालू देयताएँ	**22**	1,469	1,876	1,670
		93,277	**72,496**	**57,152**
(2) चालू देयताएँ				
(क) सरकारी अनुदान - आस्थगित	**17**	20	3	19
(ख) वित्तयी देयताएँ				
(i) व्यापार देय	**19**	134,659	116,144	111,887
(ii) अन्य वित्तीय देयताएँ	**20**	59,457	43,121	24,518
(ग) अन्य चालू देयताएँ	**22**	636,558	653,815	517,544
(घ) प्रावधान	**21**	40,788	21,789	14,398
(ङ) चालू कर देयताएँ (निवल)	**15**	-	6,674	-
		871,482	**841,546**	**668,366**
कुल साम्या एवं देयताएँ		**1,715,613**	**1,812,402**	**1,526,717**

उल्लेखनीय लेखा नीतियां और साथ-साथ टिप्पणी वित्तीय विवरणों के अभिन्न भाग हैं।

यथा दिनांक रिपोर्ट के अनुसार संलग्न है ।

कृते बदरी, मधुसूदन एंड श्रीनिवासन
सनदी लेखाकार
फार्म पंजी. सं. 005389एस

एस वी गौतमा
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

कोशी अलेक्जाण्डर
मुख्य वित्तीय अधिकारी

एस राजेंद्रन
साझेदर
सदस्यता सं. 021883

डॉ. अजित कलघटगी
निदेशक (अनुसंधान एवं विकास)

एस श्रीनिवास
कंपनी सचिव

29 मई 2017
बेंगलूरु

लाभ व हानि का विवरण

(₹ लाख में)

	विवरण	टिप्पणी सं.	वर्ष 31 मार्च 2017 तक	वर्ष 31 मार्च 2016 तक
I	**प्रचालनों से राजस्व**	23	914,044	769,537
II	**अन्य आय**	24	47,101	53,708
III	**कुल आय (I+II)**		**961,145**	**823,245**
IV	**खर्च**			
	क खपत सामग्री की लागत		429,653	369,214
	ख खपत स्टोर और पुर्जों की लागत		3,288	2,927
	ग व्यापारगत स्टॉक की खरीद		50,281	33,936
	घ तैयार माल, चालू कार्य और रद्दी की वस्तुसूची में परिवर्तन	25	(41,913)	(23,420)
	ङ उत्पाद शुल्क		52,856	36,751
	च कर्मचारी लाभ व्यय	26	154,831	125,726
	छ वित्त लागत	27	1,178	451
	ज मूल्यह्रास और परिशोधन व्यय	28	19,152	17,221
	झ अन्य व्यय	29	88,877	87,227
	कुल व्यय (क से झ)		**758,203**	**650,033**
V	**असाधारण और अति सामान्य मदों और कर पूर्व लाभ (III-IV)**		**202,942**	**173,212**
VI	असाधारण मदें		-	-
VII	**कर पूर्व लाभ (V+VI)**		**202,942**	**173,212**
VIII	**कर व्यय**	10		
	- चालू कर		51,500	48,600
	- पूर्व के वर्ष		(873)	1
	- आस्थगित कर		(2,447)	(6,125)
	कराधान के लिए कुल प्रावधान		**48,180**	**42,476**
IX	**वर्ष के लिए लाभ (VII - VIII)**		**154,762**	**130,736**
X	**अन्य व्यापक लाभ / (हानि)**			
	लाभा एवं हानि के पश्चात् मद्दों को पुनःवर्गीकृत नहीं किया जाएगा			
	- निवल पारिभाषित लाभ देयता/परिसंपत्ति का पुनःमापन		(13,890)	(3,420)
	- अन्य व्यापक आय द्वारा साम्या प्रलेखों		1	1
	- इन मद्दों से संबंधित आयकर		4,704	1,183
	कुल अन्य व्यापक लाभ/ (हानि) (कर का निवल)		**(9,185)**	**(2,236)**
XI	**वर्ष के लिए कुल व्यापक लाभ (IX+X) [वर्ष के लिए शामिल लाभ एवं अन्यव्यापक लाभ]**		**145,577**	**128,500**
XII	**प्रति साम्या शेयर अर्जन-**	30(1)		
	(1) मूल [रुपये में]		**6.64**	**5.45**
	(2) परिवर्तित [रुपये में]		**6.64**	**5.45**

उल्लेखनीय लेखा नीतियां और साथ-साथ टिप्पणी वित्तीय विवरणों के अभिन्न भाग हैं।

यथा दिनांक रिपोर्ट के अनुसार संलग्न है ।

कृते बदरी, मधुसूदन एंड श्रीनिवासन
सनदी लेखाकार
फार्म पंजी. सं. 005389एस

एस वी गौतमा
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

कोशी अलेक्जाण्डर
मुख्य वित्तीय अधिकारी

एस राजेंद्रन
साझेदर
सदस्यता सं. 021883

डॉ. अजित कलघटगी
निदेशक (अनुसंधान एवं विकास)

एस श्रीनिवास
कंपनी सचिव

29 मई 2017
बेंगलूरु

साम्या में परिवर्तन विवरण

(₹ लाख में)

क. ईक्विटी शेयर पूंजी

	टिप्पणी सं.	मूल्य
यथा 1 अप्रैल 2015 को शेष		8,000
वर्ष के दौरान ईक्विटी पूँजी में परिवर्तन	16	
- वर्ष के दौरान जारी किए गए बोनस शेयर		16,000
यथा 31 मार्च 2016 को शेष		24,000

	टिप्पणी सं.	मूल्य
यथा 1 अप्रैल 2016 को शेष		24,000
वर्ष के दौरान ईक्विटी पूँजी में परिवर्तन	16	
- वापस खरीदी गई शेयर		(1,664)
यथा 31 मार्च 2017 को शेष		22,336

ख. अन्य ईक्विटी

	टिप्पणी सं.	प्रारक्षण एवं अधिशेष				अन्यप्रारक्षण	कुल अन्य साम्या
		पूँजीगत प्रारक्षण *	पूँजीगत मोचन प्रारक्षण *	सामान्य प्रारक्षण	प्राप्त अर्जन	अन्यव्यापक आय द्वारा साम्या प्रपत्र	
यथा 1 अप्रैल 2015 को शेष		**4,667**	**-**	**432,122**	**356,410**		**793,199**
वर्ष के लिए लाभ					130,736		130,736
वर्ष के लिए अन्यव्यापक आय					(2,237)	1	(2,236)
कुल		4,667	-	432,122	484,909	1	921,699
कार्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर)	30(18)				(1,780)		(1,780)
सामान्य प्रारक्षण को अंतरण				40,000	(40,000)		-
पूँजीगत प्रारक्षण को अंतरण		2			(2)		-
स्वामी के रूप में मालिक के साथ लेन-देन							
लाभांश	16				(24,560)		(24,560)
लाभांश वितरण कर	16				(4,999)		(4,999)
जारी कि गई बोनस शेयर	16			(16,000)			(16,000)
यथा 1 मार्च 2016 को शेष		**4,669**	-	**456,122**	**413,568**	**1**	**874,360**

साम्या में परिवर्तन विवरण

(₹ लाख में)

	टिप्पणी सं.	प्रारक्षण एवं अधिशेष				अन्य प्रारक्षण	कुल अन्य साम्या
		पूँजीगत प्रारक्षण *	पूँजीगत मोचन प्रारक्षण *	सामान्य प्रारक्षण	प्राप्त अर्जन	अन्य व्यापक आय द्वारा साम्या प्रपत्र	
यथा 1 अप्रैल 2016 को शेष		**4,669**	**-**	**456,122**	**413,568**	**1**	**874,360**
वर्ष के लिए लाभ					154,762		154,762
वर्ष के लिए अन्य व्यापक आय					(9,186)	1	(9,185)
कुल		4,669	-	456,122	559,144	2	1,019,937
कार्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर)	30(18)				(1,822)		(1,822)
सामान्य प्रारक्षण को अंतरण				40,000	(40,000)		-
स्वामी के रूप में मालिक के साथ लेन-देन							
लाभांश	16				(61,604)		(61,604)
लाभांश वितरण कर	16				(12,541)		(12,541)
वापस खरीदी गई शेयर	16		1,664	(217,116)			(215,452)
यथा 1 मार्च 2017 को शेष		**4,669**	**1,664**	**279,006**	**443,177**	**2**	**728,518**

* टिप्पणी 16 (ख) देखें ।

उल्लेखनीय लेखा नीतियां और साथ-साथ टिप्पणी वित्तीय विवरणों के अभिन भाग हैं।

यथा दिनांक रिपोर्ट के अनुसार संलग्न है ।

कृते बदरी, मधुसूदन एंड श्रीनिवासन
सनदी लेखाकार
फार्म पंजी. सं. 005389एस

एस वी गौतमा
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

कोशी अलेक्जाण्डर
मुख्य वित्तीय अधिकारी

एस राजेंद्रन
साझेदर
सदस्यता सं. 021883

डॉ. अजित कलघटगी
निदेशक (अनुसंधान एवं विकास)

एस श्रीनिवास
कंपनी सचिव

29 मई 2017
बेंगलूरु

नकदी प्राप्ति विवरण

(₹ लाख में)

विवरण	यथा 31 मार्च 2017 वर्ष अंत के लिए	यथा 31 मार्च 2016 वर्ष अंत के लिए
क. प्रचालन संबंधी कार्यकलापों से नकदी प्राप्ति -		
असाधारण मद्दें एवं कर पूर्व लाभ	202,942	173,212
इनके लिए समायोजन		
मूल्यह्रास एवं परिशोधन व्यय	19,152	17,221
कार्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व	1,164	789
निवल पारिभाषित लाभ देयता/परिसंपत्ति का पुनःमापन (निवल का कर)	(9,186)	(2,237)
ब्याज आय	(34,027)	(45,851)
लाभांश आय	(5,200)	(390)
अदा किए गए ब्याज	25	25
संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण के विक्रय से प्राप्त लाभ	(192)	(31)
चालू पूँजी परिवर्तन से पूर्व प्रचालन लाभ	**174,678**	**142,738**
बढ़ोत्तरी / (कमी) में -		
व्यापार प्राप्तियाँ	(64,295)	7,748
ऋण	492	(5,030)
अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ	(4,868)	(3,731)
अन्य परिसंपत्तियाँ		21,127
वस्तुसूचियाँ	(72,754)	(76,364)
व्यापार प्रदेय	18,458	4,312
अन्य वित्तीय देयताएँ	5,986	18,141
अन्य देयताएँ	(17,664)	136,477
प्रावधान	38,308	22,414
सरकारी अनुदान	372	(38)
प्रचालनों से सृजित नकद	**61,146**	**267,794**
अदा किए गए आय कर	(71,995)	(42,887)
असाधारण मद्दें से पूर्व नकदी प्राप्ति	**(10,849)**	**224,907**
असाधारण मद्दे	-	-
प्रचालन कार्यकलापों से / (में प्रयुक्त) निवल नकदी	**(10,849)**	**224,907**

नकदी प्राप्ति विवरण

(₹ लाख में)

विवरण	यथा 31 मार्च 2017 वर्ष अंत के लिए	यथा 31 मार्च 2016 वर्ष अंत के लिए
ख. निवेश संबंधी कार्यकलापों से नकदी प्राप्ति -		
संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण से क्रय	(69,703)	(65,843)
संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण के विक्रय से उत्पन्न	212	642
अवधिक जमा राशियाँ एवं अन्यबैंक शेष में बढ़ोत्तरी / (घटाई)	359,100	(99,502)
सहायक कंपनी में साम्या निवेश	(7,567)	(5,790)
अन्य में निवेश	(6,492)	(24,210)
ब्याज प्राप्त	34,027	45,851
लाभांश प्राप्त	5,200	390
निवेश कार्यकलापों से / (में प्रयुक्त) निवल नकदी	**314,777**	**(148,462)**
ग. वित संबंधी कार्यकलापों से नकदी प्राप्ति -		
उधार राशियाँ से उत्पन्न	5,000	-
वापसी खरीद योजना के तहत शेयरों का क्रय	(217,116)	-
कार्पोरेच सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) व्यय	(2,455)	(2,022)
अदा किए गए लाभांश (लाभांश पर कर सहित)	(67,744)	(29,560)
अदा किए गए ब्याज	(25)	(25)
वित कार्यकलापों से / (में प्रयुक्त) निवल नकदी	**(282,340)**	**(31,607)**
नकदी तथा नकदी समतुल्यों में निवल वृद्धि / (कमी) (क+ख+ग)	**21,588**	**44,838**
वर्ष के प्रारंभ में नकदी एवं नकदी समतुल्य	**247,008**	**202,170**
वर्ष के अंत में नकदी एवं नकदी समतुल्य	**268,596**	**247,008**

उल्लेखनीय लेखा नीतियां और साथ-साथ टिप्पणी वित्तीय विवरणों के अभिन्न भाग हैं।

यथा दिनांक रिपोर्ट के अनुसार संलग्न है ।

कृते बदरी, मधुसूदन एंड श्रीनिवासन
सनदी लेखाकार
फार्म पंजी. सं. 005389एस

एस वी गौतमा
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

कोशी अलेक्जाण्डर
मुख्य वित्तीय अधिकारी

एस राजेंद्रन
साझेदर
सदस्यता सं. 021883

डॉ. अजित कलघटगी
निदेशक (अनुसंधान एवं विकास)

एस श्रीनिवास
कंपनी सचिव

29 मई 2017
बेंगलूरु

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

टिप्पणी 1

संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण

विवरण	सकल वहन राशि				मूल्यह्रास/ परिशोधन				निवल वहन राशि
	यथा 1 अप्रैल 2015 (पारित लागत)	वर्ष के दौरान परिवर्धन/ समायोजन	वर्ष के दौरान कटौतियाँ/ समायोजन	यथा 31 मार्च 2016	01 अप्रैल 2015 को संचित मूल्यह्रास / परिशोधन	वर्ष के दौरान परिवर्धन/ समायोजन	वर्ष के दौरान कटौतियाँ/ समायोजन	यथा 31 मार्च 2016	यथा 31 मार्च 2016
पूर्ण स्वामित्व भूमि	2,312	8,520	-	**10,832**	-	-	-	**-**	**10,832**
पट्टाधारित भूमि	500	-	-	**500**	-	7	-	**7**	**493**
सड़कें और पुलिया	273	180	-	**453**	-	26	-	**26**	**427**
भवन	20,713	2,795	4	**23,504**	-	1,096	1	**1,095**	**22,409**
संस्थापनाएँ	1,812	301	1	**2,112**	-	356	1	**355**	**1,757**
संयंत्र एवं मशीनरी	23,531	15,000	253	**38,278**	-	6,397	47	**6,350**	**31,928**
इलेक्ट्रॉनिक उपस्कर	10,137	3,389	168	**13,358**	-	3,165	18	**3,147**	**10,211**
अनु. व वि. लैब के लिए उपस्कर	8,424	2,858	189	**11,093**	-	3,277	116	**3,161**	**7,932**
वाहन	141	69	-	**210**	-	56	-	**56**	**154**
कार्यालय उपस्कर	7,293	2,881	174	**10,000**	-	2,135	8	**2,127**	**7,873**
फर्नीचर, जुड़नार और अन्य उपस्कर	3,371	806	14	**4,163**	-	650	1	**649**	**3,514**
प्रायोजित अनुसंधान के लिए अर्जित परिसंपत्तियाँ	65	-	-	**65**	-	17	-	**17**	**48**
कुल	**78,572**	**36,799**	**803**	**114,568**	**-**	**17,182**	**192**	**16,990**	**97,578**

विवरण	सकल वहन राशि				मूल्यह्रास/ परिशोधन				निवल वहन राशि
	यथा 1 अप्रैल 2016 (पारित लागत)	वर्ष के दौरान परिवर्धन/ समायोजन	वर्ष के दौरान कटौतियाँ/ समायोजन	यथा 31 मार्च 2017	01 अप्रैल 2016 को संचित मूल्यह्रास / परिशोधन	वर्ष के दौरान परिवर्धन/ समायोजन	वर्ष के दौरान कटौतियाँ/ समायोजन	यथा 31 मार्च 2017	यथा 31 मार्च 2017
पूर्ण स्वामित्व भूमि	10,832	808	-	**11,640**	-	-	-	**-**	**11,640**
पट्टाधारित भूमि	500	-	-	**500**	7	7	-	**14**	**486**
सड़कें और पुलिया	453	15	-	**468**	26	30	-	**56**	**412**
भवन	23,504	4,942	13	**28,433**	1,095	1,257	1	**2,351**	**26,082**
संस्थापनाएँ	2,112	1,122	-	**3,234**	355	378	-	**733**	**2,501**
संयंत्र एवं मशीनरी	38,278	18,265	7	**56,536**	6,350	7,626	7	**13,969**	**42,567**
इलेक्ट्रॉनिक उपस्कर	13,358	10,366	1	**23,723**	3,147	3,116	1	**6,262**	**17,461**
अनु. व वि. लैब के लिए उपस्कर	11,093	6,017	1	**17,109**	3,161	3,444	1	**6,604**	**10,505**
वाहन	210	87	3	**294**	56	66	2	**120**	**174**
कार्यालय उपस्कर	10,000	4,214	1	**14,213**	2,127	2,461	1	**4,587**	**9,626**
फर्नीचर, जुड़नार और अन्य उपस्कर	4,163	1,187	7	**5,343**	649	706	-	**1,355**	**3,988**
प्रायोजित अनुसंधान के लिए अर्जित परिसंपत्तियाँ	65	-	-	**65**	17	14	-	**31**	**34**
कुल	**114,568**	**47,023**	**33**	**161,558**	**16,990**	**19,105**	**13**	**36,082**	**125,476**

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

i. पूर्ण स्वामित्व की भूमि में 2039.89 एकड़ (31.03.2016-2037.34 एकड़, 01.04.2015-1036.07 एकड़) शामिल हैं और पट्टाधारित भूमि में 290.26 एकड़ (31.03.2016-290.26 एकड़, 01.04.2015-29026 एकड़) शामिल हैं ।

ii. पूर्ण स्वामित्व की भूमि में 7.11 एकड़ (31.03.2016- 7.11 एकड़, 01.04.2015- 7.07 एकड़) व्यावसायिक/धार्मिक संस्थानों को पट्टाधारित एवं उनके कब्ज़े में शामिल है ।

iii. पट्टाधारित भूमि में कोची के पट्टे भूमि 90 वर्ष के लिए एवं वर्ष 2008-09 के लिए पूँजीगत शामिल है ।

iv. वर्ष के दौरान ₹ 1,089 (31.03.2016: ₹ 1,147; 01.04.2015 ₹ 1,266) एवं ₹ 5 (31.03.2016: ₹ 4; 01.04.2015: कुछ नहीं) केंद्रीय अनुसंधान एवं विकास एवं पूणे यूनिट की अतिरिक्त परिसंपत्तियां भी शामिल है ।

v. वर्ष के दौरान - कुछ नहीं (31.03.2016: कुछ नहीं; 01.04.2015: ₹ 1,199) विकास एवं इंजिनियरिंग भवनों के संबंध में अतिरिक्त भावन शामिल है ।

vi. इलेक्ट्रॉनिक उपकरण मूल्य में पीओएस मशीन मूल्य ₹ 1,026 (31.03.2016:कुछ नहीं; 01.04.2015: कुछ नहीं) शामिल है जो हरियाण सरकार (परिचालित पट्टा) के नियंत्रण के तहत है ।

vii. कटौती में निवल लेनेवाले लागत - कुछ नहीं (31.03.2016: ₹ 588; 01.04.2015: कुछ नहीं) शामिल है जो चेन्नै यूनिट में बाढ़ प्रभावित परिसंपत्ति के संबंध में है ।

viii. **साईट पुनःस्थापन उत्तरदयित्व**

साईट पुनःस्थापर उत्तरदयित्व के संबंध में पवन चक्की के लिए टिप्पणी 21 देखें ।

ix. सकल ब्लॉक मूल्य संयंत्र एवं मशीनरी सहित साईट पुनःस्थापन उत्तरदयित्व ₹ 83 (31.03.2016: ₹ 83; 01.04.2015: ₹ 3) पवन चक्की संयंत्र शामिल है ।

x. **ठेका प्रतिबद्धता**

बकाया ठेका प्रतिबद्धता के लिए टिप्पणी 30(8) देखें ।

xi. **अंकित मूल्य**

आईएनडी एएस के लिए परिवर्तन के रूप में, कंपनी ने 1 अप्रैल 2015 संपत्ति संयंत्र और उपकरण में मान्यता प्राप्त अपने सभी निवेश संपत्ति के ले जाने के मूल्य के साथ जारी रखने के लिए चुना हैं और पिछला जीएएपी के अनुसार इसे मापा है और निवेश संपत्ति का माना मूल्य के रूप में मूल लागत का इस्तेमाल किया है ।

xii. **परिसंपत्तियों का उपयोगी जीवन को अनुमान**

संपत्तियों के अपेक्षित प्रयोग, तकनीकी और वाणिज्यिक अप्रचलन का खतरा आदि जैसे कारकों को संज्ञान में लेने के बाद प्रबंधन ने मूर्त संपत्तियों की विभिन्न श्रेणियों के उपयोगी जीवन को अनुमानित किया है (जो कि कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची II में संकेतित उपयोगी जीवन से भिन हैं।

मूर्त परिसंपत्तियों के विभिन्न वर्गों के प्राक्कलित उपयोगी जीवनकाल इस प्रकार हैं ज्ञ

परिसंपत्ति का वर्ग	वर्ष
भवन	20 / 40
सड़क और पुलिया	20 / 40
संस्थापना	10
संयंत्र एवं मशीनरी	5 / 6 / 7 / 10
इलेक्ट्रॉनिक उपकरण	5 / 6 / 7
वाहन	4 / 5
कार्यालयीन उपकरण	7
फर्नीचर और जुड़नार	7 / 10
आ. व वि. लैब के उपकरण	5

xiii. **मूल्यह्रास/परिशोधन**

मूल्यह्रास की गणना परिसंपत्तियों के अनुमानित उपयोगी जीवन के आधार पर सीधी रेखा के आधार पर की जाती है।

पट्टे परिसंपत्तियाँ को उनके अनुमानित जीवन या उनके संबंधित पट्टा अवधि जो भी कम हो, के आधार पर सीधी रेखा के आधार पर परिमाणीकृत किया जाता है।

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

xiv. **मूल्यह्रास लेखों की विधि**

मूल्यह्रास/परिशोधन की गणना कंपनी की लेखा नीति संख्या 8 के अनुसार की गई है और इसे लाभ और हानि के विवरण में खर्च के रूप में अभिचिह्नित की गई है। अन्य परिसंपत्तियों के लागत के भाग के रूप में मूल्यह्रास राशि में अभिचिह्नित कुछ नहीं (31.03.2016: कुछ नहीं, 01.04.2015: कुछ नहीं) है ।

xv. **संपत्ति की हानि**

टिप्पणी 30(6) देखें ।

xvi. **तृतीय पक्षों से प्रतिपूर्ति**

कुछ नहीं (31.03.2016: कुछ नहीं; 01.04.2015: कुछ नहीं).

xvii. संपत्ति, संयंत्र और उपकरण के लिए भुगतान किए गए अनजस्टेड कैपिटल एडवांस के संबंध में टिप्पणी 12 देखें।

xviii. कुछ यूनिटों में सरकार से मुफ्त में भूमि अधिग्रहित की गई है, भारतीय एएस 101 के प्रावधानों के अनुरूप है।

xix. **पंजीकरण लंबित मुकदमेबाजी आदि का विवरण**

क वित्त वर्ष 2014-15 के दौरान पंचकुला यूनिट से संबंधित 197 रुपये के मूल्य वाले 86.60 एकड़ के संबंध में राज्य सरकारों / राज्य उपक्रमों से भूमि के हस्तांतरण / अनुदान की शर्तों वाली कार्यवाही, का पंजीकृत किया गया हैं ।

हालांकि, एचयूडीए और पंजीकरण प्राधिकरण के रिकॉर्ड में 30.0 एकड़ से 28.60 एकड़ तक टाउनशिप के लिए बीईएल द्वारा आयोजित भूमि क्षेत्र में सुधार प्रक्रिया में है । 0.30 एकड़ जमीन (31.03.2016: 0.30 एकड़, 01.04.2015: 0.30 एकड़) को मापने के संबंध में शीर्षक विलेख अभियोग में है ।

ख शीर्षक / बिक्री के कामों के लंबित निष्पादन और 5.60 एकड़ जमीन (31.03.2016: 5.60 एकड़, 01.04.2015: 5.60 एकड़) जमीन को मापने के लिए आंध्र प्रदेश औद्योगिक इफ्रास्ट्रक्चर कॉरपोरेशन (एपीआईआईसी) द्वारा बीईएल हैदराबाद यूनिट को आवंटित भूमि के भौतिक कब्जे को सौंपने) मल्लपुर, हैदराबाद में और मुकदमेबाजी के अधीन होने वाले मामले, लेखा पुस्तकों में पंजीकरण और अन्य लागत के लिए कोई प्रावधान नहीं किया गया है । एपीआईआईसी को की गई ₹ 65 (₹ 65) की राशि का भुगतान पूंजीगत अग्रिमों में शामिल किया गया है ।

ग रक्षा अधिकारियों के साथ समझौता ज्ञापन के आधार पर, बीईएल को आवंटित भूमि पर बनाई गई संपत्तियां और बीईएल के कब्जे में हैदराबाद यूनिट की स्थापना के लिए संबंधित प्रमुखों के तहत पूंजीकरण किया जाता है । उपयुक्त अधिकारियों द्वारा शर्तों और शर्तों को अंतिम रूप देने के लिए, 25.11 एकड़ (31.03.2016: 25.11 एकड़, 01.04.2015: 25.11 एकड़) को मापने वाले भूमि की लागत का हिसाब लेखा पुस्तकों में नहीं किया गया है ।

घ हैदराबाद यूनिट में जिसके लिए एपीआईआईआईसी / टीएसआईआईसी कब्जे द्वारा आवंटित इब्राहिपटनम में 122.82 एकड़ भूमि के लिए जमीन दी गई है, उसकी बिक्री लंबित है ।

ङ ₹ 256 (31.03.2016 : ₹ 256, 01.04.2015: निल) की मांग)

सिटी सिविल कोर्ट, हैदराबाद द्वारा घोषित मुआवजे की राशि का 50% होना)। 31.01.2015 22.375 एकड़ भूमि (31.03.2016: 22.375 एकड़ 01.04.2015): शून्य के लिए जो उपरोक्त में उल्लिखित है, खाली भूमि का हिस्सा है । मांग विवाद में है और इसलिए, इसके संबंध में कोई भी प्रावधान लेखा-पुस्तकों में नहीं किया गया है ।

च 1.22 एकड़ (31.03.2016: 1.22 एकड़, 01.04.2015: 1.22 एकड़) की सीमा तक नि: शुल्क खाली भूमि जो 1.24 एकड़ भूमि (31.03.2016: 1.24 एकड़; 01.04.2015: 1.24 एकड़) को मापने के बदले सरकारी प्राधिकरण द्वारा आवंटित की गई थी, अभियोग (बैंगलूर परिसर इकाई) के अंतर्गत है ।

छ कंपनी ने तीन स्थानों पर विंडमिल जनरेटर स्थापित किया है। वर्ष 2006-07 में पट्टे की भूमि पर पवन ऊर्जा जनरेटर-I को पूंजीकृत किया गया है । अग्रिम पट्टे का किराया शूय है और भूमि के लिए पट्टा एग्रीमेंट अंतिम रूप से लंबित है । विंडमिल जेनरेटर -II को वर्ष 2007-08 में पट्टेदार भूमि पर पूंजीकरण किया जाता है, जिसका 36 रुपए का अग्रिम किराया है, जो कि अन्यपरिसंपत्तियों के रूप में वर्गीकृत ऑपरेटिंग पट्टा है । भूमि के लिए पट्टा करार अंतिम रूप से लंबित है ।

विंडमिल जेनरेटर ज्ञIII को वर्ष 2015-16 में पूंजीकृत भूमि पर ₹161 का अग्रिम किराया देकर पूंजीकृत किया जाता है, जो कि अन्य परिसंपत्तियों के रूप में वर्गीकृत परिचालन पट्टा है ।

ज 12.50 एकड़ (31.03.2016: 12.50 एकड़, 01.04.2015: 12.50) एकड़ के संबंध में शीर्षक भूमि हस्तांतरण प्रमाणपत्र के माध्यम से प्राप्त भूमि अभियोग (कोटद्वारा यूनिट) के तहत है ।

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

	यथा 31 मार्च 2017		यथा 31 मार्च 2016		यथा 1 अप्रैल 2015	
टिप्पणी 2						
पूँजीगत चालू कार्य						
सिविल निर्माण कार्य	23,642		10,413		4,051	
संयंत्र एवं मशीनरी	6,304		7,216		8,303	
अन्य	4,742		3,176		1,210	
मार्गस्थ पूँजीगत मदें	1,702		1,383		770	
		36,390		**22,188**		**14,334**
घटाएँ प्रावधान		(1)		(1)		(369)
		36,389		**22,187**		**13,965**

i. सिविल निर्माण कार्य मुख्यतः निर्माण के तहत उत्पाद संबंधित भवन, अनु व वि भवन, कार्मचारी क्वार्टर एवं प्रशिक्षण केंद्र शामिल है ।

ii. उधार राशियाँ लागत ₹1 (ब्याज आय का निवल) (31.03.2016: कुछ नहीं; 01.04.2015: कुछ नहीं) (पूँजीकरण दर @ 8.15% प्रति वर्ष) वर्ष 2016-17 के दौरान कर्मचारी क्वार्टर के तहत निर्माण कार्य के संबंध में पूँचीकरण किया गया है ।

iii. ठेका प्रतिबद्धता के संबंध में टिप्पणी 30(8) देखें ।

iv. संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण के तहत असमायोजित पूँजी अग्रिम के भुगतान हेतु टिप्पणी 12 देखें ।

टिप्पणी 3

निवेश संपत्ति

विवरण	सकल वहन राशि				मूल्यह्रास / परिशोधन				निवल वहन राशि
	यथा 1 अप्रैल 2015 (पारित लागत)	वर्ष के दौरान परिवर्धन/ समायोजन	वर्ष के दौरान कटौतियाँ/ समायोजन	यथा 31 मार्च 2016	01 अप्रैल 2015 को संचित मूल्यह्रास / परिशोधन	वर्ष के दौरान परिवर्धन/ समायोजन	वर्ष के दौरान कटौतियाँ/ समायोजन	यथा 31 मार्च 2016	यथा 31 मार्च 2016
पूर्ण स्वामित्व भूमि	-	-	-	-	-	-	-	-	-
भवन	14	-	-	14	-	1	-	1	13
कुल	**14**	**-**	**-**	**14**	**-**	**1**	-	**1**	**13**

विवरण	सकल वहन राशि				मूल्यह्रास / परिशोधन				निवल वहन राशि
	यथा 1 अप्रैल 2016	वर्ष के दौरान परिवर्धन/ समायोजन	वर्ष के दौरान कटौतियाँ/ समायोजन	यथा 31 मार्च 2017	01 अप्रैल 2016 को संचित मूल्यह्रास / परिशोधन	वर्ष के दौरान परिवर्धन/ समायोजन	वर्ष के दौरान कटौतियाँ/ समायोजन	यथा 31 मार्च 2017	यथा 31 मार्च 2017
पूर्ण स्वामित्व भूमि	-	-	-	-	-	-	-	-	-
भवन	14	-	-	14	1	1	-	2	12
कुल	**14**	**-**	**-**	**14**	**1**	**1**	**-**	**2**	**12**

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

i. **लाभ एवं हानि विवरण में प्राप्त राशि**

	31 मार्च 2017 हेतु वर्ष अंत	31 मार्च 2016 हेतु वर्ष अंत
क. किराया आय	138	123
ख. प्रत्यक्ष प्रचालित व्यय (आर एवं एम सहित) संपत्ति द्वारा उत्पन्न किराया आय	-	-
ग. प्रत्यक्ष प्रचालित व्यय (आर एवं एम सहित) संपत्ति उपर्युक्त के अलावा	-	-
घ. मूल्यह्रास	1	1
ङ. निवश संपत्ति द्वारा लाभ	137	122

ii. ठेका प्रतिबद्धता हेतु टिप्पणी 30(8) देखें ।

iii. **निवेश संपत्ति का उचित मूल्य**

	यथा 31 मार्च 2017	यथा 31 मार्च 2016	यथा 1 अप्रैल 2015
भूमि	1962	1962	1962
भवन	836	836	836

iv. भूमि में 1.36 एकड़ (31.03.2016: 1.36 एकड़, 01.04.2015: 1.36 एकड़) में बैंगलूरू में फ्री होल्ड भूमि शामिल है।

v. **उचित मूल्य का आकलन**

कंपनी ने निवेश संपत्ति के स्थान में समान गुणों के सरकारी मार्गदर्शन मूल्य (नगरपालिका मूल्य) के आधार पर निवेश संपत्ति का उचित मूल्य का अनुमान लगाया है । सभी के परिणामस्वरूप निवेश सम्पत्तियों हेतु उचित मूल्य अनुमान स्तर 2 में शामिल हैं ।

vi. **अंकित मूल्य**

आईएनडी एएस के लिए परिवर्तन के रूप में, कंपनी ने 1 अप्रैल 2015 (पहले संपत्ति संयंत्र और उपकरण के रूप में माना गया) के रूप में मान्यता प्राप्त अपने सभी निवेश संपत्ति के ले जाने के मूल्य के साथ जारी रखने के लिए चुना हैं और पिछला जीएएपी के अनुसार इसे मापा है और निवेश संपत्ति का माना मूल्य के रूप में मूल लागत का इस्तेमाल किया है ।

vii. **परिसंपत्तियों के उपयोगी जीवन का आकलन**

परिसंपत्ति श्रेणी	वर्ष
भवन	20 / 40

viii. **मूल्यह्रास**

मूल्यह्रास की गणना परिसंपत्तियों के अनुमानित उपयोगी जीवन के आधार पर सीधी रेखा के आधार पर की जाती है।

मूल्यह्रास की मात्रा को लाभ और हानि के विवरण में व्यय के रूप में अभिचिह्नित किया गया है।

ix. **मूल्यह्रास लेखों की विधि**

मूल्यह्रास की गणना कंपनी की लेखा नीति संख्या 8 के अनुसार की गई है और इसे लाभ और हानि के विवरण में खर्च के रूप में अभिचिह्नित की गई है।

x. **संपत्ति की अनुपस्थिति**

जैसा कि निवेश संपत्ति का उचित मूल्य उसके मूल्य से अधिक है, वहां कोई हानि नहीं है।

xi. **निवेश संपत्ति की वास्तविकता पर प्रतिबंध**

भारत सरकार द्वारा भूमि आवंटित की गई है

xii. **संबंधित पक्षकार लेन-देन**

सहायक कंपनी बीईएल थेलेस सिस्टम लिमिटेड को रद्द करने योग्य ऑपरेटिंग पट्टे के तहत दिया गया निवेश संपत्ति में भवन निर्माण और भूमि 0.31 एकड़ (31.03.2016: 0.31 एकड़, 01.04.2015: 0.31 एकड़) शामिल है । । टिप्पणी 31 देखें ।

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

टिप्पणी 4
अमूर्त परिसंपत्तियाँ

विवरण	सकल वहन राशि				परिशोधन				निवल वहन राशि
	यथा 1 अप्रैल 2015 (पारित लागत)	वर्ष के दौरान परिवर्धन/ समायोजन	वर्ष के दौरान कटौतियाँ/ समायोजन	यथा 31 मार्च 2016	01 अप्रैल 2015 को संचित परिशोधन	वर्ष के दौरान परिवर्धन	वर्ष के दौरान कटौतियाँ/ समायोजन	यथा 31 मार्च 2016	यथा 31 मार्च 2016
अमूर्त परिसंपत्तियाँ - अन्य									
उद्यम संसाधन योजना (ईआरपी) साफ्टवेयर लाइसेंस / कार्यान्वयन	57	50	-	107	-	38	-	38	69
कुल	**57**	**50**	**-**	**107**	**-**	**38**	**-**	**38**	**69**

विवरण	सकल वहन राशि				परिशोधन				निवल वहन राशि
	यथा 1 अप्रैल 2016	वर्ष के दौरान परिवर्धन/ समायोजन	वर्ष के दौरान कटौतियाँ/ समायोजन	यथा 31 मार्च 2017	01 अप्रैल 2016 को संचित परिशोधन	वर्ष के दौरान परिवर्धन	वर्ष के दौरान कटौतियाँ/ समायोजन	यथा 31 मार्च 2017	यथा 31 मार्च 2017
अमूर्त परिसंपत्तियाँ - अन्य									
उद्यम संसाधन योजना (ईआरपी) साफ्टवेयर लाइसेंस / कार्यान्वयन	107	20	-	127	38	46	-	84	43
कुल	**107**	**20**	**-**	**127**	**38**	**46**	**-**	**84**	**43**

i. **अंकित मूल्य**

भारतीय एएस के लिए परिवर्तन के रूप में, कंपनी ने 1 अप्रैल 2015 संपत्ति, संयंत्र और उपकरण में मायता प्राप्त अपने सभी अमूर्तसंपत्तियों के ले जाने के मूल्य के साथ जारी रखने के लिए चुना हैं और पिछला जीएएपी के अनुसार इसे मापा है और अमूर्तसंपत्तियों का माना मूल्य के रूप में अंकित मुल्य का इस्तेमाल किया है ।

ii. **परिशोधन**

परिशोदन की गणना परिसंपत्तियों के अनुमानित उपयोगी जीवन के आधार पर सीधी रेखा के आधार पर की जाती है।
परिशोधन की गणना कंपनी की लाभ और हानि के विवरण में खर्च के रूप में अभिचिह्नित की गई है।

iii. **लेखा परिशोधन की विधि**

परिशोधन की गणना कंपनी की लेखा नीति संख्या 8 के अनुसार की गई है और इसे लाभ और हानि के विवरण में खर्च के रूप में अभिचिह्नित की गई है।

iv. ठेका प्रतिबद्धता के लिए टिप्पणी सं. 30(8) देखें ।

	यथा 31 मार्च 2017	यथा 31 मार्च 2016	यथा 1 अप्रैल 2015
टिप्पणी 5			
विकास तहत अमूर्त परिसंपत्तियाँ			
आंतरिक विकसित	29,230	20,772	-
अन्य			
उद्यम संसाधन योजना (ईआरपी) साफ्टवेयर लाइसेंस / कार्यान्वयन -	12	12	12
	29,242	**20,784**	**12**

i. ठेका प्रतिबद्धता के लिए टिप्पणी 30(8) देखें ।

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

	यथा 31 मार्च 2017	यथा 31 मार्च 2016	यथा 1 अप्रैल 2015
टिप्पणी 6			
निवेश			
सहायक कंपनी (बेलॉप) को दी गई ऋण की उचित मूल्यांकन	156	115	-
(I) साम्या विलेखों में निवेश (अनुद्धृत)			
(क) सहायक कंपनी (लागत पर)			
(i) बीईएल ऑप्ट्रॉनिक डिवाइसेस लि., पुणे पूर्ण चुकता शेयर ₹ 100 प्रत्येक के 5,922,635 (31.03.2016: 3,783,678; 01.04.2015: 1,700,223) साम्या शेयर	10,581	5,662	936
(ii) बीईएल - थेलेस सिस्टम लिमिटेड, बेंगलूरु पूर्ण चुकता शेयर ₹ 100 प्रत्येक के4,263,538 (31.03.2016: 165,7600; 01.04.2015: 710,400) साम्या शेयर	4,264	1,658	710
साम्या विलेखों में निवेश (अनुद्धृत)			
(ख) संयुक्त कंपनी (लागत पर)			
जीई-बीई प्राइवेट लि. बेंगलूरू पूर्ण चुकता शेयर ₹ 10 प्रत्येक के 2,600,000 (31.03.2016: 2,600,000; 01.04.2015: 2,600,000) साम्या शेयर	260	260	260
(ग) अन्य(एफवीओसीआई पर) (नीचे टिप्पणी iv देखें)			
माना एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट लि., हैदराबाद पूर्ण चुकता ₹1000 प्रत्येक के 500 साम्या शेयर (31.03.2016: 500; 01.04.2015: 500)	7	6	5
(II) अन्य निवेश (अनुद्धृत)			
क) सहकारी समितियों में निवेश (लागत पर)*			
कफ परेड परसोपोलिस परिसर सहकारी समिति, मुंबई पूर्ण चुकता ₹ 50 प्रत्येक के 40 शेयर (31.03.2016: 40; 01.04.2015:40)	-	-	-
सुख सागर परिसर सहकारी सोसाइटी, मुंबई पूर्ण चुकता ₹ 50 प्रत्येक के 10 शेयर (31.03.2016: 10; 01.04.2015: 10) श्री सप्त रत्न सहकारी सोसायटी लिमिटेड, मुंबई पूर्ण चुकता ₹ 50 प्रत्येक के 10 शेयर (31.03.2016: 10; 01.04.2015: 10) दालामल पार्क सहकारी सोसायटी लिमिटेड, मुंबई पूर्ण चुकता ₹ 50 प्रत्येक के 5 शेयर (31.03.2016: 5; 01.04.2015: 5)	-	-	-
चंद्रलोक सहकारी हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, पुणे पूर्ण चुकता ₹ 50 प्रत्येक के 30 शेयर (31.03.2016: 30; 01.04.2015: 30)	-	-	-
ख) अन्य(एफवीटीपीएल)			
भारतीय जीवन बीमा निगम (छुट्टी नकदीकरण की ओर) (टिप्पणी ii देखें)	30,702	24,210	-
	45,970	**31,911**	**1,911**

* आईएनआर 5000 जो राउड ऑफ किया गया है, यह कानून विनियमन के अनुसार आवास सोसाइटी में हासिल किए गए शेयरों के मूल्य का प्रतिनिधित्व करता है।

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

		यथा 31 मार्च 2017	यथा 31 मार्च 2016	यथा 1 अप्रैल 2015
क.	उद्धृत निवेशों का कुल मूल्य एवं उनके बाज़ार मूल्य	-	-	-
ख.	अन्नुद्धृत निवेशों का कुल मूल्य	45,970	31,911	1,911
ग.	निवेश के मूल्य में हानि की कुल राशि	-	-	-

ii. कंपनी ने एलआईसी के नए समूह छुट्टी नकदीकरण योजना में छुट्टी नकदीकरण देयताएँ का निवेश किया है (टिप्पणी 21 देखें)।

iii. वित्तीय प्रलेखों के वर्गीकरण के लिए टिप्पणी 33 देखें ।

iv. क. कंपनी ने एफवीओसीआई में माना एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट के ईक्विटी शेयरों में निवेश को नियुक्त किया है क्योंकि ये इक्विटी शेयर निवेश का प्रतिनिधित्व करते हैं जो कि रणनीतिक उद्देश्यों के लिए लंबे समय तक आयोजित होने के लिए है। निवल परिसंपत्तियों मूल्य विधि पर आधारित निवेश का उचित मूल्य नीचे दिया गया है -

विवरण	यथा 31 मार्च 2017 को उचित मूल्य	वर्ष 2016-17 के दौरान मान्यता प्राप्त लाभांश आय	यथा 31 मार्च 2016 को उचित मूल्य	वर्ष 2015-16 के दौरान मान्यता प्राप्त लाभांश आय	यथा 1 अप्रैल 2015 को उचित मूल्य
मना एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट लि. में निवेश	7	-	6	-	5

ख. इ निवेशों से कंपनी को अब तक कोई लाभांश नहीं मिला है ।

ग. 2016-17 के दौरान किसी भी रणनीतिक निवेश का निपटारा नहीं किया गया था, और इन निवेशों से संबंधित इक्विटी के भीतर कोई संचयी लाभ या हानि का कोई स्थानातरण नहीं हुआ था।

v. **संबंधित पक्षकार के प्रकटणों**

संबंधित पक्षकार के प्रकटणों के लिए, टिप्पणी 31 देखें

टिप्पणी 7
व्यापार प्राप्तियाँ

गैर-चालू			
अप्रतिभूत, जिन्हे संदिग्ध माना गया			
व्यापार प्राप्तियाँ	126,610	119,481	103,204
घटाएँ - प्रावधान	(126,610)	(119,481)	(103,204)
उप कुल (क)	-	-	-
चालू			
प्रतिभूत, जिन्हे अच्छा माना गया	26	25	48
अप्रतिभूत, जिन्हे अच्छा माना गया	435,462	371,168	378,893
उप कुल (ख)	**435,488**	**371,193**	**378,941**
कुल (क+ख)	**435,488**	**371,193**	**378,941**

i. **वित्तीय प्रलेखों**
वित्तयी प्रलेखों के वर्गीकरण हेतु टिप्पणी 33 देखें ।

ii. **वित्तीय संपत्तियों की हानि**
हानि के लिए प्रावधान कंपनी के लेखा नीति सं. 30 के अनुरूप हैं।

iii. **संबंधित पक्षकार के प्रकटणों**
संबंधित पक्षकार के प्रकटणों के लिए, टिप्पणी 31 देखें ।

iv. **सुरक्षा, मालबंधन आदि**
टिप्पणी सं. 35 देखें ।

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

	यथा 31 मार्च 2017	यथा 31 मार्च 2016	यथा 1 अप्रैल 2015
टिप्पणी 8			
ऋण			
गैर-चालू			
अप्रतिभूत, जिन्हे अच्छा माना गया			
सुरक्षा जमा राशियाँ	1,807	1,866	1,740
कर्मचारियों को ऋण	671	755	837
संबंधित पक्षकार को ऋण* (प्रोद्भत ब्याज सहित)	1,251	-	-
	3,729	**2,621**	**2,577**
अप्रतिभूत, जिन्हे संदिग्ध माना गया			
सुरक्षा जमा	99	112	103
घटाएँ - प्रावधान	(99)	(112)	(103)
	-	-	-
अन्य			
कर्मचारियों को ऋण	1	1	1
घटाएँ - प्रावधान	(1)	(1)	(1)
	-	-	-
अन्य को ऋण	132	132	132
घटाएँ - प्रावधान	(132)	(132)	(132)
	-	-	-
उप कुल (क)	**3,729**	**2,621**	**2,577**
चालू			
अप्रतिभूत, जिन्हे अच्छा माना गया			
सुरक्षा जमा	1,054	759	762
संबंधित पक्षकार को ऋण* (प्रोद्भत ब्याज सहित)	3,124	5,013	-
अन्य			
कर्मचारियों को ऋण	150	155	179
अन्यको ऋण	-	1	1
उप कुल (ख)	**4,328**	**5,928**	**942**
कुल (क+ख)	**8,057**	**8,549**	**3,519**

* वर्ष में कभी भी बकाया अधिकतम राशि ₹ 5,000 (31.03.2016: ₹ 5,142; 01.04.2015: कुछ नहीं)

i. **वित्तीय प्रलेखों**
वित्तीय प्रलेखों के वर्गीकरण हेतु टिप्पणी 33 देखें ।

ii. **वित्तीय संपत्तियों की हानि**
हानि के लिए प्रावधान कंपनी के लेखा नीति सं. 30 के अनुरूप हैं।

iii. **संबंधित पक्षकार के प्रकटणों**
संबंधित पक्षकार के प्रकटणों के लिए, टिप्पणी 31 देखें ।

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

	यथा 31 मार्च 2017	यथा 31 मार्च 2016	यथा 1 अप्रैल 2015
टिप्पणी 9			
अन्यवित्तीय परिसंपत्तियाँ			
गैर चालू			
अप्रतिभूत, जिन्हे अच्छा माना गया			
अन्य को अग्रिम	1	-	-
व्यापार प्राप्तियाँ के अलावा अन्य प्राप्तियाँ	21	2	8
अन्य परिसंपत्तियाँ	3,129	2,984	3,208
	3,151	**2,986**	**3,216**
अप्रतिभूत, जिन्हे संदिग्ध माना गया			
अन्य को अग्रिम	1	1	1
घटाएँ - प्रावधान	(1)	(1)	(1)
	-	-	-
प्रोद्भत आय	240	115	-
घटाएँ - प्रावधान	(240)	(115)	-
	-	-	-
व्यापार प्राप्तियाँ के अलावा अन्य प्राप्तियाँ	30	38	25
घटाएँ - प्रावधान	(30)	(38)	(25)
	-	-	-
अन्य दावा प्राप्तियाँ	-	8	17
घटाएँ - प्रावधान	-	(8)	(17)
	-	-	-
अन्य परिसंपत्तियाँ	81	73	73
घटाएँ - प्रावधान	(81)	(73)	(73)
	-	-	-
उप कुल (क)	**3,151**	**2,986**	**3,216**
चालू			
अप्रतिभूत, जिन्हे अच्छा माना गया			
कर्मचारियों को अग्रिम	189	254	153
अन्य को ऋण	3	4	3
प्रोद्भत आय	20,792	2,912	1,559
आवधिक जमा राशियाँ पर प्रोद्भत ब्याज	5,346	16,664	15,963
व्यापार प्राप्तियाँ के अलावा अन्य प्राप्तियाँ	191	87	24
अन्य दावा प्राप्तियाँ	-	1	16
अन्य परिसंपत्तियाँ	472	2,368	611
उप कुल (ख)	**26,993**	**22,290**	**18,329**
कुल (क+ख)	**30,144**	**25,276**	**21,545**

i. **वित्तीय प्रलेखों**
वित्तीय प्रलेखों के वर्गीकरण हेतु टिप्पणी 33 देखें ।

ii. **वित्तीय संपत्तियों की हानि**
हानि के लिए प्रावधान कंपनी के लेखा नीति सं. 30 के अनुरूप हैं।

iii. **संबंधित पक्षकार के प्रकटणों**
संबंधित पक्षकार के प्रकटणों के लिए, टिप्पणी 31 देखें ।

iv. सक्रिय उपयोग न होने और लंबित निपटान के लिए लंबित संपत्ति, संयंत्र और उपकरण के संबंध में अन्य परिसंपत्तियों में ₹12 के निवल वहन में जोड़ा गया है।

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

	यथा 31 मार्च 2017	यथा 31 मार्च 2016	यथा 1 अप्रैल 2015
टिप्पणी 10			
आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ (निवल)			
आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ	65,553	56,520	46,462
आस्थगित कर देयताएँ	12,325	10,442	7,693
	53,228	**46,078**	**38,769**

i. **लाभ व हानि के विवरण में अभिचिह्नित निवल व्यय**

विवरण	यथा 31 मार्च 2017	यथा 31 मार्च 2016
आय कर व्यय -		
- चालू अवधि	51,500	48,600
- पूर्व वर्षों से संबंधित अनुमान में परिवर्तन	(873)	1
आस्थगित कर -		
- अस्थायी अंतरों का उत्पत्ति और उत्क्रमण	(2,447)	(6,125)
कुल आस्थगित कर व्यय/(लाभ)	(2,447)	(6,125)
आय कर व्यय	48,180	42,476

ii. **लाभ व हानि के विवरण में अभिचिह्नित निवल व्यय**

विवरण	यथा 31 मार्च 2017			यथा 31 मार्च 2016		
	कर पूर्व	कर लाभ (व्यय)	कर से निवल	कर पूर्व	कर लाभ (व्यय)	कर से निवल
निवल पारिभाषित लाभ देयता/(परिसंपत्ति) का पुनःमापन	(13,890)	(4,704)	(9,186)	(3,420)	(1,183)	(2,237)
अन्य व्यापक आय द्वारा साम्या प्रलेखों	1	-	1	1	-	1
कुल	**(13,889)**	**(4,704)**	**(9,185)**	**(3,419)**	**(1,183)**	**(2,236)**

iii. **साम्या में प्रत्यक्ष अभिचिह्नित आय कर**

31 मार्च 2017 और 31 मार्च 2016 को समाप्त वर्ष के लिए इक्विटी में प्रत्यक्ष रूप से मान्यता प्राप्त कोई आयकर नहीं है।

iv. **प्रभावी कर दरों का समाधान**

विवरण	यथा 31 मार्च 2017		यथा 31 मार्च 2016	
	दर	मूल्य	दर	मूल्य
कर पूर्व लाभ		202,942		173,212
कंपनी के आंतरिक कर दरों के उपयोग से कर	34.61%	70,235	34.61%	59,946
अन्नुसंधान व विकास व्यय पर अतिरिक्त कटौतियाँ का प्रभाव	-9.07%	(18,404)	-9.59%	(16,606)
आय छूट कर	-0.89%	(1,800)	-0.08%	(135)
कर प्रोत्साहन	-0.84%	(1,700)	-0.62%	(1,067)
पूर्व वर्षों के अनुमान से संबंधित परिवर्तन	-0.43%	(873)	0.00%	1
गैर -छूट व्यय	0.19%	389	0.24%	411
अन्य	0.16%	333	-0.04%	(74)
प्रभावी कर दर	23.74%	48,180	24.52%	42,476

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

v. **आस्थगित कर (परिसंपत्तियों) और देयताएँ निम्न के कारण हैं -**

विवरण	आस्थगित कर (परिसंपत्तियाँ)			आस्थगित कर देयताएँ			निवल आस्थगित कर (परिसंपत्तियाँ) /देयताएँ		
	यथा 31 मार्च 2017	यथा 31 मार्च 2016	यथा 1 अप्रैल 2015	यथा 31 मार्च 2017	यथा 31 मार्च 2016	यथा 1 अप्रैल 2015	यथा 31 मार्च 2017	यथा 31 मार्च 2016	यथा 1 अप्रैल 2015
व्यापार प्राप्तियाँ	(11,637)	(12,219)	(12,524)	-	-	113	(11,637)	(12,219)	(12,411)
वस्तुसूचियाँ	(10,708)	(10,814)	(8,559)	-	3	154	(10,708)	(10,811)	(8,405)
अन्य प्रावधान	(14,015)	(12,126)	(7,289)	-	-	-	(14,015)	(12,126)	(7,289)
कर्मचारी अनुदान	(28,414)	(20,585)	(17,144)	-	605	-	(28,414)	(19,980)	(17,144)
अमूर्त परिसंपत्तियाँ	(261)	(332)	(299)	-	-	-	(261)	(332)	(299)
व्यापार देय	-	-	-	-	-	-	-	-	-
आस्थगित राजस्व	(440)	(444)	(647)	-	-	-	(440)	(444)	(647)
अन्य देयताएँ	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अन्य परिसंपत्तियाँ	-	-	-	4	1,121	539	4	1,121	539
संयंत्र संपत्ति एवं उपकरण	-	-	-	12,269	8,600	6,612	12,269	8,600	6,612
आईसीडीएस समायोजन	(78)	-	-	-	62	-	(78)	62	-
ईक्विटी निवेश	-	-	-	1	-	-	1	-	-
अन्य वित्तीय देयताएँ	-	-	-	51	51	275	51	51	275
कुल	**(65,553)**	**(56,520)**	**(46,462)**	**12,325**	**10,442**	**7,693**	**(53,228)**	**(46,078)**	**(38,769)**
(परिसंपत्तियाँ)/देयताएँ का प्रवृत्त	12,325	10,442	7,693	(12,325)	(10,442)	(7,693)	-	-	-
निवल आस्थगित कर (परिसंपत्तियाँ)/देयताएँ	**(53,228)**	**(46,078)**	**(38,769)**	**-**	**-**	**-**	**(53,228)**	**(46,078)**	**(38,769)**

vi. **आस्थगित कर (परिसंपत्तियाँ)/देयताएँ का संचलन**

विवरण	यथा 1 अप्रैल 2015 को शेष	2015-16 के दौरान लाभ व हानि में अभिचिह्नित	2015-16 के दौरान ओसीआई में अभिचिह्नित	यथा 31 मार्च 2016 को शेष	2016-17 के दौरान लाभ व हानि में अभिचिह्नित	2016-17 के दौरान ओसीआई में अभिचिह्नित	यथा 31 मार्च 2017 को शेष
व्यापार प्राप्तियाँ	(12,411)	192	-	(12,219)	582	-	(11,637)
वस्तुसूचियाँ	(8,405)	(2,406)	-	(10,811)	103	-	(10,708)
अन्य प्रावधान	(7,290)	(4,835)	-	(12,125)	(1,891)	-	(14,016)
कर्मचारी अनुदान	(17,144)	(1,652)	(1,183)	(19,980)	(3,730)	(4,704)	(28,414)
अमूर्त परिसंपत्तियाँ	(299)	(33)	-	(332)	71	-	(261)
व्यापार देय	-	-	-	-	-	-	-
आस्थगित राजस्व	(647)	203	-	(444)	4	-	(440)
अन्य देयताएँ	-	-	-	-	-	-	-
अन्य परिसंपत्तियाँ	539	582	-	1,121	(1,117)	-	4
संयंत्र संपत्ति एवं उपकरण	6,613	1,986	-	8,599	3,671	-	12,270
आईसीडीएस समायोजन	-	62	-	62	(140)	-	(78)
ईक्विटी निवेश	-	-	-	-	-	-	-
अन्य वित्तीय देयताएँ	275	(224)	-	51	-	-	51
कुल	**(38,769)**	**(6,125)**	**(1,183)**	**(46,078)**	**(2,447)**	**(4,704)**	**(53,228)**

vii. **अभिचिह्नित आस्थगित कर (परिसंपत्तियाँ)/देयताएँ**

31 मार्च 2017 और 31 मार्च 2016 को समाप्त वर्ष के लिए अस्थायी अंतरों नहीं हैं जिस पर आस्थागित कर (परिसंपत्तियों) / देयताएँ अभिचिह्नित नहीं किया गया है।

viii. **कर हानि अग्रेनीत**

31 मार्च 2017 और 31 मार्च 2016 को समाप्त वर्ष के लिए आस्थागित कर परिसंपत्तियों अभिचिह्नित नहीं किया गया है।

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

	यथा 31 मार्च 2017	यथा 31 मार्च 2016	यथा 1 अप्रैल 2015
टिप्पणी 11			
वस्तुसूचियाँ			
गैर-चालू			
कच्चा माल और घटक	35,056	31,124	27,921
जोड़ें - मार्गस्थ कच्चा माल और घटक	244	240	249
घटाएँ - प्रावधान	(30,621)	(27,003)	(22,644)
	4,679	**4,361**	**5,526**
चालू कार्य	208	124	175
घटाएं - प्रावधान	-	-	-
	208	**124**	**175**
व्यापारगत स्टॉक	55	118	162
जोड़ें - मार्गस्थ व्यापारगत स्टॉक	2	-	-
घटाएँ - प्रावधान	(57)	(118)	(162)
	-	-	-
भंडार एवं पुर्जे	133	68	85
जोड़ें - मार्गस्थ भंडार एवं पुर्जे	-	2	1
घटाएँ - प्रावधान	(112)	(54)	(55)
	21	**16**	**31**
खुले औजार	85	96	72
जोड़ें - मार्गस्थ खुले औजार	5	-	-
घटाएँ - प्रावधान	(73)	(62)	(59)
	17	**34**	**13**
उप कुल (क)	**4,925**	**4,535**	**5,745**
चालू			
कच्चा माल और घटक	246,931	218,803	172,123
जोड़ें - मार्गस्थ कच्चा माल और घटक	19,394	20,849	11,399
घटाएँ - प्रावधान	(78)	(64)	(63)
	266,247	**239,588**	**183,459**
चालू कार्य	167,461	149,183	122,691
तैयार माल	17,815	7,982	8,875
जोड़ें - मार्गस्थ तैयार माल	19,720	5,857	7,995
	37,535	**13,839**	**16,870**
व्यापारगत स्टॉक	10,329	6,375	6,415
जोड़ें - मार्गस्थ व्यापारगत स्टॉक	537	442	2,886
	10,866	**6,817**	**9,301**
भंडार एवं पुर्जे	2,358	2,093	1,803
जोड़ें - मार्गस्थ भंडार एवं पुर्जे	14	324	368
	2,372	**2,417**	**2,171**
खुले औजार	892	1,047	835
जोड़ें - मार्गस्थ खुले औजार	30	3	3
	922	**1,050**	**838**
निपटाने योग्य रद्दी	173	318	308
	173	**318**	**308**
उप कुल (ख)	**485,576**	**413,212**	**335,638**
कुल (क+ख)	**490,501**	**417,747**	**341,383**

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

i. कच्चे माल और घटकों में ₹ 13,023 (₹ 5,502) शामिल है जो उप-ठेकेदारों के पास की सामग्रियाँ हैं जिनमें से ₹ 169 (₹ 68) की सामग्रियाँ पुष्टिकरण और समाधान पर निर्भर हैं । ₹ 169 (₹ 68) के समक्ष, ₹ 169 (₹ 68) की राशि का प्रावधान किया गया ।

ii. वर्ष के लिए स्टॉक सत्यापन संबंधी विसंगतियाँ इस प्रकार हैं -
₹ 1583 (₹ 247) की कमी तथा ₹ 1256 (₹ 284) का अधिशेष । समाधान के लंबित होने पर, ₹ 370 (₹ 80) की राशि का प्रावधान किया गया ।

iii. वस्तुसूचियों का मूल्यांकन कंपनी लेखा नीति सं. 18 के अनुसार किया गया है ।

iv. क. संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सचिवालयन ने 05 नवंबर 2007 से 31 मार्च 2012 तक (05 नवंबर 2007 से 31 मार्च 2009) की सत्पापन अवधि के लिए दावणगेरे जिला, कर्नाटक में 2.5 मे.वॉ. की बीईएल की ग्रिड से जुड़ी पवन उर्जा परियोजना के लिए 15856 टन (15856) सीओ2ईक्यू कार्बन क्रेडिट प्रदान किया है । इन कार्बन क्रेडिट को तैयार माल के तहत ₹ 2 (₹2) के मूल्य पर शामिल किया गया है। सीईआर को आईसीएआई द्वारा सीईआर पर जारी मार्गदर्शी टिप्पणी द्वारा यथा आवश्यक लागत पर मूल्यांकित किया जाता है ।

ख. प्रमाणीकरण के तहत सीईआर - कुछ नहीं (कुछ नहीं) सीईआर

ग. वर्ष के दौरान उत्सर्जन कटौती उपकरणों का मूल्यह्रास एवं प्रचालन लागत -

	2016-17	2015-16
i. मूल्यह्रास	269	15
ii. उत्सर्जन कटौती उपकरणों की प्रचालन लागत	102	84
कुल	**371**	**99**

v. **सुरक्षा, मालबंधन आदि**
टिप्पणी सं. 35 देखें ।

vi. **लाभ व हानि के विवरण में अभिचिह्नित व्यय**
₹ 2662 (₹ 1402) की निवल वसूली मूल्य के लिए वस्तुसूची की रईट डाउन लाभ और हानि विवरण में अभिचिह्नित किया गया है।

vii. वर्ष के दौरान वस्तुसूची के रईट डाउन का कोई रिवर्सल नहीं बनाया गया है, जिसे पिछले वर्ष के खर्च के रूप में अभिचिह्नित की गई थी।

viii. **संपत्ति की हानि**
वस्तुसूची के लिए प्रावधान कंपनी के लेखा नीति सं.18 के अनुरूप हैं।

	यथा 31 मार्च 2017	यथा 31 मार्च 2016	यथा 1 अप्रैल 2015
टिप्पणी 12			
अन्य परिसंपत्तियाँ			
गैर चालू			
पूँजी अग्रिम	10,926	4,239	2,862
घटाएँ - प्रावधान	-	(8)	(8)
	10,926	**4,231**	**2,854**
अग्रिम इतर पूँजी अग्रिम			
कर्मचारी को अग्रिम	-	38	1
क्रय को अग्रिम	446	627	681
घटाएँ - प्रावधान	(349)	(384)	(431)
	97	**243**	**250**
अन्य			
सीमा शुल्क, पत्तन यास तथा अन्य सरकारी प्राधिकारियों के पास शेष	1,481	1,461	1,756
घटाएँ - प्रावधान	(1,380)	(1,366)	(1,648)
	101	**95**	**108**
पूर्वदत्त व्यय	6	1	4
प्राप्य दावे - क्रय	1,553	1,056	1,009
घटाएँ - प्रावधान	(1,553)	(1,056)	(963)
	-	**-**	**46**
अन्य परिसंपत्तियाँ	171	205	44
घटाएँ - प्रावधान	-	(8)	(10)
	171	**197**	**34**
उप कुल (क)	**11,301**	**4,805**	**3,297**

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

	यथा 31 मार्च 2017	यथा 31 मार्च 2016	यथा 1 अप्रैल 2015
कुल			
पूँजी अग्रिम	502	-	-
पूँजी अग्रिम के अलावा अग्रिम			
कर्मचारी को अग्रिम	-	608	411
क्रय को अग्रिम	21,651	26,565	55,157
अन्य			
सीमा शुल्क, पत्तन यास तथा अन्यसरकारी प्राधिकारियों के पास शेष	24,544	11,583	7,419
घटाएँ - प्रावधान	-	-	(5)
	24,544	**11,583**	**7,414**
पूर्वदत्त व्यय	3,832	2,744	1,811
प्राप्य दावे - क्रय	4,483	3,737	5,745
अन्य परिसंपत्तियाँ	5,744	4,445	1,779
घटाएँ - प्रावधान	(3)	-	-
	5,741	**4,445**	**1,779**
उप कुल (ख)	**60,753**	**49,682**	**72,317**
कुल (क+ख)	**72,054**	**54,487**	**75,614**

i. **संपत्ति की हानि**

गैर-वित्तीय परिसंपत्तियों की हानि के लिए प्रावधान के लिए कंपनी के लेखा नीति सं.13 के अनुरूप किया गया है ।

ii. **संबंधित पक्षकार के प्रकटणों**

संबंधित पक्षकार के प्रकटणों के लिए, टिप्पणी 31 देखें ।

iii. संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण के संबंध में अनअजेस्टेड पूँजी अग्रिम के लिए टिप्पणी 1 व 2 देखें ।

टिप्पणी 13

नकद एवं नकद समतुल्य

बैंक शेष	47,588	46,489	42,152
हस्तस्थ नकद	8	19	18
आवधिक जमा राशियाँ	221,000	200,500	160,000
	268,596	**247,008**	**202,170**

i. नकद और नकद समतुल्य में तीन महीनों तक की मूल परिपक्वता अवधि की आवधिक जमा राशियाँ शामिल हैं। तीन महीनों से अधिक की मूल परिपक्वता अवधि की आवधिक जमा राशियों को बैंक शाखाओं में शामिल किया गया है । टिप्पणी सं. 14 देखें ।

ii. वित्तीय प्रलेखों के वर्गीकरण हेतु टिप्पणी सं. 33 देखें ।

iii. नकद और नकद समतुल्य के संबंध में कोई प्रत्यावर्तन प्रतिबंध नहीं हैं।

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

	यथा 31 मार्च 2017	यथा 31 मार्च 2016	यथा 1 अप्रैल 2015
टिप्पणी 14			
बैंक शेष [उपर्युक्त (ii) के अलावा]			
जमा राशियाँ*	104,000	469,500	370,000
बैंकों के पास धारित मार्जिन राशि	-	1	1
अदत्त लाभांश खाता	6,422	21	20
	110,422	**469,522**	**370,021**

i. वित्तीय प्रलेखों के वर्गीकरण हेतु टिप्पणी सं. 33 देखें ।

ii. कंपनी में ऐसी कोई आवधिक जमा राशि नहीं है जिसकी मूल परिपक्वता अवधि बराह महीनों से अधिक है ।

iii. बैंक के शेष के संबंध में कोई प्रत्यावर्तन प्रतिबंध नहीं हैं

iv. * आवधिक जमा राशियों में नीचे दिए गए उद्देश्यों के लिए निर्धारित राशि शामिल है -

बीईआरईसीएचएस	40,804	29,704	23,817
सीएसआर व्यय	3,123	2,592	2,044

टिप्पणी 15			
चालू कर परिसंपत्तियाँ (निवल)			
आय कर को अग्रिम भुगतान	9,992	1	224
घटाएँ प्रावधान	(1)	(1)	-
	9,991	**-**	**224**
चालू कर देयताएँ (निवल)			
कराधान के लिए प्रावधान	-	6,674	-
	-	**6,674**	**-**

टिप्पणी 16

क. ईक्विटी शेयर पूँजी

i. **प्राधिकृत पूँजी**			
₹ 1 प्रत्येक के (31.03.2016: ₹ 10 प्रत्येक ; 01.04.2015: ₹ 10 प्रत्येक) 2,500,000,000 (31.03.2016: 250,000,000 ; 01.04.2015: 100,000,000) साम्या शेयर	25,000	25,000	10,000
ii. **जारी किए गए, अभिदत्त और पूर्ण चुकता पूँजी**			
₹ 1 प्रत्येक के (31.03.2016: ₹ 10 प्रत्येक; 01.04.2015: ₹ 10 प्रत्येक) 2,233,627,930 (31.03.2016: 240,000,000; 01.04.2015: 80,000,000) साम्या शेयर	22,336	24,000	8,000

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

iii. **अवधि के आरंभ एवं अंत में बकाया शेयरों की संख्या का समाधान**

विवरण	यथा 31 मार्च 2017		यथा 31 मार्च 2016		यथा 1 अप्रैल 2015	
	शेयरों की संख्या	राशि	शेयरों की संख्या	राशि	शेयरों की संख्या	राशि
समीक्षाधीन अवधि के प्रारंभ में बकाया शेयर	240,000,000	24,000	80,000,000	8,000	80,000,000	8,000
जोड़ें - वर्ष के दौरान जारी किए गए शेयर (बोस शेयर)	-	-	160,000,000	16,000	-	-
घटाएँ - वर्ष के दौरान पुनः खरीद किए गए शेयर आदि	16,637,207	1,664	-	-	-	-
वर्ष के दौरान शेयरों का उप वर्गीकरण (₹ 10 से ₹ 1 प्रति साम्या शेयर)	2,010,265,137	-	-	-	-	-
समीक्षाधीन अवधि के अंत में बकाया शेयर	2,233,627,930	22,336	240,000,000	24,000	80,000,000	8,000

iv. **5% से अधिक धारण करने वाले प्रत्येक शेयरधारक द्वारा आयोजित कंपनी में शेयर**

शेयरधारक का नाम	यथा 31 मार्च 2017		यथा 31 मार्च 2016		यथा 1 अप्रैल 2015	
	शेयरों की संख्या	शेयरधारिता%	शेयरों की संख्या	शेयरधारिता%	शेयरों की संख्या	शेयरधारिता%
भारत सरकार	1,523,039,911	68.19%	180,042,330	75.02%	60,015,859	75.02%
भारतीय जीवन बीमा निगम	117,231,380	5.25%	12,741,544	5.31%	4,476,641	5.60%

v. **पिछले 5 वर्षों के दौरान बोनस शेयरों के रूप में पूरी तरह से भुगतान के रूप में आवंटित किए गए शेयरों की कुल संख्या और वर्ग**

	यथा 31 मार्च 2017	यथा 31 मार्च 2016
	शेयरों की संख्या	शेयरों की संख्या
बोनस शेयरों के रूप में पूरी तरह से आवंटित किए गए चुकता इक्विटी शेयर	-	160,000,000

वित्तीय वर्ष 2011-12 से 2014-15 के दौरान बोनस शेयरों का कोई आवंटन नहीं हुआ था।

vi. **पिछले 5 वर्षों के दौरान खरीद वापस की गई शेयरों कुल संख्या और वर्ग**

	यथा 31 मार्च 2017	यथा 31 मार्च 2016
	शेयरों की संख्या	शेयरों की संख्या
खरीद किए गए साम्या शेयर	16,637,207	-

क. वित्तीय वर्ष 2011-12 से 2014-15 के दौरान शेयरों की कोई खरीद वापस नहीं हुई थी।

ख. अंकित मूल्य ₹10 के 16637207 इक्विटी शेयरों के लिए ₹ 1305 प्रति शेयर के लिए 1295 प्रति शेयर के प्रीमियम पर खरीदा गया था, जिसके परिणामस्वरूप, वित्तीय वर्ष 2016-17 के दौरान 2,71,116 का कुल नकद बहिर्वाह हुआ है ।

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

	यथा 31 मार्च 2017	यथा 31 मार्च 2016	यथा 1 अप्रैल 2015
vii. **प्रत्येक वर्ग के शेयरों के लिए संलग्न शर्तें, अधिकार, प्राथमिकताएं और प्रतिबंध -**			
क. विकल्प के तहत जारी करने के लिए आरक्षित शेयर तथा शेयरों / विनिवेश के विक्रय के लिए संविदाएँ / प्रतिबद्धताएँ	कुछ नहीं	कुछ नहीं	कुछ नहीं
ख. अदत्त कॉल का कुल मूल्य (कंपनी के निदेशकों और अधिकारियों सहित)	कुछ नहीं	कुछ नहीं	कुछ नहीं

ग. कंपनी के केवल एक प्रकार के शेयर यानी साम्या शेयर हैं ।

घ. साम्या शेयर का प्रत्येक धारक हाथ दिखाकर और धारित शेयरों की संख्या के अनुपात में मतदान में एक वोट का हकदार है ।

ङ. प्रत्येक शेयर धारक को कंपनी द्वारा घोषित लाभांश प्राप्त करने का अधिकार है ।

च. कंपनी के समापन पर, साम्या शेयरधारक कानून के अनुसार, सभी अधिमान राशियों के संवितरण के बाद, कंपनी की शेष परिसंपत्तियों के वसूल किए गए मूल्य,यदि कोई हो, को प्राप्त करने का हकदार होगा । यह संवितरण शेयरधारकों द्वारा धारित साम्या शेयरों की संख्या के अनुपात में होगा ।

viii. **आंतरिम लाभांश, आंतिम लाभांश**

	वर्ष 31 मार्च 17 अंत	वर्ष 31 मार्च 16 अंत
वर्ष 2015-16 एवं 2014-15 के लिए आंतिम लाभांश	34,800	18,560
वर्ष 2016-17 एवं 2015-16 के लिए आंतरिम लाभांश	26,804	6,000
लाभांश वितरण कर	12,541	4,999

ख प्रारक्षण की प्रकृति एवं प्रयोजन

i. **पूँजी प्रारक्षण**

पूंजीगत प्रारक्षण बनाए रखा आय से स्थानांतरण द्वारा कंपनी द्वारा अर्जित पूंजी लाभ के बराबर राशि बनाया गया है। प्रारक्षण का उपयोग कंपनी अधिनियम 2013 के प्रावधानों के अनुसार किया जाता है।

ii. **पूँजी विमोचन प्रारक्षण**

वापस खरीदे गए शेयरों के अंकित मूल्य के बराबर राशि से सामान्य प्रारक्षण से स्थानांतरित पूंजीगत प्रारक्षण को किया जाता है । प्रारक्षण का उपयोग कंपनी अधिनियम 2013 के प्रावधानों के अनुसार किया जाता है।

iii. **अन्य व्यापक आय (ओसीआई) से साम्या निवेश**

कंपनी ने अन्यव्यापक आय में कुछ इक्विटी निवेश के उचित मूल्य में परिवर्तनों हेतु अभिचिह्नित किया गया है। उचित मूल्य में परिवर्तन को आरक्षित में जमा किया गया है। अगर या जब निवेश को मायता नहीं दी जाती है, तो जमा राशि को प्रतिधारित आय में स्थानांतरित किया जाएगा ।

	यथा 31 मार्च 2017	यथा 31 मार्च 2016	यथा 1 अप्रैल 2015
टिप्पणी 17			
सरकारी अनुदान - आस्थगित			
गैर-चालू			
सरकारी अनुदान - आस्थगित	827	472	494
उप कुल (क)	**827**	**472**	**494**
चालू			
सरकारी अनुदान - आस्थगित	20	3	19
उप कुल (ख)	**20**	**3**	**19**
कुल (क+ख)	**847**	**475**	**513**

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

	यथा 31 मार्च 2017	यथा 31 मार्च 2016	यथा 1 अप्रैल 2015
टिप्पणी 18			
उधार राशियाँ			
प्रतिभूत			
बैंक से अवधिक ऋण	1,667	-	-
	1,667	**-**	**-**

i.

बैंक से अवधिक ऋण	
यथा तुलन पत्र दिनांक कुल देयताएँ	5,000
घटाएँ - दीर्घकालीन ऋण के चालू परिपक्वता *	3,333
घटाएँ - अवधिक ऋण पर प्रोद्भत ब्याज एवं शेष	-
गैर चालू उधार राशियाँ	1,667

* टिप्पणी 20 के तहत देखें ।

ii. **सुरक्षा की प्रकृति -**

टिप्पणी 35 देखें ।

iii. **पुनर्भुगतान की शर्तें**

12 तिमाही किश्त भुगतान को लौटाने के लिए जून 2017 को समाप्त तिमाही से शुरू होते एवं मार्च 2020 को समाप्त तिमाही पर समाप्त होती है ।

iv. **ब्याज की दर**

आरबीआई / एसबीआई दिशानिर्देशों और कंपनी के जोखिम मूल्यांकन के आधार पर संशोधन के तहत 8.15% प्रति वर्ष ।

v. **यथा तुलन-पत्र दिनांक को भुगतान नहीं करने की अवधि एवं राशि**

कुछ नहीं

टिप्पणी 19			
व्यापार देय			
गैर चालू			
- अन्य	-	57	2
उप कुल (क)	**-**	**57**	**2**
चालू			
- सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों के देय	1,558	644	406
- अन्य	133,101	115,500	111,481
उप कुल (ख)	**134,659**	**116,144**	**111,887**
कुल (क+ख)	**134,659**	**116,201**	**111,889**

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

i. यथा 31 मार्च 2017 को सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विकास (एमएसएमईडी) अधिनियम, 2006 के तहत यथा अपेक्षित सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों को देय संबंधि सूचना नीचे दी गई है -

विवरण	2016-17	2015-16
क. मूलधन और उस पर देय ब्याज जो यथा 31 मार्च को अदत्त बनी हुई है -		
मूलधन*	1,643	648
ब्याज	5	10
ख. 31 मार्च को समाप्त वर्ष के दौरान निर्धारित दिवस के बाद किए गए भुगतान के साथ-साथ कंपनी द्वारा अदा की गई ब्याज की राशि -		
मूलधन*	43	6
ब्याज**	-	6
ग. विलंब की अवधि के लिए देय ब्याज तथा प्रदेय (जिसका भुगतान वर्ष के दौरान किया गया लेकिन निर्धारित दिन के बाद) परन्तु अधिनियम के तहत विनिर्दिष्ट ब्याज को जोड़े बिना	-	-
घ. 31 मार्च को समाप्त वर्ष के अंत में प्रोद्भूत तथा अदत्त रहने वाले ब्याज	9	14
ङ. ब्याज जो उत्तरवर्ती वर्षों में भी देय और प्रदेय बनी हुई है, उस तारीख तक जब एमएसएमईडी अधिनियम की धारा 23 के तहत कटौती-योग्य व्यय के रूप में अस्वीकृत करने के प्रयोजन से, यथा उपर्युक्त ब्याज की देय राशियों का भुगतान वास्तव में लघु उद्यमों को नहीं कर दिया जाता ।	3	10

* टिप्पणी 20 के तहत दिखाएं देय भी शामिल है ।

** ब्याज आईएनआर 3278 के संबंध में चालू वर्ष को राउड ऑफ किया गया है।

ii. पिछली वर्ष में किए गए प्रावधानों की अवधि ₹ 8 के दौरान रिवर्स कर दिया गया है, क्योंकि बाद में सत्यापन पर, राशि का भुगतान नहीं किया गया था ।

iii. यह सूचना से पूर्तिकर्ताओं के संबंध में उस सीमा तक दी गई है जहाँ तक उहें कंपनी में उपलब्ध सूचना के आधार पर सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों के रूप में अभिचिह्नित किया जा सकता है और लेखा परीक्षाकों द्वारा भरोसा कर दिया गया है ।

iv. **वित्तीय प्रलेखों**

वित्तीय प्रलेखों के वर्गीकरण हेतु टिप्पणी 33 देखें ।

v. **संबंधित पक्षकार प्रकटण**

संबंधित पक्षकार प्रकटण के लिए टिप्पणी 31 देखें ।

vi. व्यापार प्रदेय से संबंधित मुद्रा एवं तरलता जोखिम के लिए टिप्पणी 34 देखें ।

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

	यथा 31 मार्च 2017	यथा 31 मार्च 2016	यथा 1 अप्रैल 2015
टिप्पणी 20			
अन्य वित्तीय देयताएँ			
गैर चालू			
सुरक्षा जमा राशियाँ	72	158	76
उप कुल (क)	**72**	**158**	**76**
चालू			
सुरक्षा जमा राशियाँ	3,145	2,173	2,008
दीर्घकालीन ऋण के चालू परिपक्व[1]	3,333	-	-
ब्याज अर्जित लेकिन देय नहीं - अवधिक ऋण[1]	1	-	-
व्यापार देय[2] पर ब्याज अर्जित लेकिन देय नहीं	8	14	9
अन्य व्यापार देय	5,507	2,920	2,088
अदत्त परिपक्व जमा राशियाँ	37	37	37
अदत्त लाभांश	6,422	21	20
एमएसएमई[2] को गैर व्यापार देय राशि	85	4	-
बकाया व्यय	39,842	36,108	19,216
अन्य देयताएँ	1,077	1,844	1,140
उप कुल (ख)	**59,457**	**43,121**	**24,518**
कुल (क+ख)	**59,529**	**43,279**	**24,594**
यथा तुलन-पत्र की तारीख को निवेशक शिक्षा एवं संरक्षण निधि को अंतरित की जाने वाली राशि	कुछ नहीं	कुछ नहीं	कुछ नहीं

1 (टिप्पणी 18 देखें ।)

2 (टिप्पणी 19 देखें ।)

i. **वित्तीय प्रलेखों**

वित्तयी प्रलेखों के वर्गीकरण हेतु टिप्पणी 33 देखें ।

टिप्पणी 21			
प्रावधान			
गैर चालू			
कर्मचारी अनुलाभ			
दीर्घकालीन क्षतिपूरक अनुपस्थितियाँ	33,380	23,784	21,300
बीईएल सेवानिवृत्त कर्मचारी अंशदायी स्वास्थ्य योजना (बीईआरईसीएचएस)	37,701	27,554	22,029
अन्य			
दुर्वह संविदाओं के लिए प्रावधान	5,679	11,242	7,510
कार्य-निष्पादन वारंटी के लिए प्रावधान	12,347	7,218	4,016
स्थल पुनःस्थापन दायित्व के लिए प्रावधान	135	135	55
उप कुल (क)	**89,242**	**69,933**	**54,910**

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

	यथा 31 मार्च 2017	यथा 31 मार्च 2016	यथा 1 अप्रैल 2015
चालू			
कर्मचारी अनुलाभ			
उपदान*	1,504	(1,072)	448
कार्य-निष्पादन वारंटी के लिए प्रावधान	2,825	2,439	2,807
बीईएल सेवानिवृत्त कर्मचारी अंशदायी स्वास्थ्य योजना (बीईआरईसीएचएस)	3,103	2,150	1,788
बीईएल अधिवार्षिता के प्रति प्रबंधन का अंशदान (पेंशन) योजना	-	4,999	3,228
कर्मचारी वेतन परिशोधन के लिए प्रावधान	14,513	-	-
अन्य			
दुर्वह संविदाओं के लिए प्रावधान	2,906	2,847	2,427
कार्य-निष्पादन वारंटी के लिए प्रावधान	15,937	10,426	3,700
उप कुल (ख)	**40,788**	**21,789**	**14,398**
कुल (क+ख)	**130,030**	**91,722**	**69,308**

i. **वर्ष 2016-17 के लिए प्रावधानों का संचलन**

	कार्य निष्पादन	दुर्वह संविदाओं	स्थल पुनःस्थापन दायित्व
यथा 1 अप्रैल	17,644	14,089	135
वर्ष के दौरान अभिचिह्नित अतिरिक्त प्रावधान	19,613	1,207	-
वर्ष के दौरान प्रयुक्त राशियाँ (नीचे टिप्पणी v देखें ।)	109	-	-
वर्ष के दौरान व्युत्क्रमित राशियाँ	8,864	6,711	-
यथा 31 मार्च	**28,284**	**8,585**	**135**

वर्ष 2015-16 के लिए प्रावधानों का संचलन

	कार्य निष्पादन	दुर्वह संविदाओं	स्थल पुनःस्थापन दायित्व
यथा 1 अप्रैल	7,716	9,937	55
वर्ष के दौरान अभिचिह्नित अतिरिक्त प्रावधान	13,228	5,464	80
वर्ष के दौरान प्रयुक्त राशियाँ (नीचे टिप्पणी v देखें ।)	-	722	-
वर्ष के दौरान व्युत्क्रमित राशियाँ	3,300	590	-
यथा 31 मार्च	**17,644**	**14,089**	**135**

ii. **वारंटियों के लिए प्रावधान - कंपनी की लेखा नीति संख्या 20 के अनुसार**

वारंटी के लिए प्रावधान जिनका सामान्य वारंटी अवधि बकाया है उन उत्पादों के संबंध में किया जाता है । चूंकि वारंटी प्रावधान अवधि उत्पाद से उत्पाद तक भिन होती है, वारंटी अवधि की औसत अवधि के आधार पर स्ट्रैटेजिक बिजनेस यूनिट (एसबीयू) स्तर पर प्रावधान किया जाता है । प्रावधान व्यय किए जाने वाले संभावित खर्चों के प्रवृत्ति पर आधारित अनुमान के आधार पर किया जाता है । प्रावधान को वारंटी के अनुमानित लागत के वर्तमान मूल्य से मापा जाता
है ।

iii. **साइट पुनःस्थापन के लिए प्रावधान - कंपनी के लेखा नीति संख्या 23 के अनुसार**

च्लीज एग्रीमेंट के नियम और शर्तों के अनुसार कम से कम, कंपनी को इसकी मूल स्थिति में जमीन वापस करने की आवश्यकता है । तदनुसार साइट वापसी दायित्व के संबंध में प्रावधान किया गया है । आवश्यक प्रावधान की समीक्षा की जाती है और प्रत्येक वर्ष के अंत में किए गए समायोजन की आवश्यकता होती है ।

प्रावधान को वापसी की लागत का सबसे अच्छा अनुमान के वर्तमान मूल्य से मापा जाता है ।

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

iv. **दुर्वह ठेके के लिए प्रावधान - कंपनी के लेखा नीति संख्या 23 के अनुसार**
कंपनी द्वारा दर्ज किए गए कुछ अनुबंधों के संबंध में, यह अपेक्षित है कि अनुबंध पूरा करने की संभावना लागत संविदा के खिलाफ प्राप्त / प्राप्त आय से अधिक होगी । ऐसे मामलों में, अपेक्षित नुकसान के संबंध में प्रावधान किया गया है । आवश्यक प्रावधान की समीक्षा की जाती है और प्रत्येक वर्ष के अंत में किए गए समायोजन की आवश्यकता होती है । प्रावधान को खर्च होने की संभावना का सबसे अच्छा अनुमान के वर्तमान मूल्य के आधार पर मापा जाता है ।

v. प्रारंभिक प्रावधान के लिए डेबिट राशि ।

vi. वारंटी लागत के संबंध मेंप्राकृतिक कोड शीर्ष हेतु ₹ 8,065 (₹ 8,592) की राशि डेबिट किया गया है।
साइट पुनःस्थापन उत्तरदायित्व के संबंध में प्राकृतिक कोड शीर्ष हेतु कुछ नहीं (कुछ नहीं) डेबिट किया गया है ।
दुर्वह ठेके के संबंध में प्राकृतिक कोड शीर्ष हेतु ₹ 1,974 (₹ 2,498) की राशि डेबिट किया गया है ।

vii. *31 मार्च 2016 को दायित्व पर योजना संपत्ति से अधिक का प्रतिनिधित्व करता है ।

(क) उत्तर रोजगार अनुलाभ दायित्व-

(i) उपदान :

कंपनी भारत के कर्मचारियों को उपदान का भुगतान, उपदान अधिनियम, 1971के अनुसार करता है ।. कंपनी में अपने कर्मचारियों के लिए उपदान योजना विद्यमान है जो कि वित्त-पोषित योजना है । प्रत्येक वर्ष, कंपनी इस निधि की देयताओं, जो बीमांकक मूल्यांकन के माध्यम से निर्धारित होती है, पर परिसंपत्तियों की कमी की सीमा तक, उपदान ट्रस्ट को निधियाँ विप्रेषित करती है । उपदान योजना के अनुसार, कर्मचारी द्वारा कंपनी में कम से कम पाँच वर्षों की निरंतर सेवा प्रदान करने के बाद, उसके नियोजन की समाप्ति पर, कर्मचारी को उपदान की राशि प्रदेय होती है । सेवा के प्रत्येक पूरे किए गए वर्ष या छः महीनों से अधिक के उसके किसी भाग के लिए, कंपनी कर्मचारी को उसके द्वारा अंतिम आहरित मूल वेतन और महंगाई भत्ते के आधार पर, पंद्रह दिनों के वेतन की दर से कर्मचारी को उपदान का भुगतान करेगी ।

निम्नलिखित टेबल में लाभ व हानि के विवरण में अभिचिह्नित निवल अनुलाभ व्यय तथा वित्त-पोषित स्थिति और बीमांकक द्वारा प्रदान किए गए प्रकटण रिपोर्ट में यथा प्रस्तुत, योजना के लिए तुलन-पत्र में अभिचिह्नित राशियों के घटकों का सार प्रस्तुत किया गया है -

	विवरण	2016-17	2015-16
i)	**अनुलाभ देयताओं में परिवर्तन -**		
	यथा वर्ष के प्रारंभ में देयता का वर्तमान मूल्य	35664	37316
	चालू सेवा लागत	672	602
	ब्याज की लागत	2749	2741
	पूर्व की सेवा लागत (गैर-निहित अनुलाभ)	-	-
	पूर्व की सेवा लागत (निहित अनुलाभ)	-	-
	अन्य व्यापाक आय मे अभिचिह्नित बीमांकिक (लब्धि) / हानि		
	वित्तीय मान्यताएँमें परिवर्तन	3375	(671)
	अन्नुभव समायोजन	187	(427)
	अदा किए गए अनुलाभ	(3452)	(3897)
	यथा अवधि के अंत में देयता का वर्तमान मूल्य	**39195**	**35664**
ii)	**योजित परिसंपत्तियों के उचित मूल्य में परिवर्तन -**		
	वर्ष के प्रारंभ में योजित परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	36736	35369
	योजित परिसंपत्तियों पर अपेक्षित प्राप्ति	2897	2665
	अंशदान	1500	1948
	अदा किए गए अनुलाभ	(3452)	(3897)
	अन्य व्यापाक आय मे अभिचिह्नित बीमांकिक (लब्धि) / हानि	10	651
	अवधि के अंत में योजित परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	**37691**	**36736**
	निवल निश्चित अनुलाभ (लाभ)/हानि	**1504**	**(1072)**
iii)	**लाभ व हानि के विवरण में अभिचिह्नित व्यय -**		
	चालू सेवा लागत	672	602
	निवल निश्चित अनुलाभ दायित्व पर निवल ब्याज	(148)	75
	लाभ व हानि के विवरण में अभिचिह्नित व्यय	524	678

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

	विवरण	2016-17	2015-16
iv)	**अन्य व्यापक आय के विवरण में अभिचिह्नित राशि (पुनःमापन) -**		
	योजित दायित्व पर बीमांकिक (लब्धि)/ हानि	3562	(1098)
	योजित परिसंपत्तियाँ - (लब्धि)/हानि पर बीमांकिक रिटर्न एवं ब्याज आय के बीच भिनता	(10)	(651)
	अन्य व्यापक आय विवरण में अभिचिह्नित राशि	3552	(1749)
v)	**तुलन-पत्र में अभिचिह्नित राशियाँ -**		
	यथा अवधि के अंत में देयता का वर्तमान मूल्य	39195	35664
	अवधि के अंत में योजित परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	37691	36736
	वितपोषित स्थिति	**(1504)**	**1072**
	वर्ष के लिए अभिचिह्नित (लब्धि)/हानि	**1504**	**(1072)**
	यथा वर्ष 31 मार्च को तुलन पत्र के अनुसार (लब्धि)/हानि	**1504**	**(1072)**
vi)	**योजित परिसंपत्तियाँ**		
	योतित परिसंपत्तयां के वर्ग निम्नलिखित है -		
	राज्य सरकार की प्रतिभूतियाँ	4.70%	6.98%
	भारत सरकार की प्रतिभूतियाँ	2.33%	2.51%
	उच्च गुणता के कार्पोरेट बाँड	5.00%	6.50%
	बीमाकर्ता के साथ निवेश	87.97%	84.01%
vii)	**बीमांकिक मान्यताएँ-**		
	बट्टागत दर	7.20%	8.10%
	वेतन में बढ़ोतरी की दर	7.50%	7.50%
	योजित परिसंपत्तियों पर प्राप्ति की अपेक्षित दर	7.20%	8.10%
	आुमानित औसत भविष्य कार्यकारी	15.20	15.60
viii)	**भगुतान करने हेतु अंशदान पर सर्वोत्तम अनुमान**		
	वित्तीय अवधि के आरंभ के दौरान, तुलन-पत्र के बाद अनुदान के तहन भगुतान करने हेतु अंशदान पर सर्वोत्तम अनुमान ₹ 1504 (कुछ नहीं)		
ix)	**संवेदनशीलता विश्लेषण -**		
	बट्टागत दर (0.50% संचलन) में बढ़ोतरी	7.70%	8.60%
	अवधि के अंत में निश्चित अनुलाभ दायित्व में बढ़ोतरी/ (कमी)	(1618)	(1399)
	बट्टागत दर (0.50% संचलन) में कमी	6.70%	7.60%
	अवधि के अंत में निश्चित अनुलाभ दायित्व में बढ़ोतरी/ (कमी)	1748	1507
	वेतन में बढ़ोतरी की दर (0.50% संचलन) में बढ़ोतरी	8.00%	8.00%
	अवधि के अंत में निश्चित अनुलाभ दायित्व में बढ़ोतरी/ (कमी)	239	226
	वेतन में बढ़ोतरी की दर (0.50% संचलन) में कमी	7.00%	7.00%
	अवधि के अंत में निश्चित अनुलाभ दायित्व में बढ़ोतरी/ (कमी)	(252)	(244)

(ii) बीईएल सेवानिवृत्त कर्मचारी अंशदायी स्वास्थ्य योजना (बीईआरईसीएचएस) -

कंपनी में अपने सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए अंशदायी स्वास्थ्य योजना "बीईएल सेवानिवृत्त कर्मचारी अंशदायी स्वास्थ्य योजना" (बीईआरईसीएचएस) है जो वित्त-पोषण रहित योजना है । इस योजना का प्राथमिक उद्देश्य अधिवार्षिता की आयु प्राप्त करने पर सेवानिवृत्त होने वाले या वीआरएस लेने वाले कर्मचारियों को चिकित्सा सुविधाएँ प्रदान करना है । इस योजना के तहत अनुलाभ ऐसे कर्मचारियों को प्राप्त होगा जो योजना के सदस्य बनते हैं और ये अनुलाभ केवल कर्मचारी और उनकी पत्नी / उनके पति को ही प्राप्त होगा । कंपनी अंत:रोगी उपचार के लिए बीमा रक्षा लेती है । वार्षिक बीमा प्रीमियम के अतिरिक्त, कंपनी बाह्यरोगी उपचार के लिए दवाइयों की लागत का 60% और नैदानिक परीक्षणों की लागत का 75% खर्च वहन करती है और विशिष्ट रोगों के उपचार के लिए कंपनी बीमा कवरेज के अतिरिक्त, उपचार की पूरी लागत वहन करती है ।

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

निम्नलिखित टेबल में लाभ व हानि के विवरण में अभिचिह्नित निवल अनुलाभ व्यय के घटकों तथा वित्त-पोषित स्थिति और बीमांकक द्वारा प्रदान किए गए प्रकटण रिपोर्ट में यथा प्रस्तुत योजना के लिए तुलन-पत्र में अभिचिह्नित राशियों का सार प्रस्तुत किया गया है -

	विवरण	2016-17	2015-16
i)	**अनुलाभ देयता में परिवर्तन -**		
	वर्ष के प्रारंभ में देयता का वर्तमान मूल्य (पीवीओ)	29705	23817
	चालू सेवा लागत	1553	1246
	ब्याज लागत	2282	1757
	अन्य व्यापाक आय मे अभिचिह्नित बीमांकिक (लब्धि) / हानि		
	वित्तीय मान्यताएँ में परिवर्तन	3933	(1097)
	अनुभव समायोजन	6406	6267
	अदा किए गए अनुलाभ	(3075)	(2285)
	यथा अवधि के अंत में देयता का वर्तमान मूल्य	**40804**	**29705**
ii)	**योजित परिसंपत्तियों के उचित मूल्य में परिवर्तन -**		
	वर्ष के प्रारंभ में योजित परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	-	-
	योजित परिसंपत्तियों पर अपेक्षित प्राप्ति	-	-
	अंशदान	3075	2285
	अदा किए गए अनुलाभ	(3075)	(2285)
	अन्य व्यापाक आय मे अभिचिह्नित बीमांकिक (लब्धि) / हानि	-	-
	अवधि के अंत में योजित परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	-	-
iii)	**लाभ व हानि के विवरण में अभिचिह्नित व्यय -**		
	आरंभिक निवल देयता	-	-
	चालू सेवा लागत	1553	1246
	निश्चित अनुलाभ दायित्व पर ब्याज	2282	1757
	योजित परिसंपत्तियों पर अपेक्षित प्राप्ति	-	-
	लाभ व हानि के विवरण में अभिचिह्नित निवल व्यय	**3835**	**3003**
iv)	अन्य व्यापक आय के विवरण में अभिचिह्नित राशि (पुनःमापन) -		
	योजित दायित्व पर बीमांकिक (लब्धि)/ हानि	10338	5170
	अन्य व्यापक आय विवरण में अभिचिह्नित राशि	10338	5170
v)	**तुलन-पत्र में अभिचिह्नित राशियाँ -**		
	यथा अवधि के अंत में देयता का वर्तमान मूल्य	40804	29705
	अवधि के अंत में योजित परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	-	-
	वित पोषित स्थिति	(40804)	(29705)
	तुलन-पत्र में अभिचिह्नित देयता (बीमांकिक मूल्यांकन के अनुसार)	**40804**	**29705**
	अगले बारह महिनों के अंदर भुगतान करने को अभिचिह्नित	**3103**	**2150**
		37701	**27555**
vi)	**प्रधान मान्यताएँ-**		
	बट्टे की दर	7.20%	8.10%
	स्वास्थ्य देखभाल की लागतों में वृद्धि दर	3.90%	3.90%
	संघर्षण दर	1.30%	1.00%
vii)	**सेवा लागत तथा ब्याज लागत के कुल पर मानी गई स्वास्थ्य देखभाल लागत प्रवृत्ति दरों में तथा निर्धारित अनुलाभ देयता में एक प्रतिशत बिदु वृद्धि का प्रभाव**		
	सेवा लागत और ब्याज की लागत के कुल पर प्रभाव	684	462
	निर्धारित अनुलाभ देयता पर प्रभाव	5504	3469
	सेवा लागत तथा ब्याज लागत के कुल पर मानी गई स्वास्थ्य देखभाल लागत प्रवृत्ति दरों में तथा निर्धारित अनुलाभ देयता में एक प्रतिशत बिदु वृद्धि का प्रभाव -		
	सेवा लागत और ब्याज की लागत के कुल पर प्रभाव	(558)	(384)
	निर्धारित अनुलाभ देयता पर प्रभाव	(4488)	(2882)

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

	विवरण	2016-17	2015-16
viii)	**संवेदनशीलता विश्लेषण -**		
	बट्टागत दर (0.50% संचलन) में बढ़ोतरी	7.70%	8.60%
	अवधि के अंत में निश्चित अनुलाभ दायित्व में बढ़ोतरी/ (कमी)	**(2276)**	**(1443)**
	बट्टागत दर (0.50% संचलन) में कमी	6.70%	7.60%
	अवधि के अंत में निश्चित अनुलाभ दायित्व में बढ़ोतरी/ (कमी)	**2536**	**1592**
	चिकित्सा मुद्रास्फीति दर (0.50% संचलन) में बढ़ोतरी	4.40%	4.40%
	अवधि के अंत में निश्चित अनुलाभ दायित्व में बढ़ोतरी/ (कमी)	**2607**	**1651**
	चिकित्सा मुद्रास्फीति दर (0.50% संचलन) में कमी	3.40%	3.40%
	अवधि के अंत में निश्चित अनुलाभ दायित्व में बढ़ोतरी/ (कमी)	**(2355)**	**(1506)**

(iii) कर्मचारी भविष्य निधि [ब्याज में कमी]

कर्मचारी भविष्य निधि को कंपनी के प्रोविडेंट फंड ट्रस्ट द्वारा नियंत्रित किया जाता है। कंपनी, प्रबंधन अंशदान को ट्रस्ट के कर्मचारी भविष्य निधि के प्रति प्रदेय करता है। वर्ष के दौरान, कंपनी ने लाभ व हानि के विवरण में कर्मचारी भविष्य निधि की ओर ₹ 8,033 (₹ 7,498) की राशि अभिचिह्नित की है ।

कंपनी ने यथा 31 मार्च 2017 को किए गए बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर यह निर्धारित किया है कि मूल्यांकन की तारीख पर ब्याज की कमी की ओर कोई देयता नहीं है (योजना के निबंधनों से इस प्रकार संबंधित कि ट्रस्ट की ओर से ऐसी कोई अनिवार्यता नहीं है कि वह भविष्य निधि के शेषों पर अतिरिक्त ब्याज के माध्यम से अधिशेष के किसी भाग, यदि हो, को संवितरित करे)

	विवरण	2016-17	2015-16
i)	**अनुलाभ देयताओं में परिवर्तन -**		
	यथा वर्ष के प्रारंभ में देयता का वर्तमान मूल्य	177013	156326
	चालू सेवा लागत	28590	25084
	ब्याज की लागत	13683	11649
	पूर्व की सेवा लागत (गैर-निहित अनुलाभ)	-	-
	पूर्व की सेवा लागत (निहित अनुलाभ)	-	-
	बीमांकिक (लब्धि) / हानि	(1134)	(2075)
	अदा किए गए अनुलाभ	(16184)	(13971)
	पीवीओ अंतरित	-	-
	यथा अवधि के अंत में देयता का वर्तमान मूल्य	**201968**	**177013**
ii)	**योजित परिसंपत्तियों के उचित मूल्य में परिवर्तन -**		
	वर्ष के प्रारंभ में योजित परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	180950	160226
	योजित परिसंपत्तियों पर अपेक्षित प्राप्ति	16675	15026
	अंशदान	24841	20343
	अदा किए गए अनुलाभ	(16184)	(13971)
	योजित परिसंपत्तियों पर बीमांकिक लब्धि / (हानि)	(321)	(674)
	अंतरित योजित परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	-	-
	अवधि के अंत में योजित परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	**205961**	**180950**

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

	विवरण	2016-17	2015-16
iii)	**लाभ व हानि के विवरण में अभिचिह्नित व्यय -**		
	प्रारंभिक निवल देयता	-	-
	चालू सेवा लागत	28590	25084
	ब्याज की लागत	13683	11649
	योजित परिसंपत्तियों पर अपेक्षित प्राप्ति	(16675)	(15026)
	अवधि में अभिचिह्नित निवल बीमांकिक (लब्धि) / हानि	(813)	(1401)
	पूर्व की सेवा लागत (गैर-निहित अनुलाभ)	-	-
	पूर्व की सेवा लागत (निहित अनुलाभ)	-	-
	लाभ व हानि के विवरण में अभिचिह्नित व्यय	**24785**	**20306**
iv)	**तुलन-पत्र में अभिचिह्नित राशियाँ -**		
	यथा अवधि के अंत में देयता का वर्तमान मूल्य	201968	177013
	अवधि के अंत में योजित परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	205961	180950
	अंतर	**(3993)**	**(3937)**
	आभिचिह्नित बीमांकिक (लब्धियाँ) / हानियाँ	-	-
	तुलन-पत्र में अभिचिह्नित देयता	-	-
v)	**चालू अवधि के लिए राशि -**		
	देयता का वर्तमान मूल्य	201968	177013
	योजित परिसंपत्तियाँ	205961	180950
	अधिशेष / (कमी)	3993	3937
	योजित देयताओं पर अनुभव समायोजन - (हानि)/लब्धि	1173	2070
	योजित परिसंपत्तियो पर अनुभव समायोजन - (हानि)/लब्धि	(321)	(674)
vi)	**यथा 31 मार्च 2017 को परिसंपत्तियों के वर्ग -**		
	भारत सरकार एवं राज्य सरकार की प्रतिभूतियाँ	39.78%/51.42%	44.30%/46.64%
	उच्च गुणता के कार्पोरेट बाँड	47.38%/43.63%	44.54%/44.89%
	सूचीबद्ध कंपनी के ईक्वीटी शेयर	4.60%/1.78%	1.70%/5.18%
	अन्य	8.24%/3.17%	0%/3.29%
	विशेष जमा योजना	0.00%/0.00%	9.46%/0.00%
	कुल	100%/100%	100%/100%
vii)	**प्रधान मान्यताएँ-**		
	बट्टागत दर	7.20%	8.10%
	वेतन में बढ़ोतरी की दर	7.50%	7.50%
	योजित परिसंपत्तियों पर प्राप्ति की अपेक्षित दर	8.75%	9.00%

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

ख. दीर्घकालीन क्षतिपूरक अनुपस्थिति

कंपनी में अपने कर्मचारियों के लिए दीर्घकालीन क्षतिपूरक अनुपस्थिति योजना है जो एक वित्त-पोषण रहित योजना है। कंपनी के कर्मचारी दो प्रकार की दीर्घकालीन क्षतिपूरक अनुपस्थितियों के हकदार हैं - कार्यपालकों के मामले में वार्षिक अवकाश (ए.एल.) और अर्ध वेतन अवकाश (एच.एल.) और गैर-कार्यपालकों के मामले में वार्षिक अवकाश (ए.एल.) और बीमारी अवकाश (एस.एल.)। इस योजना में कर्मचारियों को अधिवार्षिता की आयु प्राप्त करने पर, वीआरएस लेने पर या मृत्यु पर, प्राप्त न किए गए अवकाश (कार्यपालकों के मामले में ए.एल. और एच.एल. तथा गैर-कार्यपालकों के मामले में ए.एल. और एस.एल.) के समक्ष क्षतिपूर्ति देने की व्यवस्था है । ए एल का नकदीकरण सेवा के दौरान या इस्तीफा देने के समय भी किया जा सकता है ।

निम्नलिखित सारणी में लाभ व हानि के विवरण में अभिचिह्नित निवल अनुलाभ व्यय के घटकों तथा बीमांकक द्वारा प्रदान किए गए प्रकटण रिपोर्ट में यथा प्रस्तुत, योजना के लिए तुलन-पत्र में अभिचिह्नित राशि का सार प्रस्तुत किया गया है

	विवरण	2016-17	2015-16
i)	**लाभ व हानि के विवरण में अभिचिह्नित व्यय -**		
	लाभ व हानि के विवरण में अभिचिह्नित निवल व्यय	10987	4883
	[2016-17 नकदीकृत अवकाश - ₹ 1,004, प्रावधान - ₹ 9,983]		
	[2015-16 नकदीकृत अवकाश - ₹ 2,767, प्रावधान - ₹ 2,116]		
ii)	तुलन-पत्र में अभिचिह्नित की जाने वाली राशियाँ -		
	तुलन-पत्र में अभिचिह्नित देयता [बीमांकिक मूल्यांकन के अनुसार]	**36205**	**26223**
iii)	**बीमांकिक मान्यताएँ-**		
	बट्टे की दर	7.20%	8.10%
	क्षतिपूर्ति दर में वृद्धि की दर	7.50%	7.50%
iv)	पिछले अनुभव के आधार पर, कंपनी सभी कर्मचारियों को अर्जित छुट्टी की पूरी राशि लेने की उम्मीद नहीं करता है या अगले 12 महीनों में भुगतान की आवश्यकता नहीं है। निम्नलिखित रकम वह प्रतिबिंबित दर्शाती है जो कि अगले 12 महीनों में / 12 महीने से अधिक के भीतर लिया जाएगा या भुगतान की जा सकती है।		
	चालू छुट्टी उत्तरदायित्व अगले 12 महीने के भीतर निपटान करने की उम्मीद हैं ।	**2825**	**2439**
	छुट्टी उत्तरदायित्व 12 महीने के बाद निपटान करने की उम्मीद है ।	**33380**	**23784**
		36205	**26223**

ग. पेंशन योजना -

कंपनी को अपने कर्मचारियों के लाभ के लिए एक परिभाषित योगदान पेंशन लाभ योजना मिल गई है, जिसके लिए इस उद्देश्य के लिए एक ट्रस्ट की स्थापना के लिए वार्षिक आधार पर योगदान किया जाता है ।

इस संबंध में निर्धारित नियमों के मुताबिक, इस योजना के तहत कर्मचारियों के लिए लाभ उपलब्ध हैं ।

परिभाषित लाभ योजना (यानी उपदान और बीईआरईसीएचएस) से उत्पन्न विशिष्ट या असामान्य जोखिमों का वर्णन विवरण

परिभाषित लाभ योजनाओं से संबंधित विशिष्ट जोखिम इस प्रकार हैं -

दो रिपोर्टिंग अवधि के बीच दीर्घकालिक सरकारी बॉड दर में संचलन जो छूट दर को प्रभावित करेगा और इसके परिणामस्वरूप दायित्वों के वर्तमान मूल्य ।

वित्तीय वर्ष के माध्यम से वास्तविक अनुभव के मुताबिक मूल्यांकन के लिए उच्च / निम्न वेतन वृद्धि / लाभ का जोखिम ।

हालांकि, दोनों जोखिमों को नियमित आधार पर कम किया जाता है, क्योंकि वार्षिक मानकों के आधार पर प्रत्येक वर्ष के बाद इसका आंकलन किया जाता है

परिसंपत्ति-दायित्व मिलान रणनीतियों का वर्णन विवरण

कंपनी की उपदान योजना वित्त पोषित योजना है । इस योजना का समर्थन करने वाले संपत्ति मुख्य रूप से बीमाकर्ता-प्रबंधित धन हैं। इसीलिए कंपनी को इस योजना के लिए परिसंपत्ति-देयता मिलान योजनाओं को लागू करने के मामले में सीमित लचीलापन है ।

कंपनी के बाद के सेवानिवृत्ति चिकित्सा योजना अप्रतिबंधित योजना है इसलिए संपत्ति-देयता मिलान रणनीतियां इस योजना के लिए प्रासंगिक नहीं हैं ।

वित्त पोषण की व्यवस्था और धन नीति का विवरण

कंपनी का उपदान योजना वित्त पोषित योजना है I इस योजना का समर्थन करने वाली योजना परिसंपत्तियों का 87.97% बीमाधारक प्रबंधित परिसंपत्तियां हैं और 7.03% योजना संपत्तियां केन्द्रीय और राज्य सरकार प्रतिभूतियों में निवेश की गई हैं फंड में वार्षिक अंशदान आम तौर पर घाटे के बराबर सेट होता है जैसा कि लाभ दायित्वों के पूर्ववर्ती बीमांकिक मूल्यांकन द्वारा प्रकट किया गया है ।

सेवानिवृत्ति के बाद की चिकित्सा योजना [बीईआरईसीएचएस] गैर वित्त पोषत योजना है ।

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

	यथा 31 मार्च 2017	यथा 31 मार्च 2016	यथा 1 अप्रैल 2015
टिप्पणी 22			
अन्य देयताएँ			
गैर चालू			
आस्थगित राजस्व - ग्राहक अनुदान	1,469	1,876	1,670
उप कुल (क)	**1,469**	**1,876**	**1,670**
चालू			
आस्थगित राजस्व - ग्राहक अनुदान	231	262	334
ग्राहकों से प्राप्त अग्रिम/प्रगति भुगतान	608,312	631,137	496,584
सांविधिक देयताएँ	22,437	18,064	16,002
आस्थगित राजस्व	2,182	1,288	1,868
अन्य	3,396	3,064	2,756
उप कुल (ख)	**636,558**	**653,815**	**517,544**
कुल (क+ख)	**638,027**	**655,691**	**519,214**

i. संबंधित पक्षकार प्रकटण

संबंधित पक्षकार प्रकटण के लिए टिप्पणी 31 देखें ।

	31 मार्च 2017 वर्ष अंत हेतु		31 मार्च 2016 वर्ष अंत हेतु	
टिप्पणी 23				
प्रचालनों से राजस्व				
उत्पादों की बिक्री (उत्पाद शुल्क सहित सकल)[1]	800,065		672,027	
सेवाएं से आय	82,405		82,090	
		882,470		**754,117**

[1] निर्माण ठेका के संबंध में अभिचिह्नित राजस्व सहित। टिप्पणी 30(5) देखें ।

अन्य प्रचालनीय राजस्व				
रद्दी की बिक्री		882		583
परिवहन से प्राप्तियाँ		321		351
किराए से प्राप्तियाँ		615		528
कैन्टीन से प्राप्तियाँ		810		753
एकत्रित विद्युत प्रभार		148		129
एकत्रित जल प्रभार		59		55
वापस लिए गए प्रावधान				
- दुर्वह संविदा	5,504		-	
- संदिग्ध ऋण, एलडी	11,297		1,558	
- वस्तुसूची	2,737		1,204	
- ऋण एवं अग्रिम	186		217	
- अन्य	168		1,139	
		19,892		4,118
सरकारी अनुदान / सहायता		1,378		1,491
ग्राहक अनुदान		437		562
विविध		7,032		6,850
		914,044		**769,537**

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

	31 मार्च 2017 वर्ष अंत हेतु	31 मार्च 2016 वर्ष अंत हेतु
टिप्पणी 24		
अन्य आय		
आवधिक जमा राशियों से ब्याज आय	34,027	45,851
दीर्घकालीन निवेशों से आय (लाभांश) #	5,200	390
स्टाफ/आयकर वापसी/अन्य से ब्याज आय*	847	1,170
पीपीई की बिक्री से लाभ	192	31
विदेशी मुद्रा विभेदक आय	6,406	5,042
किराय आय - निवेश संपत्ति	138	123
विविध (व्यय का निवल)	291	1,101
	47,101	**53,708**

विदेशी मुद्रा लब्धि / हानि विदेशी मुद्रा के लेन-देनों को दर्ज करने की तारीख और उनके निपटान / रिपोर्टिंग की तारीख के बीच किए गए विदेशी मुद्रा संबंधी लेन-देनों से उत्पन दर विचलन के कारण है ।

लागत पर किए गए सहायता से आय अभिवेदन

* संबंधित पक्षकार के प्रकटणों के लिए टिप्पणी 31 देखें ।

टिप्पणी 25

तैयार माल, चालू कार्य और रद्दी की वस्तुसूची में परिवर्तन

चालू कार्य-				
अंतिम वस्तुसूची	167,669		149,307	
प्रारंभिक वस्तुसूची	149,307		122,866	
		(18,362)		**(26,441)**
तैयार माल -				
अंतिम वस्तुसूची	37,535		13,839	
प्रारंभिक वस्तुसूची	13,839		16,870	
		(23,696)		**3,031**
रद्दी -				
अंतिम वस्तुसूची	173		318	
प्रारंभिक वस्तुसूची	318		308	
		145		**(10)**
		(41,913)		**(23,420)**

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

	31 मार्च 2017 वर्ष अंत हेतु		31 मार्च 2016 वर्ष अंत हेतु	
टिप्पणी 26				
कर्मचारी लाभ व्यय				
वेतन, मजदूरी और बोनस / उपदान		128,316		99,662
सेवानिवृत अनुलाभ व्यय				
अनुदान	524		678	
भविष्य निधि और पेंशन निधि की ओर अंशदान	8,033		7,498	
बीईएल अधिवार्षिता (पेंशन) योजना के प्रति प्रबंधन का अंशदान	3,599		4,639	
बीईएल से.नि. कर्मचारी अंशदायी स्वास्थ्य योजना के लिए प्रावधान	761		718	
		12,917		13,533
कल्याण व्यय [वेतन ₹ 854 (₹ 904) भ.नि. अंशदान ₹ 79 (₹ 70)] सहित		13,598		12,531
		154,831		**125,726**

प्रमुख प्रबंधकिय कार्मिकों के पारिश्रमिक हेतु टिप्पणी सं. 31 देखें ।

"वेतन परिशोधन अवधि 01.01.2017 to 31.03.2017 के लिए प्रावधान किया गया है ।"

टिप्पणी 27				
वित्त लागत				
ब्याज व्यय				
सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों के देयों पर ब्याज	3		10	
आय कर पर ब्याज	-		394	
अन्य ब्याज व्यय	1,150		22	
		1,153		426
अन्य उधार लागतें				
ऋण संसाधन प्रभार		25		25
		1,178		**451**

टिप्पणी 28				
मूल्यह्रास और परिशोधन व्यय				
संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण पर मूल्यह्रास / परिशोधन		19,105		17,182
निवेश संपत्ति पर मूल्यह्रास / परिशोधन		1		1
अमूर्त परिसंपत्तियाँ पर परिशोधन		46		38
		19,152		**17,221**

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

	31 मार्च 2017 वर्ष अंत हेतु		31 मार्च 2016 वर्ष अंत हेतु	
टिप्पणी 29				
अन्य व्यय				
बिजली और ईंधन #		3,156		4,012
जल प्रभार		370		245
रॉयल्टी और तकनीकी सहायता		407		547
किराया		2,691		2,593
दर और कर		1,263		457
बीमा		819		759
लेखा परीक्षकों का पारिश्रमिक				
लेखा परीक्षा शुल्क	12		12	
लागत लेखा परीक्षा शुल्क	4		4	
कर लेखा परीक्षा शुल्क	2		2	
अन्य सेवाएँ (प्रमाणीकरण शुल्क)	2		2	
व्ययों की प्रतिपूर्ति	6		8	
		26		28
मरम्मत और रख-रखाव -				
भवन	2,309		1,792	
संयंत्र एवं मशीनरी	1,189		1,198	
अन्य	10,183		9,085	
		13,681		12,075
बैंक प्रभार		433		350
मुद्रण एवं लेखन-सामग्री		510		430
विज्ञापन एवं प्रचार		1,341		1,205
यात्रा खर्च		8,455		7,829
वैन और टैक्सियों को भाड़े पर लेने के प्रभार		1,332		1,110
उत्पाद शुल्क - अन्य		1,195		2,303
पैकिंग और अग्रेषण		1,416		1,493
बट्टे खाते में डाले गए संदिग्ध ऋण एवं अग्रिम	7,228		5,462	
घटाएँ - प्रावधानों को प्रभारित	(7,224)		(5,438)	
		4		24
अप्रचलन / अनावश्यक सामग्रियों के लिए प्रावधान		7,071		6,004
संदिग्ध ऋणों, निर्णीत हर्जानों, ग्राहक के दावों तथा अस्वीकृतियों के लिए प्रावधान		25,558		22,531
संदिग्ध अग्रिमों, दावों के लिए प्रावधान		806		571
कार्य-निष्पादन वारंटी के लिए प्रावधान		10,749		9,929
दुर्वह संविदा के लिए प्रावधान		-		4,153
अप्रचलन तथा व्यतिरेक के कारण कच्चे माल, भंडार और घटकों को बट्टा खाते में डालना	670		571	
घटाएँ - प्रावधानों को प्रभारित	(639)		(570)	
		31		1
कार्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व		1,035		667

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

	31 मार्च 2017 वर्ष अंत हेतु		31 मार्च 2016 वर्ष अंत हेतु	
अन्य				
अन्य विविध प्रत्यक्ष व्यय	1,228		1,340	
विक्रय पश्चात् सेवा	391		359	
टेलीफ़ोन	707		696	
संगोष्ठियों और पाठ्यक्रमों पर व्यय	1,015		889	
अन्य विक्रय व्यय	370		728	
विविध	4,231		4,657	
		7,942		8,669
		90,291		**87,985**
घटाएँ - लागत कार्य को आबंटित व्यय		1,414		758
		88,877		**87,227**

वायु ऊर्जा उत्पादन नेटेड ऑफ

i. विदेशी लेनदेन लाभ / हानि ऐसे लेनदेन की रिकॉर्डिंग और निपटान / रिपोर्टिंग की तारीख के बीच विदेशी मुद्रा में लेनदेन पर होने वाले दर विविधताओं के कारण है।

ii. उत्पाद शुल्क के लिए टिप्पणी 30(14) देखें ।

टिप्पणी 30

लेखों की सामान्य टिप्पणियाँ

1 ईक्विटी शेयर प्रति अर्जन

क. **जारी प्रचालनों से**		
प्रति शेयर मूल अर्जन (आईएनआर)	6.64	5.45
प्रति शेयर परिवर्तित अर्जन (आईएनआर)	6.64	5.45
ख. प्रति शेयर अर्जन मूल और परिवर्तन आय की गणना में संख्याओं के रूप में उपयोग की जाने वाली राशि	154762	130736
ग. प्रति शेयर अर्जन मूल और परिवर्तन आय कंप्यूटिंग में इस्तेमाल इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या	2,332,083,730	2,400,000,000

2 लेखा नीतियों में परिवर्तन का प्रभाव

संयुक्त विकास परियोजनाओं से संबंधित व्यय को आगे बढ़ाने के लिए कंपनी ने अपनी अनुसंधान एवं विकास नीति (लेखा नीति संख्या 10) में संशोधन किया है। पॉलिसी में उपरोक्त परिवर्तन के कारण प्रभाव डब्ल्यूआईपी में ₹4312 बढ़ा है और लाभ में ₹ 4312 तक बढ़ोतरी है।

3 अनुपालन का विवरण

स्टैंड अलोन वित्तीय विवरण भारतीय लेखा मानकों (भा.ले.मा.) के अनुसार तैयार किए गए हैं [कंपनी अधिनियम, 2013 (अधिनियम) की धारा 133 के तहत अधिसूचित कंपनियों (भारतीय लेखा मानकों) नियम 3 , 2015.], और अधिनियम के अन्य प्रासंगिक प्रावधान ।

31 मार्च 2016 को समाप्त हुए वर्ष तक और उसके लिए कंपनी के स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों को कंपनी (लेखा मानकों) नियम, 2006 के अनुसार तैयार किया गया था, अधिनियम की धारा 133 और अधिनियम के अन्य प्रासंगिक प्रावधानों के तहत अधिसूचित।

चूंकि यह भारतीय लेखा मानक (भा.ले.मा.) के अनुसार तैयार कंपनी के पहले स्टैंडअलोन वित्तीय विवरण हैं, भा.ले.मा. 101 के रूप में, भारतीय लेखा मानकों का पहला समय दत्तक ग्रहण किया गया है। इस बात की व्याख्या कैसे की गई है कि इंडस्ट्रीज़ के संक्रमण से पहले की वित्तीय स्थिति, वित्तीय प्रदर्शन और कंपनी के नकदी प्रवाह को प्रभावित किया गया है, नोट 37 में प्रदान किया गया है।

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

4 संचालन चक्र

कंपनी अधिनियम, 2013 के लिए अनुसूची III की आवश्यकता के अनुसार, संचालन चक्र को रणनीतिक कारोबार यूनिट (एसबीयू) / यूनिट स्तर पर निर्धारित किया गया है, जैसा कि लागू है।

5 निर्माण संविदा

	विवरण	यथा 31 मार्च 2017 के लिए	यथा 31 मार्च 2016 के लिए
क)	वर्ष के दौरान अभिचिह्नित ठेका राजस्व	17,338	2,793
ख)	अनुबंध राजस्व को पूर्णता पद्धति के प्रतिशत का उपयोग करके मायता दी गई थी। ठेकों के अनुमानित कुल लागत के लिए वर्ष के अंत तक अनुबंधों पर होने वाली वास्तविक लागत का अनुपात पूरा करने के चरण का निर्धारण करने के लिए उपयोग किया गया था।		
ग)	खर्च की कुल राशि	17,681	4,933
घ)	31 मार्च तक अभिचिह्नित लाभ (आकस्मिकता के लिए निवल पर प्रावधान)	1,773	(1,866)
ङ)	यथा 31 मार्च को प्राप्त अग्रिम राशि एवं बकाया	127,643	124,748
च)	प्रतिधारण की राशि	-	-

6 संपत्ति की हानि

कंपनी ने कैश जनरेटिंग यूनिट (सीजीयू) के रूप में माना जाने वाले प्रत्येक भौगोलिक समग्र विनिर्माण इकाई की परिसंपत्तियों की हानि के संकेतों का विश्लेषण किया है। आंतरिक और बाह्य कारकों के आकलन के आधार पर, यूनिट में से कोई भी अपनी परिसंपत्तियों की हानि के संकेत नहीं पाए हैं और इसलिए कोई भी प्रावधान आवश्यक नहीं माना जाता है ।

7 अल्पावधिक उधार राशियाँ

क. कंपनी को कंसोर्टियम बैंकर्स (एसबीआई लीड बैंक) द्वारा ₹ 290,000 की कार्यशील पूंजी की सीमा मंजूर कर दी गई है । स्वीकृत सीमा में निधि आधारित सीमा के 20,000 की उप-सीमा (गैर निधि आधारित एलसी सीमा के साथ विनिमेय) शामिल हैं ।

ख. निधि आधारित सीमा पर देय ब्याज दर एसबीआई आधार दर से 0.25% जुड़ा है । (31.03.2017 को देय ब्याज दर 8.25% प्रति वर्ष है) ।

ग. उपयोग की गई राशि मांग पर देय है 31.03.2017 तक उपयोगिता शून्य (शून्य) है ।

घ. उपरोक्त मंजूरी की सीमा कंपनी की मौजूदा परिसंपत्तियों के ढांचे द्वारा सुरक्षित है ।

8 ठेका प्रतिबद्धताएं

	विवरण	यथा 31 मार्च 2017 के लिए	यथा 31 मार्च 2016 के लिए	यथा 1 अप्रैल 2015
क)	पूंजीगत खाते पर निष्पादित होने वाले ठेके की अनुमानित राशि और 31 मार्च को उपलब्ध नहीं कराया गया है ।			
	संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण	36,578	34,030	15,481
	निवेश संपत्ति	-	-	-
	अमूर्त परिसंपत्तियाँ	7,278	10,983	-
ख)	निवेश संपत्ति की मरम्मत और रखरखाव या वृद्धि के लिए अनुबंधीय प्रतिबद्धता ।	-	-	-
ग)	अन्य प्रतिबद्धताओं अर्थात, 31 मार्च को गैर-रद्द करने योग्य संविदात्मक प्रतिबद्धताओं (यानी, रद्द करने के परिणामस्वरूप इसके जुड़ाव के लिए अधिक से अधिक जुर्माना होगा।	-	-	-

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

9 अनुसंधान एवं विकास पर की गई व्यय -

वर्ष के दौरान, कंपनी द्वारा अनुसंधान एवं विकास पर की गई व्यय, जो निम्नलिखित प्राकृतिक वर्गीकरण में शामिल है -

विवरण	यथा 31 मार्च 2017 के लिए	यथा 31 मार्च 2016 के लिए
व्यय		
सामग्री	24,879	20,388
कर्मचारी पारिश्रमिक एवं अनुलाभ	34,375	28,538
मूल्यह्रास	4,308	4,250
अन्य	11,508	13,245
सकल व्यय	**75,070**	**66,421**
आय		
बिक्री	6,717	742
अन्य	3,438	4,657
सकल आय	**10,155**	**5,399**
निवल व्यय	**64,915**	**61,022**

10 आकस्मिक देयताएँ

विवरण	यथा 31 मार्च 2017 के लिए	यथा 31 मार्च 2016 के लिए	यथा 1 अप्रैल 2015
ऋण के रूप में स्वीकार न किए गए दावे	118,231	21,155	17,681
बकाया साख-पात्र	30,281	39,383	31,648
अन्य	2,864	562	523
ग्राहक के अनपेक्षित आदेश जहाँ सुपुर्दगी की तारीख सामाप्त हो गई है, पर 31 मार्च तक अनंतिम निर्णीत हर्जाने	16,053	16,505	10,955

कन्वर्जेंट बिल्लिंग परियोजना के संबंध में कंपनी को एमटीएनएल द्वारा ₹ 80,670 का दावा किया गया है । इसके प्रति कंपनी द्वारा ₹ 31,900 का काउंटर दावा किया है ।

11 आकस्मिक परिसंपत्तियाँ

विवरण	यथा 31 मार्च 2017 के लिए	यथा 31 मार्च 2016 के लिए	यथा 1 अप्रैल 2015
कुछ नहीं	-	-	-

12 शेषों के पुष्टीकरण

व्यापार से प्राप्तियाँ, व्यापार प्रदेय, अग्रिम और जमा राशियाँ के संबंध में शेषों के पुष्टीकरण का निवेदन करते हुए पत्र भेजे गए है । जहाँ कहीं उत्तर प्राप्त हुए है, उनका समाधान प्रगति में है और जहाँ कहीं आवश्यक समझा जाएगा, प्रावधान/समायोजन किए जाएँगे ।

13 श्रम विवदों

श्रम मामलों के संबंध में, चूँकि इन मामलों में अभी निर्णय लिया जाना है, देयता, यदि कोई हो, अभिनिश्चित नहीं की गई । बहरहाल ऐसी देयता का महत्वपूर्ण होना संभावित नहीं है ।

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

14 उत्पाद शुल्क

क. "उत्पाद शुल्क - अन्य" जिसें टिप्पणी सं. 29 - "अन्य व्यय" में शामिल किया गया है, तैयार माल, रद्दी की बिक्री पर उत्पाद शुल्क आदि पर उत्पाद शुल्क के वृद्धिशील प्रावधान को दर्शाता है ।

ख. वित्तीय वर्ष 2016-17 के संबंध में रक्षा बिक्री के कुछ वर्गों के लिए वित्तीय वर्ष 2015-16 के लिए 01.06.2015 हेतु "उत्पाद शुल्क" लगाई गई ।

15 सेगमेंट रिपोर्टिंग

कार्पोरेट मामलों के मंत्रालय ने अपनी अधिसूचना सं. 463 (ई) दिनांक 5 जून, 2015 के द्वारा रक्षा उत्पादों में कार्यरत कंपनियों को सेगमेंट रिपोर्टिंग की आवश्यकता से छूट प्रदान की है ।

16 प्रतिधारित विक्रय

वर्ष के दौरान सकल विक्रयावर्त में शामिल प्रतिधारित विक्रय (यानी ग्राहक के अनुरोध और उनके जोखिम पर कंपनी में रखा गया माल) का मूल्य ₹ 11,394 (₹ 52,147) है ।

वर्ष के दौरान पूर्व-कार्य बिक्री में रही सकल विक्रयावर्त का मूल्य ₹ 1,60,145 (₹ 2,01,585) है ।

17 विदेशी मुद्रा एक्सपोज़र

आईसीएआई द्वारा "विदेशी मुद्रा एक्सपोज़र" के प्रकटण की आवश्यकता की घोषणा किए जाने के तारतम्य में, 31 मार्च 2017 को प्रमुख मुद्रा-वार एक्सपोज़र नीचे दिए गए है - (पिछले वर्ष के आंकड़े कोष्ठक में दिए गए है)

मुद्रा	प्रदेय		प्राप्य		आकस्मिक देयता*	
	विदेशी मुद्रा	भारतीय रूपए के समतुल्य	विदेशी मुद्रा	भारतीय रूपए के समतुल्य	विदेशी मुद्रा	भारतीय रुपए के समतुल्य
यूएसडी	867	56,415	266	17,006	384	25,153
	(731)	(48,571)	(199)	(13,057)	(483)	(32,309)
ईयूआरओ	216	15,491	12	828	163	11,498
	(158)	(12,024)	(13)	(964)	(134)	(10,143)
जीबीपी	17	1,400	-	-	7	558
	(30)	(2,867)	(1)	(52)	(4)	(406)
जेवाईईएन	31	18	-	-	18	11
	(51)	(31)	-	-	-	-
एसजीडी	1	33	-	-	-	-
	-	(12)	-	-	-	(4)
सीएचएफ	59	3,880	-	-	2	101
	(149)	(10,367)	-	-	(2)	(107)
केनेडियन डॉलर	-	-	-	-	-	-
	-	-	-	-	-	(6)
अन्य	-	590	-	358	-	3
	-	(922)	-	(292)	-	-
कुल (₹)		**77,827**		**18,192**		**37,324**
		(74,793)		**(14,365)**		**(42,974)**
उपर्युक्त में से ग्राहकों से विनियम दर विचलन खण्ड द्वारा शामिल राशि		**33,835**		**-**		**17,886**
		(21,075)		**-**		**(6,267)**

* इसमें बकाया साख-पत्रों तथा पूँजीगत प्रतिबद्धताओं से संबंधित एक्सपोज़र शामिल है ।

वित्तीय वर्ष 2016-17 के दौरान, कंपनी ने निश्चित प्रतिबद्धताओं के संबंध में विदेशी मुद्रा के उतार-चढ़ाव से जुड़े अपने जोखिमों को कम करने के लिए वायदा संविदन नहीं किया है । यथा 31.03.2017 को कोई बकाया वायदा संविदन नहीं है ।

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

18 सीएसआर व्यय से संबंधित प्रकटण -

क. कंपनी द्वारा वित्तीय वर्ष 2016-17 के दौरान खर्च की जाने वाली सकल राशि ₹ 2,972 (₹ 2,523).

ख. **वित्तीय वर्ष 2016-17 के दौरान खर्च की गई राशि -**

क्रम. सं.	विवरण	नकद में	नकद में अदा नहीं किया गया	कुल	खर्च न की गई राशि का विनियोजन	सीएसआर का कुल योग
i.	किसी परिसंपत्ति का निर्माण / अधिग्रहण	-	-	-	-	-
		-	-	-	-	-
ii.	उपर्युक्त (i) के अलावा कोई अन्य प्रयोजन	1,106	58	1,164	1,822	2,986
		(755)	(34)	(789)	(1,780)	(2,569)

19 अवधि 08.11.2016 से 30.12.2016 के दौरान निर्दिष्ट बैंक नोट (एसबीएन) के धारित एवं चलाने के विवरण नीचे दिए गए है -

क्रम. सं.	विवरण	एसबीएन	अन्य डिनोमिनेशन नोट	कुल
क.	यथा 08.11.2016 को अंतिम हस्तधारित नकद	13	2	15
ख.	छोड़ें - बैंकों से वापसी	-	431	431
	- अनुज्ञा प्राप्य	5	89	94
ग.	घटाएँ - अनुज्ञा भुगतान	-	453	453
	- बैंक जमा राशि	18	34	52
घ.	यथा 30.12.2016 को अंतिम हस्तधारित नकद	-	35	35

20 वापस नहीं करने वाले परिचालन पट्टे प्रकटण -

क. पट्टाकर से -

भविष्य निम्न पट्टे किराया प्राप्य

विवरण	यथा 31 मार्च 2017	यथा 31 मार्च 2016	यथा 1 अप्रैल 2015
एक वर्ष से कम नहीं;*	352	-	-
एक वर्ष के बाद एवं पाँच वर्ष से कम**	1,319	-	-
पाँच वर्ष के बाद	1	1	1

* आईएनआर 3012 एवं ** आईएनआर 12048 है जो राउड ऑफ किया गया है ।

कंपनी ने 2016-17 से 2021-22 तक पांच साल की अवधि के लिए हरियाणा सरकार को पॉइंट ऑफ सेलिस मशीनों को किराए पर लिया है।

कंपनी ने गैर-रद्द करने योग्य ऑपरेटिंग लीज के तहत विभिन्न संगठनों को भूमि के कुछ हिस्सों को किराए पर लिया है। पट्टे की अवधि वर्ष 1967 से 2077 तक फैल गई है। पट्टों में विभिन्न शर्तों, वृद्धि खंड, पट्टा नवीकरण अधिकार आदि हैं। नवीकरण पर, पट्टे की शर्तों को पुनः बातचीत की जाती है।

कंपनी ने आकस्मिक किराया के रूप में किसी आय को मान्यता नहीं दी है।

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

ख. पट्टेदार के रूप मे -

वर्ष 2016-17 के दौरान, बैंगलोर कॉम्प्लेक्स ने 356.73 एकड़ भूमि को लीज पर 25 वर्ष की अवधि के लिए ऑर्डनेंस फॅक्टरी बोर्ड से अलग स्थानों पर सौर पॉवर प्लांट स्थापित करने के लिए प्रत्येक के लिए वार्षिक लीज किराए के रूप में ₹1 के नाममात्र मूल्य का भुगतान करके लिया है।

भविष्य निम्न पट्टे किराया प्रदेय

विवरण	यथा 31 मार्च 2017	यथा 31 मार्च 2016	यथा 1 अप्रैल 2015
एक वर्ष से कम नहीं	-	-	-
एक वर्ष के बाद एवं पाँच वर्ष से कम	-	-	-
पाँच वर्ष के बाद	-	-	-

21 दिसंबर 2015 के दौरान चेन्नै यूनिट बाढ़ से प्रभावित हुआ था। कंपनी द्वारा यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के साथ ली गई बीमा पॉलिसी में बाढ़ से संबंधित नुकसान शामिल हैं बीमा दावा निपटान के हिस्से के रूप में ₹1,000 (₹ 1,000) की राशि प्राप्त की गई थी और इसे "अन्य आय" के तहत मान्यता प्राप्त है इसके अलावा, दावा निपटान के लिए 32 रुपये की राशि का भुगतान किया गया था।

22 रिपोर्टिंग अवधि के अंत में नहीं अभिचिह्नित लाभांश -

निदेशकों द्वारा अंतिम लाभांश आईएनआर 1.05 (आईएनआर 14.50) प्रति शेयर सिफारिश किया है ।

प्रस्तावित लाभांश आगामी वार्षिक सामान्य बैठक में शेयरधारकों के अनुमोदन के अधीन है।

23 पिछले वर्ष के आंकड़े कोष्ठक में दिए गए है ।

24 वित्तीय विवरणों के सभी आंकड़े नजदीकी लाखों तक बंद हो जाते हैं जब तक कि अन्यथा उल्लेख नहीं किया गया हो।

25 निदेशक मंडल द्वारा 29 मई 2017 को स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों को मंजूरी के लिए मंजूरी दी गई थी।

टिप्पणी 31

संबंधित पक्षकार लेन-देन

क. संयुक्त एवं सहायक कंपनी

कंपनी के नाम	कारोबार के स्थान	कंपनी द्वारा धारित स्वामित्व अधिकार			गैर-नियंत्रण अधिकारी द्वारा धारित स्वामित्व अधिकार			प्रमुख गतिविधियाँ
		यथा 31 मार्च 2017	यथा 31 मार्च 2016	यथा 1 अप्रैल 2015	यथा 31 मार्च 2017	यथा 31 मार्च 2016	यथा 1 अप्रैल 2015	
बीईएल ऑप्ट्रॉनिक डिवाईज़ लि. (बेलॉप) - संयुक्त कंपनी	भारत	100%	100%	92.79%	-	-	7.21%	इमेज इंटेन्सफइर ट्यूब्स का निर्माण एवं आपूर्ति
बीईएल - थेलेस सिस्टम लि. - संयुक्त कंपनी	भारत	74%	74%	74%	26%	26%	26%	रक्षा एवं गैर-रक्षा रेडारों का डिज़ाइन, विकास, आपूर्ति एवं सहयता
जीई बीई प्राईवेट लिमिटेड - सहायक कंपनी	भारत	26%	26%	26%	74%	74%	74%	चिकित्सा उपकरणों का विनिर्माण

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

ख. प्रमुख प्रबंधकिय कार्मिकों के ब्यौरे -

i. प्रमुख प्रबंधकिय कार्मिको के नाम

श्री एस के शर्मा, सीएमडी (30.09.2016 तक)	श्री एम वी गौतमा, सीएमडी (08.11.2016 से)
श्री एम एल षण्मुख, नि. (मा.सं.) (31.10.2016 तक)	श्री नटराज कृष्णप्पा, नि (अ.यू.) (01.05.2016 से)
श्री पी सी जैन, नि (विपणन) (31.07.2016 तक)	श्री आर एन बग्दलकर, नि. (मा.सं.) (23.01.2017 से)
श्री अमोल निवस्कर, नि (अ.यू.) (30.04.2016 तक)	श्रीमती आनंदी रामलिंगम, नि. (विपणन) (16.09.2016 से)
श्री एम एम हण्डा, नि. (बें.कॉ.) (30.04.2016 तक)	श्री गिरिश कुमार, नि (बें.कॉ.) (01.05.2016 से)
श्री पी आर आचार्या, नि (वित्त) (19.08.2016 तक)	श्री कोशी अलेक्जण्डर, सीएफओ (27.10.2016 से)
श्री अजित टी कलघटगी, नि (अनु व वि)	श्री एस श्रीनिवास, कंपनी सचिव

ii. प्रमुख प्रबंधकिय कार्मिकों के पारिश्रामिक

विवरण	यथा 31 मार्च 2017	यथा 31 मार्च 2016
अल्पकालिक कर्मचारी अनुलाभ	352	345
रोजगार उत्तर अनुलाभ	37	13
दीर्घकालिक कर्मचारी अनुलाभ	59	8
समापन अनुलाभ	-	-
शेयर धारित भुगतान	-	-
कुल	**448**	**366**

ग. प्रमुख प्रबंधकिय कार्मिको के अलावा, संबंधिक पक्षकारों के लेन-देन नीचे दिए गए है (पिछले वर्ष के आंकडे कोष्छक में दर्शाए गए है) -

विवरण	संयुक्त कंपनी		सहायक कंपनी	कुल योग
	बीईएल ऑप्ट्रॉनिक डिवाइज लि. (बेलॉप)	बीईएल - थेलेस सिस्टम लि.	जीई बीई प्राई. लि.	
माल का क्रय	6,001	-	-	**6,001**
	(6,924)	-	-	**(6,924)**
माल का विक्रय	0*	-	3,197	**3,197**
	-	-	(2,726)	**(2,726)**
सेवाएं प्रदान करना	-	104	-	**104**
	-	-	-	**-**
प्राप्त सेवाएं	-	109	-	**109**
	-	-	-	**-**
किराया प्राप्त (पट्टे)	-	36	-	**36**
	-	(39)	-	**(39)**
ब्याज आय	273	-	-	**273**
	(248)	-	-	**(248)**
निवेशों पर लाभांश से आय	-	-	5,200	**5,200**
	-	-	(390)	**(390)**
यथा 31.03.2017 बकाया ऋण (ब्याज सहित) **	4,445	-	-	**4,445**
	(5,096)	-	-	**(5,096)**

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

विवरण	संयुक्त कंपनी		सहायक कंपनी	कुल योग
	बीईएल ऑप्ट्रॉनिक डिवाइज लि. (बेलॉप)	बीईएल - थेलेस सिस्टम लि.	जीई बीई प्राई. लि.	
यथा 31.03.2017 को बकाया व्यापार प्रदेय	4,709	107	-	**4,816**
	(630)	-	-	**(630)**
यथा 31.03.2017 के बकाया व्यापार प्राप्तियाँ	-	123	766	**889**
	-	(7)	(470)	**(477)**
यथा 31.03.2017 को साम्या में निवेश	10,737	4,264	260	**15,261**
	(5,777)	(1,658)	(260)	**(7,695)**
यथा 31.03.2017 को बकाया क्रय के लिए अग्रिम	-	-	-	**-**
	(552)	-	-	**(552)**

* राशि आईएनआर 7763 (कुछ नहीं) है जो राउड ऑफ किया गया है ।

घ. संबंधित पक्षों से निपटाए गए सभी लेनदेन सैन्य मंजूरी के आधार पर हैं । सहायक कंपनी (बीईएलओपी) को ऋण के संदर्भ में नीचे टिप्पणी "एच" देखें ।

च. सभी बकाया शेष असुरक्षित हैं । अगले 6 महीनों के भीतर नकद में सभी बकाया शेष राशि (ऋण के अलावा) चुकाने योग्य हैं । ऋण के उत्कृष्ट शेष के लिए नीचे नोट "एच" देखें ।

छ. कंपनी ने बीएलओपी के साथ एक समझौते में अप्रैल 2013 में एक समझौता किया है जिसमें से बीओएलओपी को एक्सडी - 4 II ट्यूब्स के लिए टीओटी को भुगतान करने के लिए ₹10,416 (₹ 26,040 रुपये से कम ₹15,624) की राशि का अस्थायी रूप से धन मुहैया कराने के लिए धनराशि के लिए शेष राशि प्राप्त हो चुकी है । 31.03.2017 को, बीएलओपी को ₹9, 503 (₹ 9 357) की राशि का भुगतान किया गया है, जिसमें से 6401 (₹ 6,401) रक्षा मंत्रालय से प्राप्त किया गया है । ₹ 3102 (₹ 2 9 56) की शेष राशि अन्य गैर-वर्तमान परिसंपत्तियों के अंतर्गत प्रदर्शित की गई है । (नोट 12 देखें)।

समझौते के अनुसार, बीएलओपी से वित्तीय वर्ष के दौरान धन की लागत के लिए ₹ 273 (₹ 304) की राशि वसूल की गई है ।

छ. 30 जुलाई 2015 को भारत यूनिट ट्रस्ट के निर्दिष्ट उपक्रम द्वारा आयोजित 1,32,000 इक्विटी शेयरों के अधिग्रहण के परिणामस्वरूप, बीईएलओएल बीईएल का 100% सहायक बन गया है ।

ज. संबंधित पक्षकार के लिए ऋण

1. कंपनी ने जुलाई 2015 में बीएलओपी के साथ समझौते में अपना अस्थायी रूप से अपने कार्यशील पूंजी की आवश्यकता को 5,000 रुपये की अधिकतम सीमा तक निधि दी है, जो 31.03.2016 तक पूरी तरह से वितरित किया गया था और 31.03.2017 को ₹ 3,381 की राशि बकाया है । नियम और शर्तों के अनुसार:

   i) शेष राशि जुलाई 2016 से प्रभावी त्रैमासिक किश्तों में चुकाई जाएगी ।
   ii) बीईएल की अपनी जमाराशि की दर पर, मासिक आधार पर बकाया ऋण राशि पर ब्याज लगाया जाएगा ।

2. कंपनी ने अगस्त 2016 में बीएलओपी के साथ एक समझौते में शामिल हुआ था जिसमें ₹ 4,600 की अवधि के ऋण का भुगतान किया गया था, जिसमें से 31.03.2017 को ₹ 1,039 को वितरित किया गया था । नियम और शर्तों के अनुसार:

   i) जून, 2018 से प्रभाव के साथ 36 बराबर किश्तों में मूलधन की रकम चुकाई जाएगी ।
   ii) बकाया ऋण राशि, मासिक आधार पर, बीईएल की अपनी जमा राशि पर या ब्याज दर पर पांच साल की भारत सरकार के बॉड पर जो भी अधिक हो, का शुल्क लिया जाएगा ।

3. ** बकाया ऋण में बाजार में नीचे दिए गए बाजार दर के अनुसार सहायक (बीईएलएपी) को दिए गए ऋण के कारण ₹ 70 (₹ 83) का समायोजन नहीं किया गया है ।

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

झ. कर्मचारियों की प्रतिनियुक्ति सहित प्रबंधन संविदाएं -

बीईएल के दो अधिकारी बीएलओपी (सहायक) में प्रतिनियुक्त किए गए हैं और बीईएल के आठ अधिकारियों को बीईएल-थेलेस सिस्टम्स लिमिटेड (सहायक) में प्रतिनियुक्त किया गया है और उनके वेतन और अन्य लागत बीएलओपी और बीईएल-थेलेस सिस्टम लि. द्वारा भुगतान किया गया है । वर्ष के दौरान रोजगार के नियम और शर्तों के अनुसार है ।

ञ. सरकारी और सरकारी संबंधित संस्थाओं के साथ लेनदेन: -

जैसा कि बीईएल रक्षा मंत्रालय के नियंत्रण में एक सरकारी इकाई है, कंपनी ने सरकार और सरकारी संबंधित संस्थाओं के साथ आईएनडी एएस 24 संबंधित पार्टी के लेनदेन के तहत जरूरी विस्तृत खुलासे से छूट हासिल की है ।

हालांकि, आईएनडी एएस 24 की आवश्यकता के अनुसार, निम्नलिखित व्यक्तिगत रूप से महत्वपूर्ण लेनदेन हैं: -

1. वित्त वर्ष 2016-17 के दौरान ₹ 1,80,465 के लिए 13828771 शेयरों की संख्या की खरीद
2. 120028420 बोनस शेयरों की संख्या, वित्त वर्ष 2015-16 में जारी की गई थी ।
3. वर्ष के दौरान ₹44,735 की राशि को लाभांश के रूप में भुगतान किया गया था । उपरोक्त के अतिरिक्त, कंपनी के कारोबार का लगभग 90%, व्यापार प्राप्तियों के लगभग 76% और लगभग 70% ग्राहक अग्रिम सरकार और सरकारी संबंधित संस्थाओं के संबंध में है ।

ट. बीएलओपी के संबंध में इक्विटी में निवेश में ऋण का उचित मूल्यांकन शामिल है ।

टिप्पणी 32

संयुक्त उद्यम में हित -

संयुक्त उद्यम का नाम	कारोबार स्थान / निगमीकरण का स्थान	स्वामित्व हित का %	रिश्तेदारी	स्वीकृत राशि		
				यथा 31 मार्च 2017	यथा 31 मार्च 2016	यथा 1 अप्रैल 2015
जीई बीई प्राइवेट लिमिटेड	भारत	26%	सहायक	18,387	22,017	19,173

एसईसीएट में निवेश का उचित मूल्य नहीं बताया जाता है क्योंकि जीई ईबी प्राइवेट लिमिटेड की इक्विटी बिना शर्त है।

जीई बीई प्राइवेट लिमिटेड चिकित्सा उपकरणों की एक निर्माता है और इसके उत्पादों बीईएल बंगलूरु और पुणे यूनिट के घटक एसबीयू के कारोबार सेगमेंट के पूरक हैं।

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

जीई बीई प्राईवेट लिमिटेड में कंपनी हित में स्वीकृत राशि -

तुलन पत्र का सार	यथा 31 मार्च 2017	यथा 31 मार्च 2016	यथा 1 अप्रैल 2015
गैर - चालू परिसंपत्तियाँ	16,165	14,381	14,547
चालू परिसंपत्तियाँ			
नकद एवं नकद समतुल्य	1,941	1,242	3,462
अन्य परिसंपत्तियाँ	63,063	80,141	64,653
कुल चालू परिसंपत्तियाँ	**65,004**	**81,383**	**68,115**
कुल परिसंपत्तियाँ	**81,169**	**95,764**	**82,662**
गैर - चालू परिसंपत्तियाँ			
व्यापार प्रदेय के अलावा वित्तीय देयताएँ	33	98	133
अन्य देयताएँ	852	163	141
व्यापार प्रदेय के अलावा वित्तीय देयताएँ	**885**	**261**	**274**
चालू देयताएँ -			
व्यापार प्रदेय के अलावा वित्तीय देयताएँ	156	259	76
अन्य देयताएँ	9,410	10,564	8,569
कुल चालू देयताएँ	**9,566**	**10,823**	**8,645**
कुल देयताएँ	**10,451**	**11,084**	**8,919**
निवल परिसंपत्तियाँ	**70,718**	**84,680**	**73,743**
निवल परिसंपत्तियाँ में कंपनी का शेयर	**18,387**	**22,017**	**19,173**

लाभ एवं हानि विवरण का सार	यथा 31 मार्च 2017	यथा 31 मार्च 2016
राजस्व	81,348	80,740
ब्याज आय	3,476	4,300
मूल्यह्रास व परिशोधन	1,795	1,722
ब्याज व्यय	26	63
आयकर व्यय	5,191	6,811
वर्ष के लिए लाभ	10,130	12,750
अन्य व्यापक आय	(20)	(9)
कुल व्यापक आय	10,110	12,741
लाभ में कंपनी का शेयर	2,634	3,315
ओसीआई में कंपनी का शेयर	(5)	(2)
कुल व्यापक आय में कंपनी का शेयर	2,629	3,313

संयुक्त कंपनी से कंपनी ने ₹ 5,200 (₹ 390) लाभांश प्राप्त किया है ।

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

स्वीकृत राशियों का समाधान

विवरण	यथा 31 मार्च 2017	यथा 31 मार्च 2016
आरंभिक निवल परिसंपत्तियाँ	**22,017**	**19,173**
वर्ष के लिए लाभ	2,634	3,315
अन्य व्यापक आय	(5)	(2)
अदा किए गए लाभांश	6,259	469
अंत में निवल परिसंपत्तियाँ	**18,387**	**22,017**

संयुक्त कंपनी के संबंध में प्रतिबद्धताएं एवं आकस्मिक देयताएं -

विवरण	जीई बीई प्रा. लि. (लेखा परीक्षित)		
	यथा 31 मार्च 2017	यथा 31 मार्च 2016	यथा 1 अप्रैल 2015
पुँजीगत प्रतिबद्धताएं	271	119	133
अन्य प्रतिबद्धताएं	-	-	-
अन्य आकस्मिक देयताएं	1,567	1,449	1,429

टिप्पणी 33

वित्तीय प्रलेखों - उचित मूल्य मापन

1. लेखापरीक्षा वर्गीकरण एवं उचित मूल्य

वित्तीय परिसंपत्तियां एवं देयताएँ के स्वीकृत राशि एवं उचित मूल्य निम्नलिखित सूची मे दर्शाए गए है -

		यथा 31 मार्च 2017			यथा 31 मार्च 2016			यथा 1 अप्रैल 2015		
		एफवीपीएल	एफवीओ-सीआई	परिशोधित लागत	एफवीपीएल	एफवीओ-सीआई	परिशोधित लागत	एफवीपीएल	एफवीओ-सीआई	परिशोधित लागत
उचित मूल्य पर वित्तयी परिसंपत्तियाँ का मापन										
I	निवेश									
i	ईक्विटी प्रलेखों - माना एफलूअट प्रा. लि.	-	7	-	-	6	-	-	5	-
ii	अन्य निवेश									
क.	भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) में निवेश (अवकाश नकदीकरण के लिए)	30,702	-	-	24,210	-	-	-	-	-
	उप कुल	**30,702**	**7**	**-**	**24,210**	**6**	**-**	**-**	**5**	**-**
	उचित मूल्य पर वित्तयी परिसंपत्तियाँ का मापन नहीं									
II	व्यापार प्राप्तियाँ	-	-	435,488	-	-	371,193	-	-	378,941

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

		यथा 31 मार्च 2017			यथा 31 मार्च 2016			यथा 1 अप्रैल 2015		
		एफवीपीएल	एफवीओ-सीआई	परिशोधित लागत	एफवीपीएल	एफवीओ-सीआई	परिशोधित लागत	एफवीपीएल	एफवीओ-सीआई	परिशोधित लागत
III	ऋण									
क	सुरक्षा जमा राशियाँ	-	-	2,861	-	-	2,625	-	-	2,502
ख	पक्षकार से संबंधित ऋण	-	-	4,375	-	-	5,013	-	-	-
ग	कर्मचारियों को ऋण	-	-	821	-	-	910	-	-	1,016
घ	अन्य को ऋण	-	-	-	-	-	1	-	-	1
IV	नकद एवं नकद समतुल्य	-	-	268,596	-	-	247,008	-	-	202,170
V	अन्य बैंक शेष	-	-	110,422	-	-	469,522	-	-	370,021
VI	अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ									
क	कर्मचारियों को अग्रिम	-	-	189	-	-	254	-	-	153
ख	अन्य को अग्रिम	-	-	4	-	-	4	-	-	3
ग	गैर व्यापार प्राप्तियाँ	-	-	212	-	-	89	-	-	32
घ	अन्य दावा प्राप्तियाँ	-	-	-	-	-	1	-	-	16
ङ	प्रोद्भूत आय	-	-	20,792	-	-	2,912	-	-	1,559
च	जमा राशियाँ पर प्रोद्भूत ब्याज	-	-	5,346	-	-	16,664	-	-	15,963
VII	अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ	-	-	3,601	-	-	5,352	-	-	3,819
	अन्य निवेश									
क	सहाकारी संस्थानों, आवास संस्थानों आदि में निवेश*	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ख	संयुक्त कंपनी में निवेश	-	-	15,001	-	-	7,435	-	-	1,646
ग	सहायक कंरनी में निवेश	-	-	260	-	-	260	-	-	260
	उप कुल	**-**	**-**	**867,968**	**-**	**-**	**1,129,243**	-	-	**978,102**
	कुल	**30,702**	**7**	**867,968**	**24210**	**6**	**1,129,243**	**-**	**5**	**978,102**

* आईएनआर 5000 राशि है जो राउड ऑफ किया गया है ।

नोट - सहायक कंपनियों (बीईएल ऑप्ट्रोनिक डिवाइसेज लिमिटेड और बीईएल थेलेस सिस्टम्स लिमिटेड) में निवेश का अनुमान भा.ले.मा. 101 के तहत उपलब्ध विकल्पों के साथ लागत में किया गया है। साथ ही, एसोसिएट (जीई-बीई प्राइवेट लिमिटेड) में निवेश का खर्च निवेश भा.ले.मा. 101 के तहत उपलब्ध विकल्प के साथ किया गया है ।

		यथा 31 मार्च 2017			यथा 31 मार्च 2016			यथा 1 अप्रैल 2015		
		एफवीपीएल	एफवीओ-सीआई	परिशोधित लागत	एफवीपीएल	एफवीओ-सीआई	परिशोधित लागत	एफवीपीएल	एफवीओ-सीआई	परिशोधित लागत
वित्तीय देयताएँ उचित मूल्य द्वारा मापन		-	-	-	-	-	-	-	-	-
कुल		-	-	-	-	-	-	-	-	-
वित्तीय देयताएँ उचित मूल्य द्वारा नहीं मापन										
I	उधार राशियाँ	-	-	1,667	-	-	-	-	-	-
II	व्यापार प्रदेय	-	-	134,659	-	-	116,201	-	-	111,889
III	अन्य वित्तीय देयताएं									
क	व्यापार प्रदेय पर दावे एवं प्रोद्भूत ब्याज	-	-	8	-	-	14	-	-	9
ख	दीर्घकालिक ऋण पर चालू परिपक्व	-	-	3,333	-	-	-	-	-	-
ग	जमा राशियाँ	-	-	3,217	-	-	2,331	-	-	2,084
घ	अदत्त परिपक्व जमा राशियाँ	-	-	37	-	-	37	-	-	37
ङ	अदत्त लाभांश	-	-	6,422	-	-	21	-	-	20
च	एमएसएमई को गैर व्यापार प्रदेय	-	-	85	-	-	4	-	-	-
छ	बकाया व्यय	-	-	39,842	-	-	36,108	-	-	19,216
ज	अन्य व्यापार प्रदेय	-	-	5,507	-	-	2,920	-	-	2,088
झ	अन्य देयताएं	-	-	1,077	-	-	1,844	-	-	1,140
	कुल	-	-	**195,854**	**-**	**-**	**159,480**	**-**	**-**	**136,483**

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

2. उचित मूल्य अनुक्रम

वित्तीय प्रलेखों में जहाँ भी प्रयोज्य उचित मूल्य मापन हेतु अनुक्रम सतर का उपयोग निचे दिए गए है -

		टिप्पणी	यथा 31 मार्च 2017			यथा 31 मार्च 2016			यथा 1 अप्रैल 2015		
			स्तर 1	स्तर 2	स्तर 3	स्तर 1	स्तर 2	स्तर 3	स्तर 1	स्तर 2	स्तर 3
I	**उचित मूल्य पर मापन वित्तीय परिसंपत्तियाँ एवं देयताएँ - आवर्तक उचित मूल्य मापन**										
क	वित्तीय परिसंपत्तियाँ										
i	एफवीपीएल पर वित्तीय निवेश	6	-	30702	-	-	24210	-	-	-	-
ii	एफवीओसीआई पर वित्तीय निवेश	6	-	-	7	-	-	6	-	-	5
II	**प्रोद्भूत लागत पर मापित वित्तयी परिसंपत्तियाँ एवं देयताएँ**		इन परिसंपत्तियों का भार उठाते हुए मूल्य के रूप में कोई अलग उचित मूल्य नहीं बताया जाता है और देयताएं उनके उचित मूल्य का प्रतिनिधित्व करती हैं।								

स्तर 1 - पदानुक्रम में उद्धृत कीमतों का उपयोग करके वित्तीय साधनों का मूल्यांकन किया गया है।

स्तर 2 - वित्तीय उपकरणों का उचित मूल्य जो एक सक्रिय बाजार में कारोबार नहीं किया जाता है मूल्यांकन तकनीकों का उपयोग करके निर्धारित किया जाता है जो निरीक्षण योग्य बाज़ार डेटा के उपयोग को अधिकतम करते हैं और इकाई विशिष्ट अनुमानों पर यथासंभव कम निर्भर करते हैं।

स्तर 3 - यदि एक या अधिक महत्त्वपूर्ण निविष्टियाँ अवेषनीय बाजार डेटा पर आधारित नहीं हैं, तो उपकरण 3 स्तर में शामिल है। यह सूचीबद्ध न किए गए इक्विटी शेयरों का मामला है।

3. उचित मूल्य निर्धारण हेतु उपयुक्त मूल्यांकन तकनीक -

क. एलआईसी निवेश - (स्तर 2)
एलआईसी से प्राप्त योजना के मूल्यांकन रिपोर्ट आधारित ।

ख. मेसर्स. माना एफ्लूअट प्रा. लि. - (स्तर 3)
बीईएल ने मैसर्स मान प्राफिट लिमिटेड की इक्विटी प्रतिभूतियों में निवेश किया है, जो एक असूचीबद्ध कंपनी है। मैसर्स माना अफ्लुएट प्राइवेट लिमिटेड में निवेश की कंपनी की लागत केवल ₹5 (जारी शेयर पूंजी की ₹ 161) में है। कंपनी ने उचित मूल्यांकन के लिए नेट एसेट वैल्यू पद्धति का विकल्प चुना है।

टिप्पणी 34

वित्तीय जोखिम प्रबंधन

i. जोखिम प्रबंधन का संरचना एवं नीतियाँ

वित्तीय साधनों के परिणामस्वरूप कंपनी ऋण जोखिम, तरलता जोखिम और बाजार जोखिम (विनिमय दर, ब्याज दरों और मूल्य जोखिम में उतार-चढ़ाव) का व्यापक रूप से सामना करती है ।

निदेशक मंडल की संपूर्ण जिम्मेदारी कंपनी के जोखिम प्रबंधन ढांचे की स्थापना, निगरानी और पर्यवेक्षण है । बोर्ड ने इस उद्देश्य के लिए एक जोखिम प्रबंधन समिति की स्थापना की है, जो जोखिम प्रबंधन नीतियों के विकास और निगरानी के लिए ज़िम्मेदार है । कंपनी की एक स्थापित जोखिम प्रबंधन नीति है जो जोखिम प्रबंधन संरचना की रूपरेखा करती है और पहचान, मूल्यांकन, प्राथमिकता, वित्त और संचालन के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े विभिन्न जोखिमों के उपचार के लिए व्यापक ढांचा प्रदान करती है ।

कंपनी के पास एक केंन्द्रीकृत ट्रेजरी कार्य है जो कि बोर्ड द्वारा तैयार की गई नीतियों और प्रक्रियाओं के अनुसार वित्तीय जोखिम को कम करने के लिए उपयुक्त उपाय करने के लिए जिम्मेदार है। हेजिंग लेनदेन एक टीम द्वारा एक बाहरी विशेषा के परामर्श में उचित कौशल और अनुभव के साथ किया जाता है। कंपनी सट्टेबाजी के लिए अमौलिक रूप में व्यापार नहीं करती ।

लेखों की टिप्पणियाँ

ii. बाज़ार जोखिम

बाजार का जोखिम जोखिम है जो विदेशी मुद्रा दरों जैसे बाजार मूल्य में बदलाव होता है, ब्याज दरें ग्रुप की आय या वित्तीय साधनों की अपनी होल्डिंग्स के मूल्य को प्रभावित करती हैं। बाज़ार जोखिम प्रबंधन का उद्देश्य बाजार जोखिम जोखिम को प्रबंधित करना और नियंत्रित करना है पैरामीटर, जबकि वापसी का अनुकूलन।

समूह की गतिविधियां यह मुख्य रूप से विदेशी विनिमय दरों और ब्याज दर के आंदोलनों (मुद्रा जोखिम और ब्याज जोखिम पर नीचे दिये नोट्स देखें) में होने वाले परिवर्तनों के वित्तीय जोखिमों को उजागर करती हैं।

मुद्रा जोखिम

बीईएल विदेशी मुद्रा संचालन से उत्पन होने वाले विदेशी विनिमय जोखिम खासकर अमेरिकी डॉलर, यूरो, ग्रेट ब्रिटेन पाउंड और स्विस फ्रैंक जैसे विदेशी मुद्राओं में खरीदी और बिक्री से संबंधित होता है इसका खुलासा करता है । विदेशी मुद्रा जोखिम मौजूदा और भविष्य के वाणिज्यिक लेनदेन से उत्पन होता है और मान्यता प्राप्त परिसंपत्तियों और देनदारियों की मुद्रा मानी जाती है जो कि कंपनी की कार्यात्मक मुद्रा (INR) नहीं है ।

कम्पनी के पास जोखिम प्रबंधन समिति द्वारा कार्यान्वित एक बोर्ड अनुमोदित मुद्रा जोखिम प्रबंधन नीति है जो इस जोखिम के लिए कंपनी के जोखिम को नियमित आधार पर समीक्षा करती है । जोखिम प्रबंधन नीति खुली विदेशी मुद्रा जोखिम के 50% तक बचाव व्यवस्था की सिफारिश करती है । हालांकि बचाव व्यवस्था में प्रवेश करने का निर्णय प्रासंगिक डेटा आदानों के आधार पर जोखिम प्रबंधन समिति द्वारा किया जाता है और इस उद्देश्य के लिए बनाए गए बाहरी विशेषा सलाहकार की सलाह दी जाती है ।

कंपनी का निर्यात आय ज्यादातर एक निर्यात अर्जक विदेशी मुद्रा खाते (ईईएफसी) में प्रेषण द्वारा महसूस होता है, जिसका उपयोग विदेशी मुद्रा में किए जाने वाले भुगतानों के लिए किया जाता है, जिससे निर्यात पर मुद्रा जोखिम को कम किया जा सकता है । वार्षिक विदेशी मुद्रा विनिमय के लगभग 30% की सीमा के आयात संबंध में संबंधित ग्राहक संविदा में एक्सचेंज दर विविधता (एआरवी) भाग द्वारा कवर नहीं किया जाता है और इसलिए मुद्रा जोखिम के लिए खुले हैं । इन आयातों को मामले दर मामले के आधार पर नीति और जोखिम को कवर करने के लिए उचित निर्णय मामले के आधार पर मानदंड किया जाता है । जहां भी जरूरत हो कंपनी की मुद्रा जोखिम नीति आगे की आवश्यकता के मुताबिक जोखिम को कम करने के लिए बचाव व्यवस्था अनुबंध का समर्थन करती है ।

31 मार्च 2017 के अनुसार, कोई बकाया अग्रेषित अनुबंध नहीं है । कंपनी ने 2016-17 के वित्तीय वर्ष के दौरान किसी भी अग्रिम अनुबंध में शामिल नहीं है ।

प्रमुख मुद्रों के संबंध में विदेशी मुद्रा जोखिम हेतु कंपनी एक्सपोज़र नीचे दिए गए है -

विवरण	यथा 31 मार्च 2017				यथा 31 मार्च 2016				यथा 1 अप्रैल 2015			
	यूएसडी	यूरो	जीबीपी	सीएचएफ	यूएसडी	यूरो	जीबीपी	सीएचएफ	यूएसडी	यूरो	जीबीपी	सीएचएफ
व्यापार प्रदेय	867	217	17	59	731	158	30	149	419	105	21	87
व्यापार प्राप्य	266	12	-	-	199	13	1	-	329	12	1	-
निवल एक्सपोज़र	601	205	17	59	532	145	29	149	90	93	20	87

विदेशी मुद्रा संवेदनशीलता

विनिमय दर में होने वाले लाभ या हानियों की संवेदनशीलता मुख्य रूप से विदेशी मुद्रा में निहित वित्तीय साधनों से होती है । प्रमुख मुद्राओं के संबंध में संवेदनशीलता की विविधता नीचे दी गई है । यह विश्लेषण स्पष्ट करता है कि अन्य सभी परिवर्तनशील लगातार बने रहते हैं ।

	लाभ पर प्रभाव	
	यथा 31 मार्च 2017	यथा 31 मार्च 2016
यूएसडी - 5% बढ़ोत्तरी	(1,954)	(1,768)
यूएसडी - 5% घटाई	1,954	1,768
यूरो - 5% बढ़ोत्तरी	(734)	(551)
यूरो - 5% घटाई	734	551
जीबीपी - 5% बढ़ोत्तरी	(71)	(141)
जीबीपी - 5% घटाई	71	141
सीएचएफ - 5% बढ़ोत्तरी	(194)	(518)
सीएचएफ - 5% घटाई	194	518

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

ब्याज दर जोखिम

ब्याज दर जोखिम या तो उचित मूल्य ब्याज दर जोखिम या नकदी प्रवाह ब्याज दर जोखिम हो सकता है । उचित मूल्य ब्याज दर जोखिम ब्याज दरों में उतार-चढ़ाव के कारण निश्चित ब्याज वाले निवेश के उचित मूल्यों में होने वाले बदलावों का जोखिम है । नकदी प्रवाह ब्याज दर जोखिम वह जोखिम है ताकि बाजार में ब्याज दर में उतार-चढ़ाव की वजह से चलायमान ब्याज वाले उपकरणों के भविष्य के नकदी प्रवाह में उतार-चढ़ाव होगा ।

परिवर्तनीय दर उधार -

कंपनी को 31.03.2017 को ₹10,000 का टर्म लोन मंजूर कर दिया गया है (31 मार्च 2017 तक बकाया ₹ 5,000 है) इस ऋण पर देय ब्याज एसबीआई के यूनतम व्यावसायिक ऋण दर - एमसीएलआर पर आधारित है । (एसबीआई वार्षिक आधार पर लगाए गए ब्याज को रीसेट करने के लिए योग्य है)। यदि ब्याज दर 1% तक बढ़ जाती है, तो 50 रुपए की नकदी का एक अतिरिक्त बहिर्वाह होगा । और यदि ब्याज दर 1% कम हो जाती है तो ₹ 50 नकदी प्रवाह की बचत होती है हालांकि, लाभ पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता क्योंकि ब्याज घटक का पूंजीकरण होता है क्योंकि उधार पूंजीगत व्यय के प्रति है ।

इसके अलावा कंपनी को 2,90,000 की कार्यशील पूंजी सीमा को मंजूरी दे दी गई है जो साल के अंत में उपयोग नहीं किया गया है (31 मार्च 2017 को बकाया शून्य है) (31 मार्च 2016 शून्य है) (1 अप्रैल 2015 शून्य है)) जिसके संबंध में ब्याज देय एसबीआई के आधार दर पर आधारित है । एसबीआई आवधिक आधार पर लगाए गए ब्याज को पुनःलागू करने के लिए योग्य है । चूंकि उधार शून्य है इसलिए ब्याज दरों में संभावित बदलाव पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है ।

साम्या मूल्य जोखिम

साम्या मूल्य जोखिम के संबंध में कंपनी का निवेश नगण्य है क्योंकि इसके औचित्य निवेश (सहायक और सहयोगी के अलावा) नगण्य है ।

iii. तरलता जोखिम

तरलता जोखिम वह जोखिम है कि कंपनी को वित्तीय देनदारियों से जुड़ी दायित्वों को पूरा करने में कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है, नकदी और अन्य वित्तीय संपत्ति या जोखिम के जरिये कंपनी को अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए आवश्यक वित्तीय संसाधनों को बढ़ाने में कठिनाई का सामना करना होगा । लिक्विडिटी जोखिम के लिए कंपनी का अनावरण बहुत कम है क्योंकि इसमें एक विवेकपूर्ण तरलता जोखिम प्रबंधन प्रक्रिया होती है, जिसकी वजह से पर्याप्त दायित्वों का भुगतान करने के लिए पर्याप्त नकदी और बिक्री योग्य प्रतिभूतियां बनाए रखता है । जब आवश्यक हो वित्तपोषण की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए, कंपनी को बैंक ओवरड्राफ्ट सुविधा, नकद ऋण सुविधा और अल्पकालिक उधार की प्रकृति में अपनी चालू कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं और विकास की जरूरतों के लिए उपयोग किया जाता है ।

कंपनी अपनी तरलता आवश्यकताओं को पूरा करती है मुख्य रूप से आंतरिक रूप से उत्पन्न नकदी प्रवाहों के माध्यम से जो कि राजकोष द्वारा मुख्य बिदु पर निगरानी रखी जाती है । विभिन्न ऑपरेटिंग यूनिटों से नकद पूर्वानुमान के रोलिंग की एक स्थापित प्रक्रिया है जो देयताओं को पूरा करने के लिए अपेक्षित नकदी प्रवाह को अंकित करने का आधार बनाती है ।

नीचे दी गई तालिका कंपनी की वित्तीय देनदारियों का विश्लेषण करती है, जो उनके अनुबंध संबंधी परिपक्वता पर आधारित होती है । बताया गया राशि संविदात्मक और रियायती नकदी प्रवाह है ।

यथा 31 मार्च 2017

	3 महीनों से काम	3 से 6 महीनों	6 महीनों से एक वर्ष	1 या 2 वर्षों के बीच	2 या 5 वर्षों के बीच	कुल
उधार राशियाँ	-	-	-	1,667	-	1,667
व्यापार प्रदेय	131,919	691	2,049	-	-	134,659
दीर्घकालिक ऋण के चालू परिपक्व	-	1,666	1,667	-	-	3,333
व्यापार प्रदेय पर दावे एवं प्रोद्भूत ब्याज	5	-	3	-	-	8
अन्य वित्तीय देयताएँ	55,787	69	259	46	26	56,187

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

यथा 31 मार्च 2016

	3 महीनों से काम	3 से 6 महीनों	6 महीनों से एक वर्ष	1 या 2 वर्षों के बीच	2 या 5 वर्षों के बीच	कुल
व्यापार प्रदेय	109,709	1,030	5,405	57	-	116,201
व्यापार प्रदेय पर दावे एवं प्रोद्भूत ब्याज	14	-	-	-	-	14
अन्य वित्तीय देयताएँ	42,837	57	249	110	12	43,265

यथा 1 अप्रैल 2015

	3 महीनों से काम	3 से 6 महीनों	6 महीनों से एक वर्ष	1 या 2 वर्षों के बीच	2 या 5 वर्षों के बीच	कुल
व्यापार प्रदेय	109,285	407	2,195	2	-	111,889
व्यापार प्रदेय पर दावे एवं प्रोद्भूत ब्याज	9	-	-	-	-	9
अन्य वित्तीय देयताएँ	23,993	60	496	20	16	24,585

31 मार्च 2017 को कंपनी में कोई बकाया डेरवेटिव्स नही है ।

iv. ऋण जोखिम

ऋण जोखिम उस जोखिम को दर्शाता है कि एक काउंटर पार्टी अपने अनुबंध संबंधी दायित्वों पर चूक जाएगी जिसके परिणामस्वरूप कंपनी को वित्तीय नुकसान होगा । ग्राहकों से ऋण जोखिम, बैंकों के साथ नकदी और नकद समकक्ष, सुरक्षा जमा और ऋण से ऋण जोखिम उत्पन होता है ।

कंपनी के ऋण जोखिम को जोखिम प्रबंधन समिति द्वारा एक कॉरपोरेट स्तर पर प्रबंधित किया जाता है जिसने अपने ग्राहकों और अन्य प्राप्तियों के लिए क्रेडिट नीति मानदंडों की स्थापना की है । व्यापार प्राप्तियों की महत्वपूर्ण मात्रा सरकारी / सरकारी विभागों, सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों (पीएसयू) की वजह से होती है जिसके परिणामस्वरूप कंपनी को ऐसी प्राप्तियों के साथ जुड़े क्रेडिट जोखिम नहीं मिलता है । गैर सरकारी व्यापार प्राप्तियों के मामले में, आम तौर पर बिक्री ग्राहक द्वारा स्थापित क्रेडिट पत्र के आधार पर किया जाता है जिससे क्रेडिट जोखिम कम हो जाता है ।

कुछ मामलों में, ग्राहक की शोधन क्षमता का आकलन करने के बाद और ऋण योग्यता को निर्धारित करने के लिए आवश्यक कारणों से बाजार की स्थितियों के आधार पर ग्राहकों के ऋण को बढ़ाया जाता है । अग्रिम भुगतान बैंक गारंटी के प्रतिकूल किए जाते हैं जो इस तरह के भुगतान से जुड़े क्रेडिट जोखिम को सुरक्षित रखते हैं । वित्तीय परिसंपत्तियों पर नुकसान हानि (मुख्य रूप से मुआवजा किए गए नुकसानों का विलंबित प्रत्याहरण और अन्य अस्वीवर्तकों के लिए लगाए जाने वाले नुकसान) अनुबंधित नियमों आदि कारको और अन्य संकेतकों के बाद किया गया है ।

बैंकों के साथ नकद और नकद समकक्ष 1 वर्ष तक की परिपक्वता अवधि के परिप्रेक्ष्य अवधि के साथ अल्पकालिक जमा के रूप में हैं । कंपनी की एक अच्छी तरह से संरचित जोखिम निवारण नीति है जिसके तहत प्रत्येक बैंक के लिए अपनी कुल मूल्य और कमाई क्षमता के आधार पर निर्धारित सीमाएं हैं, जो कि आवधिक आधार पर समीक्षा की जाती हैं । कंपनी ने जमाओं पर बैंकों से डिफ़ॉल्ट के कारण किसी भी प्रकार की हानि नहीं की है ।

अन्य वित्तीय परिसंपत्तियों के संबंध में ऋण जोखिम नगण्य है क्योंकि वे ज्यादातर सरकारी विभाग / पार्टियों के कारण होते हैं ।

देय ₹ 4,445 का ऋण 100% सहायक कंपनी है । सहायक कंपनी अपनी देय राशि (ब्याज और मूलधन) के पुनर्भुगतान में नियमित रूप से रही है और ऋण राशि की चुकाने के संदर्भ में कोई ऋण जोखिम नहीं है ।

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

v. पूँजी प्रबंधन

कंपनी का पूंजी प्रबंधन का उद्देश्य शेयरधारकों को पर्याप्त रिटर्न प्रदान करने के लिए एक मजबूत पूंजी आधार बनाए रखना है और कंपनी की क्षमता बढ़ती चिंता के रूप में जारी रखने की क्षमता सुनिश्चित करना है । कंपनी के पास ऋण के माध्यम से पूंजी जुटाने के लिए एक रूढ़िवादी दृष्टिकोण है, लेकिन यह उचित समय पर इस विकल्प का लाभ उठाने और इष्टतम पूंजी संरचना को बनाए रखने का अधिकार सुरक्षित रखता है ।

इस संपूर्ण उद्देश्य के तहत, कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2015 में बोनस शेयर जारी करके पूंजी आधार का विस्तार किया है और वित्त वर्ष 2016 में शेयरों को वापस खरीदा है । कंपनी की एक अच्छी तरह से परिभाषित लाभांश वितरण नीति है जिसमें लाभांश के भुगतान के लिए ढांचा और भविष्य के विकास और शेयरधारकों के धन को बढ़ाने के लिए अधिशेष है । 31 मार्च 2017 को कंपनी का नाममात्र उधारी ₹ 5,000 है । कंपनी ने कुछ बैंकों के साथ 2,90,000 रुपये की उधार सीमा को मंजूरी दी है ।

पूँजी जुटाने का अनुपात

विवरण	यथा 31 मार्च 2017	यथा 31 मार्च 2016	यथा 1 अप्रैल 2015
निवल ऋण	5,000	-	-
कुल साम्या	750,854	898,360	801,199
साम्या अनुपात हेतु निवल ऋण	0.01	-	-

टिप्पणी 35

सुरक्षा हेतु गिरवी परिसंपत्तियाँ

मियादी ऋण एवं चालू पूँजी उधार राशियाँ के लिए सुरक्षा हेतु गिरवी परिसंपत्तियाँ का स्वीकृत राशि -

	यथा 31 मार्च 2017	यथा 31 मार्च 2016	यथा 1 अप्रैल 2015
चालू			
वस्तुसूचियाँ	485,576	413,212	335,638
वित्तीय परिसंपत्तियाँ			
(i) व्यापार प्राप्तियाँ	435,488	371,193	378,941
(ii) नकद एवं नकद समतुल्य	268,596	247,008	202,170
(iii) बैंक शेष [उपर्युक्त (ii) के अलावा]	110,422	469,522	370,021
(iv) ऋण	4,328	5,928	942
(v) अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ	26,993	22,290	18,329
अन्य चालू परिसंपत्तियाँ	60,753	49,682	72,317
सुरक्षा हेतु गिरवी कुल चालू परिसंपत्तियाँ	**1,392,156**	**1,578,835**	**1,378,358**

उधार राशियाँ के विवरण हेतु टिप्पणी 18 एवं 20 देखें ।

लेखों की टिप्पणियाँ

टिप्पणी 36

महत्वपूर्ण अनुमान और फैसले

वित्तीय विवरणों की तैयारी करते समय, प्रबंधन ने कुछ निर्णय, अनुमान और धारणाएं बनाई हैं जो लेखांकन नीतियों के आवेदन और परिसंपत्तियों, देनदारियों, आय और व्यय की रिपोर्ट की मात्रा को प्रभावित करती हैं । वास्तविक परिणाम इन अनुमानों से अलग हो सकते हैं ।

अनुमान और अंतर्निहित मान्यताओं की निरंतर आधार पर समीक्षा की जाती है। लेखांकन अनुमानों के लिए संशोधनों को भविष्य में मान्यता प्राप्त है ।

लेखा नीतियों के आवेदन करते वक्त किए गए फैसले वित्तीय विवरणों में मान्यता प्राप्त राशी पर महत्वपूर्ण प्रभाव है जिसके तहत सामग्री समायोजन में जिसके परिणामस्वरूप होने का एक महत्वपूर्ण जोखिम इस प्रकार है -

i. **अनुसंधान और विकास व्यय - लेखा नीति सं. 10 - (टिप्पणी संख्या 5 को देखें)**
नहीं लागत नहीं प्रतिबद्धता (एनसीएनसी) परियोजनाओं और संयुक्त विकास परियोजनाओं के संबंध में किए गए विकास संबंधी व्यय जो कि विकास साझेदार द्वारा पूरी तरह से क्षतिपूरण नहीं किए जाते हैं, परियोजना के पूरा होने तक आगे किए जा रहे हैं ।

ii. **परिभाषित लाभ दायित्व का अनुमान - मुख्य बीमांकिक मान्यताओं - (टिप्पणी संख्या 21 देखें)**

iii. **वारंटी दावों के प्रावधान का आकलन (टिप्पणी संख्या 21 देखें)**
वारंटी प्रावधान गणना में प्रवृत्ति आधारित विश्लेषण के आधार पर औसत वारंटी लागत का आकलन शामिल है । यदि विविध अनुमान लगाया जाए, तो यह उसी मान्य व्यय को प्रभावित करेगा ।)

iv. **वेतन संशोधन प्रावधान- (टिप्पणी संख्या 21 देखें)**
कार्यपालक और गैर-कार्यपालक के संबंध में वेतन संशोधन दिनांक 01.01.2017 से प्रभावी है । 01/01/2017 से 31.03.2017 की अवधि के लिए उम्मीद की उचित अनुमान के आधार पर संशोधित वेतन के संबंध में प्रावधान किया गया है ।

v. **राजस्व की मान्यता - (टिप्पणी संख्या 23 को देखें)**
पूर्णता विधि का प्रतिशत अनुबंध पूरा करने के लिए अनुमानित कुल लागतों के वास्तविक लागत के आधार पर पूरा होने के चरण का अनुमान लगाता है । अगर विविध अनुमान लगाए जाए, तो यह उसी संबंधित राजस्व को प्रभावित करेगा ।

टिप्पणी 37

पहली बार आईएनडी एएस में अंगीकरण

आईएनडी एएस परिवर्तन

ये भारतीय लेखा मानक (भा.ले.मा.) के अनुसार तैयार कंपनी के पहले स्टैंडअलोन वित्तीय विवरण हैं ।

आईएनडी एएस परिवर्तन से वित्तीय विवरणों की प्रस्तुति में परिवर्तन हुआ है, टिप्पणी में लेखों और नीतियों और सिद्धांतों के बारे में खुलासा हुआ है । वित्तीय विवरणों में निर्धारित लेखा नीतियां 31 मार्च 2017 को समाप्त वर्ष के वित्तीय विवरणों और तुलनात्मक जानकारी तैयार करने के लिए लागू की गई हैं । आईएनडी एएस के परिवर्तन के उद्देश्य के लिए, कंपनी ने 1 अप्रैल 2015 को पिछले जीएएपी से परिवर्तन की तिथि के रूप में आईएनडी एएस 101 (पहली बार भारतीय लेखा मानकों का अंगीकरण) में निर्धारित मार्गदर्शन का पालन किया है । कैसे पिछले जीएएपी से आईएनडी एएस परिवर्तन की वजह से कंपनी की वित्तीय स्थिति, वित्तीय प्रदर्शन और नकदी प्रवाह को प्रभावित किया गया है, इसका विवरण निम्न तालिकाओं और टिप्पणियों में दिखाया गया है ।

लेखों की टिप्पणियाँ

I प्राप्त छुट एवं अपवाद

लागू भा.ले.मा. 101 वैकल्पिक छूट और अनिवार्य अपवाद जो पिछले जीएएपी से भा.ले.मा. के संक्रमण में लागू होते हैं, नीचे दिया गया है -

क. भा.ले.मा. से वैकल्पिक छुट

संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण, अमूर्त परिसंपत्तियाँ एवं निवेश संपत्ति - अंकित मूल्य

आईएनडी एएस 101 में पहली बार अनुकूलक को आईएनडी एएस के संक्रमन की तारीख पर पिछले वित्तीय विवरणी में मान्यता प्राप्त सभी संपत्ति, संयंत्र, और उपकरण का लागत चयन कर उसे जारी रखने और प्रवर्तन दायित्व के लिए आवश्यक समायोजन करने के बाद संक्रमन की तारीख पर इसे मान्य लागत के रूप में रखने की अनुमति प्रदान करता है।

तदनुसार, कंपनी ने संक्रमण की तारीख को अपनी पिछली जीएएपी के वर्तमान मूल्य पर अपनी सभी संपत्ति, संयंत्र और उपकरण, अमूर्त संपत्ति और निवेश की संपत्ति को मापने के लिए चुना है। संपत्ति, संयंत्र और उपकरण के वर्तमान मूल्य उपरोक्तानुसार, डीकमिशनिंग दायित्व से संबंधित समायोजन करने के बाद हैं।

पिछले अभिचिह्नित वित्तीय प्रलेखों के पदनाम

आईएनडी एएस 101 के रूप में आईएनडी एएस अस्थित्व को संक्रमण की तिथि पर तथ्यों और परिस्थितियों के आधार पर (सहायक, सहसदस्य में इक्विटी निवेशों के अलावा) इक्विटी उपकरणों को अन्य व्यापक आय (एफवीओसीआई) के माध्यम से उचित मूल्य पर निवेश नामोद्धिष्ट करने की अनुमति देता है। कंपनी ने आईएनडी एएस को संक्रमण की तिथि पर एफवीओसीआई में इक्विटी इक्विटी (सहायक, सहसदस्यों में इक्विटी निवेश के अलावा) में अपने निवेश को निर्दिष्ट करने के लिए चुना है।

सहायक एवं संयुक्त कंपनी में निवेश

भा.ले.मा. 101 के रूप में भा.ले.मा. 27 (अलग वित्तीय विवरण) के अनुसार लागत पर सहायक, संयुक्त कंपनियों में अपने निवेश को मापने के लिए वास्तविक परमिट प्राप्त है । तदनुसार, कंपनी ने सहायक एवं संयुक्त कंपनी के निवेश को लागत पर मापा गया है ।

पट्टे

आईएनडी एएस 17 के परिशिष्ट सी के अनुसार इकाई को यह आकलन करने की आवश्यकता होती है कि अनुबंध या व्यवस्था में यदि पट्टे शामिल है या नहीं । आईएनडी एएस 17 के अनुसार, यह मूल्यांकन अनुबंध या व्यवस्था की स्थापना के समय किया जाना चाहिए। आईएनडी एएस 101 इस मूल्यांकन को आईएनडी एएस को संक्रमण की तिथि के आधार पर तथ्यों और परिस्थितियों के आधार पर बनाने के विकल्प प्रदान करता है, सिवाय जहां प्रभाव सामग्री नहीं होने की संभावना है।

कंपनी ने इस छूट को लागू करने के लिए चुना है।

कंपनी ने निम्नलिखित छुट प्राप्त किया है -

ख. भा.ले.मा से अनिवार्य छुट -

वित्तीय परिसंपत्तियाँ एवं वित्तीय देयताएँ से गैर-अभिचिह्नित

101 के रूप में आईएनडी एएस के अनुसार पहली बार गोद लेने वाला आईएनडी एएस में संक्रमण की तिथि पर या उसके बाद होने वाली लेनदेन के लिए 109 के आईएनडी एएस में डी-मान्यता सिद्धांत आवश्यकताओं को लागू करेगा। हालांकि, यदि किसी संस्था को वित्तीय संपत्ति के रूप में आईएनडी एएस को लागू करने और पिछले लेनदेन के परिणाम के रूप में पहचान की जाने वाली देनदारियों को शुरू करने के समय उन लेनदेन के लिए समय पर प्राप्त किया गया था, तो एक इकाई इसके द्वारा चुने गए तारीख से पूर्व-मान्यता आवश्यकताओं को लागू कर सकती है।

कंपनी ने आईएनडी एएस के रूप में संक्रमण की तिथि से 109 आईएनडी एएस के डी-मान्यता प्रावधानों को लागू करने के लिए चुना है।

वित्तयी परिसंपत्तियों का मापन एवं वर्गीकरण

भा.ले.मा 101 के अनुसार परिवर्तन की तिथि से विद्यमान तथ्यों और परिस्थितियों के आधार पर वैकल्पिक को वित्तीय संपत्ति के वर्गीकरण का आकलन करना होगा।

तदनुसार, बीईएल ने परिवर्तन की तिथि से विद्यमान तथ्यों और परिस्थितियों के आधार पर वित्तीय परिसंपत्तियों का वर्गीकरण का आकलन किया है।

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

II पिछले जीएएपी एवं भारतीय ले. मा. के बीच समाधान

क. साम्या का समाधान

पिछला जीएएपी (आईजीएएपी) के आंकड़ों को भा.लें.मा. और अनुसूची III की आवश्यकताओं के अनुरूप पुनः वर्गीकृत किया गया है।

i. यथा परिवर्तन दिनांक 1 अप्रैल 2015 एवं 31 मार्च 2016 को साम्या का समाधान

विवरण		टिप्पणी सं.	यथा 01 अप्रैल 2015			यथा 31 मार्च 2016		
			आईजीएएपी	भारतीय ले.मा. पर परिवर्तन का प्रभाव	भारतीय ले.मा.	आईजीएएपी	भारतीय ले.मा. पर परिवर्तन का प्रभाव	भारतीय ले.मा.
परिसंपत्तियाँ								
(1)	**गैर चालू परिसंपत्तियाँ**							
(क)	संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण	F (i),(ii),(iii)	77,053	1,519	78,572	95,772	1,806	97,578
(ख)	पूँजीगत चालू कार्य	-	13,965	-	13,965	22,187	-	22,187
(ग)	निवेश संपत्ति	F (ii)	-	14	14	-	13	13
(घ)	अमूर्त परिसंपत्तियाँ	-	57	-	57	69	-	69
(ङ)	विकासधीन अमूर्त परिसंपत्तियाँ	-	12	-	12	20,784	-	20,784
(च)	वित्तीय परिसंपत्तियाँ							
	(i) निवेश	F (viii) & F(ix)	1,911	-	1,911	31,796	115	31,911
	(ii) व्यापार प्रदेय	-	-	-	-	-	-	-
	(iii) ऋण	-	2,577	-	2,577	2,621	-	2,621
	(iv) अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ	-	3,216	-	3,216	2,986	-	2,986
(छ)	आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ (निवल)	F(x)	33,780	4,989	38,769	37,234	8,844	46,078
(ज)	वस्तुसूचियाँ	-	5,745	-	5,745	4,535	-	4,535
(झ)	अन्य गैर चालू परिसंपत्तियाँ	F (i), (iii)	3,273	24	3,297	4,609	196	4,805
			141,589	6,546	148,135	222,593	10,974	233,567
(2)	**चालू परिसंपत्तियाँ**							
(क)	वस्तुसूचियाँ	F(iv), (xii)	336,943	(1,305)	335,638	416,789	(3,577)	413,212
(ख)	वित्तीय परिसंपत्तियाँ							
	(i) व्यापार प्राप्य	F(xi)	378,615	326	378,941	371,193	-	371,193
	(ii) नकद एवं नकद समतुल्य	-	202,170	-	202,170	247,008	-	247,008
	(iii) बैंक शेष [उपर्युक्त (ii) के अलावा]	-	370,021	-	370,021	469,522	-	469,522
	(iv) ऋण	F(ix)	942	-	942	6,011	(83)	5,928
	(v) अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ	F(iv)	17,265	1,064	18,329	21,227	1,063	22,290
(ग)	अन्य चालू परिसंपत्तियाँ	F (i), (iii)	72,316	1	72,317	49,463	219	49,682
(घ)	चालू कर परिसंपत्तियाँ (निवल)	-	224	-	224	-	-	-
			1,378,496	86	1,378,582	1,581,213	(2,378)	1,578,835
	कुल परिसंपत्तियाँ		**1,520,085**	**6,632**	**1,526,717**	**1,803,806**	**8,596**	**1,812,402**

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

विवरण		टिप्पणी सं.	यथा 01 अप्रैल 2015			यथा 31 मार्च 2016		
			आईजीएएपी	भारतीय ले.मा. पर परिवर्तन का प्रभाव	भारतीय ले.मा.	आईजीएएपी	भारतीय ले.मा. पर परिवर्तन का प्रभाव	भारतीय ले.मा.
साम्या एवं देयताएं								
साम्या								
(क)	साम्या शेयर पूँजी	-	8,000	-	8,000	24,000	-	24,000
(ख)	अन्य साम्या	F(xvi), F(xix)	780,503	12,696	793,199	849,383	24,977	874,360
	उप कुल साम्या		788,503	12,696	801,199	873,383	24,977	898,360
देयताएँ								
(1)	गैर चालू परिसंपत्तियाँ							
(क)	सरकारी अनुदान	F(xiii)	664	(170)	494	594	(122)	472
(ख)	वित्तीय देयताएँ							
	(i) उधार राशियाँ	-	-	-	-	-	-	-
	(ii) व्यापार प्रदेय	-	2	-	2	57	-	57
	(iii) अन्य वित्तीय देयताएँ	-	76	-	76	158	-	158
(ग)	प्रावधान	F(v)	45,265	9,645	54,910	54,812	15,121	69,933
(घ)	अन्य गैर चालू देयताएँ	F (i) & (iv)	32	1,638	1,670	-	1,876	1,876
			46,039	11,113	57,152	55,621	16,875	72,496
(2)	चालू देयताएँ							
(क)	सरकारी अनुदान	F(xiii)	247	(228)	19	31	(28)	3
(ख)	वित्तीय देयताएँ							
	(i) व्यापार प्रदेय	F(iv)	111,774	113	111,887	116,021	123	116,144
	(ii) अन्य वित्तीय देयताएँ	F(iv)	25,311	(793)	24,518	43,268	(147)	43,121
(ग)	अन्य चालू देयताएँ	F(i) & (iv)	515,806	1,738	517,544	654,116	(301)	653,815
(घ)	प्रावधान	F(v)	32,405	(18,007)	14,398	54,692	(32,903)	21,789
(ङ)	चालू कर देयताएं (निवल)	-	-	-	-	6,674	-	6,674
			685,543	(17,177)	668,366	874,802	(33,256)	841,546
	कुल साम्या एवं देयताएँ		**1,520,085**	**6,632**	**1,526,717**	**1,803,806**	**8,596**	**1,812,402**

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

ख. यथा 31 मार्च 2016 के वर्ष अंत को कुल व्यापक आय का समाधान

	विवरण	टिप्पणी सं.	पिछले जीएएपी	भारतीय ले.मा. समाधान	भारतीय ले.मा.
I	प्रचालनों से राजस्व	F (i) (iv)	767,241	2,296	769,537
II	अन्य आय	F (ix), F (xiv)	53,339	369	53,708
III	**कुल आय**		**820,580**	**2,665**	**823,245**
IV	व्यय				
क	खपत सामग्री की लागत	F (iv) & F (xii)	368,258	956	369,214
ख	खपत भंडार एवं पुर्जे की लागत	-	2,927	-	2,927
ग	व्यापारगत स्टॉक का क्रय	-	33,936	-	33,936
घ	तैयार माल, चालू कार्य एवं रद्दी के वस्तुसूचियाँ में परिवर्तन	F (iv)	(25,686)	2,266	(23,420)
ङ	उत्पाद शुल्क	-	36,751	-	36,751
च	कर्मचारी अनुलाभ व्यय	F (vii) & F (xiv)	130,186	(4,460)	125,726
छ	वित लागत	-	451	-	451
ज	मूल्यह्रास एवं परिशोधन व्यय	F (xiv)	16,888	333	17,221
ञ	अन्य व्यय	F (v) & (xiv)	75,954	11,273	87,227
कुल व्यय			**639,665**	**10,368**	**650,033**
V	असाधारण मद्दें एवं कर पूर्व लाभ (iii - iv)	-	180,915	(7,703)	173,212
VI	असाधारण मद्दें	-	-	-	-
VII	कर पूर्व लाभ (V+VI)	-	180,915	(7,703)	173,212
VIII	कर व्यय				
	- चालू कर	-	48,600	-	48,600
	- पिछले वर्षों	-	1	-	1
	- आस्थगित कर	F (x)	(3,453)	(2,672)	(6,125)
	कुल कराधान हेतु प्रावधान	-	45,148	(2,672)	42,476
IX	अवधि के लिए लाभ (VII - VIII)	-	135,767	(5,031)	130,736
X	अन्य व्यापक आय/ (हानि)				
	तदनुसार, लाभ/हानि मे पुनःवर्गीकृत नहीं किए गए मद्दें				
क	निवल पारिभाषित लाभ देयता/परिसंपत्ति का पुनःमापन	F (vii)	-	(3,420)	(3,420)
ख	अन्य व्यापक आय द्वारा साम्या प्रलेखों	F (viii)	-	1	1
ग	इन मद्दों से संबंधित आयकर	F (x)	-	1,183	1,183
	अन्य व्यापक आय / (हानि)		-	(2,236)	(2,236)
XI	अवधि के लिए कुल व्यापक आय (IX+X) [वर्ष हेतु लाभ एवं अन्य व्यापक हानि सहित]		135,767	(7,267)	128,500

नोट - इस नोट के लिए पिछले जीएएपी आंकडे को पुनःवर्गीकृत किया गया है ।

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

ग. यथा 31 मार्च 2016 के वर्ष अंत को नकदी प्राप्ति विवरण पर भारतीय ले.मा. के धारण का प्रभाव

विवरण	टिप्पणी सं.	पिछले जीएएपी	भारतीय ले.मा. समाधान	भारतीय ले.मा.
परिचालन गतिविधियों से निवल नकदी प्राप्ति	F (xviii)	225,300	33	225,333
निवेश गतिविधियों से निवल नकदी प्राप्ति		(147,212)	(1,250)	(148,462)
वित गतिविधियों से निवल नकदी प्राप्ति		(32,030)	(3)	(32,033)
नकद एवं नकद समतुल्य में निवल बढ़ोत्तीर / (घटाई)		46,058	(1,220)	44,838
यथा 1 अप्रैल 2015 को नकद एवं नकद समतुल्य		202,281	(111)	202,170
यथा 31 मार्च 2016 को नकद एवं नकद समतुल्य		248,339	(1,331)	247,008

घ. यथा 31 मार्च 2016 एवं 1 अप्रैल 2015 को कुल साम्या का समाधान

	टिप्पणी सं.	31 मार्च 2016	1 अप्रैल 2015
पिछले जीएएपी के अनुसार कुल साम्या (शेयरधारित निधि)		**873,383**	**788,503**
प्रावधानों का समायोजन	F (v)	(25,093)	(13,974)
राजस्व अभिचिह्नित (व्यय का निवल) का समायोजन	F (iv)	(1,772)	(997)
लाभांश एवं कर का समायोजन	F (xix)	41,884	22,338
वस्तुसूचियाँ का समायोजन	F (xii)	9	14
पूर्व अवधि समायोजन	F (xi)	-	326
योजित परिसंपत्तियाँ का अभिचिह्नित	F (vii)	1,072	-
सहायक कंपनी को दिए गए ऋण का उचित मूल्यांकन	F (ix)	32	-
इन परिवृतनों में कर समायोजन	F (x)	8,845	4,989
भारतीय ले.मा. के अनुसार कुल साम्या (शेयरधारित निधि)		**898,360**	**801,199**

ङ. यथा 31 मार्च 2016 को कुल व्यापक आय का समाधान

	टिप्पणी सं.	31 मार्च 2016
पिछले जीएएपी के अनुसार कर पश्चात् लाभ		**135,767**
प्रावधानों का समायोजन	F (v)	(11,119)
राजस्व अभिचिह्नित (व्यय का निवल) का समायोजन	F (iv)	(776)
वस्तुसूचियाँ का समायोजन	F (xii)	(5)
संबंधित पक्षकार ऋण का अवाइडिंग	F (ix)	32
पूर्व अवधि समायोजन	F (xi)	(326)
योजित परिसंपत्तियाँ का अभिचिह्नित	F (vii)	1,072
इन परिवृतनों में कर समायोजन	F (x)	3,855
भारतीय ले.मा. के अनुसार कुल व्यापक आय		**128,500**

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

च. पहली बार स्वीकृत को टिप्पणी

i. संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण

क) ग्राहक अनुदान से प्राप्त पूर्व जीएएपी परिसंपत्तियों के तहत निवल मूल्य (लागत कम अनुदान मूल्य) पर किया गया था। भा.ले.मा. के तहत इन परिसंपत्तियों को आस्थगित राजस्व (ग्राहक अनुदान) में क्रेटिट करने के साथ-साथ लागत पर अभिचिह्नित करनी होगी। तदनुसार, वित्त वर्ष 2015-16 (₹ 1,606 यथा 1 अप्रैल 2015) के दौरान संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की राशि ₹ 697 से बढ़ी है तथा संबंधित आस्थगित राजस्व (ग्राहक अनुदान) के लिए इसी क्रेडिट किया गया है । इस समायोजन के कारण कुल ईक्विटी पर कोई प्रभाव नहीं होगा।

ख) साइट पुनःस्थापन उत्तरदायित्व के प्रावधान के कारण भा.ले.मा. 37 के तहत, 2015-16 के दौरान (₹ 55 यथा 1 अप्रैल 2015) संपत्ति, संयंत्र और उपकरण के हिस्से के रूप में ₹ 80 की राशि को अभिचिह्नित की गई है। इस राशि को पट्टे अवधि से अधिक काटा जाएगा।

ii. निवेश संपत्ति

भा.ले.मा. 40 की आवश्यकता के अनुसार, किराए पर लिए गए निवेश संपत्ति, भूमि और भवन को निवेश संपत्ति के रूप में पुनः वर्गीकृत किया गया है। पिछले जीएएपी में इनको संपत्ति, संयंत्र और उपकरण के रूप में वर्गीकृत किया गया था । तदनुसार 1 अप्रैल 2015 को किराए पर लिया गया भवनों का वहन मूल्य ₹ 14 लाख के संयंत्र, संपत्ति और उपकरण को निवेश संपत्ति से पुनर्वर्गीकृत किया गया है। इस समायोजन के कारण कुल ईक्विटी पर कोई प्रभाव नहीं है।

iii. पट्टे व्यवस्था

भा.ले.मा. 101 अनुमति के अनुसार, कंपनी ने यह आकलन किया है कि क्या अनुबंध या व्यवस्था में तथ्यों और परिस्थितियों के आधार पर पट्टा शामिल है, जो कि भा.ले.मा. को संक्रमण की तारीख में मौजूद हैं। आकलन के आधार पर कुछ पट्टे पर समझौतों को प्रचालन पट्टे के रूप में पहचाना गया है और परिणामस्वरूप वित्तीय वर्ष 2015-16 (यथा 1 अप्रैल 2015 में ₹ 75 राशि) के दौरान पूँजी नहीं की गई राशि और गैर-वित्तीय परिसंपत्तियों के रूप में पहचानी गई है। इस समायोजन के कारण कुल इक्विटी पर कोई प्रभाव नहीं है।

iv. राजस्व मान्यता, उचित मूल्य मानदंड आदि में समायोजन

आईएनडी एएस की आवश्यकताओं के अनुसार राजस्व मान्यता, उचित मूल्य मानदंड आदि के समय में परिवर्तन के कारण पिछले जीएएपी के अंतर्गत मान्यता प्राप्त राजस्व में समायोजन किया गया है। ₹ 1,962 के इस अतिरिक्त राजस्व की वजह से वित्त वर्ष 2015-16 के दौरान मान्यता प्राप्त की गई है, जिसमें ₹ 3,222 के संबंधित खर्चों में वृद्धि हुई है, जिसके संबंध में अनुबंधों की भारी प्रकृति के कारण राजस्व की पहचान की गई है। उपर्युक्त समायोजन के कारण शुद्ध प्रभाव में वित्त वर्ष 2015-16 के दौरान ₹ 1,260 के मुनाफे में कमी आई है

राजस्व मान्यता से संबंधित समायोजन के कारण 1 अप्रैल 2015 को बनाए गए कमाई ₹ 948 तक नीचे आ गई है। इवेंटरी और संबंधित परिसंपत्तियों और देनदारियों के लिए परिणामस्वरूप समायोजन किए गए हैं।

v. प्रावधान

साइट पुनःस्थापन दायित्व, दुर्वह अनुबंध और वारंटी व्यय के संबंध में आईएनडी एएस 37 की आवश्यकताओं के अनुसार प्रावधानों का निर्माण किया गया है। इसके लिए वित्त वर्ष 2015-16 (1 अप्रैल 2015 तक ₹ 13,976) के दौरान प्रावधान राशि में ₹ 11,198 तक की वृद्धि हुई है। नतीजतन 31 मार्च 2016 को कुल इक्विटी ₹ 25,094 (1 अप्रैल 2015 तक ₹ 13,976) और 31 मार्च 2016 को समाप्त वित्त वर्ष के ₹ 11,118 के मुनाफे में कमी आई है।

vi. उत्पाद शुल्क

उत्पादों की बिक्री से पिछले जीएएपी राजस्व में बिक्री पर एक्साइज ड्यूटी पर नेट प्रस्तुत किया गया था। आईएनडी एएस के तहत, माल की बिक्री से राजस्व उत्पाद शुल्क के साथ प्रस्तुत किया जाता है भुगतान किया गया उत्पाद शुल्क एक लाभ के रूप में लाभ और हानि के विवरण में प्रस्तुत किया गया है। इस परिवर्तन के परिणामस्वरुप वित्त वर्ष 2015-16 के लिए ₹ 36,751 तक के परिचालन और व्यय से वृद्धि हुई है। प्रस्तुति में इस बदलाव का लाभ पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।

लेखों की टिप्पणियाँ

vii. रोज़गारोत्तर लाभ दायित्वों का पुनःमापन

आईएनडी एएस के तहत, कर्मचारी लाभ दायित्वों के पुनःमापन यानि बीमांकिक लाभ और हानि अन्य व्यापक आय (ओसीआई) में मान्यता प्राप्त हैं। पिछला जीएएपी के अंतर्गत ये लाभ और हानि विवरणी में पहचाने गए थे। नतीजतन, वित्त वर्ष 2015-16 के दौरान कर्मचारियों की लाभ व्यय से अन्य विस्तृत आय के लिए ₹ 5,169 (कर से पहले) की राशि को पुन: वर्गीकृत किया गया है हालांकि, 31 मार्च 2016 को इसका लाभ पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है।

इसके अतिरिक्त, निवल परिभाषित दायित्वों पर योजना संपत्तियों से अधिक ₹ 1,072 की राशि का वित्त वर्ष 2015-16 के दौरान आईएनडी एएशके तहत एसेट के रूप में मान्यता प्राप्त है, जिसमें अन्य व्यापक आय और कर्मचारियों की लागत के लिए ₹ 677 का प्रभार ₹ 1,749 का श्रेय दिया गया है। इसका परिणाम 31 मार्च 2016 को कुल व्यापक आय में ₹ 1,072 तक बढ़ गया है।

viii. निवेश का उचित मूल्य

आईएनडी एएस के अनुसार, सहायक कंपनियों और सहयोगियों के अलावा अन्य संस्थाओं के इक्विटी शेयरों में निवेश की वित्तीय संपत्तियों को आईएनडी एएस 109 अनुमति के तहत अन्य व्यापक आय (एफवीओसीआई) के माध्यम से उचित मूल्य के रूप में नामित किया गया है। पिछला जीएएपी के तहत, यह निवेश लागत पर किया गया था । इस निवेश के परिणामस्वरूप उचित मूल्य परिवर्तन को संक्रमण की तिथि और बाद में 31 मार्च 2016 को समाप्त वर्ष के लिए अन्य व्यापक आय में ओसीआई रिजर्व के माध्यम से इक्विटी निवेश में मान्यता प्राप्त हुई है। इसके परिणामस्वरूप " अन्य व्यापक आय (ओसीआई) " और " कुल इक्विटी "1 मार्च से 31 मार्च 2016 तक (₹ 1 अप्रैल 2015 तक शून्य)।

ix. सहायक कंपनी हेतु ऋण का उचित मूल्यांकन

बाजार ब्याज दर से कम पर सहायक कंपनी को दिया गया ऋण को उचित मूल्यित किया गया जिसके कारण ऋण में तदनुरूप कटौती के साथ दि. 31 मार्च 2016 को सहायक कंपनी में ₹115 की विभेदक राशि का निवेश के रूप में मान्यता प्राप्त हुआ है।आस्थगित कर आईएनडी एएस के संक्रमण के परिणामस्वरूप किए गए समायोजन के कारण उत्पन्न अस्थायी अंतर के संबंध में आस्थगित कर समायोजन किया गया है। 31 मार्च 2016 को 315 मार्च तक आस्थगित कर परिसंपत्ति के मूल्य में और 1 अप्रैल 2015 तक ₹ 4,989 तक 31 मार्च 2016 तक कुल इक्विटी में वृद्धि (1 अप्रैल 2015 को ₹ 4,989) और 31 मार्च 2016 को ₹ 3,855 तक का लाभ हुआ है।

x. आस्थगित कर

आईएनडी एएस के संक्रमण के परिणामस्वरूप किए गए समायोजन के कारण उत्पन्न अस्थायी अंतर के संबंध में आस्थगित कर समायोजन किया गया है। 31 मार्च 2016 को 315 मार्च तक आस्थगित कर परिसंपत्ति के मूल्य में और 1 अप्रैल 2015 तक ₹ 4,989 तक 31 मार्च 2016 तक कुल इक्विटी में वृद्धि (1 अप्रैल 2015 को ₹ 4,989) और 31 मार्च 2016 को ₹ 3,855 तक का लाभ हुआ है।

xi. पूर्व अवधि त्रुटि और चूक

आईएनडी एएस की आवश्यकता के अनुसार , यदि पूर्व की अवधि से संबंधित त्रुटियां और चूक सामग्री के संबंध मं होती हैं तो उन्हें प्रस्तुत किए गए पूर्वकाल की अवधि के लिए परिसंपत्तियों, देयताएं और इक्विटी के उद्घाटन शेष को समायोजित करके समायोजित किया जाना चाहिए। तदनुसार, पिछला जीएएपी के तहत वर्ष 2015-16 के लिए रिपोर्ट किए गए ₹ 326 की आय की अवधि 1 अप्रैल 2015 को व्यापार प्राप्तियों में इसी वृद्धि के साथ प्रारंभिक रिसर्व में समायोजित की गई है। इसके परिणामस्वरूप वित्त वर्ष 2015-16 के लिए ₹ 326 तक लाभ में कमी आई है।

xii. सहायक कंपनी बीलओप को अस्थायी वित्तीय सहायता पर लगाए गए ब्याज को 2015-16 में ₹ 304 तक ब्याज आय को जमा कर समायोजित किया गया और तदनुसार सामग्री लागत में बढ़ोतरी दिया गया है। इसका पदासीन रखी हुई कमाई पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। इसके अलावा, 1 अप्रैल 2015 को ₹ 14 (वित्तीय वर्ष 2015 - 16 के लिए 9) की रकम अप्रयुक्त इंवेंटरी में तदनुसार वृद्धि के साथ प्रारंभिक रिसर्व में जमा कर दी गई है।इसके कारण मुनाफे और प्रारंभिक रिसर्व राशि में तदनुसार वृद्धि ई है।

xiii. सरकारी अनुदान

आईएनडी एएस की आवश्यकताओं के अनुसार, किसी ग्राहक की क्षमता में सरकार द्वारा दी गई राशि को ग्राहक अनुदान के रूप में माना जाना चाहिए। तदनुसार, 1 अप्रैल 2015 को सरकारी अनुदान से ₹398 राशि को ग्राहक अनुदान में पुनर्वर्गीकृत किया गया है। वर्गीकरण में यह परिवर्तन से लाभ या तदासीन आय पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।

लेखों की टिप्पणियाँ

xiv. अन्य समायोजन

13 मार्च को संपत्ति, संयंत्र और उपकरण के लिए ₹ 333 का मूल्यह्रास शुल्क लगाया गया है और इसकी समतुल्य राशि को अन्य आय के रूप में (ग्राहक अनुदान) में जमा की गई है। वित्त वर्ष 2015-16 के लिए राशि ₹ 148 (₹ 1 अप्रैल 2015 तक ₹ 102)को ऊपर बताए गए परिवर्तनों के कारण अन्य परिणामी समायोजनों के क्रम में लाभ और हानि विवरणी और तदासी आय मं से वहित किया गया है।

वित्तीय वर्ष 2015-16 के दौरान 33 राशि को "अन्य आय" के रूप में माना गया है, जिसे कर्मचारी लागत से समायोजित किया गया है जो कि कर्मचारी लागत से संबंधित समायोजन जैसे पर्क्स के कारण है। इसका साल के लिए लाभ पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।

xv. संयुक्त उद्यम का एक सहयोगी के रूप में नया स्वरूप

नियंत्रण मानदंडों के आकलन के आधार पर, आईएनडी एएस के संक्रमण के रूप में, संयुक्त उद्यम में निवेश को एक सहयोगी के रूप में पहचाना गया है। इस पुनर्मूल्यांकन के कारण वित्तीय विवरणों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।

xvi. प्रतिधारित कमाई

1 अप्रैल 2015 और 31 मार्च 2016 को प्रतिधारित कमाई का निम्न समायोजन के परिणामस्वरूप समायोजित किया गया है ।

xvii. नकदी प्राप्ति पर प्राभव

आईएनडी एएस के लिए संक्रमण के रूप में वित्त वर्ष 2015-16 के लिए नकद प्रवाह ₹1,331 रुपए कम हो गया है।

xviii. प्रस्तावित लाभांश

वित्तीय विवरणों के अनुमोदन से पहले बैलेंस शीट की तारीख के बाद निदेशक मंडल द्वारा प्रस्तावित पिछले जीएएपी लाभांश के तहत ईवेंट समायोजन के रूप में माना जाता था। तदनुसार, प्रस्तावित लाभांश के प्रावधान को देयता के रूप में मान्यता दी गई थी। आईएनडी एएस के तहत जैसे लाभांश मान्यता प्राप्त होते हैं, जब इसे सामान्य बैठक में शेयरधारकों द्वारा अनुमोदित किया जाता है। तदनुसार, प्रस्तावित लाभांश और लाभांश वितरण कर की देयदारी, 1945 में वित्त वर्ष 15-16 (1 अप्रैल 2015 तक के रूप में ₹ 22,338) के लिए दी गई है, जो कि तदासीन आय के अनुरूप समायोजन के साथ लौटाई गई है। नतीजतन कुल इक्विटी समतुल्य राशि से बढ़ गई है।

उल्लेखनीय लेखा नीतियां और साथ-साथ टिप्पणी वित्तीय विवरणों के अभिन्न भाग हैं।

यथा दिनांक रिपोर्ट के अनुसार संलग्न है ।

कृते **बदरी, मधुसूदन एंड श्रीनिवासन**
सनदी लेखाकार
फार्म पंजी. सं. 005389एस

एस वी गौतमा
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

कोशी अलेक्जाण्डर
मुख्य वित्तीय अधिकारी

एस राजेन्द्रन
साझेदर
सदस्यता सं. 021883

डॉ. अजित कलघटगी
निदेशक (अनुसंधान एवं विकास)

एस श्रीनिवास
कंपनी सचिव

29 मई 2017
बेंगलूरु

स्टैडअलोन वित्तीय विवरण पर उल्लेखनीय लेखा नीतियाँ

कार्पोरेट सूचना

साथ में दिए गए वित्तीय विवरण भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (कंपनी) के वित्तीय विवरण हैं। कंपनी भारत में स्थित एक सार्वजनिक कंपनी है और भारत में लागू कंपनी अधिनियम के प्रावधानों के अंतर्गत शामिल है। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के शेयर भारत में दो मान्यता प्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों पर सूचीबद्ध हैं। पंजीकृत कार्यालय और कंपनी का व्यवसाय का मुख्य स्थान बेंगलुरु, कर्नाटक, भारत में स्थित है।

कंपनी रक्षा उत्पादन विभाग, रक्षा मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में एक सार्वजनिक क्षेत्र का उद्यम है। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड रक्षा क्षेत्र में इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और प्रणालियों का निर्माण और आपूर्ति करता है। रक्षा क्षेत्र के अलावा, कंपनी को नागरिक बाजार में सीमित उपस्थिति भी उपलब्ध है।

उल्लेखनीय लेखा नीतियाँ

1. लेखा का आधार

वित्तीय विवरण को भारत में सामान्य तौर पर स्वीकृत लेखा सिद्धांतों के अनुसार तैयार किया जाता है और प्रस्तुत किया जाता है (अनिवार्य भारतीय लेखा मानकों (आईएनडी एएस एएस) [कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 133 के तहत अधिसूचित कंपनियों के नियम 3 (भारतीय लेखा मानक) नियम, 2015], लागु नियमों का पालन का गया है। कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों को भी लागू किया गया है।

यह आईएनडी एएस के अनुसार तैयार कंपनी का पहला वार्षिक वित्तीय विवरण हैं। कंपनी ने आईएनडी एएस को अपनाया है और आईएनडी एएस 101 के तहत पहली बार अपनाने के संबंध में सभी मानकों को पालन किया है। आईएनडी एएस के संक्रमण के कारण, रिपोर्ट की गई वित्तीय स्थिति, वित्तीय प्रदर्शन और कंपनी के नकदी प्रवाह पर प्रबाव के विवरण नोट 37 में दिया गया है।

2. प्राक्कलनों का प्रयोग

जीएएपी के अनुरूप वित्तीय विवरण की तैयारी के लिए प्रबंधन के लिए यह आवश्यक होता है कि वह अनुमान और पूर्वानुमान लगाए जिसका विवरण की तारीख पर रिपोर्ट कि गए परिसंपत्तियों और देनदारियों, आकस्मिक देयता और आकस्मिक संपत्तियों एवं रिपोर्ट किए गए रजस्व और व्यय पर प्रभाव पड सकता है। यद्यपि इस तरह के अनुमान उचित और विवेकपूर्ण आधार पर सभी उपलब्ध जानकारी के आधार पर किए जाते हैं, वास्तविक परिणाम इन अनुमानों से भिन्न सकते हैं और इस तरह के अंतर उस अवधि में पहचाने गए हैं जिनमें परिणामों का पता लगाया जाता है।

3. मापन का आधार

वित्तीय विवरण निम्नलिखित ऐतिहासिक लागत के आधार पर तैयार किए गए हैं ऐतिहासिक संपत्तियों और दायित्वों को छोड़कर जिन्हें उचित मूल्य पर मापा गया है -

- व्युत्पन वित्तीय साधन, यदि कोई हो
- वित्तीय संपत्ति और देनदारियां जो उचित मूल्य पर मापा जाने योग्य हैं
- परिभाषित लाभ संपत्ति / दायित्व को योजना संपत्तियों का कम उचित मूल्य परिभाषित लाभ दायित्व के वर्तमान मूल्य के रूप में पहचाना जाता है ।

4. कार्यात्मक और प्रस्तुति मुद्रा

वित्तीय विवरण भारतीय रुपए (आईएनआर) में प्रस्तुत किए जाते हैं जो कंपनी के कार्यात्मक और प्रस्तुति मुद्रा है।

5. राजस्व मान्यता

(i) सामान की बिक्री

माल की बिक्री से राजस्व प्राप्त या प्राप्ति योग्य, रिटर्न का शुद्ध, व्यापार छूट और मात्रा छूट के उचित मूल्य पर मापा जाता है। राजस्व को तब मान्यता दी जाती है जब स्वामित्व का महत्वपूर्ण जोखिम और प्रतिफल ग्राहक के लिए बिक्री समझौते की शर्तों के अनुसार स्थानांतरित कर दिया गया है, न तो सामग्रियों पर प्रबंधन की भागीदारी और न ही प्रभावी नियंत्रण बनाए रखा जाता है, विचार की वसूली संभव है, और लागत की मात्रा खर्च और राजस्व मज़बूती से मापा जा सकता है बिक्री समझौते के इनको-नियमों के आधार पर जोखिम और पुरस्कार के हस्तांतरण का समय-समय पर मूल्यांकन किया जाता है।

(ii) पूर्व वर्क्स अनुबंध

पूर्व-कार्य संविदा के मामले में, राजस्व की पहचान की जाती है जब निर्दिष्ट वस्तुओं को बिना किसी पूर्व अनुबंध और स्वीकृति के बाद अनुबंध में विनियोजित किया जाता है, यदि आवश्यक हो।

(iii) एफओआर संविदाओं

संविदा के मामले में राजस्व मान्यता प्राप्त है, जब सामान को पहले निरीक्षण और स्वीकृति के बाद खरीदार को ट्रांसफर करने

के लिए वाहक को सौंप दिया जाता है, यदि निर्धारित किया गया है, और गंतव्य अनुबंध के मामले में, अगर उचित उम्मीद है कि लेखांकन अवधि के भीतर सामान पहुंच जाएंगे। अगर ग्राहक के अनुरोध पर माल कंपनी मे रखा जाता है तो भी राजस्व की पहचान की जाती है।

(iv) बिल और स्थगित बिक्री

बिल और स्थगित बिक्री के लिएजब ग्राहक द्वारा शीर्षक लेने पर निम्न के अनुसार राजस्व की पहचान की जाती है -

- यह संभव है कि वितरण किया जाएगा;
- उत्पाद तैयार अवस्था मे है, और रजस्व पहचाने जाने वाले समय पर खरीददार को आपूर्ति के लिए तैयार है;
- खरीदार विशेष रूप से स्थगित प्रदाय के निर्देशों को स्वीकार करता है;
- सामान्य भुगतान शर्तें लागू होती हैं।

(v) विनिर्माण संविदाएं

अनुबंध राजस्व में संविदा में सहमति के प्रारंभिक राशि और संविदा कार्य, दावों और प्रोत्साहन भुगतान में कोई भी बदलाव शामिल है, इस सीमा तक यह संभव है कि उनका परिणाम मैं राजस्व के रूप में करूँगा और इसे मज़बूती से मापा जा सकता है।

अनुबंध राजस्व को अनुबंध पूरा होने के स्तर के अनुपात में मायता प्राप्त है। अनुबंध पूरा करने की उम्मीद की अनुमानित कुल लागत के लिए रिपोर्टिंग तक अनुबंध पर किए गए वास्तविक लागत के राशन के आधार पर पूरा होने का चरण मूल्यांकन किया गया है।

यदि परिणाम का विश्वसनीयता का अनुमान नहीं लगाया जा सकता है और जहां यह संभव है कि लागतें ठीक हो जाएंगी, राजस्व लागत की सीमा तक पहचाना जाता है।

जब यह संभव हो सकता है कि कुल अनुबंध लागत पूर्ण होने पर कुल अनुबंध राजस्व से अधिक हो जाएगा, पूरा होने पर अपेक्षित नुकसान तुरंत एक व्यय के रूप में पहचाना जाता है।

(vi) मूल्य वृद्धि और विनिमय दर में भिनता दावे

अनुबंधों के मामले में जहां अतिरिक्त विचार ग्राहक द्वारा निर्धारित और अनुमोदित किए जाने हैं, ऐसे अतिरिक्त राजस्व ग्राहक से पुष्टि मिलने पर मान्यता प्राप्त है।

(vii) एकाधिक संविदाएं:

एकाधिक अनुबंध के मामले में, जहां स्थापना और कमीशन के लिए अलग शुल्क या कोई अन्य अलग-अलग पहचाने जाने योग्य घटक तय नहीं किया गया है, कंपनी लेनदेन के अलग-अलग पहचाने जाने योग्य घटकों (माल की बिक्री और स्थापना और कमीशन आदि) को मान्यता मानती है। उनके सापेक्ष उचित मूल्य के आधार पर उन अलग-अलग घटकों के लिए राजस्व आवंटित करता है।

(viii) एकाधिक तत्व:

अधिष्ठापन और कमीशन या किसी भी अन्य अलग पहचान योग्य घटक को निर्धारित किया गया है और उसी के लिए मूल्य अलग से सहमत है, कंपनी लेनदेन और आबंटन के अलग से पहचाने जाने वाले घटकों (माल की बिक्री और स्थापना और कमीशन आदि उन अलग-अलग घटकों का राजस्व) उन सापेक्ष निष्पक्ष मूल्य के आधार पर करता है ।

(ix) बिक्री कर / वैल्यू एडेड कर (वैट) को छोडना और एक्साइज ड्यूटी को शामिल करना ।

(x) सेवाओं से राजस्व

अनुरक्षण अनुबंध से संबंधित राजस्व प्रोद्भवन आधार पर मान्यता प्राप्त है।

अन्य तय-मूल्य अनुबंध (सॉफ़्टवेयर से संबंधित सेवाओं से आय सहित) के लिए, राजस्व को रिपोर्टिंग तिथि पर लेनदेन के पूरा होने के स्तर के अनुसार पहचाना जाता है।

सेवा के अन्य श्रेणियों के संबंध में सेवा प्रदान करने के बाद राजस्व मान्यता प्राप्त है।

(xi) ब्याज आय

प्रभावी ब्याज दर विधि का उपयोग करके

(xii) लाभांश आय

लाभांश आय मान्यता प्राप्त है जब भुगतान प्राप्त करने के लिए कंपनी का अधिकार स्थापित होता है।

(xiii) किराये की आय

पट्टों के परिचालन से होने वाली किराये की आय का आंकलन पट्टे की अवधि पर एक सीधी रेखा के आधार पर होता है, जब

तक भाड़े में वृद्धि अपेक्षित मुद्रास्फीति के अनुरूप नहीं होती है या अन्यथा उचित होती है।

(xiv) ड्यूटी कमियां

निर्यात पर ड्यूटी कमोडिटी दावों का हिसाब दावों को पसंद करने के संबंध में है।

(xiv) अन्य आय

विशेष रूप से ऊपर उल्लिखित न किए जाने वाले अन्य आय संचय के आधार पर मायता प्राप्त है।

6. संपत्ति, संयंत्र और उपकरण, कार्य प्रगति पूंजी

संपत्ति, संयंत्र और उपकरण शुरू में लागत पर मापा जाता है और बाद में लागत कम संचित अवमूल्यन और संचयी हानि के घाटे में, यदि कोई हो इस उद्देश्य के लिए लागत में परिसंपत्ति को उसके स्थान और स्थिति में लाने के लिए सभी विशेष कारण शामिल हैं। यदि किसी प्रावधान के लिए मान्यता मानदंडों को पूरा किया जाता है, तो इसके उपयोग के बाद संपत्ति के डीकमिशनिंग के लिए अपेक्षित लागत का वर्तमान मूल्य संबंधित परिसंपत्ति की लागत में शामिल किया गया है।

प्रत्येक बैलेंस शीट की तारीख के अनुसार नियत परिसंपत्तियों की लागत उनके इच्छित उपयोग के लिए तैयार नहीं है, यह पूंजी कार्य-प्रगति के रूप में प्रकट की जाती है।

पूंजीगत कार्य-प्रगति में बैलेंस शीट की तारीख के अनुसार आपूर्ति-कम-निर्माण अनुबंध साइट पर प्राप्त पूंजीगत आपूर्ति का मूल्य और स्वीकृत, पारगमन में पूंजीगत सामान और निरीक्षण के अधीन और संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की लागत जो अभी तक उनके इच्छित उपयोग के लिए तैयार नहीं हैं शामिल हैं,

7. अमूर्त संपत्ति, विकास के तहत अमूर्त संपत्ति

आंतरिक उपयोग के लिए अर्जित सॉऑफ्टवेयर की लागत (जो संबंधित हार्डवेयर का एक अभिन्न हिस्सा नहीं है) और महत्वपूर्ण भविष्य के आर्थिक लाभों का परिणाम है, खातों की पुस्तकों में एक अमूर्त संपत्ति के रूप में पहचाना जाता है जब वह उपयोग के लिए तैयार होता है अमूर्त संपत्ति जो कि बैलेंस शीट की तारीख के रूप में उनके इच्छित उपयोग के लिए अभी तक तैयार नहीं हैं, उन्हें "विकास के तहत अमूर्त संपत्ति" के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

विकास योग्य कार्य की लागत, जो भी पूरा हो, जहां भी योग्य है, एक अमूर्त संपत्ति के रूप में मान्यता प्राप्त है।

प्रगति के तहत विकास कार्य की लागत, जहां भी योग्य है, को "विकास के तहत अमूर्त संपत्ति" के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

वहित राशि में कंपनी द्वारा वित्तीय संस्थाओं को विकास परियोजनाओं और सामग्री लागत, कर्मचारी लागत और अन्य प्रत्यक्ष व्यय के लिए खर्च किए गए व्यय के लिए वित्तपोषित राशि शामिल है।

8. मूल्यह्रास / परिशोधन

संपत्ति की अनुमानित उपयोगी जीवन पर मूल्यह्रास की गणना सीधी रेखा के आधार पर की जाती है। कंपनी, तकनीकी आकलन के आधार पर, कंपनी अधिनियम, 2013 के लिए अनुसूची II में निर्धारित उपयुक्त जीवन से अलग अनुमानित जीवन से अधिक अलग अलग इमारतों, संयंत्र और उपकरणों और अन्य परिसंपत्ति वर्गों की कुछ वस्तुओं को कम करती है। प्रबंधन का मानना है कि ये अनुमानित उपयोगी जीवन यथार्थवादी हैं और उस अवधि के निष्पक्ष अनुमान को प्रतिबिंबित करते हैं जिन पर संपत्ति का इस्तेमाल होने की संभावना है।

जहां परिसंपत्ति के एक हिस्से की लागत परिसंपत्ति की कुल लागत के लिए महत्वपूर्ण है और उस हिस्से की अनुमानित उपयोगी जीवन शेष परिसंपत्ति की अनुमानित उपयोगी जीवन से अलग है, उस महत्वपूर्ण भाग के अनुमानित उपयोगी जीवन को अलग से निर्धारित किया जाता है और महत्वपूर्ण हिस्सा अपने अनुमानित उपयोगी जीवन के आधार पर सीधे-रेखा के आधार पर कियाजाता है।

अवशिष्ट मूल्य, उपयोगी जीवन और संपत्ति, संयंत्रऔर उपकरणों के मूल्यह्रास की विधियों की समीक्षा प्रत्येक वित्तीय वर्ष के अंत में की जाती है और यदि उपयुक्त हो तो संभावित रूप से समायोजित किया जाता है।

अमूर्त संपत्तियां अपने व्यक्तिगत अनुमानित उपयोगी जीवन से सीधी रेखा के आधार पर परिमाण की जाती हैं, जो उस तिथि से होती हैं, जो वे उपयोग के लिए उपलब्ध हैं। अवशिष्ट मूल्य, उपयोगी जीवन और परिशोधन के तरीकों की समीक्षा प्रत्येक वित्तीय वर्ष के अंत में समय-समय पर की जाती है।

9. संपत्ति, संयंत्र और उपकरण का निपटान

संपत्ति, संयंत्रऔर उपकरण और प्रारंभिक रूप से मान्यता प्राप्त किसी भी महत्वपूर्ण हिस्से की एक वस्तु निपटान पर मान्यता प्राप्त है या जब इसके उपयोग या निपटान से भविष्य के किसी भी आर्थिक लाभ की उम्मीद नहीं की जाती है। परिसंपत्ति की मान्यता के मुताबिक किसी भी लाभ या हानि का आकलन किया जाता है (परिसंपत्ति का निपटान करने वाली राशि और परिसंपत्ति की वहन राशि के बीच के अंतर के रूप में गणना की जाती है) लाभ और हानि के बयान में शामिल है जब परिसंपत्ति को अस्वीकृत किया जाता है।

10. अनुसंधान और विकास व्यय

(i) अनुसंधान गतिविधि पर व्यय को उसके खर्चे की अवधि के दौरान एक व्यय के रूप में पहचाना जाता है ।

(ii) विकास व्यय (ग्राहक के अनुरोध पर शुरू किए गए विशिष्ट विकास-से-बिक्री अनुबंध और विकास संबंधी परियोजनाओं के अलावा), खर्च किए जाने पर व्यय के रूप में लिया जाता है। विकास-सह-बिक्री अनुबंधों और विकास संबंधी परियोजनाएं जो, ग्राहक के अनुरोध पर शुरू किए जाते हैं पर विकास संबंधी व्यय, अन्य बिक्री अनुबंधों के समान माने जाते हैं।

संयुक्त विकास परियोजनाओं के संबंध में किए गए विकास व्यय, जो विकास साझेदार द्वारा पूरी तरह से प्रतिपूर्ति नहीं किए गए हैं आगे ले जाया जाते है जहां कंपनी को उत्पादन एजेंसी के रूप में नामित किया गया है और भविष्य के आर्थिक लाभ की उम्मीद है।

जहां ऐसी विकास परियोजनाएं ग्राहक आदेश में फलित नहीं होतीं, इस तरह के परियोजनाओं के संबंध में बुक किए गए कुल व्यय को बंद कर दिया जाता है, जो परियोजना बंद है।

(iii) अन्य विकास कार्यों से संबंधित व्यय (बाहरी एजेंसियों के सहयोग के साथ संयुक्त विकास कार्य सहित) जहा अनुसंधान परिणाम एवं अन्य ज्ञान) को नये एवं उन्नत उत्पादों या प्रक्रियाओं के विकास के लिए उपयोग किया गया हो को अमूर्त संपत्ति के रूप में मान्यता दिया जाता है यदि आईएनडी एएस38 में दिए मान्यता मानदंडों के अनुरूप हो और जब यह उम्मीद किया जाता है कि विकसित उत्पाद या प्रक्रिया तकनीकी एवं वाणिज्यक रूप में उपयोगी होगा, कंपनी के पास इसको पूर्ण रूप से विकसित कर इस अमूर्त संपत्ति को उपयोग करने या बिक्री करने के लिए पर्याप्त संसाधन है और वह उत्पाद या प्रक्रिया से पारस्परिक लाभ होने की संभावना है।

(iv) ग्राहक से उद्धरण के लिए अनुरोध के आधार परन लागत न प्रतिबद्धता (एनसीएनसी) परीक्षणों में भाग लेने के लिए विकास संबंधी परियोजनाओं पर किए गए खर्च परीक्षणों के समापन तक आगे किए जाते हैं और प्राप्त होने वाले आदेशों पर परिशोधित कर दिए जाएंगे। यदि ग्राहक का आदेश आगामी नहीं है या परियोजना समाप्त हो जाता है तो इसके उपयोग से अधिक आर्थिक लाभ की उम्मीद की जाती है तो राशि का उपयोग पूंजीकृत हो जाएगा या शुल्क बंद किया जाएगा।

11. तकनीकी जानकारियों पर व्यय

तकनीकी जानकारियों पर किए गए व्यय को खर्च उठाने के बाद लाभ और हानि विवरण के लिए शुल्क लिया जाता है जब तक कि यह अलग से स्वयं या अन्य परिसंपत्तियों / व्ययों के साथ संयोजन पर एक अमूर्त संपत्ति के रूप में मान्यता के लिए उत्तीर्ण नहीं हो जाता है।.

12. निवेश संपत्ति

निवेश संपत्तियों को प्रारंभ में लेनदेन लागत सहित लागत पर मापा जाता है। प्रारंभिक मान्यता के बाद निवेश संपत्तियों को लागत कम संचित अवमूल्यन और संचित हानि के नुकसान, यदि कोई हो, पर मापा जाता है।

13. गैर-वित्तीय परिसंपत्तियों की हानि

कंपनी प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि पर यह मूल्यांकन करती है कि क्या कोई परिसंपत्ति कमजोर होने के कोई संकेत है। अगर कोई संकेत मौजूद है, या जब परिसंपत्ति के लिए वार्षिक हानि जांच की आवश्यकता होती है, तो कंपनी संपत्ति की वसूली योग्य राशि का अनुमान लगाती है। एक परिसंपत्ति की वसूली योग्य राशि उसे माना जाता है जो परिसंपत्ति या नकद-पैदा करने वाली यूनिट (सीसीयू) के उचित मूल्य कम उसके निपटान लागत और उपयोग के दौरान उसके मूल्य से जो भी अधिक हो। एक व्यक्तिगत परिसंपत्ति के लिए पुनर्प्राप्ति योग्य राशि निर्धारित की जाती है जब तक कि परिसंपत्ति द्वारा उत्पन्न नकदी प्रवाह अन्य परिसंपत्तियों या संपत्ति के समूह से उत्पन्न नकदी प्रवाह से अधिकतर स्वतंत्र नही है। जब किसी परिसंपत्ति या सीसीयू की वहन राशि इसकी वसूली योग्य राशि से अधिक हो जाती है, तो परिसंपत्ति को कमजोर माना जाता है और इसको वसूली योग्य राशि में लिखा जाता है।

उपयोग के दौरान मूल्य का आकलन करने में अनुमानित भविष्य के नकदी प्रवाह को उस समय प्रचलित बाज़ार मूल्यांकन को प्रतिबिंबित करने वाले, राशि का मूल्य, और परिसंपत्ति के विशेष जोखिम के साथ उसका उचित मूल्य कम निपटान लागत निर्धारित कर पूर्व कर छूट दरों का उपयोग करके उनके वर्तमान मूल्य को भुनाये जाते है।

हानि के प्रावधान का उत्थान तब किया जाता है जब किसी परिसंपत्ति या कैश जनरेटिंग यूनिट (सीजीयू) की अनुमानित सेवा क्षमता में उस संपत्ति के लिए हानि का आखिरी बार मान्यता प्राप्त तारीख के बाद हुई पुनर्मूल्यांकनसे यह निर्धारित हो कि उपयोग या बिक्री से उसके मूल्य में वृद्धि हुई है।

14. पट्टों

पट्टे को उसकी प्रारंभिक तिथि पर उसे वित्त या प्रचालन पट्टा के रूप में वर्गीकृत की जाती है।

(i) कंपनी को पट्टेदार के रूप में

वित्त पट्टों को उनकी उचित मूल्य या पट्टे के प्रारंभ पर न्यूनतम पट्टा भुगतान के वर्तमान मूल्यमें से कम पर पूंजीकृत किया जाता है ।

ऑपरेटिंग लीज भुगतान को पट्टा अवधि पर सीधे-सीधे आधार पर लाभ और हानि के विवरण में एक खर्चे के रूप में

पहचाना जाता है, सिवाय जब लीज भुगतान सामान्य मुद्रास्फीति के अनुसार बढ़ा है या अन्यथा उचित है।

(ii) कंपनी को एक लीसर के रूप में

ऑपरेटिंग लीज आय लीज़ टर्म पर सीधे रेखा के आधार पर मान्यता प्राप्त है, सिवाय इसके कि जब सामान्य मुद्रास्फीति या अन्यथा उचित होने की वजह से वृद्धि होती है। आकस्मिक किराए, अगर कोई हो, की अवधि में राजस्व के रूप में पहचाना जाता है जिसमें वे अर्जित किए जाते हैं।

वित्त पट्टे के मामले में, पट्टेदारों के मुकाबले राशि, प्राप्य के रूप में दर्ज की जाती है क्योंकि पट्टे पर कंपनी का शुद्ध निवेश। वित्त पट्टा आय लेखा अवधि के लिए आवंटित की जाती है ताकि पट्टे के संबंध में बकाया शुद्ध निवेश पर रिटर्न की लगातार आवधिक दर को दर्शाया जा सके।

15. उधार लेने की लागत

ऐसी परिसंपत्ति जिसके इच्छित उपयोग या बिक्री हेतु तैयारी में पर्याप्त समय लग रहा हों के अधिग्रहण, निर्माण या उत्पादन के लिए प्रत्यक्ष रूप से उधार लेने वाली लागत को उस परिसंपत्ति की लागत के हिस्से में पूंजीकृत किया जाता है। सामान्य उधार लेने की लागत को योग्य परिसंपत्तियों में उस संपत्ति पर व्यय के लिए पूंजीकरण दर को लागू करके पूंजीकृत किया जाता है। पूंजीकरण दर विशिष्ट उधारों को छोडकर सामान्य उधार के लिए लागू उधार लेने की लागत का भारित औसत है। अन्य सभी उधार लेने की लागत संबंधित अवधि में लिए जाते है। एक इकाई द्वारा धन उदार लेने पर लागु ब्याज और अन्य लागतें उधार व्यय माने जाते है। उधार लेने की लागतों को समायोजन के रूप में माना जाने वाले हद तक विनिमय अंतर भी उधार लेने की लागत में शामिल किए जाते है।

16. सरकारी अनुदान

सरकार से अनुदान उचित मूल्य पर मापा जाता है और शुरू में निर्धारित आय के रूप में मान्यता प्राप्त है।

अचल आस्थि के अधिग्रहण के कारण आस्तगित आय में उपलब्ध राशि को संबंधित आस्थि का ह्रास मूल्य के अनुपात में अधिग्रहण के लिए उपयोग किए जाने वाले सरकारी अनुदानों तक सीमित करते हुए लाभ और हानि विवरण में स्थानांतरित किया जाता है।

रजस्व व्यय के कारण आस्तगित आय में उपलब्ध राशि को कुल मंजूर लागत और निधीकरण के अनुपात अनुमान के अनुसार व्यय और सरकारी अनुदान तक सीमित रखते हुए वहित लाभ और हानि विवरण में स्थानांतरित किया जाता है।

17. संयुक्त उद्यम और सहसदस्यों में निवेश

कम्पनी अपने सहयोगियों और संयुक्त उद्यमों में अपने हितों को लागत के अनुसार अलग-अलग वित्तीय विवरण में दर्शाता है।

18. वस्तु सूचियां

प्रयोज्य रद्दी को छोडकर कंपनी के सभी वस्तु सूचियां मूल्य या निवल वसूली योग्य मूल्य में से कम पर मूल्यित किए जाते है। रद्दी अनुमानित निवल प्राप्य मूल्य पर मूल्यित किया जाता है। सामग्री की लागत का भारित औसत लागत सूत्र का उपयोग करके पता लगाया जाता है।

कार्य प्रगति और तैयार माल की लागत में सामग्री, प्रत्यक्ष श्रम और उपयुक्त उपरी प्रभार शामिल हैं। कारखानों में तैयार किए गए सामानों में लागू उत्पाद शुल्क शामिल है। वस्तु सूचियों के लिए पर्याप्त प्रावधान किया जाता है जो पांच वर्ष से अधिक पुराना हो, जो आगे उपयोग के लिए आवश्यक नहीं हो सकता है।

19. आय कर

आयकर में मौजूदा और स्थगित कर शामिल हैं।

(i) वर्तमान कर

वर्तमान कर परिसंपत्तियां और देनदारियां कराधान प्रधिकारियों से अपेक्षित वसूली की या भुगतान की राशि पर मापे जाते है।

राशि की गणना करने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली कर की दरें और कर कानून उन रिपोर्टिंग तारीखों पर अधिनियमित या मूल रूप से अधिनियमित होते हैं। इक्विटी में सीधे मान्यता प्राप्त वस्तुओं से संबंधित वर्तमान कर इक्विटी में मान्यता प्राप्त है और लाभ और हानि के विवरण में नहीं।

(ii) आस्थगित कर

आस्थगित कर रिपोर्टिंग तिथि पर वित्तीय रिपोर्टिंग प्रयोजनों के लिए परिसंपत्तियों और देनदारियों के कर आधारों के बीच अस्थायी अंतर और उनकी आगे लाई गई राशि के साथ बैलेंस शीट विधि का उपयोग करके प्रदान किया जाता है।

आस्थगित कर संपत्ति सभी घटाया अस्थायी अंतर, आगे लाए गए अप्रयुक्त कर क्रेडिट, और किसी भी अप्रयुक्त कर हानियों के लिए मान्यता प्राप्त है उस सीमा तक यह संभव है कि कर योग्य लाभ उपलब्ध होगा, जिसके साथ कम से कम अस्थायी अंतर का उपयोग किया जा सकता है।

आस्थगित कर परिसंपत्तियों की मात्रा प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि पर समीक्षा की जाती है और इस हद तक कम हो जाती है कि यह अब संभव नहीं है कि आस्थगित कर संपत्ति के सभी या हिस्से का उपयोग करने के लिए पर्याप्त कर योग्य लाभ उपलब्ध होगा।

20. वारंटियों के लिए प्रावधान

निष्पादन की गारंटी और प्रति सामान / बेची गई वस्तुओं की मरम्मत के कारण व्यय का प्रावधान प्रवृत्ति आधारित अनुमानों के आधार पर किया जाता है।

21. विदेशी मुद्राएं

विदेशी मुद्राओं में लेन-देन शुरू में कंपनी द्वारा अपने संबंधित मुद्रा विनिमय दरों पर लेन-देन को पहले मान्यता के लिए उत्तीर्ण करने के लिए दर्ज किया जाता है। रिपोर्टिंग तिथि पर कार्यात्मक मुद्रा विनिमय दर में विदेशी मुद्राओं में निहित मौद्रिक संपत्ति और देनदारियों का अनुवाद किया जाता है मौद्रिक वस्तुओं के निपटान या अनुवाद पर होने वाले अंतर लाभ और हानि विवरण में पहचाने जाते हैं। गैर-मौद्रिक आइटम जो कि विदेशी मुद्रा में ऐतिहासिक लागत के अनुसार मापा जाता है, प्रारंभिक लेन-देन की तारीखों पर कार्यात्मक मुद्रा विनिमय दर का उपयोग करके अनुवाद किया जाता है।

22. कर्मचारी लाभ

(i) संबंधित सेवाओं को प्रतिपादन के लिए पूरी तरह से बारह महीनों के भीतर देय सभी कर्मचारी लाभ अल्पावधि कर्मचारी लाभ के रूप में वर्गीकृत किए जाते हैं और उनमे मुख्य रूप से शामिल हैं (ए) मजदूरी और वेतन; (बी) अनुपस्थिति की अल्पकालिक मुआवजे; (सी) लाभ-शेयरिंग, प्रोत्साहन और बोनस और (घ) गैर-मौद्रिक लाभ जैसे कि चिकित्सा देखभाल, सब्सिडी वाले परिवहन, कैंटीन सुविधाएं आदि, जो कि गैर बुनावट आधार पर निर्धारित है और संबंधित सेवाओं की अवधि के दौरान मान्यता प्राप्त है।

(ii) दीर्घावधिक मुआवजा अनुपलब्धता जैसे कि वार्षिक छुट्टी, सिक लीव और आधा वेतन छुट्टी निर्धारित वार्षिक दायित्व के वर्तमान मूल्य के आधार पर अनुमानित आधार के आधार पर निर्धारित होता है, जो अनुमानित यूनिट क्रेडिट विधि का उपयोग करते हैं और बैलेंस शीट में निहित प्रावधान का।

(iii) दीर्घावधिक मुआवजा अनुपलब्धता जैसे कि वार्षिक छुट्टी, सिक लीव और आधा वेतन छुट्टी निर्धारित वार्षिक दायित्व के वर्तमान मूल्य के आधार पर अनुमानित आधार के आधार पर निर्धारित होता है, जो अनुमानित यूनिट क्रेडिट विधि का उपयोग करते हैं और बैलेंस शीट में निहित प्रावधान का।

(iv) बीईएल सेवानिवृत्त कर्मचारी अंशदायी स्वास्थ्य योजना (बीइआरईसीएचएस) के तहत वृद्धिशील दायित्व, प्रति वर्ष अनुमानित यूनिट क्रेडिट विधि का उपयोग करके बीमित वर्ग के आधार पर निर्धारित किया जाता है और इसके लिए प्रदान किया जाता है।

(v) प्रत्येक वर्ष जनवरी के अंत में कर्मचारियों के संदर्भ में वर्ष के लिए बीमांकिक देयता निर्धारित की जाती है।

(vi) बीमांकिक लाभ और हानि और योजना की परिसंपत्तियों (ब्याज को छोड़कर) पर रिटर्न और संपत्ति की अधिकतम सीमा का प्रभाव (यदि कोई हो, ब्याज को छोड़कर), अन्य व्यापक आय (ओसीआई) में तुरंत मान्यता प्राप्त है। शुद्ध परिभाषित देयता (परिसंपत्तियों) पर शुद्ध ब्याज व्यय की गणना की गई छूट दर लागू करने के लिए, शुद्ध परिभाषित देयता (परिसंपत्ति) को मापने के लिए, निर्धारित अवधि के बाद वित्तीय वर्ष की शुरुआत में शुद्ध परिभाषित देयता (संपत्ति) वर्ष के दौरान योगदान और लाभ भुगतान के परिणामस्वरूप किसी भी परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए निवल ब्याज व्यय और परिभाषित लाभ योजना से संबंधित अय व्यय लाभ और हानि के वक्तव्य में पहचाने जाते हैं।

जब किसी योजना का लाभ बदल जाता है या जब कोई योजना कम हो जाती है, तो पिछली सेवा से संबंधित लाभ में परिणामी परिवर्तन या कटौती पर लाभ या हानि लाभ और हानि के वक्त में तुरंत पहचान की जाती है।

(vii) स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लाभों का भुगतान होने पर आय पर राजस्व का भुगतान किया जाता है।

(viii) निश्चित अंशदान योजना

कंपनी अपने कर्मचारियों के लिए कर्मचारी पेंशन योजना और अधिशेष पेंशन योजना संचालित करती है जिन्हें परिभाषित योगदान योजना के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। परिभाषित योगदान योजनाओं के लिए, कंपनी कर्मचारियों के वेतन के एक निश्चित प्रतिशत पर स्वतंत्र रूप से प्रशासित निधि में योगदान देता है। इन योगदानों को लाभ और हानि के बयान में दर्ज किया गया है। कंपनी की देनदारी इन फंडों के लिए किए गए योगदान की सीमा तक ही सीमित है ।

23. प्रावधान और आकस्मिक देयताएं

पिछली घटना के परिणामस्वरूप कंपनी की वर्तमान दायित्व (कानूनी या रचनात्मक) होने पर प्रावधानों को मान्यता दी जाती है, यह संभावित है कि आर्थिक लाभों में शामिल संसाधनों का बहिर्वाह को दायित्व को व्यवस्थित करने के लिए आवश्यक होगा और एक विश्वसनीय अनुमान बनाया जा सकता है दायित्व की राशि जब कंपनी को कुछ या सभी प्रावधानों की प्रतिपूर्ति की उम्मीद है, उदाहरण के लिए, बीमा अनुबंध के तहत, प्रतिपूर्ति एक अलग संपत्ति के रूप में मान्यता प्राप्त है, लेकिन केवल जब प्रतिपूर्ति लगभग निश्चित है। प्रावधान से संबंधित व्यय किसी भी प्रतिपूर्ति के मुनाफे और हानि के विवरण में प्रस्तुत किया गया है।

कंस्ट्रक्शन अनुबंधों के अलावा अन्य कई ठेके के लिए प्रावधान किया जाता है, जब संविदा से कंपनी द्वारा प्राप्त होने वाले अपेक्षित लाभ संविदा के तहत अपने दायित्वों को पूरा करने की अपरिहार्य लागत से कम होते हैं। प्रावधान ठेका समाप्त होने की उम्मीद की लागत के नीचे के वर्तमान मूल्य और अनुबंध के साथ जारी रखने की उम्मीद की शुद्ध लागत से मापा जाता है। एक प्रावधान स्थापित होने से पहले, कंपनी उस अनुबंध से जुड़ी परिसंपत्तियों पर कोई हानि पहचानती है।

यदि धन के समय मूल्य का प्रभाव सामग्री है, प्रावधान मौजूदा कर-दर की दर का उपयोग करके छूट दी जाती है जो दर्शाता है, जब उपयुक्त हो, तो दायित्व के लिए विशिष्ट जोखिम। जब छूट का उपयोग किया जाता है, समय के पारित होने के कारण प्रावधान में वृद्धि वित्त लागत के रूप में मान्यता प्राप्त है।

24. नकद प्राप्ति विवरण

नकद प्रवाह का विवरण आईएनडी एएस 7 में निर्धारित अप्रत्यक्ष विधियों के अनुसार तैयार किया गया है।

25. उचित मूल्य मापन

कंपनी कुछ वित्तीय साधनों को उपार्जन करती है, जैसे कि डेरिवेटिव और अन्य आइटम्स जिसमें प्रत्येक बैलेंस शीट की तारीख पर उचित वक्तव्य में वित्तीय वक्तव्य होते हैं।

सभी संपत्तियां और देनदारियों जिसके लिए उचित मूल्य को वित्तीय विवरणों में मापा या खुलासा किया गया है, वे निम्नतम स्तर इनपुट के आधार पर उचित मूल्य पदानुक्रम के भीतर वर्गीकृत किए जाते हैं जो पूरे के रूप में उचित मूल्य माप के लिए महत्वपूर्ण है -

स्तर 1 - समान संपत्ति या देनदारियों के लिए सक्रिय बाजारों में उद्धृत कीमतों (बिना समायोजित)।

स्तर 2 - उद्धृत कीमतों के अलावा अन्य 1 इनपुट के भीतर शामिल है जो परिसंपत्ति या दायित्व के लिए प्रत्यक्ष रूप से देखा जाता है, या तो सीधे (जैसे कि कीमतों के रूप में) या अप्रत्यक्ष रूप से (अर्थात कीमतों से व्युत्पन)

स्तर 3 - परिसंपत्तियों या देनदारियों के लिए इनपुट, जो कि अवलोकन योग्य बाज़ार डेटा (अप्रभावित इनपुट) पर आधारित नहीं हैं।

26. वित्तीय परिसंपत्तियां

(i) प्रारंभिक मान्यता और मापन

सभी वित्तीय परिसंपत्तियां शुरू में उचित मूल्य पर मान्यता प्राप्त हैं वित्तीय परिसंपत्तियों के मामले में उचित मूल्य पर लाभ या हानि के माध्यम से दर्ज नहीं किया जाता है, लेनदेन की लागत वित्तीय परिसंपत्ति के अधिग्रहण के कारण होती है जो परिसंपत्ति की लागत में शामिल होती है।

(ii) बाद के मापन

बाद के माप के उद्देश्यों के लिए, वित्तीय परिसंपत्तियों को चार श्रेणियों में वर्गीकृत किया जाता है:

- परिमाणीकृत लागत पर मापा ऋण साधन,
- अन्य व्यापक आय (एफवीटीओसीआई) के माध्यम से उचित मूल्य पर मापा ऋण साधन,
- लाभ या हानि (एफवीटीपीएल) के माध्यम से उचित मूल्य पर मापा ऋण साधन, डेरिवेटिव और इक्विटी इंस्ट्रूमेंट्स,
- अन्य व्यापक आय (एफवीटीओसीआई) के माध्यम से उचित मूल्य पर मापा इक्विटी उपकरणों।

(iii) डीरिकग्निशन

किसी वित्तीय परिसंपत्ति या किसी वित्तीय परिसंपत्ति का हिस्सा अस्वीकृत हो जाता है, जब परिसंपत्ति से नकदी प्राप्ति प्राप्त करने के अधिकार की समय सीमा समाप्त हो गई है।

(iv) व्यापार और अन्य प्राप्य

प्राप्य प्रारम्भ में उचित मूल्य पर पहचाना जाता है, जो ज्यादातर मामलों में मामूली मूल्य का अनुमान लगाता है। अगर कोई भी संकेत है कि उन संपत्तियों को कमजोर किया जा सकता है, तो वे हानि के लिए समीक्षा की जाती हैं।

27. अग्रेषित संविदा

कंपनी अपने विदेशी मुद्रा जोखिमों को हेज करने के लिए आगे की मुद्रा अनुबंधों जैसे व्युत्पन वित्तीय साधनों का उपयोग करती है। इस तरह के व्युत्पन वित्तीय साधनों की शुरुआत उस तारीख को उचित मूल्य पर की जाती है जिस पर एक व्युत्पन अनुबंध दर्ज किया जाता है और बाद में उचित मूल्य पर फिर से मापा जाता है। डेरिवेटिव को वित्तीय संपत्ति के रूप में लिया जाता है जब उचित मूल्य सकारात्मक होता है और वित्तीय देनदारियों के रूप में उचित मूल्य नकारात्मक होता है।

28. एम्बेडेड व्युत्पन

एम्बेडेड व्युत्पन, यदि आवश्यक हो, मेजबान अनुबंध से अलग होकर उचित मूल्य पर मापा जाता है।

29. नकद और नकद समतुल्य

नकद में नकदी के हाथ और मांग जमा शामिल हैं नकद समतुल्य तीन महीने या उससे कम की मूल परिपक्वता के साथ अल्पकालिक अत्यधिक तरल निवेश है जो नकदी की ज्ञात मात्रा में आसानी से परिवर्तनीय है, जो कि मूल्य में परिवर्तन का एक तुच्छ जोखिम है।

बैंक ओवरड्राफ्ट, यदि कोई हो, बैलेंस शीट में वर्तमान देनदारियों के तहत उधार के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

30. वित्तीय परिसंपत्तियों की हानि

इंड-एएस 109 के मुताबिक, कंपनी अनुमानित क्रेडिट हानि (ईसीएल) मॉडल को मापने और क्रेडिट जोखिम जोखिम वाले वित्तीय परिसंपत्तियों पर हानि की हानि की पहचान करती है।

क) समय पर सरकारी / सरकारी विभागों / सरकारी कंपनियों से बकाया राशि को सामान्य तौर पर ऐसे वित्तीय परिसंपत्तियों के क्रेडिट जोखिम में वृद्धि के रूप में नहीं माना जाता है।

ख) कानूनी कार्यवाही में जहां देय राशि विवादित होती है, वहां प्रावधान किया जाता है अगर कोई निर्णय कंपनी के खिलाफ दिया जाता है, भले ही वह उच्च अधिकारियों / न्यायालयों के लिए अपील पर हो।

ग) समय की महत्वपूर्ण अवधि के लिए बकाया बकाया की समीक्षा की जाती है और केस के आधार पर मामले पर प्रावधान किया जाता है।

हानि भत्ता (या उत्क्रमण) लाभ / हानि के बयान में व्यय / आय के रूप में पहचाना जाता है।

31. वित्तीय देयताएं

(i) प्रारंभिक मान्यता और मापन

वित्तीय देनदारियों को प्रारंभिक रूप से, जैसा उपयुक्त हो, ऋण, उधार, देनदार या डेरिवेटिव के रूप में लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर वर्गीकृत किया जाता है ।

ऋण, उधार और देनदारी, लेनदेन लागत का शुद्ध कहा जाता है जो उनसे प्रत्यक्ष रूप से श्रेय देते हैं।

(ii) बाद के मापन

वित्तीय देनदारियों का माप उनके वर्गीकरण पर निर्भर करता है, जैसा कि नीचे वर्णित है -

लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर वित्तीय देयताएं -

लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर वित्तीय देनदारियों में लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य के रूप में प्रारंभिक मान्यता पर दी गई वित्तीय देयताएं शामिल हैं। इस श्रेणी में कंपनी द्वारा दर्ज डेरिवेटिव फाइनेंशियल इंस्ट्रूमेंट्स भी शामिल हैं, जिन्हें इंड-एएस 109 में परिभाषित हेजिंग रिजर्व में हेजिंग इंस्ट्रूमेंट के रूप में निर्दिष्ट नहीं किया गया है। अलग-अलग एम्बेडेड डेरिवेटिव्स को भी व्यापार के लिए आयोजित किया जाता है, जब तक उन्हें प्रभावी हेजिंग इंस्ट्रूमेंट नहीं कहा जाता है। लाभ और हानि के बयान में व्यापार के लिए रखी गई देयताओं पर लाभ या हानि पहचाने जाते हैं।

(iii) ऋण और उधार

प्रारंभिक मान्यता के बाद, प्रभावी ब्याज दर पद्धति (ईआईआर) का उपयोग करते हुए ब्याज-आधारित ऋण और उधार को परिशोधित लागत पर मापा जाता है। लाभ और हानि को लाभ या हानि के रूप में पहचाना जाता है जब देनदारियों को मान्यता दी जाती है और साथ ही (ईआईआर) परिशोधन प्रक्रिया के माध्यम से।

देनदारी के तहत दायित्व का निर्वहन या रद्द या समाप्त होने पर वित्तीय देयता को मान्यता दी जाती है।

(iv) व्यापार और अन्य भुगतान

देयताएं भविष्य में माल या सेवाओं के लिए भुगतान की गई राशि के लिए मान्यता प्राप्त हैं, चाहे वे आपूर्तिकर्ता द्वारा बिल किए गए हों या नहीं ।

32. वित्तीय साधनों का पुनः वर्गीकरण

कंपनी प्रारंभिक मान्यता पर वित्तीय संपत्तियों और देनदारियों का वर्गीकरण निर्धारित करती है। प्रारंभिक मान्यता के बाद, वित्तीय

परिसंपत्तियों के लिए कोई पुनर्वितरण नहीं किया जाता है जो इक्विटी उपकरण और वित्तीय देनदारियां हैं। वित्तीय साधनों के लिए जो ऋण के साधन हैं, एक पुनर्वैच्छिकरण केवल तभी किया जाता है जब उन परिसंपत्तियों के प्रबंधन के लिए व्यापार मॉडल में बदलाव होता है अगर कंपनी वित्तीय परिसंपत्तियों को पुनर्व्यवस्थित करती है, तो यह पुनर्विकरण पर संभावित रूप से लागू होता है।

33. वित्तीय प्रलेखों का ऑफसेटिंग

वित्तीय परिसंपत्तियों और वित्तीय देयताएँ ऑफसेट हैं और तुलन-पत्र में शुद्ध राशि की सूचना दी जाती है यदि वर्तमान में मान्यता प्राप्त राशियों को ऑफसेट करने का अधिकार है और निवल आधार पर समझौता करने, संपत्ति का एहसास करने और देनदारियों का निपटान करने का इरादा है एक साथ।

34. इक्विटी धारकों को नकद लाभांश और गैर-नकद वितरण

कंपनी को इक्विटी धारकों को नकद या गैर नकद वितरण बनाने की जिम्मेदारी है जब वितरण अधिकृत है और वितरण कंपनी के विवेक पर अब नहीं है।

35. त्रुटियां और अनुमान

यदि भा.ले.मा. में परिवर्तन के कारण परिवर्तन की आवश्यकता होती है और वित्तीय विवरणों के उपयोगकर्ताओं को अधिक प्रासंगिक और विश्वसनीय जानकारी प्रदान करेगी तो कंपनी इसे लेखा नीतियों को संशोधित करती है। लेखा नीतियों में परिवर्तन पूर्वव्यापी रूप से लागू होते हैं ।

लेखा अनुमान में बदलाव, जिसके परिणामस्वरूप मान्यता प्राप्त परिसंपत्तियों या देयताएं की मात्रा में परिवर्तन या लाभ और हानि का ब्यौरा परिवर्तन की अवधि (ओं) में संभावित रूप से लागू किया जाता है।

भौतिक त्रुटियों की खोज से पिछली पूर्व अवधि की संपत्ति, देयताएं और इक्विटी की तुलनात्मक रूप से संशोधन की गई है, जिसमें त्रुटि की खोज की गई है। प्रस्तुत किए गए शुरुआती काल के शुरुआती शेष को भी पुनः विश्राम किया गया है।

36. प्रति शेयर अर्जन

कंपनी अपने साधारण शेयरों के लिए मूल एवं परिवर्तन प्रति शेयर अर्जन डेटा दर्शाती है। प्रति शेयर मूल आय की गणना कंपनी के साधारण इक्विटी धारकों के लिए लाभ या हानि को विभाजित करके सामान्य शेयरधारकों की भारित औसत संख्या द्वारा, उस समय के दौरान बकाया साधारण शेयरों से की जाती है, जो अपने शेयरों के लिए समायोजित होते हैं। परिवर्तित प्रति शेयर अर्जत कमाई सामान्य इक्विटी धारकों के लिए मुनाफे या हानि का समायोजन करके और बकाया साधारण शेयरों की वेटेड औसत संख्या, सभी शेयरों के लिए समायोजित, सभी पतली संभावित साधारण शेयरों के प्रभावों के लिए निर्धारित करके निर्धारित की जाती है।

37. रिपोर्टिंग अवधि के बाद की घटनाएं

घटनाओं को समायोजित करना ऐसी घटनाएं हैं जो रिपोर्टिंग अवधि के अंत में मौजूद स्थितियों के आगे सबूत प्रदान करते हैं। इस मुद्दे के लिए प्राधिकरण से पहले वित्तीय विवरणों को इस तरह की घटनाओं के लिए समायोजित किया जाता है।

गैर-समायोजन घटनाएं ऐसी घटनाएं हैं जो रिपोर्टिंग अवधि के अंत तक उठो वाली स्थिति के संकेतक हैं। रिपोर्टिंग की तारीख के बाद गैर-समायोजन कार्यक्रमों का हिसाब नहीं किया गया है, लेकिन किया गया है।

यथा दिनांक रिपोर्ट के अनुसार संलग्न है ।

कृते **बदरी, मधुसूदन एंड श्रीनिवासन**
सनदी लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 005389एस

एस. राजेंद्रन
साझेदार
सदस्यता सं. 021883

बेंगलूर
29 मई 2017

एस वी गौतमा
अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक

डॉ. अजित कलघटगी
निदेशक (अनुसंधान एवं विकास)

कोशी अलेक्जाण्डर
मुख्य वित्तीय अधिकारी

एस श्रीनिवास
कंपनी सचिव

समेकित वित्तीय विवरण

स्वतंत्र लेखा परीक्षकों का प्रतिवेदन

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के सदस्यों के लिए

समेकित भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरणों पर प्रतिवेदन

हमने **भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड** ("धारक कंपनी"), उसकी सहायक कंपनियों (धारक कंपनी और उसकी सहायक कंपनियों को "समूह" कहा गया है), तथा संयुक्त रूप से नियंत्रित स्वत्वों के संलग्न समेकित वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा की है जिसमें यथा 31 मार्च 2017 का समेकित तुलन-पत्र, उसी दिनांक को समाप्त वर्ष के लिए लाभ व हानि का समेकित विवरण तथा समेकित नकदी प्राप्ति विवरण और वर्ष अंत के लिए ईक्विटी में परिवर्तन का विवरण और उल्लेखनीय लेखा नीतियों का सार तथा अन्य व्याख्यात्मक सूचनाएँ (इससे समेकित भा.ले.मा. वित्तीय विवरण से संबंधित) शामिल हैं ।

समेकित भारतीय ले.मा. वित्तीय विवरण के लिए प्रबंधन का उत्तरदायित्व -

धारक कंपनी का निदेशक मंडल कंपनी अधिनियम, 2013 की अपेक्षाओं के परिप्रेक्ष्य में इन समेकित वित्तीय विवरण जो अधिनियम की धारा 133 जिसे कंपनी (लेखा) नियम, 2013 एवं धारा 133 के तहत निर्दिष्ट समेकित भारतीय ले.मा. वित्तीय विवरण (वित्तीय स्थिति), लाभ एवं हानि (वित्तीय कार्य-निष्पादन तथा अन्य व्यापक आय सहित), नकदी प्राप्ति विवरण एवं कंपनी के साम्या में परिवर्तन, भारत में सामान्य रूप से स्वीकृत लेखा सिद्धांतों के अनुसार एवं भारतीय लेखा मानकों (भा.ले.मा.) की सच्ची और सही स्थिति प्रदान करते हैं, को तैयार करने के लिए उत्तरदायी है ।

समूह तथा संयुक्त रूप से नियंत्रित स्वत्वों में शामिल कंपनियों के संबंधित निदेशक मंडल समूह तथा संयुक्त रूप से नियंत्रित स्वत्वों की परिसंपत्तियों की रक्षा करने के लिए और धोखाधड़ी तथा अन्य अनियमितताओं की रोकथाम करने और उनका पता लगाने के लिए; उचित लेखा नीतियों का चयन करने और उन्हें लागू करने; ऐसे निर्णय तथा प्राक्कलन करने जो उचित एवं दूरदर्शी हों; और ऐसे उचित आंतरिक वित्तीय नियंत्रण बनाने, उन्हें कार्यान्वित करने और रखने के लिए जो ऐसे वित्तीय विवरणों को तैयार करने और प्रस्तुत करने के संगत लेखा अभिलेखों की सटीकता और संपूर्णता सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी रूप से प्रचालित थे, जो सच्ची तथा सही स्थिति प्रदान करते हैं और भौतिक मिथ्याकथनों, कपट या त्रुटि, से मुक्त हैं, जिनका उपयोग यथोक्त धारक कंपनी के निदेशकों द्वारा समेकित भा.ले.मा. वित्तीय विवरणों के तैयार करने के प्रयोजनार्थ किया गया है, के लिए उत्तरदायी है ।

लेखा परीक्षक का उत्तरदायित्व

हमारी लेखा परीक्षा के आधार पर इन समेकित भा.ले.मा. वित्तीय विवरणों पर अपने विचार व्यक्त करना हमारा उत्तरदायित्व है । यह लेखा परीक्षा करते समय, हमने अधिनियम के प्रावधानों, लेखा एवं लेखा परीक्षा के मानकों तथा मामलों को ध्यान में रखा है जिन्हें अधिनियम तथा उसके तहत बनाए गए नियमों के प्रावधानों के तहत इस लेखा परीक्षा रिपोर्ट में शामिल करना आवश्यक है ।

हमने अपनी लेखा परीक्षा अधिनियम की धारा 143(10) के तहत निर्दिष्ट लेखा परीक्षा के मानकों के अनुसार की है । इन मानकों में यह अपेक्षा की जाती है कि हम नैतिक अपेक्षाओं का पालन करते हैं और समेकित भा.ले.मा. वित्तीय विवरण भौतिक अवास्तविक कथन से मुक्त हैं या नहीं, इसका औचित्यपूर्ण आश्वासन प्राप्त करने के लिए लेखा परीक्षा की योजना और निष्पादन करते हैं ।

लेखा परीक्षा में समेकित भा.ले.मा. वित्तीय विवरणों में उल्लिखित राशियों और प्रकटणों के बारे में लेखा परीक्षा का साक्ष्य प्राप्त करने के लिए निष्पादनीय प्रक्रियाएँ शामिल हैं । चयनित प्रक्रियाएँ समेकित भा.ले.मा. वित्तीय विवरणों के भौतिक अवास्तविक कथन, छल या त्रुटि के कारण, की जोखिमों का मूल्यांकन सहित,लेखा परीक्षक के निर्णय पर निर्भर करती हैं । ऐसे जोखिम मूल्यांकन करने में, लेखा परीक्षक धारक कंपनी के समेकित भा.ले.मा. वित्तीय विवरणों को तैयार करने के संगत ऐसे आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर विचार करते हैं जो ऐसी लेखा परीक्षा प्रक्रियाओं का अभिकल्प तैयार करने के लिए सच्ची और सही स्थिति प्रदान करते हैं जो परिस्थितियों के अनुकूल हैं लेकिन यह विचार व्यक्त करने के उद्देश्य से अनुकूल नहीं है कि धारक कंपनी में वित्तीय रिपोर्टिंग के लिए पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली विद्यमान है और ऐसे नियंत्रण प्रभावी ढंग से प्रचालित हैं । लेखा परीक्षा में प्रयुक्त लेखा नीतियों की उपयुक्तता का मूल्यांकन करना और समेकित भा.ले.मा. वित्तीय विवरणों के समग्र प्रस्तुतीकरण का मूल्यांकन करने के साथ-साथ धारक कंपनी के निदेशक मंडल द्वारा किए गए लेखा प्राक्कलनों की औचित्यता का मूल्यांकन करना भी शामिल है ।

हमारा विश्वास है कि हमारे द्वारा प्राप्त लेखा परीक्षा का साक्ष्य तथा अन्य लेखा परीक्षकों द्वारा प्राप्त साक्ष्य जो नीचे दिए गए अय मामले नामक अनुच्छेद के उप-अनुच्छेद (क) में संदर्भित उनकी रिपोर्ट के संबंध में हैं, समेकित भा.ले.मा. वित्तीय विवरणों पर हमारी लेखा परीक्षा का आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और समुचित है ।

विचार

हमारे विचार से तथा जहाँ तक हमारी जानकारी है और हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार, उपर्युक्त समेकित भा.ले.मा. वित्तीय विवरण अधिनियम द्वारा अपेक्षित सूचनाएँ यथा आवश्यक ढंग से प्रदान करते हैं और भारत में, भा.ले.मा. सहित सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों के अनुरूप सच्ची और सही स्थिति प्रदान करते हैं ।

क) समेकित तुलन पत्र के मामले में, यथा 31 मार्च 2017 को समूह एवं उनके सहायक कंपनी के कार्य-कलाप;

ख) समेकित लाभ व हानि के विवरण के मामले में, उस तिथि पर समाप्त वर्ष के लिए लाभ (अन्य व्यापक आय सहित वित्तीय कार्य-निष्पादन) ; तथा

ग) समेकित नकदी प्राप्ति विवरणी एवं साम्या में परिवर्तन विवरणी के मामले में, उस तिथि पर समाप्त वर्ष की नकदी प्राप्ति एवं साम्या में परिवर्तन।

अन्य मामले

(क) समेकित भा.ले.मा. वित्तीय विवरण में समाहित 31 मार्च 2016 को समाप्त हुए वर्ष के लिए समूह एवं उनके सहायक कंपनी की तुलनात्मक वित्तीय जानकारी तथा संक्रमण तिथि 1 अप्रैल 2015 तक की प्रारम्भिक तुलन-पत्र, कंपनी के अनुसार तैयार पहले जारी किए गए वैधानिक वित्तीय विवरणों पर आधारित हैं जो कि कंपनी के (लेखा मानक) नियम, 2006 का लेखा परीक्षित है, जिसकी रिपोर्ट 31 जुलाई 2016 और 31 मार्च 2015 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए 15 जुलाई 2016 और 29 मई 2015 के क्रमशः उन समेकित वित्तीय विवरणों पर एक अघोषित राय है, जैसा कि लेखां में अंतर के लिए समायोजित भा.ले.मा. को संक्रमण के रूप में कंपनी द्वारा अपनाया गया सिद्धांत, जो हमारे द्वारा लेखापरीक्षित किया गया है। (दो सहायक कंपनियों और एक संयुक्त कंपनी संबंध में 31 मार्च 2016 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनात्मक वित्तीय जानकारी और यथा 1 अप्रैल 2015 को परिवर्तन दिनांक के तुलन पत्र को समेकित भा.ले.मा. वित्तीय विवरण में शामिल किया गया हैं, जो भा.ले.मा.के अनुसार तैयार किए गए हैं जिन्हें हमारे भरोसे के आधार पर अन्य लेखा परीक्षरों द्वारा लेखा परीक्षा किया गया है ।)

(ख) हमने दो सहायक कंपनी बीईएल ऑप्ट्रॉनिक डिवाईज लिमिडेट एवं बीईएल थेलेस सिस्टम लिमिटेड और एक संयुक्त कंपनी जीईबीई प्राइवेट लिमिटेड के भा.ले.मा. वित्तीय विवरणी का लेखा परीक्षा नहीं किया है ।

सहायक कंपनी के वित्तीय विवरण यथा 31 मार्च 2017 को ₹ 51,067 लाख की कुल परिसंपत्तियों तथा उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए ₹ 14,913 लाख के कुल आय तथा ₹ 1,898 लाख का निवल नकदी बहिर्गमन दर्शाते हैं, जैसा कि समेकित भा.ले.मा. वित्तीय विवरणों में बताया गया है । इन समेकित भा.ले.मा. वित्तीय विवरणों में सहायक कंपनी बीईएल थेलेस सिस्टम्स लिमिटेड के ₹ 82 लाख की हानि को समायोजित करने के बाद, समूह के 31 मार्च 2017 को समाप्त वर्ष के उसके हिस्से के ₹ 335 लाख के निवल लाभ (अन्य व्यापक आय सहित) भी शामिल हैं, जैसा कि समेकित वित्तीय विवरणों में बताया गया है और जिनके वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा हमारे द्वारा नहीं की गई है।

वित्तीय विवरणों के रूप में समेकित भा.ले.मा. 18,387 लाख रुपये के एसोसिएट की इक्विटी पद्धति के तहत निवेश की संपत्ति को दर्शाता है और इसमें 2634 लाख रुपये का शुद्ध लाभ (अन्य व्यापक आय सहित) के एसोसिएट के शेयर शामिल हैं, जिनका वित्तीय विवरण हमारे द्वारा लेखा-परीक्षा नहीं किया गया है। हम जीई बीई प्राइवेट लिमिटेड को संयुक्त रूप से नियंत्रित इकाई से एसोसिएट को पुनः नामित करने के बारे में नोट नंबर 30 (20) पर ध्यान आकर्षित करते हैं।

इन भा.ले.मा. वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा अन्य लेखा परीक्षकों द्वारा की गई है जिनके रिपोर्ट हमें प्रबंधन द्वारा प्रस्तुत किए गए हैं और समेकित भा.ले.मा. वित्तीय विवरणों पर हमारे विचार के अनुसार तथा जहाँ तक वे इन सहायक कंपनियों तथा संयुक्त रूप से नियंत्रित स्वत्वों के संबंध में शामिल राशियों और प्रकटणों तथा अधिनियम की धारा 143 की उप-धारा (3) तथा (11) के परिप्रेक्ष्य में हमारी रिपोर्ट से संबंधित हैं, और जहाँ तक वे कथित सहायक कंपनियों तथा संयुक्त रूप से नियंत्रित स्वत्वों से संबंधित हैं, एकमात्र रूप से अन्य लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट हैं ।

(ग) हम भा.ले.मा. 108 के तहत यथा अपेक्षित खंडवार सूचना के प्रकटण संबंधी टिप्पणी सं. 30(15) की ओर ध्यान आकृष्ट करते हैं ।

अन्य लेखा परीक्षकों द्वारा किए गए कार्य तथा उनकी रिपोर्टों पर हमारी निर्भरता तथा प्रबंधन द्वारा प्रमाणित भा.ले.मा. वित्तीय विवरणों के आधार पर उपर्युक्त मामलों के संबंध में, समेकित भा.ले.मा. वित्तीय विवरणों पर अन्य विधिक एवं विनियामक आवश्यकताओं पर हमारी रिपोर्ट पर हमारे विचार संशोधित नहीं किए गए हैं ।

अन्य मामले विधिक एवं विनियामक अपेक्षाओं पर रिपोर्ट -

1. अधिनियम की धारा 143 की उप-धारा (11) के परिप्रेक्ष्य में भारत के केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी कंपनी (लेखा परीक्षक की रिपोर्ट) आदेश, 2015 द्वारा यथा अपेक्षित, समेकित वित्तीय विवरण लागू नहीं है ।

2. अधिनियम की धारा 143(3) द्वारा यथा अपेक्षित, जहाँ तक लागू है, हम रिपोर्ट करते हैं कि -

(क) हमने ऐसी सभी सूचनाओं और स्पष्टीकरणों की मांग की और प्राप्त किया जो जहाँ तक हमारी जानकारी और विश्वास है, कथित समेकित भा.ले.मा. वित्तीय विवरणों की अपनी लेखा परीक्षा करने के लिए प्रयोजनार्थ आवश्यक थे ।

(ख) हमारे विचार से, उपर्युक्त समेकित भा.ले.मा.वित्तीय विवरणों को तैयार करने के संबंध में विधि द्वारा अपेक्षित उचित लेखा बहियाँ रखी गई हैं जैसा कि इन बहियों की हमारी जाँच और अन्य लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट से प्रतीत होता है ।

(ग) इस रिपोर्ट के साथ व्यवहरित समेकित तुलन-पत्र, लाभ व हानि के समेकित विवरण तथा समेकित नकदी प्राप्ति विवरण और समेकित साम्या परिवर्तन विवरण, समेकित भा.ले.मा. वित्तीय विवरणों की तैयार के प्रयोजार्थ रखी गई लेखा बहियों के अनुरूप हैं।

(घ) हमारे विचार से, उक्त समेकित भा.ले.मा. वित्तीय विवरण अधिनियम की धारा 133 के तहत निर्दिष्ट भारतीय लेखा मानक जिन्हें उचित नियम के साथ पढ़ा जाना है, का पालन करते हैं ।

(ङ) 5 जून 2015 की अधिसूचना सं. जीएसआर 463 (ई) के अनुसार, कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 164 (2) की सरकारी कंपनियों के लिए आवश्यक नहीं हैं ।

(च) कंपनी के समूह एवं उनके सहायक कंपनी वित्तीय विवरण की वित्तीय रिपोर्टिंग और इस तरह के नियंत्रण की संचालन प्रभावशीलता पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की पर्याप्तता के संबंध में, एक अलग रिपोर्ट (अनुलग्नक I) संलग्न है।

(छ) कंपनी (लेखा परीक्षा तथा लेखा परीक्षक) नियम, 2014 के नियम 11 के अनुसार, लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट में शामिल किए जाने वाले अन्य मामलों के संबंध में, हमारे विचार से तथा जहाँ तक हमारी जानकारी है और हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार -

(ज) कंपनी (लेखा परीक्षा तथा लेखा परीक्षक) नियम, 2014 के नियम 11 के अनुसार, लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट में शामिल किए जाने वाले अन्य मामले मामलों के संबंध में, हमारे विचार से तथा जहाँ तक हमारी जानकारी है और हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार -

i. समेकित भा.ले.मा. वित्तीय विवरण समूह रूप से नियंत्रित स्वत्वों की समेकित वित्तीय स्थिति पर लंबित मुदकदों के प्रभाव को प्रकट करते हैं - समेकित भा.ले.मा. वित्तीय विवरणों की टिप्पणी सं. 30(12) देखें ।

ii. समूह ने प्रचलित कानूनों या लेखा मानकों के तहत आवश्यक वित्तीय विवरणों के रूप में समेकित भा.ले.मा. में, डेरिवेटिव अनुबंधों सहित लंबी अवधि के अनुबंधों के लिए अपेक्षित प्रावधानों के लिए अपेक्षित प्रावधान बनाए हैं - समेकित भा.ले.मा. वित्तीय विवरणों के टिप्पणी 21 का संदर्भ लें ।

iii. भारत में निगमित कंपनी द्वारा निवेशक शिक्षा एवं संरक्षण निधि को अंतरित की जाने वाली राशि को अंतरित करने में कोई देरी नहीं हुई है ।

3. समूह वित्तीय विवरण में 8 नवंबर 2016 से 30 दिसंबर 2016 की अवधि के दौरान निर्दिष्ट बैंक टिप्पणियों को रखने के साथ-साथ लेनदेन के लिए अपेक्षित प्रकटीकरण प्रदान किए हैं। लेखा परीक्षा की प्रक्रियाओं के आधार तथा प्रबंधन प्रतिनिधित्व पर निर्भर करते हुए, हम रिपोर्ट करते हैं कि समूह द्वारा किए गए प्रकटीकरण खाते की पुस्तकों के अनुसार हैं और प्रबंधन द्वारा हमें प्रस्तुत किए गए हैं -समेकित भा.ले.मा. वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणी 30 (16) देखें।

कृते **बदरी, मधुसूदन एंड श्रीनिवासन**
सनदी लेखाकार
फर्म पंजीयन संख्या - 005389एस

एस. राजेन्द्रन
साझेदार
सदस्यता सं. 021883

बेंगलूरु
29 मई 2017

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के समेकित वित्तीय विवरण पर समसंख्यक तारीख की स्वतंत्र लेखा परीक्षक की रिपोर्ट का अनुलग्नतक-I

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143 की उपधारा 3 के खंड (i) के तहत आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर रिपोर्ट (अधिनियम)

कंपनी के वर्तमान और 31 मार्च 2017 को समाप्त हुए वर्ष के समेकित भा.ले.मा. वित्तीय विवरण की हमारी लेखा परीक्षा के साथ संयोजन के रूप में, हमने भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड ("होल्डिंग कंपनी") और उसकी सहायक कंपनियों और संयुक्त रूप से नियंत्रित कंपनियों, जो उस तारीख को भारत में शामिल की गई है, की वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की लेखा परीक्षा की है।

आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के लिए प्रबंधन की जिम्मेदारी

होल्डिंग कंपनी, इसकी सहायक कंपनियों, इसकी सहयोगी कंपनियों और संयुक्त रूप से नियंत्रित कंपनियों, जो भारत में शामिल की गई हैं, के संबंधित निदेशक मंडल, कंपनी द्वारा स्थापित वित्तीय रिपोर्टिंग मानदंडों पर आंतरिक नियंत्रण के आधार पर, भारतीय सनदी (चार्टर्ड) लेखाकार संस्थान द्वारा जारी किए गए वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की लेखा परीक्षा के दिशानिर्देश नोट में कहे गए अनुसार आंतरिक नियंत्रण के अनिवार्य घटकों पर विचार करते हुए आंतरिक वित्तीय नियंत्रण स्थाकपित करने और उन्हें बनाए रखने के लिए जिम्मेदार हैं। इन जिम्मेदारियों में डिजाइन, कार्यान्वयन और आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों का पर्याप्त रखरखाव, जो अपने व्यापार को व्यवस्थित और कुशल रूप से संचालन सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी ढंग से काम कर रहे थे, इसमें कंपनी की नीतियों का पालन, इसकी परिसंपत्तियों की सुरक्षा, धोखाधड़ी और त्रुटियों का पता लगाना एवं उनकी रोकथाम, लेखा अभिलेखों की पूर्णता और सटीकता, और विश्वसनीय वित्तीय जानकारियों को समय पर तैयार करना आदि, जैसा कि कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत आवश्यक होता है, शामिल हैं ।

लेखा परीक्षकों की जिम्मेदारी

हमारी लेखा परीक्षा के आधार पर वित्तीय रिपोर्टिंग द्वारा कंपनी के आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर एक राय व्यक्त करना हमारी जिम्मेदारी है। हमने वित्तीय रिपोर्टिंग ("गाइडेंस नोट") पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की लेखापरीक्षा के दिशानिर्देश नोट, आईसीएआई द्वारा जारी किए गए लेखा परीक्षा मानकों और कंपनी अधिनियम 2013, की धारा 143 (10) के तहत निर्धारित समझा जाने के तदनुसार लेखा परीक्षा आयोजित की, जो किसी हद तक आंतरिक वित्तीय नियंत्रण लेखा परीक्षा हेतु लागू होती है, ये दोनों आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की एक लेखा परीक्षा के लिए लागू होते है और दोनों भारतीय चार्टर्ड (सनदी) लेखाकार संस्थान द्वारा जारी किए जाते हैं। उन मानकों और दिशानिर्देश नोट की आवश्यकता होती है कि हम नैतिक आवश्यकताओं और योजना के अनुरूप अनुपालन करें और उन बातों के उचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए लेखा परीक्षा का निष्पादिन करते हैं कि क्या वित्तीय रिपोर्टिंग पर पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण स्थापित किया गया और बनाए रखा गया था और क्या इस तरह के नियंत्रण सभी सामग्री मामलों में प्रभावी ढंग से संचालित किए गए थे।

हमारी लेखा परीक्षा में वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता और उनकी परिचालन प्रभावशीलता के बारे में लेखा परीक्षा साक्ष्य प्राप्त करने हेतु प्रक्रियाओं का निष्पादन शामिल है।

वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की हमारी लेखा परीक्षा में वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की एक समझ प्राप्त करना, सामग्री में कमजोरी की मौजूदगी के जोखिम का आकलन करना, और उस आकलित जोखिम के आधार पर आंतरिक नियंत्रण की संचालन प्रभावशीलता तथा डिजाइन का परीक्षण और मूल्यांकन करना शामिल था। वित्तीय विवरणों की सामग्री के ग़लत विवरणों के जोखिम के आकलन सहित, चाहे धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण हो, चयनित प्रक्रियाएँ लेखा परीक्षक के फैसले पर निर्भर करती है।

हम मानते हैं कि लेखा परीक्षा साक्ष्य जो हमने प्राप्त किए है और अन्य मामलों में अपनी रिपोर्ट के संदर्भ में लेखा परीक्षा साक्ष्य जो अन्य लेखा परीक्षकों द्वारा प्राप्त किए गए है, नीचे पैराग्राफ में निर्दिष्ट है, कंपनी के वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली पर हमारी लेखा परीक्षा की राय प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त आधार है।

वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण का अर्थ

एक कंपनी की वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण एक प्रक्रिया है जो वित्तीय रिपोर्टिंग की विश्वसनीयता और सामान्य तौर पर स्वीकृत लेखा सिद्धांतों के अनुसार बाहरी प्रयोजनों के लिए वित्तीय वक्तव्यों को तैयार करने के संबंध में उचित आश्वासन प्रदान करने के लिए बनाई जाती है। एक कंपनी की वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण में वे नीतियां और प्रक्रियाएँ शामिल हैं जो

(1) अभिलेखों के रखरखाव से संबंधित है और जो उचित विस्तार से, कंपनी की संपत्ति के यथावत एवं न्यायसंगत लेनदेन और प्रवृतियों को दर्शाते हैं,

(2) उचित आश्वासन प्रदान करती है कि लेन-देन, सामान्य तौर पर स्वीकृत लेखा सिद्धांतों के अनुसार वित्तीय वक्तव्यों को तैयार करने की

अनुमति के लिए आवश्यकता के रूप में दर्ज किए गए हैं और यह कि प्राप्तियां और व्यय केवल कंपनी के निदेशक और प्रबंधन के प्राधिकार के अनुसार किए जा रहे है; तथा

(3) रोकथाम या कंपनी की संपत्ति के अनधिकृत अधिग्रहण, उपयोग, या प्रवृति का समय पर पता लगाना जिनका कि वित्तीय वक्तव्यों पर वास्तविक प्रभाव हो सकता है, के बारे में उचित आश्वासन प्रदान करती हैं।

वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की अंतर्निहित सीमाएँ

वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की अंतर्निहित सीमाओं के कारण, कपटसंधि या नियंत्रण के अधिभावी अनुचित प्रबंधन सहित, त्रुटि या धोखाधड़ी के कारण सामग्री के झूठे वक्तव्यों की संभावना हो सकती है और जिनका पता भी नहीं चल सकता है। इसके अलावा, भविष्य की अवधि के लिए वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के कोई भी मूल्यांकन के अनुमान जोखिम भरे हो सकते हैं, क्योंकि स्थितियों में बदलाव, या यह कि नीतियों या प्रक्रियाओं के अनुपालन की डिग्री खराब हो सकती है, के कारण वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण अपर्याप्त हो सकता है।

विचार

हमारी राय में, होल्डिंग कंपनी, इसकी सहायक कंपनियाँ एवं संयुक्त रूप से नियंत्रित कंपनियाँ, जो भारत में निगमित कंपनियाँ है, के सभी सामग्री मामलों में, वित्तीय रिपोर्टिंग पर पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणालियाँ है और वित्तीय रिपोर्टिंग पर इस तरह की आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणालियाँ 31 मार्च 2017 तक भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान द्वारा जारी किए गए वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की लेखा परीक्षा के दिशानिर्देश नोट में वर्णित आंतरिक नियंत्रण के आवश्यक घटकों पर विचार करते हुए कंपनी द्वारा स्थापित वित्तीय रिपोर्टिंग मानदंडों पर आंतरिक नियंत्रण के आधार पर प्रभावी ढंग से काम कर रही थी ।

अन्य मामले

वित्तीय रिपोर्टिंग पर अब तक की आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की पर्याप्तता और संचालन प्रभावशीलता पर अधिनियम की धारा 143 (3) (i) के तहत हमारी उक्त रिपोर्ट, जैसे कि यह दो सहायक कंपनियों और एक संयुक्त रूप से नियंत्रित कंपनी, जो भारत में निगमित कंपनियाँ हैं से संबंधित है, का आंतरिक वित्तीय नियंत्रण भारत में निगमित ऐसी कंपनियों के लेखा परीक्षकों की इसी रिपोर्ट के आधार पर किया जाता है।

कृते **बदरी, मधुसूदन एंड श्रीनिवासन**
सनदी लेखाकार
फर्म पंजीयन संख्या - 005389एस

एस. राजेन्द्रन
साझेदार
सदस्यता सं. 021883

बेंगलूरु
29 मई 2017

समेकित तुलन पत्र

(₹ लाख में)

विवरण	टिप्पणी सं.	यथा 31 मार्च 2017	यथा 31 मार्च 2016	यथा 1 अप्रैल 2015
परिसंपत्तियाँ				
(1) गैल-चालू परिसंपत्तियाँ				
(क) संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण	1	134,128	105,937	87,555
(ख) संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण	2	41,419	22,195	13,985
(ग) निवेश संपत्ति	3	12	13	14
(घ) अमूर्त परिसंपत्तियाँ	4	15,970	17,247	18,485
(ङ) विकासधीन अमूर्त परिसंपत्तियाँ	5	32,862	20,784	12
(च) साम्या पद्धति के तहत निवेश		18,387	22,017	19,173
(छ) वित्तीय परिसंपत्तियाँ				
(i) निवेश	6	30,709	24,216	5
(ii) व्यापार प्राप्तियाँ	7	-	-	-
(iii) ऋण	8	2,512	2,649	2,597
(iv) अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ	9	5,998	3,102	3,266
(ज) आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ (निवल)	10	52,894	45,860	38,724
(झ) वस्तुसूचियाँ	11	4,925	4,535	5,745
(ञ) अन्य गैर-चालू परिसंपत्तियाँ	12	12,908	8,610	4,173
गैर-चालू परिसंपत्तियाँ उप कुल		**352,724**	**277,165**	**193,734**
(2) चालू परिसंपत्तियाँ				
(क) वस्तुसूचियाँ	11	488,167	415,701	338,821
(ख) वित्तीय परिसंपत्तियाँ				
(i) व्यापार प्राप्तियाँ	7	436,826	372,191	379,706
(ii) नकद एवं नकद समतुल्य	13	269,981	250,290	203,088
(iii) बैंक शेष [उपर्युक्त (ii) के अलावा]	14	112,737	471,321	370,762
(iv) ऋण	8	1,204	915	942
(v) अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ	9	27,075	22,363	18,360
(ग) अन्य चालू परिसंपत्तियाँ	12	61,116	50,484	71,348
(घ) चालू कर परिसंपत्तियाँ (निवल)	15	9,801	-	163
उप कुल चालू परिसंपत्तियाँ		**1,406,907**	**1,583,265**	**1,383,190**
कुल परिसंपत्तियाँ		**1,759,631**	**1,860,430**	**1,576,924**
साम्या एवं देयताएँ				
साम्या				
(क) साम्या शेयर पूँजी	16	22,336	24,000	8,000
(ख) अन्य साम्या		751,241	900,616	816,380
कंपनी के मालिकों के लिए आरोप्य ईक्विटी		**773,577**	**924,616**	**824,380**
गैर-नियंत्रण लाभ		**1,372**	**477**	**611**
कुल साम्या		**774,949**	**925,093**	**824,991**

समेकित तुलन पत्र

(₹ लाख में)

विवरण	टिप्पणी सं.	यथा 31 मार्च 2017	यथा 31 मार्च 2016	यथा 1 अप्रैल 2015
देयताएँ				
(1) गैल-चालू देयताएँ				
(क) सरकारी अनुदान - आस्थगित	**17**	17,238	18,123	19,671
(ख) वित्तीय देयताएँ				
(i) उधार राशिया	**18**	1,667	-	-
(ii) व्यापार देय	**19**	-	57	2
(iii) अन्य वित्तीय देयताएँ	**20**	72	158	76
(ग) प्रावधान	**21**	89,373	70,019	54,983
(घ) अन्य गैर-चालू देयताएँ	**22**	1,469	1,877	1,670
उप कुल गैर चालू देयताएँ		**109,819**	**90,234**	**76,402**
(2) चालू देयताएँ				
(क) सरकारी अनुदान - आस्थगित	**17**	20	3	19
(ख) वित्तीय देयताएँ				
(i) उधार राशियाँ	**18**	1,358	2,839	2,473
(ii) व्यापार देय	**19**	131,335	116,226	115,709
(iii) अन्य वित्तीय देयताएँ	**20**	64,434	43,271	24,608
(ग) अन्य चालू देयताएँ	**22**	636,232	653,525	517,600
(घ) प्रावधान	**21**	41,484	22,573	15,122
(ङ) चालू कर देयताएँ (निवल)	**15**	-	6,666	-
उप कुल चालू देयताएँ		**874,863**	**845,103**	**675,531**
कुल साम्या एवं देयताएँ		**1,759,631**	**1,860,430**	**1,576,924**

उल्लेखनीय लेखा नीतियां और साथ-साथ टिप्पणी वित्तीय विवरणों के अभिन्न भाग हैं।

यथा दिनांक रिपोर्ट के अनुरुप संलग्न है ।

कृते बदरी, मधुसूदन एंड श्रीनिवासन
सनदी लेखाकार
फार्म पंजी. सं. 005389एस

एस वी गौतमा
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

कोशी अलेक्जाण्डर
मुख्य वित्तीय अधिकारी

एस राजेंद्रन
साझेदर
सदस्यता सं. 021883

डॉ. अजित कलघटगी
निदेशक (अनुसंधान एवं विकास)

एस श्रीनिवास
कंपनी सचिव

29 मई 2017
बेंगलूरु

समेकित लाभ एवं हानि विवरण

(₹ लाख में)

	विवरण	टिप्पणी सं.	वर्ष 31 मार्च 2017 तक	वर्ष 31 मार्च 2016 तक
I	प्रचालनों से राजस्व	23	920,634	772,924
II	अन्य आय	24	43,447	53,949
III	**कुल आय (I+II)**		**964,081**	**826,873**
IV	**खर्च**			
	क खपत सामग्री की लागत		430,788	367,994
	ख खपत स्टोर और पुर्जों की लागत		3,401	3,077
	ग व्यापारगत स्टॉक की खरीद		50,281	33,936
	घ तैयार माल, चालू कार्य और रद्दी की वस्तुसूची में परिवर्तन	25	(42,006)	(23,271)
	ङ उत्पाद शुल्क		55,236	37,547
	च कर्मचारी लाभ व्यय	26	155,944	126,721
	छ वित्त लागत	27	1,288	602
	ज मूल्यह्रास और परिशोधन व्यय	28	21,163	19,196
	झ अन्य व्यय	29	89,729	87,989
	कुल व्यय (क से झ)		**765,824**	**653,791**
V	**सामान्य मद्दे, साम्या विधि के तहत सहायक कंपनी के निवल लाभ के शेयर एवं कर पूर्व लाभ (III - IV)**		**198,257**	**173,082**
VI	साम्या विधि के तहत सहायक कंपनी के निवल लाभ के शेयर		2,634	3,315
VII	**असाधारण मदों और कर पूर्व लाभ (V+VI)**		**200,891**	**176,397**
VIII	असाधारण मदों		-	-
IX	**कर पूर्व लाभ (VII + VIII)**		**200,891**	**176,397**
X	**कर व्यय**	10		
	- चालू कर		51,757	48,673
	- पिछले वर्ष		(873)	1
	- आस्थगित कर		(2,330)	(5,952)
	कराधान के लिए कुल प्रावधान		**48,554**	**42,722**
XI	**वर्ष के लिए लाभ (IX - X)**		**152,337**	**133,675**
XII	**अन्य व्यापक लाभ / (हानि)**			
	लाभा एवं हानि के पश्चात् मद्दों को पुनःवर्गीकृत नहीं किया जाएगा			
	- निवल पारिभाषित लाभ देयता/परिसंपत्ति का पुनःमापन		(13,955)	(3,423)
	- अन्य व्यापक आय द्वारा साम्या प्रलेखों		1	1
	- साम्या विधि के तहत सहायक कंपनी के अन्य व्यापक आय के शेयर		(5)	(2)
	- इन मद्दों से संबंधित आयकर		4,704	1,184
	कुल अन्य व्यापक लाभ/ (हानि) (कर का निवल)		**(9,255)**	**(2,240)**

समेकित लाभ एवं हानि विवरण

(₹ लाख में)

	विवरण	टिप्पणी सं.	वर्ष 31 मार्च 2017 तक	वर्ष 31 मार्च 2016 तक
XIII	वर्ष के लिए कुल व्यापक लाभ (IX+X) [वर्ष के लिए शामिल लाभ एवं अन्य व्यापक लाभ]		143,082	131,435
XIV	निवल लाभ / (हानि) को आरोप्य			
	क कंपनी के मालिक		152,358	133,739
	ख गैर नियंत्रण लाभ		(21)	(64)
	अन्य व्यापक आय को आरोप्य			
	क कंपनी के मालिक		(9,255)	(2,240)
	ख गैर नियंत्रण लाभ		-	-
	अन्य व्यापक आय को आरोप्य			
	क कंपनी के मालिक		143,103	131,499
	ख गैर नियंत्रण लाभ		(21)	(64)
XV	प्रति साम्या शेयर अर्जन -	30(1)		
	(1) मूल [रुपए में])		6.53	5.57
	(2) परिवर्तित [रुपए में]		6.53	5.57

उल्लेखनीय लेखा नीतियां और साथ-साथ टिप्पणी वित्तीय विवरणों के अभिन्न भाग हैं।

यथा दिनांक रिपोर्ट के अनुरुप संलग्न है ।

कृते बदरी, मधुसूदन एंड श्रीनिवासन
सनदी लेखाकार
फार्म पंजी. सं. 005389एस

एस वी गौतमा
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

कोशी अलेक्जाण्डर
मुख्य वित्तीय अधिकारी

एस राजेंद्रन
साझेदर
सदस्यता सं. 021883

डॉ. अजित कलघटगी
निदेशक (अनुसंधान एवं विकास)

एस श्रीनिवास
कंपनी सचिव

29 मई 2017
बेंगलूरु

समेकित साम्या परिवर्तन का विवरण

(₹ लाख में)

क. **साम्या शेयर पूँजी**

	टिप्पणी सं.	राशि
यथा 1 अप्रैल 2015 को शेष		8,000
वर्ष के दौरान साम्या पूँजी में परिवर्तन	16	
- वर्ष के दौरान जारी किए गए बोस शेयर		16,000
यथा 31 मार्च 2016 को शेष		24,000

	टिप्पणी सं.	राशि
यथा 1 अप्रैल 2016 को शेष		24,000
वर्ष के दौरान साम्या पूँजी में परिवृतन	16	
- वापस खरीदी गई शेयर		(1,664)
यथा 31 मार्च 2017 को शेष		22,336

ख. **अन्य साम्या**

	टिप्पणी सं.	प्रारक्षण एवं अधिशेष					अन्य प्रारक्षण	गैर नियंत्रण ब्याज	कुल अन्य साम्या
		पूँजीगत प्रारक्षण *	सहायक कंपनी के समकेन पर पूँजीगत प्रारक्षण *	पूँजीगत मोचन प्रारक्षण *	सामान्य प्रारक्षण	प्राप्त अर्जन	अन्य व्यापक आय द्वारा साम्या प्रलेखों *		
यथा 1 अप्रैल 2015 को शेष		4,667	207	-	432,122	379,384	-	611	816,991
वर्ष के लिए लाभ		-	-	-	-	133,660	-	(64)	133,596
वर्ष के दौरान परिवर्धन		-	-	-	-	-	-	333	333
गैर-नियंत्रण ब्याज का अर्जन		-	155	-	-	-	-	(403)	(248)
वर्ष के लिए अन्य व्यापक आय		-	-	-	-	(2,241)	1	-	(2,240)
कुल		**4,667**	**362**	**-**	**432,122**	**510,803**	**1**	**477**	**948,432**
कार्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर)		-	-	-	-	(1,780)	-	-	(1,780)
सामान्य प्रारक्षण को अंतरण		-	-	-	40,000	(40,000)	-	-	-
पूँजीगत प्रारक्षण को अंतरण		2	-	-	-	(2)	-	-	-
स्वामी के रूप में मालिक के साथ लेन-देन									
लाभांश	16	-	-	-	-	(24,560)	-	-	(24,560)
लाभांश वितरण कर	16	-	-	-	-	(4,999)	-	-	(4,999)
जारी कि गई बोनस शेयर	16	-	-	-	(16,000)	-	-	-	(16,000)
यथा 31 मार्च 2017 को शेष		**4,669**	**362**	**-**	**456,122**	**439,462**	**1**	**477**	**901,093**

समेकित साम्या परिवर्तन का विवरण

(₹ लाख में)

	टिप्पणी सं.	प्रारक्षण एवं अधिशेष					अन्य प्रारक्षण	गैर नियंत्रण ब्याज	कुल अन्य साम्या
		पूँजीगत प्रारक्षण *	सहायक कंपनी के समकेन पर पूँजीगत प्रारक्षण *	पूँजीगत मोचन प्रारक्षण *	सामान्य प्रारक्षण	प्राप्त अर्जन	अन्य व्यापक आय द्वारा साम्या प्रलेखों *		
यथा 1 अप्रैल 2016 को शेष		4,669	362	-	456,122	439,462	1	477	901,093
वर्ष के लिए लाभ		-	-	-	-	151,299	-	(21)	151,278
वर्ष के दौरान परिवर्धन		-	-	-	-	-	-	916	916
वर्ष के लिए अन्य व्यापक आय		-	-	-	-	(9,256)	1	-	(9,255)
कुल		4,669	362	-	456,122	581,505	2	1,372	1,044,032
कार्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर)		-	-	-	-	(1,822)	-	-	(1,822)
सामान्य प्रारक्षण को अंतरण		-	-	-	40,000	(40,000)	-	-	-
पूँजीगत प्रारक्षण को अंतरण		-	-	-	-	-	-	-	-
स्वामी के रूप में मालिक के साथ लेन-देन									
लाभांश	16	-	-	-	-	(61,604)	-	-	(61,604)
लाभांश वितरण कर	16	-	-	-	-	(12,541)	-	-	(12,541)
जारी कि गई बोनस शेयर	16	-	-	1,664	(217,116)	-	-	-	(215,452)
यथा 31 मार्च 2017 को शेष		**4,669**	**362**	**1,664**	**279,006**	**465,538**	**2**	**1,372**	**752,613**

* टिप्पणी 16 (ख) देखें ।

उल्लेखनीय लेखा नीतियां और साथ-साथ टिप्पणी वित्तीय विवरणों के अभिन्न भाग हैं।

यथा दिनांक रिपोर्ट के अनुरुप संलग्न है ।

कृते बदरी, मधुसूदन एंड श्रीनिवासन
सनदी लेखाकार
फार्म पंजी. सं. 005389एस

एस वी गौतमा
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

कोशी अलेक्जाण्डर
मुख्य वित्तीय अधिकारी

एस राजेंद्रन
साझेदर
सदस्यता सं. 021883

डॉ. अजित कलघटगी
निदेशक (अनुसंधान एवं विकास)

एस श्रीनिवास
कंपनी सचिव

29 मई 2017
बेंगलूरु

समेकित नकदी प्राप्ति विवरण

(₹ लाख में)

विवरण	यथा 31 मार्च 2017 वर्ष अंत के लिए	यथा 31 मार्च 2016 वर्ष अंत के लिए
क. प्रचालन संबंधी कार्यकलापों से नकदी प्राप्ति -		
असाधारण मद्दें एवं कर पूर्व लाभ	200,891	176,397
इनके लिए समायोजन		
मूल्यह्रास एवं परिशोधन व्यय	21,163	19,196
अल्पसंख्यक लाभ का अर्जन - बेलॉप	-	238
कार्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व	1,035	667
निवल पारिभाषित लाभ देयता/परिसंपत्ति का पुनःमापन (निवल का कर)	(9,255)	(2,240)
ब्याज आय	(34,348)	(46,025)
वित लागत	1,288	602
संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण के विक्रय से प्राप्त लाभ	(192)	(31)
चालू पूँजी परिवर्तन से पूर्व प्रचालन लाभ	**180,582**	**148,804**
बढ़ोत्तरी / (कमी) में -		
व्यापार प्राप्तियाँ	(64,635)	7,515
ऋण	(152)	(25)
अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ	(7,608)	(3,839)
अन्य परिसंपत्तियाँ	(14,930)	16,427
वस्तुसूचियाँ	(72,856)	(75,670)
व्यापार प्रदेय	15,052	572
अन्य वित्तीय देयताएँ	10,832	18,196
प्रावधान	38,265	22,487
अन्य देयताएँ	(17,701)	136,132
सरकारी अनुदान	(868)	(1,564)
प्रचालनों से सृजित नकद	**65,981**	**269,035**
अदा किए गए आय कर (निवल)	(72,055)	(43,029)
असाधारण मद्दें से पूर्व नकदी प्राप्ति	**(6,074)**	**226,006**
असाधारण मद्दे	-	-
प्रचालन कार्यकलापों से / (में प्रयुक्त) निवल नकदी	**(6,074)**	**226,006**

समेकित नकदी प्राप्ति विवरण

(₹ लाख में)

	विवरण	यथा 31 मार्च 2017 वर्ष अंत के लिए	यथा 31 मार्च 2016 वर्ष अंत के लिए
ख.	**निवेश संबंधी कार्यकलापों से नकदी प्राप्ति -**		
	अचल परिसंपत्तियों का क्रय	(79,399)	(65,933)
	साम्या निवेश - बेलॉप	-	(238)
	अल्पसंख्यक लाभ	583	83
	संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण के विक्रय से उत्पन्न	192	643
	अवधिक जमा राशियाँ एवं अन्य बैंक शेष में बढ़ोत्तरी / (घटाई)	358,584	(100,559)
	अन्य में निवेश	(2,863)	(27,055)
	ब्याज प्राप्त	34,348	46,025
	निवेश कार्यकलापों से / (में प्रयुक्त) निवल नकदी	**311,445**	**(147,034)**
ग.	**वित संबंधी कार्यकलापों से नकदी प्राप्ति -**		
	उधार राशियाँ में बढ़ोत्तरी/(कमी)	3,519	366
	वापसी खरीद योजना के तहत शेयरों का क्रय	(217,116)	-
	कार्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) व्यय	(2,455)	(2,087)
	कार्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) व्यय	(68,340)	(29,447)
	वित लागत	(1,288)	(602)
	वित कार्यकलापों से / (में प्रयुक्त) निवल नकदी	**(285,680)**	**(31,770)**
	नकदी तथा नकदी समतुल्यों में निवल वृद्धि / (कमी) (क+ख+ग)	**19,691**	**47,202**
	वर्ष के प्रारंभ में नकदी एवं नकदी समतुल्य	**250,290**	**203,088**
	वर्ष के अंत में नकदी एवं नकदी समतुल्य	**269,981**	**250,290**

उल्लेखनीय लेखा नीतियां और साथ-साथ टिप्पणी वित्तीय विवरणों के अभिन्न भाग हैं।

यथा दिनांक रिपोर्ट के अनुरुप संलग्न है ।

कृते बदरी, मधुसूदन एंड श्रीनिवासन
सनदी लेखाकार
फार्म पंजी. सं. 005389एस

एस वी गौतमा
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

कोशी अलेक्जाण्डर
मुख्य वित्तीय अधिकारी

एस राजेंद्रन
साझेदर
सदस्यता सं. 021883

डॉ. अजित कलघटगी
निदेशक (अनुसंधान एवं विकास)

एस श्रीनिवास
कंपनी सचिव

29 मई 2017
बेंगलूरु

लेखों की समेकित टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

टिप्पणी - 1

संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण

विवरण	सकल वहन राशि				मूल्यह्रास/ परिशोधन				निवल वहन राशि
	यथा 1 अप्रैल 2015 (पारित लागत)	वर्ष के दौरान परिवर्धन/ समायोजन	वर्ष के दौरान कटौतियाँ/ समायोजन	यथा 31 मार्च 2016	01 अप्रैल 2015 को संचित मूल्यह्रास / परिशोधन	वर्ष के दौरान परिवर्धन/ समायोजन	वर्ष के दौरान कटौतियाँ/ समायोजन	यथा 31 मार्च 2016	यथा 31 मार्च 2016
पूर्ण स्वामित्व भूमि	2,312	8,520	-	**10,832**	-	-	-	**-**	**10,832**
पट्टाधारित भूमि	518	-	-	**518**	-	7	-	**7**	**511**
सड़कें और पुलिया	273	180	-	**453**	-	26	-	**26**	**427**
भवन	21,089	2,795	4	**23,880**	-	1,123	1	**1,122**	**22,758**
संस्थापनाएँ	1,812	301	1	**2,112**	-	356	1	**355**	**1,757**
संयंत्र एवं मशीनरी	31,994	15,078	253	**46,819**	-	7,070	47	**7,023**	**39,796**
इलेक्ट्रॉनिक उपस्कर	10,220	3,393	169	**13,444**	-	3,181	18	**3,163**	**10,281**
अनु. व वि. लैब के लिए उपस्कर	8,424	2,858	189	**11,093**	-	3,277	116	**3,161**	**7,932**
वाहन	141	69	-	**210**	-	56	-	**56**	**154**
कार्यालय उपस्कर	7,299	2,895	174	**10,020**	-	2,138	8	**2,130**	**7,890**
फर्नीचर, जुड़नार और अन्य उपस्कर	3,408	812	14	**4,206**	-	656	1	**655**	**3,551**
प्रायोजित अनुसंधान के लिए अर्जित परिसंपत्तियाँ	65	-	-	**65**	-	17	-	**17**	**48**
कुल	**87,555**	**36,901**	**804**	**123,652**	**-**	**17,907**	**192**	**17,715**	**105,937**

विवरण	सकल वहन राशि				मूल्यह्रास/ परिशोधन				निवल वहन राशि
	यथा 1 अप्रैल 2016	वर्ष के दौरान परिवर्धन/ समायोजन	वर्ष के दौरान कटौतियाँ/ समायोजन	यथा 31 मार्च 2017	01 अप्रैल 2016 को संचित मूल्यह्रास / परिशोधन	वर्ष के दौरान परिवर्धन/ समायोजन	वर्ष के दौरान कटौतियाँ/ समायोजन	यथा 31 मार्च 2017	यथा 31 मार्च 2017
पूर्ण स्वामित्व भूमि	10,832	808	-	**11,640**	-	-	-	**-**	**11,640**
पट्टाधारित भूमि	518	-	-	**518**	7	7	-	**14**	**504**
सड़कें और पुलिया	453	15	-	**468**	26	30	-	**56**	**412**
भवन	23,880	4,955	13	**28,822**	1,122	1,284	1	**2,405**	**26,417**
संस्थापनाएँ	2,112	1,122	-	**3,234**	355	378	-	**733**	**2,501**
संयंत्र एवं मशीनरी	46,819	19,258	14	**66,063**	7,023	8,330	14	**15,339**	**50,724**
इलेक्ट्रॉनिक उपस्कर	13,444	10,398	2	**23,840**	3,163	3,137	2	**6,298**	**17,542**
अनु. व वि. लैब के लिए उपस्कर	11,093	6,017	1	**17,109**	3,161	3,444	1	**6,604**	**10,505**
वाहन	210	87	3	**294**	56	66	2	**120**	**174**
कार्यालय उपस्कर	10,020	4,219	2	**14,237**	2,130	2,463	2	**4,591**	**9,646**
फर्नीचर, जुड़नार और अन्य उपस्कर	4,206	1,198	13	**5,391**	655	713	6	**1,362**	**4,029**
प्रायोजित अनुसंधान के लिए अर्जित परिसंपत्तियाँ	65	-	-	**65**	17	14	-	**31**	**34**
कुल	**123,652**	**48,077**	**48**	**171,681**	**17,715**	**19,866**	**28**	**37,553**	**134,128**

लेखों की समेकित टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

i. मूल कंपनी के पूर्ण स्वामित्व की भूमि में 2039.89 एकड़ (31.03.2016-2037.34 एकड़, 01.04.2015-1036.07 एकड़) शामिल हैं और पट्टाधारित भूमि में 290.26 एकड़ (31.03.2016-290.26 एकड़, 01.04.2015-29026 एकड़) शामिल हैं ।

ii. पूर्ण स्वामित्व की भूमि में 7.11 एकड़ (31.03.2016- 7.11 एकड़, 01.04.2015- 7.07 एकड़) व्यावसायिक/धार्मिक संस्थानों को पट्टाधारित एवं उनके कब्ज़े में शामिल है ।

iii. पट्टाधारित भूमि में कोची के पट्टे भूमि 90 वर्ष के लिए एवं वर्ष 2008-09 के लिए पूँजीगत शामिल है ।

iv. वर्ष के दौरान ₹ 1,089 (31.03.2016: ₹ 1,147; 01.04.2015 ₹ 1,266) एवं ₹ 5 (31.03.2016: ₹ 4; 01.04.2015: कुछ नहीं) केंन्द्रीय अनुसंधान एवं विकास एवं पूणे यूनिट की अतिरिक्त परिसंपत्तियां भी शामिल है ।

v. वर्ष के दौरान - कुछ नहीं (31.03.2016: कुछ नहीं; 01.04.2015: ₹ 1,199) विकास एवं इंजिनियरिंग भवनों के संबंध में अतिरिक्त भावन शामिल है ।

vi. इलेक्ट्रॉनिक उपकरण मूल्य में पीओएस मशीन मूल्य ₹ 1,026 (31.03.2016:कुछ नहीं; 01.04.2015: कुछ नहीं) शामिल है जो हरियाण सरकार (परिचालित पट्टे) के नियंत्रण के तहत है ।

vii. कटौती में निवल लेनेवाले लागत - कुछ नहीं (31.03.2016: ₹ 588; 01.04.2015: कुछ नहीं) शामिल है जो चेन्न यूनिट में बाढ़ प्रभावित परिसंपत्ति के संबंध में है ।

viii. **साईट पुनःस्थापन उत्तरदयित्व**

साईट पुनःस्थापन उत्तरदयित्व के संबंध में पवन चक्की के लिए टिप्पणी 21 देखें ।

ix. सकल ब्लॉक मूल्य संयंत्र एवं मशीनरी सहित साईट पुनःस्थापन उत्तरदयित्व ₹ 83 (31.03.2016: ₹ 83; 01.04.2015: ₹ 3) पवन चक्की संयंत्र शामिल है ।

x. **ठेका प्रतिबद्धता**

बकाया ठेका प्रतिबद्धता के लिए टिप्पणी 30(11) देखें ।

xi. **अंकित मूल्य**

आईएनडी एएस के लिए परिवर्तन के रूप में, कंपनी ने 1 अप्रैल 2015 संपत्ति संयंत्र और उपकरण में मान्यता प्राप्त अपने सभी निवेश संपत्ति के ले जाने के मूल्य के साथ जारी रखने के लिए चुना हैं और पिछला जीएएपी के अनुसार इसे मापा है और निवेश संपत्ति का माना मूल्य के रूप में मूल लागत का इस्तेमाल किया है ।

xii. **परिसंपत्तियों का उपयोगी जीवन को अनुमान**

संपत्तियों के अपेक्षित प्रयोग, तकनीकी और वाणिज्यिक अप्रचलन का खतरा आदि जैसे कारकों को संज्ञान में लेने के बाद प्रबंधन ने मूर्त संपत्तियों की विभिन्न श्रेणियों के उपयोगी जीवन को अनुमानित किया है (जो कि कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची II में संकेतित उपयोगी जीवन से भिन्न हैं।

मूर्त परिसंपत्तियों के विभिन्न वर्गों के प्राक्कलित उपयोगी जीवनकाल इस प्रकार हैं -

परिसंपत्ति का वर्ग	वर्ष
भवन	20 / 40
सड़क और पुलिया	20 / 40
संस्थापना	10
संयंत्र एवं मशीनरी	5 / 6 / 7 / 10
इलेक्ट्रॉनिक उपकरण	5 / 6 / 7
वाहन	4 / 5
कार्यालयीन उपकरण	7
फर्नीचर और जुड़नार	7 / 10
अनु. व वि. लैब के उपकरण	5

लेखों की समेकित टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

xiii. **मूल्यह्रास/परिशोधन**

मूल्यह्रास की गणना परिसंपत्तियों के अनुमानित उपयोगी जीवन के आधार पर सीधी रेखा के आधार पर की जाती है।

पट्टे परिसंपत्तियाँ को उनके अनुमानित जीवन या उनके संबंधित पट्टा अवधि जो भी कम हो, के आधार पर सीधी रेखा के आधार पर परिमाणीकृत किया जाता है।

xiv. **मूल्यह्रास लेखों की विधि**

मूल्यह्रास/परिशोधन की गणना कंपनी की लेखा नीति संख्या 8 के अनुसार की गई है और इसे लाभ और हानि के विवरण में खर्च के रूप में अभिचिह्नित की गई है। अन्य परिसंपत्तियों के लागत के भाग के रूप में मूल्यह्रास राशि में अभिचिह्नित कुछ नहीं (31.03.2016: कुछ नहीं, 01.04.2015: कुछ नहीं है।

xv. **संपत्ति की हानि**

टिप्पणी 30(6) देखें ।

xvi. **तृतीय पक्षों से प्रतिपूर्ति**

कुछ नहीं (31.03.2016: कुछ नहीं; 01.04.2015: कुछ नहीं).

xvii. संपत्ति, संयंत्र और उपकरण के लिए भुगतान किए गए अनजस्टेड कैपिटल एडवांस के संबंध में टिप्पणी 12 देखें।

xviii. कुछ यूनिटों में सरकार से मुफ्त में भूमि अधिग्रहित की गई है, भारतीय एएस 101 के प्रावधानों के अनुरूप है।

	यथा 31 मार्च 2017		यथा 31 मार्च 2016		यथा 1 अप्रैल 2015	
टिप्पणी 2						
पूँजीगत चालू कार्य						
सिविल निर्माण कार्य	23,690		10,413		4,051	
संयंत्र एवं मशीनरी	11,286		7,224		8,320	
अन्य	4,742		3,176		1,213	
मार्गस्थ पूँजीगत मदें	1,702		1,383		770	
		41,420		**22,196**		**14,354**
घटाएँ - प्रावधान		(1)		(1)		(369)
		41,419		**22,195**		**13,985**

i. मूल कंपनी के सिविल निर्माण कार्य मुख्यतः निर्माण के तहत उत्पाद संबंधित भवन, अनु व वि भवन, कार्मचारी क्वार्टर एवं प्रशिक्षण केंन्द्र शामिल है।

ii. उधार राशियाँ लागत ₹ 1 (ब्याज आय का निवल) (31.03.2016: कुछ नहीं; 01.04.2015: कुछ नहीं) (पूँजिकरण दर @ 8.15% प्रति वर्ष) वर्ष 2016-17 के दौरान कर्मचारी क्वार्टर के तहत निर्माण कार्य के संबंध में पूँचीकरण किया गया है ।

iii. ठेका प्रतिबद्धता के संबंध में टिप्पणी 30(11) देखें ।

iv. संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण के तहत असमायोजित पूँजी अग्रिम के भुगतान हेतु टिप्पणी 12 देखें ।

लेखों की समेकित टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

टिप्पणी 3
निवेश संपत्ति

विवरण	सकल वहन राशि				मूल्यह्रास/ परिशोधन				निवल वहन राशि
	यथा 1 अप्रैल 2015 (पारित लागत)	वर्ष के दौरान परिवर्धन/ समायोजन	वर्ष के दौरान कटौतियाँ/ समायोजन	यथा 31 मार्च 2016	01 अप्रैल 2015 को संचित मूल्यह्रास / परिशोधन	वर्ष के दौरान परिवर्धन/ समायोजन	वर्ष के दौरान कटौतियाँ/ समायोजन	यथा 31 मार्च 2016	यथा 31 मार्च 2016
पूर्ण स्वामित्व भूमि	-	-	-	-	-	-	-	-	-
भवन	14	-	-	14	-	1	-	1	13
कुल	**14**	**-**	**-**	**14**	**-**	1	-	**1**	**13**

विवरण	सकल वहन राशि				मूल्यह्रास/ परिशोधन				निवल वहन राशि
	यथा 1 अप्रैल 2016	वर्ष के दौरान परिवर्धन/ समायोजन	वर्ष के दौरान कटौतियाँ/ समायोजन	यथा 31 मार्च 2017	01 अप्रैल 2016 को संचित मूल्यह्रास / परिशोधन	वर्ष के दौरान परिवर्धन/ समायोजन	वर्ष के दौरान कटौतियाँ/ समायोजन	यथा 31 मार्च 2017	यथा 31 मार्च 2017
पूर्ण स्वामित्व भूमि	-	-	-	-	-	-	-	-	-
भवन	14	-	-	14	1	1	-	2	12
कुल	**14**	-	-	**14**	**1**	**1**	**-**	**2**	**12**

i. **लाभ एवं हानि विवरण में प्राप्त राशि**

	यथा 31 मार्च 2017 वर्ष अंत के लिए	यथा 31 मार्च 2016 वर्ष अंत के लिए
क. किराया आय	28	28
ख. प्रत्यक्ष प्रचालित व्यय (आर एवं एम सहित) संपत्ति द्वारा उत्पन्न किराया आय	-	-
ग. प्रत्यक्ष प्रचालित व्यय (आर एवं एम सहित) संपत्ति उपर्युक्त के अलावा	-	-
घ. मूल्यह्रास *	-	-
ङ. निवश संपत्ति द्वारा लाभ	28	28

* आईएनआर 44366 है जो राउड ऑफ किया गया है ।

ii. ठेका प्रतिबद्धता हेतु टिप्पणी 30(11) देखें ।

iii. **निवेश संपत्ति का उचित मूल्य**

	यथा 31 मार्च 2017	यथा 31 मार्च 2016	यथा 1 अप्रैल 2015
भूमि	1,962	1,962	1,962
भवन	836	836	836

iv. **उचित मूल्य का आकलन**

कंपनी ने निवेश संपत्ति के स्थान में समान गुणों के सरकारी मार्गदर्शन मूल्य (नगरपालिका मूल्य) के आधार पर निवेश संपत्ति का उचित मूल्य का अनुमान लगाया है । सभी के परिणामस्वरूप निवेश सम्पत्तियों हेतु उचित मूल्य अनुमान स्तर 2 में शामिल हैं ।

लेखों की समेकित टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

v. **अंकित मूल्य**

आईएनडी एएस के लिए परिवर्तन के रूप में, कंपनी ने 1 अप्रैल 2015 (पहले संपत्ति संयंत्र और उपकरण के रूप में माना गया) के रूप में मान्यता प्राप्त अपने सभी निवेश संपत्ति के ले जाने के मूल्य के साथ जारी रखने के लिए चुना हैं और पिछला जीएएपी के अनुसार इसे मापा है और निवेश संपत्ति का माना मूल्य के रूप में मूल लागत का इस्तेमाल किया है ।

vi. **परिसंपत्तियों का उपयोगी जीवन का अनुमान**

परिसंपत्ति श्रेणी	वर्ष
भवन	20/40

vii. **मूल्यह्रास/ परिशोधन**

मूल्यह्रास की गणना परिसंपत्तियों के अनुमानित उपयोगी जीवन के आधार पर सीधी रेखा के आधार पर की जाती है।

मूल्यह्रास की मात्रा को लाभ और हानि के विवरण में व्यय के रूप में अभिचिह्नित किया गया है।

viii. **मूल्यह्रास लेखों की विधि**

मूल्यह्रास की गणना कंपनी की लेखा नीति संख्या 8 के अनुसार की गई है और इसे लाभ और हानि के विवरण में खर्च के रूप में अभिचिह्नित की गई है।

ix. **संपत्ति की अनुपस्थिति**

जैसा कि निवेश संपत्ति का उचित मूल्य उसके मूल्य से अधिक है, वहां कोई हानि नहीं है।

x. **निवेश संपत्ति की वास्तविकता पर प्रतिबंध**

भारत सरकार द्वारा भूमि आवंटित की गई है

xi. मूल कंपनी के भूमि 0.31 एकड़ (31.03.2016: 1.36 एकड़, 01.04.2015: 1.36 एकड़) का फ्री होल्ड भूमि शामिल है ।

टिप्पणी 4
अमूर्त परिसंपत्तियाँ

विवरण	सकल वहन राशि				मूल्यह्रास/ परिशोधन				निवल वहन राशि
	यथा 1 अप्रैल 2015 (पारित लागत)	वर्ष के दौरान परिवर्धन/ समायोजन	वर्ष के दौरान कटौतियाँ/ समायोजन	यथा 31 मार्च 2016	01 अप्रैल 2015 को संचित मूल्यह्रास / परिशोधन	वर्ष के दौरान परिवर्धन/ समायोजन	वर्ष के दौरान कटौतियाँ/ समायोजन	यथा 31 मार्च 2016	यथा 31 मार्च 2016
अमूर्त परिसंपत्तियाँ - अन्य									
कंप्यूटर प्रचालन प्रणाली	2	-	-	**2**	-	-	-	**-**	**2**
लाइसेंसिंग शुल्क	18,426	-	-	**18,426**	-	1,250	-	**1,250**	**17,176**
उद्यम संसाधन योजना (ईआरपी)	57	50	-	**107**	-	38	-	**38**	**69**
साफ्टवेयर लाइसेंस / कार्यान्वयन									
कुल	**18,485**	**50**	**-**	**18,535**	**-**	**1,288**	**-**	**1,288**	**17,247**

लेखों की समेकित टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

विवरण	सकल वहन राशि				मूल्यह्रास/ परिशोधन				निवल वहन राशि
	यथा 1 अप्रैल 2016	वर्ष के दौरान परिवर्धन/ समायोजन	वर्ष के दौरान कटौतियाँ/ समायोजन	यथा 31 मार्च 2017	01 अप्रैल 2016 को संचित मूल्यह्रास / परिशोधन	वर्ष के दौरान परिवर्धन/ समायोजन	वर्ष के दौरान कटौतियाँ/ समायोजन	यथा 31 मार्च 2017	यथा 31 मार्च 2017
अमूर्त परिसंपत्तियाँ - अन्य									
कंप्यूटर प्रचालन प्रणाली	2	-	-	**2**	-	1	-	**1**	**1**
लाइसेंसिंग शुल्क	18,426	-	-	**18,426**	1,250	1,250	-	**2,500**	**15,926**
उद्यम संसाधन योजना (ईआरपी) साफ्टवेयर लाइसेंस / कार्यान्वयन	107	20	-	**127**	38	46	-	**84**	**43**
कुल	**18,535**	**20**	**-**	**18,555**	**1,288**	**1,297**	**-**	**2,585**	**15,970**

i. **अंकित मूल्य**

भारतीय एएस के लिए परिवर्तन के रूप में, कंपनी ने 1 अप्रैल 2015 संपत्ति, संयंत्र और उपकरण में मान्यता प्राप्त अपने सभी अमूर्तसंपत्तियों के ले जाने के मूल्य के साथ जारी रखने के लिए चुना हैं और पिछला जीएएपी के अनुसार इसे मापा है और अमूर्तसंपत्तियों का माना मूल्य के रूप में अंकित मुल्य का इस्तेमाल किया है ।

ii. **परिशोधन**

परिशोदन की गणना परिसंपत्तियों के अनुमानित उपयोगी जीवन के आधार पर सीधी रेखा के आधार पर की जाती है।

परिशोधन की गणना कंपनी की लाभ और हानि के विवरण में खर्च के रूप में अभिचिह्नित की गई है।

iii. **लेखा परिशोधन की विधि**

परिशोधन की गणना कंपनी की लेखा नीति संख्या 8 के अनुसार की गई है और इसे लाभ और हानि के विवरण में खर्च के रूप में अभिचिह्नित की गई है।

iv. ठेका प्रतिबद्धता के लिए टिप्पणी सं. 30(11) देखें ।

	यथा 31 मार्च 2017	यथा 31 मार्च 2016	यथा 1 अप्रैल 2015
टिप्पणी 5			
विकासधीन अमूर्त परिसंपत्तियाँ			
आंतरिक विकसित	32,850	20,772	-
अन्य			
उद्यम संसाधन योजना (ईआरपी) साफ्टवेयर लाइसेंस / कार्यान्वयन -	12	12	12
	32,862	**20,784**	**12**

i. ठेका प्रतिबद्धता के लिए टिप्पणी 30(11) देखें ।

लेखों की समेकित टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

	यथा 31 मार्च 2017	यथा 31 मार्च 2016	यथा 1 अप्रैल 2015
टिप्पणी 6			
निवेश			
(I) साम्या प्रलेखों में निवेश (अनुद्धृत)			
अन्य (एफवीओसीआई पर) (नीचे टिप्पणी iv देखें			
।)			
मना एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट लि., हैदराबाद			
पूर्ण चुकता ₹1000 प्रत्येक के 500 साम्या शेयर (31.03.2016: 500; 01.04.2015: 500)	7	6	5
(II) अन्य निवेश (अनुद्धृत)			
a) सहकारी समितियों में निवेश (लागत पर)*			
कफ परेड परसोपोलिस परिसर सहकारी समिति, मुंबई	-	-	-
पूर्ण चुकता ₹ 50 प्रत्येक के 40 शेयर (31.03.2016: 40; 01.04.2015:40)			
सुख सागर परिसर सहकारी सोसाइटी, मुंबई			
पूर्ण चुकता ₹ 50 प्रत्येक के 10 शेयर (31.03.2016: 10; 01.04.2015: 10)			
श्री सप्त रत्न सहकारी सोसायटी लिमिटेड, मुंबई	-	-	-
पूर्ण चुकता ₹50 प्रत्येक के 10 शेयर (31.03.2016: 10; 01.04.2015: 10)			
दालामल पार्क सहकारी सोसायटी लिमिटेड, मुंबई			
पूर्ण चुकता ₹ 50 प्रत्येक के 5 शेयर (31.03.2016: 5; 01.04.2015: 5)			
चंद्रलोक सहकारी हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, पुणे	-	-	-
पूर्ण चुकता ₹ 50 प्रत्येक के 30 शेयर (31.03.2016: 30; 01.04.2015: 30)			
b) अन्य (एफवीटीपीएल)			
भारतीय जीवन बीमा निगम (छुट्टी नकदीकरण की ओर) (टिप्पणी ii देखें)छ	30,702	24,210	-
	30,709	**24,216**	**5**

* आईएनआर 5000 हाउसिंग सोसाइटीज में उनके उप-कानून विनियमन के अनुसार प्राप्त शेयरों के मूल्य का भी प्रतिनिधित्व करता है।

।क. उद्धृत निवेशों का कुल मूल्य एवं उनके बाज़ार मूल्य	-	-	-
।ख. आुद्धृत निवेशों का कुल मूल्य	30,709	24,216	5
।ग. निवेश के मूल्य में हानि की कुल राशि	-	-	-

ii. मूल कंपनी ने एलआईसी के नए समूह छुट्टी नकदीकरण योजना में छुट्टी नकदीकरण देयताएँ का निवेश किया है (टिप्पणी 21 देखें)।

लेखों की समेकित टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

iii. वित्तीय प्रलेखों के वर्गीकरण के लिए टिप्पणी 33 देखें ।

iv. क. कंपनी ने एफवीओसीआई में माना एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट के ईक्विटी शेयरों में निवेश को नियुक्त किया है क्योंकि ये इक्विटी शेयर निवेश का प्रतिनिधित्व करते हैं जो कि रणनीतिक उद्देश्यों के लिए लंबे समय तक आयोजित होने के लिए है। निवल परिसंपत्तियों मूल्य विधि पर आधारित निवेश का उचित मूल्य नीचे दिया गया है -

विवरण	यथा 31 मार्च 2017 को उचित मूल्य	वर्ष 2016-17 के दौरान मान्यता प्राप्त लाभांश आय	यथा 31 मार्च 2016 को उचित मूल्य	वर्ष 2015-16 के दौरान मान्यता प्राप्त लाभांश आय	यथा 1 अप्रैल 2015 को उचित मूल्य
मना एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट लि. में निवेश	7	-	6	-	5

ख. इा निवेशों से मूल कंपनी को अब तक कोई लाभांश नहीं मिला है ।

ग. 2016-17 के दौरान किसी भी रणनीतिक निवेश का निपटारा नहीं किया गया था, और इन निवेशों से संबंधित इक्विटी के भीतर कोई संचयी लाभ या हानि का कोई स्थानातरण नहीं हुआ था।

	यथा 31 मार्च 2017	यथा 31 मार्च 2016	यथा 1 अप्रैल 2015
टिप्पणी 7			
व्यापार प्राप्तियाँ			
गैर-चालू			
अप्रतिभूत, जिन्हें संदिग्ध माना गया			
व्यापार प्राप्तियाँ	126,967	119,815	103,250
घटाएँ - प्रावधान	(126,967)	(119,815)	(103,250)
उप कुल (क)	-	-	-
चालू			
प्रतिभूत, जिन्हें अच्छा माना गया	26	25	48
अप्रतिभूत, जिन्हें अच्छा माना गया	436,800	372,166	379,658
उप कुल (ख)	**436,826**	**372,191**	**379,706**
कुल (क+ख)	**436,826**	**372,191**	**379,706**

i. **कुल (क+ख)**

वित्तयी प्रलेखों के वर्गीकरण हेतु टिप्पणी 33 देखें ।

ii. **वित्तीय संपत्तियों की हानि**

हानि के लिए प्रावधान कंपनी के लेखा नीति सं. 30 के अनुरूप हैं।

iii. **संबंधित पक्षकार के प्रकटणों**

संबंधित पक्षकार के प्रकटणों के लिए, टिप्पणी 31 देखें ।

iv. **सुरक्षा, मालबंधन आदि**

टिप्पणी सं. 35 देखें ।

लेखों की समेकित टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

	यथा 31 मार्च 2017	यथा 31 मार्च 2016	यथा 1 अप्रैल 2015
टिप्पणी 8			
ऋण			
गैर-चालू			
अप्रतिभूत, जिन्हें अच्छा माना गया			
सुरक्षा जमा राशियाँ	1,841	1,894	1,760
कर्मचारियों को ऋण	671	755	837
	2,512	**2,649**	**2,597**
अप्रतिभूत, जिन्हें संदिग्ध माना गया			
सुरक्षा जमा	99	132	103
घटाएँ - प्रावधान	(99)	(132)	(103)
	-	-	-
अन्य			
कर्मचारियों को ऋण	1	1	1
घटाएँ - प्रावधान	(1)	(1)	(1)
	-	-	-
अन्य को ऋण	132	132	132
घटाएँ - प्रावधान	(132)	(132)	(132)
	-	-	-
उप कुल (क)	**2,512**	**2,649**	**2,597**
चालू			
अप्रतिभूत, जिन्हें अच्छा माना गया			
सुरक्षा जमा राशियाँ	1,054	759	762
अन्य			
कर्मचारियों को ऋण	150	155	179
अन्य को ऋण	-	1	1
उप कुल (ख)	**1,204**	**915**	**942**
कुल (क+ख)	**3,716**	**3,564**	**3,539**

i. **वित्तीय प्रलेखों**

वित्तीय प्रलेखों के वर्गीकरण हेतु टिप्पणी 33 देखें ।

ii. **वित्तीय संपत्तियों की हानि**

हानि के लिए प्रावधान कंपनी के लेखा नीति सं. 30 के अनुरूप हैं।

iii. **संबंधित पक्षकार के प्रकटणों**

संबंधित पक्षकार के प्रकटणों के लिए, टिप्पणी 31 देखें ।

लेखों की समेकित टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

	यथा 31 मार्च 2017	यथा 31 मार्च 2016	यथा 1 अप्रैल 2015
टिप्पणी 9			
अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ			
गैर चालू			
अप्रतिभूत, जिन्हें अच्छा माना गया			
अन्य को अग्रिम	1	-	-
व्यापार प्राप्तियाँ के अलावा अन्य प्राप्तियाँ	21	2	8
अवधिक जमा राशियाँ पर प्रोद्भूत ब्याज	92	3	4
12 महिनों की परिपक्वता से अधिक बैंक जमा राशियाँ	2,755	113	46
अन्य परिसंपत्तियाँ	3,129	2,984	3,208
	5,998	**3,102**	**3,266**
अप्रतिभूत, जिन्हें संदिग्ध माना गया			
अन्य को अग्रिम	1	1	1
घटाएँ - प्रावधान	(1)	(1)	(1)
	-	-	-
प्रोद्भूत आय	240	115	-
घटाएँ - प्रावधान	(240)	(115)	-
	-	-	-
व्यापार प्राप्तियाँ के अलावा अन्य प्राप्तियाँ	30	38	25
घटाएँ - प्रावधान	(30)	(38)	(25)
	-	-	-
अन्य दावा प्राप्तियाँ	-	8	17
घटाएँ - प्रावधान	-	(8)	(17)
	-	-	-
अन्य परिसंपत्तियाँ	81	73	73
घटाएँ - प्रावधान	(81)	(73)	(73)
	-	-	-
उप कुल (क)	**5,998**	**3,102**	**3,266**
चालू			
अप्रतिभूत, जिन्हें अच्छा माना गया			
कर्मचारियों को अग्रिम	189	254	153
अन्य को अग्रिम	3	4	3
प्रोद्भूत आय	20,792	2,912	1,559
पूर्वदत्त व्यय			
जमा राशियाँ पर प्रोद्भूत ब्याज	5,428	16,737	15,994
व्यापार प्राप्तियाँ के अलावा प्राप्तियाँ	191	87	24
अन्य दावे प्राप्तियाँ	-	1	16
अन्य परिसंपत्तियाँ	472	2,368	611
उप कुल (ख)	**27,075**	**22,363**	**18,360**
कुल (क+ख)	**33,073**	**25,465**	**21,626**

i. **वित्तीय प्रलेखों**
वित्तीय प्रलेखों के वर्गीकरण हेतु टिप्पणी 33 देखें ।

ii. **वित्तीय संपत्तियों की हानि**
हानि के लिए प्रावधान कंपनी के लेखा नीति सं. 29 के अनुरूप हैं।

iii. **संबंधित पक्षकार के प्रकटणों**
संबंधित पक्षकार के प्रकटणों के लिए, टिप्पणी 31 देखें ।

iv. सक्रिय उपयोग न होने और लंबित निपटान के लिए लंबित संपत्ति, संयंत्र और उपकरण के संबंध में अन्य परिसंपत्तियों में ₹12 के निवल वहन में जोड़ा गया है।

लेखों की समेकित टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

	यथा 31 मार्च 2017	यथा 31 मार्च 2016	यथा 1 अप्रैल 2015
टिप्पणी 10			
आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ (निवल)			
आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ	66,177	56,767	46,678
आस्थगित कर देयताएँ	13,283	10,907	7,954
	52,894	**45,860**	**38,724**

i. लाभ व हानि के विवरण में अभिचिह्नित निवल व्यय

विवरण	यथा 31 मार्च 2017	यथा 31 मार्च 2016
आय कर व्यय -		
- चालू अवधि	51,757	48,673
- पूर्व वर्षों से संबंधित अनुमान में परिवर्तन	(873)	1
आस्थगित कर -		
- अस्थायी मतभेदों का उत्पत्ति और उत्क्रमण	(2,330)	(5,952)
कुल आस्थगित कर व्यय/(लाभ)	**(2,330)**	**(5,952)**
आय कर व्यय	**48,554**	**42,722**

ii. **अन्य व्यापक आय पर अभिचिह्नित आय कर -**

विवरण	यथा 31 मार्च 2017			यथा 31 मार्च 2016		
	कर पूर्व	कर लाभ (व्यय)	कर से निवल	कर पूर्व	कर लाभ (व्यय)	कर से निवल
निवल पारिभाषित लाभ देयता/(परिसंपत्ति) का पुनःमापन	(13,955)	(4,704)	(9,251)	(3,423)	(1,184)	(2,239)
अन्य व्यापक आय द्वारा साम्या प्रलेखों	1	-	1	1	-	1
कुल	**(13,954)**	**(4,704)**	**(9,250)**	**(3,422)**	**(1,184)**	**(2,238)**

iii. **साम्या में प्रत्यक्ष अभिचिह्नित आय कर**

31 मार्च 2017 और 31 मार्च 2016 को समाप्त वर्ष के लिए इक्विटी में प्रत्यक्ष रूप से मान्यता प्राप्त कोई आयकर नहीं है।

iv. **प्रभावी कर दरों का समाधान**

विवरण	यथा 31 मार्च 2017		यथा 31 मार्च 2016	
	दर	मूल्य	दर	मूल्य
कर पूर्व लाभ		200,891		176,397
मूल कंपनी के आंतरिक कर दरों के उपयोग से कर	34.61%	69,524	34.61%	61,047
आसंधान व विकास व्यय पर अतिरिक्त कटौतियाँ का प्रभाव	-9.16%	(18,404)	-9.41%	(16,606)
आय छूट कर	-0.90%	(1,800)	-0.08%	(135)
कर प्रोत्साहन	-0.85%	(1,700)	-0.60%	(1,067)
पूर्व वर्षों के अनुमान से संबंधित परिवर्तन	-0.43%	(873)	0.00%	1
गैर -छूट व्यय	0.19%	389	0.23%	411
आय प्रयोजन हेतु त्वरित मूल्यह्रास	0.00%	4	0.00%	1
अन्य	0.70%	1,414	-0.53%	(930)
प्रभावी कर दर	24.17%	48,554	24.22%	42,722

लेखों की समेकित टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

v. आस्थगित कर (परिसंपत्तियों) और देयताएँ निम्न के कारण हैं -

विवरण	आस्थगित कर (परिसंपत्तियाँ)			आस्थगित कर देयताएँ			निवल आस्थगित कर (परिसंपत्तियाँ) /देयताएँ		
	यथा 31 मार्च 2017	यथा 31 मार्च 2016	यथा 1 अप्रैल 2015	यथा 31 मार्च 2017	यथा 31 मार्च 2016	यथा 1 अप्रैल 2015	यथा 31 मार्च 2017	यथा 31 मार्च 2016	यथा 1 अप्रैल 2015
व्यापार प्राप्तियाँ	(11,755)	(12,329)	(12,539)	-	-	113	(11,755)	(12,329)	(12,426)
वस्तुसूचियाँ	(10,708)	(10,814)	(8,612)	-	3	154	(10,708)	(10,811)	(8,458)
अन्य प्रावधान	(14,178)	(12,177)	(7,375)	-	-	-	(14,178)	(12,177)	(7,375)
कर्मचारी अनुदान	(28,462)	(20,620)	(17,173)	-	605	-	(28,462)	(20,015)	(17,173)
अमूर्त परिसंपत्तियाँ	(261)	(332)	(299)	394	240	93	133	(92)	(206)
आस्थगित राजस्व	(440)	(444)	(647)	-	-	-	(440)	(444)	(647)
अन्य परिसंपत्तियाँ	-	-	-	4	1,121	539	4	1,121	539
संयंत्र संपत्ति एवं उपकरण	-	-	-	12,833	8,825	6,780	12,833	8,825	6,780
आईसीडीएस समायोजन	(78)	-	-	-	62	-	(78)	62	-
ईक्विटी निवेश	-	-	-	1	-	-	1	-	-
अन्य वित्तीय देयताएँ	-	(13)	-	51	51	275	51	38	275
व्यापार देय	(6)	(6)	(6)	-	-	-	(6)	(6)	(6)
एमएटी क्रेडिट	(289)	(32)	(27)	-	-	-	(289)	(32)	(27)
कुल	**(66,177)**	**(56,767)**	**(46,678)**	**13,283**	**10,907**	**7,954**	**(52,894)**	**(45,860)**	**(38,724)**
(परिसंपत्तियाँ)/देयताएँ का प्रवृत्त	13,283	10,907	7,954	(13,283)	(10,907)	(7,954)	-	-	-
निवल आस्थगित कर (परिसंपत्तियाँ)/देयताएँ	**(52,894)**	**(45,860)**	**(38,724)**	**-**	**-**	**-**	**(52,894)**	**(45,860)**	**(38,724)**

vi. **आस्थगित कर (परिसंपत्तियाँ)/देयताएँ का संचलन**

विवरण	विवरण यथा 1 अप्रैल 2015 को शेष	2015-16 के दौरान लाभ एवं हानि में अभिचिह्नित	2015-16 के दौरान ओसीआई में अभिचिह्नित	यथा 31 मार्च 2016 को शेष	2016-17 के दौरान लाभ एवं हानि में अभिचिह्नित	2016-17 के दौरान ओसीआई में अभिचिह्नित	यथा 31 मार्च 2017 को शेष
व्यापार प्राप्तियाँ	(12,426)	97	-	(12,329)	574	-	(11,755)
वस्तुसूचियाँ	(8,458)	(2,353)	-	(10,811)	103	-	(10,708)
अन्य प्रावधान	(7,375)	(4,802)	-	(12,177)	(2,001)	-	(14,178)
कर्मचारी अनुदान	(17,173)	(1,658)	(1,184)	(20,015)	(3,743)	(4,704)	(28,462)
अमूर्त परिसंपत्तियाँ	(206)	114	-	(92)	225	-	133
आस्थगित राजस्व	(647)	203	-	(444)	4	-	(440)
अन्य परिसंपत्तियाँ	539	582	-	1,121	(1,117)	-	4
संयंत्र संपत्ति एवं उपकरण	6,780	2,045	-	8,825	4,009	-	12,834
आईसीडीएस समायोजन	-	62	-	62	(140)	-	(78)
ईक्विटी निवेश	-	-	-	-	-	-	-
अन्य वित्तीय देयताएँ	275	(237)	-	38	13	-	51
व्यापार देय	(6)	-	-	(6)	-	-	(6)
एमएटी क्रेडिट	(27)	(5)	-	(32)	(257)	-	(289)
कुल	**(38,724)**	**(5,952)**	**(1,184)**	**(45,860)**	**(2,330)**	**(4,704)**	**(52,894)**

लेखों की समेकित टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

vii. **अभिचिह्नित नहीं किए गए आस्थगित कर (परिसंपत्तियाँ)/देयताएँ**

31 मार्च 2017 और 31 मार्च 2016 को समाप्त वर्ष के लिए अस्थायी अंतरों नहीं हैं जिस पर आस्थागित कर (परिसंपत्तियों) / देयताएँ अभिचिह्नित नहीं किया गया है।

विवरण	कंपनी	यथा 31 मार्च 2017	यथा 31 मार्च 2016	यथा 1 अप्रैल 2015
कर हानि	धारित कंपनी	कोई भी अस्थायी अंतर नहीं है जिससे आस्थगित कर (परिसंपत्तियाँ) / देयताएं में अभिचिह्नित नहीं किया गया है ।		
	बेलॉप			
	बीईएल - थेलेस सिस्टम	462	357	94

viii. **अग्रेनीत कर हानि**

विवरण	कंपनी	यथा 31 मार्च 2017		यथा 31 मार्च 2016		यथा 1 अप्रैल 2015	
		राशि	समापन तारीख	राशि	समापन तारीख	राशि	समापन तारीख
कभी भी समाप्ति नहीं	धारित कंपनी	कर हानि नहीं है जिससे आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ पर अभिचिह्नित किया गया है ।					
समाप्त बेलॉप							
कभी भी समाप्ति नहीं	बेलॉप	745	2025-26	-	-	-	-
समाप्त बेलॉप		-	-	-	-	-	-
कभी भी समाप्ति नहीं	बीईएल - थेलेस सिस्टम	426	2023-25	344	2023-24	90	2022-23
समाप्त बेलॉप		36	-	13	-	4	-

	यथा 31 मार्च 2017	यथा 31 मार्च 2016	यथा 1 अप्रैल 2015
टिप्पणी 11			
गैर-चालू			
कच्चा माल और घटक	35,213	31,284	28,083
जोड़ें - मार्गस्थ कच्चा माल और घटक	244	240	249
घटाएँ - प्रावधान	(30,778)	(27,163)	(22,806)
	4,679	**4,361**	**5,526**
चालू कार्य	208	124	175
घटाएँ - प्रावधान	-	-	-
	208	**124**	**175**
व्यापारगत स्टॉक	55	118	162
जोड़ें - मार्गस्थ व्यापारगत स्टॉक	2	-	-
घटाएँ - प्रावधान	(57)	(118)	(162)
	-	-	-
भंडार एवं पुर्जे	133	68	85
जोड़ें - मार्गस्थ भंडार एवं पुर्जे	-	2	1
घटाएँ - प्रावधान	(112)	(54)	(55)
	21	**16**	**31**
खुले औजार	85	96	72
जोड़ें - मार्गस्थ खुले औजार	5	-	-
घटाएँ - प्रावधान	(73)	(62)	(59)
	17	**34**	**13**
उप कुल (क)	**4,925**	**4,535**	**5,745**

लेखों की समेकित टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

	यथा 31 मार्च 2017	यथा 31 मार्च 2016	यथा 1 अप्रैल 2015
चालू			
कच्चा माल और घटक	247,224	219,100	173,160
जोड़ें - मार्गस्थ कच्चा माल और घटक	19,394	20,849	11,399
घटाएँ - प्रावधान	(78)	(64)	(63)
	266,540	**239,885**	**184,496**
चालू कार्य	169,672	151,044	124,688
तैयार माल	17,815	7,982	8,875
घटाएँ - प्रावधान	19,721	5,857	7,994
	37,536	**13,839**	**16,869**
व्यापारगत स्टॉक	10,329	6,375	6,415
जोड़ें - मार्गस्थ व्यापारगत स्टॉक	537	442	2,886
	10,866	**6,817**	**9,301**
भंडार एवं पुर्जे	2,702	2,437	1,957
जोड़ें - मार्गस्थ भंडार एवं पुर्जे	14	324	368
	2,716	**2,761**	**2,325**
खुले औजार	892	1,047	835
जोड़ें - मार्गस्थ खुले औजार	30	3	3
	922	**1,050**	**838**
निपटाने योग्य रद्दी	173	318	308
	173	**318**	**308**
	488,425	**415,714**	**338,825**
घटाएँ - बिक्री नहीं की गई वस्तुसूची पर अप्राप्त लाभ	**(258)**	**(13)**	**(4)**
उप कुल (ख)	**488,167**	**415,701**	**338,821**
कुल (क+ख)	**493,092**	**420,236**	**344,566**

i. कच्चे माल और घटकों में ₹13,023 (₹ 5,502) शामिल है जो उप-ठेकेदारों के पास की सामग्रियाँ हैं जिनमें से ₹ 169 (₹ 68) की सामग्रियाँ पुष्टिकरण और समाधान पर निर्भर हैं । ₹ 169 (₹ 68) के समक्ष, ₹ 169 (₹ 68) की राशि का प्रावधान किया गया ।

ii. वस्तुसूचियों का मूल्यांकन कंपनी लेखा नीति सं. 17 के अनुसार किया गया है ।

iii. क. संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सचिवालयन ने 05 नवंबर 2007 से 31 मार्च 2012 तक (05 नवंबर 2007 से 31 मार्च 2009) की सत्पापन अवधि के लिए दावणगेरे जिला, कर्नाटक में 2.5 मे.वॉ. की बीईएल की ग्रिड से जुड़ी पवन उर्जा परियोजना के लिए 15856 टन (15856) सीओ2ईक्यू कार्बन क्रेडिट प्रदान किया है । इन कार्बन क्रेडिट को तैयार माल के तहत ₹ 2 (₹2) के मूल्य पर शामिल किया गया है। सीईआर को आईसीएआई द्वारा सीईआर पर जारी मार्गदर्शी टिप्पणी द्वारा यथा आवश्यक लागत पर मूल्यांकित किया जाता है ।

ख. प्रमाणीकरण के तहत सीईआर - कुछ नहीं (कुछ नहीं) सीईआर

ग. वर्ष के दौरान उत्सर्जन कटौती उपकरणों का मूल्यह्रास एवं प्रचालन लागत -

	2016-17	2015-16
i. मूल्यह्रास	269	15
ii. उत्सर्जन कटौती उपकरणों की प्रचालन लागत	102	84
कुल	**371**	**99**

iv. **सुरक्षा, मालबंधन आदि**

टिप्पणी सं. 35 देखें ।

v. **लाभ व हानि के विवरण में अभिचिह्नित व्यय**

₹ 2,662 (₹ 1,402) की निवल वसूली मूल्य के लिए वस्तुसूची की रईट डाउन लाभ और हानि विवरण में अभिचिह्नित किया गया है।

vi. वर्ष के दौरान वस्तुसूची के रईट डाउन का कोई रिवर्सल नहीं बनाया गया है, जिसे पिछले वर्ष के खर्च के रूप में अभिचिह्नित की गई थी।

vii. **संपत्ति की हानि**

वस्तुसूची के लिए प्रावधान कंपनी के लेखा नीति सं.18 के अनुरूप हैं।

लेखों की समेकित टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

	यथा 31 मार्च 2017	यथा 31 मार्च 2016	यथा 1 अप्रैल 2015
टिप्पणी12			
अन्य परिसंपत्तियाँ			
गैर चालू			
पूँजी अग्रिम	12,493	7,966	3,700
घटाएँ - प्रावधान	-	(8)	(8)
	12,493	**7,958**	**3,692**
अग्रिम इतर पूँजी अग्रिम			
कर्मचारी को अग्रिम	-	38	1
क्रय को अग्रिम	466	647	701
घटाएँ - प्रावधान	(369)	(404)	(451)
	97	**243**	**250**
अन्य			
सीमा शुल्क, पत्तन यास तथा अन्य सरकारी प्राधिकारियों के पास शेष	1,521	1,499	1,794
घटाएँ - प्रावधान	(1,380)	(1,366)	(1,648)
	141	**133**	**146**
पूर्वदत्त व्यय	6	41	4
प्राप्य दावे - क्रय	1,553	1,056	1,009
घटाएँ - प्रावधान	(1,553)	(1,056)	(963)
	-	**-**	**46**
अन्य परिसंपत्तियाँ	171	205	44
घटाएँ - प्रावधान	-	(8)	(10)
	171	**197**	**34**
उप कुल (क)	**12,908**	**8,610**	**4,173**
चालू			
पूँजी अग्रिम के अलावा अग्रिम			
कर्मचारी को अग्रिम	502	608	411
क्रय को अग्रिम	21,540	26,609	54,070
अन्य			
सीमा शुल्क, पत्तन यास तथा अन्य सरकारी प्राधिकारियों के पास शेष	24,652	11,609	7,460
घटाएँ - प्रावधान	-	-	(5)
	24,652	**11,609**	**7,455**
पूर्वदत्त व्यय	3,843	2,747	1,820
प्राप्य दावे - क्रय	4,483	3,737	5,745
अन्य प्राप्तियाँ	7	46	10
अन्य - परिसंपत्तियाँ	6,089	5,128	1,837
उप कुल (ख)	**61,116**	**50,484**	**71,348**
कुल (क+ख)	**74,024**	**59,094**	**75,521**

i. संपत्ति की हानि
वस्तुसूची के लिए प्रावधान कंपनी के लेखा नीति सं.19 के अनुरूप हैं।

ii. संबंधित पक्षकार के प्रकटणों
संबंधित पक्षकार के प्रकटणों के लिए, टिप्पणी 31 देखें ।

iii. संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण के संबंध में असमायोजित पूँजी अग्रिम हेतु टिप्पणी 1 एवं 2 देखें ।

लेखों की समेकित टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

	यथा 31 मार्च 2017	यथा 31 मार्च 2016	यथा 1 अप्रैल 2015
टिप्पणी 13			
नकद एवं नकद समतुल्य			
बैंक शेष	47,635	46,909	42,515
हस्तस्थ नकद	10	20	19
अवधिक जमा राशियाँ	222,336	203,361	160,554
	269,981	**250,290**	**203,088**

i. नकद और नकद समतुल्य में तीन महीनों तक की मूल परिपक्वता अवधि की आवधिक जमा राशियाँ शामिल हैं। तीन महीनों से अधिक की मूल परिपक्वता अवधि की आवधिक जमा राशियों को बैंक शाखाओं में शामिल किया गया है । टिप्पणी सं. 14 देखें ।

ii. वित्तीय प्रलेखों के वर्गीकरण हेतु टिप्पणी सं. 33 देखें ।

iii. नकद और नकद समतुल्य के संबंध में कोई प्रत्यावर्तन प्रतिबंध नहीं हैं।

टिप्पणी 14			
बैंक शेष [उपर्युक्त (ii) के अलावा]			
अवधिक जमा राशियाँ*	106,315	471,299	370,741
बैंकों के पास धारित मार्जिन राशि	-	1	1
अदत्त लाभांश खाता	6,422	21	20
	112,737	**471,321**	**370,762**

i. वित्तीय प्रलेखों के वर्गीकरण हेतु टिप्पणी सं. 33 देखें ।

ii. मूल कंपनी में ऐसी कोई आवधिक जमा राशि नहीं है जिसकी मूल परिपक्वता अवधि बारह महीनों से अधिक है ।

iii. बैंक के शेष के संबंध में कोई प्रत्यावर्तन प्रतिबंध नहीं हैं

iv. * आवधिक जमा राशियों में नीचे दिए गए उद्देश्यों के लिए निर्धारित राशि शामिल है -

बीईआरईसीएचएस	40,804	29,704	23,817
सीएसआर व्यय	3,123	2,592	2,044

टिप्पणी 15			
चालू कर परिसंपत्तियाँ (निवल)			
आय कर को अग्रिम भुगतान	9,802	1	163
घटाएँ - प्रावधान	(1)	(1)	-
	9,801	**-**	**163**
चालू कर देयताएँ (निवल)			
कराधान के लिए प्रावधान	-	6,666	-
	-	6,666	-

लेखों की समेकित टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

	यथा 31 मार्च 2017	यथा 31 मार्च 2016	यथा 1 अप्रैल 2015
टिप्पणी16			
क. साम्या शेयर पूँजी			
i. **प्राधिकृत पूँजी**			
₹ 1 प्रत्येक के (31.03.2016: ₹ 10 प्रत्येक ; 01.04.2015: ₹ 10 प्रत्येक) 2,500,000,000 (31.03.2016: 250,000,000 ; 01.04.2015: 100,000,000) साम्या शेयर	25,000	25,000	10,000
ii. **जारी किए गए, अभिदत्त और पूर्ण चुकता पूँजी**			
₹ 1 प्रत्येक के (31.03.2016: ₹ 10 प्रत्येक; 01.04.2015: ₹ 10 प्रत्येक) 2,233,627,930 (31.03.2016: 240,000,000; 01.04.2015: 80,000,000) साम्या शेयर	22,336	24,000	8,000

iii. **अवधि के आरंभ एवं अंत में बकाया शेयरों की संख्या का समाधान**

विवरण	यथा 31 मार्च 2017		यथा 31 मार्च 2016		यथा 1 अप्रैल 2015	
	शेयरों की संख्या	राशि	शेयरों की संख्या	राशि	शेयरों की संख्या	राशि
समीक्षाधीन अवधि के प्रारंभ में बकाया शेयर	240,000,000	24,000	80,000,000	8,000	80,000,000	8,000
जोड़ें - वर्ष के दौरान जारी किए गए शेयर (बोनस शेयर)	-	-	160,000,000	16,000	-	-
घटाएँ - वर्ष के दौरान पुनः खरीद किए गए शेयर आदि	16,637,207	1,664	-	-	-	-
वर्ष के दौरान शेयरों का उप वर्गीकरण (₹ 10 से ₹ 1 प्रति साम्या शेयर)	2,010,265,137	-	-	-	-	-
समीक्षाधीन अवधि के अंत में बकाया शेयर	2,233,627,930	22,336	240,000,000	24,000	80,000,000	8,000

iv. **5% से अधिक धारण करने वाले प्रत्येक शेयरधारक द्वारा आयोजित कंपनी में शेयर**

शेयरधारक का नाम	यथा 31 मार्च 2017		यथा 31 मार्च 2016		यथा 1 अप्रैल 2015	
	शेयरों की संख्या	शेयरधारिता%	शेयरों की संख्या	शेयरधारिता%	शेयरों की संख्या	शेयरधारिता%
भारत सरकार	1,523,039,911	68.19%	180,042,330	75.02%	60,015,859	75.02%
भारतीय जीवन बीमा निगम	117,231,380	5.25%	12,741,544	5.31%	4,476,641	5.60%

v. **पिछले 5 वर्षों के दौरान बोनस शेयरों के रूप में पूरी तरह से भुगतान के रूप में आवंटित किए गए शेयरों की कुल संख्या और वर्ग**

	यथा 31 मार्च 2017	यथा 31 मार्च 2016
	शेयरों की संख्या	शेयरों की संख्या
बोनस शेयरों के रूप में पूरी तरह से आवंटित किए गए चुकता इक्विटी शेयर	-	160,000,000

वित्तीय वर्ष 2011-12 से 2014-15 के दौरान बोनस शेयरों का कोई आवंटन नहीं हुआ था।

लेखों की समेकित टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

vi. **पिछले 5 वर्षों के दौरान खरीद वापस की गई शेयरों कुल संख्या और वर्ग**

	यथा 31 मार्च 2017	यथा 31 मार्च 2016
	शेयरों की संख्या	शेयरों की संख्या
पुनः खरीद किए गए साम्या शेयर	16,637,207	-

क. वित्तीय वर्ष 2011-12 से 2014-15 के दौरान शेयरों की कोई खरीद वापस नहीं हुई थी।

ख. अंकित मूल्य ₹10 के 16637207 इक्विटी शेयरों के लिए ₹ 1,305 प्रति शेयर के लिए 1295 प्रति शेयर के प्रीमियम पर खरीदा गया था, जिसके परिणामस्वरूप, वित्तीय वर्ष 2016-17 के दौरान 2,71,116 का कुल नकद बहिर्वाह हुआ है ।

vii. **प्रत्येक वर्ग के शेयरों के लिए संलग्न शर्तें, अधिकार, प्राथमिकताएं और प्रतिबंध -**

क. विकल्प के तहत जारी करने के लिए आरक्षित शेयर तथा शेयरों / विनिवेश के विक्रय के लिए संविदाएँ / प्रतिबद्धताएँ — कुछ नहीं — कुछ नहीं — कुछ नहीं

ख. अदत्त कॉल का कुल मूल्य (मूल कंपनी के निदेशकों और अधिकारियों सहित) — कुछ नहीं — कुछ नहीं — कुछ नहीं

ग. मूल कंपनी के केवल एक प्रकार के शेयर यानी साम्या शेयर हैं ।

घ. साम्या शेयर का प्रत्येक धारक हाथ दिखाकर और धारित शेयरों की संख्या के अनुपात में मतदान में एक वोट का हकदार है ।

ङ. प्रत्येक शेयर धारक को मूल कंपनी द्वारा घोषित लाभांश प्राप्त करने का अधिकार है ।

च. मूल कंपनी के समापन पर, साम्या शेयरधारक कानून के अनुसार, सभी अधिमान राशियों के संवितरण के बाद, मूल कंपनी की शेष परिसंपत्तियों के वसूल किए गए मूल्य,यदि कोई हो, को प्राप्त करने का हकदार होगा । यह संवितरण शेयरधारकों द्वारा धारित साम्या शेयरों की संख्या के अनुपात में होगा ।

viii. **आंतरिम लाभांश, आंतिम लाभांश**

	वर्ष 31 मार्च 17 अंत	वर्ष 31 मार्च 16 अंत
वर्ष 2015-16 एवं 2014-15 के लिए आंतिम लाभांश	34,800	18,560
वर्ष 2016-17 एवं 2015-16 के लिए आंतरिम लाभांश	26,804	6,000
लाभांश वितरण कर	12,541	4,999

ख प्रारक्षण की प्रकृति एवं प्रयोजन

i. **पूँजी प्रारक्षण**

पूंजीगत प्रारक्षण बनाए रखा आय से स्थानांतरण द्वारा कंपनी द्वारा अर्जित पूंजी लाभ के बराबर राशि बनाया गया है। प्रारक्षण का उपयोग कंपनी अधिनियम 2013 के प्रावधानों के अनुसार किया जाता है।

ii. **पूँजी विमोचन प्रारक्षण**

वापस खरीदे गए शेयरों के अंकित मूल्य के बराबर राशि से सामान्य प्रारक्षण से स्थानांतरित पूंजीगत प्रारक्षण को किया जाता है । प्रारक्षण का उपयोग कंपनी अधिनियम 2013 के प्रावधानों के अनुसार किया जाता है।

iii. **अन्य व्यापक आय के माध्यम से इक्विटी निवेश (ओसीआई)**

समूह ने अन्य व्यापक आय में कुछ इक्विटी निवेश के उचित मूल्य में बदलाव को पहचानने के लिए चुना है। इस आरक्षित में उचित मूल्य में बदलाव जमा हो गया है। अगर निवेश को मान्यता दी जाती है तो संचित राशि को बरकरार रखा आय में स्थानांतरित किया जाएगा।

लेखों की समेकित टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

	यथा 31 मार्च 2017	यथा 31 मार्च 2016	यथा 1 अप्रैल 2015
टिप्पणी 17			
सरकारी अनुदान - आस्थगित			
गैर-चालू			
सरकारी अनुदान - आस्थगित	17,238	18,123	19,671
उप कुल (क)	**17,238**	**18,123**	**19,671**
चालू			
सरकारी अनुदान - आस्थगित	20	3	19
कुल (क+ख)	**20**	**3**	**19**
Total (A+B)	**17,258**	**18,126**	**19,690**

टिप्पणी 18			
उधार राशियाँ			
गैर-चालू			
प्रतिभूत			
बैंक से अवधिक ऋण	1,667	-	-
उप कुल (क)	**1,667**	**-**	**-**
चालू			
प्रतिभूत			
बैंक से अवधिक ऋण	1,358	2,839	2,473
उप कुल (ख)	**1,358**	**2,839**	**2,473**
कुल (क+ख)	**3,025**	**2,839**	**2,473**

i.

बैंक से अवधिक ऋण	
यथा तुलन पत्र दिनांक को कुल देयताएँ	6,358
घटाएँ - दीर्घकालीन ऋण के चालू परिपक्वता *	3,333
घटाएँ - अवधिक ऋण पर प्रोद्भूत ब्याज एवं शेष	-
गैर चालू उधार राशियाँ	3,025

* टिप्पणी 20 के तहत देखें ।

ii. सुरक्षा की प्रकृति -
समूह की वर्तमान संपत्ति पर प्रभार से सुरक्षित।

iii. **मूल कंपनी के लिए वापसी की शर्त**
जून 2017 को समाप्त होने वाले क्वार्टर से शुरू होने वाले 12 तिमाही किश्तों में लौटाने योग्य और मार्च 2020 को समाप्त होने वाले क्वार्टर पर समाप्त होता है

iv. **मूल कंपनी के लिए ब्याज का दर**
8.15% प्रति माह आरबीआई / एसबीआई दिशानिर्देश और समूह के जोखिम मूल्यांकन के आधार पर संशोधन के अधीन।

v. यथा तुलन-पत्र दिनांक को भुगतान नहीं करने की अवधि एवं राशि
कुछ नही

लेखों की समेकित टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

	यथा 31 मार्च 2017	यथा 31 मार्च 2016	यथा 1 अप्रैल 2015
टिप्पणी 19			
व्यापार देय			
गैर चालू			
- अन्य	-	57	2
उप कुल (क)	**-**	**57**	**2**
चालू			
- सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों के देय	1,558	644	406
- अन्य	129,777	115,582	115,303
उप कुल (ख)	**131,335**	**116,226**	**115,709**
कुल (क+ख)	**131,335**	**116,283**	**115,711**

i. यथा 31 मार्च 2017 को सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विकास (एमएसएमईडी) अधिनियम, 2006 के तहत यथा अपेक्षित सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों को देय संबंधि सूचना नीचे दी गई है -

विवरण	2016-17	2015-16
क. मूलधन और उस पर देय ब्याज जो यथा 31 मार्च को अदत्त बनी हुई है -		
मूलधन*	1,643	648
ब्याज	5	10
ख. 31 मार्च को समाप्त वर्ष के दौरान निर्धारित दिवस के बाद किए गए भुगतान के साथ-साथ कंपनी द्वारा अदा की गई ब्याज की राशि -		
मूलधन*	43	6
ब्याज	-	6
ग. विलंब की अवधि के लिए देय ब्याज तथा प्रदेय (जिसका भुगतान वर्ष के दौरान किया गया लेकिन निर्धारित दिन के बाद) परन्तु अधिनियम के तहत विनिर्दिष्ट ब्याज को जोड़े बिना	-	-
घ. 31 मार्च को समाप्त वर्ष के अंत में प्रोद्भूत तथा अदत्त रहने वाले ब्याज	9	14
ङ. ब्याज जो उत्तरवर्ती वर्षों में भी देय और प्रदेय बनी हुई है, उस तारीख तक जब एमएसएमईडी अधिनियम की धारा 23 के तहत कटौती-योग्य व्यय के रूप में अस्वीकृत करने के प्रयोजन से, यथा उपर्युक्त ब्याज की देय राशियों का भुगतान वास्तव में लघु उद्यमों को नहीं कर दिया जाता ।	3	10

* टिप्पणी 20 के तहत दिखाएं देय भी शामिल है ।

** ब्याज आईएनआर 3278 के संबंध में चालू वर्ष को राउड ऑफ किया गया है।

ii. पिछली वर्ष में किए गए प्रावधानों की अवधि ₹ 8 के दौरान रिवर्स कर दिया गया है, क्योंकि बाद में सत्यापन पर, राशि का भुगतान नहीं किया गया था ।

iii. यह सूचना से पूर्तिकर्ताओं के संबंध में उस सीमा तक दी गई है जहाँ तक उन्हें कंपनी में उपलब्ध सूचना के आधार पर सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों के रूप में अभिचिह्नित किया जा सकता है और लेखा परीक्षाकों द्वारा भरोसा कर दिया गया है ।

iv. **वित्तीय प्रलेखों**

वित्तीय प्रलेखों के वर्गीकरण हेतु टिप्पणी 33 देखें ।

v. **संबंधित पक्षकार प्रकटण**

संबंधित पक्षकार प्रकटण के लिए टिप्पणी 31 देखें ।

vi. व्यापार प्रदेय से संबंधित मुद्रा एवं तरलता जोखिम के लिए टिप्पणी 34 देखें ।

लेखों की समेकित टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

	यथा 31 मार्च 2017	यथा 31 मार्च 2016	यथा 1 अप्रैल 2015
टिप्पणी 20			
अन्य वित्तीय देयताएँ			
गैर चालू			
सुरक्षा जमा राशियाँ	72	158	76
उप कुल (क)	**72**	**158**	**76**
चालू			
सुरक्षा जमा राशियाँ	3,188	2,204	2,040
दीर्घकालीन ऋण के चालू परिपक्व[1]	3,333	-	-
ब्याज प्रोद्भूत लेकिन देय नहीं - अवधिक ऋण[1]	1	-	-
व्यापार प्रदेय पर प्रोद्भूत एवं देय ब्याज[2]	10	17	14
अन्य गैर व्यापार देय	10,299	2,932	2,091
अदत्त परिपक्व जमा राशियाँ	37	37	37
अदत्त लाभांश	6,422	21	20
एमएसएमई[2] को गैर व्यापार देय राशि	85	4	-
बकाया व्यय	39,895	36,142	19,259
अन्य देयताएँ	1,164	1,914	1,147
उप कुल (ख)	**64,434**	**43,271**	**24,608**
कुल (क+ख)	**64,506**	**43,429**	**24,684**
यथा तुलन-पत्र की तारीख को निवेशक शिक्षा एवं संरक्षण निधि को अंतरित की जाने वाली राशि	कुछ नहीं	कुछ नहीं	कुछ नहीं

[1] (टिप्पणी 18 देखें ।)

[2] (टिप्पणी 19 देखें ।)

i. **वित्तीय प्रलेखों**

वित्तयी प्रलेखों के वर्गीकरण हेतु टिप्पणी 33 देखें ।

टिप्पणी 21			
प्रावधान			
गैर चालू			
कर्मचारी अनुलाभ			
दीर्घकालीन क्षतिपूरक अनुपस्थितियाँ	33,511	23,870	21,373
बीईएल सेवानिवृत्त कर्मचारी अंशदायी स्वास्थ्य योजना (बीईआरईसीएचएस)	37,701	27,554	22,029
अन्य			
दुर्वह संविदाओं के लिए प्रावधान	5,679	11,242	7,510
कार्य-निष्पादन वारंटी के लिए प्रावधान	12,347	7,218	4,016
स्थल पुनःस्थापन दायित्व के लिए प्रावधान	135	135	55
उप कुल (क)	89,373	70,019	54,983

लेखों की समेकित टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

	यथा 31 मार्च 2017	यथा 31 मार्च 2016	यथा 1 अप्रैल 2015
चालू			
कर्मचारी अनुलाभ			
उपदान*	1,582	(1,056)*	476
दीर्घकालीन क्षतिपूरक अनुपस्थितियाँ	2,838	2,459	2,823
बीईएल सेवानिवृत्त कर्मचारी अंशदायी स्वास्थ्य योजना (बीईआरईसीएचएस)	3,103	2,150	1,788
बीईएल अधिवार्षिता के प्रति प्रबंधन का अंशदान (पेंशन) योजना	-	4,999	3,228
वेतन परिशोधन	14,537	537	378
वार्षिक प्रोत्साहन	104	53	40
अन्य			
दुर्वह संविदाओं के लिए प्रावधान	2,906	2,847	2,427
कार्य-निष्पादन वारंटी के लिए प्रावधान	16,414	10,584	3,962
उप कुल (ख)	**41,484**	**22,573**	**15,122**
कुल (क+ख)	**130,857**	**92,592**	**70,105**

i. **वर्ष 2016-17 के लिए प्रावधानों का संचलन**

	कार्य निष्पादन वारेंटी	दुर्वह ठेका	साइट पुनःस्थापन उत्तरदायित्व
यथा 1 अप्रैल	17,802	14,089	135
वर्ष के दौरान अभिचिह्नित अतिरिक्त प्रावधान	19,935	1,207	-
वर्ष के दौरान प्रयुक्त राशियाँ (नीचे टिप्पणी v देखें ।)	112	-	-
वर्ष के दौरान व्युत्क्रमित राशियाँ	8,864	6,711	-
यथा 31 मार्च	**28,761**	**8,585**	**135**

वर्ष 2016-17 के लिए प्रावधानों का संचलन

	कार्य निष्पादन वारेंटी	दुर्वह ठेका	साइट पुनःस्थापन उत्तरदायित्व
यथा 1 अप्रैल	7,978	9,937	55
वर्ष के दौरान अभिचिह्नित अतिरिक्त प्रावधान	13,229	5,464	80
वर्ष के दौरान प्रयुक्त राशियाँ (नीचे टिप्पणी v देखें ।)	105	722	-
वर्ष के दौरान व्युत्क्रमित राशियाँ	3,300	590	-
यथा 31 मार्च	**17,802**	**14,089**	**135**

ii. **वारंटियों के लिए प्रावधान - कंपनी की लेखा नीति संख्या 20 के अनुसार**

वारंटी के लिए प्रावधान जिनका सामान्य वारंटी अवधि बकाया है उन उत्पादों के संबंध में किया जाता है । चूंकि वारंटी प्रावधान अवधि उत्पाद से उत्पाद तक भिन्न होती है, वारंटी अवधि की औसत अवधि के आधार पर स्ट्रैटेजिक बिजनेस यूनिट (एसबीयू) स्तर पर प्रावधान किया जाता है । प्रावधान व्यय किए जाने वाले संभावित खर्चों के प्रवृत्ति पर आधारित अनुमान के आधार पर किया जाता है । प्रावधान को वारंटी के अनुमानित लागत के वर्तमान मूल्य से मापा जाता है ।

iii. **साइट पुनःस्थापन के लिए प्रावधान - कंपनी के लेखा नीति संख्या 23 के अनुसार**

लीज एग्रीमेंट के नियम और शर्तों के अनुसार कम से कम, कंपनी को इसकी मूल स्थिति में जमीन वापस करने की आवश्यकता है । तदनुसार साइट वापसी दायित्व के संबंध में प्रावधान किया गया है । आवश्यक प्रावधान की समीक्षा की जाती है और प्रत्येक वर्ष के अंत में किए गए समायोजन की आवश्यकता होती है । प्रावधान को वापसी की लागत का सबसे अच्छा अनुमान के वर्तमान मूल्य से मापा जाता है ।

लेखों की समेकित टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

iv. दुर्वह ठेके के लिए प्रावधान - कंपनी के लेखा नीति संख्या 23 के अनुसार

कंपनी द्वारा दर्ज किए गए कुछ अनुबंधों के संबंध में, यह अपेक्षित है कि अनुबंध पूरा करने की संभावना लागत संविदा के खिलाफ प्राप्त / प्राप्त आय से अधिक होगी । ऐसे मामलों में, अपेक्षित नुकसान के संबंध में प्रावधान किया गया है । आवश्यक प्रावधान की समीक्षा की जाती है और प्रत्येक वर्ष के अंत में किए गए समायोजन की आवश्यकता होती है । प्रावधान को खर्च होने की संभावना का सबसे अच्छा अनुमान के वर्तमान मूल्य के आधार पर मापा जाता है ।

v. प्रारंभिक प्रावधान के लिए डेबिट राशि ।

vi. वारंटी लागत के संबंध मेंप्राकृतिक कोड शीर्ष हेतु ₹ 8065 (₹ 8592) की राशि डेबिट किया गया है।
साइट पुनःस्थापन उत्तरदायित्व के संबंध में प्राकृतिक कोड शीर्ष हेतु कुछ नहीं (कुछ नहीं) डेबिट किया गया है ।
दुर्वह ठेके के संबंध में प्राकृतिक कोड शीर्ष हेतु ₹ 1974 (₹ 2498) की राशि डेबिट किया गया है ।

vii. *31 मार्च 2016 को दायित्व पर योजना संपत्ति से अधिक का प्रतिनिधित्व करता है ।

(क) उत्तर रोजगार अनुलाभ दायित्व-

(i) उपदान

कंपनी भारत के कर्मचारियों को उपदान का भुगतान, उपदान अधिनियम, 1971के अनुसार करता है ।. कंपनी में अपने कर्मचारियों के लिए उपदान योजना विद्यमान है जो कि वित्त-पोषित योजना है । प्रत्येक वर्ष, कंपनी इस निधि की देयताओं, जो बीमांकक मूल्यांकन के माध्यम से निर्धारित होती है, पर परिसंपत्तियों की कमी की सीमा तक, उपदान ट्रस्ट को निधियाँ विप्रेषित करती है । उपदान योजना के अनुसार, कर्मचारी द्वारा कंपनी में कम से कम पाँच वर्षों की निरंतर सेवा प्रदान करने के बाद, उसके नियोजन की समाप्ति पर, कर्मचारी को उपदान की राशि प्रदेय होती है । सेवा के प्रत्येक पूरे किए गए वर्ष या छः महीनों से अधिक के उसके किसी भाग के लिए, कंपनी कर्मचारी को उसके द्वारा अंतिम आहरित मूल वेतन और महंगाई भत्ते के आधार पर, पंद्रह दिनों के वेतन की दर से कर्मचारी को उपदान का भुगतान करेगी ।

निम्नलिखित टेबल में लाभ व हानि के विवरण में अभिचिह्नित निवल अनुलाभ व्यय तथा वित्त-पोषित स्थिति और बीमांकक द्वारा प्रदान किए गए प्रकटण रिपोर्ट में यथा प्रस्तुत, योजना के लिए तुलन-पत्र में अभिचिह्नित राशियों के घटकों का सार प्रस्तुत किया गया है -

	विवरण	2016-17	2015-16
i)	**अनुलाभ देयता में परिवर्तन -**		
	वर्ष के प्रारंभ में देयता का वर्तमान मूल्य (पीवीओ)	35664	37316
	चालू सेवा लागत	672	602
	ब्याज लागत	2749	2741
	पूर्व की सेवा लागत (गैर-निहित अनुलाभ)	-	-
	पूर्व की सेवा लागत (निहित अनुलाभ)	-	-
	अन्य व्यापाक आय मे अभिचिह्नित बीमांकिक (लब्धि) / हानि		
	वित्तीय मान्यताएँ में परिवर्तन	3375	(671)
	अनुभव समायोजन	187	(427)
	अदा किए गए अनुलाभ	(3452)	(3897)
	यथा अवधि के अंत में देयता का वर्तमान मूल्य	39195	35664
ii)	**योजित परिसंपत्तियों के उचित मूल्य में परिवर्तन -**		
	वर्ष के प्रारंभ में योजित परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	36736	35369
	योजित परिसंपत्तियों पर अपेक्षित प्राप्ति	2897	2665
	अंशदान	1500	1948
	अदा किए गए अनुलाभ	(3452)	(3897)
	अन्य व्यापाक आय मे अभिचिह्नित बीमांकिक (लब्धि) / हानि	10	651
	अवधि के अंत में योजित परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	37691	36736
	निवल निश्चित अनुलाभ (लाभ)/हानि	1504	(1072)
iii)	**लाभ व हानि के विवरण में अभिचिह्नित व्यय -**		
	चालू सेवा लागत	672	602
	निवल निश्चित अनुलाभ दायित्व पर निवल ब्याज	(148)	75
	लाभ व हानि के विवरण में अभिचिह्नित व्यय	524	678

लेखों की समेकित टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

	विवरण	2016-17	2015-16
iv)	अन्य व्यापक आय विवरण में अभिचिह्नित राशि (पुनःमापन)		
	योजित दायित्व पर बीमांकिक (लब्धि)/ हानि	3562	(1098)
	योजित परिसंपत्तियाँ - (लब्धि)/हानि पर बीमांकिक रिटर्न एवं ब्याज आय के बीच अंतर	(10)	(651)
	अन्य व्यापक आय विवरण में अभिचिह्नित राशि	3552	(1749)
v)	तुलन-पत्र में अभिचिह्नित राशियाँ		
	यथा अवधि के अंत में देयता का वर्तमान मूल्य	39195	35664
	अवधि के अंत में योजित परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	37691	36736
	वितपोषित स्थिति	(1504)	1072
	वर्ष के लिए अभिचिह्नित हानि / (लब्धि)	1504	(1072)
	यथा वर्ष 31 मार्च को तुलन पत्र के अनुसार हानि / (लब्धि)	1504	(1072)
vi)	योजित परिसंपत्तियाँ		
	योतित परिसंपत्तयां के वर्ग निम्नलिखित है -		
	राज्य सरकार की प्रतिभूतियाँ	4.70%	6.98%
	भारत सरकार की प्रतिभूतियाँ	2.33%	2.51%
	उच्च गुणता के कार्पोरेट बाँड	5.00%	6.50%
	बीमाकर्ता के साथ निवेश	87.97%	84.01%
vii)	बीमांकिक मान्यताएँ -		
	बट्टागत दर	7.20%	8.10%
	वेतन में बढ़ोतरी की दर	7.50%	7.50%
	योजित परिसंपत्तियों पर प्राप्ति की अपेक्षित दर	7.20%	8.10%
	आुमानित औसत भविष्य कार्यकारी	15.20	15.60
viii)	भगुतान करने हेतु अंशदान पर सर्वोत्तम अनुमान		
	वित्तीय अवधि के आरंभ के दौरान, तुलन-पत्र के बाद अनुदान के तहन भगुतान करने हेतु अंशदान पर सर्वोत्तम अनुमान ` 1504 (कुछ नहीं)		
ix)	संवेदनशीलता विश्लेषण		
	बट्टागत दर (0.50% संचलन) में वृद्धि	7.70%	8.60%
	अवधि के अंत में निश्चित अनुलाभ दायित्व में वृद्धि/ (कमी)	(1618)	(1399)
	बट्टागत दर (0.50% संचलन) में घटाई	6.70%	7.60%
	अवधि के अंत में निश्चित अनुलाभ दायित्व में वृद्धि/ (कमी)	1748	1507
	वेतन बढ़ोतरी दर (0.50% संचलन) में वृद्धि	8.00%	8.00%
	अवधि के अंत में निश्चित अनुलाभ दायित्व में वृद्धि/ (कमी)	239	226
	वेतन बढ़ोतरी दर (0.50% संचलन) में घटाई	7.00%	7.00%
	अवधि के अंत में निश्चित अनुलाभ दायित्व में वृद्धि/ (कमी)	(252)	(244)

(ii) बीईएल सेवानिवृत्त कर्मचारी अंशदायी स्वास्थ्य योजना (बीईआरईसीएचएस) -

मूल कंपनी में अपने सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए अंशदायी स्वास्थ्य योजना "बीईएल सेवानिवृत्त कर्मचारी अंशदायी स्वास्थ्य योजना" (बीईआरईसीएचएस) है जो वित्त-पोषण रहित योजना है । इस योजना का प्राथमिक उद्देश्य अधिवार्षिता की आयु प्राप्त करने पर सेवानिवृत्त होने वाले या वीआरएस लेने वाले कर्मचारियों को चिकित्सा सुविधाएँ प्रदान करना है । इस योजना के तहत अनुलाभ ऐसे कर्मचारियों को प्राप्त होगा जो योजना के सदस्य बनते हैं और ये अनुलाभ केवल कर्मचारी और उनकी पत्नी / उनके पति को ही प्राप्त होगा । कंपनी अंत:रोगी उपचार के लिए बीमा रक्षा लेती है । वार्षिक बीमा प्रीमियम के अतिरिक्त, कंपनी बाह्यरोगी उपचार के लिए दवाइयों की लागत का 60% और नैदानिक परीक्षणों की लागत का 75% खर्च वहन करती है और विशिष्ट रोगों के उपचार के लिए कंपनी बीमा कवरेज के अतिरिक्त, उपचार की पूरी लागत वहन करती है ।

लेखों की समेकित टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

निम्नलिखित टेबल में लाभ व हानि के विवरण में अभिचिह्नित निवल अनुलाभ व्यय के घटकों तथा वित्त-पोषित स्थिति और बीमांकक द्वारा प्रदान किए गए प्रकटण रिपोर्ट में यथा प्रस्तुत योजना के लिए तुलन-पत्र में अभिचिह्नित राशियों का सार प्रस्तुत किया गया है -

	विवरण	2016-17	2015-16
i)	**अनुलाभ देयता में परिवर्तन -**		
	वर्ष के प्रारंभ में देयता का वर्तमान मूल्य (पीवीओ)	29,705	23,817
	चालू सेवा लागत	1,553	1,246
	ब्याज लागत	2,282	1,757
	अन्य व्यापाक आय मे अभिचिह्नित बीमांकिक (लब्धि) / हानि		
	वित्तीय मान्यताएँ में परिवृतन	3,933	(1,097)
	आभव समायोजन	6,406	6,267
	अदा किए गए अनुलाभ	(3,075)	(2,285)
	यथा अवधि के अंत में देयता का वर्तमान मूल्य	40,804	29,705
ii)	**योजित परिसंपत्तियों के उचित मूल्य में परिवर्तन -**		
	वर्ष के प्रारंभ में योजित परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	-	-
	योजित परिसंपत्तियों पर अपेक्षित प्राप्ति	-	-
	अंशदान	3,075	2,285
	अदा किए गए अनुलाभ	(3,075)	(2,285)
	अन्य व्यापाक आय मे अभिचिह्नित बीमांकिक (लब्धि) / हानि	-	-
	अवधि के अंत में योजित परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	-	-
iii)	**लाभ व हानि के विवरण में अभिचिह्नित व्यय -**		
	आरंभिक निवल देयता	-	-
	चालू सेवा लागत	1,553	1,246
	निश्चित अनुलाभ दायित्व पर ब्याज	2,282	1,757
	योजित परिसंपत्तियों पर अपेक्षित प्राप्ति	-	-
	लाभ व हानि के विवरण में अभिचिह्नित निवल व्यय	3,835	3,003
iv)	**अन्य व्यापक आय के विवरण में अभिचिह्नित राशि (पुनःमापन) -**		
	योजित दायित्व पर बीमांकिक (लब्धि)/ हानि	10,338	5,170
	अन्य व्यापक आय विवरण में अभिचिह्नित राशि	10,338	5,170
v)	**तुलन-पत्र में अभिचिह्नित राशियाँ -**		
	यथा अवधि के अंत में देयता का वर्तमान मूल्य	40,804	29,705
	अवधि के अंत में योजित परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	-	-
	वित पोषित स्थिति	(40,804)	(29,705)
	तुलन-पत्र में अभिचिह्नित देयता (बीमांकिक मूल्यांकन के अनुसार)	**40,804**	**29,705**
	अगले बारह महिनों के अंदर भुगतान करने को अभिचिह्नित	**3,103**	**2,150**
		37,701	**27,555**
vi)	**प्रधान मान्यताएँ-**		
	बट्टे की दर	7.20%	8.10%
	स्वास्थ्य देखभाल की लागतों में वृद्धि दर	3.90%	3.90%
	संघर्षण दर	1.30%	1.00%
vii)	**सेवा लागत तथा ब्याज लागत के कुल पर मानी गई स्वास्थ्य देखभाल लागत प्रवृत्ति दरों में तथा निर्धारित अनुलाभ देयता में एक प्रतिशत बिदु वृद्धि का प्रभाव**		
	सेवा लागत और ब्याज की लागत के कुल पर प्रभाव	684	462
	निर्धारित अनुलाभ देयता पर प्रभाव	5,504	3,469
	सेवा लागत तथा ब्याज लागत के कुल पर मानी गई स्वास्थ्य देखभाल लागत प्रवृत्ति दरों में तथा निर्धारित अनुलाभ देयता में एक प्रतिशत बिदु वृद्धि का प्रभाव -		
	सेवा लागत और ब्याज की लागत के कुल पर प्रभाव	(558)	(384)
	निर्धारित अनुलाभ देयता पर प्रभाव	(4,488)	(2,882)

लेखों की समेकित टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

	विवरण	2016-17	2015-16
viii)	**संवेदनशीलता विश्लेषण -**		
	बट्टागत दर (0.50% संचलन) में वृद्धि	7.70%	8.60%
	अवधि के अंत में निश्चित अनुलाभ दायित्व में वृद्धि/ (कमी)	(2,276)	(1,443)
	बट्टागत दर (0.50% संचलन) में कमी	6.70%	7.60%
	अवधि के अंत में निश्चित अनुलाभ दायित्व में वृद्धि/ (कमी)	2,536	1,592
	चिकित्सा मुद्रास्फीति दर (0.50% संचलन) में वृद्धि	4.40%	4.40%
	अवधि के अंत में निश्चित अनुलाभ दायित्व में वृद्धि/ (कमी)	2,607	1,651
	चिकित्सा मुद्रास्फीति दर (0.50% संचलन) में कमी	3.40%	3.40%
	अवधि के अंत में निश्चित अनुलाभ दायित्व में वृद्धि/ (कमी)	(2,355)	(1,506)

(iii) कर्मचारी भविष्य निधि [ब्याज में कमी]

कर्मचारी भविष्य निधि को मूल कंपनी के प्रोविडेंट फंड ट्रस्ट द्वारा प्रबंधित किया जाता है। ट्रस्ट को कर्मचारी भविष्य निधि के प्रति देय प्रबंधन का अंशदान मूल कंपनी का योगदान देता है । वर्ष के दौरान, मूल कंपनी ने लाभ व हानि के विवरण में कर्मचारी भविष्य निधि की ओर ₹ 8,033 (₹ 7,498) की राशि अभिचिह्नित की है ।

मूल कंपनी ने यथा 31 मार्च 2017 को किए गए बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर यह निर्धारित किया है कि मूल्यांकन की तारीख पर ब्याज की कमी की ओर कोई देयता नहीं है (योजना के निबंधनों से इस प्रकार संबंधित कि ट्रस्ट की ओर से ऐसी कोई अनिवार्यता नहीं है कि वह भविष्य निधि के शेषों पर अतिरिक्त ब्याज के माध्यम से अधिशेष के किसी भाग, यदि हो, को संवितरित करे) ।

	विवरण	2016-17	2015-16
i)	**अनुलाभ देयताओं में परिवर्तन -**		
	यथा वर्ष के प्रारंभ में देयता का वर्तमान मूल्य	177,013	156,326
	चालू सेवा लागत	28,590	25,084
	ब्याज की लागत	13,683	11,649
	पूर्व की सेवा लागत (गैर-निहित अनुलाभ)	-	-
	पूर्व की सेवा लागत (निहित अनुलाभ)	-	-
	बीमांकिक (लब्धि) / हानि	(1,134)	(2,075)
	अदा किए गए अनुलाभ	(16,184)	(13,971)
	पीवीओ अंतरित	-	-
	यथा अवधि के अंत में देयता का वर्तमान मूल्य	**201,968**	**177,013**
ii)	**योजित परिसंपत्तियों के उचित मूल्य में परिवर्तन -**		
	वर्ष के प्रारंभ में योजित परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	180,950	160,226
	योजित परिसंपत्तियों पर अपेक्षित प्राप्ति	16,675	15,026
	अंशदान	24,841	20,343
	अदा किए गए अनुलाभ	(16,184)	(13,971)
	योजित परिसंपत्तियों पर बीमांकिक लब्धि / (हानि)	(321)	(674)
	अंतरित योजित परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	-	-
	अवधि के अंत में योजित परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	**205,961**	**180,950**

लेखों की समेकित टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

	विवरण	2016-17	2015-16
iii)	**लाभ व हानि के विवरण में अभिचिह्नित व्यय -**		
	प्रारंभिक निवल देयता	-	-
	चालू सेवा लागत	28,590	25,084
	ब्याज की लागत	13,683	11,649
	योजित परिसंपत्तियों पर अपेक्षित प्राप्ति	(16,675)	(15,026)
	अवधि में अभिचिह्नित निवल बीमांकिक (लब्धि) / हानि	(813)	(1,401)
	पूर्व की सेवा लागत (गैर-निहित अनुलाभ)	-	-
	पूर्व की सेवा लागत (निहित अनुलाभ)	-	-
	लाभ व हानि के विवरण में अभिचिह्नित व्यय	24,785	20,306
iv)	**तुलन-पत्र में अभिचिह्नित राशियाँ -**		
	यथा अवधि के अंत में देयता का वर्तमान मूल्य	201,968	177,013
	अवधि के अंत में योजित परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	205,961	180,950
	अंतर	(3,993)	(3,937)
	आभिचिह्नित बीमांकिक (लब्धियाँ) / हानियाँ	-	-
	तुलन-पत्र में अभिचिह्नित देयता	-	-
v)	**चालू अवधि के लिए राशि -**		
	देयता का वर्तमान मूल्य	201,968	177,013
	योजित परिसंपत्तियाँ	205,961	180,950
	अधिशेष / (कमी)	3,993	3,937
	योजित देयताओं पर अनुभव समायोजन - (हानि)/लब्धि	1,173	2,070
	योजित परिसंपत्तियो पर अनुभव समायोजन - (हानि)/लब्धि	(321)	(674)
vi)	**यथा 31 मार्च 2017 को परिसंपत्तियों के वर्ग -**		
	भारत सरकार एवं राज्य सरकार की प्रतिभूतियाँ	39.78%/51.42%	44.30%/46.64%
	उच्च गुणता के कार्पोरेट बॉंड	47.38%/43.63%	44.54%/44.89%
	सूचीबद्ध कंपनी के ईक्वीटी शेयर	4.60%/1.78%	1.70%/5.18%
	अन्य	8.24%/3.17%	0%/3.29%
	विशेष जमा योजना	0.00%/0.00%	9.46%/0.00%
	म्युचव्ल फांड	0.00%	0.00%
	नकद	0.00%	0.00%
	कुल	100%/100%	100%/100%
vii)	**प्रधान मान्यताएँ-**		
	बट्टागत दर	7.20%	8.10%
	वेतन बढ़ोतरी दर	7.50%	7.50%
	योजित परिसंपत्तियों पर प्राप्ति की अपेक्षित दर	8.75%	9.00%
	योजित परिसंपत्तियों पर प्राप्ति की अपेक्षित दर	8.75%	9.00%

लेखों की समेकित टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

ख. दीर्घकालीन क्षतिपूरक अनुपस्थिति

मूल कंपनी में अपने कर्मचारियों के लिए दीर्घकालीन क्षतिपूरक अनुपस्थिति योजना है जो एक वित्त-पोषण रहित योजना है। कंपनी के कर्मचारी दो प्रकार की दीर्घकालीन क्षतिपूरक अनुपस्थितियों के हकदार हैं - कार्यपालकों के मामले में वार्षिक अवकाश (ए.एल.) और अर्ध वेतन अवकाश (एच.एल.) और गैर-कार्यपालकों के मामले में वार्षिक अवकाश (ए.एल.) और बीमारी अवकाश (एस.एल.) । इस योजना में कर्मचारियों को अधिवार्षिता की आयु प्राप्त करने पर, वीआरएस लेने पर या मृत्यु पर, प्राप्त न किए गए अवकाश (कार्यपालकों के मामले में ए.एल. और एच.एल. तथा गैर-कार्यपालकों के मामले में ए.एल. और एस.एल.) के समक्ष क्षतिपूर्ति देने की व्यवस्था है । ए एल का नकदीकरण सेवा के दौरान या इस्तीफा देने के समय भी किया जा सकता है।

निम्नलिखित सारणी में लाभ व हानि के विवरण में अभिचिह्नित निवल अनुलाभ व्यय के घटकों तथा बीमांकक द्वारा प्रदान किए गए प्रकटण रिपोर्ट में यथा प्रस्तुत, योजना के लिए तुलन-पत्र में अभिचिह्नित राशि का सार प्रस्तुत किया गया है -

	विवरण	2016-17	2015-16
i)	**लाभ व हानि के विवरण में अभिचिह्नित व्यय -**		
	लाभ व हानि के विवरण में अभिचिह्नित निवल व्यय [2016-17 नकदीकृत अवकाश - ₹ 1004, प्रावधान - ₹ 9983] [2015-16 नकदीकृत अवकाश - ₹ 2767, प्रावधान - ₹ 2116]	10,987	4,883
ii)	तुलन-पत्र में अभिचिह्नित की जाने वाली राशियाँ -		
	तुलन-पत्र में अभिचिह्नित देयता [बीमांकिक मूल्यांकन के अनुसार]	36,205	26,223
iii)	**बीमांकिक मान्यताएँ-**		
	बट्टे की दर	7.20%	8.10%
	क्षतिपूर्ति दर में वृद्धि की दर	7.50%	7.50%
iv)	पिछले अनुभव के आधार पर, कंपनी सभी कर्मचारियों को अर्जित छुट्टी की पूरी राशि लेने की उम्मीद नहीं करता है या अगले 12 महीनों में भुगतान की आवश्यकता नहीं है। निम्नलिखित रकम वह प्रतिबिंबित दर्शाती है जो कि अगले 12 महीनों में / 12 महीने से अधिक के भीतर लिया जाएगा या भुगतान की जा सकती है।		
	चालू छुट्टी उत्तरदायित्व अगले 12 महीने के भीतर निपटान करने की उम्मीद हैं ।	**2,825**	**2,439**
	छुट्टी उत्तरदायित्व 12 महीने के बाद निपटान करने की उम्मीद है ।	**33,380**	**23,784**
		36,205	**26,223**

ग. पेंशन योजना -

"कंपनी को अपने कर्मचारियों के लाभ के लिए एक परिभाषित योगदान पेंशन लाभ योजना मिल गई है, जिसके लिए इस उद्देश्य के लिए एक ट्रस्ट की स्थापना के लिए वार्षिक आधार पर योगदान किया जाता है ।

इस संबंध में निर्धारित नियमों के मुताबिक, इस योजना के तहत कर्मचारियों के लिए लाभ उपलब्ध हैं ।"

परिभाषित लाभ योजना (यानी उपदान और बीईआरईसीएचएस) से उत्पन्न विशिष्ट या असामान्य जोखिमों का वर्णन विवरण

परिभाषित लाभ योजनाओं से संबंधित विशिष्ट जोखिम इस प्रकार हैं -

दो रिपोर्टिंग अवधि के बीच दीर्घकालिक सरकारी बॉड दर में संचलन जो छूट दर को प्रभावित करेगा और इसके परिणामस्वरूप दायित्वों के वर्तमान मूल्य ।

वित्तीय वर्ष के माध्यम से वास्तविक अनुभव के मुताबिक मूल्यांकन के लिए उच्च / निम्न वेतन वृद्धि / लाभ का जोखिम ।

हालांकि, दोनों जोखिमों को नियमित आधार पर कम किया जाता है, क्योंकि वार्षिक मानकों के आधार पर प्रत्येक वर्ष के बाद इसका आंकलन किया जाता है ।

लेखों की समेकित टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

परिसंपत्ति-दायित्व मिलान रणनीतियों का वर्णन विवरण

कंपनी की उपदान योजना वित्त पोषित योजना है । इस योजना का समर्थन करने वाले संपत्ति मुख्य रूप से बीमाकर्ता-प्रबंधित धन हैं। इसीलिए कंपनी को इस योजना के लिए परिसंपत्ति-देयता मिलान योजनाओं को लागू करने के मामले में सीमित लचीलापन है ।

कंपनी के बाद के सेवानिवृत्ति चिकित्सा योजना अप्रतिबंधित योजना है इसलिए संपत्ति-देयता मिलान रणनीतियां इस योजना के लिए प्रासंगिक नहीं हैं ।

वित्त पोषण की व्यवस्था और धन नीति का विवरण

कंपनी का उपदान योजना वित्त पोषित योजना है I इस योजना का समर्थन करने वाली योजना परिसंपत्तियों का 87.97% बीमाधारक प्रबंधित परिसंपत्तियां हैं और 7.03% योजना संपत्तियां केन्द्रीय और राज्य सरकार प्रतिभूतियों में निवेश की गई हैं फंड में वार्षिक अंशदान सामान्य तौर पर घाटे के बराबर सेट होता है जैसा कि लाभ दायित्वों के पूर्ववर्ती बीमांकिक मूल्यांकन द्वारा प्रकट किया गया है ।

सेवानिवृत्ति के बाद की चिकित्सा योजना [बीईआरईसीएचएस] गैर वित्त पोषत योजना है ।

	यथा 31 मार्च 2017	यथा 31 मार्च 2016	यथा 1 अप्रैल 2015
टिप्पणी 22			
अन्य देयताएँ			
गैर चालू			
आस्थगित राजस्व - ग्राहक अनुदान	1,469	1,876	1,670
पूँजी क्रय के लिए देयताएँ	-	1	-
उप कुल (क)	**1,469**	**1,877**	**1,670**
चालू			
आस्थगित राजस्व - ग्राहक अनुदान	231	262	334
ग्राहकों से प्राप्त अग्रिम/प्रगति भुगतान	607,789	630,632	496,428
सांविधिक देयताएँ	22,634	18,243	16,206
आस्थगित राजस्व	2,182	1,288	1,868
अन्य	3,396	3,100	2,764
उप कुल (ख)	**636,232**	**653,525**	**517,600**
कुल (क+ख)	**637,701**	**655,402**	**519,270**

i. संबंधित पक्षकार प्रकटण

संबंधित पक्षकार प्रकटण के लिए टिप्पणी 31 देखें ।

लेखों की समेकित टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

	31 मार्च 2017 वर्ष अंत हेतु		31 मार्च 2016 वर्ष अंत हेतु	
टिप्पणी 23				
प्रचालनों से राजस्व				
उत्पादों की बिक्री (सकल)[1]	806,550		675,270	
सेवाएं से आय	82,344		82,143	
		888,894		**757,413**

[1] निर्माण ठेका के संबंध में अभिचिह्नित राजस्व सहित। टिप्पणी 30(5) देखें ।

अन्य प्रचालनीय राजस्व				
रद्दी की बिक्री		882		583
परिवहन से प्राप्तियाँ		321		351
किराए से प्राप्तियाँ		579		490
कैन्टीन से प्राप्तियाँ		810		753
एकत्रित विद्युत प्रभार		148		129
एकत्रित जल प्रभार		59		55
वापस लिए गए प्रावधान				
- दुर्वह संविदा	5,504		-	
- संदिग्ध ऋण, एलडी	11,297		1,558	
- वस्तुसूची	2,737		1,204	
- ऋण एवं अग्रिम	186		217	
- अन्य	370		1,272	
		20,094		4,251
सरकारी अनुदान / सहायता		1,378		1,487
ग्राहक अनुदान		437		562
विविध		7,032		6,850
		920,634		**772,924**

टिप्पणी 24				
अन्य आय				
आवधिक जमा राशियों से ब्याज आय		34,348		46,025
स्टाफ/आयकर वापसी/अन्यसे ब्याज आय*		219		627
पीपीई की बिक्री से लाभ		192		31
विदेशी मुद्रा विभेदक आय		6,855		4,503
किराय आय - निवेश संपत्ति		138		123
विविध (व्यय का निवल)		1,695		2,640
		43,447		**53,949**

विदेशी मुद्रा लब्धि / हानि विदेशी मुद्रा के लेन-देनों को दर्ज करने की तारीख और उनके निपटान / रिपोर्टिंग की तारीख के बीच किए गए विदेशी मुद्रा संबंधी लेन-देनों से उत्पन्न दर विचलन के कारण है ।

लेखों की समेकित टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

	31 मार्च 2017 वर्ष अंत हेतु		31 मार्च 2016 वर्ष अंत हेतु	
टिप्पणी 25				
तैयार माल, चालू कार्य और रद्दी की वस्तुसूची में परिवर्तन				
चालू कार्य-				
अंतिम वस्तुसूची	169,880		151,168	
प्रारंभिक वस्तुसूची	151,168		124,863	
		(18,712)		**(26,305)**
तैयार माल -				
अंतिम वस्तुसूची	37,536		13,839	
प्रारंभिक वस्तुसूची	13,839		16,870	
		(23,697)		**3,031**
रद्दी -				
अंतिम वस्तुसूची	173		318	
प्रारंभिक वस्तुसूची	318		308	
		145		**(10)**
		(42,264)		**(23,284)**
घटाएँ - वस्तुसूची पर गैर संपादित लाभ		(258)		(13)
		(42,006)		**(23,271)**
टिप्पणी 26				
कर्मचारी लाभ व्यय				
वेतन, मजदूरी और बोनस / उपदान		129,291		100,551
सेवानिवृत अनुलाभ व्यय				
अनुदान	543		695	
भविष्य निधि और पेंशन निधि की ओर अंशदान	8,108		7,549	
बीईएल अधिवार्षिता (पेंशन) योजना के प्रति प्रबंधन का अंशदान	3,617		4,656	
बीईएल से.नि. कर्मचारी अंशदायी स्वास्थ्य योजना के लिए प्रावधान	761		718	
		13,029		13,618
कल्याण व्यय [वेतन ₹ 854 (₹ 904) भ.नि. अंशदान ₹ 79 (₹ 70)] सहित		13,624		12,552
		155,944		**126,721**

प्रमुख प्रबंधकिय कार्मिकों के पारिश्रमिक हेतु टिप्पणी सं. 31 देखें ।

"वेतन परिशोधन अवधि 01.01.2017 to 31.03.2017* के लिए प्रावधान किया गया है ।

लेखों की समेकित टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

	31 मार्च 2017 वर्ष अंत हेतु		31 मार्च 2016 वर्ष अंत हेतु	
टिप्पणी 27				
वित्त लागत				
ब्याज व्यय				
सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों के देयों पर ब्याज	3		10	
आय कर पर ब्याज	20		399	
बैंक से अवधिक ऋण पर ब्याज *	22		58	
अन्य ब्याज व्यय	1,163		65	
		1,208		532
अन्य उधार लागतें				
ऋण संसाधन प्रभार		80		70
		1,288		**602**
* टिप्पणी 18 व 20 देखें ।				
टिप्पणी 28				
मूल्यह्रास और परिशोधन व्यय				
संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण पर मूल्यह्रास / परिशोधन		19,866		17,907
निवेश संपत्ति पर मूल्यह्रास / परिशोधन		1		1
अमूर्त परिसंपत्तियाँ पर परिशोधन		1,296		1,288
		21,163		**19,196**
टिप्पणी 29				
अन्य व्यय				
बिजली और ईंधन #		3,426		4,337
जल प्रभार		373		248
रॉयल्टी और तकनीकी सहायता		426		566
किराया		2,698		2,591
दर और कर		1,295		557
बीमा		838		780
लेखा परीक्षकों का पारिश्रमिक				
लेखा परीक्षा शुल्क	13		13	
लागत लेखा परीक्षा शुल्क	4		4	
कर लेखा परीक्षा शुल्क	2		2	
अन्य सेवाएँ (प्रमाणीकरण शुल्क)	2		2	
व्ययों की प्रतिपूर्ति	6		8	
		27		29
मरम्मत और रख-रखाव -				
भवन	2,313		1,792	
संयंत्र एवं मशीनरी	1,347		1,253	
अन्य	10,300		9,185	
		13,960		12,230
बैंक प्रभार		499		372
मुद्रण एवं लेखन-सामग्री		515		434
विज्ञापन एवं प्रचार		1,341		1,205
यात्रा खर्च		8,500		7,873
वैन और टैक्सियों को भाड़े पर लेने के प्रभार		1,332		1,110
उत्पाद शुल्क - अन्य		1,195		2,303
पैकिंग और अग्रेषण		1,416		1,493
बट्टे खाते में डाले गए संदिग्ध ऋण एवं अग्रिम	7,228		5,462	
घटाएँ - प्रावधानों को प्रभारित	(7,224)		(5,438)	
		4		24

लेखों की समेकित टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

	31 मार्च 2017 वर्ष अंत हेतु		31 मार्च 2016 वर्ष अंत हेतु	
अप्रचलन / अनावश्यक सामग्रियों के लिए प्रावधान		7,071		6,004
संदिग्ध ऋणों, निर्णीत हर्जानों, ग्राहक के दावों तथा अस्वीकृतियों के लिए प्रावधान		25,581		22,819
संदिग्ध अग्रिमों, दावों के लिए प्रावधान		806		571
कार्य-निष्पादन वारंटी के लिए प्रावधान		11,071		9,929
दुर्वह संविदा के लिए प्रावधान		-		4,153
अप्रचलन तथा व्यतिरेक के कारण कच्चे माल, भंडार और घटकों को बट्टा खाते में डालना	670		571	
घटाएँ - प्रावधानों को प्रभारित	(639)		(570)	
		31		1
कार्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व		1,035		667
अन्य				
अन्य विविध प्रत्यक्ष व्यय	321		1,471	
विक्रय पश्चात् सेवा	391		359	
टेलीफ़ोन	719		706	
संगोष्ठियों और पाठ्यक्रमों पर व्यय	1,015		889	
अन्य विक्रय व्यय	370		728	
विविध	4,887		4,298	
		7,703		8,451
		91,143		**88,747**
घटाएँ - लागत कार्य को आबंटित व्यय		(1,414)		(758)
		89,729		**87,989**

वायु ऊर्जा उत्पादन नेटेड ऑफ

विदेशी लेनदेन लाभ / हानि ऐसे लेनदेन की रिकॉर्डिंग और निपटान / रिपोर्टिंग की तारीख के बीच विदेशी मुद्रा में लेनदेन पर होने वाले दर विविधताओं के कारण है।

लेखों की समेकित टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

टिप्पणी 30

लेखों की सामान्य टिप्पणियाँ

		For the year ended 31 March 2017	For the year ended 31 March 2016
1.	**ईक्विटी शेयर प्रति अर्जन**		
	क. **जारी प्रचालनों से**		
	प्रति शेयर मूल अर्जन (आईएनआर)	6.53	5.57
	प्रति शेयर परिवर्तित अर्जन (आईएनआर)	6.53	5.57
	ख. प्रति शेयर अर्जन मूल और परिवर्तन आय की गणना में संख्याओं के रूप में उपयोग की जाने वाली राशि	152,337	133,675
	ग. प्रति शेयर अर्जन मूल और परिवर्तन आय कंप्यूटिंग में इस्तेमाल	2,332,083,730	2,400,000,000

2. समेकन प्रक्रिया -

मूल कंपनी के लेखा-परीक्षित वित्तीय वक्तव्य अर्थात भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) के आधार पर समेकित वित्तीय विवरण (सीएफएस) तैयार किया गया है, इसकी सहायक कंपनियों, बीईएल ऑप्ट्रॉनिक उपकरण लिमिटेड, पुणे (शेयर होल्डिंग 100%) और बीईएल-थैलस सिस्टम्स लिमिटेड, बैंगलोर (शेयर होल्डिंग 74.00%) (28.08.2014 को शामिल), और एसोसिएट कंपनी के ऑडिट किए गए वित्तीय विवरण अर्थात, जीई बीई प्राइवेट लिमिटेड, बैंगलोर (शेयर होल्डिंग 26%)। इंट्रा-ग्रुप लेनदेन को खत्म करने और अप्रत्याशित लाभ / हानि को खत्म करने के बाद, माता-पिता और उसके सहायक कंपनियों के वित्तीय विवरणों को परिसंपत्तियों, देनदारियों, आय और व्ययों की वस्तुओं के साथ मिलकर लाइन-बाय-लाइन आधार पर जोड़ा गया है।

एसोसिएट के संबंध में, समेकन इक्विटी पद्धति के आधार पर किया गया है। सहायक कंपनियों और एसोसिएट के वित्तीय वक्तव्यों को एक ही रिपोर्टिंग तारीख तक मूल कंपनी के रूप में तैयार किया जाता है

3. सहायक कंपनी में अपने निवेश की मूल कंपनी को लागत और सहायक कंपनी में इक्विटी के पैरेंट कंपनी के हिस्से में नियंत्रण ब्याज के अधिग्रहण की तारीख के संदर्भ में अंतर को वित्तीय वक्तव्यों में सद्भावना / पूंजीगत रिजर्व के रूप में मान्यता दी जाती है। सहायक कंपनियों के पद अधिग्रहण लाभ / हानि की मूल कंपनी का हिस्सा राजस्व भंडार में समायोजित किया गया है।

4. संचालन के शुद्ध परिणामों और सहायक कंपनियों की शुद्ध परिसंपत्तियों में गैर-नियंत्रित हितों, लाभ / हानि और शुद्ध संपत्ति का वह हिस्सा उस मूल कंपनी को नहीं दर्शाती है।

5. समेकित वित्तीय वक्तव्यों के सच्चे और निष्पक्ष दृष्टिकोण पर असर नहीं होने वाले माता-पिता और सहायक कंपनियों / सहयोगी के व्यक्तिगत वित्तीय वक्तव्यों में बताया गया अतिरिक्त जानकारी और उन सामग्रियों से संबंधित सूचनाएं जो समेकित वित्तीय वक्तव्यों में प्रकट नहीं की गई हैं।

6. लेखा नीतियों में परिवर्तन का प्रभाव

संयुक्त विकास परियोजनाओं से संबंधित व्यय को आगे बढ़ाने के लिए कंपनी ने अपनी अनुसंधान एवं विकास नीति (लेखा नीति संख्या 10) में संशोधन किया है। पॉलिसी में उपरोक्त परिवर्तन के कारण प्रभाव डब्ल्यूआईपी में ₹ 4,312 बढ़ा है और लाभ में ₹ 4,312 तक बढ़ोतरी है।

7. **अनुपालन का विवरण**

स्टैंडअलोन वित्तीय विवरण भारतीय लेखा मानकों (भा.ले.मा.) के अनुसार तैयार किए गए हैं [कंपनी अधिनियम, 2013 ("अधिनियम") की धारा 133 के तहत अधिसूचित कंपनियों (भारतीय लेखा मानकों) नियम 3, 2015], और अधिनियम के अन्य प्रासंगिक प्रावधान ।

31 मार्च 2016 को समाप्त हुए वर्ष तक और उसके लिए कंपनी के स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों को कंपनी (लेखा मानकों) नियम, 2006 के अनुसार तैयार किया गया था, अधिनियम की धारा 133 और अधिनियम के अन्य प्रासंगिक प्रावधानों के तहत अधिसूचित।

चूंकि यह भारतीय लेखा मानक (भा.ले.मा.) के अनुसार तैयार कंपनी के पहले स्टैंडअलोन वित्तीय विवरण हैं, भा.ले.मा. 101 के रूप में, भारतीय लेखा मानकों का पहला समय दत्तक ग्रहण किया गया है। इस बात की व्याख्या कैसे की गई है कि इंडस्ट्रीज़ के संक्रमण से पहले की वित्तीय स्थिति, वित्तीय प्रदर्शन और कंपनी के नकदी प्रवाह को प्रभावित किया गया है, नोट 37 में प्रदान किया गया है।

लेखों की समेकित टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

8. निर्माण संविदा

	विवरण	यथा 31 मार्च 2017 के लिए	यथा 31 मार्च 2016 के लिए
क)	वर्ष के दौरान अभिचिह्नित ठेका राजस्व	17,338	2,793
ख)	अनुबंध राजस्व को पूर्णता पद्धति के प्रतिशत का उपयोग करके मान्यता दी गई थी। ठेकों के अनुमानित कुल लागत के लिए वर्ष के अंत तक अनुबंधों पर होने वाली वास्तविक लागत का अनुपात पूरा करने के चरण का निर्धारण करने के लिए उपयोग किया गया था।		
ग)	खर्च की कुल राशि	17,681	4,933
घ)	31 मार्च तक अभिचिह्नित लाभ (आकस्मिकता के लिए निवल पर प्रावधान)	1,773	(1,866)
ङ)	यथा 31 मार्च को प्राप्त अग्रिम राशि एवं बकाया	127,643	124,748
च)	प्रतिधारण की राशि	-	-

9. संपत्ति की हानि

कंपनी ने कैश जनरेटिंग यूनिट (सीजीयू) के रूप में माना जाने वाले प्रत्येक भौगोलिक समग्र विनिर्माण इकाई की परिसंपत्तियों की हानि के संकेतों का विश्लेषण किया है। आंतरिक और बाह्य कारकों के आकलन के आधार पर, यूनिट में से कोई भी अपनी परिसंपत्तियों की हानि के संकेत नहीं पाए हैं और इसलिए कोई भी प्रावधान आवश्यक नहीं माना जाता है ।

10. अलपवधिक उधार राशियाँ

क. कंपनी को कंसोर्टियम बैंकर्स (एसबीआई लीड बैंक) द्वारा ₹290,000 की कार्यशील पूंजी की सीमा मंजूर कर दी गई है । स्वीकृत सीमा में निधि आधारित सीमा के 20,000 की उप-सीमा (गैर निधि आधारित एलसी सीमा के साथ विनिमेय) शामिल हैं ।

ख. निधि आधारित सीमा पर देय ब्याज दर एसबीआई आधार दर से 0.25% जुड़ा है । (31.03.2017 को देय ब्याज दर 8.25% प्रति वर्ष है) ।

ग. उपयोग की गई राशि मांग पर देय है 31.03.2017 तक उपयोगिता शून्य (शून्य) है ।

घ. उपरोक्त मंजूरी की सीमा कंपनी की मौजूदा परिसंपत्तियों के ढांचे द्वारा सुरक्षित है ।

11. ठेका प्रतिबद्धताएं

	विवरण	यथा 31 मार्च 2017	यथा 1 मार्च 2016	यथा 1 अप्रैल 2015
क)	पूंजीगत खाते पर निष्पादित होने वाले ठेके की अनुमानित राशि और 31 मार्च को उपलब्ध नहीं कराया गया है ।			
	संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण	37,496	34,037	15,481
	निवेश संपत्ति	-	-	-
	अमूर्त परिसंपत्तियाँ	7,278	10,983	-
ख)	निवेश संपत्ति की मरम्मत और रखरखाव या वृद्धि के लिए अनुबंधीय प्रतिबद्धता ।	-	-	-
ग)	अन्य प्रतिबद्धताओं अर्थात, 31 मार्च को गैर-रद्द करने योग्य संविदात्मक प्रतिबद्धताओं (यानी, रद्द करने के परिणामस्वरूप इसके जुड़ाव के लिए अधिक से अधिक जुर्माना होगा ।	-	-	-

लेखों की समेकित टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

12. आकस्मिक देयताएँ

विवरण	यथा 31 मार्च 2017	यथा 1 मार्च 2016	यथा 1 अप्रैल 2015
ऋण के रूप में स्वीकार न किए गए दावे	118,660	21,584	17,681
बकाया साख-पात्र	30,397	39,388	31,648
अन्य	2,864	562	523
ग्राहक के अनपेक्षित आदेश जहाँ सुपुर्दगी की तारीख सामाप्त हो गई है, पर 31 मार्च तक अनंतिम निर्णीत हर्जाने	16,053	16,505	10,955

कन्वर्जेंट बिल्लिंग परियोजना के संबंध में कंपनी को एमटीएनएल द्वारा ₹ 80,670 का दावा किया गया है । इसके प्रति कंपनी द्वारा ₹ 31,900 का काउंटर दावा किया है ।

13. आकस्मिक परिसंपत्तियाँ

विवरण	यथा 31 मार्च 2017	यथा 1 मार्च 2016	यथा 1 अप्रैल 2015
कुछ नहीं	-	-	-

14. शेषों के पुष्टीकरण

व्यापार से प्राप्तियाँ, व्यापार प्रदेय, अग्रिम और जमा राशियाँ के संबंध में शेषों के पुष्टीकरण का निवेदन करते हुए पत्र भेजे गए है । जहाँ कहीं उत्तर प्राप्त हुए है, उनका समाधान प्रगति में है और जहाँ कहीं आवश्यक समझा जाएगा, प्रावधान/समायोजन किए जाएँगे ।

15. सेगमेट रिपोर्टिंग

कार्पोरेट मामलों के मंत्रालय ने अपनी अधिसूचना सं. 463 (ई) दिनांक 5 जून 2015 के द्वारा रक्षा उत्पादों में कार्यरत कंपनियों को सेगमेंट रिपोर्टिंग की आवश्यकता से छूट प्रदान की है ।

16. अवधि 08.11.2016 से 30.12.2016 के दौरान निर्दिष्ट बैंक नोट (एसबीएन) के धारित एवं चलाने के विवरण नीचे दिए गए है -

	एसबीएन	अन्य डिनोमिनेशन नोट	कुल
क) यथा 08.11.2016 को अंतिम हस्तधारित नकद	14	2	16
ख) छोड़ें - बैंकों से वापसी -	-	445	445
- अनुज्ञा प्राप्य	5	89	94
ग) घटाएँ - अनुज्ञा भुगतान	-	466	466
- बैंक जमा राशि	19	34	53
घ) यथा 30.12.2016 को अंतिम हस्तधारित नकद	-	36	36

लेखों की समेकित टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

17. वापस नहीं करने वाले परिचालन पट्टे प्रकटण -

क) **पट्टाकर से -**

भविष्य निम्न पट्टे किराया प्राप्य

विवरण	यथा 31 मार्च 2017	यथा 1 मार्च 2016	यथा 1 अप्रैल 2015
एक वर्ष से कम नहीं;	352	-	-
एक वर्ष के बाद एवं पाँच वर्ष से कम	1,319	-	-
पाँच वर्ष के बाद	-	-	-

कंपनी ने 2016-17 से 2021-22 तक पांच साल की अवधि के लिए हरियाणा सरकार को पॉइंट ऑफ सेलिस मशीनों को किराए पर लिया है।

कंपनी ने गैर-रद्द करने योग्य ऑपरेटिंग लीज के तहत विभिन्न संगठनों को भूमि के कुछ हिस्सों को किराए पर लिया है। पट्टे की अवधि वर्ष 1967 से 2077 तक फैल गई है। पट्टों में विभिन्न शर्तों, वृद्धि खंड, पट्टा नवीकरण अधिकार आदि हैं। नवीकरण पर, पट्टे की शर्तों को पुनः बातचीत की जाती है।

कंपनी ने आकस्मिक किराया के रूप में किसी आय को मान्यता नहीं दी है।

ख) **पट्टेदार के रूप मे -**

वर्ष 2016-17 के दौरान, बैंगलोर कॉम्प्लेक्स ने 356.73 एकड़ भूमि को लीज पर 25 वर्ष की अवधि के लिए ऑर्डनेंस फॅक्टरी बोर्ड से अलग स्थानों पर सौर पॉवर प्लांट स्थापित करने के लिए प्रत्येक के लिए वार्षिक लीज किराए के रूप में ₹1 के नाममात्र मूल्य का भुगतान करके लिया है।

भविष्य निम्न पट्टे किराया प्रदेय

विवरण	यथा 31 मार्च 2017	यथा 1 मार्च 2016	यथा 1 अप्रैल 2015
एक वर्ष से कम नहीं;	-	-	-
एक वर्ष के बाद एवं पाँच वर्ष से कम	-	-	-
पाँच वर्ष के बाद	-	-	-

18. दिसंबर 2015 के दौरान चेन्न यूनिट बाढ़ से प्रभावित हुआ था। कंपनी द्वारा यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के साथ ली गई बीमा पॉलिसी में बाढ़ से संबंधित नुकसान शामिल हैं बीमा दावा निपटान के हिस्से के रूप में ₹1,000 (₹ 1,000) की राशि प्राप्त की गई थी और इसे च्अन्य आयछ के तहत मान्यता प्राप्त है इसके अलावा, दावा निपटान के लिए 32 रुपये की राशि का भुगतान किया गया था।

19. रिपोर्टिंग अवधि के अंत में नहीं अभिचिह्नित लाभांश -

निदेशकों द्वारा अंतिम लाभांश आईएनआई1.05 (आईएनआर 14.50) प्रति शेयर सिफारिश किया है ।

प्रस्तावित लाभांश आगामी वार्षिक सामान्य बैठक में शेयरधारकों के अनुमोदन के अधीन है।

20. नियंत्रण मानदंड के मूल्यांकन के आधार पर, भा.ले.मा. के अंतगत पर, संयुक्त उद्यम में निवेश को सहायक के रूप में अभिचिह्नित किया गया है । इन पुनःमूल्यांकन के कारण वित्तीय विवरण पर कोई प्रभाव नहीं है ।

21. पिछले वर्ष के आंकड़े कोष्ठक में दिए गए है ।

22. वित्तीय विवरणों के सभी आंकड़े नजदीकी लाखों तक बंद हो जाते हैं जब तक कि अन्यथा उल्लेख नहीं किया गया हो।

23. निदेशक मंडल द्वारा 29 मई 2017 को स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों को मंजूरी के लिए मंजूरी दी गई थी।

लेखों की समेकित टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

टिप्पणी 31

संबंधित पक्षकार लेन-देन

क. सहायक कंपनी

कंपनी के नाम	कारोबार के स्थान	कंपनी द्वारा धारित स्वामित्व अधिकार			गैर-नियंत्रण अधिकारी द्वारा धारित स्वामित्व अधिकार			प्रमुख गतिविधियाँ
		यथा 31 मार्च 2017	यथा 31 मार्च 2016	यथा 1 अप्रैल 2015	यथा 31 मार्च 2017	यथा 31 मार्च 2016	यथा 1 अप्रैल 2015	
जीई बीई प्राईवेट लिमिटेड	भारत	26%	26%	26%	74%	74%	74%	चिकित्सा उपकरणों का विनिर्माण

ख. प्रमुख प्रबंधकिय कार्मिकों के ब्यौरे -

i. प्रमुख प्रबंधकिय कार्मिको के नाम

श्री एस के शर्मा, सीएमडी (30.09.2016 तक)	श्री एम वी गौतमा, सीएमडी (08.11.2016 से)
श्री एम एल षण्मुख, नि. (मा.सं.) (31.10.2016 तक)	श्री नटराज कृष्णप्पा, नि (अ.यू.) (01.05.2016 से)
श्री पी सी जैन, नि (विपणन) (31.07.2016 तक)	श्री आर एन बग्दलकर, नि. (मा.सं.) (23.01.2017 से)
श्री अमोल निवस्कर, नि (अ.यू.) (30.04.2016 तक)	श्रीमती आनंदी रामलिंगम, नि. (विपणन) (16.09.2016 से)
श्री एम एम हण्डा, नि. (बें.कॉ.) (30.04.2016 तक)	श्री गिरिश कुमार, नि (बें.कॉ.) (01.05.2016 से)
श्री पी आर आचार्या, नि (वित्त) (19.08.2016 तक)	श्री कोशी अलेक्जण्डर, सीएफओ (27.10.2016 से)
श्री अजित टी कलघटगी, नि (अनु व वि)	श्री एस श्रीनिवास, कंपनी सचिव
श्री डीसीएम श्रीनिवास रॉव, सीईओ-बेलॉप (01.12.2016 से)	श्री एस एस कुलकर्नी - सीईओ, बेलॉप (30.11.2016 तक)
श्रीमती प्रिया आयर, कंपनी सचिव - बेलॉप	श्री रजिव कुमार सिक्का, सीईओ-बीईएल थेलेस सिस्टम
श्री अतोनी कपेत (16.02.2017 तक) निदेशक- बीईएल थेलेस सिस्टम	श्री ईमान्युल डी आर (17.02.2017 तक) निदेशक - बीईएल थेलेस सिस्टम
श्री बटिडा श्रीनिवास राव, सीएफओ - बीईएल थेलेस सिस्टम	श्री एम वी हरिश, कंपनी सचिव - बीईएल थेलेस सिस्टम

ii. प्रमुख प्रबंधकिय कार्मिकों के पारिश्रामिक

विवरण	यथा 31 मार्च 2017	यथा 31 मार्च 2016
अल्पकालिक कर्मचारी अनुलाभ	448	404
रोजगार उत्तर अनुलाभ	57	29
दीर्घकालिक कर्मचारी अनुलाभ	59	8
समापन अनुलाभ	-	-
शेयर धारित भुगतान	-	-
कुल	**564**	**441**

लेखों की समेकित टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

ग. प्रमुख प्रबंधकिय कार्मिको के अलावा, संबंधिक पक्षकारों के लेन-देन नीचे दिए गए है (पिछले वर्ष के आंकडे कोष्छक में दर्शाए गए है) -

विवरण	सहायक कंपनी जीई बीई प्राई. लि.	कुल योग
माल का विक्रय	3,197	**3,197**
	(2,726)	**(2,726)**
निवेशों पर लाभांश से आय	5,200	**5,200**
	(390)	**(390)**
यथा 31.03.2017 के बकाया व्यापार प्राप्तिया	766	**766**
	(470)	**(470)**
यथा 31.03.2017 को साम्या में निवेश	260	**260**
	(260)	**(260)**

घ. संबंधित पक्षों से निपटाए गए सभी लेनदेन सैन्य मंजूरी के आधार पर हैं ।

ङ. सभी बकाया शेष असुरक्षित हैं । अगले 6 महीनों के भीतर नकद में सभी बकाया शेष राशि (ऋण के अलावा) चुकाने योग्य हैं ।

च. सरकारी और सरकारी संबंधित संस्थाओं के साथ लेनदेनः -

जैसा कि बीईएल रक्षा मंत्रालय के नियंत्रण में एक सरकारी इकाई है, कंपनी ने सरकार और सरकारी संबंधित संस्थाओं के साथ आईएनडी एएस 24 संबंधित पार्टी के लेनदेन के तहत जरूरी विस्तृत खुलासे से छूट हासिल की है ।

हालांकि, आईएनडी एएस 24 की आवश्यकता के अनुसार, निम्नलिखित व्यक्तिगत रूप से महत्वपूर्ण लेनदेन हैं: -

1. वित्त वर्ष 2016-17 के दौरान ₹1,80,465 के लिए 13828771 शेयरों की संख्या की खरीद
2. 120028420 बोनस शेयरों की संख्या, वित्त वर्ष 2015-16 में जारी की गई थी ।
3. वर्ष के दौरान ₹44,735 की राशि को लाभांश के रूप में भुगतान किया गया था ।

उपरोक्त के अतिरिक्त, कंपनी के कारोबार का लगभग 90%, व्यापार प्राप्तियों के लगभग 76% और लगभग 70% ग्राहक अग्रिम सरकार और सरकारी संबंधित संस्थाओं के संबंध में है ।

टिप्पणी 32

अन्य उद्यम के हित

क. सहायक कंपनी

सहायक कंपनी का नाम	कारोबार स्थान / निगमीकरण का स्थान	कंपनी द्वारा धारित स्वामित्व अधिकार			गैर-नियंत्रण अधिकारी द्वारा धारित स्वामित्व अधिकार			प्रमुख गतिविधियाँ
		यथा 31 मार्च 2017	यथा 31 मार्च 2016	यथा 1 अप्रैल 2015	यथा 31 मार्च 2017	यथा 31 मार्च 2016	यथा 1 अप्रैल 2015	
बीईएल ऑप्ट्रॉनिक डिवाईज लि. (बेलॉप)	भारत	100%	100%	92.79%	-	-	7.21%	इमेज इंटेसफइर ट्यूब्स का निर्माण एवं आपूर्ति
बीईएल थेलेस सिस्टम लि.	भारत	74%	74%	74%	26%	26%	26%	रक्षा एवं गैर-रक्षा रेडारों का डिज़ाइन, विकास, आपूर्ति एवं सहयता

ईक्विटी शेयर के प्रत्येक धारक को एक वोट ऑन शो ऑफ हेडस एवं उनके द्वारा धारित शेयरों की संख्या पर हाकधार है ।

लेखों की समेकित टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

ख. गैर-नियंत्रण लाभ (एनसीआई)

i. किसी भी इंट्रा समूह की समाप्ति से पहले, कंपनी की सभी सहायक कंपनियों से सम्बंधित वित्तीय सूचनाएं जिनमें सामग्री गैर-नियंत्रित रुचियां हैं -

तुलन पत्र का सार	बीईएल थेलेस सिस्टम लि.			बीईएल ऑप्ट्रॉनिक डिवाइज लि. (बेलॉप)		
	यथा 31 मार्च 2017	यथा 31 मार्च 2016	यथा 1 अप्रैल 2015	यथा 31 मार्च 2017	यथा 31 मार्च 2016	यथा 1 अप्रैल 2015
एनसीआई प्रतिशत	26%	26%	26%	-	-	7.21%
गैर - चालू परिसंपत्तियाँ	3145	48	32	-	-	28343
चासू परिसंपत्तियाँ	2402	1882	777	-	-	5695
कुल परिसंपत्तियाँ	**5547**	**1930**	**809**	**-**	**-**	**34038**
गैर-चालू देयताएँ	2	3	1	-	-	19304
चालू देयताएँ	274	97	13	-	-	8920
कुल देयताएँ	**276**	**100**	**14**	**-**	**-**	**28224**
निवल परिसंपत्तियाँ	**5271**	**1830**	**795**	**-**	**-**	**5814**
एनसीआई को आरोप्य निवल परिसंपत्तियाँ	**1372**	**477**	**207**	**-**	**-**	**419**

* 2015-16 के दौरान बेलॉप 100% बीईएल का सहायक कंपनी है ।

लाभ एवं हानि विवरण का सार	बीईएल थेलेस सिस्टम लि.	
	यथा 31 मार्च 2017	यथा 31 मार्च 2016
राजस्व	394	96
लाभ	(82)	(245)
अन्य व्यापक आय (ओसीआई)	-	-
कुल व्यापक आय	**(82)**	**(245)**
एनसीआई को आबंटित लाभ	(21)	(64)
एनसीआई को आबंटित ओसीआई	-	-
एनसीआई को आबंटित कुल व्यापक आय	**(21)**	**(64)**

नकदी प्राप्ति का सार	बीईएल थेलेस सिस्टम लि.	
	यथा 31 मार्च 2017	यथा 31 मार्च 2016
प्रचालन गतिविधियों से नकदी प्राप्ति	(409)	(316)
निवेश गतिविधियों से नकदी प्राप्ति	(3,215)	(1,025)
वित गतिविधियों से नकदी प्राप्ति	3,521	1,280
नकद एवं नकद समतुल्य में निवल वृद्धि(कमी)	(103)	(61)

ii. गैर-नियंत्रण लाभ के साथ लेन-देन

30 जुलाई 2015 को, कंपनी ने ₹238 के लिए 7.21% आरबीटी बीएलओपी का बैलेंस स्टेक हासिल किया था। 7.21% गैर-नियंत्रित ब्याज की वहन राशि₹ 132 थी। 7.21% की शेष हिस्सेदारी के अधिग्रहण के बाद, बीएलओपी 100% बीईएल की सहायक कंपनी साल के दौरान मालिकों के लिए इक्विटी पर असर निम्नानुसार है: -

विवरण	यथा 31 मार्च 2017	यथा 31 मार्च 2016
गैर-नियंत्रित हितों की राशि का अधिग्रहण किया	-	132
गैर-नियंत्रित हितों पर विचार किया गया।	-	238
विचार के अतिरिक्त इक्विटी के भीतर बनाए रखा आय में मान्यता प्राप्त भुगतान किया।	-	106

वित्त वर्ष 2016-17 में गैर-नियंत्रित हितों के साथ कोई लेनदेन नहीं थे ।

लेखों की समेकित टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

ग. संयुक्त उद्यम में हित -

संयुक्त उद्यम का नाम	कारोबार स्थान / निगमीकरण का स्थान	स्वामित्व हित का %	रिश्तेदारी	लेखा विधि स्वीकृत राशि	स्वीकृत राशि		
					यथा 31 मार्च 2017	यथा 31 मार्च 2016	यथा 1 अप्रैल 2015
जीई बीई प्राइवेट लिमिटेड	भारत	26%	सहायक	साम्या विधि	18,387	22,017	19,173

एसईसीएट में निवेश का उचित मूल्य नहीं बताया जाता है क्योंकि जीई ईई प्राइवेट लिमिटेड की इक्विटी बिना शर्त है।

जीई बीई प्राइवेट लिमिटेड चिकित्सा उपकरणों की एक निर्माता है और इसके उत्पादों बीईएल बंगलूरु और पुणे यूनिट के घटक एसबीयू के कारोबार सेगमेंट के पूरक हैं।

जीई बीई प्राइवेट लिमिटेड में कंपनी हित में स्वीकृत राशि -

तुलन पत्र का सार	यथा 31 मार्च 2017	यथा 31 मार्च 2016	यथा 1 अप्रैल 2015
गैर - चालू परिसंपत्तियाँ	16,165	14,381	14,547
चालू परिसंपत्तियाँ			
नकद एवं नकद समतुल्य	1,941	1,242	3,462
अन्य परिसंपत्तियाँ	63,063	80,141	64,653
कुल चालू परिसंपत्तियाँ	**65,004**	**81,383**	**68,115**
कुल परिसंपत्तियाँ	**81,169**	**95,764**	**82,662**
गैर-चालू देयताएँ			
व्यापार प्रदेय के अलावा वित्तीय देयताएँ	33	98	133
अन्य देयताएँ	852	163	141
कुल गैर-चालू देयताएँ	**885**	**261**	**274**
चालू देयताएँ -			
व्यापार प्रदेय के अलावा वित्तीय देयताएँ	156	259	76
अन्य देयताएँ	9,410	10,564	8,569
कुल चालू देयताएँ	**9,566**	**10,823**	**8,645**
कुल देयताएँ	**10,451**	**11,084**	**8,919**
निवल परिसंपत्तियाँ	70,718	84,680	73,743
निवल परिसंपत्तियाँ में कंपनी का शेयर	**18,387**	**22,017**	**19,173**

लेखों की समेकित टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

लाभ एवं हानि विवरण का सार	यथा 31 मार्च 2017	यथा 31 मार्च 2016
राजस्व	81,348	80,740
ब्याज आय	3,476	4,300
मूल्यह्रास व परिशोधन	1,795	1,722
ब्याज व्यय	26	63
आयकर व्यय	5,191	6,811
वर्ष के लिए लाभ	10,130	12,750
अन्य व्यापक आय	(20)	(9)
कुल व्यापक आय	10,110	12,741
लाभ में कंपनी का शेयर	2,634	3,315
ओसीआई में कंपनी का शेयर	(5)	(2)
कुल व्यापक आय में कंपनी का शेयर	2,629	3,313

संयुक्त कंपनी (जीई बीई) से कंपनी ने ₹ 5,200 (₹ 390) लाभांश प्राप्त किया है ।

स्वीकृत राशियों का समाधान

विवरण	यथा 31 मार्च 2017	यथा 31 मार्च 2016
आरंभिक निवल परिसंपत्तियाँ	**22,017**	**19,173**
वर्ष के लिए लाभ	2,634	3,315
अन्य व्यापक आय	(5)	(2)
अदा किए गए लाभांश	6,259	469
अंत में निवल परिसंपत्तियाँ	**18,387**	**22,017**

संयुक्त कंपनी के संबंध में प्रतिबद्धताएं एवं आकस्मिक देयताएं -

विवरण	जीई बीई प्रा. लि. (लेखा परीक्षित)		
	यथा 31 मार्च 2017	यथा 31 मार्च 2016	यथा 1 अप्रैल 2015
पुँजीगत प्रतिबद्धताएं	271	119	133
अन्य प्रतिबद्धताएं	-	-	-
अन्य आकस्मिक देयताएं	1,567	1,449	1,429

लेखों की समेकित टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

घ. अधिसूची III के तहत अतिरिक्त सूचना

कंपनी का नाम	वर्ष	निवल परिसंपत्ति - कुछ परिसंपत्ति मइस कुल देयताए		लाभ एवं हानि में शेयर		अन्य व्यापक आय में शेयर		कुल व्यापक आय में शेयर	
		समेकित निवल परिसंपत्तियों का %	राशि	समेकित लाभ एवं हानि का %	राशि	समेकित अन्यव्यापक आय का %	राशि	समेकित कुल व्यापक आय का %	राशि
मूल कंपनी -									
भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड	2016-17	96.91%	750,991	98.01%	149,303	99.24%	(9,185)	97.93%	140,118
	2015-16	98.29%	909,256	97.50%	130,329	99.78%	(2,235)	97.46%	128,094
सहायक कंपनी -									
भारतीय									
बीईएल ऑप्ट्रॉनिक लिमिटेड - बेलॉप	2016-17	2.07%	16,059	0.32%	482	0.70%	(65)	0.29%	417
	2015-16	1.16%	10,694	0.21%	276	0.13%	(3)	0.21%	273
बीईएल थेलेस सिस्टम लि.	2016-17	0.50%	3,898	-0.04%	(61)	0.00%	-	-0.04%	(61)
	2015-16	0.15%	1,353	-0.14%	(181)	0.00%	-	-0.14%	(181)
सहायक कंपनी में गैर नियंत्रण हित									
भारतीय									
बीईएल थेलेस सिस्टम लि.	2016-17	0.18%	1,372	-0.01%	(21)	0.00%	-	-0.01%	(21)
	2015-16	0.05%	477	-0.05%	(64)	0.00%	-	-0.05%	(64)
संयुक्त कंपनी (साम्या विधि के अनुसार निवेश)									
भारतीय									
जीई बीई प्रा. लि.	2016-17	0.34%	2,629	1.73%	2,634	0.05%	(5)	1.84%	2,629
	2015-16	0.36%	3,313	2.48%	3,315	0.09%	(2)	2.52%	3,313
कुल	**2016-17**	**100%**	**774,949**	**100%**	**152,337**	**100%**	**(9,255)**	**100%**	**143,082**
	2015-16	**100%**	**925,093**	**100%**	**133,675**	**100%**	**(2,240)**	**100%**	**131,435**

टिप्पणी 33

वित्तीय प्रलेखों - उचित मूल्य मापन

1. लेखापरीक्षा वर्गीकरण एवं उचित मूल्य

वित्तीय परिसंपत्तियां एवं देयताएँ के स्वीकृत राशि एवं उचित मूल्य निम्नलिखित सूची मे दर्शाए गए है -

		यथा 31 मार्च 2017			यथा 31 मार्च 2016			यथा 1 अप्रैल 2015		
		एफवीपीएल	एफवीओ-सीआई	परिशोधित लागत	एफवीपीएल	एफवीओ-सीआई	परिशोधित लागत	एफवीपीएल	एफवीओ-सीआई	परिशोधित लागत
उचित मूल्य पर वित्तयी परिसंपत्तियाँ का मापन										
I	निवेश									
i	ईक्विटी प्रलेखों - माना एफलूअट प्रा. लि.	-	7	-	-	6	-	-	5	-
ii	अन्य निवेश									
a.	भारतीय जीवन बीमा निगम एलआईसी) में निवेश (अवकाश नकदीकरण के लिए)	30,702	-	-	24,210	-	-	-	-	-
	उप कुल	**30,702**	**7**	**-**	**24,210**	**6**	**-**	**-**	**5**	**-**
	उचित मूल्य पर वित्तयी परिसंपत्तियाँ का मापन नहीं									
II	व्यापार प्राप्तियाँ	-	-	436,826	-	-	372,191	-	-	379,706

लेखों की समेकित टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

		यथा 31 मार्च 2017			यथा 31 मार्च 2016			यथा 1 अप्रैल 2015		
		एफवीपीएल	एफवीओ-सीआई	परिशोधित लागत	एफवीपीएल	एफवीओ-सीआई	परिशोधित लागत	एफवीपीएल	एफवीओ-सीआई	परिशोधित लागत
III	ऋण									
क	सुरक्षा जमा राशियाँ	-	-	2,895	-	-	2,653	-	-	2,522
ख	पक्षकार से संबंधित ऋण	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ग	कर्मचारियों को ऋण	-	-	821	-	-	910	-	-	1,016
घ	अन्य को ऋण	-	-	-	-	-	1	-	-	1
IV	नकद एवं नकद समतुल्य	-	-	269,981	-	-	250,290	-	-	203,088
V	अन्य बैंक शेष	-	-	112,737	-	-	471,321	-	-	370,762
VI	अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ									
क	कर्मचारियों को अग्रिम	-	-	189	-	-	254	-	-	153
ख	अन्य को अग्रिम	-	-	4	-	-	4	-	-	3
ग	गैर व्यापार प्राप्तियाँ	-	-	212	-	-	89	-	-	32
घ	अन्य दावा प्राप्तियाँ	-	-	-	-	-	1	-	-	16
ङ	प्रोद्भूत आय	-	-	20,792	-	-	2,912	-	-	1,559
च	जमा राशियाँ पर प्रोद्भूत ब्याज	-	-	5,520	-	-	16,740	-	-	15,998
VII	अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ	-	-	3,601	-	-	5,352	-	-	3,819
	अन्य निवेश									
क	सहाकारी संस्थानों, आवास संस्थानों आदि में निवेश*	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ख	संयुक्त कंपनी में निवेश									
ग	सहायक कंरनी में निवेश									
	उप कुल	**-**	**-**	**853,578**	**-**	**-**	**1,122,718**	**-**	**-**	**978,675**
	कुल	**30,702**	**7**	**853,578**	**24,210**	**6**	**1,122,718**	**-**	**5**	**978,675**

* आईएनआर 5000 राशि है जो राउड ऑफ किया गया है ।

नोट - सहायक कंपनियों (बीईएल ऑप्ट्रोनिक डिवाइसेज लिमिटेड और बीईएल थेलेस सिस्टम्स लिमिटेड) में निवेश का अनुमान भा.ले.मा. 101 के तहत उपलब्ध विकल्पों के साथ लागत में किया गया है। साथ ही, एसोसिएट (जीई-बीई प्राइवेट लिमिटेड) में निवेश का खर्च निवेश भा.ले.मा. 101 के तहत उपलब्ध विकल्प के साथ किया गया है ।

		यथा 31 मार्च 2017			यथा 31 मार्च 2016			यथा 1 अप्रैल 2015		
		एफवीपीएल	एफवीओ-सीआई	परिशोधित लागत	एफवीपीएल	एफवीओ-सीआई	परिशोधित लागत	एफवीपीएल	एफवीओ-सीआई	परिशोधित लागत
वित्तीय देयताएँ उचित मूल्य द्वारा मापन		-	-	-	-	-	-	-	-	-
कुल		-	-	-	-	-	-	-	-	-
वित्तीय देयताएँ उचित मूल्य द्वारा नहीं मापन										
I	उधार राशियाँ	-	-	3,025	-	-	2,839	-	-	2,473
II	व्यापार प्रदेय	-	-	131,335	-	-	116,283	-	-	115,711
III	अन्य वित्तीय देयताएं									
क	व्यापार प्रदेय पर दावे एवं प्रोद्भूत ब्याज	-	-	10	-	-	17	-	-	14
ख	दीर्घकालिक ऋण पर चालू परिपक्व			3,333			-			-
ग	जमा राशियाँ	-	-	3,260	-	-	2,362	-	-	2,116
घ	अदत्त परिपक्व जमा राशियाँ	-	-	37	-	-	37	-	-	37
ङ	अदत्त लाभांश	-	-	6,422	-	-	21	-	-	20
च	एमएसएमई को गैर व्यापार प्रदेय			85			4			-
छ	बकाया व्यय	-	-	39,895	-	-	36,142	-	-	19,259
ज	अन्य व्यापार प्रदेय	-	-	10,299	-	-	2,932	-	-	2,091
झ	अन्य देयताएं	-	-	1,164	-	-	1,914	-	-	1,147
	कुल	**-**	**-**	**198,865**	**-**	**-**	**162,551**	**-**	**-**	**142,868**

लेखों की समेकित टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

2. उचित मूल्य अनुक्रम

वित्तीय प्रलेखों में जहाँ भी प्रयोज्य उचित मूल्य मापन हेतु अनुक्रम सतर का उपयोग निचे दिए गए है -

		यथा 31 मार्च 2017			यथा 31 मार्च 2016			यथा 1 अप्रैल 2015		
		स्तर 1	स्तर 2	स्तर 3	स्तर 1	स्तर 2	स्तर 3	स्तर 1	स्तर 2	स्तर 3
I	**उचित मूल्य पर मापन वित्तीय परिसंपत्तियाँ एवं देयताएँ - आवर्तक उचित मूल्य मापन**									
क	वित्तीय परिसंपत्तियाँ									
i	एफवीपीएल पर वित्तीय निवेश	-	30702	-	-	24210	-	-	-	-
ii	एफवीओसीआई पर वित्तीय निवेश	-	-	7	-	-	6	-	-	5
II	**प्रोद्भूत लागत पर मापित वित्तयी परिसंपत्तियाँ एवं देयताएँ**	इन परिसंपत्तियों का भार उठाते हुए मूल्य के रूप में कोई अलग उचित मूल्य नहीं बताया जाता है और देयताएं उनके उचित मूल्य का प्रतिनिधित्व करती हैं।								

स्तर 1 - पदानुक्रम में उद्धृत कीमतों का उपयोग करके वित्तीय साधनों का मूल्यांकन किया गया है।

स्तर 2 - वित्तीय उपकरणों का उचित मूल्य जो एक सक्रिय बाजार में कारोबार नहीं किया जाता है मूल्यांकन तकनीकों का उपयोग करके निर्धारित किया जाता है जो निरीक्षण योग्य बाज़ार डेटा के उपयोग को अधिकतम करते हैं और इकाई विशिष्ट अनुमानों पर यथासंभव कम निर्भर करते हैं।

स्तर 3 - यदि एक या अधिक महत्त्वपूर्ण निविष्टियाँ अवेषनीय बाजार डेटा पर आधारित नहीं हैं, तो उपकरण 3 स्तर में शामिल है। यह सूचीबद्ध न किए गए इक्विटी शेयरों का मामला है।

3. उचित मूल्य निर्धारण हेतु उपयुक्त मूल्यांकन तकनीक -

क. एलआईसी निवेश - (स्तर 2)

एलआईसी से प्राप्त योजना के मूल्यांकन रिपोर्ट आधारित ।

ख. मेसर्स. माना एफ्लूअट प्रा. लि. - (स्तर 3)

बीईएल ने मैसर्स मान प्राफिट लिमिटेड की इक्विटी प्रतिभूतियों में निवेश किया है, जो एक असूचीबद्ध कंपनी है। मैसर्स माना अफ़्लुएट प्राइवेट लिमिटेड में निवेश की कंपनी की लागत केवल ₹5 (जारी शेयर पूंजी की ₹ 161) में है। कंपनी ने उचित मूल्यांकन के लिए नेट एसेट वैल्यू पद्धति का विकल्प चुना है।

टिप्पणी 34

वित्तीय जोखिम प्रबंधन

i. जोखिम प्रबंधन का संरचना एवं नीतियाँ

वित्तीय साधनों के परिणामस्वरूप कंपनी ऋण जोखिम, तरलता जोखिम और बाजार जोखिम (विनिमय दर, ब्याज दरों और मूल्य जोखिम में उतार-चढ़ाव) का व्यापक रूप से सामना करती है ।

निदेशक मंडल की संपूर्ण जिम्मेदारी कंपनी के जोखिम प्रबंधन ढांचे की स्थापना, निगरानी और पर्यवेक्षण है । बोर्ड ने इस उद्देश्य के लिए एक जोखिम प्रबंधन समिति की स्थापना की है, जो जोखिम प्रबंधन नीतियों के विकास और निगरानी के लिए ज़िम्मेदार है । कंपनी की एक स्थापित जोखिम प्रबंधन नीति है जो जोखिम प्रबंधन संरचना की रूपरेखा करती है और पहचान, मूल्यांकन, प्राथमिकता, वित्त और संचालन के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े विभिन्न जोखिमों के उपचार के लिए व्यापक ढांचा प्रदान करती है ।

कंपनी के पास एक केंन्द्रीकृत ट्रेजरी कार्य है जो कि बोर्ड द्वारा तैयार की गई नीतियों और प्रक्रियाओं के अनुसार वित्तीय जोखिम को कम करने के लिए उपयुक्त उपाय करने के लिए जिम्मेदार है। हेजिंग लेनदेन एक टीम द्वारा एक बाहरी विशेषज्ञ के परामर्श में उचित कौशल और अनुभव के साथ किया जाता है। कंपनी सट्टेबाजी के लिए अमौलिक रूप में व्यापार नहीं करती ।

लेखों की समेकित टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

ii. बाज़ार जोखिम

बाजार का जोखिम जोखिम है जो विदेशी मुद्रा दरों जैसे बाजार मूल्य में बदलाव होता है, ब्याज दरें ग्रुप की आय या वित्तीय साधनों की अपनी होल्डिंग्स के मूल्य को प्रभावित करती हैं। बाज़ार जोखिम प्रबंधन का उद्देश्य बाजार जोखिम जोखिम को प्रबंधित करना और नियंत्रित करना है पैरामीटर, जबकि वापसी का अनुकूलन

समूह की गतिविधियां यह मुख्य रूप से विदेशी विनिमय दरों और ब्याज दर के आंदोलनों (मुद्रा जोखिम और ब्याज जोखिम पर नीचे दिये नोट्स देखें) में होने वाले परिवर्तनों के वित्तीय जोखिमों को उजागर करती हैं।

मुद्रा जोखिम

बीईएल विदेशी मुद्रा संचालन से उत्पन्न होने वाले विदेशी विनिमय जोखिम खासकर अमेरिकी डॉलर, यूरो, ग्रेट ब्रिटेन पाउंड और स्विस फ्रैंक जैसे विदेशी मुद्राओं में खरीदी और बिक्री से संबंधित होता है इसका खुलासा करता है । विदेशी मुद्रा जोखिम मौजूदा और भविष्य के वाणिज्यिक लेनदेन से उत्पन्न होता है और मान्यता प्राप्त परिसंपत्तियों और देनदारियों की मुद्रा मानी जाती है जो कि कंपनी की कार्यात्मक मुद्रा (INR) नहीं है ।

कम्पनी के पास जोखिम प्रबंधन समिति द्वारा कार्यान्वित एक बोर्ड अनुमोदित मुद्रा जोखिम प्रबंधन नीति है जो इस जोखिम के लिए कंपनी के जोखिम को नियमित आधार पर समीक्षा करती है । जोखिम प्रबंधन नीति खुली विदेशी मुद्रा जोखिम के 50% तक बचाव व्यवस्था की सिफारिश करती है । हालांकि बचाव व्यवस्था में प्रवेश करने का निर्णय प्रासंगिक डेटा आदानों के आधार पर जोखिम प्रबंधन समिति द्वारा किया जाता है और इस उद्देश्य के लिए बनाए गए बाहरी विशेषज्ञ सलाहकार की सलाह दी जाती है ।

कंपनी का निर्यात आय ज्यादातर एक निर्यात अर्जक विदेशी मुद्रा खाते (ईईएफसी) में प्रेषण द्वारा महसूस होता है, जिसका उपयोग विदेशी मुद्रा में किए जाने वाले भुगतानों के लिए किया जाता है, जिससे निर्यात पर मुद्रा जोखिम को कम किया जा सकता है । वार्षिक विदेशी मुद्रा विनिमय के लगभग 30% की सीमा के आयात संबंध में संबंधित ग्राहक संविदा में एक्सचेंज दर विविधता (एआरवी) भाग द्वारा कवर नहीं किया जाता है और इसलिए मुद्रा जोखिम के लिए खुले हैं । इन आयातों को मामले दर मामले के आधार पर नीति और जोखिम को कवर करने के लिए उचित निर्णय मामले के आधार पर मानदंड किया जाता है । जहां भी जरूरत हो कंपनी की मुद्रा जोखिम नीति आगे की आवश्यकता के मुताबिक जोखिम को कम करने के लिए बचाव व्यवस्था अनुबंध का समर्थन करती है ।

31 मार्च 2017 के अनुसार, कोई बकाया अग्रेषित अनुबंध नहीं है । कंपनी ने 2016-17 के वित्तीय वर्ष के दौरान किसी भी अग्रिम अनुबंध में शामिल नहीं है ।

विवरण	यथा 31 मार्च 2017				यथा 31 मार्च 2016				यथा 1 अप्रैल 2015			
	यूएसडी	यूरो	जीबीपी	सीएचएफ	यूएसडी	यूरो	जीबीपी	सीएचएफ	यूएसडी	यूरो	जीबीपी	सीएचएफ
व्यापार प्रदेय	849	317	17	59	735	201	30	149	430	189	21	87
व्यापार प्राप्य	266	12	-	-	199	13	1	-	329	12	1	-
निवल एक्सपोज़र	583	305	17	59	537	187	29	149	101	177	20	87

विदेशी मुद्रा संवेदनशीलता

विनिमय दर में होने वाले लाभ या हानियों की संवेदनशीलता मुख्य रूप से विदेशी मुद्रा में निहित वित्तीय साधनों से होती है । प्रमुख मुद्राओं के संबंध में संवेदनशीलता की विविधता नीचे दी गई है । यह विश्लेषण स्पष्ट करता है कि अन्य सभी परिवर्तनशील लगातार बने रहते हैं ।

	लाभ पर प्रभाव	
	यथा 31 मार्च 2017	यथा 31 मार्च 2016
यूएसडी - 5% बढ़ोत्तरी	(1,895)	(1,783)
यूएसडी - 5% घटाई	1,895	1,783
यूरो - 5% बढ़ोत्तरी	(1,094)	(712)
यूरो - 5% घटाई	1,094	712
जीबीपी - 5% बढ़ोत्तरी	(71)	(141)
जीबीपी - 5% घटाई	71	141
सीएचएफ - 5% बढ़ोत्तरी	(194)	(518)
सीएचएफ - 5% घटाई	194	518

लेखों की समेकित टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

ब्याज दर जोखिम

ब्याज दर जोखिम या तो उचित मूल्य ब्याज दर जोखिम या नकदी प्रवाह ब्याज दर जोखिम हो सकता है । उचित मूल्य ब्याज दर जोखिम ब्याज दरों में उतार-चढ़ाव के कारण निश्चित ब्याज वाले निवेश के उचित मूल्यों में होने वाले बदलावों का जोखिम है । नकदी प्रवाह ब्याज दर जोखिम वह जोखिम है ताकि बाजार में ब्याज दर में उतार-चढ़ाव की वजह से चलायमान ब्याज वाले उपकरणों के भविष्य के नकदी प्रवाह में उतार-चढ़ाव होगा ।

परिवर्तनीय दर उधार -

कंपनी को 31.03.2017 को ₹10,000 का टर्म लोन मंजूर कर दिया गया है (31 मार्च 2017 तक बकाया ₹ 5,000 है) इस ऋण पर देय ब्याज एसबीआई के यूनतम व्यावसायिक ऋण दर - एमसीएलआर पर आधारित है । (एसबीआई वार्षिक आधार पर लगाए गए ब्याज को रीसेट करने के लिए योग्य है)। यदि ब्याज दर 1% तक बढ़ जाती है, तो 50 रुपए की नकदी का एक अतिरिक्त बहिर्वाह होगा । और यदि ब्याज दर 1% कम हो जाती है तो ₹ 50 नकदी प्रवाह की बचत होती है हालांकि, लाभ पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता क्योंकि ब्याज घटक का पूंजीकरण होता है क्योंकि उधार पूंजीगत व्यय के प्रति है ।

इसके अलावा कंपनी को 2,90,000 की कार्यशील पूंजी सीमा को मंजूरी दे दी गई है जो साल के अंत में उपयोग नहीं किया गया है (31 मार्च 2017 को बकाया शून्य है) (31 मार्च 2016 शून्य है) (1 अप्रैल 2015 शून्य है)) जिसके संबंध में ब्याज देय एसबीआई के आधार दर पर आधारित है । एसबीआई आवधिक आधार पर लगाए गए ब्याज को पुनःलागू करने के लिए योग्य है । चूंकि उधार शून्य है इसलिए ब्याज दरों में संभावित बदलाव पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है ।

साम्या मूल्य जोखिम

साम्या मूल्य जोखिम के संबंध में कंपनी का निवेश नगण्य है क्योंकि इसके औचित्य निवेश (सहायक और सहयोगी के अलावा) नगण्य है ।

iii. तरलता जोखिम

तरलता जोखिम वह जोखिम है कि कंपनी को वित्तीय देनदारियों से जुड़ी दायित्वों को पूरा करने में कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है, नकदी और अन्य वित्तीय संपत्ति या जोखिम के जरिये कंपनी को अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए आवश्यक वित्तीय संसाधनों को बढ़ाने में कठिनाई का सामना करना होगा । लिक्विडिटी जोखिम के लिए कंपनी का अनावरण बहुत कम है क्योंकि इसमें एक विवेकपूर्ण तरलता जोखिम प्रबंधन प्रक्रिया होती है, जिसकी वजह से पर्याप्त दायित्वों का भुगतान करने के लिए पर्याप्त नकदी और बिक्री योग्य प्रतिभूतियां बनाए रखता है । जब आवश्यक हो वित्तपोषण की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए, कंपनी को बैंक ओवरड्राफ्ट सुविधा, नकद ऋण सुविधा और अल्पकालिक उधार की प्रकृति में अपनी चालू कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं और विकास की जरूरतों के लिए उपयोग किया जाता है ।

कंपनी अपनी तरलता आवश्यकताओं को पूरा करती है मुख्य रूप से आंतरिक रूप से उत्पन्न नकदी प्रवाहों के माध्यम से जो कि राजकोष द्वारा मुख्य बिदु पर निगरानी रखी जाती है । विभिन्न ऑपरेटिंग यूनिटों से नकद पूर्वानुमान के रोलिंग की एक स्थापित प्रक्रिया है जो देयताओं को पूरा करने के लिए अपेक्षित नकदी प्रवाह को अंकित करने का आधार बनाती है ।

नीचे दी गई तालिका कंपनी की वित्तीय देनदारियों का विश्लेषण करती है, जो उनके अनुबंध संबंधी परिपक्वता पर आधारित होती है । बताया गया राशि संविदात्मक और रियायती नकदी प्रवाह है ।

यथा 31 मार्च 2017

	3 महीनों से काम	3 से 6 महीनों	6 महीनों से एक वर्ष	1 या 2 वर्षों के बीच	2 या 5 वर्षों के बीच	कुल
उधार राशियाँ	1,358	-	-	1,667	-	3,025
व्यापार प्रदेय	128,595	691	2,049	-	-	131,335
दीर्घकालिक ऋण के चालू परिपक्व	-	1,666	1,667	-	-	3,333
व्यापार प्रदेय पर दावे एवं प्रोद्भूत ब्याज	7	-	3	-	-	10
अन वित्तीय देयताएँ	60,762	69	259	46	26	61,162

लेखों की समेकित टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

यथा 31 मार्च 2016

	3 महीनों से काम	3 से 6 महीनों	6 महीनों से एक वर्ष	1 या 2 वर्षों के बीच	2 या 5 वर्षों के बीच	कुल
उधार राशियाँ	2,839	-	-	-	-	2,839
व्यापार प्रदेय	109,791	1,030	5,405	57	-	116,283
व्यापार प्रदेय पर दावे एवं प्रोद्भूत ब्याज	17	-	-	-	-	17
अन्य वित्तीय देयताएँ	42,984	57	249	110	12	43,412

यथा 1 अप्रैल 2015

	3 महीनों से काम	3 से 6 महीनों	6 महीनों से एक वर्ष	1 या 2 वर्षों के बीच	2 या 5 वर्षों के बीच	कुल
उधार राशियाँ	2,473	-	-	-	-	2,473
व्यापार प्रदेय	113,107	407	2,195	2	-	115,711
व्यापार प्रदेय पर दावे एवं प्रोद्भूत ब्याज	14	-	-	-	-	14
अन्य वित्तीय देयताएँ	24,078	60	496	20	16	24,670

31 मार्च 2017 को कंपनी में कोई बकाया डेरवेटिव्स नही है ।

iv. ऋण जोखिम

ऋण जोखिम उस जोखिम को दर्शाता है कि एक काउंटर पार्टी अपने अनुबंध संबंधी दायित्वों पर चूक जाएगी जिसके परिणामस्वरूप कंपनी को वित्तीय नुकसान होगा । ग्राहकों से ऋण जोखिम, बैंकों के साथ नकदी और नकद समकक्ष, सुरक्षा जमा और ऋण से ऋण जोखिम उत्पन्न होता है ।

कंपनी के ऋण जोखिम को जोखिम प्रबंधन समिति द्वारा एक कॉरपोरेट स्तर पर प्रबंधित किया जाता है जिसने अपने ग्राहकों और अन्य प्राप्तियों के लिए क्रेडिट नीति मानदंडों की स्थापना की है । व्यापार प्राप्तियों की महत्वपूर्ण मात्रा सरकारी / सरकारी विभागों, सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों (पीएसयू) की वजह से होती है जिसके परिणामस्वरूप कंपनी को ऐसी प्राप्तियों के साथ जुड़े क्रेडिट जोखिम नहीं मिलता है । गैर सरकारी व्यापार प्राप्तियों के मामले में, सामान्य तौर पर बिक्री ग्राहक द्वारा स्थापित क्रेडिट पत्र के आधार पर किया जाता है जिससे क्रेडिट जोखिम कम हो जाता है ।

कुछ मामलों में, ग्राहक की शोधन क्षमता का आकलन करने के बाद और ऋण योग्यता को निर्धारित करने के लिए आवश्यक कारणों से बाजार की स्थितियों के आधार पर ग्राहकों के ऋण को बढ़ाया जाता है । अग्रिम भुगतान बैंक गारंटी के प्रतिकूल किए जाते हैं जो इस तरह के भुगतान से जुड़े क्रेडिट जोखिम को सुरक्षित रखते हैं । वित्तीय परिसंपत्तियों पर नुकसान हानि (मुख्य रूप से मुआवजा किए गए नुकसानों का विलंबित प्रत्याहरण और अन्य अस्वीवर्तकों के लिए लगाए जाने वाले नुकसान) अनुबंधित नियमों आदि कारको और अन्य संकेतकों के बाद किया गया है ।

बैंकों के साथ नकद और नकद समकक्ष 1 वर्ष तक की परिपक्वता अवधि के परिप्रेक्ष्य अवधि के साथ अल्पकालिक जमा के रूप में हैं । कंपनी की एक अच्छी तरह से संरचित जोखिम निवारण नीति है जिसके तहत प्रत्येक बैंक के लिए अपनी कुल मूल्य और कमाई क्षमता के आधार पर निर्धारित सीमाएं हैं, जो कि आवधिक आधार पर समीक्षा की जाती हैं । कंपनी ने जमाओं पर बैंकों से डिफ़ॉल्ट के कारण किसी भी प्रकार की हानि नहीं की है ।

अन्य वित्तीय परिसंपत्तियों के संबंध में ऋण जोखिम नगण्य है क्योंकि वे ज्यादातर सरकारी विभाग / पार्टियों के कारण होते हैं ।

लेखों की समेकित टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

v. पूँजी प्रबंधन

कंपनी का पूंजी प्रबंधन का उद्देश्य शेयरधारकों को पर्याप्त रिटर्न प्रदान करने के लिए एक मजबूत पूंजी आधार बनाए रखना है और कंपनी की क्षमता बढ़ती चिंता के रूप में जारी रखने की क्षमता सुनिश्चित करना है । कंपनी के पास ऋण के माध्यम से पूंजी जुटाने के लिए एक रूढ़िवादी दृष्टिकोण है, लेकिन यह उचित समय पर इस विकल्प का लाभ उठाने और इष्टतम पूंजी संरचना को बनाए रखने का अधिकार सुरक्षित रखता है ।

इस संपूर्ण उद्देश्य के तहत, कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2015 में बोनस शेयर जारी करके पूंजी आधार का विस्तार किया है और वित्त वर्ष 2016 में शेयरों को वापस खरीदा है । कंपनी की एक अच्छी तरह से परिभाषित लाभांश वितरण नीति है जिसमें लाभांश के भुगतान के लिए ढांचा और भविष्य के विकास और शेयरधारकों के धन को बढ़ाने के लिए अधिशेष है । 31 मार्च 2017 को कंपनी का नाममात्र उधारी ₹ 5,000 है । कंपनी ने कुछ बैंकों के साथ 2,90,000 रुपये की उधार सीमा को मंजूरी दी है ।

पूँजी जुटाने का अनुपात

विवरण	यथा 31 मार्च 2017	यथा 31 मार्च 2016	यथा 1 अप्रैल 2015
निवल ऋण	6,358	2,839	2,473
कुल साम्या	773577	924616	824380
साम्या अनुपात हेतु निवल ऋण	0.01	-	-

टिप्पणी 35
सुरक्षा हेतु गिरवी परिसंपत्तियाँ

मियादी ऋण एवं चालू पूँजी उधार राशियाँ के लिए सुरक्षा हेतु गिरवी परिसंपत्तियाँ का स्वीकृत राशि -

	यथा 31 मार्च 2017	यथा 31 मार्च 2016	यथा 1 अप्रैल 2015
चालू			
वस्तुसूचियाँ	488,527	415,817	338,825
वित्तीय परिसंपत्तियाँ			
(i) व्यापार प्राप्तियाँ	441,550	372,950	380,094
(ii) नकद एवं नकद समतुल्य	269,946	250,149	202,885
(iii) बैंक शेष [उपर्युक्त (ii) के अलावा]	110,637	469,671	370,212
(iv) ऋण	4,328	5,928	942
(v) अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ	27,010	22,306	18,339
अन्य चालू परिसंपत्तियाँ	61,570	51,002	72,678
सुरक्षा हेतु गिरवी कुल चालू परिसंपत्तियाँ	**1,403,568**	**1,587,823**	**1,383,975**

उधार राशियाँ के विवरण हेतु टिप्पणी 18 एवं 20 देखें ।

लेखों की समेकित टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

टिप्पणी 36

महत्वपूर्ण अनुमान और फैसले

वित्तीय विवरणों की तैयारी करते समय, प्रबंधन ने कुछ निर्णय, अनुमान और धारणाएं बनाई हैं जो लेखांकन नीतियों के आवेदन और परिसंपत्तियों, देनदारियों, आय और व्यय की रिपोर्ट की मात्रा को प्रभावित करती हैं । वास्तविक परिणाम इन अनुमानों से अलग हो सकते हैं ।

अनुमान और अंतर्निहित मान्यताओं की निरंतर आधार पर समीक्षा की जाती है। लेखांकन अनुमानों के लिए संशोधनों को भविष्य में मान्यता प्राप्त है ।

लेखा नीतियों के आवेदन करते वक्त किए गए फैसले वित्तीय विवरणों में मान्यता प्राप्त राशी पर महत्वपूर्ण प्रभाव है जिसके तहत सामग्री समायोजन में जिसके परिणामस्वरूप होने का एक महत्वपूर्ण जोखिम इस प्रकार है -

i. **अनुसंधान और विकास व्यय - लेखा नीति सं. 10 - (टिप्पणी संख्या 5 को देखें)**
नहीं लागत नहीं प्रतिबद्धता (एनसीएनसी) परियोजनाओं और संयुक्त विकास परियोजनाओं के संबंध में किए गए विकास संबंधी व्यय जो कि विकास साझेदार द्वारा पूरी तरह से क्षतिपूरण नहीं किए जाते हैं, परियोजना के पूरा होने तक आगे किए जा रहे हैं ।

ii. **परिभाषित लाभ दायित्व का अनुमान - मुख्य बीमांकिक मान्यताओं - (टिप्पणी संख्या 21 देखें)**

iii. **वारंटी दावों के प्रावधान का आकलन (टिप्पणी संख्या 21 देखें)**
वारंटी प्रावधान गणना में प्रवृत्ति आधारित विश्लेषण के आधार पर औसत वारंटी लागत का आकलन शामिल है । यदि विविध अनुमान लगाया जाए, तो यह उसी मान्य व्यय को प्रभावित करेगा ।)

iv. **वेतन संशोधन प्रावधान- (टिप्पणी संख्या 21 देखें)**
कार्यपालक और गैर-कार्यपालक के संबंध में वेतन संशोधन दिनांक 01.01.2017 से प्रभावी है । 01/01/2017 से 31.03.2017 की अवधि के लिए उम्मीद की उचित अनुमान के आधार पर संशोधित वेतन के संबंध में प्रावधान किया गया है ।

v. **राजस्व की मान्यता - (टिप्पणी संख्या 23 को देखें)**
पूर्णता विधि का प्रतिशत अनुबंध पूरा करने के लिए अनुमानित कुल लागतों के वास्तविक लागत के आधार पर पूरा होने के चरण का अनुमान लगाता है । अगर विविध अनुमान लगाए जाए, तो यह उसी संबंधित राजस्व को प्रभावित करेगा ।

टिप्पणी 37

पहली बार आईएनडी एएस में अंगीकरण

आईएनडी एएस परिवर्तन

ये भारतीय लेखा मानक (भा.ले.मा.) के अनुसार तैयार कंपनी के पहले स्टैंडअलोन वित्तीय विवरण हैं ।

आईएनडी एएस परिवर्तन से वित्तीय विवरणों की प्रस्तुति में परिवर्तन हुआ है, टिप्पणी में लेखों और नीतियों और सिद्धांतों के बारे में खुलासा हुआ है । वित्तीय विवरणों में निर्धारित लेखा नीतियां 31 मार्च 2017 को समाप्त वर्ष के वित्तीय विवरणों और तुलनात्मक जानकारी तैयार करने के लिए लागू की गई हैं । आईएनडी एएस के परिवर्तन के उद्देश्य के लिए, कंपनी ने 1 अप्रैल 2015 को पिछले जीएएपी से परिवर्तन की तिथि के रूप में आईएनडी एएस 101 (पहली बार भारतीय लेखा मानकों का अंगीकरण) में निर्धारित मार्गदर्शन का पालन किया है । कैसे पिछले जीएएपी से आईएनडी एएस परिवर्तन की वजह से कंपनी की वित्तीय स्थिति, वित्तीय प्रदर्शन और नकदी प्रवाह को प्रभावित किया गया है, इसका विवरण निम्न तालिकाओं और टिप्पणियों में दिखाया गया है ।

I **प्राप्त छुट एवं अपवाद**
नीचे सेट करें लागू भा.ले.मा. 101 के वैकल्पिक छूट और अनिवार्य अपवाद हैं जो पिछले जीएएपी से भा.ले.मा. के संक्रमण में लागू होते हैं।

लेखों की समेकित टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

क. भा.ले.मा. से वैकल्पिक छुट

संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण, अमूर्त परिसंपत्तियाँ एवं निवेश संपत्ति - अंकित मूल्य

आईएनडी एएस 101 में पहली बार अनुकूलक को आईएनडी एएस के संक्रमन की तारीख पर पिछले वित्तीय विवरणी में मान्य ता प्राप्त सभी संपत्ति, संयंत्र, और उपकरण का लागत चयन कर उसे जारी रखने और प्रवर्तन दायित्व के लिए आवश्यक समायोजन करने के बाद संक्रमन की तारीख पर इसे मान्य लागत के रूप में रखने की अनुमति प्रदान करता है।

तदनुसार, कंपनी ने संक्रमण की तारीख को अपनी पिछली जीएएपी के वर्तमान मूल्य पर अपनी सभी संपत्ति, संयंत्र और उपकरण, अमूर्त संपत्ति और निवेश की संपत्ति को मापने के लिए चुना है। संपत्ति, संयंत्र और उपकरण के वर्तमान मूल्य उपरोक्तानुसार, डीकमिशनिंग दायित्व से संबंधित समायोजन करने के बाद हैं।

पिछले अभिचिह्नित वित्तीय प्रलेखों के पदनाम

आईएनडी एएस 101 के रूप में आईएनडी एएस अस्थित्व को संक्रमण की तिथि पर तथ्यों और परिस्थितियों के आधार पर (सहायक, सहसदस्य में इक्विटी निवेशों के अलावा) इक्विटी उपकरणों को अन्य व्यापक आय (एफवीओसीआई) के माध्यम से उचित मूल्य पर निवेश नामोद्धिष्ट करने की अनुमति देता है। कंपनी ने आईएनडी एएस को संक्रमण की तिथि पर एफवीओसीआई में इक्विटी इक्विटी (सहायक, सहसदस्यों में इक्विटी निवेश के अलावा) में अपने निवेश को निर्दिष्ट करने के लिए चुना है।

सहायक एवं संयुक्त कंपनी में निवेश

भा.ले.मा. 101 के रूप में भा.ले.मा. 27 (अलग वित्तीय विवरण) के अनुसार लागत पर सहायक, संयुक्त कंपनियों में अपने निवेश को मापने के लिए वास्तविक परमिट प्राप्त है । तदनुसार, कंपनी ने सहायक एवं संयुक्त कंपनी के निवेश को लागत पर मापा गया है ।

पट्टे

आईएनडी एएस 17 के परिशिष्ट सी के अनुसार इकाई को यह आकलन करने की आवश्यकता होती है कि अनुबंध या व्यवस्था में यदि पट्टे शामिल है या नहीं । आईएनडी एएस 17 के अनुसार, यह मूल्यांकन अनुबंध या व्यवस्था की स्थापना के समय किया जाना चाहिए। आईएनडी एएस 101 इस मूल्यांकन को आईएनडी एएस को संक्रमण की तिथि के आधार पर तथ्यों और परिस्थितियों के आधार पर बनाने के विकल्प प्रदान करता है, सिवाय जहां प्रभाव सामग्री नहीं होने की संभावना है।

कंपनी ने निम्नलिखित छुट प्राप्त किया है -

ख. भा.ले.मा से अनिवार्य छुट -

वित्तीय परिसंपत्तियाँ एवं वित्तीय देयताएँ से गैर-अभिचिह्नित

101 के रूप में आईएनडी एएस के अनुसार पहली बार गोद लेने वाला आईएनडी एएस में संक्रमण की तिथि पर या उसके बाद होने वाली लेनदेन के लिए 109 के आईएनडी एएस में डी-मान्य ता सिद्धांत आवश्यकताओं को लागू करेगा। हालांकि, यदि किसी संस्था को वित्तीय संपत्ति के रूप में आईएनडी एएस को लागू करने और पिछले लेनदेन के परिणाम के रूप में पहचान की जाने वाली देनदारियों को शुरू करने के समय उन लेनदेन के लिए समय पर प्राप्त किया गया था, तो एक इकाई इसके द्वारा चुने गए तारीख से पूर्व-मान्य ता आवश्यकताओं को लागू कर सकती है।

कंपनी ने आईएनडी एएस के रूप में संक्रमण की तिथि से 109 आईएनडी एएस के डी-मान्य ता प्रावधानों को लागू करने के लिए चुना है।

वित्तयी परिसंपत्तियों का मापन एवं वर्गीकरण

भा.ले.मा 101 के अनुसार परिवर्तन की तिथि से विद्यमान तथ्यों और परिस्थितियों के आधार पर वैकल्पिक को वित्तीय संपत्ति के वर्गीकरण का आकलन करना होगा।

तदनुसार, बीईएल ने परिवर्तन की तिथि से विद्यमान तथ्यों और परिस्थितियों के आधार पर वित्तीय परिसंपत्तियों का वर्गीकरण का आकलन किया है ।

लेखों की समेकित टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

II. पिछले जीएएपी एवं भारतीय ले. मा. के बीच समाधान

क. साम्या का समाधान

पिछला जीएएपी (आईजीएएपी) के आंकड़ों को भा.लें.मा. और अनुसूची III की आवश्यकताओं के अनुरूप पुन: वर्गीकृत किया गया है।

I. यथा परिवर्तन दिनांक 1 अप्रैल 2015 एवं 31 मार्च 2016 को साम्या का समाधान

विवरण		टिप्पणी सं.	यथा 01 अप्रैल 2015			यथा 31 मार्च 2016		
			आईजीएएपी	भारतीय ले.मा. पर परिवर्तन का प्रभाव	भारतीय ले.मा.	आईजीएएपी	भारतीय ले.मा. पर परिवर्तन का प्रभाव	भारतीय ले.मा.
परिसंपत्तियाँ								
(1)	**गैर चालू परिसंपत्तियाँ**							
(क)	संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण	F (i),(ii),(iii)	104,131	1,806	105,937	86,036	1,519	87,555
(ख)	पूँजीगत चालू कार्य		22,195	-	22,195	13,985	-	13,985
(ग)	निवेश संपत्ति	F (ii)	-	13	13	-	14	14
(घ)	अमूर्त परिसंपत्तियाँ	F (xviii)	16,605	642	17,247	18,485	-	18,485
(ङ)	विकासधीन अमूर्त परिसंपत्तियाँ		20,784	-	20,784	12	-	12
(च)	इक्विटी पद्धति के तहत निवेश		22,017	-	22,017	19,173	-	19,173
(छ)	वित्तीय परिसंपत्तियाँ							
	(i) निवेश		24,216	-	24,216	5	-	5
	(ii) व्यापार प्रदेय		-	-	-	-	-	-
	(iii) ऋण		2,649	-	2,649	2,597	-	2,597
	(iv) अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ		3,102	-	3,102	3,266	-	3,266
(झ)	आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ (निवल)	F(ix)	37,049	8,812	45,860	33,735	4,989	38,724
(झ)	वस्तुसूचियाँ		4,535	-	4,535	5,745	-	5,745
(ञ)	अन्य गैर चालू परिसंपत्तियाँ	F (i), (iii)	8,415	195	8,610	4,149	24	4,173
			265,698	11,468	277,165	187,188	6,546	193,734
(2)	**चालू परिसंपत्तियाँ**							
(क)	वस्तुसूचियाँ	F(iv), (xii)	419,278	(3,577)	415,701	340,130	(1,309)	338,821
(ख)	वित्तीय परिसंपत्तियाँ							
	(i) व्यापार प्राप्य	F(x)	372,191	-	372,191	379,380	326	379,706
	(ii) नकद एवं नकद समतुल्य		250,290	-	250,290	203,088	-	203,088
	(iii) बैंक शेष [उपर्युक्त (ii) के अलावा]		471,321	-	471,321	370,762	-	370,762
	(iv) ऋण		915	-	915	942	-	942
	(v) अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ	F(iv)	21,300	1,063	22,363	17,296	1,064	18,360
(ग)	अन्य चालू परिसंपत्तियाँ	F (i), (iii)	50,265	219	50,484	71,347	1	71,348
(घ)	चालू कर परिसंपत्तियाँ (निवल)		-	-	-	163	-	163
			1,585,560	(2,295)	1,583,265	1,383,108	82	1,383,190
	कुल परिसंपत्तियाँ		**1,851,258**	**9,173**	**1,860,430**	**1,570,296**	**6,628**	**1,576,924**

लेखों की समेकित टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

विवरण		टिप्पणी सं.	यथा 01 अप्रैल 2015			यथा 31 मार्च 2016		
			आईजीएएपी	भारतीय ले.मा. पर परिवर्तन का प्रभाव	भारतीय ले.मा.	आईजीएएपी	भारतीय ले.मा. पर परिवर्तन का प्रभाव	भारतीय ले.मा.
साम्या एवं देयताएं								
साम्या								
(क)	साम्या शेयर पूँजी		24,000	-	24,000	8,000	-	8,000
(ख)	अन्य साम्या	F(xiv), F(xix)	874,606	26,009	900,616	803,687	12,694	816,380
	कंपनी के मालिकों के लिए इक्विटी का श्रेय		898,606	26,009	924,616	811,687	12,694	824,380
	गैर-नियंत्रण हित		477	-	477	611	-	611
	उप कुल साम्या		899,083	26,009	925,093	812,298	12,694	824,991
देयताएँ								
(1)	गैर चालू परिसंपत्तियाँ							
(क)	सरकारी अनुदान	F(xi)	17,701	422	18,123	19,841	(170)	19,671
(ख)	वित्तीय देयताएँ							
	(i) उधार राशियाँ		-	-	-	-	-	-
	(ii) व्यापार प्रदेय		57	-	57	2	-	2
	(iii) अन्य वित्तीय देयताएँ		158	-	158	76	-	76
(ग)	प्रावधान	F(v)	54,898	15,121	70,019	45,338	9,645	54,983
(घ)	अन्य गैर चालू देयताएँ	F (i) & (iv)	-	1,877	1,877	32	1,638	1,670
			72,814	17,420	90,234	65,289	11,113	76,402
(2)	चालू देयताएँ							
(क)	सरकारी अनुदान	F(xi)	31	(28)	3	247	(228)	19
(ख)	वित्तीय देयताएँ							
	(i) उधार राशियाँ		2,839	-	2,839	2,473	-	2,473
	(ii) व्यापार प्रदेय	F(x)	116,103	123	116,226	115,596	113	115,709
	(iii) अन्य वित्तीय देयताएँ	F(iv)	43,418	(147)	43,271	25,398	(791)	24,608
(ग)	अन्य चालू देयताएँ	F (iv)	653,827	(300)	653,525	515,866	1,734	517,600
(घ)	प्रावधान	F(v)	56,477	(33,904)	22,573	33,129	(18,007)	15,122
(ङ)	चालू कर देयताएं (निवल)		6,666	-	6,666	-	-	-
			879,361	(34,256)	845,103	692,709	(17,179)	675,531
	कुल साम्या एवं देयताएँ		**1,851,258**	**9,173**	**1,860,430**	**1,570,296**	**6,628**	**1,576,924**

लेखों की समेकित टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

ख. यथा 31 मार्च 2016 के वर्ष अंत को कुल व्यापक आय का समाधान

	विवरण	टिप्पणी सं.	पिछले जीएएपी	भारतीय ले.मा. समाधान	भारतीय ले.मा.
I	प्रचालनों से राजस्व	F (i) (iv)	771,172	1,752	772,924
II	अन्य आय	(xv)	53,580	369	53,949
III	**कुल आय (I+II)**		824,752	2,121	826,873
IV	व्यय				
क	खपत सामग्री की लागत	F(iv)	367,038	956	367,994
ख	खपत भंडार एवं पुर्जे की लागत		3,077	-	3,077
ग	व्यापारगत स्टॉक का क्रय		33,936	-	33,936
घ	तैयार माल, चालू कार्य एवं रद्दी के वस्तुसूचियाँ में परिवर्तन	F(iv)	(25,537)	2,266	(23,271)
ङ	उत्पाद शुल्क		37,547	-	37,547
च	कर्मचारी अनुलाभ व्यय	F(vii) & F(xii)	131,187	(4,465)	126,721
छ	वित लागत	F (xviii)	602	-	602
ज	मूल्यह्रास एवं परिशोधन व्यय	F (xii)	19,504	(309)	19,196
ञ	अन्य व्यय	F (i) (iv) & (v)	76,684	11,305	87,989
कुल व्यय (क - ञ)			**644,038**	**9,753**	**653,791**
V	असाधारण वस्तुओं से पहले लाभ, संयुक्त उद्यमों का शुद्ध लाभ का हिस्सा इक्विटी पद्धति और टैक्स के तहत होता है (III - IV)		180,714	(7,632)	173,082
	"संयुक्त उद्यमों का शुद्ध लाभ का हिस्सा है" इक्विटी पद्धति के तहत"	F(xiii)	-	3,315	3,315
	असाधारण मद्दें एवं कर पूर्व लाभ (III - IV)		180,714	(4,317)	176,397
VI	असाधारण मद्दें		-	-	-
VII	कर पूर्व लाभ (V+VI)		180,714	(4,317)	176,397
VIII	कर व्यय				
	- चालू कर		48,673	-	48,673
	- पिछले वर्षों		1	-	1
	- आस्थगित कर	F (ix)	(3,312)	(2,640)	(5,952)
	कुल कराधान हेतु प्रावधान		45,362	(2,640)	42,722
IX	अवधि के लिए लाभ (VII - VIII)		135,352	(1,677)	133,675
X	अन्य व्यापक आय/ (हानि)				
	तदनुसार, लाभ/हानि मे पुनःवर्गीकृत नहीं किए गए मद्दें				
क	निवल पारिभाषित लाभ देयता/परिसंपत्ति का पुनःमापन	F (vii)	-	(3,423)	(3,423)
	अन्य व्यापक आय द्वारा साम्या प्रलेखों	F (viii)	-	1	1
	"संयुक्त उद्यमों का शुद्ध लाभ का हिस्सा है" "इक्विटी पद्धतिै" के तहत	F(xiii)	-	(2)	(2)
ख	इन मद्दों से संबंधित आयकर	F (ix)	-	1,184	1,184
	अन्य व्यापक आय / (हानि)		-	(2,240)	(2,240)
XI	"अवधि के लिए कुल व्यापक आय (IX+X) [वर्ष हेतु लाभ एवं अन्य व्यापक हानि सहित]"		135,352	(3,917)	131,435

नोट - इस नोट के लिए पिछले जीएएपी आंकडे को पुनःवर्गीकृत किया गया है ।

लेखों की समेकित टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

ग. यथा 31 मार्च 2016 के वर्ष अंत को नकदी प्राप्ति विवरण पर भारतीय ले.मा. के धारण का प्रभाव

विवरण	टिप्पणी सं.	पिछले जीएएपी	भारतीय ले.मा. समाधान	भारतीय ले.मा.
परिचालन गतिविधियों से निवल नकदी प्राप्ति	F(xvii)	225,732	274	226,006
निवेश गतिविधियों से निवल नकदी प्राप्ति		(142,411)	(4,623)	(147,034)
वित गतिविधियों से निवल नकदी प्राप्ति		(31,969)	199	(31,770)
नकद एवं नकद समतुल्य में निवल बढ़ोत्तीर / (घटाई)		51352	(4,150)	47,202
यथा 1 अप्रैल 2015 को नकद एवं नकद समतुल्य		217,113	(14,025)	203,088
यथा 31 मार्च 2016 को नकद एवं नकद समतुल्य		268,465	(18,175)	250,290

घ. यथा 31 मार्च 2016 एवं 1 अप्रैल 2015 को कुल साम्या का समाधान

	टिप्पणी सं.	31 मार्च 2016	1 अप्रैल 2015
पिछले जीएएपी के अनुसार कुल साम्या (शेयरधारित निधि)		898,606	811,684
प्रावधानों का समायोजन	F (v)	(25,093)	(13,974)
राजस्व अभिचिह्नित (व्यय का निवल) का समायोजन	F (iv)	(539)	(870)
लाभांश एवं कर का समायोजन	F (xix)	41,884	22,338
पूर्व अवधि समायोजन	F (x)	(123)	213
योजित परिसंपत्तियाँ का अभिचिह्नित	F (vii)	1,069	-
सहायक कंपनी को दिए गए ऋण का उचित मूल्यांकन	F (xiii)	8,812	4,989
भारतीय ले.मा. के अनुसार कुल साम्या (शेयरधारित निधि)		924,616	824,380

ङ. यथा 31 मार्च 2016 को कुल व्यापक आय का समाधान

	टिप्पणी सं.	31 मार्च 2016
पिछले जीएएपी के अनुसार कर पश्चात् लाभ		138,649
प्रावधानों का समायोजन	F (v)	(11,119)
राजस्व अभिचिह्नित (व्यय का निवल) का समायोजन	F (iv)	(671)
पूर्व अवधि समायोजन	F (x)	(335)
योजित परिसंपत्तियाँ का अभिचिह्नित	F (vii)	1,070
इा परिवृतनों में कर समायोजन	F (ix)	3,822
सहायक कंपनी को दिए गए ऋण का उचित मूल्यांकन	F(xiii)	19
भारतीय ले.मा. के अनुसार कुल साम्या (शेयरधारित निधि)		131,435

च. पहली बार स्वीकृत को टिप्पणी

i. **संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण**

क) ग्राहक अनुदान से प्राप्त पूर्व जीएएपी परिसंपत्तियों के तहत निवल मूल्य (लागत कम अनुदान मूल्य) पर किया गया था। भा.ले.मा. के तहत इन परिसंपत्तियों को आस्थगित राजस्व (ग्राहक अनुदान) में क्रेटिट करने के साथ-साथ लागत पर अभिचिह्नित करनी होगी। तदनुसार, वित्त वर्ष 2015-16 (₹ 1606 यथा 1 अप्रैल 2015) के दौरान संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की राशि ₹ 697 से बढ़ी है तथा संबंधित आस्थगित राजस्व (ग्राहक अनुदान) के लिए इसी क्रेडिट किया गया है । इस समायोजन के कारण कुल ईक्विटी पर कोई प्रभाव नहीं होगा।

ख) साइट पुनःस्थापन उत्तरदायित्व के प्रावधान के कारण भा.ले.मा. 37 के तहत, 2015-16 के दौरान (₹ 55 यथा 1 अप्रैल 2015) संपत्ति, संयंत्र और उपकरण के हिस्से के रूप में ₹ 80 की राशि को अभिचिह्नित की गई है। इस राशि को पट्टे अवधि से अधिक काटा जाएगा।"

लेखों की समेकित टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

ii. **निवेश संपत्ति**

भा.ले.मा. 40 की आवश्यकता के अनुसार, किराए पर लिए गए निवेश संपत्ति, भूमि और भवन को निवेश संपत्ति के रूप में पुनः वर्गीकृत किया गया है। पिछले जीएएपी में इनको संपत्ति, संयंत्र और उपकरण के रूप में वर्गीकृत किया गया था । तदनुसार 1 अप्रैल 2015 को किराए पर लिया गया भवनों का वहन मूल्य ₹ 14 लाख के संयंत्र, संपत्ति और उपकरण को निवेश संपत्ति से पुनर्वर्गीकृत किया गया है। इस समायोजन के कारण कुल ईक्विटी पर कोई प्रभाव नहीं है।

iii. **पट्टे व्यवस्था**

भा.ले.मा. 101 अनुमति के अनुसार, कंपनी ने यह आकलन किया है कि क्या अनुबंध या व्यवस्था में तथ्यों और परिस्थितियों के आधार पर पट्टा शामिल है, जो कि भा.ले.मा. को संक्रमण की तारीख में मौजूद हैं। आकलन के आधार पर कुछ पट्टे पर समझौतों को प्रचालन पट्टे के रूप में पहचाना गया है और परिणामस्वरूप वित्तीय वर्ष 2015-16 (यथा 1 अप्रैल 2015 में ₹ 75 राशि) के दौरान पूँजी नहीं की गई राशि और गैर-वित्तीय परिसंपत्तियों के रूप में पहचानी गई है। इस समायोजन के कारण कुल इक्विटी पर कोई प्रभाव नहीं है।

iv. **राजस्व मान्यता, उचित मूल्य मानदंड आदि में समायोजन**

"आईएनडी एएस की आवश्यकताओं के अनुसार राजस्व मान्य ता, उचित मूल्य मानदंड आदि के समय में परिवर्तन के कारण पिछले जीएएपी के अंतर्गत मान्य ता प्राप्त राजस्व में समायोजन किया गया है। ₹ 1962 के इस अतिरिक्त राजस्व की वजह से वित्त वर्ष 2015-16 के दौरान मान्यता प्राप्त की गई है, जिसमें 3,222 रुपये के संबंधित खर्चों में वृद्धि हुई है, जिसके संबंध में अनुबंधों की भारी प्रकृति के कारण राजस्व की पहचान की गई है। उपर्युक्त समायोजन के कारण शुद्ध प्रभाव में वित्त वर्ष 2015-16 के दौरान ₹ 1,260 के मुनाफे में कमी आई है । राजस्व मान्य ता से संबंधित समायोजन के कारण 1 अप्रैल 2015 को बनाए गए कमाई ₹ 948 तक नीचे आ गई है। इवेंटरी और संबंधित परिसंपत्तियों और देनदारियों के लिए परिणामस्वरूप समायोजन किए गए हैं।

v. **प्रावधान**

साइट पुनःस्थापन दायित्व, दुर्वह अनुबंध और वारंटी व्यय के संबंध में आईएनडी एएस 37 की आवश्यकताओं के अनुसार प्रावधानों का निर्माण किया गया है। इसके लिए वित्त वर्ष 2015-16 (1 अप्रैल 2015 तक ₹13976) के दौरान प्रावधान राशि में 11,198 रुपये तक की वृद्धि हुई है। नतीजतन 31 मार्च 2016 को कुल इक्विटी ₹ 1,25,094 (1 अप्रैल 2015 तक ₹ 13,976) और 31 मार्च 2016 को समाप्त वित्त वर्ष के ₹ 11,118 के मुनाफे में कमी आई है।

vi **उत्पाद शुल्क**

उत्पादों की बिक्री से पिछले जीएएपी राजस्व में बिक्री पर एक्साइज ड्यूटी पर नेट प्रस्तुत किया गया था। आईएनडी एएस के तहत, माल की बिक्री से राजस्व उत्पाद शुल्क के साथ प्रस्तुत किया जाता है भुगतान किया गया उत्पाद शुल्क एक लाभ के रूप में लाभ और हानि के विवरण में प्रस्तुत किया गया है। इस परिवर्तन के परिणामस्वरुप वित्त वर्ष 2015-16 के लिए 36751 तक के परिचालन और व्यय से वृद्धि हुई है। प्रस्तुति में इस बदलाव का लाभ पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।

vii. **रोज़गारोत्तर लाभ दायित्वों का पुनःमापन**

आईएनडी एएस के तहत, कर्मचारी लाभ दायित्वों के पुनःमापन यानि बीमांकिक लाभ और हानि अन्यव्यापक आय (ओसीआई) में मान्य ता प्राप्त हैं। पिछला जीएएपी के अंतर्गत ये लाभ और हानि विवरणी में पहचाने गए थे। नतीजतन, वित्त वर्ष 2015-16 के दौरान कर्मचारियों की लाभ व्यय से अन्य विस्तृत आय के लिए ₹ 5,169 (कर से पहले) की राशि को पुनः वर्गीकृत किया गया है हालांकि, 31 मार्च 2016 को इसका लाभ पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है।

इसके अतिरिक्त, निवल परिभाषित दायित्वों पर योजना संपत्तियों से अधिक ₹ 1,072 की राशि का वित्त वर्ष 2015-16 के दौरान आईएनडी एएशके तहत एसेट के रूप में मान्य ता प्राप्त है, जिसमें अन्य व्यापक आय और कर्मचारियों की लागत के लिए ₹ 677 का प्रभार ₹ 1,749 का श्रेय दिया गया है। इसका परिणाम 31 मार्च 2016 को कुल व्यापक आय में ₹1072 तक बढ़ गया है।

viii. **निवेश का उचित मूल्य**

आईएनडी एएस के अनुसार, सहायक कंपनियों और सहयोगियों के अलावा अन्य संस्थाओं के इक्विटी शेयरों में निवेश की वित्तीय संपत्तियों को आईएनडी एएस 109 अनुमति के तहत अन्यव्यापक आय (एफवीओसीआई) के माध्यम से उचित मूल्य के रूप में नामित किया गया है। पिछला जीएएपी के तहत, यह निवेश लागत पर किया गया था । इस निवेश के परिणामस्वरूप उचित मूल्य परिवर्तन को संक्रमण की तिथि और बाद में 31 मार्च 2016 को समाप्त वर्ष के लिए अन्यव्यापक आय में ओसीआई रिजर्व के माध्यम से इक्विटी निवेश में मान्य ता प्राप्त हुई है। इसके परिणामस्वरूप "अन्य व्यापक आय (ओसीआई) और" कुल इक्विटी घ1 मार्च से 31 मार्च 2016 तक (₹1 अप्रैल 2015 तक शून्य)।

ix. **आस्थगित कर**

"आईएनडी एएस के संक्रमण के परिणामस्वरूप किए गए समायोजन के कारण उत्पन्न अस्थायी अंतर के संबंध में आस्थगित कर समायोजन किया गया है। 31 मार्च 2016 को 315 मार्च तक आस्थगित कर परिसंपत्ति के मूल्य में और 1 अप्रैल 2015 तक ₹ 4989 तक 31 मार्च 2016 तक कुल इक्विटी में वृद्धि (1 अप्रैल 2015 को ₹ 4,989) और 31 मार्च 2016 को ₹ 3,855 तक का लाभ हुआ है।

लेखों की समेकित टिप्पणियाँ

(₹ *लाख में*)

x. **पूर्व अवधि त्रुटि और चूक**

आईएनडी एएस की आवश्यकता के अनुसार , यदि पूर्व की अवधि से संबंधित त्रुटियां और चूक सामग्री के संबंध मं होती हैं तो उन्हें प्रस्तुत किए गए पूर्वकाल की अवधि के लिए परिसंपत्तियों, देयताएं और इक्विटी के उद्घाटन शेष को समायोजित करके समायोजित किया जाना चाहिए। तदनुसार, पिछला जीएएपी के तहत वर्ष 2015-16 के लिए रिपोर्ट किए गए ₹ 326 की आय की अवधि 1 अप्रैल 2015 को व्यापार प्राप्तियों में इसी वृद्धि के साथ प्रारंभिक रिसर्व में समायोजित की गई है। इसके परिणामस्वरूप वित्त वर्ष 2015-16 के लिए ₹ 326 तक लाभ में कमी आई है।

xi **सरकारी अनुदान**

आईएनडी एएस की आवश्यकताओं के अनुसार, किसी ग्राहक की क्षमता में सरकार द्वारा दी गई राशि को ग्राहक अनुदान के रूप में माना जाना चाहिए। तदनुसार, 1 अप्रैल 2015 को सरकारी अनुदान से ₹ 398 राशि को ग्राहक अनुदान में पुनर्वर्गीकृत किया गया है। वर्गीकरण में यह परिवर्तन से लाभ या तदासीन आय पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।

xii. **अन्य समायोजन**

313 मार्च को संपत्ति, संयंत्र और उपकरण के लिए ₹ 333 का मूल्यह्रास शुल्क लगाया गया है और इसकी समतुल्य राशि को अन्य आय के रूप में (ग्राहक अनुदान) में जमा की गई है। वित्त वर्ष 2015-16 के लिए राशि '148 (₹ 1 अप्रैल 2015 तक ₹ 102) को ऊपर बताए गए परिवर्तनों के कारण अन्य परिणामी समायोजनों के क्रम में लाभ और हानि विवरणी और तदासी आय मं से वहित किया गया है।

वित्तीय वर्ष 2015-16 के दौरान 33 राशि को 'अन्य आय' के रूप में माना गया है, जिसे कर्मचारी लागत से समायोजित किया गया है जो कि कर्मचारी लागत से संबंधित समायोजन जैसे पर्क्स के कारण है। इसका साल के लिए लाभ पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।

xiii. **संयुक्त उद्यम का एक सहयोगी के रूप में नया स्वरूप**

नियंत्रण मानदंडों के आकलन के आधार पर, आईएनडी एएस के संक्रमण के रूप में, संयुक्त उद्यम में निवेश को एक सहयोगी के रूप में पहचाना गया है। इस पुनर्मूल्यांकन के कारण वित्तीय विवरणों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।

xiv. **प्रतिधारित कमाई**

1 अप्रैल 2015 और 31 मार्च 2016 को प्रतिधारित कमाई का निम्न समायोजन के परिणामस्वरूप समायोजित किया गया है ।

xv. **नकदी प्राप्ति पर प्राभव**

आईएनडी एएस के लिए संक्रमण के रूप में वित्त वर्ष 2015-16 के लिए नकद प्रवाह ₹ 1,331 रुपए कम हो गया है।

xvi. **भा.ले.मा को संक्रमण के बारे में समूह के वित्तीय विवरण पर प्रभाव**

सहायक कंपनियों के हिसाब से भा.ले.मा. को संक्रमण के बारे में समूहों पर निवल प्रभाव 31.03.2016 को 33 रुपये और शून्य 01.04.2015 (सरकारी अनुदानों में समायोजन) के अनुसार है।

xvii. **प्रस्तावित लाभांश**

वित्तीय विवरणों के अनुमोदन से पहले बैलेंस शीट की तारीख के बाद निदेशक मंडल द्वारा प्रस्तावित पिछले जीएएपी लाभांश के तहत ईवेंट समायोजन के रूप में माना जाता था। तदनुसार, प्रस्तावित लाभांश के प्रावधान को देयता के रूप में मान्य ता दी गई थी। आईएनडी एएस के तहत जैसे लाभांश मान्य ता प्राप्त होते हैं, जब इसे सामान्य बैठक में शेयरधारकों द्वारा अनुमोदित किया जाता है। तदनुसार, प्रस्तावित लाभांश और लाभांश वितरण कर की देयदारी, 1945 में वित्त वर्ष 15-16 (1 अप्रैल 2015 तक के रूप में 22,338 रुपये) के लिए दी गई है, जो कि तदासीन आय के अनुरूप समायोजन के साथ लौटाई गई है। नतीजतन कुल इक्विटी समतुल्य राशि से बढ़ गई है।

यथा दिनांक रिपोर्ट के अनुसार संलग्न है ।

कृते **बदरी, मधुसूदन एंड श्रीनिवासन**
सनदी लेखाकार
फार्म पंजी. सं. 005389एस

एस वी गौतमा
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

कोशी अलेक्जाण्डर
मुख्य वित्तीय अधिकारी

एस राजेन्द्रन
साझेदर
सदस्यता सं. 021883

डॉ. अजित कलघटगी
निदेशक (अनुसंधान एवं विकास)

एस श्रीनिवास
कंपनी सचिव

29 मई 2017
बेंगलूरु

समेकित वित्तीय विवरण पर उल्लेखनीय लेखा नीतियाँ

कार्पोरेट सूचना

साथ में दिए गए वित्तीय विवरण भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (धारित कंपनी) के वित्तीय विवरण हैं। कंपनी भारत में स्थित एक सार्वजनिक कंपनी है और भारत में लागू कंपनी अधिनियम के प्रावधानों के अंतर्गत शामिल है। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के शेयर भारत में दो मान्यता प्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों पर सूचीबद्ध हैं। पंजीकृत कार्यालय और कंपनी का व्यवसाय का मुख्य स्थान बेंगलुरु, कर्नाटक, भारत में स्थित है।

कंपनी रक्षा उत्पादन विभाग, रक्षा मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में एक सार्वजनिक क्षेत्र का उद्यम है। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड रक्षा क्षेत्र में इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और प्रणालियों का निर्माण और आपूर्ति करता है। रक्षा क्षेत्र के अलावा, कंपनी को नागरिक बाजार में सीमित उपस्थिति भी उपलब्ध है।

उल्लेखनीय लेखा नीतियाँ

1. लेखा का आधार

वित्तीय विवरण को भारत में सामान्य तौर पर स्वीकृत (जीएएपी) लेखा सिद्धांतों के अनुसार तैयार किया जाता है और प्रस्तुत किया जाता है (अनिवार्य भारतीय लेखा मानकों (आईएनडी एएस) [कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 133 के तहत अधिसूचित कंपनियों के नियम 3 (भारतीय लेखा मानक) नियम, 2015], लागु नियमों का पालन का गया है। कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों को भी लागू किया गया है।

यह आईएनडी एएस के अनुसार तैयार कंपनी का पहला वार्षिक वित्तीय विवरण हैं। कंपनी ने आईएनडी एएस को अपनाया है और आईएनडी एएस 101 के तहत पहली बार अपनाने के संबंध में सभी मानकों को पालन किया है। आईएनडी एएस के संक्रमण के कारण, रिपोर्ट की गई वित्तीय स्थिति, वित्तीय प्रदर्शन और कंपनी के नकदी प्रवाह पर प्रबाव के विवरण नोट 37 में दिया गया है।

2. प्राक्कलनों का प्रयोग

जीएएपी के अनुरूप वित्तीय विवरण की तैयारी के लिए प्रबंधन के लिए यह आवश्यक होता है कि वह अनुमान और पूर्वानुमान लगाए जिसका विवरण की तारीख पर रिपोर्ट कि गए परिसंपत्तियों और देनदारियों, आकस्मिक देयता और आकस्मिक संपत्तियों एवं रिपोर्ट किए गए रजस्व और व्यय पर प्रभाव पड सकता है। यद्यपि इस तरह के अनुमान उचित और विवेकपूर्ण आधार पर सभी उपलब्ध जानकारी के आधार पर किए जाते हैं, वास्तविक परिणाम इन अनुमानों से भिन्न हो सकते हैं और इस तरह के अंतर उस अवधि में पहचाने गए हैं जिनमें परिणामों का पता लगाया जाता है

3. मापन का आधार

वित्तीय विवरण निम्नलिखित ऐतिहासिक लागत के आधार पर तैयार किए गए हैं ऐतिहासिक संपत्तियों और दायित्वों को छोड़कर जिन्हें उचित मूल्य पर मापा गया है -

- व्युत्पन वित्तीय साधन, यदि कोई हो
- वित्तीय संपत्ति और देनदारियां जो उचित मूल्य पर मापा जाने योग्य हैं
- परिभाषित लाभ संपत्ति / दायित्व को योजना संपत्तियों का कम उचित मूल्य परिभाषित लाभ दायित्व के वर्तमान मूल्य के रूप में पहचाना जाता है ।

4. कार्यात्मक और प्रस्तुति मुद्रा

वित्तीय विवरण भारतीय रुपए (आईएनआर) में प्रस्तुत किए जाते हैं जो कंपनी के कार्यात्मक और प्रस्तुति मुद्रा है।

5. राजस्व मान्यता

(i) सामान की बिक्री

माल की बिक्री से राजस्व प्राप्त या प्राप्ति योग्य, रिटर्न का शुद्ध, व्यापार छूट और मात्रा छूट के उचित मूल्य पर मापा जाता है। राजस्व को तब मान्यता दी जाती है जब स्वामित्व का महत्वपूर्ण जोखिम और प्रतिफल ग्राहक के लिए बिक्री समझौते की शर्तों के अनुसार स्थानांतरित कर दिया गया है, न तो सामग्रियों पर प्रबंधन की भागीदारी और न ही प्रभावी नियंत्रण बनाए रखा जाता है, विचार की वसूली संभव है, और लागत की मात्रा खर्च और राजस्व मज़बूती से मापा जा सकता है बिक्री समझौते के इनको-नियमों के आधार पर जोखिम और पुरस्कार के हस्तांतरण का समय-समय पर मूल्यांकन किया जाता है।

(ii) पूर्व वर्क्स अनुबंध

पूर्व-कार्य संविदा के मामले में, राजस्व की पहचान की जाती है जब निर्दिष्ट वस्तुओं को बिना किसी पूर्व अनुबंध और स्वीकृति के बाद अनुबंध में विनियोजित किया जाता है, यदि आवश्यक हो।

(iii) एफओआर संविदाओं

संविदा के मामले में राजस्व मान्यता प्राप्त है, जब सामान को पहले निरीक्षण और स्वीकृति के बाद खरीदार को ट्रांसफर करने के लिए वाहक को सौंप दिया जाता है, यदि निर्धारित किया गया है, और गंतव्य अनुबंध के मामले में, अगर उचित उम्मीद है कि लेखांकन अवधि के भीतर सामान पहुंच जाएंगे। अगर ग्राहक के अनुरोध पर माल कंपनी मे रखा जाता है तो भी राजस्व की पहचान की जाती है।

(iv) बिल और स्थगित बिक्री

बिल और स्थगित बिक्री के लिएजब ग्राहक द्वारा शीर्षक लेने पर निम्न के अनुसार राजस्व की पहचान की जाती है:

- यह संभव है कि वितरण किया जाएगा;
- उत्पाद तैयार अवस्था मे है, और राजस्व पहचाने जाने वाले समय पर खरीददार को आपूर्ति के लिए तैयार है।;
- खरीदार विशेष रूप से स्थगित प्रदाय के निर्देशों को स्वीकार करता है;
- सामान्य भुगतान शर्तें लागू होती हैं।

(v) विनिर्माण संविदाएं

अनुबंध राजस्व में संविदा में सहमति के प्रारंभिक राशि और संविदा कार्य, दावों और प्रोत्साहन भुगतान में कोई भी बदलाव शामिल है, इस सीमा तक यह संभव है कि उनका परिणाम मैं राजस्व के रूप में करूँगा और इसे मज़बूती से मापा जा सकता है।

अनुबंध राजस्व को अनुबंध पूरा होने के स्तर के अनुपात में मायता प्राप्त है। अनुबंध पूरा करने की उम्मीद की अनुमानित कुल लागत के लिए रिपोर्टिंग तक अनुबंध पर किए गए वास्तविक लागत के राशन के आधार पर पूरा होने का चरण मूल्यांकन किया गया है।

यदि परिणाम का विश्वसनीयता का अनुमान नहीं लगाया जा सकता है और जहां यह संभव है कि लागतें ठीक हो जाएंगी, राजस्व लागत की सीमा तक पहचाना जाता है।

जब यह संभव हो सकता है कि कुल अनुबंध लागत पूर्ण होने पर कुल अनुबंध राजस्व से अधिक हो जाएगा, पूरा होने पर अपेक्षित नुकसान तुरंत एक व्यय के रूप में पहचाना जाता है।

(vi) मूल्य वृद्धि और विनिमय दर में भिन्नता दावे

अनुबंधों के मामले में जहां अतिरिक्त विचार ग्राहक द्वारा निर्धारित और अनुमोदित किए जाने हैं, ऐसे अतिरिक्त राजस्व ग्राहक से पुष्टि मिलने पर मान्यता प्राप्त है।

(vii) एकाधिक संविदाएं -

एकाधिक अनुबंध के मामले में, जहां स्थापना और कमीशन के लिए अलग शुल्क या कोई अन्य अलग-अलग पहचाने जाने योग्य घटक तय नहीं किया गया है, कंपनी लेनदेन के अलग-अलग पहचाने जाने योग्य घटकों (माल की बिक्री और स्थापना और कमीशन आदि) को मान्यता मानती है। उनके सापेक्ष उचित मूल्य के आधार पर उन अलग-अलग घटकों के लिए राजस्व आवंटित करता है।

(viii) एकाधिक तत्व -

अधिष्ठापन और कमीशन या किसी भी अन्य अलग पहचान योग्य घटक को निर्धारित किया गया है और उसी के लिए मूल्य अलग से सहमत है, कंपनी लेनदेन और आबंटन के अलग से पहचाने जाने वाले घटकों (माल की बिक्री और स्थापना और कमीशन आदि उन अलग-अलग घटकों का राजस्व) उन सापेक्ष निष्पक्ष मूल्य के आधार पर करता है।

(ix) बिक्री कर / वैल्यू एडेड कर (वैट) को छोडना और एक्साइज ड्यूटी को शामिल करना

(x) सेवाओं से राजस्व

अनुरक्षण अनुबंध से संबंधित राजस्व प्रोद्भवन आधार पर मान्यता प्राप्त है।

अन्य तय-मूल्य अनुबंध (सॉफ़्टवेयर से संबंधित सेवाओं से आय सहित) के लिए, राजस्व को रिपोर्टिंग तिथि पर लेनदेन के पूरा होने के स्तर के अनुसार पहचाना जाता है।

सेवा के अन्य श्रेणियों के संबंध में सेवा प्रदान करने के बाद राजस्व मान्यता प्राप्त है।

(xi) ब्याज आय

प्रभावी ब्याज दर विधि का उपयोग करके ब्याज आय को

(xii) लाभांश आय

लाभांश आय मान्यता प्राप्त है जब भुगतान प्राप्त करने के लिए कंपनी का अधिकार स्थापित होता है।

(xiii) किराये की आय

पट्टों के परिचालन से होने वाली किराये की आय का आंकलन पट्टे की अवधि पर एक सीधी रेखा के आधार पर होता है, जब तक भाड़े में वृद्धि अपेक्षित मुद्रास्फीति के अनुरूप नहीं होती है या अन्यथा उचित होती है।

(xiv) ड्यूटी कमियां

निर्यात पर ड्यूटी कमोडिटी दावों का हिसाब दावों को पसंद करने के संबंध में है।

(xv) अन्य आय

विशेष रूप से ऊपर उल्लिखित न किए जाने वाले अन्य आय संचय के आधार पर मायता प्राप्त है।

6. संपत्ति, संयंत्र और उपकरण, कार्य प्रगति पूंजी

संपत्ति, संयंत्र और उपकरण शुरू में लागत पर मापा जाता है और बाद में लागत कम संचित अवमूल्यन और संचयी हानि के घाटे में, यदि कोई हो इस उद्देश्य के लिए लागत में परिसंपत्ति को उसके स्थान और स्थिति में लाने के लिए सभी विशेष कारण शामिल हैं। यदि किसी प्रावधान के लिए मान्यता मानदंडों को पूरा किया जाता है, तो इसके उपयोग के बाद संपत्ति के डीकमिशनिंग के लिए अपेक्षित लागत का वर्तमान मूल्य संबंधित परिसंपत्ति की लागत में शामिल किया गया है।

प्रत्येक बैलेंस शीट की तारीख के अनुसार नियत परिसंपत्तियों की लागत उनके इच्छित उपयोग के लिए तैयार नहीं है, यह पूंजी कार्य-प्रगति के रूप में प्रकट की जाती है।

पूंजीगत कार्य-प्रगति में बैलेंस शीट की तारीख के अनुसार आपूर्ति-कम-निर्माण अनुबंध साइट पर प्राप्त पूंजीगत आपूर्ति का मूल्य और स्वीकृत, पारगमन में पूंजीगत सामान और निरीक्षण के अधीन और संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की लागत जो अभी तक उनके इच्छित उपयोग के लिए तैयार नहीं हैं शामिल हैं ।

7. अमूर्त संपत्ति, विकास के तहत अमूर्त संपत्ति

आंतरिक उपयोग के लिए अर्जित सॉफ्टवेयर की लागत (जो संबंधित हार्डवेयर का एक अभिन्न हिस्सा नहीं है) और महत्वपूर्ण भविष्य के आर्थिक लाभों का परिणाम है, खातों की पुस्तकों में एक अमूर्त संपत्ति के रूप में पहचाना जाता है जब वह उपयोग के लिए तैयार होता है अमूर्त संपत्ति जो कि बैलेंस शीट की तारीख के रूप में उनके इच्छित उपयोग के लिए अभी तक तैयार नहीं हैं, उन्हें "विकास के तहत अमूर्त संपत्ति" के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

विकास योग्य कार्य की लागत, जो भी पूरा हो, जहां भी योग्य है, एक अमूर्त संपत्ति के रूप में मान्यता प्राप्त है।

प्रगति के तहत विकास कार्य की लागत, जहां भी योग्य है, को "विकास के तहत अमूर्त संपत्ति" के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

वहित राशि में कंपनी द्वारा वित्तीय संस्थाओं को विकास परियोजनाओं और सामग्री लागत, कर्मचारी लागत और अन्य प्रत्यक्ष व्यय के लिए खर्च किए गए व्यय के लिए वित्तपोषित राशि शामिल है।

8. मूल्यह्रास / परिशोधन

संपत्ति की अनुमानित उपयोगी जीवन पर मूल्यह्रास की गणना सीधी रेखा के आधार पर की जाती है। कंपनी, तकनीकी आकलन के आधार पर, कंपनी अधिनियम, 2013 के लिए अनुसूची 2 में निर्धारित उपयुक्त जीवन से अलग अनुमानित जीवन से अधिक अलग अलग इमारतों, पौधों और उपकरणों और अन्य परिसंपत्ति वर्गों की कुछ वस्तुओं को कम करती है। प्रबंधन का मानना है कि ये अनुमानित उपयोगी जीवन यथार्थवादी हैं और उस अवधि के निष्पक्ष अनुमान को प्रतिबिंबित करते हैं जिन पर संपत्ति का इस्तेमाल होने की संभावना है।

जहां परिसंपत्ति के एक हिस्से की लागत परिसंपत्ति की कुल लागत के लिए महत्वपूर्ण है और उस हिस्से की अनुमानित उपयोगी जीवन शेष परिसंपत्ति की अनुमानित उपयोगी जीवन से अलग है, उस महत्वपूर्ण भाग के अनुमानित उपयोगी जीवन को अलग से निर्धारित किया जाता है और महत्वपूर्ण हिस्सा अपने अनुमानित उपयोगी जीवन के आधार पर सीधे-रेखा के आधार पर कियाजाता है।

अवशिष्ट मूल्य, उपयोगी जीवन और संपत्ति, संयंत्रऔर उपकरणों के मूल्यह्रास की विधियों की समीक्षा प्रत्येक वित्तीय वर्ष के अंत में की जाती है और यदि उपयुक्त हो तो संभावित रूप से समायोजित किया जाता है।

अमूर्त संपत्तियां अपने व्यक्तिगत अनुमानित उपयोगी जीवन से सीधी रेखा के आधार पर परिमाण की जाती हैं, जो उस तिथि से होती हैं, जो वे उपयोग के लिए उपलब्ध हैं। अवशिष्ट मूल्य, उपयोगी जीवन और परिशोधन के तरीकों की समीक्षा प्रत्येक वित्तीय वर्ष के अंत में समय-समय पर की जाती है।

9. संपत्ति, संयंत्र और उपकरण का निपटान

संपत्ति, संयंत्रऔर उपकरण और प्रारंभिक रूप से मान्यता प्राप्त किसी भी महत्वपूर्ण हिस्से की एक वस्तु निपटान पर मान्यता प्राप्त है या जब इसके उपयोग या निपटान से भविष्य के किसी भी आर्थिक लाभ की उम्मीद नहीं की जाती है। परिसंपत्ति की मान्यता के मुताबिक किसी भी लाभ या हानि का आकलन किया जाता है (परिसंपत्ति का निपटान करने वाली राशि और परिसंपत्ति की वहन राशि के बीच के अंतर के रूप में गणना की जाती है) लाभ और हानि के बयान में शामिल है जब परिसंपत्ति को अस्वीकृत किया जाता है।

10. अनुसंधान और विकास व्यय

(i) अनुसंधान गतिविधि पर व्यय को उसके खर्चे की अवधि के दौरान एक व्यय के रूप में पहचाना जाता है ।

(ii) विकास व्यय (ग्राहक के अनुरोध पर शुरू किए गए विशिष्ट विकास-से-बिक्री अनुबंध और विकास संबंधी परियोजनाओं के अलावा), खर्च किए जाने पर व्यय के रूप में लिया जाता है। विकास-सह-बिक्री अनुबंधों और विकास संबंधी परियोजनाएं जो, ग्राहक के अनुरोध पर शुरू किए जाते हैं पर विकास संबंधी व्यय, अन्य बिक्री अनुबंधों के समान माने जाते हैं।

संयुक्त विकास परियोजनाओं के संबंध में किए गए विकास व्यय, जो विकास साझेदार द्वारा पूरी तरह से प्रतिपूर्ति नहीं किए गए हैं आगे ले जाया जाते है जहां कंपनी को उत्पादन एजेंसी के रूप में नामित किया गया है और भविष्य के आर्थिक लाभ की उम्मीद है।

जहां ऐसी विकास परियोजनाएं ग्राहक आदेश में फलित नहीं होतीं, इस तरह के परियोजनाओं के संबंध में बुक किए गए कुल व्यय को बंद कर दिया जाता है, जो परियोजना बंद है।

(iii) अन्य विकास कार्यों से संबंधित व्यय (बाहरी एजेंसियों के सहयोग के साथ संयुक्त विकास कार्य सहित) जहा अनुसंधान परिणाम एवं अन्य ज्ञान) को नये एवं उन्नत उत्पादों या प्रक्रियाओं के विकास के लिए उपयोग किया गया हो को अमूर्त संपत्ति के रूप में मान्यता दिया जाता है यदि आईएनडी एएस38 में दिए मान्यता मानदंडों के अनुरूप हो और जब यह उम्मीद किया जाता है कि विकसित उत्पाद या प्रक्रिया तकनीकी एवं वानिज्यक रूप में उपयोगी होगा, कंपनी के पास इसको पूर्ण रूप से विकसित कर इस अमूर्त संपत्ति को उपयोग करने या बिक्री करने के लिए पर्याप्त संसाधन है और वह उत्पाद या प्रक्रिया से पारस्परिक लाभ होने की संभावना है।

(iv) ग्राहक से उद्धरण के लिए अनुरोध के आधार परन लागत न प्रतिबद्धता (एनसीएनसी) परीक्षणों में भाग लेने के लिए विकास संबंधी परियोजनाओं पर किए गए खर्च परीक्षणों के समापन तक आगे किए जाते हैं और प्राप्त होने वाले आदेशों पर परिशोधित कर दिए जाएंगे। यदि ग्राहक का आदेश आगामी नहीं है या परियोजना समाप्त हो जाता है तो इसके उपयोग से अधिक आर्थिक लाभ की उम्मीद की जाती है तो राशि का उपयोग पूंजीकृत हो जाएगा या शुल्क बंद किया जाएगा।

11. तकनीकी जानकारियों पर व्यय

तकनीकी जानकारियों पर किए गए व्यय को खर्च उठाने के बाद लाभ और हानि विवरण के लिए शुल्क लिया जाता है जब तक कि यह अलग से स्वयं या अन्य परिसंपत्तियों / व्ययों के साथ संयोजन पर एक अमूर्त संपत्ति के रूप में मान्यता के लिए उत्तीर्ण नहीं हो जाता है।

12. निवेश संपत्ति

निवेश संपत्तियों को प्रारंभ में लेनदेन लागत सहित लागत पर मापा जाता है। प्रारंभिक मान्यता के बाद निवेश संपत्तियों को लागत कम संचित अवमूल्यन और संचित हानि के नुकसान, यदि कोई हो, पर मापा जाता है।

13. गैर-वित्तीय परिसंपत्तियों की हानि

कंपनी प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि पर यह मूल्यांकन करती है कि क्या कोई परिसंपत्ति कमजोर होने के कोई संकेत है। अगर कोई संकेत मौजूद है, या जब परिसंपत्ति के लिए वार्षिक हानि जांच की आवश्यकता होती है, तो कंपनी संपत्ति की वसूली योग्य राशि का अनुमान लगाती है। एक परिसंपत्ति की वसूली योग्य राशि उसे माना जाता है जो परिसंपत्ति या नकद-पैदा करने वाली यूनिट (सीजीयू) के उचित मूल्य कम उसके निपटान लागत और उपयोग के दौरान उसके मूल्य से जो भी अधिक हो। एक व्यक्तिगत परिसंपत्ति के लिए पुनर्प्राप्ति योग्य राशि

निर्धारित की जाती है जब तक कि परिसंपत्ति द्वारा उत्पन्न नकदी प्रवाह अन्य परिसंपत्तियों या संपत्ति के समूह से उत्पन्न नकदी प्रवाह से अधिकतर स्वतंत्र नही है। जब किसी परिसंपत्ति या सीसीयू की वहन राशि इसकी वसूली योग्य राशि से अधिक हो जाती है, तो परिसंपत्ति को कमजोर माना जाता है और इसको वसूली योग्य राशि में लिखा जाता है।

उपयोग के दौरान मूल्य का आकलन करने में अनुमानित भविष्य के नकदी प्रवाह को उस समय प्रचलित बाज़ार मूल्यांकन को प्रतिबिंबित करने वाले, राशि का मूल्य, और परिसंपत्ति के विशेष जोखिम के साथ उसका उचित मूल्य कम निपटान लागत निर्धारित कर पूर्व कर छूट दरों का उपयोग करके उनके वर्तमान मूल्य को भुनाये जाते है।

हानि के प्रावधान का उत्थान तब किया जाता है जब किसी परिसंपत्ति या कैश जनरेटिंग यूनिट (सीजीयू) की अनुमानित सेवा क्षमता में उस संपत्ति के लिए हानि का आखिरी बार मान्यता प्राप्त तारीख के बाद हुई पुनर्मूल्यांकनसे यह निर्धारित हो कि उपयोग या बिक्री से उसके मूल्य में वृद्धि हुई है।

14. पट्टों

पट्टे को उसकी प्रारंभिक तिथि पर उसे वित्त या प्रचालन पट्टा के रूप में वर्गीकृत की जाती है।

(i) **कंपनी को पट्टेदार के रूप में**

वित्त पट्टों को उनकी उचित मूल्य या पट्टे के प्रारंभ पर न्यूनतम पट्टा भुगतान के वर्तमान मूल्यमें से कम पर पूंजीकृत किया जाता है ।

ऑपरेटिंग लीज भुगतान को पट्टा अवधि पर सीधे-सीधे आधार पर लाभ और हानि के विवरण में एक खर्चे के रूप में पहचाना जाता है, सिवाय जब लीज भुगतान सामान्य मुद्रास्फीति के अनुसार बढ़ा है या अन्यथा उचित है।

(ii) **कंपनी को एक लीसर के रूप में**

ऑपरेटिंग लीज आय लीज़ टर्म पर सीधे रेखा के आधार पर मान्यता प्राप्त है, सिवाय इसके कि जब सामान्य मुद्रास्फीति या अन्यथा उचित होने की वजह से वृद्धि होती है। आकस्मिक किराए, अगर कोई हो, की अवधि में राजस्व के रूप में पहचाना जाता है जिसमें वे अर्जित किए जाते हैं।

वित्त पट्टे के मामले में, पट्टेदारों के मुकाबले राशि, प्राप्य के रूप में दर्ज की जाती है क्योंकि पट्टे पर कंपनी का शुद्ध निवेश। वित्त पट्टा आय लेखा अवधि के लिए आवंटित की जाती है ताकि पट्टे के संबंध में बकाया शुद्ध निवेश पर रिटर्न की लगातार आवधिक दर को दर्शाया जा सके।

15. उधार लेने की लागत

ऐसी परिसंपत्ति जिसके इच्छित उपयोग या बिक्री हेतु तैयारी में पर्याप्त समय लग रहा हों के अधिग्रहण, निर्माण या उत्पादन के लिए प्रत्यक्ष रूप से उधार लेने वाली लागत को उस परिसंपत्ति की लागत के हिस्से में पूंजीकृत किया जाता है। सामान्य उधार लेने की लागत को योग्य परिसंपत्तियों में उस संपत्ति पर व्यय के लिए पूंजीकरण दर को लागू करके पूंजीकृत किया जाता है। पूंजीकरण दर विशिष्ट उधारों को छोडकर सामान्य उधार के लिए लागू उधार लेने की लागत का भारित औसत है। अन्यसभी उधार लेने की लागत संबंधित अवधि में लिए जाते है। एक इकाई द्वारा धन उदार लेने पर लागु ब्याज और अन्य लागतें उधार व्यय माने जाते है। उधार लेने की लागतों को समायोजन के रूप में माना जाने वाले हद तक विनिमय अंतर भी उधार लेने की लागत में शामिल किए जाते है।

16. सरकारी अनुदान

सरकार से अनुदान उचित मूल्य पर मापा जाता है और शुरू में निर्धारित आय के रूप में मान्यता प्राप्त है।

अचल आस्थि के अधिग्रहण के कारण आस्तगित आय में उपलब्ध राशि को संबंधित आस्थि का ह्रास मूल्य के अनुपात में अधिग्रहण के लिए उपयोग किए जाने वाले सरकारी अनुदानों तक सीमित करते हुए लाभ और हानि विवरण में स्थानांतरित किया जाता है।

राजस्व व्यय के कारण आस्तगित आय में उपलब्ध राशि को कुल मंजूर लागत और निधीकरण के अनुपात अनुमान के अनुसार व्यय और सरकारी अनुदान तक सीमित रखते हुए वहित लाभ और हानि विवरण में स्थानांतरित किया जाता है।

17. वस्तु सूचियां

प्रयोज्य रद्दी को छोडकर कंपनी के सभी वस्तु सूचियां मूल्य या निवल वसूली योग्य मूल्य में से कम पर मूल्यित किए जाते है। रद्दी अनुमानित निवल प्राप्य मूल्य पर मूल्यित किया जाता है। सामग्री की

लागत का भारित औसत लागत सूत्र का उपयोग करके पता लगाया जाता है।

कार्य प्रगति और तैयार माल की लागत में सामग्री, प्रत्यक्ष श्रम और उपयुक्त उपरी प्रभार शामिल हैं। कारखानों में तैयार किए गए सामानों में लागू उत्पाद शुल्क शामिल है। वस्तु सूचियों के लिए पर्याप्त प्रावधान किया जाता है जो पांच वर्ष से अधिक पुराना हो, जो आगे उपयोग के लिए आवश्यक नहीं हो सकता है।

18. आय कर

आयकर में मौजूदा और स्थगित कर शामिल हैं।

(i) **वर्तमानआय कर**

वर्तमान कर परिसंपत्तियां और देनदारियां कराधान प्रधिकारियों से अपेक्षित वसूली की या भुगतान की राशि पर मापे जाते है।

राशि की गणना करने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली कर की दरें और कर कानून उन रिपोर्टिंग तारीखों पर अधिनियमित या मूल रूप से अधिनियमित होते हैं। इक्विटी में सीधे मान्यता प्राप्त वस्तुओं से संबंधित वर्तमान कर इक्विटी में मान्यता प्राप्त है और लाभ और हानि के विवरण में नहीं।

(ii) **आस्थगित कर**

आस्थगित कर रिपोर्टिंग तिथि पर वित्तीय रिपोर्टिंग प्रयोजनों के लिए परिसंपत्तियों और देनदारियों के कर आधारों के बीच अस्थायी अंतर और उनकी आगे लाई गई राशि के साथ बैलेंस शीट विधि का उपयोग करके प्रदान किया जाता है।

आस्थगित कर संपत्ति सभी घटाया अस्थायी अंतर, आगे लाए गए अप्रयुक्त कर क्रेडिट, और किसी भी अप्रयुक्त कर हानियों के लिए मान्यता प्राप्त है उस सीमा तक यह संभव है कि कर योग्य लाभ उपलब्ध होगा, जिसके साथ कम से कम अस्थायी अंतर का उपयोग किया जा सकता है।

आस्थगित कर परिसंपत्तियों की मात्रा प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि पर समीक्षा की जाती है और इस हद तक कम हो जाती है कि यह अब संभव नहीं है कि आस्थगित कर संपत्ति के सभी या हिस्से का उपयोग करने के लिए पर्याप्त कर योग्य लाभ उपलब्ध होगा।

19. वारंटियों के लिए प्रावधान

निष्पादन की गारंटी और प्रति सामान / बेची गई वस्तुओं की मरम्मत के कारण व्यय का प्रावधान प्रवृत्ति आधारित अनुमानों के आधार पर किया जाता है।

20. विदेशी मुद्राएं

विदेशी मुद्राओं में लेन-देन शुरू में कंपनी द्वारा अपने संबंधित मुद्रा विनिमय दरों पर लेन-देन को पहले मान्यता के लिए उत्तीर्ण करने के लिए दर्ज किया जाता है। रिपोर्टिंग तिथि पर कार्यात्मक मुद्रा विनिमय दर में विदेशी मुद्राओं में निहित मौद्रिक संपत्ति और देनदारियों का अनुवाद किया जाता है मौद्रिक वस्तुओं के निपटान या अनुवाद पर होने वाले अंतर लाभ और हानि विवरण में पहचाने जाते हैं। गैर-मौद्रिक आइटम जो कि विदेशी मुद्रा में ऐतिहासिक लागत के अनुसार मापा जाता है, प्रारंभिक लेन-देन की तारीखों पर कार्यात्मक मुद्रा विनिमय दर का उपयोग करके अनुवाद किया जाता है।

21. कर्मचारी लाभ

(i) संबंधित सेवाओं को प्रतिपादन के लिए पूरी तरह से बारह महीनों के भीतर देय सभी कर्मचारी लाभ अल्पावधि कर्मचारी लाभ के रूप में वर्गीकृत किए जाते हैं और उनमे मुख्य रूप से शामिल हैं (क) मजदूरी और वेतन; (ख) अनुपस्थिति की अल्पकालिक मुआवजे; (ग) लाभ-शेयरिंग, प्रोत्साहन और बोनस और (घ) गैर-मौद्रिक लाभ जैसे कि चिकित्सा देखभाल, सब्सिडी वाले परिवहन, कैंटीन सुविधाएं आदि, जो कि गैर बुनावट आधार पर निर्धारित है और संबंधित सेवाओं की अवधि के दौरान मान्यता प्राप्त है।

(ii) दीर्घावधिक मुआवजा अनुपलब्धता जैसे कि वार्षिक छुट्टी, सिक लीव और आधा वेतन छुट्टी निर्धारित वार्षिक दायित्व के वर्तमान मूल्य के आधार पर अनुमानित आधार के आधार पर निर्धारित होता है, जो अनुमानित यूनिट क्रेडिट विधि का उपयोग करते हैं और बैलेंस शीट में निहित प्रावधान का।

(iii) दीर्घावधिक मुआवजा अनुपलब्धता जैसे कि वार्षिक छुट्टी, सिक लीव और आधा वेतन छुट्टी निर्धारित वार्षिक दायित्व के वर्तमान मूल्य के आधार पर अनुमानित आधार के आधार पर

निर्धारित होता है, जो अनुमानित यूनिट क्रेडिट विधि का उपयोग करते हैं और बैलेंस शीट में निहित प्रावधान का।

(iv) बीईएल सेवानिवृत्त कर्मचारी अंशदायी स्वास्थ्य योजना (बीईआरईसीएचएस) के तहत वृद्धिशील दायित्व, प्रति वर्ष अनुमानित यूनिट क्रेडिट विधि का उपयोग करके बीमित वर्ग के आधार पर निर्धारित किया जाता है और इसके लिए प्रदान किया जाता है।

(v) प्रत्येक वर्ष जनवरी के अंत में कर्मचारियों के संदर्भ में वर्ष के लिए बीमांकिक देयता निर्धारित की जाती है।

(vi) बीमांकिक लाभ और हानि और योजना की परिसंपत्तियों (ब्याज को छोड़कर) पर रिटर्न और संपत्ति की अधिकतम सीमा का प्रभाव (यदि कोई हो, ब्याज को छोड़कर), अन्य व्यापक आय (ओसीआई) में तुरंत मान्यता प्राप्त है। शुद्ध परिभाषित देयता (परिसंपत्तियों) पर शुद्ध ब्याज व्यय की गणना की गई छूट दर लागू करने के लिए, शुद्ध परिभाषित देयता (परिसंपत्ति) को मापने के लिए, निर्धारित अवधि के बाद वित्तीय वर्ष की शुरुआत में शुद्ध परिभाषित देयता (संपत्ति) वर्ष के दौरान योगदान और लाभ भुगतान के परिणामस्वरूप किसी भी परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए निवल ब्याज व्यय और परिभाषित लाभ योजना से संबंधित अन्यव्यय लाभ और हानि के वक्तव्य में पहचाने जाते हैं।

जब किसी योजना का लाभ बदल जाता है या जब कोई योजना कम हो जाती है, तो पिछली सेवा से संबंधित लाभ में परिणामी परिवर्तन या कटौती पर लाभ या हानि लाभ और हानि के वक्त में तुरंत पहचान की जाती है।

(vii) स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लाभों का भुगतान होने पर आय पर राजस्व का भुगतान किया जाता है।

(viii) निश्चित अंशदान योजना

कंपनी अपने कर्मचारियों के लिए कर्मचारी पेंशन योजना और अधिशेष पेंशन योजना संचालित करती है जिन्हें परिभाषित योगदान योजना के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। परिभाषित योगदान योजनाओं के लिए, कंपनी कर्मचारियों के वेतन के एक निश्चित प्रतिशत पर स्वतंत्र रूप से प्रशासित निधि में योगदान देता है। इन योगदानों को लाभ और हानि के बयान में दर्ज किया गया है। कंपनी की देनदारी इन फंडों के लिए किए गए योगदान की सीमा तक ही सीमित है ।

22. प्रावधान और आकस्मिक देयताएं

पिछली घटना के परिणामस्वरूप कंपनी की वर्तमान दायित्व (कानूनी या रचनात्मक) होने पर प्रावधानों को मान्यता दी जाती है, यह संभावित है कि आर्थिक लाभों में शामिल संसाधनों का बहिर्वाह को दायित्व को व्यवस्थित करने के लिए आवश्यक होगा और एक विश्वसनीय अनुमान बनाया जा सकता है दायित्व की राशि जब कंपनी को कुछ या सभी प्रावधानों की प्रतिपूर्ति की उम्मीद है, उदाहरण के लिए, बीमा अनुबंध के तहत, प्रतिपूर्ति एक अलग संपत्ति के रूप में मान्यता प्राप्त है, लेकिन केवल जब प्रतिपूर्ति लगभग निश्चित है। प्रावधान से संबंधित व्यय किसी भी प्रतिपूर्ति के मुनाफे और हानि के विवरण में प्रस्तुत किया गया है।

कंस्ट्रक्शन अनुबंधों के अलावा अन्य कई ठेके के लिए प्रावधान किया जाता है, जब संविदा से कंपनी द्वारा प्राप्त होने वाले अपेक्षित लाभ संविदा के तहत अपने दायित्वों को पूरा करने की अपरिहार्य लागत से कम होते हैं। प्रावधान ठेका समाप्त होने की उम्मीद की लागत के नीचे के वर्तमान मूल्य और अनुबंध के साथ जारी रखने की उम्मीद की शुद्ध लागत से मापा जाता है। एक प्रावधान स्थापित होने से पहले, कंपनी उस अनुबंध से जुड़ी परिसंपत्तियों पर कोई हानि हानि पहचानती है।

यदि धन के समय मूल्य का प्रभाव सामग्री है, प्रावधान मौजूदा कर-दर की दर का उपयोग करके छूट दी जाती है जो दर्शाता है, जब उपयुक्त हो, तो दायित्व के लिए विशिष्ट जोखिम। जब छूट का उपयोग किया जाता है, समय के पारित होने के कारण प्रावधान में वृद्धि वित्त लागत के रूप में मान्यता प्राप्त है।

23. नकद प्रवाह विवरण

नकद प्रवाह का विवरण आईएनडी एएस 7 में निर्धारित अप्रत्यक्ष विधियों के अनुसार तैयार किया गया है।

24. उचित मूल्य मापन

कंपनी कुछ वित्तीय साधनों को उपार्जन करती है, जैसे कि डेरिवेटिव और अन्य आइटम्स जिसमें प्रत्येक बैलेंस शीट की तारीख पर उचित वक्तव्य में वित्तीय वक्तव्य होते हैं।

सभी संपत्तियां और देनदारियों जिसके लिए उचित मूल्य को वित्तीय विवरणों में मापा या खुलासा किया गया है, वे निम्नतम स्तर इनपुट के आधार पर उचित मूल्य पदानुक्रम के भीतर वर्गीकृत किए जाते हैं जो पूरे के रूप में उचित मूल्य माप के लिए महत्वपूर्ण है -

स्तर 1 - समान संपत्ति या देनदारियों के लिए सक्रिय बाजारों में उद्धृत कीमतों (बिना समायोजित)।

स्तर 2 - उद्धृत कीमतों के अलावा अन्य 1 इनपुट के भीतर शामिल है जो परिसंपत्ति या दायित्व के लिए प्रत्यक्ष रूप से देखा जाता है, या तो सीधे (जैसे कि कीमतों के रूप में) या अप्रत्यक्ष रूप से (अर्थात कीमतों से व्युत्पन)

स्तर 3 - परिसंपत्तियों या देनदारियों के लिए इनपुट, जो कि अवलोकन योग्य बाज़ार डेटा (अप्रभावित इनपुट) पर आधारित नहीं हैं।

25. वित्तीय परिसंपत्तियां

(i) **प्रारंभिक मान्यता और मापन**

सभी वित्तीय परिसंपत्तियां शुरू में उचित मूल्य पर मान्यता प्राप्त हैं वित्तीय परिसंपत्तियों के मामले में उचित मूल्य पर लाभ या हानि के माध्यम से दर्ज नहीं किया जाता है, लेनदेन की लागत वित्तीय परिसंपत्ति के अधिग्रहण के कारण होती है जो परिसंपत्ति की लागत में शामिल होती है।

(ii) **बाद के मापन**

बाद के माप के उद्देश्यों के लिए, वित्तीय परिसंपत्तियों को चार श्रेणियों में वर्गीकृत किया जाता है:

- परिमाणीकृत लागत पर मापा ऋण साधन,
- अन्य व्यापक आय (एफवीटीओसीआई) के माध्यम से उचित मूल्य पर मापा ऋण साधन,
- लाभ या हानि (एफवीटीपीएल) के माध्यम से उचित मूल्य पर मापा ऋण साधन, डेरिवेटिव और इक्विटी इंस्ट्रूमेंट्स,
- अन्य व्यापक आय (एफवीटीओसीआई) के माध्यम से उचित मूल्य पर मापा इक्विटी उपकरणों।

(iii) **डीरिकग्निशन**

किसी वित्तीय परिसंपत्ति या किसी वित्तीय परिसंपत्ति का हिस्सा अस्वीकृत हो जाता है, जब परिसंपत्ति से नकदी प्रवाह प्राप्त करने के अधिकार की समय सीमा समाप्त हो गई है।

(iv) **व्यापार और अन्य प्राप्य**

प्राप्य प्रारम्भ में उचित मूल्य पर पहचाना जाता है, जो ज्यादातर मामलों में मामूली मूल्य का अनुमान लगाता है। अगर कोई भी संकेत है कि उन संपत्तियों को कमजोर किया जा सकता है, तो वे हानि के लिए समीक्षा की जाती हैं।

26. अग्रेषित संविदा

कंपनी अपने विदेशी मुद्रा जोखिमों को हेज करने के लिए आगे की मुद्रा अनुबंधों जैसे व्युत्पन वित्तीय साधनों का उपयोग करती है। इस तरह के व्युत्पन वित्तीय साधनों की शुरुआत उस तारीख को उचित मूल्य पर की जाती है जिस पर एक व्युत्पन अनुबंध दर्ज किया जाता है और बाद में उचित मूल्य पर फिर से मापा जाता है। डेरिवेटिव को वित्तीय संपत्ति के रूप में लिया जाता है जब उचित मूल्य सकारात्मक होता है और वित्तीय देनदारियों के रूप में उचित मूल्य नकारात्मक होता है।

27. एम्बेडेड व्युत्पन

एम्बेडेड व्युत्पन, यदि आवश्यक हो, मेजबान अनुबंध से अलग होकर उचित मूल्य पर मापा जाता है।

28. नकद और नकद समतुल्य

नकद में नकदी के हाथ और मांग जमा शामिल हैं नकद समतुल्य तीन महीने या उससे कम की मूल परिपक्वता के साथ अल्पकालिक अत्यधिक तरल निवेश है जो नकदी की ज्ञात मात्रा में आसानी से परिवर्तनीय है, जो कि मूल्य में परिवर्तन का एक तुच्छ जोखिम है।

बैंक ओवरड्राफ्ट, यदि कोई हो, बैलेंस शीट में वर्तमान देनदारियों के तहत उधार के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

29. वित्तीय परिसंपत्तियों की हानि

इंड-एएस 109 के मुताबिक, कंपनी अनुमानित क्रेडिट हानि (ईसीएल) मॉडल को मापने और क्रेडिट जोखिम जोखिम वाले वित्तीय परिसंपत्तियों पर हानि की हानि की पहचान करती है।

क) समय पर सरकारी / सरकारी विभागों / सरकारी कंपनियों से बकाया राशि को सामान्य तौर पर ऐसे वित्तीय परिसंपत्तियों के क्रेडिट जोखिम में वृद्धि के रूप में नहीं माना जाता है।

ख) कानूनी कार्यवाही में जहां देय राशि विवादित होती है, वहां प्रावधान किया जाता है अगर कोई निर्णय कंपनी के खिलाफ दिया जाता है, भले ही वह उच्च अधिकारियों / न्यायालयों के लिए अपील पर हो।

ग) समय की महत्वपूर्ण अवधि के लिए बकाया बकाया की समीक्षा की जाती है और केस के आधार पर मामले पर प्रावधान किया जाता है।

हानि भत्ता (या उत्क्रमण) लाभ / हानि के बयान में व्यय / आय के रूप में पहचाना जाता है।

30. वित्तीय देयताएं

(i) प्रारंभिक मान्यता और मापन

वित्तीय देनदारियों को प्रारंभिक रूप से, जैसा उपयुक्त हो, ऋण, उधार, देनदार या डेरिवेटिव के रूप में लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर वर्गीकृत किया जाता है ।

ऋण, उधार और देनदारी, लेनदेन लागत का शुद्ध कहा जाता है जो उनसे प्रत्यक्ष रूप से श्रेय देते हैं।

(ii) **बाद के मापन**

वित्तीय देनदारियों का माप उनके वर्गीकरण पर निर्भर करता है, जैसा कि नीचे वर्णित है -

लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर वित्तीय देयताएं -

लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर वित्तीय देनदारियों में लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य के रूप में प्रारंभिक मान्यता पर दी गई वित्तीय देयताएं शामिल हैं। इस श्रेणी में कंपनी द्वारा दर्ज डेरिवेटिव फाइनेंशियल इंस्ट्रूमेंट्स भी शामिल हैं, जिन्हें इंड-एएस 109 में परिभाषित हेजिंग रिजर्व में हेजिंग इंस्ट्रूमेंट के रूप में निर्दिष्ट नहीं किया गया है। अलग-अलग एम्बेडेड डेरिवेटिव्स को भी व्यापार के लिए आयोजित किया जाता है, जब तक उन्हें प्रभावी हेजिंग इंस्ट्रूमेंट नहीं कहा जाता है। लाभ और हानि के बयान में व्यापार के लिए रखी गई देयताओं पर लाभ या हानि पहचाने जाते हैं।

(iii) **ऋण और उधार**

प्रारंभिक मान्यता के बाद, प्रभावी ब्याज दर पद्धति (ईआईआर) का उपयोग करते हुए ब्याज-आधारित ऋण और उधार को परिशोधित लागत पर मापा जाता है। लाभ और हानि को लाभ या हानि के रूप में पहचाना जाता है जब देनदारियों को मान्यता दी जाती है और साथ ही ईआईआर परिशोधन प्रक्रिया के माध्यम से।

देनदारी के तहत दायित्व का निर्वहन या रद्द या समाप्त होने पर वित्तीय देयता को मान्यता दी जाती है।

(iv) व्यापार और अन्य भुगतान

देयताएं भविष्य में माल या सेवाओं के लिए भुगतान की गई राशि के लिए मान्यता प्राप्त हैं, चाहे वे आपूर्तिकर्ता द्वारा बिल किए गए हों या नहीं.

31. वित्तीय साधनों का पुनः वर्गीकरण

कंपनी प्रारंभिक मान्यता पर वित्तीय संपत्तियों और देनदारियों का वर्गीकरण निर्धारित करती है। प्रारंभिक मान्यता के बाद, वित्तीय परिसंपत्तियों के लिए कोई पुनर्वितरण नहीं किया जाता है जो इक्विटी उपकरण और वित्तीय देनदारियां हैं। वित्तीय साधनों के लिए जो ऋण के साधन हैं, एक पुनर्वैच्छिकरण केवल तभी किया जाता है जब उन परिसंपत्तियों के प्रबंधन के लिए व्यापार मॉडल में बदलाव होता है अगर कंपनी वित्तीय परिसंपत्तियों को पुनर्व्यवस्थित करती है, तो यह पुनर्विकरण पर संभावित रूप से लागू होता है।

32. वित्तीय प्रलेखों का ऑफसेटिंग

वित्तीय परिसंपत्तियों और वित्तीय देयताएँ ऑफसेट हैं और तुलन-पत्र में शुद्ध राशि की सूचना दी जाती है यदि वर्तमान में मान्यता प्राप्त राशियों को ऑफसेट करने का अधिकार है और निवल आधार पर समझौता करने, संपत्ति का एहसास करने और देनदारियों का निपटान करने का इरादा है एक साथ।

33. इक्विटी धारकों को नकद लाभांश और गैर-नकद वितरण

कंपनी को इक्विटी धारकों को नकद या गैर नकद वितरण बनाने की जिम्मेदारी है जब वितरण अधिकृत है और वितरण कंपनी के विवेक पर अब नहीं है।

34. त्रुटियां और अनुमान

यदि भा.ले.मा. में परिवर्तन के कारण परिवर्तन की आवश्यकता होती है और वित्तीय विवरणों के उपयोगकर्ताओं को अधिक प्रासंगिक और विश्वसनीय जानकारी प्रदान करेगी तो कंपनी इसे लेखा नीतियों को संशोधित करती है। लेखा नीतियों में परिवर्तन पूर्वव्यापी रूप से लागू होते हैं ।

लेखा अनुमान में बदलाव, जिसके परिणामस्वरूप मान्यता प्राप्त परिसंपत्तियों या देयताएं की मात्रा में परिवर्तन या लाभ और हानि का ब्यौरा परिवर्तन की अवधि (ओं) में संभावित रूप से लागू किया जाता है।

भौतिक त्रुटियों की खोज से पिछली पूर्व अवधि की संपत्ति, देयताएं और इक्विटी की तुलनात्मक रूप से संशोधन की गई है, जिसमें त्रुटि की खोज की गई है। प्रस्तुत किए गए शुरुआती काल के शुरुआती शेष को भी पुनः विश्राम किया गया है।

35. प्रति शेयर अर्जन

कंपनी अपने साधारण शेयरों के लिए मूल एवं परिवर्तन प्रति शेयर अर्जन डेटा दर्शाती है। प्रति शेयर मूल आय की गणना कंपनी के साधारण इक्विटी धारकों के लिए लाभ या हानि को विभाजित करके सामान्य शेयरधारकों की भारित औसत संख्या द्वारा, उस समय के दौरान बकाया साधारण शेयरों से की जाती है, जो अपने शेयरों के लिए समायोजित होते हैं।

परिवर्तित प्रति शेयर अर्जत कमाई सामान्य इक्विटी धारकों के लिए मुनाफे या हानि का समायोजन करके और बकाया साधारण शेयरों की वेटेड औसत संख्या, सभी शेयरों के लिए समायोजित, सभी पतली संभावित साधारण शेयरों के प्रभावों के लिए निर्धारित करके निर्धारित की जाती है।

36. रिपोर्टिंग अवधि के बाद की घटनाएं

घटाओं को समायोजित करा ऐसी घटाएं हैं जो रिपोर्टिंग अवधि के अंत में मौजूद स्थितियों के आगे सबूत प्रदा करते हैं। इस मुद्दे के लिए प्राधिकरण से पहले वित्तीय विवरणों को इस तरह की घटाओं के लिए समायोजित किया जाता है।

गैर-समायोजा घटाएं ऐसी घटाएं हैं जो रिपोर्टिंग अवधि के अंत तक उठो वाली स्थिति के संकेतक हैं। रिपोर्टिंग की तारीख के बाद गैर-समायोजा कार्यक्रमों का हिसाब हीं किया गया है, लेकि h किया गया है।

37. समेकित वित्तीय विवरण के सिद्धांत

होल्डिंग कंपनी के वित्तीय विवरणों की अपनी सहायक कंपनियों के लेखापरीक्षित वित्तीय विवरणों और सहायक कंपनी के साथ मिलकर सभी को निकालने के बाद सभी संपत्ति, देनदारियों, आय और खर्चों को जोड़कर लाइन-बाय-लाइन आधार पर जोड़ा गया है इंट्रा समूह संतुलन और लेनदेन इक्विटी पद्धति का उपयोग करने के लिए सहयोगियों में ब्याज का हिसाब है। वे शुरू में लागत पर मायता प्राप्त हैं जिसमें लेनदेन लागत शामिल है प्रारंभिक मायता के बाद, समेकित वित्तीय विवरणों में ग्रुप के लाभ या हानि का हिस्सा और इक्विटी की अन्य व्यापक आय शामिल होती है, जो उस तिथि तक नहीं रह जाती जब तक महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं रह जाता।

भंडार के संबंध में दिखाए गए रकम में होल्डिंग कंपनी की बैलेंस शीट और उसके सहयोगी कंपनियों की प्रासंगिक वृद्धि में पिछली अधिग्रहण में वृद्धि के साथ-साथ प्रासंगिक रिजर्व की मात्रा और सहायक कंपनी की है ।

समेकित वित्तीय विवरणीयों को समान लेनदेन और इसी तरह की परिस्थितियों में अन्य घटनाओं के लिए समान लेखांकन नीतियों का उपयोग करके तैयार किया गया है और होल्डिंग कंपनी के वित्तीय विवरणीयों के समान है ।

सब्सिडियरी कंपनियों में कंपनी के अपने निवेश की अतिरिक्त लागत और सब्सिडियरी कंपनी की इक्विटी की हिस्सेदारी के मुताबिक सहायक कंपनी की हिस्सेदारी में निवेश को बढ़ाए जाने की तारीख को च्समेकन पर सद्भावनाछ के रूप में मायता दी गई है। समेकित वित्तीय वक्तव्यों वैकल्पिक रूप से, जहां सहायक कंपनियों में इक्विटी का हिस्सा और निवेश की तिथि के आधार पर सहायक कंपनी को नीचे ले जाना होल्डिंग कंपनी के निवेश से अधिक है, इसे च्पूंजीगत रिजर्वछ के रूप में मायता प्राप्त है और समेकित वित्तीय विवरणीयों में शीर्षक चरिजर्व और अधिशेष च के तहत दर्शाया गया है ।

यथा दिनांक रिपोर्ट के अनुसार संलग्न है ।

कृते **बदरी, मधुसूदन एंड श्रीनिवासन**
सनदी लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 005389एस

एस. राजेंद्रन
साझेदार
सदस्यता सं. 021883

बेंगलूर
29 मई 2017

एस वी गौतमा
अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक

डॉ. अजित कलघटगी
निदेशक (अनुसंधान एवं विकास)

कोशी अलेक्जाण्डर
मुख्य वित्तीय अधिकारी

एस श्रीनिवास
कंपनी सचिव

फार्म एओसी-I

भाग "क" - सहायक कंपनियाँ

(₹ लाख में)

क्र.सं.	विवरण		
1	संयुक्त उद्यम का नाम	बीईएल ऑप्ट्रॉनिक डिवाइसेस लिमिटेड	बीईएल थेलेस सिस्टम्स लिमिटेड
2	संबंधित सहायक कंपनी की समीक्षाधीन अवधि, यदि धारक कंपनी की समीक्षाधीन अवधि से अलग हो	लागू नहीं	लागू नहीं
3	विदेशी सहायक कंपनियों के मामले में संबंधित वित्तीय वर्ष को आलोच्य मुद्रा तथा विनिमय दर	लागू नहीं	लागू नहीं
4	शेयर पूँजी	5,923	5,762
5	प्रारक्षण एवं अधिशेष	10,136	(491)
6	कुल परिसंपत्तियाँ	46,060	5,546
7	कुल देयताएँ	30,002	276
8	निवेश	-	-
9	विक्रयावर्त	12,388	145
10	कराधान से पहले लाभ	857	(82)
11	कराधान का प्रावधान	375	-
12	कराधान के बाद लाभ	482	(82)
13	प्रस्तावित लाभांश	144	-
14	शेयरधारण का %	100%	74%
I	सहायक कंपनियाँ जिनका प्रचालन शुरु नहीं हुआ है, के नाम	लागू नहीं	लागू नहीं
II	वर्ष के दौरान सहायक कंपनियाँ जिनका समान या विक्रय किया गया है, के नाम	लागू नहीं	लागू नहीं

भाग "ख" - एसोसिएट और संयुक्त उद्यम

क्र.सं.	संयुक्त उद्यम का नाम	
1	नवीनतम लेखा परीक्षित तुलन-पत्र की तारीख	31 मार्च 2017
2	वर्षांत में कंपनी द्वारा धारित संयुक्त उद्यम के शेयर	
	संख्या	2,600,000
	संयुक्त उद्यम द्वारा निवेश राशि	260
	धारण की सीमा %	26%
3	उल्लेखनीय प्रभाव के होने संबंधी विवरण	मतदान अधिकार

क्र.सं.	संयुक्त उद्यम का नाम	
4	संयुक्त उद्यम के समेकित न होने का कारण	लागू नहीं
5	नवीनतम लेखा परीक्षित तुलन-पत्र के अनुसार शेयरधारण के कारण निवल मूल्य	18,387
6	वर्ष का लाभ / की हानि	
	i. समेकन में विचार किया गया	2,629
	ii. समेकन में विचार नहीं किया गया	-
I	सहायक कंपनियाँ जिनका प्रचालन शुरु नहीं हुआ है, के नाम	लागू नहीं
II	वर्ष के दौरान सहायक कंपनियाँ जिनका समान या विक्रय किया गया है, के नाम	लागू नहीं

यथा दिनांक रिपोर्ट के अनुसार संलग्न है ।

कृते **बदरी, मधुसूदन एंड श्रीनिवासन**
सनदी लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 005389एस

एस. राजेंद्रन
साझेदार
सदस्यता सं. 021883

बेंगलूर
29 मई 2017

एस वी गौतमा
अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक

डॉ. अजित कलघटगी
निदेशक (अनुसंधान एवं विकास)

कोशी अलेक्जाण्डर
मुख्य वित्तीय अधिकारी

एस श्रीनिवास
कंपनी सचिव

टिप्पणियाँ

टिप्पणियाँ

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स
BHARAT ELECTRONICS

एयरो इंडिया 2017

राष्ट्र के रक्षा बलों को सशक्त बनाने

नवरत्न रक्षा पीएसयू

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड

भारत सरकार का उद्यम

(सीआईएन - L32309KA1954GOI000787)

पंजीकृत एवं कार्पोरेट कार्यालय

आउटर रिंग रोड, नागवारा,

बेंगलूरु - 560 045

फ़ोन: +91 80 2503 9300 / 2503 9266

फैक्स: +91 80 2503 9233

ई-मेल: secretary@bel.co.in

वेबसाइट: www.bel-india.com